

## **License Information**

**Translation Notes (unfoldWord)** (Hindi) is based on: unfoldingWord® Translation Notes, [unfoldWord](#), 2022, which is licensed under a [CC BY-SA 4.0 license](#).

This PDF version is provided under the same license.

## Translation Notes (unfoldingWord)

### **1 कुरिन्थियों 1:1 (#1)**

"पौलुस"

इस संस्कृति में, पत्र के लेखक पहले अपना नाम देते थे और स्वयं का उल्लेख तीसरे व्यक्ति में करते थे। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप यहाँ पहले व्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं। या यदि आपकी भाषा में पत्र के लेखक को प्रस्तुत करने का एक विशेष तरीका है, और यदि यह आपके पाठकों के लिए सहायक होगा, तो आप इसे यहाँ उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "पौलुस की ओर से। मुझे"

देखें: प्रथम, द्वितीय या तृतीय पुरुष

### **1 कुरिन्थियों 1:1 (#2)**

"भाई सोस्थिनेस की ओर से"

"यह संकेत करता है कि पौलुस और कुरिन्थि के लोग दोनों सोस्थिनेस को जानते थे। वैकल्पिक अनुवाद: ""भाई जिसे आप और मैं दोनों जानते हैं""

देखें: नामों का अनुवाद कैसे करें

### **1 कुरिन्थियों 1:1 (#3)**

"परमेश्वर की इच्छा से"

यहाँ पौलुस परमेश्वर की इच्छा को व्यक्त करने के लिए स्वामित्व रूप का उपयोग करते हैं। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप इस वाक्यांश के पीछे के विचार को एक क्रियात्मक वाक्यांश के साथ व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "क्योंकि परमेश्वर ने यह चाहा"

देखें: स्वामित्व

### **1 कुरिन्थियों 1:1 (#4)**

"और सोस्थिनेस"

इस वाक्यांश का अर्थ है कि सोस्थिनेस पौलुस के साथ है, और पौलुस यह पत्र उन दोनों की ओर से लिखते हैं। इसका यह अर्थ नहीं है कि सोस्थिनेस वह शास्त्री था जिसने पत्र लिखा। इसका अर्थ यह भी नहीं है कि सोस्थिनेस ने पौलुस के साथ मिलकर पत्र लिखवाया था, क्योंकि पौलुस पत्र में प्रथम व्यक्ति एकवचन का अधिक उपयोग करते हैं बजाय प्रथम

व्यक्ति बहुवचन के। यदि आपकी भाषा में कोई तरीका है जिससे यह संकेत दिया जा सके कि पौलुस सोस्थिनेस की ओर से भी लिखते हैं, तो आप इसे यहाँ उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और मैं सोस्थिनेस की ओर से लिखता हूँ"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

### **1 कुरिन्थियों 1:1 (#5)**

"सोस्थिनेस"

सोस्थिनेस एक व्यक्ति का नाम है।

देखें: नामों का अनुवाद कैसे करें

### **1 कुरिन्थियों 1:2 (#1)**

"परमेश्वर की उस कलीसिया के नाम जो कुरिन्थुस" - "में"

"आपकी भाषा में लक्षित लोगों को दर्शनि का एक विशेष तरीका हो सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: ""यह पत्र कुरिंथ में रेहनेवालों को लिखा है जो परमेश्वर में विश्वास करते हैं""

### **1 कुरिन्थियों 1:2 (#2)**

"अर्थात् उनके नाम जो मसीह यीशु में पवित्र किए गए"

"यहाँ ""शुद्ध किये हुए"" उन लोगों को संबोधित करता है जिन्हें परमेश्वर ने अपना सम्मान करने के लिए आरक्षित किया है। वैकल्पिक अनुवाद: ""उन लोगों के लिए जिनको मसीह यीशु ने परमेश्वर के लिए अलग किया है"" या ""उन लोगों के लिए जिन्हें परमेश्वर ने स्वयं के लिए अलग किया है क्योंकि वे मसीह यीशु के हैं""

### **1 कुरिन्थियों 1:2 (#3)**

"मसीह यीशु में"

पौलुस मसीह यीशु में शब्दों का प्रयोग स्थानिक रूपक के रूप में करते हैं ताकि वह विश्वासियों की मसीह के साथ एकता का वर्णन कर सकें। इस सन्दर्भ में, मसीह यीशु में होना, या मसीह के साथ एकीकृत होना, इस प्रकार समझा जा सकता है: (1) वह माध्यम जिसके द्वारा परमेश्वर ने कुरिन्थियों को पवित्र किया है। वैकल्पिक अनुवाद: "मसीह यीशु के साथ तुम्हारी एकता के माध्यम से" (2) जिस कारण से परमेश्वर ने

कुरिन्थियों को पवित्र किया है। वैकल्पिक अनुवाद: "मसीह यीशु के साथ तुम्हारी एकता के कारण"

देखें: रूपक

## 1 कुरिन्थियों 1:2 (#4)

"हर जगह"

यहाँ पौलुस सभी विश्वासियों का वर्णन ऐसे करते हैं जैसे वे **हर जगह हों**। वह इस तरह से बोलते हैं ताकि जोर देकर यह बताया जा सके कि विश्वासियों को कई देशों, कस्बों और गांवों में पाया जा सकता है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप **हर जगह** का अनुवाद कर सकते हैं जिससे यह संकेत मिले कि विश्वासियों की उपस्थिति संसार भर के कई स्थानों में है। वैकल्पिक अनुवाद: "कई स्थानों में"

देखें: अतिशयोक्ति

## 1 कुरिन्थियों 1:2 (#4)

"और उन सब के नाम भी जो" - "प्रभु यीशु मसीह के नाम" - "प्रार्थना करते हैं"

"यहाँ ""नाम"" शब्द यीशु मसीह के व्यक्ति के लिए एक उपनाम है। वैकल्पिक अनुवाद: ""जो प्रभु यीशु मसीह की दुहाई देते हैं""

देखें: प्रतिन्यास

## 1 कुरिन्थियों 1:2 (#5)

""

""हमारा"" शब्द में पौलुस के दर्शक सम्मिलित हैं। यीशु पौलुस और कुरिन्थियों और सभी कलीसियाओं का प्रभु है।

देखें:

## 1 कुरिन्थियों 1:3 (#1)

"हमारे पिता परमेश्वर और प्रभु यीशु मसीह की ओर से तुम्हें अनुग्रह और शान्ति मिलती रहें"

अपना नाम और जिन्हें वह लिख रहे हैं उनका नाम बताने के बाद, पौलुस कुरिन्थियों के लिए एक आशीष जोड़ते हैं। यहाँ एक ऐसा रूप उपयोग करें जिसे लोग आपकी भाषा में आशीष के रूप में पहचानेंगे। वैकल्पिक अनुवाद: "तुमको हमारे परमेश्वर पिता और प्रभु यीशु मसीह से कृपा और शान्ति मिले" या "मैं प्रार्थना करता हूँ कि हमारे पिता परमेश्वर और

प्रभु यीशु मसीह की ओर से तुम्हारे साथ अनुग्रह और शान्ति सदा बनी रहे"

देखें: आशीष

## 1 कुरिन्थियों 1:4 (#1)

"सदा"

यहाँ, **सदा** एक अतिशयोक्ति है जिससे कुरिन्थियों ने समझा होगा कि पौलुस कितनी बार कुरिन्थियों के लिए प्रार्थना करते हैं। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप **सदा** को एक ऐसे शब्द से व्यक्त कर सकते हैं जो आवृत्ति को दर्शाता है। वैकल्पिक अनुवाद: "लगातार" या "अक्सर"

देखें: अतिशयोक्ति

## 1 कुरिन्थियों 1:4 (#2)

"अपने परमेश्वर का"

जब पौलुस **अपने परमेश्वर** की बात करते हैं, तो उसका मतलब यह नहीं है कि यह उस परमेश्वर से भिन्न है जिस पर कुरिन्थियों के लोग विश्वास करते हैं। बल्कि, वह यह कहना चाहते हैं कि यह परमेश्वर उसका परमेश्वर है। यदि आपके अनुवाद में **अपने परमेश्वर** ऐसा प्रतीत होता है कि यह पौलुस के परमेश्वर और कुरिन्थियों के परमेश्वर के बीच भेद करता है, तो आप बहवचन सर्वनाम का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "हमारे परमेश्वर का"

देखें: जानकारी देने और याद दिलाने में अन्तर करना

## 1 कुरिन्थियों 1:4 (#2)

""

"पौलुस अनुग्रह के विषय में इस तरह बात करता है जैसे कि यह एक भौतिक वस्तु थी जिसे यीशु मसीहियों को उपहार के रूप में देता है। वैकल्पिक अनुवाद: ""क्योंकि मसीह यीशु ने परमेश्वर का तुम्हारे प्रति दयालु होना संभव बना दिया है""

देखें: रूपक

## 1 कुरिन्थियों 1:4 (#4)

"मसीह यीशु में"

पौलुस **मसीह यीशु में** शब्दों का प्रयोग स्थानिक रूपक के रूप में करते हैं ताकि वह विश्वासियों की मसीह के साथ एकता का वर्णन कर सकें। इस सन्दर्भ में, **मसीह यीशु में**

होना, या मसीह के साथ एकीकृत होना, इस प्रकार समझा जा सकता है: (1) वह माध्यम जिसके द्वारा परमेश्वर ने कुरिन्थियों को अनुग्रह प्रदान किया है। वैकल्पिक अनुवाद: "मसीह यीशु के साथ तुम्हारी एकता के माध्यम से" (2) जिस कारण से परमेश्वर ने कुरिन्थियों को अनुग्रह प्रदान किया है। वैकल्पिक अनुवाद: "मसीह यीशु के साथ तुम्हारी एकता के कारण"

देखें: रूपक

## 1 कुरिन्थियों 1:5 (#1)

"कि"

यहाँ, कि [1:4](#) में उल्लेखित "परमेश्वर का अनुग्रह जो दिया गया था" की व्याख्या प्रस्तुत करता है। अपनी भाषा में ऐसा शब्द या वाक्यांश का उपयोग करें जो आगे की व्याख्या या विस्तार प्रस्तुत करता है। वैकल्पिक अनुवाद: "अर्थात्,"

देखें: शब्दों और वाक्यांशों को जोड़ना

## 1 कुरिन्थियों 1:5 (#2)

"हर बात"

वैकल्पिक अनुवाद: "हर विषय में"

## 1 कुरिन्थियों 1:5 (#1)

""

"संभावित अर्थ 1) ""मसीह ने आपको समृद्ध बनाया है"" या 2) ""परमेश्वर ने आपको समृद्ध बनाया है!"""

## 1 कुरिन्थियों 1:5 (#4)

"धनी किए गए"

यदि आपकी भाषा में निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं होता है, तो आप इस विचार को सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य स्वाभाविक तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। पौलुस यहाँ निष्क्रिय रूप का उपयोग उन पर ध्यान केंद्रित करने के लिए करते हैं जो धनी किए गए हैं, बजाय उस व्यक्ति के जो उन्हें धनी बना रहा है। यदि यह बताना आवश्यक हो कि यह कार्य कौन करता है, तो पौलुस संकेत देते हैं कि "परमेश्वर" इसे करते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "परमेश्वर ने तुमको धनी बनाया है"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

## 1 कुरिन्थियों 1:5 (#5)

"उसमें"

यहाँ, उसमें यीशु को सन्दर्भित करता है, क्योंकि परमेश्वर पिता ही हैं जो कुरिन्थियों को धनी बनाते हैं। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो इसे स्पष्ट करने के लिए आप उसमें को "मसीह" या "मसीह यीशु" शब्दों के साथ व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मसीह यीशु में"

देखें: सर्वनाम — उनका उपयोग कब करें

## 1 कुरिन्थियों 1:5 (#3)

"तुम हर बात में" - "वचन"

परमेश्वर ने आपको कई तरीकों से परमेश्वर के संदेश के बारे में दूसरों को बताने में सक्षम बनाया है।

## 1 कुरिन्थियों 1:5 (#4)

"सारे ज्ञान में"

परमेश्वर ने आपको कई तरीकों से परमेश्वर के संदेश को समझाने में सक्षम बनाया है।

## 1 कुरिन्थियों 1:6 (#1)

"कि"

यहाँ, कि यह प्रस्तुत कर सकता है: (1) वह कारण जिससे कुरिन्थियों को धनी बनाया गया था। वैकल्पिक अनुवाद: "जिस कारण से" (2) एक तुलना जो दर्शाती है कि कैसे कुरिन्थियों को धनी बनाया गया था। वैकल्पिक अनुवाद: "उसी तरह से"

देखें: जोड़ें — कारण और परिणाम सम्बन्ध

## 1 कुरिन्थियों 1:6 (#2)

"मसीह की गवाही... पक्की निकली"

इस पद में, पौलुस ऐसे बोलते हैं जैसे उन्होंने कुरिन्थियों को मसीह के बारे में जो बताया वह एक साक्षी के रूप में अदालत में दी गई गवाही हो। यह गवाही **पक्की** हो गई है, जैसे कि अन्य सबूतों ने न्यायाधीश को साबित कर दिया कि उसकी गवाही **पक्की** थी। इस रूपक के साथ, पौलुस कुरिन्थियों को याद दिलाते हैं कि उन्होंने मसीह के संदेश पर विश्वास किया है और यह अब उनके जीवन का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप इस रूपक के

पीछे के विचार को एक तुलनीय रूपक के साथ व्यक्त कर सकते हैं या इसे सीधे तौर पर व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मसीह के विषय में हमारा संदेश स्थापित हो चुका है"

देखें: रूपक

## 1 कुरिन्थियों 1:6 (#1)

"मसीह की गवाही तुम में पक्की निकली"

"संभावित अर्थ 1) ""तुमने स्वयं देखा कि मसीह के बारे में हमने जो कहा था वह सत्य था"" या 2) ""अन्य लोगों ने अब तुम्हारे जीवन जीने के तरीके को देखकर, यह सीखा है कि जो हम और तुम मसीह के बारे में क्या कहते हैं वह सत्य है।"""

## 1 कुरिन्थियों 1:6 (#4)

"मसीह की गवाही... पक्की निकली"

यदि आपकी भाषा में निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं होता है, तो आप इस विचार को सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य स्वाभाविक तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। पौलुस यहाँ निष्क्रिय रूप का उपयोग करते हैं ताकि इस पर ध्यान केन्द्रित किया जा सके कि क्या **पक्की** निकली है, बजाय इसके कि कौन "पक्का" कर रहा है। यदि आपको यह बताना आवश्यक है कि कार्य कौन करता है, तो पौलुस का तात्पर्य है कि "परमेश्वर" ऐसा करते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "परमेश्वर ने मसीह की गवाही को प्रमाणित किया है।"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

## 1 कुरिन्थियों 1:7 (#1)

"यहाँ तक कि"

क्योंकि मैंने अभी जो कहा है वह सत्य है

## 1 कुरिन्थियों 1:7 (#2)

""

"इसे सकारात्मक रूप में कहा जा सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: ""आपके पास हर आत्मिक वरदान है।""

देखें: अल्पोक्ति

## 1 कुरिन्थियों 1:7 (#3)

"वरदान..., प्रतीक्षा करते रहते हो"

यहाँ, प्रतीक्षा करते रहना यह दर्शाता है कि यह कार्य उसी समय घट रही है जब **किसी** वरदान की कमी किसी में नहीं है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप इस सम्बन्ध को स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "वरदान... जब तुम प्रतीक्षा करते हो"

देखें: जोड़ें — समकालिक समय सम्बन्ध

## 1 कुरिन्थियों 1:7 (#3)

"और तुम हमारे प्रभु यीशु मसीह के प्रगट होने की"

"संभावित अर्थ 1) ""वह समय जब परमेश्वर प्रभु यीशु मसीह को प्रकट करेंगे"" या 2) ""वह समय जब हमारे प्रभु यीशु मसीह खुद को प्रकट करेंगे।"""

## 1 कुरिन्थियों 1:7 (#5)

"हमारे प्रभु यीशु मसीह के प्रकट होने"

इस सन्दर्भ में, यह स्पष्ट है कि पौलुस केवल यह नहीं कहना चाहते कि **हमारे प्रभु यीशु मसीह** के बारे में ज्ञान प्रकट होगा। बल्कि, उनका अर्थ यह है कि **हमारे प्रभु यीशु मसीह** स्वयं पृथकी पर लौटेंगे। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप इस विचार को स्पष्ट करने के लिए "लौटना" जैसे शब्द का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "हमारे प्रभु यीशु मसीह की वापसी"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

## 1 कुरिन्थियों 1:8 (#1)

"वह"

यहाँ, **वह** का सन्दर्भ हो सकता है: (1) परमेश्वर, जो इस खण्ड में सभी क्रियाओं का निहित विषय हैं। "यदि आप निम्नलिखित वैकल्पिक अनुवाद का उपयोग करते हैं, तो आपको पिछले वाक्य को पूर्ण विराम के साथ समाप्त करने की आवश्यकता हो सकती है।" यदि आप निम्नलिखित वैकल्पिक अनुवादों में से एक का उपयोग करते हैं, तो आपको पिछले वाक्य को पूर्ण विराम के साथ समाप्त करने की आवश्यकता हो सकती है। वैकल्पिक अनुवाद: "परमेश्वर जो" (2) यीशु, जो सबसे निकटतम नाम है। वैकल्पिक अनुवाद: "यह यीशु है जो"

देखें: सर्वनाम — उनका उपयोग कब करें

## 1 कुरिन्थियों 1:8 (#2)

"वह तुम्हें... दृढ़ भी करेगा"

यहाँ, दृढ़ वही शब्द है जिसका प्रयोग पौलुस ने 1:6 में किया था, जिसका अनुवाद "दृढ़" भी किया गया है। पौलुस ने पाठक को यह याद दिलाने के लिए भी शब्द का प्रयोग किया है कि उसने पहले ही "दृढ़" का उपयोग किया है। यदि संभव हो, तो दृढ़ का अनुवाद उसी तरह करें जैसा आपने 1:6 में किया था। जैसा कि वहाँ भी है, यहाँ भी इसका अर्थ किसी ऐसी चीज़ या व्यक्ति से है जो सत्य या सटीक साबित हो। इस मामले में, इसका अर्थ यह है कि परमेश्वर कुरिन्थियों के विश्वास को अन्त तक सत्य बनाए रखेंगे। वैकल्पिक अनुवाद: "तुम्हारे विश्वास को भी स्थापित करेगा"

देखें: अज्ञातों का अनुवाद करें

## 1 कुरिन्थियों 1:8 (#3)

"अन्त तक"

अनुवादित वाक्यांश अन्त तक का अर्थ है कि कुछ गतिविधि या स्थिति भविष्य में एक परिभाषित बिन्दु तक जारी रहेगी। यहाँ इसका अर्थ है कि परमेश्वर कुरिन्थियों को तब तक स्थिर रखेंगे जब तक उनका सांसारिक जीवन समाप्त नहीं हो जाता। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप इस वाक्यांश को एक तुलनीय मुहावरे के साथ व्यक्त कर सकते हैं या विचार को सीधे व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जब तक तुम्हारी दौड़ पूरी नहीं होती"

देखें: मुहावरा

## 1 कुरिन्थियों 1:8 (#1)

""

परमेश्वर का तुम्हें दोषी ठहराने का कोई कारण नहीं होगा।

## 1 कुरिन्थियों 1:9 (#1)

"जिसने तुम को... बुलाया है"

यदि आपकी भाषा में इस प्रकार से निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं होता है, तो आप इस विचार को सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य स्वाभाविक तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। पौलुस यहाँ निष्क्रिय रूप का उपयोग उन पर ध्यान केन्द्रित करने के लिए करते हैं जो बुलाए गए हैं, बजाय उस व्यक्ति के जो "बुला" रहे हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जिन्होंने तुमको बुलाया है"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

## 1 कुरिन्थियों 1:9 (#2)

"अपने पुत्र... की संगति में"

यहाँ पौलुस संगति का वर्णन करने के लिए स्वामित्व रूप का उपयोग करते हैं जो अपने पुत्र के साथ है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप: (1) इसे स्पष्ट करने के लिए "के साथ" जैसे शब्द का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "अपने पुत्र के साथ संगति में" (2) संगति का अनुवाद किसी क्रिया जैसे "साझा करना" या "संगति करना" के रूप में कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "अपने पुत्र के साथ संगति करने"

देखें: स्वामित्व

## 1 कुरिन्थियों 1:9 (#2)

"अपने पुत्र"

परमेश्वर का पुत्र, यह यीशु के लिए एक महत्वपूर्ण उपाधि है।

देखें: पुत्र और पिता का अनुवाद

## 1 कुरिन्थियों 1:10 (#1)

"अब मैं.... विनती करता हूँ"

मूल भाषा में यहाँ अब शब्द आया है जो हिन्दी आई.आर.वि. अनुवाद में नहीं है। शब्द अब एक नए खण्ड की शुरुआत को दर्शाता है। पौलुस अब धन्यवाद देने से हटकर कुरिन्थियों से विभाजन से बचने की अपील करने की ओर बढ़ते हैं। आप ऐसा कर सकते हैं: (1) इस शब्द का अनुवाद किए बिना छोड़ दें और विषय में परिवर्तन को दिखाने के लिए एक नया परिच्छेद प्रारंभ करें। वैकल्पिक अनुवाद: "मैं आग्रह करता हूँ" (2) एक ऐसा शब्द या वाक्यांश का उपयोग करें जो एक नए खण्ड की शुरुआत को दर्शाता है। वैकल्पिक अनुवाद: "अगला, मैं आग्रह करता हूँ"

देखें: शब्दों और वाक्यांशों को जोड़ना

## 1 कुरिन्थियों 1:10 (#2)

"हे भाइयों, मैं तुम से यीशु मसीह जो हमारा प्रभु है उसके नाम के द्वारा विनती करता हूँ"

इस वाक्य में, शब्द मैं तुम से... विनती करता हूँ उस बात से दूर स्थित हैं जिसके बारे में पौलुस आग्रह कर रहे हैं। यदि यह

आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप "मैं तुम से... विनती करता हूँ" वाक्यांश को इस प्रकार स्थानांतरित कर सकते हैं कि वह "कि तुम सब एक ही बात कहो" के ठीक पहले आ जाए। वैकल्पिक अनुवाद: "अब हे भाइयों, हमारे प्रभु यीशु मसीह के नाम से, मैं तुमसे विनती करता हूँ"

देखें: सुचना संरचना

### 1 कुरिन्थियों 1:10 (#2)

"हे भाइयों"

यहाँ इसका अर्थ है साथी मसीही, पुरुष और महिला दोनों सहित।

### 1 कुरिन्थियों 1:10 (#3)

"यहाँ नाम यीशु मसीह के व्यक्तित्व के लिए एक उपनाम है। वैकल्पिक अनुवाद: ""हमारे प्रभु यीशु मसीह के द्वारा से""

देखें: प्रतिन्यास

### 1 कुरिन्थियों 1:10 (#4)

"यीशु मसीह जो हमारा प्रभु है उसके नाम के द्वारा"

कि तुम एक दूसरे के साथ मिलकर रहो"

### 1 कुरिन्थियों 1:10 (#5)

""

कि तुम आपस में अलग-अलग समूहों में विभाजित न हो जाओ

### 1 कुरिन्थियों 1:10 (#7)

"मिले रहो"

यहाँ, मिले रहो का अर्थ है कि सी चीज़ को उसकी सही स्थिति या अवस्था में रखना, अक्सर उसे उस अवस्था में वापस लाना। यहाँ, इसका तात्पर्य समुदाय में उस एकता को पुनः स्थापित करने से है जो पहले थी और होनी चाहिए। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप इस शब्द के अर्थ के पीछे के विचार को एक छोटे वाक्यांश के साथ व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "अपनी पुरानी एकता में पुनः स्थापित हो"

देखें: अज्ञातों का अनुवाद करें

### 1 कुरिन्थियों 1:10 (#6)

"परन्तु एक ही मन और एक ही मत होकर मिले रहो"

एकता में रहो

### 1 कुरिन्थियों 1:11 (#1)

"क्योंकि"

यहाँ, क्योंकि उस कारण को प्रस्तुत करता है कि पौलुस क्यों उन्हें एकजुट होने के लिए प्रेरित कर रहे हैं। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप क्योंकि को एक छोटे वाक्यांश के साथ व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मैं इस तरह से कहता हूँ क्योंकि"

देखें: जोड़ें — कारण और परिणाम सम्बन्ध

### 1 कुरिन्थियों 1:11 (#2)

"हे मेरे भाइयों, खलोए के घराने के लोगों ने मुझे तुम्हारे विषय में बताया है"

यदि आपकी भाषा इस प्रकार से निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं करती है, तो आप इस विचार को सक्रिय रूप में याकिसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं जो आपकी भाषा में स्वाभाविक है। पौलुस यहाँ निष्क्रिय रूप का उपयोग करते हैं ताकि इस पर ध्यान केन्द्रित किया जा सके कि उसे क्या बताया गया था, न कि लोगों द्वारा उसे बताये जाने पर। वैकल्पिक अनुवाद: "हे मेरे भाइयों, खलोए के घराने के लोगों ने तुम्हारे विषय में मुझे स्पष्ट बता दिया है,"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

### 1 कुरिन्थियों 1:11 (#3)

"हे मेरे भाइयों"

हालांकि भाइयों शब्द पुलिंग है, पौलुस ने इसका उपयोग पुरुषों और स्त्रियों दोनों के लिए किया है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप भाइयों को एक गैर-लिंग शब्द के साथ व्यक्त कर सकते हैं या दोनों लिंगों का उल्लेख कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "हे मेरे भाइयों और बहनों"

देखें: जब पुलिंग शब्दों में स्त्रियाँ भी सम्मिलित होती हैं

## 1 कुरिन्थियों 1:11 (#1)

””

यह परिवार के सदस्यों, नौकरों और अन्य लोगों को संबोधित करता है जो एक घराने का हिस्सा हैं, जिसकी मुखिया खलोए नामक एक महिला है।

## 1 कुरिन्थियों 1:11 (#5)

”खलोए के“

खलोए एक स्त्री का नाम है।

देखें: नामों का अनुवाद कैसे करें

## 1 कुरिन्थियों 1:11 (#2)

”तुम में झगड़े हो रहे हैं“

तुम उन समूहों में हो जो एक दूसरे के साथ झगड़ा करते हैं

## 1 कुरिन्थियों 1:12 (#1)

(अब) ”मेरा कहना“

मूल भाषा में यहाँ **अब** शब्द आया है जो हिन्दी आई.आर.वि. अनुवाद में नहीं है। यहाँ, **अब** पौलुस ने [1:11](#) में जिस विषय पर बात करना शुरू किया था, उसके आगे का स्पष्टीकरण प्रस्तुत करता है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप इस शब्द को बिना अनुवाद किए छोड़ सकते हैं या एक ऐसा शब्द उपयोग कर सकते हैं जो एक स्पष्टीकरण प्रस्तुत करता हो। वैकल्पिक अनुवाद: ”वास्तव में,”

देखें: शब्दों और वाक्यांशों को जोड़ना

## 1 कुरिन्थियों 1:12 (#2)

”मेरा कहना यह है“

यहाँ पौलुस वाक्यांश **मेरा कहना यह है** का उपयोग यह स्पष्ट करने के लिए करते हैं कि पिछले पद में ”झगड़े“ का उल्लेख करते समय उनका क्या अभिप्राय था ([1:11](#))। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप इस वाक्यांश के अर्थ को पहले से कही गई बात को स्पष्ट करने के लिए एक तुलनीय मुहावरे के साथ व्यक्त कर सकते हैं या इस विचार को सीधे तौर पर व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: ”मेरा अभिप्राय यह है“

देखें: मुहावरा

## 1 कुरिन्थियों 1:12 (#3)

”यह है, कि“

आपकी भाषा में इस वाक्य में **यह** और **कि** दोनों का एक साथ होना अनावश्यक लग सकता है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप पौलुस जो **कहना** चाहते हैं, उसे प्रस्तुत करने के लिए एक सरल तरीका अपना सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: ”कि“

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी को स्पष्ट करना

## 1 कुरिन्थियों 1:12 (#4)

”तुम में से कोई तो... कहता है“

यहाँ पौलुस **तुम** में से **कोई** तो का उपयोग करते हैं ताकि यह स्पष्ट किया जा सके कि कुरिन्थियों की मण्डली के कई व्यक्ति इस प्रकार की बातें कह रहे हैं। उनका तात्पर्य यह नहीं है कि प्रत्येक व्यक्ति इन चारों बातों को कह रहा है। और न ही उनका यह अर्थ है कि कलीसिया में हर एक व्यक्ति इस प्रकार के दावे कर रहा है। अन्ततः, वह यह भी नहीं कह रहे हैं कि वे केवल यहीं चार बातें कह रहे हैं। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप पौलुस द्वारा उपयोग किए गए रूप को एक अभिव्यक्ति के साथ व्यक्त कर सकते हैं जो एक दल के भीतर कई व्यक्तियों को अलग-अलग दिखाता है, और आप एक वाक्यांश जोड़ सकते हैं जो यह इंगित करे कि वे जो कह रहे हैं, ये उसके उदाहरण हैं। वैकल्पिक अनुवाद: ”आपके समूह में लोग इस तरह की बातें कह रहे हैं“

देखें: अतिशयोक्ति

## 1 कुरिन्थियों 1:12 (#5)

”अपने आपको “पौलुस का,” कोई “अपुल्लोस का,” कोई “कैफा का,” कोई “मसीह का” कहता है“

यदि आप अपनी भाषा में इस उद्धरण रूप का उपयोग नहीं कर सकते, तो आप इन कथनों का अनुवाद प्रत्यक्ष उद्धरण के बजाय अप्रत्यक्ष उद्धरण के रूप में कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: ”कि तुम पौलुस के हो, या अपुल्लोस के हो, या कैफा के हो, या मसीह के हो“

देखें: प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष उद्धरण

**1 कुरिन्थियों 1:12 (#1)**

"तुम में से कोई तो अपने आप को "" - "कहता है"

पौलुस विभाजन का एक सामान्य मनोभाग को व्यक्त कर रहा है।

**1 कुरिन्थियों 1:13 (#1)**

"क्या पौलुस तुम्हारे लिये क्रूस पर चढ़ाया गया? या तुम्हें पौलुस के नाम पर बपतिस्मा मिला?"

इस पद में, पौलुस अपने बारे में तृतीय व्यक्ति में बात करते हैं। यह ऐसा लग सकता है जैसे वह अपने से अलग किसी अन्य पौलुस के बारे में बात कर रहे हैं। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप पौलुस के इस उपयोग को स्पष्ट कर सकते हैं कि पौलुस स्वयं का नाम ले रहे हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "क्या मैं, पौलुस, तुम्हारे लिए क्रूस पर चढ़ाया गया था? या तुमने मुझ पौलुस के नाम में बपतिस्मा लिया था?"

देखें: प्रथम, द्वितीय या तृतीय पुरुष

**1 कुरिन्थियों 1:13 (#1)**

""

"पौलुस इस सत्य पर जोर देना चाहता है कि मसीह विभाजित नहीं किन्तु एक है। ""मसीह को इस तरह से विभाजित करना जैसा तुम कर रहे हो संभव नहीं है!""

देखें: आलंकारिक प्रश्न

**1 कुरिन्थियों 1:13 (#3)**

"क्या मसीह बँट गया?"

यदि आपकी भाषा में निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं होता है, तो आप इस विचार को सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य स्वाभाविक तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। पौलुस यहाँ निष्क्रिय रूप का उपयोग उस पर ध्यान केंद्रित करने के लिए करते हैं जो बँट गया है, बजाय इसके कि जो "विभाजित" करता है। यदि आपको यह बताना आवश्यक है कि कार्य कौन करता है, तो आप एक अस्पष्ट या अनिश्चित विषय का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "क्या उन्होंने मसीह को बँट दिया है?"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

**1 कुरिन्थियों 1:13 (#4)**

"क्या मसीह बँट गया?"

यहाँ पौलुस ऐसे बोलते हैं जैसे मसीह को टुकड़ों में बँटा जा सकता है और विभिन्न समूहों को दिया जा सकता है। वह इस तरह इसलिए बोलते हैं क्योंकि वह कलीसिया को मसीह के शरीर के रूप में समझते हैं। यदि कलीसिया समूहों में विभाजित हो जाती है, तो मसीह का शरीर भी विभाजित हो गया है। हालांकि, यह सोचना बेतुका है कि मसीह का शरीर टुकड़ों में काटा गया है, इसलिए कलीसिया को टुकड़ों में बँटना भी बेतुका है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप इस सम्बन्ध को और स्पष्ट कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "क्या मसीह का अपना शरीर विभाजित हो गया है, जैसे तुम्हारी कलीसिया विभाजित हो गई है?"

देखें: रूपक

**1 कुरिन्थियों 1:13 (#2)**

""

"पौलुस इस बात पर जोर देना चाहता है कि वह मसीह था, न कि पौलुस या अपोलोस, जिसे क्रूस पर चढ़ाया गया था। इसका सक्रिय रूप में भी अनुवाद किया जा सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: ""यह निश्चित रूप से पौलुस नहीं था जिसे आपके उद्धार के लिए उन्होंने क्रूस पर मार डाला!""

देखें: आलंकारिक प्रश्न

**1 कुरिन्थियों 1:13 (#6)**

"क्या पौलुस तुम्हारे लिये क्रूस पर चढ़ाया गया?"

यदि आपकी भाषा में निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं होता है, तो आप इस विचार को सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य स्वाभाविक तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। पौलुस यहाँ निष्क्रिय रूप का उपयोग करते हैं ताकि ध्यान उस पर केंद्रित हो सके जो क्रूस पर चढ़ाया गया था, बजाय इसके कि जो "क्रूस पर चढ़ाने" का कार्य करता है। यदि आपको यह बताना आवश्यक है कि कार्य कौन करता है, तो आप अस्पष्ट या अनिश्चित विषय का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "क्या उन्होंने तुम्हारे लिए पौलुस को क्रूस पर चढ़ाया?"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

**1 कुरिन्थियों 1:13 (#3)**

"पौलुस के नाम पर बपतिस्मा मिला"

"पौलुस इस बात पर जोर देना चाहता है कि हम सभी मसीह के नाम में बपतिस्मा लेते हैं। इसका सक्रिय रूप में भी अनुवाद किया जा सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: ""लोगों ने तुम्हें बपतिस्मा पौलुस के नाम में नहीं दिया था!""

देखें: आलंकारिक प्रश्न

## 1 कुरिन्थियों 1:13 (#8)

"या तुम्हें पौलुस के नाम पर बपतिस्मा मिला?"

यदि आपकी भाषा में निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं होता है, तो आप इस विचार को सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य स्वाभाविक तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। पौलुस यहाँ निष्क्रिय रूप का उपयोग उन पर ध्यान केन्द्रित करने के लिए करते हैं जो बपतिस्मा लेते हैं, बजाय इसके कि जो "बपतिस्मा" देता है। यदि आपको यह बताना आवश्यक है कि कार्य कौन करता है, तो आप एक अस्पष्ट या अनिश्चित कर्ता का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "क्या उन्होंने तुमको पौलुस के नाम में बपतिस्मा दिया?"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

## 1 कुरिन्थियों 1:13 (#4)

"यहाँ नाम में ""अधिकार के द्वारा"" के लिए एक उपनाम है। वैकल्पिक अनुवाद: "" पौलुस के अधिकार से"""

देखें: प्रतिन्यास

## 1 कुरिन्थियों 1:14 (#1)

"पौलुस के नाम पर"

सिर्फ़"

## 1 कुरिन्थियों 1:14 (#2)

"क्रिस्पुस"

वह एक आराधनालय का शासक था जो एक मसीही बन गया।

देखें: नामों का अनुवाद कैसे करें

## 1 कुरिन्थियों 1:15 (#1)

""

"यहाँ ""नाम"" ""अधिकार"" का प्रतिनिधित्व करता है। इसका मतलब है कि पौलुस ने दूसरों को बपतिस्मा नहीं दिया ताकि वे दावा कर सकें कि वे पौलुस के शिष्य बन गए हैं। इसे सक्रिय रूप में कहा जा सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: ""तुम में से कुछ ने दावा किया होगा कि मैंने तुमको अपना चेला बनाने के लिए बपतिस्मा दिया है""

देखें: प्रतिन्यास

## 1 कुरिन्थियों 1:15 (#2)

"तुम्हें मेरे नाम पर बपतिस्मा मिला"

यदि आपकी भाषा में निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं होता है, तो आप इस विचार को सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य स्वाभाविक तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। पौलुस यहाँ निष्क्रिय रूप का उपयोग उन पर ध्यान केन्द्रित करने के लिए करते हैं जो बपतिस्मा लेते हैं, बजाय इसके कि जो "बपतिस्मा" देता है। यदि आपको यह बताना आवश्यक है कि कार्य कौन करता है, तो आप एक अस्पष्ट या अनिश्चित कर्ता का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: 'किसी ने तुमको मेरे नाम में बपतिस्मा दिया'

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

## 1 कुरिन्थियों 1:15 (#3)

"मेरे नाम पर"

यहाँ[1:13](#) की तरह ही, पौलुस अधिकार का उल्लेख करने के लिए नाम शब्द का उपयोग करते हैं। उनका मतलब यह है कि जब उनका बपतिस्मा हुआ, तो किसी ने पौलुस का नाम नहीं लिया, और इसलिए वे उनके दल से सम्बन्धित नहीं हैं। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप इस शब्द के अर्थ के पीछे के विचार को "अधिकार" शब्द का उपयोग करके या किसी ऐसे वाक्यांश के द्वारा व्यक्त कर सकते हैं जिसमें "सम्बन्धता" की भाषा हो। वैकल्पिक अनुवाद: "मेरे अधिकार में"

देखें: लक्षणालंकार

## 1 कुरिन्थियों 1:16 (#1)

(अब) "और मैंने"

मूल भाषा में यहाँ **अब** शब्द आया है जो हिन्दी आई.आर.वि. अनुवाद में नहीं है। शब्द **अब** तर्क को बिच में रोककर [1:14](#) के विषय को फिर से प्रस्तुत करता है, जो कि पौलुस ने किसको बपतिस्मा दिया, इस विषय से सम्बन्धित है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप इस परिवर्तन को दर्शाने के लिए ऐसे विराम चिह्न का उपयोग कर सकते हैं जो एक क्षणिक विषयांतर या कोष्ठक को इंगित करता है, या आप ऐसा वाक्यांश प्रयोग कर सकते हैं जो यह दर्शाएँ कि किसी को कुछ याद आ रहा है। वैकल्पिक अनुवाद: "बपतिस्मा की बात करते हुए, मुझे याद आता है कि"

देखें: शब्दों और वाक्यांशों को जोड़ना

## 1 कुरिन्थियों 1:16 (#1)

"मैंने स्तिफनास के घराने को"

यह परिवार के सदस्यों और घर के दासों को संबोधित करता है जहाँ स्तिफनास नामक एक पुरुष मुखिया था।

देखें: नामों का अनुवाद कैसे करें

## 1 कुरिन्थियों 1:16 (#3)

"मैं नहीं जानता कि मैंने और किसी को बपतिस्मा दिया"

यह कथन इस बारे में कम विश्वास को दर्शाता है कि पौलुस ने कितने लोगों को बपतिस्मा दिया। इसका अर्थ हो सकता है कि पौलुस: (1) काफी हद तक आश्वस्त है कि उसने उन सभी के बारे में सोचा है जिन्हें उसने बपतिस्मा दिया है। वैकल्पिक अनुवाद: "मुझे लगता है कि मैंने जिन सभी को बपतिस्मा दिया, वे यही हैं" (2) कम आश्वस्त है कि उसने बपतिस्मा लेनेवाले सभी लोगों के बारे में सोचा है। वैकल्पिक अनुवाद: "मुझे याद नहीं है कि मैंने किसी और को बपतिस्मा दिया था या नहीं"

देखें: अज्ञातों का अनुवाद करें

## 1 कुरिन्थियों 1:16 (#4)

"कि"

यहाँ पौलुस **कि** द्वारा प्रस्तुत शर्त का उपयोग करते हैं क्योंकि वह यह स्वीकार करना चाहता है कि उसने उन सभी लोगों का उल्लेख किया है जिन्हें उसने बपतिस्मा दिया है, परन्तु वह निश्चित नहीं है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप इस शब्द के अर्थ को एक ऐसे शब्द के साथ व्यक्त कर सकते हैं जो अनिश्चितता को व्यक्त करता है। वैकल्पिक अनुवाद: "यदि"

देखें: जोड़ें — काल्पनिक स्थितियाँ

## 1 कुरिन्थियों 1:17 (#1)

"क्योंकि"

यहाँ, **क्योंकि** एक स्पष्टीकरण की शुरुआत करता है कि पौलुस ने बहुत कम लोगों को बपतिस्मा क्यों दिया। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप इस सम्बन्ध को एक ऐसे शब्द के साथ व्यक्त कर सकते हैं जो स्पष्टीकरण प्रस्तुत करता है, और आप यह स्पष्ट कर सकते हैं कि यह समझाता है कि उन्होंने इतने कम लोगों को बपतिस्मा क्यों दिया। वैकल्पिक अनुवाद: "मैंने केवल कुछ लोगों को ही बपतिस्मा दिया, क्योंकि"

देखें: जोड़ें — कारण और परिणाम सम्बन्ध

## 1 कुरिन्थियों 1:17 (#2)

"मसीह ने मुझे बपतिस्मा देने को नहीं, वरन् सुसमाचार सुनाने को भेजा है"

यदि आपकी भाषा में नकारात्मक वाक्य को सकारात्मक वाक्य से पहले रखना स्वाभाविक नहीं है, तो आप इन दोनों को उलट सकते हैं और **शब्दों के ज्ञान के अनुसार नहीं** को **सुनाने** के साथ दोहराकर प्रस्तुत कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मसीह ने मुझे सुसमाचार सुनाने के लिए भेजा, बपतिस्मा देने के लिए नहीं। मैं सुसमाचार को सुनाता हूँ।"

देखें: सूचना संरचना

## 1 कुरिन्थियों 1:17 (#1)

"क्योंकि मसीह ने मुझे बपतिस्मा देने को नहीं," - "भेजा है"

इसका मतलब है कि बपतिस्मा पौलुस की सेवकाई का प्राथमिक लक्ष्य नहीं था।

## 1 कुरिन्थियों 1:17 (#4)

"मनुष्यों के शब्दों के ज्ञान के अनुसार नहीं"

इस खण्ड में, पौलुस ने कुछ शब्द छोड़े हैं जो आपकी भाषा में एक पूर्ण विचार बनाने के लिए आवश्यक हो सकते हैं। यदि आपको अपनी भाषा में इन शब्दों की आवश्यकता है, तो आप "सुनाने" को दोहरा सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मैं इसे मनुष्यों के शब्दों के ज्ञान के अनुसार नहीं सुनाता।"

देखें: पदलोप

## 1 कुरिन्थियों 1:17 (#5)

### "ऐसा न हो"

यहाँ, ऐसा न हो उस उद्देश्य को प्रस्तुत करता है जिसके लिए पौलुस "शब्दों के ज्ञान" का उपयोग नहीं करते हैं। यहाँ, आप एक ऐसा शब्द या वाक्यांश उपयोग कर सकते हैं जो सामान्यतः उद्देश्य को दर्शाता है। वैकल्पिक अनुवाद: "ताकि"

देखें: जोड़ें — लक्ष्य (उद्देश्य) सम्बन्ध

## 1 कुरिन्थियों 1:17 (#2)

""

"पौलुस ""मानव ज्ञान के शब्दों"" के बारे में बोलता है जैसे कि वे लोग थे, क्रूस को एक बर्तन के समान, और सामर्थ को एक भौतिक वस्तु के समान जिसे यीशु उस बर्तन में डाल सकता है। इसे सक्रिय रूप में कहा जा सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: ""मानव ज्ञान के शब्द ... मानव ज्ञान के शब्द मसीह के क्रूस की सामर्थ को शून्य ना करने पाए"" या ""मानव ज्ञान के शब्द ... लोग यीशु के बारे में संदेश पर विश्वास करना न छोड़ दे और यह सोचने न लगे कि मैं यीशु की तुलना में अधिक महत्वपूर्ण हूं""

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

## 1 कुरिन्थियों 1:17 (#7)

### "न हो कि मसीह का क्रूस व्यर्थ ठहरे"

यदि आपकी भाषा में निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं होता है, तो आप इस विचार को सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य स्वाभाविक तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। पौलुस यहाँ निष्क्रिय रूप का उपयोग उस क्रूस पर ध्यान केंद्रित करने के लिए करता है जिसे व्यर्थ ठहराया जा सकता है, न कि उस व्यक्ति पर जो "व्यर्थ" ठहरा रहा है। यदि आपको यह बताना आवश्यक हो कि कार्य कौन करता है, तो पौलुस संकेत करते हैं कि वह स्वयं इसे करेंगे। वैकल्पिक अनुवाद: "मैं मसीह के क्रूस को व्यर्थ नहीं ठहराऊंगा"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

## 1 कुरिन्थियों 1:18 (#1)

""

Connecting Statement:\n\nपौलुस मनुष्य के ज्ञान के बजाय परमेश्वर के ज्ञान पर जोर देता है।

## 1 कुरिन्थियों 1:18 (#2)

### "क्रूस की कथा"

"क्रूस पर चढ़ाया जाना या ""क्रूस पर मसीह के मरने के संदेश"" के बारे में प्रचार"

## 1 कुरिन्थियों 1:18 (#3)

### "क्रूस की"

यहाँ, शब्द क्रूस उस घटना को दर्शाता है जिसमें यीशु की मृत्यु क्रूस पर हुई थी। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप अपने अनुवाद में "यीशु की क्रूस पर मृत्यु" शामिल कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "क्रूस पर यीशु की मृत्यु"

देखें: लक्षणालंकार

## 1 कुरिन्थियों 1:18 (#3)

### "मूर्खता है"

"मूर्खतापूर्ण है या ""अर्थहीन है""

## 1 कुरिन्थियों 1:18 (#4)

### "नाश होनेवालों के निकट"

"यहाँ ""मरना"" आत्मिक मौत की प्रक्रिया को संबोधित करता है।"

## 1 कुरिन्थियों 1:18 (#6)

### "परन्तु हम उद्धार पानेवालों के निकट "

यदि आपकी भाषा में निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं होता है, तो आप इस विचार को सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं जो स्वाभाविक हो। पौलुस यहाँ निष्क्रिय रूप का उपयोग उद्धार पानेवालों पर ध्यान केन्द्रित करने के लिए करते हैं, बजाय इसके कि जो "उद्धार" का कार्य कर रहा है। यदि आपको यह बताना आवश्यक है कि कार्य कौन कर रहे हैं, तो पौलुस यह संकेत देते हैं कि "परमेश्वर" इसे कर रहे हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "लेकिन हमारे लिए जिनका उद्धार परमेश्वर कर रहे हैं"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

### 1 कुरिन्थियों 1:18 (#7)

"परन्तु हम उद्धार पानेवालों के निकट"

हम उद्धार पानेवालों का वर्णन हमें बाकी सभी से अलग करता है। यह केवल जानकारी जोड़ना मात्र नहीं है। अपनी भाषा में एक ऐसा रूप उपयोग करें जो दिखाए कि यह एक विशिष्ट वाक्यांश है। वैकल्पिक अनुवाद: "लेकिन हमारे लिए, अर्थात्, जो उद्धार पानेवाले हैं"

देखें: जानकारी देने और याद दिलाने में अन्तर करना

### 1 कुरिन्थियों 1:18 (#5)

"परमेश्वर की सामर्थ्य है"

परमेश्वर हममें शक्तिशाली काम कर रहा है

### 1 कुरिन्थियों 1:19 (#1)

"क्योंकि"

यहाँ, **क्योंकि** इस बात का प्रमाण प्रस्तुत करता है कि पौलुस ने 1:18 में जो कहा वह सत्य है। आप एक ऐसा शब्द उपयोग कर सकते हैं जो दावे के लिए प्रमाण प्रस्तुत करता हो या शब्द को अनुवाद किए बिना छोड़ सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जैसा कि"

देखें: शब्दों और वाक्यांशों को जोड़ना

### 1 कुरिन्थियों 1:19 (#2)

"लिखा है"

यदि आपकी भाषा में निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं होता है, तो आप इस विचार को सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य स्वाभाविक तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। पौलुस यहाँ निष्क्रिय रूप का उपयोग करते हैं ताकि इस बात पर ध्यान केन्द्रित किया जा सके कि **लिखा है** बजाय इसके कि कौन "लिख" रहा है। यदि आपको यह बताना आवश्यक है कि कार्य कौन करता है, तो आप इसे इस प्रकार व्यक्त कर सकते हैं: (1) पवित्रशास्त्र या पवित्रशास्त्र के लेखक शब्दों को लिखते या बोलते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "यशायाह ने लिखा है" (2) परमेश्वर शब्द बोलते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "परमेश्वर ने कहा है"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

### 1 कुरिन्थियों 1:19 (#3)

"क्योंकि लिखा है"

पौलुस की संस्कृति में, **क्योंकि लिखा है** एक महत्वपूर्ण पाठ से उद्धरण प्रस्तुत करने का सामान्य तरीका था। इस मामले में, उद्धरण यशायाह 29:14 से आता है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप यह व्यक्त कर सकते हैं कि पौलुस उद्धरण को एक तुलनीय वाक्यांश के साथ प्रस्तुत करते हैं जो यह दर्शाता है कि पौलुस एक महत्वपूर्ण पाठ से उद्धरण दे रहे हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "क्योंकि इसे यशायाह में पढ़ा जा सकता है" या "क्योंकि यह यशायाह की पुस्तक में कहा गया है"

देखें: उद्धरण और उद्धरण सीमा

### 1 कुरिन्थियों 1:19 (#1)

"ज्ञान को" - "समझदारों की समझ को तुच्छ कर दूँगा"

"मैं बुद्धिमान लोगों को भ्रमित कर दूँगा या ""मैं बुद्धिमान लोगों की योजनाओं को पूरी तरह असफल कर दूँगा"""

### 1 कुरिन्थियों 1:19 (#5)

"ज्ञानवानों के ज्ञान को"

इन दोनों खण्डों में, पौलुस **ज्ञान** या **समझ** का वर्णन करने के लिए स्वामित्व रूप का उपयोग करते हैं जो **ज्ञानवानों** या **समझदारों** के पास होती है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप यह संकेत कर सकते हैं कि **ज्ञान** और **समझ** **ज्ञानवानों** या **समझदारों** के पास होती है। वैकल्पिक अनुवाद: "वह ज्ञान जो **ज्ञानवानों** के पास होता है ... वह समझ जो **समझदारों** के पास होती है"

देखें: स्वामित्व

### 1 कुरिन्थियों 1:19 (#6)

"ज्ञानवानों के"

पौलुस यहाँ **ज्ञानवानों** और **समझदारों** विशेषणों का उपयोग संज्ञाओं के रूप में कर रहे हैं। आपकी भाषा में भी विशेषणों का इस तरह से उपयोग हो सकता है। यदि नहीं, तो आप इन्हें संज्ञा वाक्यांशों के साथ अनुवाद कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जो लोग बुद्धिमान हैं ... जो लोग समझदार हैं"

देखें: संज्ञात्मक विशेषण

**1 कुरिन्थियों 1:19 (#7)****"समझदारों की"**

यहाँ, **समझदारों** उस व्यक्ति का वर्णन करता है जो समस्याओं को हल करने में, नए विचारों को समझने में और समझदारी से निर्णय लेने में सक्षम होता है। अपनी भाषा में एक ऐसा शब्द प्रयोग करें जो इस सामान्य विचार को व्यक्त करता हो। वैकल्पिक अनुवाद: "चतुर लोगों का" या "प्रवीण लोगों का"

देखें: अज्ञातों का अनुवाद करें

**1 कुरिन्थियों 1:20 (#1)**

""

"पौलुस ने जोर दिया कि वास्तव में बुद्धिमान लोग कहीं नहीं मिलते। वैकल्पिक अनुवाद: ""सुसमाचार के ज्ञान की तुलना में, कोई बुद्धिमान लोग नहीं, कोई विद्वान् नहीं, कोई विवादकर्ता नहीं!"" (देखें: )"

देखें: आलंकारिक प्रश्न

**1 कुरिन्थियों 1:20 (#2)****"ज्ञानवान?" - "शास्त्री?" - "विवादी?"**

पौलुस इन एक वचन संज्ञाओं का उपयोग लोगों के प्रकार की पहचान करने के लिए करते हैं, लेकिन उनका तात्पर्य केवल एक **ज्ञानवान् व्यक्ति, शास्त्री, या विवादी** से नहीं है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप इस रूप को व्यक्ति के प्रकार की पहचान करने वाले रूप के साथ व्यक्त कर सकते हैं, या आप इन संज्ञाओं का बहुवचन रूप में अनुवाद कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "ऐसे लोग जो बुद्धिमान होते हैं ... ऐसे लोग जो शास्त्री होते हैं ... ऐसे लोग जो वाद-विवादी होते हैं"

देखें: सामान्य संज्ञा वाक्यांश

**1 कुरिन्थियों 1:20 (#3)****"इस संसार का विवादी?"**

यहाँ पौलुस स्वामित्व रूप का उपयोग करके **विवादी** का वर्णन करते हैं जो **इस संसार का हिस्सा** है। वास्तव में, पौलुस का मतलब हो सकता है कि **ज्ञानवान्** और **शास्त्री** भी **इस संसार से सम्बन्धित हैं**। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप इस रूप के पीछे के विचार को एक सम्बन्धवाचक उपवाक्य का उपयोग करके व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "यह बुद्धि जिसे यह संसार महत्व देता है"

सम्बन्धवाचक उपवाक्य के साथ व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "विवादकर्ता, जो इस युग से सम्बन्धित" या "विवादी? इस प्रकार के सभी लोग इस युग से सम्बन्धित हैं"

देखें: स्वामित्व

**1 कुरिन्थियों 1:20 (#3)****"विवादी"**

एक व्यक्ति जो अपने ज्ञान के बारे में तर्क देता है या जो ऐसे तर्कों में कुशल है

**1 कुरिन्थियों 1:20 (#4)****"क्या परमेश्वर ने संसार के ज्ञान को मूर्खता नहीं ठहराया"**

"पौलुस ने इस सवाल का प्रयोग इस बात पर ज़ोर देने के लिए किया है कि परमेश्वर ने इस दुनिया के ज्ञान के साथ क्या किया है। वैकल्पिक अनुवाद: ""परमेश्वर ने दिखाया है कि जिसे वे ज्ञान कहते हैं वह वास्तव में मूर्खता है""

देखें: आलंकारिक प्रश्न

**1 कुरिन्थियों 1:20 (#6)****"संसार के ज्ञान"**

यहाँ पौलुस स्वामित्व रूप का उपयोग करके उस **ज्ञान** का वर्णन करते हैं जो इस **संसार** के मानक के अनुसार बुद्धिमानी प्रतीत होती है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप इस रूप के पीछे के विचार को एक सम्बन्धवाचक उपवाक्य का उपयोग करके व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "वह बुद्धि जिसे यह संसार महत्व देता है"

देखें: स्वामित्व

**1 कुरिन्थियों 1:21 (#1)****"क्योंकि"**

यहाँ, **क्योंकि** यह समझाने के लिए प्रयोग किया गया है कि कैसे परमेश्वर ने संसार के ज्ञान को मूर्खता में बदल दिया है ([1:20](#))। आप अपनी भाषा में एक ऐसा शब्द या छोटा वाक्यांश उपयोग कर सकते हैं जो यह दर्शाता हो कि यह पद पिछले पद की व्याख्या करता है। वैकल्पिक अनुवाद: "अर्थात्,"

देखें: जोड़ें — कारण और परिणाम सम्बन्ध

## 1 कुरिन्थियों 1:21 (#2)

"जब" - "संसार ने ज्ञान से परमेश्वर को न जाना तो परमेश्वर को यह अच्छा लगा"

यहाँ, जब पद के दूसरे भाग का कारण प्रस्तुत करता है, जो परमेश्वर को यह अच्छा लगा से शुरू होता है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप इसे और स्पष्ट कर सकते हैं या दोनों भागों को दो वाक्यों में विभाजित कर सकते हैं और परिणाम को दर्शनी वाले एक शब्द उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "क्योंकि ... संसार ने ज्ञान के माध्यम से परमेश्वर को नहीं जाना, इसलिए परमेश्वर प्रसन्न हुए"

देखें: जोड़ें — कारण और परिणाम सम्बन्ध

## 1 कुरिन्थियों 1:21 (#3)

"परमेश्वर के ज्ञान"

यहाँ पौलुस स्वामित्व रूप का प्रयोग उस ज्ञान के लिए करते हैं जिसका उपयोग परमेश्वर अपने निर्णयों या कार्यों में करते हैं। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप इस रूप के पीछे के विचार को "योजनाएं" या "विचार" जोड़कर व्यक्त कर सकते हैं और ज्ञान का अनुवाद "ज्ञानवान" जैसे विशेषण के साथ कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "परमेश्वर की बुद्धिमान योजना में" या "परमेश्वर की बुद्धिमान सोच में"

देखें: स्वामित्व

## 1 कुरिन्थियों 1:21 (#4)

"संसार"

यहाँ पौलुस संसार शब्द का उपयोग उन मनुष्यों के लिए करते हैं जो संसार का हिस्सा हैं। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप इस शब्द का अर्थ व्यक्त करने के लिए संसार का अनुवाद एक ऐसे शब्द या वाक्यांश के साथ कर सकते हैं जो उन लोगों को सन्दर्भित करता है जो मसीह में विश्वास नहीं करते हैं, या आप "संसार के लोग" जैसे वाक्यांश का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "संसार के लोग"

देखें: उपलक्षण

## 1 कुरिन्थियों 1:21 (#1)

"विश्वास करनेवालों को"

"संभावित अर्थ 1) ""जो कोई संदेश पर विश्वास करते हैं"" या 2) ""जो कोई मसीह में विश्वास करते हैं।"""

## 1 कुरिन्थियों 1:21 (#6)

"मूर्खता"

पौलुस प्रचार को मूर्खता के रूप में वर्णित करते हैं। वह वास्तव में अपने संदेश को मूर्खतापूर्ण नहीं मानते। इसके बजाय, वह संसार और उसके ज्ञान के दृष्टिकोण से बोलते हैं, क्योंकि यह संदेश संसार के लिए मूर्खतापूर्ण प्रतीत होता है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप इस प्रकार की बातचीत को ऐसे भाव से व्यक्त कर सकते हैं जो सूचित करता है कि पौलुस व्यंग का प्रयोग कर रहा है या किसी अन्य व्यक्ति के दृष्टिकोण से बोल रहे हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "कथित मूर्खता"

देखें: व्यंग

## 1 कुरिन्थियों 1:22 (#1)

(क्योंकि) "यहूदी तो"

मूल भाषा में यहाँ क्योंकि शब्द आया है जो हिन्दी आई.आर.वि. अनुवाद में नहीं है। शब्द क्योंकि इस पद और अगले पद में पौलुस जो कहते हैं, उसके बीच विरोधाभास स्थापित करता है। यदि आपकी भाषा में विरोधाभास शुरू करने का कोई तरीका है, तो आप इसे यहाँ उपयोग कर सकते हैं। अन्यथा, आप इस शब्द को बिना अनुवाद किए छोड़ सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "यह वास्तव में सत्य है कि यहूदी"

देखें: शब्दों और वाक्यांशों को जोड़ना

## 1 कुरिन्थियों 1:22 (#2)

"यहूदी" - "यूनानी"

यहाँ पौलुस जब यहूदी और यूनानी शब्दों का प्रयोग करते हैं, तो उनका अर्थ यह नहीं है कि हर एक यहूदी और हर एक यूनानी व्यक्ति ऐसा करता है। बल्कि वह सामान्य प्रवृत्तियों की बात कर रहे हैं जो इन समुदायों में आम तौर पर पाई जाती हैं। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप इस रूप को स्पष्ट कर सकते हैं कि यह सभी यहूदी और यूनानी लोगों के बारे में नहीं है। वैकल्पिक अनुवाद: "अधिकांश यहूदी ... अधिकांश यूनानी"

देखें: अतिशयोक्ति

## 1 कुरिन्थियों 1:22 (#3)

### "यूनानी"

यहाँ, यूनानी केवल उन लोगों को सन्दर्भित नहीं करता जो जातीय रूप से यूनानी हैं। यह उन सभी को भी सन्दर्भित नहीं करता जो यहूदी नहीं हैं। बल्कि, यह उन लोगों को सन्दर्भित करता है जो यूनानी भाषा बोलते हैं और यूनानी संस्कृति के दर्शनशास्त्र और शिक्षा को महत्व देते हैं। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप इस शब्द के अर्थ को एक ऐसे शब्द या वाक्यांश के साथ व्यक्त कर सकते हैं जो इन लोगों की रुचियों और मूल्यों के आधार पर उनकी पहचान करता है, न कि उनकी जातीयता के आधार पर। वैकल्पिक अनुवाद: "जो लोग यूनानी दर्शनशास्त्र को महत्व देते हैं" या "जो लोग यूनानी शिक्षा प्राप्त कर चुके हैं।"

देखें: अज्ञातों का अनुवाद करें

## 1 कुरिन्थियों 1:23 (#1)

### "परन्तु"

यहाँ पौलुस परन्तु का उपयोग उस विरोध को जारी रखने के लिए करते हैं जो उन्होंने 1:22 में स्थापित किया था। यहूदी चिन्हों की खोज करते हैं, और यूनानी ज्ञान की खोज करते हैं, लेकिन पौलुस और उनके जैसे लोग यह प्रचार करते हैं कि मसीह को क्रूस पर चढ़ाया गया था। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप इस सम्बन्ध को एक शब्द या वाक्यांश के साथ व्यक्त कर सकते हैं जो व्यवहार या विश्वासों के बीच एक मजबूत विरोधाभास को इंगित करता है। वैकल्पिक अनुवाद: "उनके विपरीत,"

देखें: जोड़ें — विरोधाभास सम्बन्ध

## 1 कुरिन्थियों 1:23 (#2)

### "हम"

यहाँ, हम पौलुस और अन्य लोगों को सन्दर्भित करता है जो उनके साथ सुसमाचार का प्रचार करते हैं। इसमें कुरिन्थियों को शामिल नहीं किया गया है।

देखें: विशिष्ट और समावेशी 'हम'

## 1 कुरिन्थियों 1:23 (#1)

"मसीह के बारे में, जो एक क्रूस पर मारा गया

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

## 1 कुरिन्थियों 1:23 (#2)

जैसे एक व्यक्ति सङ्क पर एक पत्थर से ठोकर खा सकता है, इसलिए मसीह के क्रूस पर चढ़ने से उद्धार का संदेश यहूदियों को यीशु में विश्वास करने से रोकता है। वैकल्पिक अनुवाद: ""स्वीकार्य नहीं"" या ""बहुत आक्रामक""

देखें: रूपक

## 1 कुरिन्थियों 1:23 (#5)

### "यहूदियों के" - "अन्यजातियों के"

यहाँ पौलुस जब "यहूदियों" और "अन्यजातियों" शब्दों का प्रयोग करते हैं, तो उसका अभिप्राय यह नहीं है कि हर एक यहूदी और हर एक अन्यजाति व्यक्ति सुसमाचार के प्रति इसी तरह प्रतिक्रिया करता है। इसके बजाय, वे सामान्यीकरण कर रहे हैं, यहूदी और अन्यजाति लोगों के बीच सामान्य तरीकों की पहचान कर रहे हैं। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप इस रूप को स्पष्ट करके व्यक्त कर सकते हैं कि सभी यहूदी और अन्यजाति का मतलब नहीं है। वैकल्पिक अनुवाद: "अधिकांश यहूदियों के लिए ... अधिकांश अन्यजातियों के लिए"

देखें: अतिशयोक्ति

## 1 कुरिन्थियों 1:24 (#1)

### "परन्तु"

यहाँ पौलुस परन्तु का उपयोग बुलाए हुए और "यहूदी" और "गैर-यहूदी" के बीच 1:23 में अन्तर दिखाने के लिए करते हैं। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप इस सम्बन्ध को व्यक्त करने के लिए ऐसा शब्द या वाक्यांश उपयोग कर सकते हैं जो लोगों और उनकी सोच के बीच अन्तर दिखाए। वैकल्पिक अनुवाद: "उनके विपरीत,"

देखें: जोड़ें — विरोधाभास सम्बन्ध

## 1 कुरिन्थियों 1:24 (#2)

"जो बुलाए हुए हैं क्या यहूदी, क्या यूनानी, उनके निकट मसीह परमेश्वर की सामर्थ्य, और परमेश्वर का ज्ञान है"

पौलुस यहाँ उन लोगों को पहले रखते हैं जिनके बारे में वह बात कर रहे हैं, इससे पहले कि वह उनके बारे में कोई बयान दें। यदि यह आपकी भाषा में अस्वाभाविक है, तो आप ऐसा

कर सकते हैं: (1) वाक्य को इस प्रकार बनाएं कि पूरे वाक्य का विषय **बुलाए हुए** हो। वैकल्पिक अनुवाद: "जो बुलाए गए हैं, वे यहूदी और यूनानी दोनों जानते हैं कि मसीह परमेश्वर की शक्ति और परमेश्वर की बुद्धि हैं" (2) **बुलाए गए** को वाक्य के अन्त में ले जाएँ। वैकल्पिक अनुवाद: "मसीह परमेश्वर की शक्ति और परमेश्वर की बुद्धि हैं उन लोगों के लिए जो बुलाए गए हैं, यहूदी और यूनानी दोनों"

देखें: सूचना संरचना

## 1 कुरिन्थियों 1:24 (#1)

"उस कूस पर चढ़ाए हुए मसीह का"  
लोगों को जिन्हें परमेश्वर पुकारते हैं"

## 1 कुरिन्थियों 1:24 (#4)

"बुलाए हुए"

यदि आपकी भाषा में निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं होता है, तो आप इस विचार को सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य स्वाभाविक तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। पौलुस यहाँ निष्क्रिय रूप का उपयोग उन पर ध्यान केन्द्रित करने के लिए करते हैं जो **बुलाए हुए** हैं, बजाय इसके कि कौन "**बुला**" रहा है। यदि आपको यह बताना आवश्यक है कि कार्य कौन करता है, तो पौलुस यह संकेत देते हैं कि "**परमेश्वर**" इसे करते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जिन्हें परमेश्वर ने बुलाया है"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

## 1 कुरिन्थियों 1:24 (#5)

"यूनानी"

यहाँ, **यूनानी** केवल उन लोगों को सन्दर्भित नहीं करता जो जातीय रूप से यूनानी हैं। यह उन सभी को भी सन्दर्भित नहीं करता जो यहूदी नहीं हैं। बल्कि, यह उन लोगों को सन्दर्भित करता है जो यूनानी भाषा बोलते हैं और जो यूनानी संस्कृति के दर्शन और शिक्षा को महत्व देते हैं। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप इस शब्द के अर्थ को एक शब्द या वाक्यांश के साथ व्यक्त कर सकते हैं जो उनकी जातीयता के बजाय, इन लोगों की रुचियों और मूल्यों के आधार पर उनकी पहचान करता है। वैकल्पिक अनुवाद: "वे लोग जो यूनानी संस्कृति के दर्शन को महत्व देते हैं" या "वे लोग जिन्होंने यूनानी शिक्षा प्राप्त की है"

देखें: अज्ञातों का अनुवाद करें

## 1 कुरिन्थियों 1:24 (#3)

""

"संभावित अर्थ 1) ""परमेश्वर ने मसीह को हमारे लिए मरने के लिए भेजकर शक्तिशाली और बुद्धिमानी से काम किया"" या ""मसीह के द्वारा परमेश्वर ने दिखाया कि वह कितना शक्तिशाली और बुद्धिमान है!"""

## 1 कुरिन्थियों 1:24 (#4)

""

एक और संभावित अर्थ यह है कि मसीह शक्तिशाली है और मसीह के द्वारा परमेश्वर हमें बचाता है।

## 1 कुरिन्थियों 1:24 (#5)

"परमेश्वर की" - "ज्ञान है"

एक और संभावित अर्थ यह है कि परमेश्वर मसीह के द्वारा अपने ज्ञान की सम्पूर्णता दिखाता है।

## 1 कुरिन्थियों 1:25 (#1)

"क्योंकि"

यहाँ, **क्योंकि** शब्द उस कारण को प्रस्तुत करता है कि मसीह के बारे में प्रतीत होने वाला मूर्खतापूर्ण संदेश वास्तव में परमेश्वर की सामर्थ्य और ज्ञान क्यों है ([1:24](#))। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप इस सम्बन्ध को एक ऐसे शब्द के साथ व्यक्त कर सकते हैं जो एक कारण प्रस्तुत करता हो या एक छोटा वाक्यांश जो इस पद को पिछले पद या पदों से जोड़ता है। वैकल्पिक अनुवाद: "परमेश्वर मूर्खता के माध्यम से कार्य करते हैं क्योंकि"

देखें: जोड़ें — कारण और परिणाम सम्बन्ध

## 1 कुरिन्थियों 1:25 (#1)

""

"संभावित अर्थ 1) पौलुस परमेश्वर की मूर्खता और कमजोरी के बारे में विडंबना से बात कर रहा है। पौलुस जानता है कि परमेश्वर मूर्ख या कमजोर नहीं है। वैकल्पिक अनुवाद: ""जो परमेश्वर की मूर्खता प्रतीत होती है वह लोगों के ज्ञान से अधिक ज्ञानपूर्ण है, और जो परमेश्वर की कमजोरी लगती है वह लोगों की ताकत से अधिक मजबूत है"" या 2) पौलुस यूनानी लोगों के दृष्टिकोण की बात कर रहा है जो सोचते हैं कि परमेश्वर मूर्ख

या कमजोर है। वैकल्पिक अनुवाद: ""जिसे लोग परमेश्वर की मूर्खता कहते हैं, वे वास्तव में लोगों के ज्ञान से अधिक ज्ञानपूर्ण हैं, और जिसे लोग परमेश्वर की कमजोरी कहते हैं, वे वास्तव में लोगों की ताकत से मजबूत हैं""

देखें: विडंबना

## 1 कुरिन्थियों 1:25 (#3)

"मनुष्यों," - "मनुष्यों"

इस पद में दोनों जगह अनुवादित शब्द **मनुष्य** केवल पुरुषों को सन्दर्भित नहीं करता है। बल्कि, पौलस का आशय किसी भी लिंग के **व्यक्ति** से है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप **मनुष्य** को दोनों लिंगों के लिए सन्दर्भित करने के लिए अनुवाद कर सकते हैं या एक लिंग-निरपेक्ष शब्द का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "स्त्रियाँ और पुरुष ... स्त्रियाँ और पुरुष"

देखें: जब पुलिंग शब्दों में स्त्रियाँ भी सम्मिलित होती हैं

## 1 कुरिन्थियों 1:25 (#4)

"परमेश्वर की मूर्खता"

यहाँ पौलस **परमेश्वर** से आने वाली **मूर्खता** का वर्णन करने के लिए स्वामित्व रूप का उपयोग करते हैं। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप इस रूप के पीछे के विचार को एक वाक्यांश के साथ व्यक्त कर सकते हैं जो यह दर्शाता है कि **परमेश्वर मूर्खता** करते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "परमेश्वर जो मूर्खतापूर्ण काम करते हैं वे हैं"

देखें: स्वामित्व

## 1 कुरिन्थियों 1:25 (#5)

"मनुष्यों के ज्ञान से ज्ञानवान हैं"

यहाँ पौलस तुलना करते समय उन सभी शब्दों का प्रयोग नहीं करते जो कई भाषाओं में पूर्ण तुलना के लिए आवश्यक होते हैं। यदि आपकी भाषा में इन शब्दों की आवश्यकता है, तो आप तुलना को पूरा करने के लिए जो भी आवश्यक हो, जोड़ सकते हैं, जैसे "ज्ञान।" वैकल्पिक अनुवाद: "मनुष्यों के ज्ञान से ज्ञानवान हैं"

देखें: पदलोप

## 1 कुरिन्थियों 1:25 (#6)

"परमेश्वर की निर्बलता"

यहाँ पौलस स्वामित्व रूप का प्रयोग करके उस **निर्बलता** का वर्णन करता है जो **परमेश्वर** की ओर से आती है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप इस विचार को ऐसे वाक्यांश के साथ अनुवाद करके व्यक्त कर सकते हैं जो यह दर्शाता है कि **परमेश्वर निर्बलता** करता है। वैकल्पिक अनुवाद: "वे निर्बल बातें जो परमेश्वर करते हैं"

देखें: स्वामित्व

## 1 कुरिन्थियों 1:25 (#7)

"मनुष्यों के बल से बहुत बलवान हैं"

यहाँ पौलस तुलना करते समय उन सभी शब्दों का प्रयोग नहीं करते जो कई भाषाओं में पूर्ण तुलना के लिए आवश्यक होते हैं। यदि आपकी भाषा में इन शब्दों की आवश्यकता है, तो आप तुलना को पूरा करने के लिए जो भी आवश्यक हो, जोड़ सकते हैं, जैसे "बल।" वैकल्पिक अनुवाद: "मनुष्यों के बल से बहुत बलवान हैं"

देखें: पदलोप

## 1 कुरिन्थियों 1:26 (#1)

"क्योंकि (हे भाइयों)"

मूल भाषा में यहाँ **क्योंकि** शब्द आया है जो हिन्दी आई.आर.वि. अनुवाद में नहीं लिखा है। यहाँ **क्योंकि**, पौलस ने अब तक जो दावा किया है कि परमेश्वर मूर्खता और निर्बलता के ज़रिए काम करना चुनते हैं, उसके लिए प्रमाण या उदाहरण प्रस्तुत करते हैं। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप इस सम्बन्ध को उदाहरण या समर्थन प्रस्तुत करने वाले शब्द या वाक्यांश के साथ व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "उदाहरण के लिए,"

देखें: शब्दों और वाक्यांशों को जोड़ना

## 1 कुरिन्थियों 1:26 (#2)

"अपने बुलाए जाने"

यहाँ, **बुलाए जाने** मुख्य रूप से उस समय के कुरिन्थियों को सन्दर्भित करता है जब वे **बुलाए** गए थे। यह मुख्य रूप से परमेश्वर के **बुलाने** के कार्य को सन्दर्भित नहीं करता है। यदि यह आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप अपने

अनुवाद में इस पहलू पर जोर दे सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जब तुमको बुलाया गया था तब तुम कौन थे"

देखें: उपलक्षण

## 1 कुरिन्थियों 1:26 (#3)

"भाइयों"

यहाँ, भाइयों केवल पुरुषों का उल्लेख नहीं करता है, बल्कि किसी भी लिंग के लोगों का उल्लेख करता है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप भाइयों को एक लिंग-भेद रहित शब्द से व्यक्त कर सकते हैं या दोनों लिंगों का उल्लेख कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "भाइयों और बहनों"

देखें: जब पुलिंग शब्दों में स्त्रियाँ भी सम्मिलित होती हैं

## 1 कुरिन्थियों 1:26 (#2)

""

"इसे सकारात्मक रूप में कहा जा सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: ""तुम में से कुछ"""

## 1 कुरिन्थियों 1:26 (#5)

"न... बहुत {"न बहुत" {और} "न बहुत"

हालांकि पौलुस स्पष्ट रूप से यह नहीं कहते कि न बहुत कुरिन्थियों को सन्दर्भित करता है, लेकिन जब वह कहते हैं न बहुत तो वह कुरिन्थियों का उल्लेख कर रहे हैं। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप "तुम" जोड़ सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "तुम में से न बहुत ... तुम में से न बहुत ... और तुम में से न बहुत"

देखें: सर्वनाम — उनका उपयोग कब करें

## 1 कुरिन्थियों 1:26 (#6)

"न शरीर के अनुसार बहुत ज्ञानवान, और न बहुत सामर्थी, और न बहुत कुलीन"

पौलुस यहाँ शरीर के अनुसार वाक्यांश का उपयोग केवल ज्ञानवान के लिए नहीं, बल्कि ज्ञानवान, सामर्थी, और कुलीन इन तीनों को स्पष्ट करने के लिए करते हैं। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप वाक्यांश शरीर के अनुसार को स्थानांतरित कर सकते हैं ताकि यह स्पष्ट हो कि यह इन तीनों कथनों को संशोधित करता है। वैकल्पिक

अनुवाद: "शरीर के अनुसार, बहुत से लोग ज्ञानवान नहीं थे, बहुत से लोग सामर्थी नहीं थे, और बहुत से लोग कुलीन नहीं थे"

देखें: सूचना संरचना

## 1 कुरिन्थियों 1:26 (#3)

"शरीर के अनुसार" - "ज्ञानवान, और"

जिसे ज्यादातर लोग बुद्धिमान कहें

## 1 कुरिन्थियों 1:27 (#1)

"परन्तु"

यहाँ पौलुस परन्तु का उपयोग एक विरोधाभास प्रस्तुत करने के लिए करते हैं। वह 'परमेश्वर ने जगत के मूर्खों को चुन लिया' की तुलना इस बात से कर रहे हैं कि एक व्यक्ति यह अपेक्षा कर सकता है कि परमेश्वर कुरिन्थियों जैसे मूर्ख और कमज़ोर लोगों के साथ कैसा व्यवहार करेगा। वह परमेश्वर ने जगत के मूर्खों को चुन लिया की तुलना कुरिन्थियों की मूर्खता और कमज़ोरी के बारे में पिछले वचन में दिए गए कथनों से नहीं कर रहा है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप इस विरोधाभास को स्पष्ट कर सकते हैं कि पौलुस परन्तु लिखते हैं ताकि इस कथन की तुलना परमेश्वर के बारे में एक व्यक्ति की अपेक्षा से की जा सके। वैकल्पिक अनुवाद: "जैसा कि उम्मीद की जा सकती थी उसके विपरीत"

देखें: जोड़े — विरोधाभास सम्बन्ध

## 1 कुरिन्थियों 1:27 (#1)

""

पौलुस दो वाक्यों में एक शब्द को कई बार दोहराता है जिसका मतलब लगभग समान है कि परमेश्वर के कार्य करने का तरीका और जैसा लोग सोचते हैं कि परमेश्वर को करना चाहिए कि उसमें अंतर को दर्शा सके।

देखें: समांतरता

## 1 कुरिन्थियों 1:27 (#3)

"जगत के मूर्खों को" - "जगत के निर्बलों को"

पौलुस मूर्खों और निर्बलों का वर्णन करने के लिए दो बार स्वामित्व रूप का उपयोग करते हैं ताकि यह स्पष्ट कर सके कि वे केवल जगत के दृष्टिकोण से मूर्ख और निर्बल हैं। यदि

यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप इस रूप के पीछे के विचार को एक वाक्यांश के साथ व्यक्त कर सकते हैं जैसे "जगत के अनुसार।" वैकल्पिक अनुवाद: "वे जो जगत के अनुसार मूर्ख हैं... वे जो जगत के अनुसार कमजोर हैं"

देखें: स्वामित्व

## 1 कुरिन्थियों 1:27 (#4)

"जगत के" - "जगत के"

जब पौलुस इस सन्दर्भ में जगत का उपयोग करते हैं, तो वे मुख्य रूप से उन सभी चीजों का उल्लेख नहीं कर रहे हैं जो परमेश्वर ने बनाई हैं। बल्कि, वह जगत का उपयोग मानव प्राणियों का उल्लेख करने के लिए करते हैं। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप जगत को एक ऐसी अभिव्यक्ति के साथ व्यक्त कर सकते हैं जो सामान्य रूप से मानव प्राणियों का उल्लेख करती है। वैकल्पिक अनुवाद: "लोगों की ... लोगों की"

देखें: उपलक्षण

## 1 कुरिन्थियों 1:27 (#5)

"कि" - "कि"

यहाँ, कि का अर्थ यह हो सकता है: (1) वह उद्देश्य जिसके लिए परमेश्वर ने जगत के मूर्खों को चुन लिया और जगत के निर्बलों को चुन लिया। वैकल्पिक अनुवाद: "ताकि ... ताकि" (2) क्या हुआ जब परमेश्वर ने जगत के मूर्खों को चुन लिया और जगत के निर्बलों को चुन लिया। वैकल्पिक अनुवाद: "जिसके परिणामस्वरूप ... जिसके परिणामस्वरूप"

देखें: जोड़ें — लक्ष्य (उद्देश्य) सम्बन्ध

## 1 कुरिन्थियों 1:27 (#6)

"ज्ञानियों," - "बलवानों"

पौलुस विशेषण ज्ञानियों का उपयोग लोगों के एक समूह का वर्णन करने के लिए करते हैं, और वह विशेषण बलवानों का उपयोग लोगों और वस्तुओं के एक समूह का वर्णन करने के लिए करते हैं। आपकी भाषा में भी विशेषणों का इसी तरह उपयोग हो सकता है। यदि नहीं, तो आप इन दो विशेषणों का अनुवाद संज्ञा वाक्यांशों के साथ कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जो लोग ज्ञानवान हैं ... जो लोग और वस्तुएं बलवान हैं"

देखें: संज्ञात्मक विशेषण

## 1 कुरिन्थियों 1:28 (#1)

"परमेश्वर ने... चुन लिया" - "जगत के," - "कि"

इस पद में, पौलुस पिछले पद के समानांतर भागों से कई शब्दों को दोहराते हैं। वह ऐसा इसलिए करते हैं क्योंकि उनकी संस्कृति में, विभिन्न उदाहरणों के साथ एक ही विचार को दोहराना केवल एक उदाहरण का उपयोग करने की तुलना में अधिक प्रभावी होता था। यदि सम्भव हो, तो इन शब्दों का अनुवाद उसी तरह करें जैसे आपने 1:27 में किया था। यदि इससे वाक्य अधिक प्रभावी लगेगा तो आप कुछ शब्दों को हटा या बदल सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "उन्होंने चुना ... संसार के ... ताकि"

देखें: समानांतरता

## 1 कुरिन्थियों 1:28 (#1)

""

"जिन लोगों को दुनिया अस्वीकार करती है। वैकल्पिक अनुवाद: ""जो लोग विनम्र और अस्वीकृत हैं""

## 1 कुरिन्थियों 1:28 (#3)

"तुच्छों"

जबकि नीच चीजें किसी व्यक्ति की स्थिति या किसी चीज की स्थिति को संदर्भित करती हैं, तुच्छ चीजों के लिए अनुवादित शब्द का अर्थ है कि लोग अन्य लोगों या चीजों के साथ कैसा व्यवहार करते हैं जिनकी स्थिति कम है। आमतौर पर, लोग उन लोगों के साथ बुरा व्यवहार करते हैं जिन्हें वे नीची स्थिति का मानते हैं, उन्हें नजरअंदाज करते हैं या उनका मजाक उड़ाते हैं। यहीं पौलुस का मतलब है जब वह तुच्छ कहते हैं। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप तुच्छों को एक शब्द या वाक्यांश के साथ व्यक्त कर सकते हैं जो नीची स्थिति के लोगों के प्रति लोगों के दुर्व्यवहार को सन्दर्भित करता है। वैकल्पिक अनुवाद: "तिरस्कृत चीजें" या "वे चीजें जिन्हें लोग धूणा से देखते हैं"

देखें: अज्ञातों का अनुवाद करें

## 1 कुरिन्थियों 1:28 (#4)

"जगत के नीचों और तुच्छों को"

यहाँ पौलुस जगत के वाक्यांश का उपयोग नीचों और तुच्छों दोनों का वर्णन करने के लिए करते हैं। जैसा कि 1:27 में है,

वह स्वामित्व रूप का प्रयोग यह स्पष्ट करने के लिए करता है कि नीचों और तुच्छों के बीच संसार के दृष्टिकोण से नीच और तुच्छ हैं। यदि यह आपकी भाषा में उपयोगी होगा, तो आप 'जगत के' वाक्यांश के पीछे के विचार को "जगत के अनुसार" जैसे वाक्यांश के साथ व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जगत के अनुसार नीच और तुच्छ"

देखें: स्वामित्व

## 1 कुरिन्थियों 1:28 (#5)

### "जगत के"

जब पौलुस इस सन्दर्भ में जगत का उपयोग करते हैं, तो वह मुख्य रूप से उन सभी चीजों का उल्लेख नहीं कर रहे हैं जो परमेश्वर ने बनाई हैं। बल्कि, वह जगत का उपयोग मनुष्य प्राणियों को सन्दर्भित करने के लिए करते हैं। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप जगत को एक ऐसी अभिव्यक्ति के साथ व्यक्त कर सकते हैं जो सामान्य रूप से मनुष्य प्राणियों को सन्दर्भित करती हो। वैकल्पिक अनुवाद: "लोगों की"

देखें: उपलक्षण

## 1 कुरिन्थियों 1:28 (#3)

""

शून्य उसने ऐसा किया ताकि वह दिखा सके कि मूल्यवान समझे जाने वाली चीजें वास्तव में बेकार हैं

## 1 कुरिन्थियों 1:28 (#4)

""

"इसे सक्रिय रूप में कहा जा सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: ""चीजें जो लोग सोचते हैं वे पैसे के योग्य हैं"" या ""चीजें जो लोग सोचते हैं वे सम्मान के योग्य हैं"""

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

## 1 कुरिन्थियों 1:28 (#8)

### "उन्हें... व्यर्थ ठहराए"

यहाँ, उन्हें... व्यर्थ ठहराए का अर्थ है कुछ को अप्रभावी, बेकार, या अप्रासाधिक बनाना। पौलुस का मतलब है कि परमेश्वर ने उन्हें जो हैं को महत्वहीन और बिना कार्य के बना दिया है क्योंकि उन्होंने जो हैं भी नहीं के माध्यम से काम

किया। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो सकता है, तो आप व्यर्थ ठहराए को एक शब्द या वाक्यांश के साथ व्यक्त कर सकते हैं जो यह संकेत करता हो कि किसी व्यक्ति ने ऐसा कार्य किया है जिससे कुछ और अब महत्वपूर्ण, उपयोगी, या प्रभावी नहीं रहे। वैकल्पिक अनुवाद: "वह उसे गिरा सकते हैं" या "अप्रभावी बना सकते हैं"

देखें: अज्ञातों का अनुवाद करें

## 1 कुरिन्थियों 1:28 (#9)

### "उन्हें जो हैं"

इस सन्दर्भ में, उन्हें जो हैं मुख्य रूप से उन चीजों का उल्लेख नहीं करता जो अस्तित्व में हैं। बल्कि, यह मुख्य रूप से उन चीजों का उल्लेख करता है जो समाज और संस्कृति में महत्वपूर्ण हैं। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप उन्हें जो हैं को एक तुलनीय वाक्यांश के साथ व्यक्त कर सकते हैं जो आपकी संस्कृति में महत्वपूर्ण या मूल्यवान चीजों और लोगों का उल्लेख करता हो। वैकल्पिक अनुवाद: "वो चीजें जिनकी लोगों को परवाह होती हैं"

देखें: मुहावरा

## 1 कुरिन्थियों 1:29 (#1)

### "ताकि"

यहाँ, ताकि एक अन्तिम लक्ष्य प्रस्तुत करता है। 1:28-29 में, पौलुस "ताकि" का उपयोग तत्काल लक्ष्यों को प्रस्तुत करने के लिए करते हैं, लेकिन यहाँ, ताकि समग्र लक्ष्य है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप ताकि को एक शब्द या वाक्यांश के साथ व्यक्त कर सकते हैं जो एक अन्तिम या समग्र लक्ष्य प्रस्तुत करता हो, तथा यदि सम्भव हो तो 1:28-29 में प्रयुक्त शब्दों से इसे अलग करना सुनिश्चित करें। वैकल्पिक अनुवाद: "ताकि, अंत में,"

देखें: जोड़े — लक्ष्य (उद्देश्य) सम्बन्ध

## 1 कुरिन्थियों 1:29 (#2)

### "कोई प्राणी"

पौलुस मनुष्यों का उल्लेख करने के लिए प्राणी शब्द का उपयोग करते हैं। उनकी पत्रियों के कई अन्य स्थानों के विपरीत, प्राणी पापी और कमज़ोर मानवता का संकेत नहीं देता। इसके बजाय, यह केवल मनुष्यों की उनके सृष्टिकर्ता, परमेश्वर से तुलना को संदर्भित करता है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप प्राणी को एक ऐसे शब्द या

वाक्यांश के साथ व्यक्त कर सकते हैं जो सामान्यतः लोगों का उल्लेख करता हो, विशेष रूप से यदि इसमें यह विचार शामिल है कि लोग परमेश्वर द्वारा बनाए गए हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "कोई प्राणी"

देखें: मुहावरा

## 1 कुरिन्थियों 1:29 (#3)

### "परमेश्वर के सामने"

यहाँ पौलुस लोगों को परमेश्वर के सामने घमण्ड न करने की सलाह दे रहे हैं, जैसे कि वे परमेश्वर के सामने खड़े हों। इस प्रकार की बात से, पौलुस का तात्पर्य है कि लोग ऐसा व्यवहार कर रहे हैं जैसे वे परमेश्वर को देख सकते हैं और परमेश्वर उन्हें देख सकते हैं। इसका अर्थ है कि वे यह मानते हैं कि परमेश्वर जानता है कि वे क्या कहते और करते हैं। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप इस मुहावरे को एक तुलनीय वाक्यांश के साथ व्यक्त कर सकते हैं जो यह दर्शाता हो कि कोई व्यक्ति यह मानता है कि परमेश्वर जानते हैं कि वे क्या कर रहे हैं और सोच रहे हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जब वे जानते हैं कि परमेश्वर उन्हें देख रहे हैं" या "जबकि परमेश्वर देख रहे हैं"

देखें: रूपक

## 1 कुरिन्थियों 1:30 (#1)

### "परन्तु"

यहाँ, परन्तु उन लोगों के बीच एक मामूली अंतर प्रस्तुत करता है जो घमंड कर सकते हैं और उन कुरिन्थियों के बीच जो मसीह के साथ एक हो गए हैं। हालांकि, परन्तु का मुख्य अर्थ है कि पौलुस अपने तर्क के अगले चरण की ओर बढ़ रहे हैं। यदि परन्तु आपकी भाषा में इस विचार को व्यक्त नहीं करता है, तो आप एक ऐसा शब्द उपयोग कर सकते हैं जो संकेत करता है कि लेखक अगले चरण की ओर बढ़ रहे हैं, या आप इसे बिना अनुवाद किए छोड़ सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "अब"

देखें: शब्दों और वाक्यांशों को जोड़ना

## 1 कुरिन्थियों 1:30 (#1)

""

यह क्रूस पर मसीह के काम को सम्बोधित करता है।

## 1 कुरिन्थियों 1:30 (#3)

### "उसी की"

यहाँ, उसी की सन्दर्भ परमेश्वर से है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप यहाँ उसी की के स्थान पर सीधे "परमेश्वर" का नाम उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "परमेश्वर की"

देखें: सर्वनाम — उनका उपयोग कब करें

## 1 कुरिन्थियों 1:30 (#4)

### "मसीह यीशु में"

पौलुस विश्वासियों की मसीह के साथ एकता का वर्णन करने के लिए मसीह यीशु में स्थानिक रूपक का उपयोग करते हैं। इस सन्दर्भ में, मसीह यीशु में होना, या मसीह यीशु के साथ एक होना, यह स्पष्ट करता है कि मसीह यीशु कैसे कुरिन्थियों के लिए ज्ञान, धार्मिकता, पवित्रता, और छुटकारा हो सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मसीह यीशु के साथ एकता में"

देखें: रूपक

## 1 कुरिन्थियों 1:30 (#3)

### "मसीह यीशु" - "जो परमेश्वर की ओर से हमारे लिये ज्ञान ठहरा अर्थात्"

"संभावित अर्थ 1) ""मसीह यीशु, जिसने हम पर स्पष्ट किया है कि परमेश्वर कितना बुद्धिमान है"" या 2) ""मसीह यीशु जिसने हमें परमेश्वर का ज्ञान दिया है।""

देखें: प्रतिन्यास

## 1 कुरिन्थियों 1:30 (#6)

### "जो परमेश्वर की ओर से हमारे लिये ज्ञान ठहरा"

यदि आपकी भाषा इस प्रकार निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं करती है, तो आप इस विचार को सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य स्वाभाविक तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। पौलुस यहाँ निष्क्रिय रूप का उपयोग करते हैं ताकि मसीह यीशु पर ध्यान केन्द्रित किया जा सके, जो हमारे लिए ज्ञान ठहरा, बजाय इसके कि उस व्यक्ति पर ध्यान केन्द्रित किया जाए जो उन्हें ज्ञान "ठहराता" है। यदि आपको यह बताना आवश्यक है कि कार्य कौन करता है, तो पौलुस यह संकेत देते हैं कि "परमेश्वर" इसे करते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जिन्हें परमेश्वर ने अपने आप से हमारे लिए ज्ञान बनाया" या "जिन्हें परमेश्वर ने हमारे लिए ज्ञान ठहरने के लिए बनाया"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

### 1 कुरिन्थियों 1:30 (#7)

"जो"

यहाँ, जो का सन्दर्भ मसीह यीशु से है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप जो का उपयोग करने के बजाय या जो के साथ मसीह यीशु का नाम उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मसीह जो"

देखें: सर्वनाम — उनका उपयोग कब करें

### 1 कुरिन्थियों 1:30 (#8)

"परमेश्वर की ओर से ज्ञान ठहरा अर्थात् धार्मिकता, और पवित्रता, और छुटकारा"

यदि आपकी भाषा में ज्ञान, धार्मिकता, पवित्रता, और छुटकारा के पीछे के विचारों के लिए भाववाचक संज्ञाओं का उपयोग नहीं होता है, तो आप परमेश्वर को विषय बनाकर क्रियाओं का उपयोग करके विचार व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "एक व्यक्ति जिसके माध्यम से परमेश्वर ने हमें सिखाया, हमें निर्दोष ठहराया, और हमें अपने लिए अलग करके स्वतंत्र भी किया"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

### 1 कुरिन्थियों 1:31 (#1)

"ताकि"

यहाँ, ताकि निम्नलिखित को प्रस्तुत कर सकता है: (1) परमेश्वर के बारे में उन्होंने जो कुछ भी कहा है, उसके परिणामस्वरूप वे चुनते हैं और कार्य करते हैं। यदि आप निम्नलिखित वैकल्पिक अनुवादों में से एक का उपयोग करते हैं, तो आपको इसके पहले एक पूर्ण विराम जोड़ने की आवश्यकता हो सकती है। वैकल्पिक अनुवाद: "इस सब के कारण" या "अतः" (2) वह उद्देश्य जिसके लिए परमेश्वर ने निर्बलों और मूर्खों को चुना। वैकल्पिक अनुवाद: "इस उद्देश्य से कि"

देखें: जोड़ें — कारण और परिणाम सम्बन्ध

### 1 कुरिन्थियों 1:31 (#2)

"ताकि जैसा लिखा है"

यहाँ पौलुस कुछ शब्द छोड़ देते हैं जो आपकी भाषा में एक पूर्ण विचार बनाने के लिए आवश्यक हो सकते हैं। यदि आपकी भाषा को इन शब्दों की आवश्यकता है, तो आप "हमें करना चाहिए" जैसे शब्द जोड़ सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "ताकि हम वैसे आचरण करें जैसा कि लिखा गया है"

देखें: पदलोप

### 1 कुरिन्थियों 1:31 (#3)

"जैसा लिखा है, वैसा ही हो, 'जो घमण्ड करे वह प्रभु में घमण्ड करे'

यदि आपकी भाषा में उद्धरण से पहले जैसा लिखा है रखना अस्वाभाविक होगा, तो आप वाक्य के अन्त में जैसा लिखा है रख सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जो गर्व करता है, वह प्रभु में गर्व करे,' जैसा कि लिखा है"

देखें: सूचना संरचना

### 1 कुरिन्थियों 1:31 (#4)

"जैसा लिखा है"

पौलुस की संस्कृति में, जैसा लिखा है एक महत्वपूर्ण पाठ से उद्धरण प्रस्तुत करने का सामान्य तरीका है, इस मामले में, पुराने नियम की पुस्तक जिसे यिर्म्याह भविष्यद्वक्ता ने लिखा था (देखें: 9:24)। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप इस रूप को एक तुलनीय वाक्यांश के साथ व्यक्त कर सकते हैं जो यह संकेत देता हो कि पौलुस एक महत्वपूर्ण पाठ से उद्धरण दे रहे हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जैसा कि पुराने नियम में पढ़ा जा सकता है" या "यिर्म्याह भविष्यद्वक्ता के अनुसार"

देखें: उद्धरण और उद्धरण सीमा

### 1 कुरिन्थियों 1:31 (#5)

"लिखा है"

यदि आपकी भाषा में निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं होता है, तो आप इस विचार को सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य स्वाभाविक तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। पौलुस यहाँ निष्क्रिय रूप का उपयोग "लिखने" वाले व्यक्ति के बजाय जो लिखा है उस पर ध्यान केंद्रित करने के लिए करता है। यदि आपको यह बताना आवश्यक है कि कार्य कौन करता है, तो आप इसे प्रकार व्यक्त कर सकते हैं: (1) पवित्रशास्त्र या पवित्रशास्त्र लेखक लिखते या शब्द बोलते हैं।

वैकल्पिक अनुवाद: "यिर्मयाह ने लिखा है" (2) परमेश्वर शब्द बोलते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "परमेश्वर ने कहा है"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

### 1 कुरिन्थियों 1:31 (#1)

"जो धमण्ड करे वह प्रभु में धमण्ड करे"

यदि कोई व्यक्ति गर्व करता है, तो उसे इस बात पर गर्व करना चाहिए कि परमेश्वर कितना महान है।

### 1 कुरिन्थियों 1:31 (#7)

"जो" - "प्रभु में धमण्ड करे"

जब पौलुस कहते हैं कि कोई प्रभु में धमण्ड कर सकता है, तो उनका मतलब यह नहीं है कि वे प्रभु के अन्दर हैं। बल्कि, उनका मतलब है कि वे प्रभु और जो उन्होंने किया है, उसके बारे में गर्व कर रहे हैं। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप प्रभु में धमण्ड को एक तुलनीय वाक्यांश के साथ व्यक्त कर सकते हैं जो यह दर्शाता हो कि कोई किसी और के बारे में धमण्ड कर रहा है। वैकल्पिक अनुवाद: "जो ... वह प्रभु के विषय में धमण्ड करे"

देखें: मुहावरा

### 1 कुरिन्थियों 2:1 (#1)

"और मैं (हे भाइयों)"

मूल भाषा मे यहाँ और मैं शब्द आया है जो हिन्दी आई.आर.वि. अनुवाद में नहीं है। यहाँ, और मैं यह बताता हूँ कि पौलुस स्वयं कैसे उस उदाहरण में सटीक बैठते हैं जिसे उन्होंने पिछले अध्याय में प्रस्तुत किया था। जैसे परमेश्वर कमजोर और मूर्ख को चुनते हैं, वैसे ही पौलुस भी कमजोर और मूर्ख तरीकों से सुसमाचार का प्रचार करते हैं। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप इस सम्बन्ध के पीछे के विचार को एक शब्द या वाक्यांश के साथ व्यक्त कर सकते हैं जो एक उदाहरण या तुलना को प्रस्तुत करता हो। वैकल्पिक अनुवाद: "उसी तरह, मैं"

देखें: शब्दों और वाक्यांशों को जोड़ना

### 1 कुरिन्थियों 2:1 (#2)

"हे भाइयों"

यहाँ इसका अर्थ है साथी मसीही, पुरुष और महिला दोनों सहित।

### 1 कुरिन्थियों 2:1 (#3)

"तुम्हारे पास आया... नहीं आया"

यहाँ पौलुस दो बार कहते हैं कि वह उनके पास आया है। यह एक ऐसी संरचना है जो पौलुस की भाषा में अर्थपूर्ण है। हालांकि, यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप: (1) पहले पास आया को किसी अन्य शब्द से अनुवाद कर सकते हैं, जैसे "भेट की।" वैकल्पिक अनुवाद: "तुमसे भेट की,... नहीं आया" (2) इन दो वाक्यांशों को जोड़े। वैकल्पिक अनुवाद: "तुम्हारे पास नहीं आया"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी को स्पष्ट करना

### 1 कुरिन्थियों 2:1 (#4)

"तुम्हारे पास आया"

वाक्यांश तुम्हारे पास आया पृष्ठभूमि की जानकारी देता है। यह वर्णन करता है कि पौलुस वचन या ज्ञान की उत्तमता के साथ नहीं आया से पहले क्या हुआ था। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप इस सम्बन्ध को स्पष्ट करने के लिए उस शब्द का उपयोग कर सकते हैं जो पहले से घटित कार्य को प्रस्तुत करता हो। वैकल्पिक अनुवाद: "मेरे तुम्हारे पास आने के बाद" या "जब मैं तुम्हारे पास आया"

देखें: जोड़ें — पृष्ठभूमि की जानकारी

### 1 कुरिन्थियों 2:1 (#5)

"तुम्हारे पास आया... नहीं आया"

यहाँ पौलुस इस बारे में बात कर रहे हैं कि उन्होंने पहले कैसे कुरिन्थियों का दौरा किया था। अपनी भाषा में एक ऐसा रूप उपयोग करें जो एक पिछले दौरे का सन्दर्भ देता हो। वैकल्पिक अनुवाद: "मैं जब तुम्हारे यहाँ पहुँचा, नहीं आया"

देखें: जाएँ और आएँ

### 1 कुरिन्थियों 2:1 (#6)

"वचन या ज्ञान की उत्तमता"

यहाँ पौलुस स्वामित्व रूप का उपयोग करते हैं ताकि वह ऐसे वचन और ज्ञान का वर्णन कर सके जिनमें उत्तमता है। यदि

यह आपकी भाषा में उपयोगी हो तो आप उत्तमता को विशेषण के रूप में अनुवाद करके इस रूप के अर्थ के पीछे के विचार को व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "उत्तम वचन या उत्तम ज्ञान"

देखें: स्वामित्व

## 1 कुरिन्थियों 2:1 (#7)

### "वचन या ज्ञान की उत्तमता"

यहाँ, उत्तमता का अर्थ है कि किसी वस्तु या व्यक्ति के पास किसी अन्य वस्तु या व्यक्ति की तुलना में अधिक अधिकार, कौशल, ज्ञान या शक्ति है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप इस शब्द के अर्थ के पीछे के विचार को एक तुलनीय शब्द या एक छोटे विवरण के साथ व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "वचन या ज्ञान की महानता" या "वचन या ज्ञान जो दूसरों की तुलना में बेहतर था"

देखें: अज्ञातों का अनुवाद करें

## 1 कुरिन्थियों 2:1 (#8)

### "परमेश्वर का भेद सुनाता हुआ...ज्ञान की"

वाक्यांश परमेश्वर का भेद सुनाता हुआ उस स्थिति को दर्शाता है जिसमें पौलुस वचन या ज्ञान की उत्तमता के साथ नहीं आया। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप इसे एक ऐसे शब्द को शामिल करके स्पष्ट कर सकते हैं जो यह संकेत करता हो कि ये चीजें एक ही समय में हो रही हैं। वैकल्पिक अनुवाद: जब मैंने तुम्हें परमेश्वर का भेद सुनाया, तो ... या ज्ञान

देखें: जोड़ें — समकालीन समय सम्बन्ध

## 1 कुरिन्थियों 2:1 (#9)

### "परमेश्वर का भेद"

यहाँ पौलुस स्वामित्व रूप का उपयोग करके एक भेद का वर्णन करते हैं जो: (1) परमेश्वर द्वारा प्रकट किया गया है। वैकल्पिक अनुवाद: "परमेश्वर द्वारा दिया गया भेद" या "परमेश्वर से आया भेद" (2) परमेश्वर के बारे में है। वैकल्पिक अनुवाद: "परमेश्वर के बारे में भेद" या "परमेश्वर से सम्बन्धित भेद"

देखें: स्वामित्व

## 1 कुरिन्थियों 2:1 (#10)

### "भेद"

पौलुस की भाषा में, भेद और "गवाही" देखने और सुनने में बहुत समान लगते हैं। जबकि कुछ प्रारम्भिक और महत्वपूर्ण पाण्डुलिपियों में यहाँ "गवाही" है, अन्य प्रारम्भिक और महत्वपूर्ण पाण्डुलिपियों में भेद है। जब तक "गवाही" का अनुवाद करने का कोई उपयुक्त कारण नहीं है, यहाँ आईआरवी का अनुसरण करना सबसे उचित है।

देखें: पाठ्य भिन्नताएँ

## 1 कुरिन्थियों 2:2 (#1)

..."

"जब पौलुस ने कहा कि उसने ""कुछ भी न जानने का फैसला किया"" तो उसने अतिशयोक्तिपूर्ण यह कहा ताकि इस बात पर जोर दे कि उसने यीशु मसीह के अलावा न तो किसी पर ध्यान केंद्रित किया और न कुछ सिखाने का फैसला किया। वैकल्पिक अनुवाद: ""मैंने यीशु मसीह को छोड़कर कुछ भी न सिखाने का फैसला किया"" या ""मैंने यीशु मसीह को छोड़कर और कुछ न सीखने का फैसला किया है""

देखें: अतिशयोक्ति

## 1 कुरिन्थियों 2:2 (#2)

"मैंने यह ठान लिया था, कि तुम्हारे बीच यीशु मसीह, वरन् क्रूस पर चढ़ाए हुए मसीह को छोड़ और किसी बात को न जानूँ"

यदि आपकी भाषा में ऐसा प्रतीत होता है कि पौलुस कुछ भी न जानने के बारे में एक मजबूत बयान देते हैं और फिर इसका खण्डन करते हैं, तो आप इस वाक्य को पुनः लिख सकते हैं ताकि इसमें कोई अपवाद न हो। वैकल्पिक अनुवाद: "मैंने निर्णय लिया कि आपके बीच मैं केवल यीशु मसीह और क्रूस पर उनके चढ़ाए जाने को ही जानूँगा"

देखें: जोड़ें — अपवाद खण्ड

## 1 कुरिन्थियों 2:2 (#3)

### "क्रूस पर चढ़ाया हुए"

यदि आपकी भाषा इस प्रकार से निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं करती है, तो आप इस विचार को सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य स्वाभाविक तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। पौलुस यहाँ निष्क्रिय रूप का प्रयोग यीशु मसीह

पर ध्यान केन्द्रित करने के लिए करता है, जिन्हें क्रूस पर चढ़ाया गया था, न कि उस व्यक्ति पर जो उन्हें "क्रूस पर चढ़ा रहा" था। यदि आपको यह बताना आवश्यक है कि कार्य कौन करता है, तो आप इस विचार को इस प्रकार व्यक्त कर सकते हैं: (1) विषय के रूप में **मसीह**। वैकल्पिक अनुवाद: "कैसे उन्होंने क्रूस पर अपना जीवन त्याग दिया" (2) एक अनिश्चित या अस्पष्ट विषय। वैकल्पिक अनुवाद: "उसके क्रूस पर चढ़ाए जाने"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

## 1 कुरिन्थियों 2:3 (#1)

"और मैं"

यहाँ, और मैं वही शब्द है जिसका पौलुस ने 2:1 में परिचय देने के लिए उपयोग किया। यह फिर से बताता है कि पौलुस स्वयं कैसे उस उदाहरण में शामिल हैं जिसे उन्होंने पिछले अध्याय में प्रस्तुत किया था। जैसे परमेश्वर कमजोर और मूर्ख को चुनते हैं, पौलुस स्वयं भी कमजोर और मूर्ख थे। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप इस सम्बन्ध के पीछे के विचार को एक शब्द या वाक्यांश के साथ व्यक्त कर सकते हैं जो एक उदाहरण या तुलना का परिचय देता हो। वैकल्पिक अनुवाद: "जैसे मैंने वचन या ज्ञान की उत्तमता का उपयोग नहीं किया, मैं स्वयं"

देखें: शब्दों और वाक्यांशों को जोड़ना

## 1 कुरिन्थियों 2:3 (#1)

"और मैं" - "तुम्हारे साथ रहा"

मैं तुमसे भेट कर रहा था

## 1 कुरिन्थियों 2:3 (#2)

"निर्बलता"

"संभावित अर्थ हैं: 1) ""शारीरिक रूप से कमजोर"" या 2) ""ऐसा लग रहा है कि मैं ऐसा नहीं कर सका जो मुझे करने की ज़रूरत थी।"""

## 1 कुरिन्थियों 2:4 (#1)

"मेरे वचन, और मेरे प्रचार में ज्ञान की लुभानेवाली बातें नहीं (थीं)"

यहाँ पौलुस अपने वाक्य में क्रिया (थीं) का उपयोग नहीं करते हैं। अंग्रेजी में, यह शब्द आवश्यक है, इसलिए इसे यूएलटी में

शामिल किया गया है। यदि आप इस वाक्य का अनुवाद {थीं} के बिना कर सकते हैं, तो आप यहाँ ऐसा कर सकते हैं। अन्यथा, आप {थीं} को यूएलटी में जैसा है वैसा ही रख सकते हैं।

देखें: पदलोप

## 1 कुरिन्थियों 2:4 (#2)

"मेरे वचन, और मेरे प्रचार"

यदि आपकी भाषा में वचन और प्रचार के पीछे के विचारों के लिए भाववाचक संज्ञाओं का उपयोग नहीं होता है, तो आप इन विचारों को व्यक्त करने के लिए "बोलना" या "बात करना" और "घोषणा करना" जैसे क्रियाओं का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मैंने ... नहीं ... एक संदेश बोला और घोषणा की,"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

## 1 कुरिन्थियों 2:4 (#3)

"ज्ञान की लुभानेवाली बातें"

यदि आपकी भाषा में बातें और ज्ञान के पीछे के विचारों के लिए भाववाचक संज्ञाओं का उपयोग नहीं होता है, तो आप इन विचारों को व्यक्त करने के लिए "बोलना" या "बात करना" जैसे क्रिया और "बुद्धिमानी से" जैसे क्रिया विशेषण का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "लुभानेवाली और बुद्धिमानी से बोलने पर आधारित"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

## 1 कुरिन्थियों 2:4 (#4)

"ज्ञान की लुभानेवाली बातें"

यहाँ पौलुस स्वामिल सूचक रूप का प्रयोग करके यह प्रकट करता है कि ये बातें, ज्ञान से युक्त हैं। अगर यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप इस रूप के पीछे के विचार को ज्ञान का अनुवाद किसी विशेषण जैसे कि "बुद्धिमान" से करके व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "बुद्धिमान, लुभानेवाली बातें"

देखें: स्वामित्व

## 1 कुरिन्थियों 2:4 (#5)

"परन्तु आत्मा और सामर्थ्य का प्रमाण था"

यहाँ पौलुस ने कुछ शब्दों को छोड़ दिया है जो आपकी भाषा में एक पूर्ण विचार बनाने के लिए आवश्यक हो सकते हैं। यदि आपकी भाषा को इन शब्दों की आवश्यकता है, तो आप उन्हें यहाँ जोड़ सकते हैं, पहले के पद से विचार को शामिल करते हुए। वैकल्पिक अनुवाद: "परन्तु मेरा वचन और मेरा प्रचार आत्मा और सामर्थ्य का प्रमाण था"

देखें: पदलोप

## 1 कुरिन्थियों 2:4 (#6)

### "आत्मा और सामर्थ्य का प्रमाण"

यदि आपकी भाषा में प्रमाण और सामर्थ्य के पीछे के विचारों के लिए भाववाचक संज्ञाओं का उपयोग नहीं होता है, तो आप इन विचारों को व्यक्त करने के लिए "प्रमाणित करना" या "दिखाना" जैसे क्रिया और "सामर्थ्य रूप से" जैसे क्रिया विशेषण का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "आत्मा को प्रमाणित करने पर आधारित था और वह कैसे सामर्थ्यरूप से काम करता है"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

## 1 कुरिन्थियों 2:4 (#7)

### "आत्मा और सामर्थ्य का प्रमाण"

यहाँ पौलुस स्वामित्व रूप का उपयोग करके प्रमाण का वर्णन करते हैं जो: (1) आत्मा और सामर्थ्य से आता है। वैकल्पिक अनुवाद: "आत्मा और सामर्थ्य द्वारा प्रमाण" (2) यह सिद्ध करता है कि आत्मा और सामर्थ्य दोनों उपस्थित हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "आत्मा और सामर्थ्य की उपस्थिति का प्रमाण"

देखें: स्वामित्व

## 1 कुरिन्थियों 2:4 (#8)

### "प्रमाण"

यहाँ, प्रमाण का तात्पर्य यह साबित करना या दर्शाना है कि कोई बात सत्य है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप इस शब्द के अर्थ को एक तुलनीय अभिव्यक्ति के साथ व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "एक प्रमाणीकरण" या "एक पुष्टि"

देखें: अज्ञातों का अनुवाद करें

## 1 कुरिन्थियों 2:4 (#9)

### "आत्मा और सामर्थ्य का"

यह वाक्यांश और के साथ जुड़े दो शब्दों का उपयोग करके एक विचार व्यक्त करता है। शब्द आत्मा यह बताता है कि सामर्थ्य में कौन कार्य कर रहा है। यदि यह आपकी भाषा में अधिक स्वाभाविक होगा, तो आप इस अर्थ को एक समतुल्य वाक्यांश के साथ व्यक्त कर सकते हैं जो और का उपयोग नहीं करता है। वैकल्पिक अनुवाद: "आत्मा की सामर्थ्य का"

देखें: द्विपद (हेंडियाडिस)

## 1 कुरिन्थियों 2:5 (#1)

### "तुम्हारा विश्वास मनुष्यों के ज्ञान पर नहीं, परन्तु परमेश्वर की सामर्थ्य पर निर्भर हो"

यहाँ, जब किसी को किसी चीज पर विश्वास होता है, तो शब्द पर यह संकेत करता है कि विश्वास किस पर आधारित है। कई अन्य मामलों के विपरीत, पर यह नहीं बताता कि लोग किस पर भरोसा करते हैं। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप इस वाक्यांश का अर्थ व्यक्त करने के लिए पर का अनुवाद एक ऐसे शब्द या वाक्यांश से कर सकते हैं जो विश्वास के आधार को इंगित करता है। वैकल्पिक अनुवाद: "तुम्हारा विश्वास मनुष्यों के ज्ञान पर आधारित नहीं होना चाहिए बल्कि परमेश्वर की सामर्थ्य पर आधारित होना चाहिए"

देखें: मुहावरा

## 1 कुरिन्थियों 2:5 (#2)

### "तुम्हारा विश्वास... पर नहीं"

यदि आप अपनी भाषा में इस रूप का उपयोग नहीं कर सकते, तो आप विश्वास को "भरोसा" या "विश्वास करना" जैसी क्रिया के साथ अनुवाद करके विचार को सक्रिय रूप में व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "तुम विश्वास न करो"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

## 1 कुरिन्थियों 2:5 (#3)

### "मनुष्यों के ज्ञान"

यहाँ पौलुस स्वामित्व रूप का उपयोग करके उस बात का वर्णन करता है जिसे मनुष्य ज्ञान समझते हैं। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप इस रूप के पीछे के विचार को व्यक्त कर सकते हैं मनुष्य को एक विशेषण के

रूप में अनुवाद करके जैसे “मानवीय।” यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप **मनुष्य** को “मानवीय” जैसे विशेषण के साथ अनुवाद करके इस रूप के पीछे के विचार को व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “मानवीय ज्ञान पर”

देखें: स्वामित्व

## 1 कुरिन्थियों 2:5 (#4)

**“मनुष्यों के”**

हालांकि शब्द **मनुष्यों** पुल्लिंग है, पौलुस इसका उपयोग किसी भी व्यक्ति, चाहे पुरुष हो या स्त्री, के लिए कर रहे हैं। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप **मनुष्य** को एक गैर-लिंग शब्द के साथ व्यक्त कर सकते हैं या दोनों लिंगों को संदर्भित कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “लोगों के”

देखें: जब पुल्लिंग शब्दों में स्त्रियाँ भी सम्मिलित होती हैं

## 1 कुरिन्थियों 2:5 (#5)

**“परमेश्वर की सामर्थ्य”**

यहाँ पौलुस **सामर्थ्य** के बारे में बात करने के लिए स्वामित्व रूप का उपयोग करते हैं जो **परमेश्वर** के पास है और जिसे वे दिखाते हैं। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप इस वाक्यांश के अर्थ के पीछे के विचार को **सामर्थ्य** को एक क्रिया या क्रिया विशेषण के रूप में अनुवाद करके व्यक्त कर सकते हैं, जिसमें **परमेश्वर** विषय के रूप में हो। वैकल्पिक अनुवाद: “परमेश्वर सामर्थ्य रूप से कार्य कर रहे हैं”

देखें: स्वामित्व

## 1 कुरिन्थियों 2:6 (#2)

**“फिर भी” - “सुनाते हैं”**

“यहाँ मुख्य शिक्षा में विराम लगाने के लिए ”अब”“ शब्द का उपयोग किया जाता है। पौलुस ने यह समझाया कि सच्ची बुद्धि परमेश्वर की बुद्धि है।”

## 1 कुरिन्थियों 2:6 (#2)

**“हम... सुनाते हैं”**

यहाँ **हम** का तात्पर्य पौलुस और उसके जैसे अन्य लोगों से है जो सुसमाचार का प्रचार करते हैं। इसमें कुरिन्थियों को शामिल नहीं किया गया है।

देखें: विशिष्ट और समावेशी ‘हम’

## 1 कुरिन्थियों 2:6 (#3)

**“हम ज्ञान सुनाते हैं”**

“भाववाचक संज्ञा ”“बुद्धि” को विशेषण के रूप में कहा जा सकता है, ”“बुद्धिमान।”“ वैकल्पिक अनुवाद: ”“बुद्धिमानी के शब्द बोलें”“ या ”“एक बुद्धिमानी का संदेश बोला”“

देखें: अमूर्त संज्ञाएँ

## 1 कुरिन्थियों 2:6 (#4)

**“सिद्ध लोगों”**

परिपक्व विश्वासी

## 1 कुरिन्थियों 2:6 (#5)

**“परन्तु इस संसार का और इस संसार के नाश होनेवाले हाकिमों का ज्ञान नहीं”**

यहाँ पौलुस स्वामित्व रूप का उपयोग करके **ज्ञान** का वर्णन करते हैं जो **इस संसार** के मानकों और मूल्यों के साथ मेल खाता है और जिसे **इस संसार के हाकिम** महत्व देते हैं। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप इस रूप के पीछे के विचार को क्रियात्मक वाक्यांशों का उपयोग करके व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “परन्तु न तो वह ज्ञान जो इस संसार के साथ मेल खाती है और न ही वह ज्ञान जिसे इस संसार के हाकिम महत्व देते हैं”

देखें: स्वामित्व

## 1 कुरिन्थियों 2:6 (#6)

**“परन्तु ... ज्ञान नहीं”**

यहाँ पौलुस कुछ शब्द छोड़ते हैं जो आपकी भाषा में इस विचार को पूर्ण बनाने के लिए आवश्यक हो सकते हैं। यदि आपकी भाषा को इन शब्दों की आवश्यकता है, तो आप उन्हें पद के पहले भाग से लेकर प्रदान कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “परन्तु हम ... ज्ञान नहीं बोलते हैं”

देखें: पदलोप

**1 कुरिन्थियों 2:6 (#7)****"इस संसार के... हाकिमों का"**

यहाँ पौलुस इस संसार में सत्ता में रहने वाले हाकिमों का वर्णन करने के लिए स्वामित्व रूप का प्रयोग करते हैं। यदि यह आपकी भाषा में उपयोगी हो, तो आप इस रूप के पीछे के विचार को उस समय की भाषा का उपयोग करके व्यक्त कर सकते हैं जिसमें हाकिमों के पास सत्ता थी या उस स्थान के बारे में जहाँ उनके पास सत्ता थी। वैकल्पिक अनुवाद: "के हाकिमों का... जो वर्तमान समय में सत्ता में है" या "के हाकिमों का... जो इस संसार को नियंत्रित करते हैं"

देखें: स्वामित्व

**1 कुरिन्थियों 2:6 (#8)****"इस संसार के... हाकिमों"**

इस संसार के हाकिमों का अर्थ यह हो सकता है: (1) वे मनुष्य जिनके पास सत्ता है। वैकल्पिक अनुवाद: "उन लोगों का जो इस संसार पर शासन करते हैं" (2) आत्मिक प्राणियां जिनके पास शक्ति है। वैकल्पिक अनुवाद: "उन आत्मिक प्राणियों का जो इस संसार पर शासन करती हैं"

देखें: अज्ञातों का अनुवाद करें

**1 कुरिन्थियों 2:6 (#9)****"नाश होनेवाले"**

पौलुस ने पहले ही नाश होनेवाले शब्द का उपयोग [1:28](#) में किया है, जहाँ इसका अनुवाद व्यर्थ ठहराए किया गया है। यहाँ, यह शब्द दर्शाता है कि हाकिम अप्रभावी, बेकार, या अप्रासाधिक हो रहे हैं, जिसका अर्थ है कि उनके पास अब शक्ति नहीं रहेगी। यदि सम्भव हो, तो इस शब्द का अनुवाद उसी तरह करें जैसे आपने [1:28](#) में किया था। वैकल्पिक अनुवाद: "निकम्मे हो रहे हाकिमों" या "शक्ति खो रहे हाकिमों"

देखें: अज्ञातों का अनुवाद करें

**1 कुरिन्थियों 2:7 (#1)****"हम... बताते हैं" - "हमारी"**

यहाँ, हम से तात्पर्य पौलुस और उन सभी व्यक्तियों से है जो सुसमाचार का प्रचार करते हैं। इसमें कुरिन्थियों को शामिल नहीं किया गया है। हालांकि, शब्द हमारी में कुरिन्थियों को पौलुस के साथ शामिल किया गया है।

देखें: विशिष्ट और समावेशी 'हम'

**1 कुरिन्थियों 2:7 (#2)****"परमेश्वर का... ज्ञान"**

यहाँ पौलुस स्वामित्व रूप का उपयोग करके ज्ञान का वर्णन करते हैं जिसे परमेश्वर सच्चा ज्ञान मानते हैं। इसका यह भी अर्थ है कि ज्ञान परमेश्वर से आता है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप इस रूप को स्पष्ट कर सकते हैं कि ज्ञान परमेश्वर से आता है। वैकल्पिक अनुवाद: "परमेश्वर की ओर से उस ज्ञान"

देखें: स्वामित्व

**1 कुरिन्थियों 2:7 (#3)****"ज्ञान"**

यदि आपकी भाषा में ज्ञान के विचार के लिए कोई भाववाचक संज्ञा नहीं है, तो आप इस विचार को "बुद्धिमानी से" जैसे क्रिया विशेषण या "बुद्धिमान" जैसे विशेषण का उपयोग करके व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "बुद्धिमान संदेश"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

**1 कुरिन्थियों 2:7 (#4)****"वह गुप्त ज्ञान, भेद की रीति"**

यहाँ पौलुस गुप्त और भेद दोनों का उपयोग करते हैं। ये दोनों वाक्यांश किसी गुप्त चीज़ की ओर इशारा करते हैं। यदि आपकी भाषा में इन दोनों वाक्यांशों का उपयोग अनावश्यक है, तो आप केवल एक का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जो गुप्त है" या "जो एक भेद है"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी को स्पष्ट करना

**1 कुरिन्थियों 2:7 (#5)****"गुप्त"**

यदि आपकी भाषा में इस प्रकार से निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं होता है, तो आप इस विचार को सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य स्वाभाविक तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। पौलुस यहाँ निष्क्रिय रूप का उपयोग उस ज्ञान पर ध्यान केन्द्रित करने के लिए करते हैं जो गुप्त है, बजाय इसके कि कौन व्यक्ति "गुप्त" रखने का कार्य कर रहा है। यदि आपको

यह बताना आवश्यक है कि यह कार्य कौन करता है, तो पौलुस यह संकेत देते हैं कि “परमेश्वर” इसे करते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “जो परमेश्वर ने गुप्त रखा है”

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

## 1 कुरिन्थियों 2:7 (#6)

“जिसे”

यहाँ, जिसे, ज्ञान को सन्दर्भित करता है, न कि भेद को। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप यहाँ ज्ञान को दोहरा सकते हैं। यदि आप निम्नलिखित वैकल्पिक अनुवाद का उपयोग करते हैं, तो आपको इसके पहले एक अल्पविराम जोड़ने की आवश्यकता हो सकती है। वैकल्पिक अनुवाद: “वह ज्ञान जो”

देखें: सर्वनाम — उनका उपयोग कब करें

## 1 कुरिन्थियों 2:7 (#1)

“जिसे” - “सनातन से”

इससे पहले की परमेश्वर ने कुछ भी बनाया

## 1 कुरिन्थियों 2:7 (#2)

“हमारी महिमा के लिये”

हमारी भविष्य की महिमा सुनिश्चित करने के लिए

## 1 कुरिन्थियों 2:8 (#1)

“जिसे”

जैसा कि [2:7](#) में, जिसे “ज्ञान” को सन्दर्भित करता है, न कि “भेद” को। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप यहाँ “ज्ञान” को दोहरा सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “उस ज्ञान को”

देखें: सर्वनाम — उनका उपयोग कब करें

## 1 कुरिन्थियों 2:8 (#2)

“इस संसार के हाकिमों में से”

जैसा कि [2:6](#) में है, पौलुस हाकिमों का वर्णन करने के लिए स्वामित्व रूप का उपयोग करते हैं, जो इस संसार में सत्ता में हैं। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप इस रूप

के पीछे के विचार को व्यक्त करने के लिए उस समय के बारे में भाषा का उपयोग कर सकते हैं जिसमें हाकिमों के पास सत्ता है या उस स्थान के बारे में जिसमें उनके पास सत्ता है। वैकल्पिक अनुवाद: “के हाकिमों में से किसी ने जो अब तक सत्ता में है” या “के हाकिमों में से किसी ने जो इस संसार को नियंत्रित करते हैं”

देखें: स्वामित्व

## 1 कुरिन्थियों 2:8 (#3)

“क्योंकि”

यहाँ, क्योंकि पौलुस के प्रमाण को प्रस्तुत करता है जो हाकिम नहीं समझ पाए। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप इस शब्द के अर्थ के पीछे के विचार को व्यक्त करने के लिए एक ऐसा शब्द उपयोग कर सकते हैं जो आमतौर पर प्रमाण या साक्ष्य प्रस्तुत करता है। वैकल्पिक अनुवाद: “जो सत्य है क्योंकि”

देखें: शब्दों और वाक्यांशों को जोड़ना

## 1 कुरिन्थियों 2:8 (#4)

“यदि जानते, तो तेजोमय प्रभु को कूस पर न चढ़ाते”

यहाँ पौलुस यदि का उपयोग एक ऐसी स्थिति प्रस्तुत करने के लिए करते हैं जिसे वह जानता है कि सत्य नहीं है। वह यह इंगित करना चाहता है कि हाकिम वे थे जिन्होंने यीशु को कूस पर चढ़ाया, और यह साबित करता है कि वे परमेश्वर के ज्ञान को नहीं समझते थे। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप इस रूप के पीछे के विचार को दो वाक्यों को उलटकर व्यक्त कर सकते हैं और यदि जानते को नकारात्मक और तेजोमय प्रभु को कूस पर न चढ़ाते को सकारात्मक बना सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “उन्होंने तेजोमय प्रभु को कूस पर चढ़ाया, जिसका अर्थ है कि वे इसे नहीं जानते थे”

देखें: जोड़ें — तथ्य के विपरीत स्थितियाँ

## 1 कुरिन्थियों 2:8 (#1)

“तेजोमय प्रभु को”

यीशु महिमामय प्रभु

## 1 कुरिन्थियों 2:9 (#1)

“”

"यह एक अधूरा वाक्य है। कुछ अनुवाद इसे एक पूर्ण वाक्य बनाते हैं: ""चीजें जिसे किसी आँख ने ... कल्पना करी; ये चीजें हैं ... जो उसे प्यार करते हैं।"" अन्य लोग इसे अधूरा छोड़ देते हैं लेकिन गैर-अंतिम विराम चिह्न का उपयोग करके दिखाते हैं कि यह अधूरा है और अगले पद की शुरुआत इस पद को सम्पूर्ण बनाती है: ""ऐसी चीजें जिसे किसी आँख ने... कल्पना करी, चीजें ... जो उसे प्यार करती हैं।""

## 1 कुरिन्थियों 2:9 (#2)

### "परन्तु जैसा लिखा है"

यहाँ पौलस ने कुछ शब्द छोड़े हैं जो आपकी भाषा में एक पूर्ण विचार बनाने के लिए आवश्यक हो सकते हैं। यदि आवश्यक हो, तो आप [2:8](#) से एक सारांश प्रदान कर सकते हैं कि हाकिमों ने क्या नहीं जाना और उन्होंने कैसे कार्य किया। वैकल्पिक अनुवाद: "परन्तु हाकिमों ने नहीं जाना, जैसा कि लिखा है" या "परन्तु हाकिमों ने ये चीजें वैसे ही किए, जैसा कि लिखा है"

देखें: पदलोप

## 1 कुरिन्थियों 2:9 (#3)

### "जैसा लिखा है"

पौलस की संस्कृति में, **जैसा लिखा है** एक महत्वपूर्ण पाठ से उद्धरण प्रस्तुत करने का सामान्य तरीका है, इस मामले में, यह यशायाह भविष्यद्वक्ता द्वारा लिखी गई पुराने नियम की पुस्तक है (देखें: [64:4](#))। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप इस रूप को एक तुलनीय वाक्यांश के साथ व्यक्त कर सकते हैं जो यह दर्शाता है कि पौलस एक महत्वपूर्ण पाठ से उद्धरण दे रहे हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जैसा कि पुराने नियम में पढ़ा जा सकता है" या "यशायाह भविष्यद्वक्ता के अनुसार"

देखें: उद्धरण और उद्धरण सीमा

## 1 कुरिन्थियों 2:9 (#4)

### "लिखा है"

यदि आपकी भाषा में निष्क्रिय रूप का उपयोग स्वाभाविक नहीं है, तो आप इस विचार को सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं जो स्वाभाविक हो। पौलस यहाँ निष्क्रिय रूप का उपयोग करते हैं ताकि उस पर ध्यान केन्द्रित किया जा सके जो **लिखा है** बजाय उस व्यक्ति के जो "लिख रहा है।" यदि आपको यह बताना आवश्यक है कि कार्य कौन करता है, तो आप इसे प्रकार

व्यक्त कर सकते हैं: (1) पवित्रशास्त्र के लेखक शब्दों को लिखते या बोलते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "यशायाह ने लिखा है" (2) परमेश्वर शब्दों को बोलते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "परमेश्वर ने कहा है"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

## 1 कुरिन्थियों 2:9 (#5)

### "जो आँख ने नहीं देखी"

इस उद्धरण में, जो आँख ने नहीं देखी, और कान ने नहीं सुनी, और जो बातें मनुष्य के चित्त में नहीं चढ़ी, वे ही हैं जो परमेश्वर ने तैयार की हैं। यदि आपकी भाषा स्वाभाविक रूप से जो आँख ने नहीं देखी, और कान ने नहीं सुनी, और जो बातें मनुष्य के चित्त में नहीं चढ़ी को परमेश्वर ने तैयार की है के बाद रखेगी, तो आप क्रम को उलट सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "परमेश्वर ने अपने प्रेम रखनेवालों के लिये वो तैयार की हैं, जो आँख ने नहीं देखी, और कान ने नहीं सुनी, और जो बातें मनुष्य के चित्त में नहीं चढ़ी"

देखें: सुचना संरचना

## 1 कुरिन्थियों 2:9 (#2)

""

यह एक त्रिक है जो किसी व्यक्ति के सभी हिस्सों को संबोधित करता है कि इस बात पर जोर दें कि कोई भी व्यक्ति कभी भी उन चीजों से अवगत नहीं हैं जिन्हें परमेश्वर ने तैयार किया है।

देखें: प्रतिन्यास

## 1 कुरिन्थियों 2:9 (#7)

### "जो बातें मनुष्य के चित्त में नहीं चढ़ी"

वाक्यांश मनुष्य के चित्त उस स्थान को सन्दर्भित करता है जहाँ मनुष्य विचार करते हैं। यदि वहाँ कुछ बात "चढ़ता" है, तो इसका मतलब है कि एक मनुष्य ने उस विषय पर विचार किया है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप मनुष्य के चित्त में नहीं चढ़ी के अर्थ को एक तुलनीय वाक्यांश के साथ व्यक्त कर सकते हैं या विचार को सीधे व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मनुष्य ने इसके बारे में नहीं सोचा है" या "मनुष्य ने इसकी कल्पना नहीं की है"

देखें: मुहावरा

## 1 कुरिन्थियों 2:9 (#8)

### "मनुष्य के चित्त"

यहाँ पौलुस एक मनुष्य के चित्त का वर्णन करने के लिए स्वामित्व रूप का उपयोग करते हैं। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप मनुष्य का अनुवाद "मानवीय" जैसे विशेषण के रूप में कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मानवीय हृदय"

देखें: स्वामित्व

## 1 कुरिन्थियों 2:9 (#9)

### "मनुष्य के"

हालांकि मनुष्य शब्द पुलिंग है, पौलुस इसका उपयोग सब के लिए कर रहे हैं, चाहे वह पुरुष हो या स्त्री। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप मनुष्य को एक गैर-लिंग शब्द के साथ व्यक्त कर सकते हैं या दोनों लिंगों का उल्लेख कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "लोगों के"

देखें: जब पुलिंग शब्दों में स्त्रियाँ भी सम्मिलित होती हैं

## 1 कुरिन्थियों 2:9 (#10)

### "मनुष्य के"

यहाँ, भले ही मनुष्य एकवचन रूप में लिखा गया है, यह किसी भी व्यक्ति को सन्दर्भित करता है जिसे मनुष्य माना जाएगा, अर्थात्, कोई भी मानव। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप मनुष्य को बहुवचन बना सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मनुष्यों के" या "मानवों के"

देखें: समूहवाचक संज्ञाएँ

## 1 कुरिन्थियों 2:10 (#1)

### "परन्तु"

यहाँ, परन्तु [2:9](#) से उद्धरण की अन्तिम पंक्ति का स्पष्टीकरण प्रस्तुत करता है: "जो परमेश्वर ने अपने प्रेम रखनेवालों के लिये तैयार की हैं।" पौलुस यह समझाना चाहते हैं कि ये वे चीजें हैं जिन्हें परमेश्वर ने... प्रकट किया है उन लोगों के लिए जो विश्वास करते हैं। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप परन्तु को अनुवाद किये बिना छोड़ सकते हैं या कोई ऐसा शब्द या वाक्यांश उपयोग करें जो एक स्पष्टीकरण प्रस्तुत करता हो। वैकल्पिक अनुवाद: "वास्तव में,"

देखें: शब्दों और वाक्यांशों को जोड़ना

## 1 कुरिन्थियों 2:10 (#2)

### "क्योंकि"

यहाँ, क्योंकि यह समझाता है कि परमेश्वर का प्रकाशन आत्मा के द्वारा हमें क्यों दिया गया है। इसका कारण यह है कि आत्मा सब बातें... जाँचता है और जो कुछ भी प्रगट होता है उसे जानता है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप इस सम्बन्ध को व्यक्त करने के लिए एक तुलनीय शब्द या वाक्यांश का उपयोग कर सकते हैं जो इस प्रकार की व्याख्या प्रस्तुत करता हो। वैकल्पिक अनुवाद: "वह आत्मा के माध्यम से कार्य करता है क्योंकि"

देखें: शब्दों और वाक्यांशों को जोड़ना

## 1 कुरिन्थियों 2:10 (#3)

### "जाँचता"

यहाँ, जाँचता का अर्थ है कि कोई व्यक्ति किसी अन्य चीज के बारे में जाने या खोजने का प्रयास कैसे कर सकता है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप जाँचता को "खोजने" या "जानने" के लिए किसी अन्य शब्द के साथ व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "समझता है" या "जानता है"

देखें: अज्ञातों का अनुवाद करें

## 1 कुरिन्थियों 2:10 (#4)

### "परमेश्वर की गृह बातें"

परमेश्वर की गृह बातें वाक्यांश उन बातों को सन्दर्भित करता है जो परमेश्वर के बारे में समझना कठिन है या परमेश्वर के बारे में ऐसी बातें हैं जिन्हें कोई पूरी तरह से नहीं समझ सकता। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप इस रूप को एक तुलनीय अभिव्यक्ति के साथ व्यक्त कर सकते हैं या विचार को स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "परमेश्वर की गुप्त बातें" या "परमेश्वर की वे बातें भी जो कोई नहीं जानता"

देखें: अज्ञातों का अनुवाद करें

## 1 कुरिन्थियों 2:11 (#1)

### "कौन किसी मनुष्य की बातें जानता है, केवल मनुष्य की आत्मा जो उसमें है"

"पौलुस इस सवाल का प्रयोग इस बात पर जोर देने के लिए करता है कि उस व्यक्ति को छोड़कर कोई नहीं जानता है कि

वह क्या सोच रहा है। वैकल्पिक अनुवाद: ""उस व्यक्ति की आत्मा को छोड़कर कोई नहीं जानता है कि वह क्या सोच रहा है""

देखें: आलंकारिक प्रश्न

## 1 कुरिन्थियों 2:11 (#3)

""

"इसे सकारात्मक रूप में कहा जा सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: ""केवल परमेश्वर का आत्मा परमेश्वर की गहरी चीजें जानता है""

देखें: दोहरे नकारात्मक

## 1 कुरिन्थियों 2:11 (#3)

"मनुष्यों में से" - "किसी मनुष्य की" - "केवल मनुष्य की आत्मा जो उसमें है"

हालांकि अनुवादित शब्द मनुष्यों, मनुष्य, और उसमें पुलिंग है, पौलुस इनका उपयोग सब के लिए कर रहे हैं, चाहे वह पुरुष हो या स्त्री। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इन पुलिंग शब्दों को गैर-लिंग वाले शब्दों के साथ व्यक्त कर सकते हैं या दोनों लिंगों का उल्लेख कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "लोगों में से ... किसी व्यक्ति की ... केवल व्यक्ति की आत्मा जो उसमें है"

देखें: जब पुलिंग शब्दों में स्त्रियाँ भी सम्मिलित होती हैं

## 1 कुरिन्थियों 2:11 (#4)

"किसी मनुष्य की" - "केवल मनुष्य की आत्मा जो उसमें है"

पौलुस सामान्य अर्थ में लोगों के बारे में बात करने के लिए मनुष्य शब्द का उपयोग करते हैं, किसी एक विशेष व्यक्ति के लिए नहीं। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप अपनी भाषा में लोगों को इंगित करने वाले एक सामान्य रूप के साथ मनुष्य को व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "किसी निश्चित मनुष्य का ... उस निश्चित मनुष्य का जो उसमें है" या "मनुष्यों की ... मनुष्यों की ... जो उनमें है"

देखें: सामान्य संज्ञा वाक्यांश

## 1 कुरिन्थियों 2:11 (#5)

"मनुष्यों में से कौन"

वाक्यांश मनुष्यों में से कौन एक विशेष श्रेणी से सम्बन्धित लोगों या चीजों के बारे में पूछने का एक तरीका है। पौलुस यह पूछना चाहते हैं कि क्या कोई मनुष्य है जो मनुष्य की बातें जान सकता है। वह इस वाक्यांश का उपयोग करते हैं क्योंकि परमेश्वर भी मनुष्य की बातें जानते हैं, इसलिए उन्हें अपने प्रश्न को केवल मनुष्यों तक सीमित करना पड़ता है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप इस विचार को व्यक्त करने के लिए एक वाक्यांश का उपयोग कर सकते हैं जो लोगों या चीजों के बारे में पूछता है, परन्तु केवल उन्हीं के बारे में जो एक विशेष श्रेणी में आते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "ऐसा कौन है" या "सब मनुष्यों में से कौन"

देखें: मुहावरा

## 1 कुरिन्थियों 2:11 (#6)

"मनुष्य की बातें" - "परमेश्वर की बातें"

यहाँ पौलुस मनुष्य की बातें और परमेश्वर की बातें वाक्यांशों का उपयोग करते हैं यह बताने के लिए कि व्यक्ति को बनाने वाली हर चीज, जिसमें व्यक्तित्व, विचार, कार्य, इच्छाएं, सम्पत्तियाँ, और कई अन्य समान श्रेणियाँ शामिल हैं। पौलुस जानबूझकर विस्तार में नहीं जाते और यह नहीं बताते कि इनमें से कौन सी श्रेणियाँ उनके मन में हैं। यदि यह आपकी भाषा में उपयोगी हो, तो आप इस रूप को एक ऐसे वाक्यांश के साथ व्यक्त कर सकते हैं जो किसी व्यक्ति के उन सभी पहलुओं को संदर्भित करता है जो उस व्यक्ति को अद्वितीय बनाते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मनुष्य के बारे में सभी विवरण ... परमेश्वर के बारे में सभी विवरण"

देखें: मुहावरा

## 1 कुरिन्थियों 2:11 (#2)

"मनुष्य की आत्मा"

यह किसी व्यक्ति के आंतरिक अस्तित्व, उसके आत्मिक स्वाभाव को संबोधित करता है।

## 1 कुरिन्थियों 2:11 (#8)

"मनुष्य की आत्मा जो उसमें है"

इस संस्कृति में, लोग एक मनुष्य के गैर-भौतिक भाग के बारे में इस तरह बात करते थे जैसे वह मनुष्य के भौतिक शरीर के भीतर स्थित हो। यहाँ पौलुस इस तरह से बात करते हैं जब वह कहते हैं कि मनुष्य की आत्मा जो उसमें है। उसमें का उपयोग करके, पौलुस उस आत्मा को उस मनुष्य की अपनी आत्मा के रूप में पहचानता है। यह किसी अन्य मनुष्य की

आत्मा नहीं है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप उसमें का अनुवाद इस प्रकार कर सकते हैं: (1) एक शब्द या वाक्यांश का उपयोग करके जो यह पहचानता है कि आत्मा केवल मनुष्य की है। वैकल्पिक अनुवाद: "उस मनुष्य की अपनी आत्मा" (2) उस विचार को व्यक्त करके जो आपकी संस्कृत में एक मनुष्य के गैर-भौतिक भाग के स्थान का वर्णन करता है। वैकल्पिक अनुवाद: "उस मनुष्य की आत्मा जो उसे व्याप्त करती है" या "उस मनुष्य की आत्मा जो उसमें समाई हुई है"

देखें: मुहावरा

## 1 कुरिन्थियों 2:12 (#1)

""

"# General Information:\n\n""यहाँ """"हम"""" शब्द में पौलुस और उसके दर्शक दोनों सम्मिलित हैं।

देखें:

## 1 कुरिन्थियों 2:12 (#2)

"हमने संसार की आत्मा नहीं, परन्तु वह आत्मा पाया है, जो परमेश्वर की ओर से है"

यदि आपकी भाषा स्वाभाविक रूप से नकारात्मक को सकारात्मक से पहले रखती है, तो आप नहीं कथन और परन्तु कथन के क्रम को उलट सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "हमने वह आत्मा पाया है जो परमेश्वर की ओर से है, न कि संसार की आत्मा"

देखें: सूचना संरचना

## 1 कुरिन्थियों 2:12 (#3)

"संसार की आत्मा"

वाक्यांश संसार की आत्मा का अर्थ हो सकता है: (1) एक आत्मा जो वास्तव में अस्तित्व में नहीं है। दूसरे शब्दों में, पौलुस कह रहा है कि जो आत्मा उन्हें मिला वह संसार से नहीं बल्कि परमेश्वर से आया था। वैकल्पिक अनुवाद: "एक आत्मा जो संसार से आती है" (2) मनुष्यों के सोचने और समझने के तरीके, जिन्हें आत्मा कहा जा सकता है। दूसरे शब्दों में, पौलुस कह रहे हैं कि उन्होंने मनुष्यों के सोचने के तरीके नहीं प्राप्त किए बल्कि वे तरीके प्राप्त किए जो परमेश्वर का आत्मा लाता है। वैकल्पिक अनुवाद: "मानवीय सोचने के तरीके"

देखें: अज्ञातों का अनुवाद करें

## 1 कुरिन्थियों 2:12 (#4)

"संसार की आत्मा"

यहाँ पौलुस स्वामित्व रूप का उपयोग करके आत्मा का वर्णन करते हैं जो संसार से आती है या जिसका स्रोत संसार है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप इस रूप को एक शब्द या वाक्यांश के साथ व्यक्त कर सकते हैं जो यह दर्शाता है कि संसार इस आत्मा का स्रोत या उत्पत्ति है। वैकल्पिक अनुवाद: "संसार से आत्मा" या "आत्मा जो संसार से आती है"

देखें: स्वामित्व

## 1 कुरिन्थियों 2:12 (#5)

"परन्तु वह आत्मा"

यहाँ पौलुस कुछ शब्दों को छोड़ देते हैं जो आपकी भाषा में एक पूर्ण विचार बनाने के लिए आवश्यक हो सकते हैं। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप वाक्य के पहले के कुछ शब्द जोड़ सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "परन्तु हमने आत्मा पाया,"

देखें: पदलोप

## 1 कुरिन्थियों 2:12 (#6)

"आत्मा... जो परमेश्वर की ओर से है"

यदि यह आपकी भाषा में अधिक स्वाभाविक होगा, तो आप जो कथन का विषय परमेश्वर को बना सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "वह आत्मा पाया है, जिसे परमेश्वर ने भेजा है"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

## 1 कुरिन्थियों 2:12 (#2)

"जो परमेश्वर ने हमें दी है"

"इसे सक्रिय रूप में कहा जा सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: ""परमेश्वर ने हमें स्वतंत्रता से दिया"" या ""परमेश्वर ने हमें दयालुता से दिया है""

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

## 1 कुरिन्थियों 2:13 (#1)

"जिनको हम"

यहाँ, हम पौलुस और अन्य लोगों को सन्दर्भित करता है जो उनके साथ सुसमाचार का प्रचार करते हैं। इसमें कुरिन्थियों को शामिल नहीं किया गया है।

देखें: विशिष्ट और समावेशी 'हम'

## 1 कुरिन्थियों 2:13 (#1)

""

पवित्र आत्मा अपने शब्दों में विश्वासियों से परमेश्वर की सच्चाई को बताता है और उन्हें अपना बुद्धि देता है।

## 1 कुरिन्थियों 2:13 (#2)

""

आत्मा आत्मिक शब्दों को समझाने के लिए अपनी आत्मिक बुद्धि का उपयोग करता है

## 1 कुरिन्थियों 2:13 (#4)

"पवित्र आत्मा की सिखाई हुई बातों में"

यदि आपकी भाषा में निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं होता है, तो आप इस विचार को सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य स्वाभाविक तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। पौलुस यहाँ निष्क्रिय रूप का प्रयोग उन बातों पर ध्यान केन्द्रित करने के लिए करता है जो सिखाये जाते हैं, न कि आत्मा पर, जो "शिक्षा" देता है। वैकल्पिक अनुवाद: "उन बातों में जो पवित्र आत्मा सिखाता है"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

## 1 कुरिन्थियों 2:13 (#5)

"आत्मिक ज्ञान से आत्मिक बातों की व्याख्या करती है"

यहाँ, वाक्यांश आत्मिक ज्ञान से आत्मिक बातों की व्याख्या करती है का अर्थ हो सकता है: (1) कि पौलुस और उनके साथ वाले आत्मिक ज्ञान और विचारों की व्याख्या आत्मिक बातों के साथ करते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "आत्मिक ज्ञान की व्याख्या आत्मिक बातों के साथ करना" (2) कि पौलुस और उनके साथ वाले आत्मिक ज्ञान से आत्मिक लोगों को समझाते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "आत्मिक ज्ञान से आत्मिक लोगों को समझाना"

देखें: अज्ञातों का अनुवाद करें

## 1 कुरिन्थियों 2:13 (#6)

"व्याख्या"

यहाँ, "व्याख्या" एक क्रिया को प्रस्तुत करता है जो उसी समय होती है जब हम बोलते हैं। विचार यह है कि आत्मिक बातों को आत्मिक ज्ञान से व्याख्या करना वह तरीका है जिससे हम इन बातों को बोलते हैं। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप इस सम्बन्ध के पीछे के विचार को व्यक्त करने के लिए एक शब्द या वाक्यांश शामिल कर सकते हैं जो यह संकेत देता है कि व्याख्या वह तरीका है जिसमें हम बोलते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "व्याख्या के माध्यम से"।

देखें: जोड़े — समकालिक समय सम्बन्ध

## 1 कुरिन्थियों 2:13 (#7)

"व्याख्या"

यहाँ, व्याख्या का अर्थ हो सकता है: (1) किसी विचार की व्याख्या करना या समझाना। वैकल्पिक अनुवाद: "व्याख्या करना" (2) दो बातों को एक साथ रखना, या तो उनकी तुलना करने के लिए या उन्हें मिलाने के लिए। वैकल्पिक अनुवाद: "तुलना करना" या "मिश्रित करना"

देखें: अज्ञातों का अनुवाद करें

## 1 कुरिन्थियों 2:14 (#1)

"परन्तु"

यहाँ, परन्तु पौलुस के तर्क के एक नए हिस्से को प्रस्तुत करता है, और यह इस बात के विपरीत भी है कि पौलुस और उनके साथ के लोग 2:13 में आत्मा की शक्ति से कैसे बोलते हैं। पौलुस और उनके साथ के लोगों के विपरीत, शारीरिक मनुष्य के पास पवित्र आत्मा नहीं होता और वह आत्मिक शब्दों का उपयोग नहीं करता। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप परन्तु को अनुवादित किए बिना छोड़ सकते हैं या एक ऐसा शब्द उपयोग कर सकते हैं जो एक विरोधाभास प्रस्तुत करता हो। वैकल्पिक अनुवाद: "हालांकि,"

देखें: जोड़े — विरोधाभास सम्बन्ध

## 1 कुरिन्थियों 2:14 (#2)

"परन्तु शारीरिक मनुष्य"

गैर-मसीही व्यक्ति, जिसे पवित्र आत्मा प्राप्त नहीं हुई है

## 1 कुरिन्थियों 2:14 (#1)

""

"# General Information:\n\n""यहां """"हम"""" शब्द में पौलुस और उसके दर्शक दोनों सम्मिलित हैं।

देखें:

## 1 कुरिन्थियों 2:14 (#4)

"उसकी" - "न वह ... सकता है"

यहाँ, अनुवादित शब्द **उसकी** और वह पुलिंग रूप में लिखे गए हैं, लेकिन वे सभी व्यक्ति को सन्दर्भित करते हैं, चाहे उनका लिंग कुछ भी हो। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप वह और उसकी के पीछे के विचार को व्यक्त करने के लिए एक ऐसा शब्द उपयोग कर सकते हैं जो लिंग-निरपेक्ष हो, या आप दोनों लिंगों का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "उस व्यक्ति के ... न वह व्यक्ति ... सकता है" या "उसकी ... न वह ... सकता है।"

देखें: जब पुलिंग शब्दों में स्लियाँ भी सम्मिलित होती हैं

## 1 कुरिन्थियों 2:14 (#5)

"वे उसकी दृष्टि में मूर्खता की बातें हैं"

यदि यह आपकी भाषा में अधिक स्वाभाविक होगा, तो आप संरचना को उलट सकते हैं और शब्द **उसकी** को क्रिया का विषय बना सकते हैं जैसे "सोचना" या "विचार करना।" वैकल्पिक अनुवाद: "क्योंकि वह सोचता है कि वे मूर्खता की बातें हैं"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

## 1 कुरिन्थियों 2:14 (#3)

"क्योंकि उनकी जाँच आत्मिक रीति से होती है"

क्योंकि इन चीजों को समझने के लिए आत्मा की सहायता की आवश्यकता होती है

## 1 कुरिन्थियों 2:14 (#7)

"उनकी जाँच आत्मिक रीति से होती है"

वैकल्पिक अनुवाद: "वे आत्मा की सामर्थ्य से पहचाने जाते हैं" या "वे उन लोगों द्वारा जाँचे जाते हैं जिनमें आत्मा वास करता है"

## 1 कुरिन्थियों 2:15 (#1)

"आत्मिक जन"

विश्वासी जिसने आत्मा प्राप्त की है

## 1 कुरिन्थियों 2:15 (#2)

"आत्मिक जन ... जाँचता है" - "वह आप ... जाँचा ... जाता"

पौलुस आत्मिक जन और वह आप शब्दों का उपयोग सामान्य अर्थ में लोगों के बारे में बात करने के लिए करते हैं, किसी विशेष जन के लिए नहीं। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप इन शब्दों के अर्थ को एक ऐसे रूप में व्यक्त कर सकते हैं जो सामान्य रूप में लोगों को इंगित करता हो। वैकल्पिक अनुवाद: "कोई भी आत्मिक व्यक्ति ... जाँचता है ... वह आप" या "आत्मिक लोग ... जाँचते हैं ... वे आप ... जाँचे ... जाते"

देखें: सामान्य संज्ञा वाक्यांश

## 1 कुरिन्थियों 2:15 (#3)

"सब कुछ"

यहाँ पौलुस सब कुछ का उपयोग अतिशयोक्ति के रूप में करते हैं, जिसे कुरिन्थियों ने समझा होगा कि इस बात पर जोर दिया जा सके कि आत्मिक जन परमेश्वर के वरदानों और सुसमाचार के संदेश को जाँच सकता है। पौलुस का यह मतलब नहीं है कि हर आत्मिक व्यक्ति हर चीज को पहचान सकता है जो जानने योग्य है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप इस अतिशयोक्ति के पीछे के विचार को "कई बातें" जैसे वाक्यांश का उपयोग करके व्यक्त कर सकते हैं, और जोर को किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "वास्तव में कई बातें"

देखें: अतिशयोक्ति

## 1 कुरिन्थियों 2:15 (#4)

"वह आप किसी से जाँचा नहीं जाता"

यदि आपकी भाषा में निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं होता है, तो आप सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य स्वाभाविक तरीके से विचार व्यक्त कर सकते हैं। पौलुस यहाँ निष्क्रिय रूप का उपयोग करते हैं ताकि वह जो जाँचा जाता है उस पर ध्यान केन्द्रित किया जा सके, बजाय इसके कि जो

व्यक्ति "जाँच" रहा है। वैकल्पिक अनुवाद: "कोई भी उन्हें स्वयं नहीं जाँचता"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

## 1 कुरिन्थियों 2:15 (#5)

"वह आप... जाँचा... जाता"

यहाँ, अनुवादित शब्द **वह आप** पुल्लिंग रूप में लिखे गए हैं, लेकिन वे किसी भी व्यक्ति को सन्दर्भित करते हैं, चाहे उनका लिंग कुछ भी हो। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो सकता है, तो आप **वह आप** के पीछे के विचार को व्यक्त करने के लिए एक ऐसा शब्द उपयोग कर सकते हैं जिसमें लिंग न हो, या आप दोनों लिंगों का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "वह व्यक्ति जाँचा जाता है" या "वह आप जाँचा जाता या जाँची जाती"

देखें: जब पुल्लिंग शब्दों में स्त्रियाँ भी सम्मिलित होती हैं

## 1 कुरिन्थियों 2:15 (#6)

"वह आप किसी से जाँचा नहीं जाता"

यहाँ पौलुस यह कहना चाहते हैं कि आत्मा के बिना किसी व्यक्ति के लिए उस व्यक्ति को ठीक से समझना या उसके बारे में निर्णय करना असंभव है जिसके पास आत्मा है। यदि आपके पाठकों को इस तात्पर्य को समझने में कठिनाई हो रही है, तो आप इसे अधिक स्पष्ट कर सकते हैं कि पौलुस आत्मा के बिना किसी व्यक्ति के लिए आत्मा पाए हुए व्यक्ति को "जाँचने" की असम्भवता के बारे में बात कर रहे हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "वह आप किसी भी ऐसे व्यक्ति द्वारा जाँचा नहीं जा सकता जो आत्मिक नहीं है"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

## 1 कुरिन्थियों 2:15 (#7)

"वह आप... जाँचा जाता"

यहाँ, **आप** का ध्यान **आत्मिक** जन पर केन्द्रित होता है। यदि आप इस प्रकार आपकी भाषा में ध्यान आकर्षित नहीं करता है, तो आप ध्यान या केन्द्र को किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "वह... जाँचा जाता" या "वह वास्तव में... जाँचा... जाता"

देखें: निजवाचक सर्वनाम

## 1 कुरिन्थियों 2:16 (#1)

"क्योंकि"

यहाँ, **क्योंकि** पौलुस ने [2:14-15](#) में "शारीरिक मनुष्य" और "आत्मिक" जन के बारे में जो कहा है, उसे समर्थन देने के लिए पवित्रशास्त्र से प्रमाण प्रस्तुत करते हैं। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप इस सम्बन्ध को एक शब्द या वाक्यांश के साथ व्यक्त कर सकते हैं जो यह संकेत करता है कि पौलुस प्रमाण प्रस्तुत कर रहे हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "आप बता सकते हैं कि ये बातें सत्य हैं, क्योंकि" या "वास्तव में,"

देखें: शब्दों और वाक्यांशों को जोड़ना

## 1 कुरिन्थियों 2:16 (#2)

"क्योंकि"

यहाँ, **क्योंकि** एक मात्र शब्द है जिसका पौलुस पुराने नियम से उद्धरण प्रस्तुत करने के लिए उपयोग करते हैं, इस मामले में, यह यशायाह भविष्यद्वक्ता द्वारा लिखी गई पुस्तक से है (देखें: [40:13](#))। यदि आपकी भाषा में उद्धरण इस तरह से प्रस्तुत नहीं किया जाता है, तो आप एक तुलनीय वाक्यांश का उपयोग कर सकते हैं जो यह संकेत देता है कि पौलुस एक महत्वपूर्ण पाठ से उद्धरण दे रहे हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "क्योंकि, जैसा कि पुराने नियम में पढ़ा जा सकता है," या "क्योंकि, यशायाह भविष्यद्वक्ता के अनुसार,"

देखें: उद्धरण और उद्धरण सीमा

## 1 कुरिन्थियों 2:16 (#1)

""

"पौलुस इस सवाल का प्रयोग इस बात पर जोर देने के लिए करता है कि कोई भी परमेश्वर के मन को नहीं जानता। कोई भी परमेश्वर के समान बुद्धिमान नहीं है। वैकल्पिक अनुवाद: ""कोई भी परमेश्वर के मन को नहीं जानता, इसलिए कोई भी उन्हें कुछ भी नहीं सिखा सकता है जिसे वह पहले से ही न जानता हो"""

देखें: आलंकारिक प्रश्न

## 1 कुरिन्थियों 2:16 (#4)

"प्रभु का मन"

यहाँ पौलुस स्वामित्व रूप का उपयोग करके **मन** का वर्णन करते हैं जो **प्रभु** के पास है या जिसका उपयोग प्रभु करते हैं।

यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप उस विचार को एक क्रियात्मक वाक्यांश का उपयोग करके व्यक्त कर सकते हैं कि प्रभु वे हैं जो मन से सोचते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "प्रभु जो विचार सोचते हैं"

देखें: स्वामित्व

## 1 कुरिन्थियों 2:16 (#5)

"हम में मसीह का मन है"

यहाँ पौलुस इस तरह बोलते हैं जैसे हम वे लोग हैं जिनके पास मसीह का मन है। पौलुस का मतलब है कि हम यह समझने में सक्षम हैं कि मसीह क्या सोचते हैं और उनके साथ सोचने के वही तरीके साझा करते हैं। उनका यह मतलब नहीं है कि हमने मसीह का मन उनसे ले लिया है या कि अब हमारे पास अपना मन नहीं है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप "किसी और का मन होना" को एक उपयुक्त रूपक या "साझा करना" जैसी क्रिया के साथ व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "वैसे ही विचार करना जैसे मसीह करते हैं" या "मसीह के मन को साझा करना"

देखें: रूपक

## 1 कुरिन्थियों 2:16 (#6)

"मसीह का मन"

यहाँ पौलुस स्वामित्व रूप का उपयोग करके मन का वर्णन करते हैं जो मसीह के पास है या जिसका वे उपयोग करते हैं। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप एक क्रियात्मक वाक्यांश का उपयोग करके यह विचार व्यक्त कर सकते हैं कि मसीह वह हैं जो मन से सोचते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "विचार जो मसीह सोचते हैं"

देखें: स्वामित्व

## 1 कुरिन्थियों 3:1 (#1)

"मैं"

मूल भाषा में यहाँ और मैं वाक्यांश का उपयोग हुआ है, जबकि हिंदी अनुवाद में केवल मैं शब्द का उपयोग हुआ है। अनुवादित शब्द मैं वही शब्द है जो 2:1 की शुरुआत में दिखाई देता है। ठीक वैसे ही जैसे वहाँ, पौलुस यहाँ जब मैं का उपयोग यह बताने के लिए करते हैं कि कैसे कुरिन्थियों से मिलने का उनका अपना अनुभव उस सामान्य तरीके में सटीक बैठता है जिसे उन्होंने अध्याय 2 के अंत में रेखांकित किया है। यहाँ, कुरिन्थियों के साथ उसका अनुभव उनके द्वारा

पसंद किए जाने वाले अनुभव के विपरीत है। इसलिए, शब्द जब मैं एक विरोधाभास प्रस्तुत करता है जो उन्होंने 2:16 में मसीह के मन के बारे में कहा था। यदि आपकी भाषा में यह उपयोगी हो, तो आप मैं के अर्थ के पीछे के विचार को व्यक्त करने के लिए एक शब्द या वाक्यांश का उपयोग कर सकते हैं जो एक विशिष्ट उदाहरण प्रस्तुत करता है या एक विरोधाभास प्रस्तुत करता है। वैकल्पिक अनुवाद: "परन्तु मैं" या "जहाँ तक मेरा सवाल है, मैं"

देखें: शब्दों और वाक्यांशों को जोड़ना

## 1 कुरिन्थियों 3:1 (#2)

"हे भाइयों"

यहाँ इसका अर्थ है साथी मसीही, पुरुष और महिला दोनों सहित।

## 1 कुरिन्थियों 3:1 (#3)

"मैं तुम से इस रीति से बातें न कर सका, जैसे आत्मिक लोगों से परन्तु जैसे शारीरिक लोगों से, और उनसे जो मसीह में बालक हैं"

यदि आपकी भाषा में नकारात्मक कथन को सकारात्मक कथन से पहले रखना स्वाभाविक नहीं है, तो आप न वाले वाक्यांश और परन्तु वाले वाक्यांश का क्रम बदल सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मुझे तुमसे शारीरिक लोगों के समान बात करनी पड़ी, जैसे मसीह में बालकों से, आत्मिक लोगों के समान नहीं"

देखें: सूचना संरचना

## 1 कुरिन्थियों 3:1 (#3)

"आत्मिक लोगों से"

जो लोग आत्मा का पालन करते हैं

## 1 कुरिन्थियों 3:1 (#4)

"शारीरिक लोगों से"

जो लोग अपनी इच्छाओं का पालन करते हैं

## 1 कुरिन्थियों 3:1 (#5)

"जैसे" - "शारीरिक लोगों से, और उनसे जो मसीह में बालक हैं"

"कुरिन्थियों की तुलना बहुत कम उम्र के बालकों और उनकी समझ से की जाती है। वैकल्पिक अनुवाद: ""मसीह में बहुत जवान विश्वासियों के रूप में""

देखें: रूपक

## 1 कुरिन्थियों 3:1 (#7)

"मसीह में"

पौलुस मसीह में स्थानिक रूपक का प्रयोग विश्वासियों और मसीह के बीच की एकता को दर्शनी के लिए करता है। इस स्थिति में, मसीह में होना या मसीह से एक होना, यह बताता है कि वे किस क्षेत्र में बालकों के समान थे — अर्थात् वे मसीह के साथ अपने सम्बन्ध में अभी भी आत्मिक रूप से अपरिपक्ष थे। यदि आपकी भाषा में यह उपयोगी हो, तो आप मसीह में के पीछे के विचार को उनके मसीह में "विश्वास" या मसीह के साथ उनके "सम्बन्ध" के रूप में व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मसीह में उनके विश्वास में" या "मसीह के साथ उनके सम्बन्ध में"

देखें: रूपक

## 1 कुरिन्थियों 3:2 (#1)

""

कुरिन्थियों के लोग केवल आसान सच्चाई समझ सकते हैं जैसे बालक जो केवल दूध पी सकते हैं। वे बड़े बालकों की तरह, जो अब ठोस भोजन खा सकते हैं, अधिक सच्चाईयों को समझने के लिए पर्याप्त परिपक्ष नहीं हैं।

देखें: रूपक

## 1 कुरिन्थियों 3:2 (#2)

"अन्न न खिलाया"

यहाँ पौलुस ने कुछ शब्द छोड़े हैं, जो आपकी भाषा में पूरा अर्थ स्पष्ट करने के लिए आवश्यक हो सकते हैं। यदि आपकी भाषा में वाक्य को पूर्ण करने के लिए अतिरिक्त शब्दों की ज़रूरत हो, तो आप 'खाने के लिए' जैसा कोई वाक्यांश जोड़ सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "खाने के लिए अन्न नहीं है"

देखें: पदलोप

## 1 कुरिन्थियों 3:2 (#3)

"तुम उसको न खा सकते थे" - "वरन् अब तक भी नहीं खा सकते हो"

यहाँ पौलुस ने कुछ शब्दों को छोड़ दिया है जो आपकी भाषा में पूरा अर्थ स्पष्ट करने के लिए ज़रूरी हो सकते हैं। यदि आपकी भाषा को इन शब्दों की आवश्यकता है, तो आप उन्हें यहाँ जोड़ सकते हैं, पहले के पद से विचार को शामिल करते हुए। वैकल्पिक अनुवाद: "तुम ठोस भोजन खाने के योग्य नहीं थे... और अब भी तुम उसे नहीं खा सकते"

देखें: पदलोप

## 1 कुरिन्थियों 3:2 (#4)

"वरन्"

यहाँ, वरन् पौलुस के कुरिन्थियों के दौरे के समय और पौलुस के इस पत्र को लिखने के समय के बीच अंतर को स्पष्ट करता है। वह इन दो अलग-अलग समयों का उल्लेख करते हैं यह बताने के लिए कि कुरिन्थियों को किसी भी समय अन्न नहीं मिल सका। यदि यह आपकी भाषा में उपयोगी हो, तो आप वरन् को एक ऐसे शब्द या वाक्यांश के साथ व्यक्त कर सकते हैं जो दो समयों के बीच अन्तर को स्पष्ट करता हो या एक ऐसा शब्द जो अतिरिक्त जानकारी प्रस्तुत करता हो। वैकल्पिक अनुवाद: "वास्तव में"

देखें: जोड़ें — विरोधाभास सम्बन्ध

## 1 कुरिन्थियों 3:3 (#1)

"अब तक शारीरिक हो"

अभी भी पापी या सांसारिक इच्छाओं के अनुसार व्यवहार कर रहे हैं

## 1 कुरिन्थियों 3:3 (#2)

"इसलिए, कि जब तुम में ईर्ष्या और झगड़ा है"

यदि आपकी भाषा में ईर्ष्या और झगड़ा के पीछे के विचारों के लिए भाववाचक संज्ञाओं का उपयोग नहीं होता है, तो आप इन विचारों को "ईर्ष्या करना" और "लड़ाई करना" जैसी क्रियाओं का उपयोग करके व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जहाँ तुम एक-दूसरे से जलते हो और आपस में झगड़ते हो"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

## 1 कुरिन्थियों 3:3 (#3)

"इसलिए, कि जब"

हिन्दी अनुवाद में जब का उपयोग किया गया है परन्तु मूल भाषा में शब्द **जहाँ** का उपयोग किया गया है, जो अक्सर स्थान को सन्दर्भित करता है। हालांकि, यहाँ पौलुस इसका उपयोग यह संकेत देने के लिए करते हैं कि कुछ मौजूद है, बिना इस पर ध्यान केंद्रित किए कि वह चीज़ ठीक **कहाँ** है। किसी विशिष्ट स्थान की पहचान करने के बजाय, यह अस्तित्व की पहचान करता है। यदि आपकी भाषा में यह उपयोगी हो, तो आप **जहाँ** के पीछे के विचार को व्यक्त करने के लिए उस शब्द का उपयोग कर सकते हैं जो यह सन्दर्भित करता है कि कुछ मौजूद है या नहीं। वैकल्पिक अनुवाद: "यदि है"

देखें: लक्षणालंकार

## 1 कुरिन्थियों 3:3 (#2)

""

"पौलुस उनके पापपूर्ण व्यवहार के लिए कुरिन्थियों के लोगों को डांट रहा है। यहाँ ""चलना"" ""तुम्हारे व्यवहार को जाँचने"" का रूपक है, तथ करते हुए कि अच्छा और बुरा क्या है। वैकल्पिक अनुवाद: ""तुम्हे शर्मिंदा होना चाहिए क्योंकि तुम अपनी पापी इच्छाओं के अनुसार व्यवहार कर रहे हो और तुम यह तय करने के लिए मानव मानकों का उपयोग कर रहे हो कि तुम्हारा व्यवहार अच्छा है या बुरा है!""

देखें: आलंकारिक प्रश्न

## 1 कुरिन्थियों 3:3 (#5)

"और"

यहाँ पौलुस **और** का उपयोग यह परिभाषित करने के लिए करते हैं कि **शारीरिक** का क्या अर्थ है। इसका अर्थ है **मनुष्य की रीति पर चलना**। यदि आप परिभाषा या व्याख्या प्रस्तुत करने के लिए **और** का उपयोग नहीं कर सकते, तो आप किसी अन्य शब्द या वाक्यांश का उपयोग कर सकते हैं जो परिभाषा या व्याख्या प्रस्तुत करता है। यदि आप निम्नलिखित वैकल्पिक अनुवादों में से एक का उपयोग करते हैं, तो आपको इसके पहले एक अल्पविराम जोड़ने की आवश्यकता हो सकती है। वैकल्पिक अनुवाद: "अर्थात्, क्या तुम नहीं हो" या "जिसका अर्थ है"

देखें: द्विपद (हैंडियाडिस)

## 1 कुरिन्थियों 3:3 (#6)

"मनुष्य की रीति पर ... चलते"

पौलुस जीवन में व्यवहार के बारे में ऐसे बात करते हैं जैसे वह **चलना** हो। यदि आपकी भाषा में **चलना** किसी व्यक्ति के जीवन-शैली का वर्णन करने के रूप में स्वाभाविक नहीं लगता, तो आप इसी विचार को किसी अन्य उपयुक्त रूपक के माध्यम से या सीधे शब्दों में व्यक्त कर सकते हैं वैकल्पिक अनुवाद: "मनुष्यों की तरह व्यवहार करना"

देखें: रूपक

## 1 कुरिन्थियों 3:3 (#7)

"मनुष्य की रीति पर"

यहाँ पौलुस उस व्यवहार के बारे में बात करते हैं जो **मनुष्य की रीति पर** है। वह इस वाक्यांश का उपयोग उन लोगों द्वारा किए गए व्यवहारों को सन्दर्भित करने के लिए करते हैं जो केवल मानवीय तरीकों से सोचते और कार्य करते हैं। इन लोगों के पास परमेश्वर का आत्मा नहीं होता, इसलिए वे इस संसार के मूल्यों और लक्षणों के अनुसार "चलते" हैं। यदि आपकी भाषा में यह उपयोगी हो, तो आप **मनुष्य की रीति पर** के पीछे के विचार को व्यक्त करने के लिए एक शब्द या वाक्यांश का उपयोग कर सकते हैं जो उन बातों और व्यवहारों को सन्दर्भित करता है जिन्हें लोग जो विश्वास नहीं करते, महत्व देते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जो केवल मानवीय मूल्य हैं उसके अनुसार" या "इस संसार के अनुसार"

देखें: मुहावरा

## 1 कुरिन्थियों 3:3 (#8)

"मनुष्य"

मूल भाषा पुरुष शब्द का उपयोग करती है हालांकि पुरुष पुलिंग है, परन्तु हिन्दी अनुवाद **मनुष्य** शब्द का उपयोग करता है। पौलुस इसका उपयोग सभी लोगों के लिए कर रहे हैं, चाहे वे पुरुष हों या स्त्री। यदि यह आपकी भाषा में उपयोगी हो, तो आप **मनुष्य** को गैर-लिंगीय शब्द से व्यक्त कर सकते हैं या दोनों लिंगों का उल्लेख कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मानव"

देखें: जब पुलिंग शब्दों में स्त्रियाँ भी सम्मिलित होती हैं

## 1 कुरिन्थियों 3:4 (#1)

"इसलिए"

यहाँ, इसलिए पौलुस के तर्क के लिए और प्रमाण प्रस्तुत करता है कि कुरिन्थियों के लोग केवल सांसारिक तरीकों से व्यवहार कर रहे हैं। यदि यह आपकी भाषा मेंउपयोगी हो, तो आप इसलिए का अनुवाद किए बिना छोड़ सकते हैं या इस विचार को व्यक्त करने के लिए एक शब्द या वाक्यांश का उपयोग कर सकते हैं जो अधिक प्रमाण या उदाहरण प्रस्तुत करता है। वैकल्पिक अनुवाद: "वास्तव में,"

देखें: शब्दों और वाक्यांशों को जोड़ना

## 1 कुरिन्थियों 3:4 (#2)

"एक कहता है, "" - "और दूसरा"

यहाँ पौलुस सर्वनाम एक और दूसरा का उपयोग करके कुरिन्थियों की कलीसिया के कुछ लोगों के दो उदाहरण देते हैं जो इस प्रकार की बातें कर रहे हैं। उनका यह मतलब नहीं है कि केवल दो लोग ही ये बातें कर रहे हैं। उनका यह भी मतलब नहीं है कि कलीसिया में लोग केवल यही बातें कर रहे हैं। यदि आपकी भाषा में यह उपयोगी हो, तो आप इस रूप को एक बड़े तरीके के उदाहरण प्रस्तुत करने वाले शब्दों के साथ व्यक्त कर सकते हैं और आप एक वाक्यांश जोड़ सकते हैं जो यह संकेत देता है कि शब्द मैं पौलुस का हूँ और मैं अपुल्लोस का हूँ उन चीजों के दो उदाहरण हैं जो वे कह रहे हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "कुछ लोग तुम्हारे बीच इस तरह बोलते हैं..., जबकि दूसरे लोग कुछ और कहते हैं"

देखें: सर्वनाम — उनका उपयोग कब करें

## 1 कुरिन्थियों 3:4 (#3)

"मैं पौलुस का हूँ," - "मैं अपुल्लोस का हूँ"

यदि आपकी भाषा में इस रूप का प्रयोग स्वाभाविक नहीं है, तो आप इन कथनों का अनुवाद प्रत्यक्ष उद्धरण के बजाय अप्रत्यक्ष उद्धरण के रूप में कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "कि वे पौलुस के हैं... कि वे अपुल्लोस के हैं"

देखें: प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष उद्धरण

## 1 कुरिन्थियों 3:4 (#4)

"मैं पौलुस का हूँ," - "मैं अपुल्लोस का हूँ"

जैसा कि [1:12](#) में, पौलुस स्वामित्व रूप का उपयोग करते हैं यह संकेत देने के लिए कि लोग एक विशेष अगुवे के दल का हिस्सा होने का दावा कर रहे हैं। यदि आपकी भाषा में यह उपयोगी हो, तो आप इस रूप के पीछे के विचार को "सम्बन्धित" या "अनुसरण" जैसे शब्द के साथ व्यक्त कर

सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मैं पौलुस का अनुसरण करता हूँ ... मैं अपुल्लोस का अनुसरण करता हूँ"

देखें: स्वामित्व

## 1 कुरिन्थियों 3:4 (#1)

""

"पौलुस कुरिन्थियों को डांट रहा है। वैकल्पिक अनुवाद: ""तुम्हे शर्मिंदा होना चाहिए क्योंकि तुम उनकी तरह जी रहे हो जिनके पास आत्मा नहीं है""

देखें: आलंकारिक प्रश्न

## 1 कुरिन्थियों 3:4 (#6)

"मनुष्य"

जब पौलुस कुरिन्थियों को मनुष्य कहते हैं, तो उनका तात्पर्य यह नहीं है कि वे "केवल" और "केवल" मनुष्य हैं। वह उन्हें मनुष्य के रूप में नहीं पहचान रहे हैं, बल्कि यह है कि वे "केवल मानवीय" दृष्टिकोण से सोचते और बोलते हैं, न कि परमेश्वर के दृष्टिकोण से, एक ऐसा दृष्टिकोण जो वे साझा कर सकते हैं यदि उनके पास परमेश्वर का आत्मा है। यदि आपकी भाषा में यह उपयोगी हो, तो आप एक शब्द या वाक्यांश जोड़ सकते हैं जो स्पष्ट करता है कि मनुष्य संसार के "केवल मानवीय" दृष्टिकोण को संदर्भित करता है। वैकल्पिक अनुवाद: "सिर्फ मनुष्य" या "मानवीय दृष्टिकोण से बोलना"।

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

## 1 कुरिन्थियों 3:4 (#7)

"मनुष्य"

मूल भाषा में पुरुष शब्द का उपयोग किया गया है हालांकि पुरुष पुल्लिंग है, परन्तु हिन्दी अनुवाद मनुष्य शब्द का उपयोग करता है। पौलुस इसका उपयोग किसी भी व्यक्ति को सन्दर्भित करने के लिए कर रहे हैं, चाहे वह पुरुष हो या स्त्री। यदि आपकी भाषा में यह उपयोगी हो, तो आप मनुष्य को एक गैर-लिंगीय आधारित शब्द के साथ व्यक्त कर सकते हैं या दोनों लिंगों का उल्लेख कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मानव" या "पुरुष और स्त्रियाँ"

देखें: जब पुल्लिंग शब्दों में स्त्रियाँ भी सम्मिलित होती हैं

**1 कुरिन्थियों 3:5 (#1)****"(तब) अपुल्लोस कौन है"**

मूल भाषा में यहाँ शब्द तब का उपयोग किया गया है पर हिन्दी अनुवाद में ऐसा नहीं है। यहाँ, तब पौलुस के तर्क में एक और चरण को प्रस्तुत करता है। उन्होंने 3:4 में तर्क दिया है कि पौलुस और अपुल्लोस को समूहों के अगुओं के रूप में नहीं माना जाना चाहिए। इस पद में, वह यह समझाने के लिए आगे बढ़ते हैं कि वह सीचते हैं कि पौलुस और अपुल्लोस को कैसे माना जाना चाहिए, जो कि मसीह के सेवक के रूप में है। इस प्रकार, अनुवादित शब्द तब यह प्रस्तुत करता है कि पौलुस और अपुल्लोस वास्तव में कौन है। यदि आपकी भाषा में यह उपयोगी हो, तो आप तब को अनुवादित किए बिना छोड़ सकते हैं या तर्क में अगले चरण को प्रस्तुत करने वाला शब्द उपयोग कर सकते हैं। यदि आप निम्नलिखित वैकल्पिक अनुवाद का उपयोग करते हैं, तो आपको इसके पहले एक अल्पविराम जोड़ने की आवश्यकता हो सकती है। वैकल्पिक अनुवाद: "इसलिए,"

देखें: शब्दों और वाक्यांशों को जोड़ना

**1 कुरिन्थियों 3:5 (#1)****"अपुल्लोस कौन है?" - "पौलुस कौन है"**

"पौलुस इस बात पर जोर दे रहा है कि वह और अपोलोस सुसमाचार का मूल स्रोत नहीं हैं, और इसलिए कुरिन्थियों को उनका अनुसरण नहीं करना चाहिए। वैकल्पिक अनुवाद: ""अपोलोस या पौलुस का पालन करने के लिए समूह बनाना गलत है!"" या

देखें: आलंकारिक प्रश्न

**1 कुरिन्थियों 3:5 (#2)****"कौन है?" - "पौलुस"**

"पौलुस स्वयं के बारे में इस प्रकार बात कर रहा है जैसे कि वह किसी और के बारे में बात कर रहा था। वैकल्पिक अनुवाद: ""मैं महत्वपूर्ण नहीं हूँ!"" या ""मैं कौन हूँ?""

देखें: आलंकारिक प्रश्न

**1 कुरिन्थियों 3:5 (#3)****"केवल सेवक, जिनके द्वारा तुम लोगों ने विश्वास किया"**

"पौलुस ने अपने सवाल का जवाब देकर कहा कि वह और अपोलोस परमेश्वर के सेवक हैं। वैकल्पिक अनुवाद: ""पौलुस

और अपोलोस मसीह के सेवक हैं, और तुमने मसीह में विश्वास किया क्योंकि हमने उसकी सेवा की""

देखें: विराम बिंदु

**1 कुरिन्थियों 3:5 (#5)****"केवल सेवक, जिनके द्वारा तुम लोगों ने विश्वास किया"**

जब पौलुस कहते हैं कि वह और अपुल्लोस वे हैं जिनके द्वारा कुरिन्थवासियों ने विश्वास किया, तो वह यह संकेत दे रहे हैं कि कुरिन्थवासियों ने पौलुस और अपुल्लोस के अलावा किसी और पर विश्वास किया। अर्थात्, उन्होंने मसीह पर विश्वास किया। यदि आपके पाठक यह निष्कर्ष नहीं निकालते कि कुरिन्थवासियों ने किस पर विश्वास किया, तो आप इसे स्पष्ट कर सकते हैं कि कुरिन्थवासियों ने जिस पर विश्वास किया, वह "मसीह" हैं, न कि अपुल्लोस या पौलुस। वैकल्पिक अनुवाद: "ऐसे सेवक जिनके माध्यम से तुम मसीह में विश्वास में आए" या "ऐसे सेवक जिनके माध्यम से तुम ने मसीह पर विश्वास किया, न कि हम पर"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

**1 कुरिन्थियों 3:5 (#6)****"जैसा हर एक को"**

यहाँ, जैसा शब्द यह दर्शनि के लिए उपयोग किए गया है कि अपुल्लोस और पौलुस किस प्रकार सेवक के रूप में कार्य करते हैं। यदि आपकी भाषा में यह उपयोगी हो, तो आप इस सम्बन्ध को एक शब्द या वाक्यांश के साथ व्यक्त कर सकते हैं जो यह बताए कि अपुल्लोस और पौलुस सेवक के रूप में कैसे हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जो हर एक को" या "बस उसी तरह सेवा करते हुए"

देखें: शब्दों और वाक्यांशों को जोड़ना

**1 कुरिन्थियों 3:5 (#4)**

""

"यह समझी गई जानकारी के साथ कहा जा सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: ""हम सेवक हैं जिनके द्वारा तुमने विश्वास किया। हम केवल वे लोग हैं जिन्हें परमेश्वर ने कार्य दिया""

देखें: विराम बिंदु

**1 कुरिन्थियों 3:5 (#8)****"हर एक को"**

यहाँ, हर एक को सीधे अपुल्लोस और पौलुस की ओर संकेत करता है। हालांकि, यह सम्भवतः उन सभी की ओर भी संकेत करता है जो प्रभु की सेवा करते हैं। यदि आपकी भाषा में अलग-अलग व्यक्तियों को अलग रूप में बताना सम्भव है, तो आप ऐसा रूप प्रयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवादः "जो भी उनकी सेवा करते हैं, उन प्रत्येक को"

देखें: सर्वनाम — उनका उपयोग कब करें

**1 कुरिन्थियों 3:6 (#1)****"मैंने लगाया"**

"परमेश्वर के ज्ञान की तुलना एक बीज से की जाती है जिसे विकसित करने के लिए लगाया गया। वैकल्पिक अनुवादः ""जब मैंने तुम्हें परमेश्वर के वचन का प्रचार किया, तो मैं एक ऐसे व्यक्ति की तरह था जो बगीचे में बीज लगाता है""

देखें: रूपक

**1 कुरिन्थियों 3:6 (#2)****"मैंने लगाया, अपुल्लोस ने सींचा, परन्तु परमेश्वर ने बढ़ाया"**

पौलुस कभी यह नहीं बताते कि उन्होंने क्या लगाया, जिसे अपुल्लोस ने सींचा, और जिसे परमेश्वर ने बढ़ाया। वह यह नहीं बताते कि वह क्या है क्योंकि वह खेती के तरीकों के बारे में एक सामान्य कथन का उपयोग करना चाहते हैं। यदि आपको यह बताना है कि क्या लगाया और सींचा गया, तो आप एक सामान्य शब्द जैसे "बीज," "पौधा," या "फसल" शामिल कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवादः "मैंने बीज बोए, अपुल्लोस ने पौधों को सींचा, परन्तु परमेश्वर ने फसल को बढ़ाया" या "मैंने फसल बोई, अपुल्लोस ने उसे सींचा, परन्तु परमेश्वर ने उसे बढ़ाया"

देखें: पदलोप

**1 कुरिन्थियों 3:6 (#3)****"परन्तु परमेश्वर ने बढ़ाया"**

"जैसे-जैसे पौधे उगते और विकसित होते हैं, इसी प्रकार परमेश्वर में विश्वास और ज्ञान भी बढ़ता है और गहरा और मजबूत हो जाता है। वैकल्पिक अनुवादः ""लेकिन परमेश्वर ने तुम्हें बढ़ाया"" या ""लेकिन जैसे परमेश्वर पौधे उगाने का

कारण बनते हैं, वह तुम्हारे आत्मिक रूप से बढ़ने का कारण बनता है""

देखें: रूपक

**1 कुरिन्थियों 3:7 (#1)****"इसलिए"**

यहाँ, इसलिए एक निष्कर्ष या तर्क प्रस्तुत करता है जो पौलुस ने 3:6 में, सींचने, लगाने और बढ़ाने के बारे में कहा है। वह यह स्पष्ट करना चाहते हैं कि परमेश्वर जो बढ़ानेवाला है और लगानेवाले या सींचनेवाले, इन दोनों में महत्व का अंतर है। यह परमेश्वर ही है जो महत्वपूर्ण है, क्योंकि वही एकमात्र हैं जो बढ़ा रहे हैं, जैसा कि पौलुस ने 3:6 में कहा। यदि आपकी भाषा में यह उपयोगी हो, तो आप इसलिए को एक तुलनीय शब्द या वाक्यांश के साथ व्यक्त कर सकते हैं जो एक निष्कर्ष या अनुमान प्रस्तुत करता है। वैकल्पिक अनुवादः "तो फिर"

देखें: जोड़ें — कारण-और-परिणाम सम्बन्ध

**1 कुरिन्थियों 3:7 (#2)****"न तो लगानेवाला कुछ है, और न सींचनेवाला, परन्तु परमेश्वर जो बढ़ानेवाला है"**

अब पौलुस सामान्य रूप से परमेश्वर द्वारा दिए गए कार्यों के बारे में बात करते हैं जो सुसमाचार का प्रचार करने वालों को सौंपे गए हैं। वह इस तरह से बोलते हैं जैसे सुसमाचार का प्रचार करने वाले किसान हों जो अपनी फसल बोते और सींचते हैं। इस रूपक की ओर व्याख्या के लिए अध्याय का परिचय देखें। यदि आपकी भाषा में यह उपयोगी हो, तो आप पौलुस द्वारा खेती की भाषा का उपयोग करके यह बता सकते हैं कि लोग सुसमाचार का प्रचार कैसे करते हैं और कैसे परमेश्वर दूसरों को इसे प्राप्त करने में सक्षम बनाते हैं, या फिर आप इस विचार को स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवादः "ना तो वह व्यक्ति कुछ है जो विश्वासियों को सुसमाचार से परिचित करवाता है, और ना ही वह जो उन्हें सुसमाचार की अधिक शिक्षा देता है, परन्तु परमेश्वर ही वह है जो विश्वासियों को विश्वास करने की सामर्थ्य देता है"

देखें: बाइबल की अलंकृत भाषा - विस्तृत रूपक

**1 कुरिन्थियों 3:7 (#1)**

""

पौलुस ने जोर दिया कि न तो वह और न ही अपोलोस विश्वासियों के आत्मिक विकास के लिए ज़िम्मेदार है, लेकिन यह परमेश्वर का काम है।

## 1 कुरिन्थियों 3:7 (#4)

"लगानेवाला" - "सींचनेवाला"

पौलुस कभी यह नहीं बताते कि कौन क्या लगानेवाला है और कौन क्या सींचनेवाला है। वह यह नहीं बताते क्योंकि वह खेती के तरीकों के बारे में एक सामान्य कथन का उपयोग करना चाहते हैं। यदि आपको यह बताना है कि क्या लगाया और सींचा जा रहा है, तो आप "बीज," "पौधा," या "फसल" जैसे सामान्य शब्दों को शामिल कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जो बीज लगाता है ... जो पौधों को सींचता है" या "जो फसल बोता है ... जो इसे सींचता है"

देखें: पदलोप

## 1 कुरिन्थियों 3:7 (#5)

"कुछ है"

यहाँ, **कुछ है** एक अतिशयोक्ति है जिसे कुरिन्थियों ने उन लोगों की महत्वहीनता पर जोर देने के रूप में समझा होगा जो पौधा लगाते हैं और सींचते हैं। यह मानो वे कुछ भी नहीं थे, मानो वे अस्तित्व में नहीं थे। पौलुस का यह अर्थ नहीं है कि वे अस्तित्व में नहीं हैं। इसके बजाय, वह इस अतिशयोक्ति का उपयोग यह दिखाने के लिए करते हैं कि जो लोग पौधा लगाते हैं और सींचते हैं, वे परमेश्वर की तुलना में कितने महत्वहीन हैं। यदि आपकी भाषा में यह उपयोगी हो, तो आप **कुछ है** को एक शब्द या वाक्यांश के साथ व्यक्त कर सकते हैं जो "महत्व" को इंगित करता है। वैकल्पिक अनुवाद: "महत्वहीन" या "अल्पमहत्वपूर्ण"

देखें: अतिशयोक्ति

## 1 कुरिन्थियों 3:7 (#6)

"परन्तु परमेश्वर जो बढ़ानेवाला है"

यहाँ पौलुस सीधे तौर पर उन लोगों के बीच के अंतर को समाप्त नहीं करते हैं, जो पौधा लगाते हैं और सींचते हैं और **परमेश्वर**। उनका मतलब है कि **परमेश्वर** ही महत्वपूर्ण है, क्योंकि वही बढ़ानेवाले हैं। यदि आपकी भाषा में यह उपयोगी हो, तो आप वे शब्द जोड़ सकते हैं जिन्हें पौलुस छोड़ देते हैं, जिसमें परमेश्वर के "महत्वपूर्ण" होने के बारे में कोई शब्द या वाक्यांश शामिल हो सकता है। वैकल्पिक अनुवाद:

"परन्तु परमेश्वर, जो वृद्धि का कारण है, वही महत्वपूर्ण है" या "**परन्तु परमेश्वर महत्वपूर्ण है** क्योंकि वही वृद्धि का कारण है।" देखें: पदलोप

## 1 कुरिन्थियों 3:7 (#2)

""

"यहाँ वृद्धि देने का मतलब बढ़ाना है। भाववाचक संज्ञा ""उन्नति"" का अनुवाद मौखिक वाक्यांश के साथ किया जा सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: ""यह परमेश्वर है जो आपके बढ़ने का कारण बनता है""

देखें: अमूर्त संज्ञाएँ

## 1 कुरिन्थियों 3:8 (#1)

"(अब) लगानेवाला और सींचनेवाला दोनों एक हैं"

मूल भाषा में यहाँ **अब** शब्द आया है परन्तु हिन्दी में ऐसा नहीं है। यहाँ, **अब** शब्द पौलुस के तर्क में अगले चरण का परिचय देता है। यदि आपकी भाषा में यह उपयोगी हो, तो आप **अब** को अनुवादित किए बिना छोड़ सकते हैं या तर्क में अगले चरण का परिचय देने वाला कोई शब्द या वाक्यांश उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "वास्तव में,"

देखें: शब्दों और वाक्यांशों को जोड़ना

## 1 कुरिन्थियों 3:8 (#1)

"लगानेवाला और सींचनेवाला दोनों एक हैं"

पौलुस लोगों को सुसमाचार सुनाने और उन लोगों को, जिन्होंने ने सुसमाचार स्वीकार कर लिए हैं उन्हें सिखाने की बारे में इस प्रकार कहता है, जैसे कि वे पौधे लगा रहे थे और पौधों को पानी दे रहे थे।

देखें: रूपक

## 1 कुरिन्थियों 3:8 (#3)

"लगानेवाला" - "सींचनेवाला"

जैसा कि [3:7](#) में, जब पौलुस **लगानेवाले** की बात करते हैं, तो वह अपने बारे में सोचते हैं। जब वह **सींचनेवाले** की बात करते हैं, तो वह अपुल्लोस के बारे में सोचते हैं। यह स्पष्ट है जो वह [3:6](#) में कहते हैं। परन्तु **अब** वह सामान्य अर्थों में बोल रहे हैं। वह यह नहीं कह रहे कि केवल एक व्यक्ति **लगानेवाला** है और एक व्यक्ति **सींचनेवाला** है, बल्कि वह उन सभी लोगों

की बात कर रहे हैं, जो यह कार्य करते हैं। यदि वाक्यांश हर एक आपकी भाषा में इस अर्थ में नहीं समझा जाता है, तो आप ऐसा शब्द या वाक्यांश उपयोग कर सकते हैं जो किसी भी व्यक्ति को सन्दर्भित करता है जो कार्य करता है। वैकल्पिक अनुवाद: "कोई भी व्यक्ति जो लगानेवाला है ... कोई भी व्यक्ति जो सींचनेवाला है"

देखें: सामान्य संज्ञा वाक्यांश

## 1 कुरिन्थियों 3:8 (#4)

"लगानेवाला" - "सींचनेवाला"

पौलुस कभी यह नहीं बताते कि कौन क्या लगा रहा है और कौन क्या सींच रहा है। वह यह नहीं बताते कि यह क्या है क्योंकि वह खेती के तरीकों के बारे में एक सामान्य कथन का उपयोग करते हैं। यदि आपको यह बताना है कि क्या लगाया और सींचा जा रहा है, तो आप "बीज," "पौधा," या "फसल" जैसे सामान्य शब्दों को शामिल कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जो बीज लगाता है ... जो पौधों को सींचता है" या "जो फसल बोता है ... जो इसे सींचता है"

देखें: पदलोप

## 1 कुरिन्थियों 3:8 (#2)

"दोनों एक हैं"

"संभावित अर्थ ""एक"" हैं 1) ""उद्देश्य में एकजुट"" या 2) ""महत्व में समान"" । "

## 1 कुरिन्थियों 3:8 (#6)

"अपने ही" - "अपनी ही"

यहाँ, अनुवादित शब्द **अपने** पुलिंग रूप में है, लेकिन वे किसी भी व्यक्ति को सन्दर्भित करते हैं, चाहे उनका लिंग कुछ भी हो। यदि आपकी भाषा में यह उपयोगी हो सकता है, तो आप **अपने** और **अपनी** के पीछे के विचार को व्यक्त करने के लिए ऐसा शब्द उपयोग कर सकते हैं जिसमें लिंग न हो, या आप दोनों लिंगों का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "उनका या उनकी अपनी ... उनका या उनकी अपनी" या "उस व्यक्ति की अपनी ... उस व्यक्ति की अपनी"

देखें: जब पुलिंग शब्दों में स्त्रियाँ भी सम्मिलित होती हैं

## 1 कुरिन्थियों 3:9 (#1)

"क्योंकि"

यहाँ, **क्योंकि** एक सारांश वाक्य को प्रस्तुत करता है, जो उस पूरे खण्ड का निष्कर्ष है जिसमें पौलुस ने सुसमाचार सुनाने वालों की तुलना किसानों से की है (3:5-8)। यदि आपकी भाषा में यह उपयोगी हो, तो आप **क्योंकि** के पीछे के विचार को व्यक्त करने के लिए एक शब्द या वाक्यांश का उपयोग कर सकते हैं जो एक सारांश वाक्य प्रस्तुत करता है। वैकल्पिक अनुवाद: "इस प्रकार," या "अंत में,"

देखें: शब्दों और वाक्यांशों को जोड़ना

## 1 कुरिन्थियों 3:9 (#1)

"हम"

यह पौलुस और अपोलोस को संबोधित करता है लेकिन कुरिन्थियों की कलीसिया को नहीं।

देखें: विशेष और समावेशी 'हम'

## 1 कुरिन्थियों 3:9 (#2)

"परमेश्वर सहकर्मी हैं"

पौलुस स्वयं को और अपोलोस को एक साथ काम करने के रूप में मानता है।

## 1 कुरिन्थियों 3:9 (#4)

"तुम परमेश्वर की खेती और परमेश्वर के भवन हो"

यहाँ पौलुस, खेती की उपमा से अचानक भवन की उपमा पर आ जाते हैं। वह यह बदलाव बिना किसी जोड़ने वाले शब्द का उपयोग किए करते हैं और वह यह बदलाव एक ही वाक्य के भीतर करते हैं। विचार करें कि क्या आपकी भाषा में पिछले खण्ड के अन्त में या नए खण्ड की शुरुआत में एक नए विषय का परिचय शामिल होगा, और **परमेश्वर के भवन** को वहाँ रखें, जहाँ इसे एक नए खण्ड के परिचय के रूप में समझा जाएगा। **तुम** को फिर से शामिल करें यदि यह आवश्यक हो। इसके अतिरिक्त, यदि आपकी भाषा बिना किसी जोड़ने वाले शब्द या वाक्यांश के एक नए खण्ड की शुरुआत नहीं करती है, तो आप यहाँ ऐसे शब्द या वाक्यांश का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "तुम परमेश्वर का खेत हो। वास्तव में, तुम परमेश्वर के भवन भी हो।"

देखें: सूचना संरचना

## 1 कुरिन्थियों 3:9 (#3)

"परमेश्वर" - "खेती" - "हो"

"संभावित अर्थ 1) परमेश्वर का बगीचा होना परमेश्वर से सम्बन्ध को दर्शाता है। वैकल्पिक अनुवाद: ""आप एक बगीचे की तरह हैं जो परमेश्वर के हैं"" या 2) परमेश्वर का बगीचा होना दर्शाता है कि परमेश्वर हमें बढ़ाता है। वैकल्पिक अनुवाद: ""आप एक बगीचे की तरह हैं जिसे परमेश्वर बढ़ाता है""

देखें: रूपक

## 1 कुरिन्थियों 3:9 (#4)

"परमेश्वर"

"संभावित अर्थ 1) परमेश्वर की इमारत होना परमेश्वर से सम्बन्ध को दर्शाता है। वैकल्पिक अनुवाद: ""और तुम ऐसी इमारत की तरह हो जो परमेश्वर से संबंधित है"" या 2) परमेश्वर की इमारत होना, है कि परमेश्वर हमें अपनी इच्छा के अनुसार बना रहा है। वैकल्पिक अनुवाद: ""और तुम एक ऐसी इमारत की तरह हो जो परमेश्वर बना रहा है""

देखें: रूपक

## 1 कुरिन्थियों 3:10 (#1)

"परमेश्वर के उस अनुग्रह के अनुसार, जो मुझे दिया गया"

"इसे सक्रिय रूप में कहा जा सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: ""इस कार्य के अनुसार जिसे परमेश्वर ने मुझे करने के लिए मुफ्त में दिया"""

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

## 1 कुरिन्थियों 3:10 (#2)

"नींव डाली," - "रखता है"

पौलुस विश्वास की शिक्षा और यीशु मसीह में उद्धार को इमारत की नींव रखने से समानता बताता है

देखें: रूपक

## 1 कुरिन्थियों 3:10 (#3)

"मैंने बुद्धिमान राजमिस्त्री के समान नींव डाली"

वाक्यांश बुद्धिमान राजमिस्त्री के समान वर्णन कर सकता है: (1) जिस तरीके से पौलुस ने एक नींव रखी। यदि आप निम्नलिखित वैकल्पिक अनुवाद का उपयोग करते हैं, तो आपको इसके पहले एक अल्पविराम जोड़ने की आवश्यकता हो सकती है। वैकल्पिक अनुवाद: "मैंने एक नींव रखी, एक

बुद्धिमान राजमिस्त्री के समान" (2) विशिष्ट अनुग्रह जो परमेश्वर ने पौलुस को दिया। वैकल्पिक अनुवाद: "एक बुद्धिमान राजमिस्त्री बनने के लिए, मैंने एक नींव रखी"

देखें: सूचना संरचना

## 1 कुरिन्थियों 3:10 (#4)

"बुद्धिमान राजमिस्त्री"

यहाँ, बुद्धिमान राजमिस्त्री से आशय उस व्यक्ति से है जो पूरे निर्माण कार्य का प्रभारी होता है, जो न केवल उसका एक ढांचा तैयार करता है, बल्कि यह भी सुनिश्चित करता है कि निर्माण कार्य उसी ढांचे के अनुसार हो यदि यह आपकी भाषा में उपयोगी हो, तो आप बुद्धिमान राजमिस्त्री को एक तुलनीय शब्द या वाक्यांश के साथ व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "एक बुद्धिमान वास्तुकार" या "एक कुशल निर्माण प्रबंधक"

देखें: अज्ञातों का अनुवाद करें

## 1 कुरिन्थियों 3:10 (#5)

"दूसरा उस पर रद्दा रखता है"

यहाँ, दूसरा किसी भी व्यक्ति को सन्दर्भित करता है जो नींव पर रद्दा रखता है, जिसमें अपुल्लोस भी शामिल है। हालांकि, पौलुस का आशय किसी एक विशेष व्यक्ति की पहचान करना नहीं है जो रद्दा रख रहे हैं। यदि आपके पाठक यह नहीं समझते कि दूसरा किसी भी निर्माता को सन्दर्भित करता है, तो आप एक ऐसा शब्द या वाक्यांश उपयोग कर सकते हैं जो किसी विशेष कार्य करने वाले व्यक्ति की पहचान करता है। वैकल्पिक अनुवाद: "अन्य लोग इस पर निर्माण कर रहे हैं" या "कोई और इस पर निर्माण कर रहा है"

देखें: सर्वनाम — उनका उपयोग कब करें

## 1 कुरिन्थियों 3:10 (#3)

""

पौलुस उस व्यक्ति या उन लोगों को, जो उस समय कुरिन्थियों को सिखा रहे थे उनको जिक्र एक बद्री की तरह करता हैं जो नींव के ऊपर इमारत का निर्माण कर रहे हैं।

देखें: रूपक

**1 कुरिन्थियों 3:10 (#4)****"हर एक मनुष्य चौकस रहे, कि"**

"यह सामान्य रूप से परमेश्वर के श्रमिकों को संबोधित करता है। वैकल्पिक अनुवाद: ""प्रत्येक व्यक्ति जो परमेश्वर की सेवा करता है"""

**1 कुरिन्थियों 3:10 (#8)****"वह उस पर कैसा रद्दा रखता है"**

यहाँ, **वह** पुल्लिंग रूप में लिखा गया है, परन्तु यह किसी भी व्यक्ति को सन्दर्भित करता है, चाहे उसका लिंग कुछ भी हो। यदि आपकी भाषा में यह उपयोगी हो, तो आप **वह** के पीछे के विचार को व्यक्त करने के लिए एक ऐसा शब्द उपयोग कर सकते हैं जिसमें लिंग न हो, या आप दोनों लिंगों का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "वह इस पर निर्माण करता है" या "प्रत्येक व्यक्ति इस पर निर्माण करता है"

देखें: जब पुल्लिंग शब्दों में स्लियाँ भी सम्मिलित होती हैं

**1 कुरिन्थियों 3:11 (#1)****"क्योंकि"**

यहाँ, **क्योंकि** यह कारण बताता है कि जो लोग नींव पर रद्दा रखते हैं उन्हें "सावधान रहना चाहिए कि" वे "इस पर" कैसे निर्माण करते हैं ([3:10](#))। उन्हें "सावधान रहना" चाहिए क्योंकि जो वे निर्माण करते हैं, वह केवल एकमात्र **नींव** से मेल खाना चाहिए, जो कि **यीशु मसीह** है। यदि **क्योंकि** आपकी भाषा में इस संबंध को नहीं दर्शाता है, तो आप एक ऐसे शब्द का उपयोग कर सकते हैं जो आदेश के लिए कारण या आधार देता है। वैकल्पिक अनुवाद: "इस कारण से"

देखें: जोड़ें — कारण और परिणाम सम्बन्ध

**1 कुरिन्थियों 3:11 (#2)****"क्योंकि उस नींव को छोड़ जो पड़ी है, और वह यीशु मसीह है, कोई दूसरी नींव नहीं डाल सकता"**

पौलुस भवन के रूपक को आगे बढ़ाते हुए फिर से **नींव** की बात करते हैं। वह कुरिन्थियों को स्मरण दिलाते हैं कि हर घर की केवल एक ही **नींव** होती है, और एक बार **नींव** रख दिए जाने के बाद, कोई दूसरी **नींव** उसी घर के लिए नहीं **डाली** जाती। वह इस प्रकार इसलिए बोलते हैं ताकि यह स्पष्ट कर सकें कि केवल एक ही व्यक्ति उन्हें सुसमाचार से परिचित करा सकता है, और जो कोई उन्हें किसी अन्य सुसमाचार से परिचित करने का प्रयास करता है, वह उसी घर को नहीं

बल्कि एक अलग घर बना रहा है। इसके बाद पौलुस स्पष्ट रूप से कहते हैं कि यह **नींव यीशु मसीह** के विषय में वह सन्देश है जिसे उन्होंने उन्हें सुनाया था और यही सुसमाचार की हर बात का प्रारम्भिक बिंदु और आधार होना चाहिए। यदि आपकी भाषा में यह उपयोगी हो, तो आप इस रूपक के अर्थ को एक तुलनीय रूपक के साथ व्यक्त कर सकते हैं या विचार को सीधे व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "कोई भी तुम्हें पहले सुसमाचार नहीं सुना सकता, सिवाय उस सुसमाचार के जिसे मैंने पहले ही तुम्हें सुना दिया है, अर्थात् जो यीशु मसीह है"

देखें: बाइबल की अलंकृत भाषा - विस्तृत रूपक

**1 कुरिन्थियों 3:11 (#1)****""**

"इसे सक्रिय रूप में कहा जा सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: ""कोई भी उसके अलावा नींव नहीं रख सकता है जिसे मैंने, पौलुस ने रखा है"" या ""मैंने पहले ही एकमात्र नींव रखी है जिसे कोई भी रख सकता है""

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

**1 कुरिन्थियों 3:11 (#4)****"वह यीशु मसीह है"**

यदि आप दूसरे वैकल्पिक अनुवाद का उपयोग करते हैं, तो आपको इसके पहले अल्पविराम को पूर्णविराम में बदलने की आवश्यकता हो सकती है। वैकल्पिक अनुवाद: "जो यीशु मसीह है" या "वह नींव यीशु मसीह है"

**1 कुरिन्थियों 3:11 (#5)****"यीशु मसीह"**

यहाँ पौलुस उन शब्दों का उपयोग करते हैं जिनका अनुवाद **यीशु मसीह** के रूप में किया गया है, ताकि उस सन्देश का उल्लेख किया जा सके जो उन्होंने **यीशु मसीह** के बारे में उन्हें सुनाया। यदि आपकी भाषा में यह उपयोगी हो, तो आप एक ऐसा शब्द या वाक्यांश शामिल कर सकते हैं जो पौलुस के **यीशु मसीह** के सन्देश का उल्लेख करता हो। वैकल्पिक अनुवाद: "यीशु मसीह के बारे में सुसमाचार"

देखें: लक्षणालंकार

## 1 कुरिन्थियों 3:12 (#1)

"(अब) और यदि कोई इस नींव पर"

मूल भाषा में शब्द **अब** आया है परन्तु हिन्दी अनुवाद में **अब** यदि वाक्यांश का उपयोग किया गया है। यहाँ, **अब** पौलुस के तर्क में अगले चरण को प्रस्तुत करता है। यदि आपकी भाषा में यह उपयोगी हो, तो आप **अब** को अनुवादित किए बिना छोड़ सकते हैं या एक ऐसा शब्द या वाक्यांश उपयोग कर सकते हैं जो तर्क में अगले कदम का परिचय देता है। वैकल्पिक अनुवाद: "वास्तव में,"

देखें: शब्दों और वाक्यांशों को जोड़ना

## 1 कुरिन्थियों 3:12 (#2)

""

"एक नई इमारत बनाने के लिए उपयोग की जाने वाली इमारत सामग्री की तुलना उनके जीवनकाल के दौरान किसी व्यक्ति के व्यवहार और गतिविधियों को बनाने के लिए उपयोग किए जाने वाले आमिक मूल्यों से की जा रही है। वैकल्पिक अनुवाद: ""चाहे कोई व्यक्ति मूल्यवान सामग्रियों के साथ बनाता है जो स्थायी है या तुच्छ सामग्री के साथ जो आसानी से जल जाती है""

देखें: रूपक

## 1 कुरिन्थियों 3:12 (#3)

"यदि कोई इस नींव पर ... रद्दा रखे"

यहाँ पौलुस एक शर्तीय **यदि** का उपयोग करते हैं, परन्तु वह यह नहीं मानते कि यह एक कात्पनिक स्थिति है या कुछ ऐसा है जो सम्भवतः सत्य नहीं है। इसके बजाय, पौलुस मानते हैं कि लोग "नींव" पर "रद्दा रखे" रहे हैं, और वह इस बारे में बात करना चाहते हैं कि वे ऐसा कैसे कर रहे हैं। इसके अतिरिक्त, **यदि** कथन का "तब" भाग अगले पद तक शुरू नहीं होता। यदि आपकी भाषा में यह उपयोगी हो, तो आप इस रूप और संरचना को एक परिस्थिति या एक अनुमान के रूप में व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जब भी लोग नींव पर निर्माण करते हैं, तो" या "जब कोई भी नींव पर निर्माण करता है"

देखें: जोड़ें — तथ्यात्मक स्थितियाँ

## 1 कुरिन्थियों 3:12 (#4)

"सोना या चाँदी या बहुमूल्य पत्थर या काठ या घास या फूस का"

ये सभी छः वस्तुएँ सामग्री हैं जो भवनों के निर्माण में उपयोग की जा सकती हैं। पहली तीन अगर इमारत में आग लग जाए तो बच जाएँगी, परन्तु आखिरी तीन नहीं बचेंगी (आग के लिए, देखें [3:13-15](#))। आपकी संस्कृति में हो सकता है कि इन सभी सामग्रियों का भवन निर्माण में उपयोग न होता हो। ऐसे में, आप इनमें से कुछ ही सामग्री का उल्लेख कर सकते हैं, या अपनी संस्कृति में प्रचलित निर्माण-सामग्री को शामिल कर सकते हैं। पर ध्यान रखें कि उनमें से कुछ ऐसी हों जो आग में न जलें और कुछ ऐसी जो आग में जलकर नष्ट हो जाएँ। वैकल्पिक अनुवाद: "इस्पात (स्टील), कंक्रीट, लकड़ी या कपड़ा"

देखें: अज्ञातों का अनुवाद करें

## 1 कुरिन्थियों 3:13 (#3)

""

"जैसे आग एक इमारत की ताकत उजागर करती है या कमजोरियों को नष्ट कर देती है, परमेश्वर की आग मनुष्यों के प्रयासों और गतिविधियों का न्याय करेगी। वैकल्पिक अनुवाद: ""परमेश्वर अपने काम की गुणवत्ता दिखाने के लिए आग का उपयोग करेंगे""

देखें: रूपक

## 1 कुरिन्थियों 3:13 (#2)

"हर एक का काम"

यहाँ, **काम** का अर्थ **काम** के उत्पाद या परिणाम से है, न कि "काम करने" की क्रिया से। यदि आपकी भाषा में यह उपयोगी हो, तो आप **काम** के पीछे के विचार को एक शब्द या वाक्यांश के साथ व्यक्त कर सकते हैं जो **काम** के उत्पाद को सन्दर्भित करता है। वैकल्पिक अनुवाद: "हर व्यक्ति ने जो कुछ निर्मित किया है"

देखें: उपलक्षण

## 1 कुरिन्थियों 3:13 (#1)

"काम प्रगट हो जाएगा"

"इसे सक्रिय रूप में कहा जा सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: ""परमेश्वर हर किसी को दिखाएगा कि निर्माणकर्ता ने क्या किया है""

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

## 1 कुरिन्थियों 3:13 (#2)

"क्योंकि वह दिन उसे बताएगा; इसलिए कि" - "प्रगट होगा"

"यहाँ ""दिन का उजाला"" उस समय का एक रूपक है जब परमेश्वर सभी का न्याय करेंगे। जब परमेश्वर सभी को दिखाता है कि इन शिक्षकों ने क्या किया है, तो यह ऐसा होगा जैसे कि रात के दौरान जो हुआ है उसे प्रकट करने के लिए सूर्योदय हो गया हो।

देखें: रूपक

## 1 कुरिन्थियों 3:13 (#5)

"आग के साथ प्रगट होगा"

यदि आपकी भाषा में इस प्रकार से निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं होता है, तो आप इस विचार को सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य स्वाभाविक तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। पौलुस यहाँ निष्क्रिय रूप का उपयोग इस पर ध्यान केंद्रित करने के लिए करते हैं कि क्या प्रकट किया जाएगा है, बजाय इसके कि कौन "प्रकट" करेगा। यदि आपको यह बताना आवश्यक है कि किया कौन करेगा, तो पौलुस यह संकेत देते हैं कि "परमेश्वर" इसे करेंगे। वैकल्पिक अनुवाद: "परमेश्वर इसे आग में प्रकट करेंगे"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

## 1 कुरिन्थियों 3:13 (#6)

"प्रगट होगा"

यहाँ, प्रकट होगा का सन्दर्भ वह दिन से है। यदि आपकी भाषा में यह उपयोगी हो, तो आप स्पष्ट कर सकते हैं कि यह वह दिन को सन्दर्भित करता है। वैकल्पिक अनुवाद: "वह दिन प्रकट किया जाएगा"

देखें: सर्वनाम — उनका उपयोग कब करें

## 1 कुरिन्थियों 3:13 (#7)

"प्रगट होगा"

मूल भाषा ने यहाँ वर्तमान काल का उपयोग किया गया है, परन्तु हिन्दी अनुवाद में भविष्यकाल का उपयोग किया है। यहाँ पौलुस ऐसे बोलते हैं जैसे कि वह दिन अभी प्रकट हो रहा है। उनकी भाषा में, वह वर्तमान काल का उपयोग करके किसी घटना के होने के तरीके के बारे में बात कर सकते हैं, भले ही वह वर्तमान क्षण में न हो रही हो। यदि आपकी भाषा

में यह उपयोगी हो, तो आप वर्तमान काल के इस उपयोग के पीछे के विचार को भविष्यकाल का उपयोग करके व्यक्त कर सकते हैं। (जैसा कि आई.आर.वी. करता है) वैकल्पिक अनुवाद: "इसका खुलासा होगा"

देखें: भविष्यसूचक भूतकाल

## 1 कुरिन्थियों 3:13 (#8)

"आग के साथ"

मूल भाषा में यहाँ आग में वाक्यांश का उपयोग किया गया है, जबकि हिन्दी अनुवाद में आग के साथ वाक्यांश का उपयोग हुआ है। वैकल्पिक अनुवाद: "आग के द्वारा" या "ज्वलंत रूप से"

## 1 कुरिन्थियों 3:13 (#9)

"आग ... परखेगी"

यहाँ, वह का ध्यान आग पर केन्द्रित है। यदि वह आपकी भाषा में इस प्रकार ध्यान आकर्षित नहीं करता है, तो आप ध्यान या फोकस को किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "स्वयं आग" या "वास्तव में आग"

देखें: निजवाचक सर्वनाम

## 1 कुरिन्थियों 3:14 (#1)

"(यदि) जिसका काम उस पर बना हुआ स्थिर रहेगा, वह मजदूरी पाएगा"

मूल भाषा में यहाँ यदि शब्द का उपयोग किया गया है। यहाँ और 3:15 में, पौलुस एक सच्ची सम्मावना प्रस्तुत करने के लिए यदि का उपयोग करते हैं। उनका मतलब है कि किसी व्यक्ति का काम बना रह सकता है, या नहीं भी रह सकता है। फिर वह प्रत्येक सम्मावना के लिए परिणाम निर्दिष्ट करते हैं। यदि आपकी भाषा में यह उपयोगी हो, तो आप इस रूप को एक सम्बन्धवाचक उपवाक्य का उपयोग करके यदि कथन को व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जिस किसी का बनाया हुआ काम बना रहेगा, वह इनाम पाएगा"

देखें: जोड़ें — काल्पनिक स्थितियाँ

## 1 कुरिन्थियों 3:14 (#2)

"जिसका काम उस पर बना हुआ स्थिर रहेगा, वह मजदूरी पाएगा"

यहाँ पौलस भवन बनाने के बारे में रूपक जारी रखते हैं। इस पद में, वह बताते हैं कि जिन निर्माताओं की संरचनाएँ आग से बच जाती हैं, उन्हें मजदूरी मिलती है। वह इस तरह इसलिए कहते हैं ताकि यह समझा सके कि परमेश्वर उन लोगों को **मजदूरी** देगे जो सुसमाचार की सच्ची और स्वीकार्य बातें सिखाते हैं, जब परमेश्वर सभी का न्याय करेंगे। यह **मजदूरी** सार्वजनिक सम्मान और अन्य आशीषों को भी शामिल करती है। यदि आपकी भाषा में यह उपयोगी हो, तो आप इस रूपक को एक तुलनीय रूपक के साथ व्यक्त कर सकते हैं या विचार को सीधे व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "यदि कोई व्यक्ति तुम्हें सुसमाचार के बारे में ऐसी बातें सिखाता है जो परमेश्वर को स्वीकार्य हैं, तो परमेश्वर उसे सम्मान देंगे"

देखें: बाइबल की अलंकृत भाषा - विस्तृत रूपक

### 1 कुरिन्थियों 3:14 (#3)

"जिसका काम उस पर बना हुआ स्थिर रहेगा"

यहाँ पौलस काम और उस पर बना हुआ दोनों के बारे में बात करते हैं। यदि आपकी भाषा में यह उपयोगी हो, तो आप विचारों को एक अभिव्यक्ति में जोड़ सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "किसी की निर्माण परियोजना" या "जो कुछ किसी ने बनाया"

देखें: द्विरावृत्ति (डबलेट)

### 1 कुरिन्थियों 3:14 (#2)

"काम" - "स्थिर रहेगा"

"काम अंत तक रहता है या ""काम जीवित रहता है"""

### 1 कुरिन्थियों 3:14 (#5)

"स्थिर रहेगा"

वैकल्पिक अनुवाद: "नहीं जलेगा"

### 1 कुरिन्थियों 3:14 (#6)

"जिसका" - "उस पर बना हुआ" - "वह मजदूरी पाएगा"

यहाँ, वह पुल्लिंग रूप में लिखा गया है, परन्तु यह किसी भी व्यक्ति को सन्दर्भित करता है, चाहे उनका लिंग कुछ भी हो। यदि आपकी भाषा में यह उपयोगी हो, तो आप **वह** के पीछे के विचार को व्यक्त करने के लिए एक ऐसा शब्द उपयोग कर सकते हैं जिसमें लिंग न हो, या आप दोनों लिंगों का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "किसी का भी ... वह

बनाए ... उसे मिलेगा" या "लोगों का ... वे बनाए ... वे प्राप्त करेंगे"

देखें: जब पुल्लिंग शब्दों में स्त्रियाँ सम्मिलित होती हैं

### 1 कुरिन्थियों 3:15 (#1)

"और यदि किसी का काम जल जाएगा, तो वह हानि उठाएगा"

यहाँ, ठीक वैसा ही जैसा कि 3:14 में, पौलस यदि का उपयोग एक सच्ची सम्भावना प्रस्तुत करने के लिए करते हैं। उनका मतलब है कि किसी व्यक्ति का काम बना रह सकता है, या नहीं भी। फिर वह प्रत्येक सम्भावना के लिए परिणाम निर्दिष्ट करते हैं। यदि यह आपकी भाषा में उपयोगी हो, तो आप इस रूप को एक सम्बन्धवाचक खण्ड का उपयोग करके यदि कथन को व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जिस किसी का काम जल जाएगा, उसे हानि होगी।"

देखें: जोड़ें — काल्पनिक स्थितियाँ

### 1 कुरिन्थियों 3:15 (#2)

"और यदि किसी का काम जल जाएगा, तो वह हानि उठाएगा; पर वह आप बच जाएगा परन्तु जलते-जलते"

यहाँ पौलस भवन बनाने के बारे में रूपक जारी रखते हैं। इस पद में, वे लोग जो सुसमाचार के बारे में और अधिक प्रचार करते हैं, उन निर्माणकर्ताओं की तरह हैं जिनके भवन आग में टिक नहीं पाते। उन्हें **हानि** होती है, परन्तु वे स्वयं **बच** जाते हैं, मानो वे आग में थे पर किसी तरह बाहर निकल आए। पौलस का अर्थ है कि जो लोग दूसरों को परमेश्वर के बारे में गलत शिक्षा देते हैं, उन्हें परमेश्वर की ओर से कोई सम्मान या इनाम नहीं मिलेगा, परन्तु परमेश्वर फिर भी उन्हें स्वीकार करेंगे, हालाँकि बहुत कठिनाई से, जैसे मुश्किल से बच पाए हों। यदि आपकी भाषा में यह उपयोगी हो, तो आप इस रूपक को एक तुलनीय रूपक के साथ व्यक्त कर सकते हैं या विचार को सीधे व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "यदि कोई व्यक्ति तुम्हें सुसमाचार के बारे में ऐसे वचनों से और अधिक सिखाता है जो परमेश्वर को स्वीकार्य नहीं हैं, तो जब परमेश्वर सभी का न्याय करेंगे, तब उस व्यक्ति को कोई सम्मान या आशीष नहीं मिलेगी। परन्तु वह स्वयं परमेश्वर द्वारा स्वीकार किया जाएगा, हालाँकि बहुत ही कठिनाई से, जैसे किसी तरह बचाया गया हो"

देखें: बाइबल की अलंकृत भाषा - विस्तृत रूपक

## 1 कुरिन्थियों 3:15 (#1)

"यदि किसी का काम जल जाएगा"

"इसे सक्रिय रूप में कहा जा सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: ""अगर आग किसी के काम को नष्ट कर देती है"" या ""अगर आग किसी के काम को बर्बाद कर देती है""

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

## 1 कुरिन्थियों 3:15 (#4)

"काम"

यहाँ पौलुस काम का उपयोग काम के उत्पाद या परिणाम के सन्दर्भ में करते हैं, न कि "काम करने" की क्रिया के लिए। यदि आपकी भाषा में यह उपयोगी हो, तो आप काम के पीछे की विचारधारा को एक शब्द या वाक्यांश के साथ व्यक्त कर सकते हैं जो काम के उत्पाद को सन्दर्भित करता है। वैकल्पिक अनुवाद: "परियोजना" या "भवन"

देखें: उपलक्षण

## 1 कुरिन्थियों 3:15 (#5)

"किसी का" - "वह हानि उठाएगा," - "वह आप बच जाएगा"

यहाँ, अनुवादित शब्द आप, वह पुलिंग रूप में लिखे गए हैं, परन्तु वे किसी भी व्यक्ति को सन्दर्भित करते हैं, चाहे उनका लिंग कुछ भी हो। यदि आपकी भाषा में यह उपयोगी हो, तो आप वह, आप के पीछे के विचार को व्यक्त करने के लिए ऐसे शब्दों का उपयोग कर सकते हैं जिनमें लिंग न हो, या आप दोनों लिंगों का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "किसी का भी ... उसे नुकसान होगा ... वे स्वयं बच जाएंगे" या "लोगों का ... वे नुकसान उठाएंगे ... वे स्वयं बच जाएंगे"

देखें: जब पुलिंग शब्दों में स्त्रियाँ सम्मिलित होती हैं

## 1 कुरिन्थियों 3:15 (#2)

"तो वह हानि उठाएगा"

"भाववाचक संज्ञा ""नुकसान की"" क्रिया ""खोना"" के साथ व्यक्त किया जा सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: ""वह अपना इनाम खो देगा"""

देखें: अमूर्त संज्ञाएँ

## 1 कुरिन्थियों 3:15 (#3)

"और" - "आप बच जाएगा परन्तु"

"इसे सक्रिय रूप में कहा जा सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: ""लोकिन परमेश्वर उसे बचाएगा""

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

## 1 कुरिन्थियों 3:15 (#8)

"वह आप बच जाएगा"

यहाँ, आप का ध्यान वह पर केन्द्रित है। यदि आप आपकी भाषा में इस प्रकार ध्यान आकर्षित नहीं करता है, तो आप ध्यान को किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "वह बच जाएगा" या "वह वास्तव में बच जाएगा"

देखें: निजवाचक सर्वनाम

## 1 कुरिन्थियों 3:16 (#1)

""

"पौलुस कुरिन्थियों को डांट रहा है। वैकल्पिक अनुवाद: ""तुम ऐसा करते हो जैसे तुम नहीं जानते कि तुम परमेश्वर के मंदिर हो और परमेश्वर का आत्मा तुम में रहता है!"" (देख: )"

देखें: आलंकारिक प्रश्न

## 1 कुरिन्थियों 3:16 (#2)

"क्या तुम नहीं जानते, कि तुम परमेश्वर का मन्दिर हो, और परमेश्वर का आत्मा तुम में वास करता है"

यहाँ पौलुस नए तरीकों से एक भवन के निर्माण के बारे में रूपक विकसित करते हैं। सबसे पहले, वह कहते हैं कि कुरिन्थियों का समूह परमेश्वर का मन्दिर है, जो एक विशेष प्रकार का भवन है। परमेश्वर का मन्दिर वह स्थान था, जहाँ परमेश्वर विशेष रूप से उपस्थित थे। पौलुस इस प्रकार कुरिन्थियों को उन लोगों के रूप में पहचानते हैं जिनके बीच परमेश्वर उसी प्रकार विशेष रूप से उपस्थित रहते हैं। दूसरा, वह कहते हैं कि कुरिन्थियों का समूह वह भवन या नगर है जिसमें परमेश्वर का आत्मा वास करता है। जिस भवन या नगर में कोई रहता है, वह हमेशा वहाँ उपस्थित रहता है। पौलुस इस प्रकार कह रहे हैं कि पवित्र आत्मा हमेशा कुरिन्थियों के साथ रहते हैं। यदि आपकी भाषा में यह उपयोगी हो, तो आप पौलुस के रूपकों का अर्थ एक तुलनीय रूपक के साथ व्यक्त कर सकते हैं या विचार को गैर-रूपक

भाषा में व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "क्या तुम नहीं जानते कि तुम वह पवित्र स्थान हो, जहाँ परमेश्वर निवास करते हैं और तुम वह देश हो जिसमें परमेश्वर का आत्मा निवास करता है?" या "क्या तुम नहीं जानते कि परमेश्वर तुम्हारे बीच उपस्थित रहते हैं और परमेश्वर का आत्मा हमेशा तुम्हारे साथ रहता है?"

देखें: बाइबल की अलंकृत भाषा - विस्तृत रूपक

### 1 कुरिन्थियों 3:17 (#1)

"यदि कोई परमेश्वर के मन्दिर को नाश करेगा तो परमेश्वर उसे नाश करेगा; क्योंकि परमेश्वर का मन्दिर पवित्र है, और वह तुम हो"

यहाँ पौलुस उस रूपक को समाप्त करते हैं जो उन्होंने 3:16 में मन्दिर के बारे में शुरू किया था। वह बताते हैं कि, क्योंकि परमेश्वर का मन्दिर पवित्र है, परमेश्वर मंदिर को नष्ट करने वाले किसी भी व्यक्ति को नष्ट कर देंगे। वह फिर से दोहराते हैं कि कुरिन्थ वासी मन्दिर हैं। इस तरह से बोलकर, पौलुस कुरिन्थ वासी विश्वासियों के बीच सभी को याद दिलाना चाहते हैं कि विश्वासियों की एकता को "नष्ट" करना मन्दिर को "नष्ट" करने जैसा है और परमेश्वर इस पर उसी तरह प्रतिक्रिया करेंगे जैसे कोई उनके मन्दिर को "नष्ट" करता है। यदि आपकी भाषा में यह उपयोगी हो, तो आप इस रूपक को एक तुलनीय रूपक के साथ व्यक्त कर सकते हैं या विचार को सीधे व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "यदि कोई परमेश्वर के पवित्र मन्दिर को अपवित्र करता है, तो परमेश्वर उस व्यक्ति को दण्डित करेंगे। क्योंकि पवित्र मन्दिर पवित्र है और आप परमेश्वर का पवित्र मन्दिर हैं" या "यदि कोई परमेश्वर की उपस्थिति के स्थान को विभाजित करता है, तो परमेश्वर उस व्यक्ति को दण्डित करेंगे। क्योंकि जहाँ भी परमेश्वर की उपस्थिति पाई जा सकती है, वह पवित्र है और तुम वह स्थान हो जहाँ परमेश्वर की उपस्थिति पाई जा सकती है"

देखें: बाइबल की अलंकृत भाषा - विस्तृत रूपक

### 1 कुरिन्थियों 3:17 (#2)

"यदि कोई परमेश्वर के मन्दिर को नाश करेगा तो परमेश्वर उसे नाश करेगा"

यहाँ पौलुस यदि का उपयोग एक सच्ची सम्भावना प्रस्तुत करने के लिए करते हैं। उनका मतलब है कि कोई व्यक्ति परमेश्वर के मन्दिर को नष्ट कर सकता है, या वह व्यक्ति ऐसा नहीं कर सकता। फिर वह यह स्पष्ट करते हैं कि यदि कोई परमेश्वर के मन्दिर को नष्ट करता है तो उसका परिणाम क्या होगा। यदि आपकी भाषा में यह उपयोगी हो, तो आप इस

रूप को एक सम्बन्धवाचक वाक्यांश का उपयोग करके यदि कथन को व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "परमेश्वर किसी को भी नष्ट कर देंगे जो परमेश्वर के मन्दिर को नष्ट करेगा"

देखें: जोड़ें — काल्पनिक स्थितियाँ

### 1 कुरिन्थियों 3:17 (#3)

"और वह तुम हो"

यहाँ, वह सन्दर्भित कर सकता है: (1) परमेश्वर का मन्दिर। वैकल्पिक अनुवाद: "वह मन्दिर तुम हो" (2) पवित्र। वैकल्पिक अनुवाद: "और तुम भी पवित्र हो"

देखें: सर्वनाम — उनका उपयोग कब करें

### 1 कुरिन्थियों 3:18 (#1)

"कोई अपने आप को धोखा न दे"

किसी को झूठ पर विश्वास नहीं करना चाहिए कि वह स्वयं ही इस दुनिया में बुद्धिमान है।

### 1 कुरिन्थियों 3:18 (#2)

"कोई अपने आपको धोखा न दे। यदि तुम में से कोई इस संसार में अपने आपको ज्ञानी समझे, तो मूर्ख बने कि ज्ञानी हो जाए"

यहाँ, अनुवादित शब्द अपने, तुम और अपने पुलिंग रूप में लिखे गए हैं, परन्तु वे किसी भी व्यक्ति को सन्दर्भित करते हैं, चाहे उनका लिंग कुछ भी हो। यदि आपकी भाषा में यह उपयोगी हो, तो आप अपने, तुम, और अपने के पीछे के विचार को व्यक्त करने के लिए ऐसे शब्दों का उपयोग कर सकते हैं जिनमें लिंग नहीं होता, या आप दोनों लिंगों का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "कोई भी अपने आप को धोखा न दे। यदि तुम में से कोई सोचता है कि वह इस युग में बुद्धिमान है, तो उसे 'मूर्ख' बनना चाहिए, ताकि वह बुद्धिमान बन सके" या "कोई भी लोग अपने आप को धोखा न दें। यदि तुम में से कोई लोग सोचते हैं कि वे इस युग में बुद्धिमान हैं, तो उन्हें 'मूर्ख' बनना चाहिए, ताकि वे बुद्धिमान बन सकें"

देखें: जब पुलिंग शब्दों में स्त्रियाँ भी सम्मिलित होती हैं

### 1 कुरिन्थियों 3:18 (#2)

"में" - "इस संसार"

जिस तरह से लोग जो विश्वास नहीं करते हैं, वह तय करते हैं कि सही क्या है।

### 1 कुरिन्थियों 3:18 (#4)

"इस संसार में"

वैकल्पिक अनुवाद: "इस युग के मानकों के अनुरूप"

### 1 कुरिन्थियों 3:18 (#3)

"उस व्यक्ति को ऐसे लोगों को जो विश्वास नहीं करते उसे मूर्ख कहने देने के लिए तैयार होना चाहिए

देखें: विडंबना

### 1 कुरिन्थियों 3:18 (#6)

"कि"

यहाँ, **कि** उस लक्ष्य या उद्देश्य को प्रस्तुत करता है जिसके लिए किसी व्यक्ति को "मूर्ख" बनना चाहिए। यदि यह आपकी भाषा में उपयोगी हो, तो आप **कि** के पीछे के विचार को एक शब्द या वाक्यांश के साथ व्यक्त कर सकते हैं जो एक लक्ष्य या उद्देश्य प्रस्तुत करता है। वैकल्पिक अनुवाद: "इसलिए **कि**"

देखें: जोड़ें — लक्ष्य (उद्देश्य) सम्बन्ध

### 1 कुरिन्थियों 3:19 (#1)

"क्योंकि इस संसार का ज्ञान"

यहाँ पौलुस स्वामित्व रूप का उपयोग करते हैं कि यह संसार किस बात को **ज्ञान** मानता है। यदि **इस संसार के ज्ञान** को आपकी भाषा में इस संसार के दृष्टिकोण से **ज्ञान** के रूप में नहीं समझा जा सकता है, तो आप एक अलग रूप का उपयोग कर सकते हैं जो इस अर्थ को स्पष्ट करता है। वैकल्पिक अनुवाद: "यह संसार जिसे ज्ञान मानता है" या "सांसारिक ज्ञान"

देखें: स्वामित्व

### 1 कुरिन्थियों 3:19 (#2)

"परमेश्वर के निकट"

यहाँ पौलुस वाक्यांश **परमेश्वर** के **निकट** का उपयोग परमेश्वर के दृष्टिकोण को पहचानने के लिए करते हैं। यदि यह आपकी भाषा में उपयोगी हो, तो आप **परमेश्वर** के **निकट** के पीछे के विचार को एक शब्द या वाक्यांश के साथ व्यक्त कर सकते हैं जो यह पहचानता है कि यह **मूर्खता** है जैसा कि परमेश्वर संसार को देखते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "परमेश्वर के दृष्टिकोण से" या "परमेश्वर की नज़र में"

देखें: मुहावरा

### 1 कुरिन्थियों 3:19 (#3)

"जैसा लिखा है"

पौलुस की संस्कृति में, **जैसा लिखा है** एक महत्वपूर्ण पाठ से उद्धरण प्रस्तुत करने का सामान्य तरीका था, यहाँ यह पुराने नियम की पुस्तक जिसका शीर्षक "अथूब" है (देखें: 5:13)। यदि आपकी भाषा में यह उपयोगी हो, तो आप इस रूप को एक तुलनीय वाक्यांश के साथ व्यक्त कर सकते हैं जो यह संकेत देता है कि पौलुस एक महत्वपूर्ण पाठ से उद्धरण दे रहे हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "क्योंकि यह पुराने नियम में पढ़ा जा सकता है" या "क्योंकि अथूब की पुस्तक कहती है"

देखें: उद्धरण और उद्धरण सीमा

### 1 कुरिन्थियों 3:19 (#4)

"जैसा लिखा है"

यदि आपकी भाषा में निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं होता है, तो आप इस विचार को सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य स्वाभाविक तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। पौलुस यहाँ निष्क्रिय रूप का उपयोग करते हैं ताकि उस पर ध्यान केंद्रित किया जा सके जो **लिखा है** बजाय इसके कि कौन "लिख रहा है"। यदि आपको यह बताना आवश्यक है कि क्रिया कौन कर रहा है, तो आप इसे इस प्रकार व्यक्त कर सकते हैं: (1) पवित्रशास्त्र या पवित्रशास्त्र लेखक शब्द लिखते या बोलते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "अथूब के लेखक ने लिखा है" (2) परमेश्वर शब्द बोलते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "परमेश्वर ने कहा है"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

### 1 कुरिन्थियों 3:19 (#1)

परमेश्वर उन लोगों को फँसाते हैं जो सोचते हैं कि वे चतुर हैं और उनकी योजनाओं का उन्हें फँसाने के लिए उपयोग करते हैं।

### 1 कुरिन्थियों 3:19 (#6)

"वह ज्ञानियों को उनकी चतुराई में फँसा देता है"

यहाँ पौलुस इस प्रकार बोलते हैं जैसे परमेश्वर **ज्ञानियों** को पकड़ लेते हैं जब वे **चतुराई** से कार्य करते हैं। इस प्रकार बोलने का उनका अर्थ है कि यहाँ तक कि "धूर्त" या चतुर लोग भी परमेश्वर से नहीं बच सकते जब वह उन्हें "पकड़ना" चाहते हैं। परमेश्वर धोखा नहीं खाते और वह उनकी चतुर योजनाओं को बाधित कर सकते हैं। यदि आपकी भाषा में यह उपयोगी हो, तो आप **फँसा देता है** को एक तुलनीय रूपक के साथ व्यक्त कर सकते हैं या विचार को सीधे व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "ज्ञानियों की चतुर योजनाओं को बाधित करते हैं"

देखें: रूपक

### 1 कुरिन्थियों 3:19 (#7)

"ज्ञानियों"

पौलुस लोगों के एक समह का वर्णन करने के लिए संज्ञा के रूप में विशेषण **ज्ञानियों** का उपयोग कर रहे हैं। आपकी भाषा में भी विशेषणों का उपयोग उसी तरह हो सकता है। यदि नहीं, तो आप इस विशेषण का अनुवाद संज्ञा वाक्यांश के साथ कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "ज्ञानी लोग" या "वे जो सोचते हैं कि वे ज्ञानी हैं"

देखें: संज्ञात्मक विशेषण

### 1 कुरिन्थियों 3:19 (#8)

"चतुराई"

यदि आपकी भाषा में **चतुराई** के विचार के लिए कोई भाववाचक संज्ञा नहीं है, तो आप इस विचार को "धूर्त योजनाएँ" या "चतुर योजना" जैसे वाक्यांश का उपयोग करके व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "धूर्त योजनाएँ" या "चतुर योजना"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

### 1 कुरिन्थियों 3:20 (#1)

"और फ़िर"

पौलुस की संस्कृति में, **और फ़िर** एक सामान्य तरीका था जिससे किसी महत्वपूर्ण पाठ से एक और उद्धरण प्रस्तुत किया जाता था जो उसी बिंदु का समर्थन करता था। इस मामले में, पौलुस पुराने नियम की पुस्तक "भजन संहिता" से उद्धरण देते हैं (देखें: 94:11)। यदि आपकी भाषा में यह उपयोगी हो, तो आप **और फ़िर** को एक तुलनीय वाक्यांश के साथ व्यक्त कर सकते हैं जो दर्शाता है कि पौलुस एक महत्वपूर्ण पाठ से एक और उद्धरण प्रस्तुत कर रहे हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "पुराने नियम में एक और स्थान पर इसे पढ़ा जा सकता है" या "भजन संहिता की पुस्तक भी ऐसा कहती है"

देखें: उद्धरण और उद्धरण सीमा

### 1 कुरिन्थियों 3:20 (#1)

"तो मूर्ख बने"

परमेश्वर जानते हैं कि जो लोग स्वयं को बुद्धिमान सोचकर योजना बनाते हैं वह व्यर्थ है

### 1 कुरिन्थियों 3:20 (#3)

"प्रभु ज्ञानियों के विचारों को जानता है, कि व्यर्थ हैं"

यदि **ज्ञानियों** के विचारों आपकी भाषा में अनावश्यक हैं, तो आप इस विचार को बिना अनावश्यक शब्दों के व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जानते हैं कि बुद्धिमानों के तर्क व्यर्थ हैं"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी को स्पष्ट करना

### 1 कुरिन्थियों 3:20 (#4)

"ज्ञानियों के विचारों"

यदि आपकी भाषा में **विचार** जैसे विचार के लिए भाववाचक संज्ञा का उपयोग स्वाभाविक नहीं है, तो आप इस विचार को "विचार करना" या "योजना बनाना" जैसी क्रिया का उपयोग करके व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "वे तर्क जो ज्ञानी करते हैं" या "वे बातें जो ज्ञानी योजना बनाते हैं"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

### 1 कुरिन्थियों 3:20 (#5)

"ज्ञानियों के"

पौलुस ज्ञानियों विशेषण का उपयोग संज्ञा के रूप में कर रहे हैं ताकि एक विशिष्ट लोगों के समूह का वर्णन किया जा सके। आपकी भाषा में भी विशेषणों का उपयोग उसी तरह हो सकता है। यदि नहीं, तो आप इस विशेषण का अनुवाद संज्ञा वाक्यांश के साथ कर सकते हैं: वैकल्पिक अनुवाद: "बुद्धिमान लोगों का" या "जो बुद्धिमान हैं उनका"

देखें: संज्ञात्मक विशेषण

## 1 कुरिन्थियों 3:20 (#2)

"व्यर्थ"

व्यर्थ

## 1 कुरिन्थियों 3:21 (#1)

"इसलिए मनुष्यों पर कोई घमण्ड न करे"

यहाँ पौलुस तृतीय-पुरुष अनिवार्यता का उपयोग करते हैं। यदि आपकी भाषा में तृतीय-पुरुष अनिवार्यता है, तो आप यहाँ एक का उपयोग कर सकते हैं। यदि आपके पास तृतीय-पुरुष अनिवार्यता रूप नहीं है, तो आप इस विचार को "चाहिए" जैसे शब्द का उपयोग करके व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "किसी को भी मनुष्यों में घमण्ड नहीं करना चाहिए।"

देखें: तृतीय-पुरुष अनिवार्यताएँ

## 1 कुरिन्थियों 3:21 (#2)

"मनुष्यों पर कोई घमण्ड न करे"

वाक्यांश मनुष्यों पर ... घमण्ड का अर्थ है कि कोई व्यक्ति मनुष्यों के बारे में "घमण्ड" कर रहा है। यदि यह आपकी भाषा में उपयोगी हो, तो आप पर घमण्ड को एक शब्द या वाक्यांश के साथ व्यक्त कर सकते हैं जो स्पष्ट करता है कि "घमण्ड" का विषय मनुष्य है। वैकल्पिक अनुवाद: "कोई भी मनुष्यों के बारे में घमण्ड न करें।"

देखें: मुहावरा

## 1 कुरिन्थियों 3:21 (#3)

"मनुष्यों पर"

अगला पद यह स्पष्ट करता है कि यहाँ पौलुस विशेष रूप से अगुवों पर ध्यान केन्द्रित कर रहे हैं। वह कुरिन्थवासियों को बताना चाहते हैं कि उन्हें किसी विशेष अगुवा के बारे में

घमण्ड नहीं करना चाहिए जिसका वे अनुसरण करते हैं। यदि आपकी भाषा में मनुष्यों पर का यह अर्थ स्पष्ट नहीं होता है, तो आप कुछ शब्द शामिल कर सकते हैं जो यह स्पष्ट करते हैं कि यह अगुवों का अनुसरण करने को सन्दर्भित करता है। वैकल्पिक अनुवाद: "उन मनुष्यों में जिनका वे अनुसरण करते हैं" या "उन मनुष्यों में जिनके समूह का वे हिस्सा हैं"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

## 1 कुरिन्थियों 3:21 (#4)

"मनुष्यों"

मूल भाषा में यहाँ पुरुषों शब्द का उपयोग किया गया है, परन्तु हिन्दी अनुवाद मनुष्यों शब्द का उपयोग करता है। हालांकि पुरुष पुल्लिंग है, पौलुस इसका इस्तेमाल किसी भी व्यक्ति को सन्दर्भित करने के लिए कर रहे हैं, चाहे वह पुरुष हो या स्त्री। यदि यह आपकी भाषा में उपयोगी हो, तो आप मनुष्यों को एक गैर-लिंग शब्द के साथ व्यक्त कर सकते हैं या दोनों लिंगों का उल्लेख कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "लोगों में" या "पुरुषों या महिलाओं में"

देखें: जब पुल्लिंग शब्दों में स्त्रियाँ भी सम्मिलित होती हैं

## 1 कुरिन्थियों 3:21 (#5)

"सब कुछ तुम्हारा है"

यहाँ, सब कुछ तुम्हारा है का यह भी अर्थ है कि मनुष्यों पर घमण्ड करना मूर्खता है। यदि कुरिन्थ वासियों के पास सब कुछ है, तो किसी विशेष अगुवे का अनुयायी होने पर घमण्ड करना तर्कसंगत नहीं है। सभी कुरिन्थ वासियों के पास सभी अगुवे हैं और उससे भी अधिक (देखें: 3:22)। यदि आपके पाठक यह निष्कर्ष नहीं निकालते कि सब कुछ तुम्हारा है का यह अर्थ है, तो आप एक वाक्यांश शामिल कर सकते हैं जो इन निष्कर्षों को स्पष्ट करता है। वैकल्पिक अनुवाद: "सभी वस्तुएँ तुम्हारी हैं, जिसमें सभी अगुवे शामिल हैं।"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

## 1 कुरिन्थियों 3:22 (#1)

"क्या पौलुस, क्या अपुल्लोस, क्या कैफा, क्या जगत, क्या जीवन, क्या मरण, क्या वर्तमान, क्या भविष्य"

पौलुस नहीं चाहते कि उनके पाठक यह सोचें कि यह सूची कुरिन्थियों को सब कुछ बताती है जो उनके पास है। बल्कि, वह उदाहरण देने के लिए इस सूची का उपयोग करते हैं। यदि आपकी भाषा में यह उपयोगी हो, तो आप एक शब्द या

वाक्यांश शामिल कर सकते हैं जो दिखाता है कि सूची उदाहरण देती है। वैकल्पिक अनुवाद: "जिसमें पौलुस, अपुल्लोस, कैफा, संसार और जीवन और मृत्यु और वर्तमान चीज़ें और आने वाली चीज़ें शामिल हैं।"

## 1 कुरिन्थियों 3:22 (#2)

"क्या जीवन, क्या मरण"

जब पौलुस कहते हैं कि **जीवन** और **मरण** उनके हैं, तो उनका मतलब है कि न तो **जीवन** और न ही **मरण** का कुरिन्थवासियों पर नियंत्रण है। बल्कि, कुरिन्थवासियों का **जीवन** और **मरण** पर नियंत्रण है। इसका मतलब यह है कि वे अपने जीवन को इस डर के बिना जी सकते हैं कि उनके जीवित रहते क्या होगा या मरने पर अपने जीवन को खोने का डर नहीं है। यदि आपकी भाषा में यह उपयोगी हो, तो आप कुछ शब्द जोड़ सकते हैं जो **जीवन** और **मृत्यु** के अर्थ को स्पष्ट करते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "या जीवन में आत्मविश्वास या मृत्यु में शान्ति"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

## 1 कुरिन्थियों 3:22 (#3)

"क्या वर्तमान, क्या भविष्य"

यहाँ पौलुस **वर्तमान** का उल्लेख करते हैं क्योंकि यह उस समय की घटनाओं को सन्दर्भित करता है जब पौलुस ने यह पत्र लिखा था। दूसरी ओर, **भविष्य** जो आने वाली घटनाओं को सन्दर्भित करता है, विशेष रूप से जब यीशु वापस आएँगे। **वर्तमान** वह तरीका है जिसमें संसार अभी काम करता है। **भविष्य** वह तरीका है जिसमें संसार काम करेगा, जब यीशु लौटेंगे। यदि आपकी भाषा में यह उपयोगी हो, तो आप इन वाक्यांशों के अर्थ को स्पष्ट करने के लिए कुछ शब्द जोड़ सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "या तो वर्तमान व्यवस्था, या वह व्यवस्था जो यीशु लाएँगे" या "या जो अभी हो रहा है, या जो शीघ्र होने वाला है"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

## 1 कुरिन्थियों 3:22 (#4)

"सब कुछ तुम्हारा है"

यहाँ पौलुस उसी वाक्यांश का उपयोग करते हैं जो उन्होंने 3:21 के अन्त में किया था: **सब कुछ तुम्हारा है।** वह यहाँ इस वाक्यांश को दोहराते हैं ताकि यह स्पष्ट कर सकें कि सूची सब **कुछ** के उदाहरण प्रस्तुत करती है और साथ ही अगले पद में वह जो मुख्य बात कहने जा रहे हैं, उसका परिचय भी देते हैं।

क्योंकि सब **कुछ तुम्हारा है** सूची को समाप्त करता है और अगले विचार को भी प्रस्तुत करता है, इसलिए यू.एल.टी. एक नए वाक्य की शुरुआत **सब कुछ तुम्हारा है** से करता है। अपनी भाषा में उस रूप का उपयोग करें जो सबसे स्पष्ट रूप से एक निष्कर्ष की पहचान करता है, जो अगले कथन को भी प्रस्तुत करता है। वैकल्पिक अनुवाद: "इस प्रकार, सभी चीजें तुम्हारी हैं,"

देखें: सूचना संरचना

## 1 कुरिन्थियों 3:23 (#1)

""

तुम मसीह के हो, और मसीह परमेश्वर के हैं

## 1 कुरिन्थियों 3:23 (#2)

"और मसीह परमेश्वर का है"

यहाँ पौलुस स्वामित्व रूप का उपयोग करके कुरिन्थवासियों को दिखाते हैं कि **मसीह परमेश्वर** के हैं। यदि आपकी भाषा में यह उपयोगी हो, तो आप इस रूप के पीछे के विचार को "के हैं" जैसा वाक्यांश या "शामिल हैं" जैसी क्रिया का उपयोग करके व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मसीह परमेश्वर के हैं" या "मसीह परमेश्वर का हिस्सा है"

देखें: स्वामित्व

## 1 कुरिन्थियों 4:1 (#1)

"मनुष्य हमें मसीह के सेवक और परमेश्वर के भेदों के भण्डारी समझे"

मूल भाषा में यहाँ "पुरुष इस तरह से हमें मानें" वाक्यांश का उपयोग हुआ है, जबकि हिंदी अनुवाद में **मनुष्य हमें मसीह के सेवक और परमेश्वर के भेदों के भण्डारी समझे**: कहना अनावश्यक लगे, तो आप अनावश्यक शब्दों के बिना विचार व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "हर एक मनुष्य हमें इस रूप में समझे कि"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी को स्पष्ट करना

## 1 कुरिन्थियों 4:1 (#1)

""

Connecting Statement: \n\nलोगों को उनके विषय में जिन्होंने उन्हें प्रभु के बारे में शिक्षा दी और बपतिस्मा दिया गर्व न करने का स्मरण कराने के बाद, पौलुस ने कुरिन्यियों के विश्वासियों को याद दिलाया कि सभी विश्वासियों को विनम्र सेवक होना चाहिए।

## 1 कुरिन्यियों 4:1 (#3)

### "मनुष्य"

मूल भाषा में यहाँ पुरुष शब्द का उपयोग किया गया है, जबकि हिन्दी अनुवाद में यहाँ मनुष्य शब्द का उपयोग किया गया है। हालांकि पुरुष पुल्लिंग है, पौलुस इसका उपयोग किसी भी व्यक्ति को सन्दर्भित करने के लिए कर रहे हैं, चाहे वह पुरुष हो या स्त्री। यदि आपकी भाषा में यह उपयोगी हो, तो आप पुरुष को एक गैर-लिंग शब्द के साथ व्यक्त कर सकते हैं या दोनों लिंगों का उल्लेख कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "पुरुष या स्त्री" या "मानव"

देखें: जब पुल्लिंग शब्दों में स्त्रियाँ सम्मिलित होती हैं

## 1 कुरिन्यियों 4:1 (#4)

### "मनुष्य"

मूल भाषा में यहाँ पुरुष शब्द का उपयोग किया गया है, जबकि हिन्दी अनुवाद में यहाँ मनुष्य शब्द का उपयोग किया गया है। पौलुस मनुष्य शब्द का उपयोग किसी एक विशेष व्यक्ति के लिए नहीं, बल्कि सामान्य रूप से लोगों के लिए कर रहे हैं। यदि यह आपकी भाषा में उपयोगी हो, तो आप मनुष्य के स्थान पर ऐसा रूप उपयोग कर सकते हैं जो सामान्य रूप से सभी लोगों को सन्दर्भित करता है। वैकल्पिक अनुवाद: "हर कोई" या "कोई भी व्यक्ति"

देखें: सामान्य संज्ञा वाक्यांश

## 1 कुरिन्यियों 4:1 (#5)

### "हमें"

यहाँ, हमें से आशय पौलुस, अपुल्लोस और अन्य सुसमाचार प्रचारकों से है, इसमें कुरिन्य के निवासियों को शामिल नहीं किया गया है।

देखें: विशिष्ट और समावेशी 'हम'

## 1 कुरिन्यियों 4:1 (#6)

### "परमेश्वर के भेदों के भण्डारी"

यहाँ पौलुस स्वामित्व रूप का उपयोग उन भण्डारियों का वर्णन करने के लिए कर रहे हैं जो परमेश्वर के भेदों के प्रबन्धक हैं। यदि आपकी भाषा में यह उपयोगी हो, तो आप इस रूप के पीछे के विचार को व्यक्त करने के लिए "प्रबन्ध करना" या "देखरेख करना" जैसी क्रिया का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "भण्डारी, जो परमेश्वर के भेदों के प्रबन्धक हैं" या "भण्डारी, जो परमेश्वर के भेदों की देखरेख करते हैं"।

देखें: स्वामित्व

## 1 कुरिन्यियों 4:1 (#7)

### "परमेश्वर के भेदों के"

यहाँ पौलुस स्वामित्व रूप का उपयोग उन भेदों का वर्णन करने के लिए कर रहे हैं जो: (1) परमेश्वर द्वारा प्रकट किए गए हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "परमेश्वर द्वारा प्रकट किए गए भेदों के" या "परमेश्वर से भेदों के" (2) परमेश्वर के बारे में हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "परमेश्वर के बारे में भेदों के" या "परमेश्वर से सम्बन्धित भेदों के"

देखें: स्वामित्व

## 1 कुरिन्यियों 4:2 (#1)

""

"पौलुस स्वयं के बारे में इस प्रकार बात कर रहा है जैसे वह अन्य लोगों के बारे में बात कर रहा था। वैकल्पिक अनुवाद: ""हमें होना जरूरी है""

देखें: पहला, दूसरा या तीसरा पुरुष

## 1 कुरिन्यियों 4:2 (#2)

### "फिर यहाँ भण्डारी में यह बात देखी जाती है, कि विश्वासयोग्य निकले"

हालांकि पौलुस सीधे तौर पर इस वाक्य को स्वयं पर और अन्य लोगों पर लागू नहीं करते जो सुसमाचार का प्रचार करते हैं, यह स्पष्ट है कि वह चाहते हैं कि पाठक इसे उन पर और इन अन्य लोगों पर लागू करें। पौलुस का आशय यह है कि उन्हें और अन्य सुसमाचार प्रचारकों को, परमेश्वर द्वारा विश्वासयोग्यता से यह कार्य करना आवश्यक है। यदि आपके पाठकों को यह संकेत स्पष्ट न हो, तो आप एक ऐसा शब्द या वाक्यांश उपयोग कर सकते हैं जो पौलुस को भण्डारियों में से एक के रूप में पहचान कर इसे स्पष्ट करता है। वैकल्पिक

अनुवाद: "हम जैसे भण्डारियों के लिए यह आवश्यक है कि हम विश्वासयोग्य पाए जाएँ"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

### 1 कुरिन्थियों 4:2 (#3)

"यह बात देखी जाती है"

यदि आपकी भाषा में निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं होता है, तो आप इस विचार को सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य स्वाभाविक तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। पौलुस यहाँ निष्क्रिय रूप का उपयोग करते हैं ताकि इस पर ध्यान केन्द्रित किया जा सकें कि क्या देखा जाता है बजाय इसके कि कौन "देखा" रहा है। यदि आपको यह बताना आवश्यक है कि क्रिया कौन करता है, तो आप एक अस्पष्ट विषय का उपयोग कर सकते हैं या "स्वामी" का उल्लेख कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "लोग यह देखते हैं" या "एक स्वामी यह देखता है।"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

### 1 कुरिन्थियों 4:2 (#4)

"कि विश्वासयोग्य निकले"

यदि आपकी भाषा में निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं होता है, तो आप इस विचार को सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य स्वाभाविक तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। पौलुस यहाँ निष्क्रिय रूप का उपयोग उस व्यक्ति पर ध्यान केन्द्रित करने के लिए करते हैं जो निकला है, बजाय उस व्यक्ति के जो "खोज" कर रहा है। यदि आपको यह बताना आवश्यक है कि क्रिया कौन करता है, तो आप एक अस्पष्ट विषय का उपयोग कर सकते हैं या "स्वामियों" का उल्लेख कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "लोग किसी को विश्वासयोग्य पाते हैं" या "एक स्वामी किसी को विश्वासयोग्य पाता है।"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

### 1 कुरिन्थियों 4:2 (#5)

"(एक) विश्वासयोग्य निकले"

मूल भाषा में एक शब्द का उपयोग किया गया है, परन्तु हिन्दी अनुवाद में ऐसा नहीं किया गया है। यहाँ पौलुस एक का उपयोग भण्डारी में से किसी एक को सन्दर्भित करने के लिए करते हैं। यदि आपकी भाषा में यह उपयोगी हो, तो आप एक के पीछे के विचार को व्यक्त करने के लिए "वे" जैसे बहुवचन सर्वनाम का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "वे"

देखें: सर्वनाम — उनका उपयोग कब करें

### 1 कुरिन्थियों 4:3 (#1)

"मेरी दृष्टि में यह"

वैकल्पिक अनुवाद: "मैं इसे ऐसा समझता हूँ" या "मेरे विचार में"

### 1 कुरिन्थियों 4:3 (#2)

"यह बहुत छोटी बात है"

जब पौलुस कहते हैं कि उनके लिए परखा जाना बहुत छोटी बात है, तो उनका आशय यह है कि लोगों द्वारा उनका परखा जाना उनके लिए कोई महत्व नहीं रखता। वह यह कहना चाहते हैं कि लोगों की यह राय कि वह विश्वासयोग्य हैं या नहीं, उनके लिए कोई फर्क नहीं डालती। यदि यह आपकी भाषा में उपयोगी हो, तो आप इस वाक्यांश के अर्थ को एक तुलनीय मुहावरे के साथ व्यक्त कर सकते हैं या विचार को सीधे तौर पर व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "यह कोई बड़ी बात नहीं है" या "इसका कोई महत्व नहीं है"

देखें: मुहावरा

### 1 कुरिन्थियों 4:3 (#1)

""

पौलुस मानव न्याय और परमेश्वर के न्याय के बीच अंतर की तुलना कर रहा है। मनुष्य पर परमेश्वर के सच्चे न्याय की तुलना में मनुष्य का निर्णय महत्वपूर्ण नहीं है।

### 1 कुरिन्थियों 4:3 (#4)

"मनुष्यों का कोई न्यायी"

यहाँ मनुष्यों का कोई न्यायी वाक्यांश का अनुवाद एक आधिकारिक न्यायिक कार्यवाही से है, जहाँ पौलुस के वफादार होने या न होने का निर्णय प्रभारी लोगों द्वारा किया जा सकता है। यहाँ, वह मुख्य रूप से उन लोगों को संदर्भित करने के लिए शब्दों का उपयोग करता है जो इस न्यायिक कार्यवाही के प्रभारी हैं। यदि आपकी भाषा में यह उपयोगी हो, तो आप मनुष्यों का कोई न्यायी को एक शब्द या वाक्यांश के साथ व्यक्त कर सकते हैं जो यह तय करने के लिए एक आधिकारिक बैठक का उल्लेख करता है कि कोई निर्दोष है या दोषी, या एक शब्द या वाक्यांश जो ऐसी बैठक में

अधिकारी लोगों का उल्लेख करता है। वैकल्पिक अनुवाद: "कानूनी न्यायालय" या "मानव न्यायमण्डल"  
देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

## 1 कुरिन्थियों 4:3 (#5)

"वरन्"

यहाँ, वरन् शब्द का प्रयोग एक और भी मजबूत कथन को बताने के लिए किया गया है कि पौलुस को मनुष्यों द्वारा परखे जाने की इतनी कम परवाह है कि वह स्वयं भी अपने आप को नहीं परखता। यदि यह आपकी भाषा में उपयोगी हो, तो आप इस सम्बन्ध को एक शब्द या वाक्यांश के साथ व्यक्त कर सकते हैं जो सामान्यतः एक और सशक्त बयान प्रस्तुत करता है। वैकल्पिक अनुवाद: "वास्तव में,"

देखें: शब्दों और वाक्यांशों को जोड़ना

## 1 कुरिन्थियों 4:4 (#1)

""

मैंने किसी को भी मुझपर दोष लगाते नहीं सुना है

## 1 कुरिन्थियों 4:4 (#2)

""

आरोपों की कमी यह प्रमाणित नहीं करती है कि मैं निर्दोष हूँ। परमेश्वर जानते हैं कि मैं निर्दोष हूँ या दोषी हूँ।

## 1 कुरिन्थियों 4:4 (#3)

"इससे"

यहाँ, इससे शब्द पूरे विचार की ओर संकेत करता है कि पौलुस अपने आपको को दोषी नहीं पाते। यदि यह आपकी भाषा में उपयोगी हो, तो आप इससे स्पष्ट करके व्यक्त कर सकते हैं कि यह पूरे पिछले कथन की ओर संकेत करता है। वैकल्पिक अनुवाद: "जिसके बारे में मैं जानता हूँ"

देखें: सर्वनाम — उनका उपयोग कब करें

## 1 कुरिन्थियों 4:4 (#4)

"परन्तु"

पौलुस परन्तु का उपयोग करते हैं ताकि उन सभी के साथ एक विरोधाभास प्रस्तुत किया जा सके जो पौलुस को "परखना" चाहते हैं (देखें: 4:3-4)। यदि आपकी भाषा में यह उपयोगी हो, तो आप इस सम्बन्ध को एक शब्द या वाक्यांश के साथ विरोधाभास प्रस्तुत करता है। वैकल्पिक अनुवाद: "इसके बजाय,"

देखें: जोड़ें — विरोधाभास सम्बन्ध

## 1 कुरिन्थियों 4:4 (#5)

"क्योंकि मेरा परखनेवाला प्रभु है"

वैकल्पिक अनुवाद: "प्रभु ही मेरा परखनेवाला है"

## 1 कुरिन्थियों 4:5 (#1)

"इसलिए"

क्योंकि मैंने अभी जो कहा है वह सत्य है

## 1 कुरिन्थियों 4:5 (#2)

"आए"

यहाँ पौलुस इस बारे में बात कर रहे हैं कि कैसे प्रभु भविष्य में किसी समय पृथ्वी पर "वापसी" करेंगे। अपनी भाषा में एक ऐसे रूप का प्रयोग करें जो यीशु की पृथ्वी पर वापसी को सन्दर्भित कर सकें। वैकल्पिक अनुवाद: "पृथ्वी पर लौटें"

देखें: जाएँ और आएँ

## 1 कुरिन्थियों 4:5 (#2)

"वही तो अंधकार की छिपी बातें ज्योति में दिखाएगा," - "मनों के उद्देश्यों को प्रगट करेगा"

"यहाँ ""अंधेरे की छिपी हुई चीजों को प्रकाश में लाए"" एक रूपक है जो गुप्त रूप से किए गए कार्यों को सभी पर उजागर करने के लिए उपयोग किया गया है। यहाँ ""दिल"" लोगों के विचारों और उद्देश्यों के लिए एक अलंकार है। वैकल्पिक अनुवाद: ""अंधेरे में चीजों पर प्रकाश डालने वाली रोशनी की तरह, परमेश्वर दिखाएंगे कि लोगों ने गुप्त रूप से क्या किया है और उन्होंने गुप्त रूप से क्या योजना बनाई है""

देखें: रूपक

## 1 कुरिन्थियों 4:5 (#4)

"अंधकार की छिपी हुई बातें"

यहाँ पौलुस स्वामित्व रूप का उपयोग करके बातें (मूल में वस्तुएँ) का वर्णन करते हैं जो अंधकार में छिपी हुई हैं। यदि आपकी भाषा में छिपी हुई बातें अंधकार में नहीं समझी जाती हैं, तो आप इस विचार को व्यक्त करने के लिए "में" या "भीतर" जैसे शब्द का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "अंधकार में छिपी बातें या वस्तुएँ"

देखें: स्वामित्व

## 1 कुरिन्थियों 4:5 (#5)

"अंधकार की छिपी हुई बातें"

यदि आपकी भाषा भाववाचक संज्ञा अंधकार का उपयोग नहीं करती है, तो आप इस विचार को व्यक्त करने के लिए ऐसे शब्द या वाक्यांश का उपयोग कर सकते हैं जो कुछ ऐसा वर्णन करता हो जिसे देखा नहीं जा सकता, क्योंकि वहाँ कोई प्रकाश नहीं होता, जैसे "छाया में।" वैकल्पिक अनुवाद: "छाया में छिपी हुई चीज़ें" या "जहाँ कोई प्रकाश नहीं चमकता, वहाँ छिपी हुई चीज़ें"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

## 1 कुरिन्थियों 4:5 (#6)

"मनों के उद्देश्यों"

यहाँ पौलुस मनों में उत्पन्न होने वाले उद्देश्यों को दर्शनि के लिए स्वामित्व रूप का उपयोग करते हैं। यदि आपकी भाषा में यह उपयोगी हो, तो आप इस विचार को "से" या "में" जैसे शब्दों का उपयोग करके व्यक्त कर सकते हैं कि ये उद्देश्य मनों से उत्पन्न होते हैं या "हृदय में होते हैं।" वैकल्पिक अनुवाद: "मनों में उद्देश्य" या "मनों से उद्देश्य"

देखें: स्वामित्व

## 1 कुरिन्थियों 4:5 (#7)

"उद्देश्यों"

यहाँ, उद्देश्यों से तात्पर्य है कि मनुष्यों के मन में कुछ विशेष लक्ष्य होते हैं और वे उन लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए योजनाएँ बनाते हैं। यदि आपकी भाषा में यह उपयोगी हो, तो आप उद्देश्यों को "योजनाएँ" या "इरादे" जैसे शब्दों से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "योजनाओं" या "इरादों"

देखें: अज्ञातों का अनुवाद करें

## 1 कुरिन्थियों 4:5 (#8)

"मनों के"

पौलुस की संस्कृति में, मनों वह भाग है, जहाँ मनुष्य सोचते और योजना बनाते हैं। यदि आपकी भाषा में यह उपयोगी हो, तो आप स्पष्ट रूप से उस भाग का उल्लेख कर सकते हैं, जहाँ आपकी संस्कृति में मनुष्य सोचते हैं या मन की अवधारणा को व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मन का" या "जहाँ मनुष्य योजना बनाते हैं"

देखें: लक्षणालंकार

## 1 कुरिन्थियों 4:5 (#9)

"तब परमेश्वर की ओर से हर एक की प्रशंसा होगी"

यहाँ पौलुस ऐसा कहते हैं जैसे प्रशंसा कोई ऐसी चीज़ हो जो परमेश्वर से मनुष्यों तक आ सकती है या पहुँच सकती है। पौलुस का अर्थ है कि परमेश्वर प्रशंसा का स्रोत है जो हर एक को प्राप्त होगी। यदि आपकी भाषा में यह उपयोगी हो, तो आप इस वाक्य का अर्थ इस प्रकार अनुवाद कर सकते हैं कि परमेश्वर वह है जो प्रशंसा देते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "परमेश्वर हर एक को प्रशंसा देंगे।"

देखें: मुहावरा

## 1 कुरिन्थियों 4:5 (#10)

"तब परमेश्वर की ओर से हर एक की प्रशंसा होगी"

यहाँ पौलुस ऐसा कहते हुए प्रतीत हो सकते हैं कि हर व्यक्ति को परमेश्वर से कुछ प्रशंसा प्राप्त होगी। हालांकि, पौलुस का यह मतलब नहीं है। इसके बजाय, वह केवल उस व्यक्ति का उदाहरण देते हैं जो परमेश्वर के प्रति विश्वासयोग्य है, न कि उस व्यक्ति का उदाहरण जो परमेश्वर के प्रति विश्वासयोग्य नहीं है। यदि आपकी भाषा में यह उपयोगी हो, तो आप स्पष्ट कर सकते हैं कि पौलुस केवल एक उदाहरण का उपयोग क्यों करते हैं, यह स्पष्ट करके कि यह उदाहरण केवल उन लोगों के बारे में है जो विश्वासयोग्य हैं। या आप उन लोगों के विपरीत उदाहरण शामिल कर सकते हैं जो विश्वासयोग्य नहीं हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "हर एक विश्वासयोग्य व्यक्ति को परमेश्वर से प्रशंसा मिलेगी" या हर व्यक्ति को परमेश्वर से या तो प्रशंसा या फिर दोष मिलेगा।

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित ज्ञानकारी

## 1 कुरिन्थियों 4:6 (#1)

"इन बातों"

यहाँ, इन बातों से तात्पर्य उन सभी बातों से है जो पौलुस ने अपने और अपुल्लोस के बारे में 3:4-23 में कही हैं। यदि आपकी भाषा में यह उपयोगी हो, तो आप स्पष्ट कर सकते हैं कि इन बातों वाक्यांश खेती और भवन-निर्माण से सम्बन्धित उन बातों की ओर संकेत करता है, जो पौलुस ने पहले कही थी। वैकल्पिक अनुवाद: "जो मैंने खेती और निर्माण के बारे में कहा था"

देखें: सर्वनाम — उनका उपयोग कब करें

## 1 कुरिन्थियों 4:6 (#1)

"हे भाइयों"

यहाँ इसका अर्थ है साथी मसीही, पुरुष और महिला दोनों सहित।

## 1 कुरिन्थियों 4:6 (#3)

"हमारे"

यहाँ, हमारे केवल पौलुस और अपुल्लोस का सन्दर्भ देता है। इसमें कुरिन्थ के निवासियों को शामिल नहीं किया गया है।

देखें: विशिष्ट और समावेशी 'हम'

## 1 कुरिन्थियों 4:6 (#2)

"तुम्हारे लिये"

आपके कल्याण के लिए

## 1 कुरिन्थियों 4:6 (#5)

"यहः"

पौलुस एक छोटा वाक्यांश उद्धृत करते हैं जो पुराने नियम से नहीं है, परन्तु जो कुरिन्थ के निवासियों के लिए अच्छी तरह से जाना-पहचाना था। वाक्यांश लिखे हुए से वाक्यांश का तात्पर्य निम्न में से हो सकता है: (1) पुराना नियम शास्त्र। पौलुस कुरिन्थ वासियों से कह रहे हैं कि उन्हें केवल उन्हीं तरीकों से व्यवहार करना चाहिए जिन्हें पुराना नियम स्वीकार करता है। वैकल्पिक अनुवाद: "जो शास्त्र कहते हैं उससे आगे न बढ़ो" (2) जीवन के सामान्य सिद्धांत जिन्हें सामान्यतः सभी लोग जानते हैं। पौलुस कुरिन्थियों से कह रहे हैं कि उन्हें केवल उन्हीं तरीकों से आचरण करना चाहिए जो सामान्यतः समाज

द्वारा स्वीकार्य और अनुमोदित हों। वैकल्पिक अनुवाद: "उचित मानदण्डों से आगे न बढ़ो"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित ज्ञानकारी

## 1 कुरिन्थियों 4:6 (#6)

"लिखे हुए से"

यदि आपकी भाषा में निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं होता है, तो आप इस विचार को सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य स्वाभाविक तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। पौलुस यहाँ निष्क्रिय रूप का उपयोग करते हैं ताकि लिखे हुए से पर ध्यान केन्द्रित किया जा सके, बजाय इसके कि "लिखने" वाला व्यक्ति कौन है। यदि आपको यह बताना आवश्यक है कि क्रिया कौन कर रहा है, तो आप इसे इस प्रकार व्यक्त कर सकते हैं: (1) शास्त्र या शास्त्र का लेखक ये बातें लिखता है या बोलता है। वैकल्पिक अनुवाद: "पवित्रशास्त्र के लेखकों ने लिखा है" (2) परमेश्वर बोलते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "परमेश्वर ने कहा है"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

## 1 कुरिन्थियों 4:6 (#7)

"कि"

कि से शुरू होने वाला कथन दो प्रकार के उद्देश्य को प्रकट कर सकता है: (1) यह कि लोग यह सीखें कि 'जो लिखा है उससे आगे न जाएं',। वैकल्पिक अनुवाद: "इस लक्ष्य के साथ कि" (2) पौलुस ने इन बातों को अपने और अपुल्लोस पर लागू किया। वैकल्पिक अनुवाद: "ताकि, अन्त में,"

देखें: सूचना संरचना

## 1 कुरिन्थियों 4:6 (#8)

"दूसरे के विरोध में गर्व न करना"

यदि आपकी भाषा में निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं होता है, तो आप इस विचार को सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य स्वाभाविक तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। यदि यह बताना आवश्यक है कि क्रिया कौन करता है, तो पौलुस यह संकेत देते हैं कि व्यक्ति स्वयं "फुल" जाता है। वैकल्पिक अनुवाद: "कोई भी स्वयं को नहीं फुलाएगा।"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

**1 कुरिन्थियों 4:6 (#9)****"एक के" - "दूसरे के"**

यहाँ एक और दूसरे का तात्पर्य ऐसे किसी भी अगुवे से है जिसकी कुरिन्थ वासियों ने प्रशंसा या आलोचना की हो। यद्यपि पौलुस सम्मतः स्वयं और अपुल्लोस की ओर संकेत कर रहे हैं, फिर भी वह जानबूझकर ऐसे शब्दों का प्रयोग करते हैं जिसमें कोई भी अगुवा शामिल हो जिसकी कुरिन्थ वासियों ने प्रशंसा या आलोचना की हो। यदि आपकी भाषा में यह उपयोगी हो, तो आप एक शब्द या वाक्यांश का उपयोग करके एक और दूसरे के पीछे के विचार को व्यक्त कर सकते हैं, जो यह इंगित करता है कि पौलुस यहाँ किसी भी अगुवे के बारे में सामान्य रूप से बात कर रहे हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "किसी भी अगुवा ... किसी अन्य अगुवा!"

देखें: सर्वनाम — उनका उपयोग कब करें

**1 कुरिन्थियों 4:7 (#1)**

""

"पौलुस कुरिन्थियों से एक व्यक्ति के समान बात कर रहा है, इसलिए यहाँ ""तुम"" के सभी उदाहरण एकवचन है।

देखें: 'आप' के रूप

**1 कुरिन्थियों 4:7 (#2)**

""

"पौलुस उन कुरिन्थियों को डांट रहा है जो सोचते हैं कि वे उन लोगों से श्रेष्ठ हैं जिन्होंने किसी और से सुसमाचार सुना है। वैकल्पिक अनुवाद: ""क्योंकि तुम्हारे और दूसरों के बीच कोई अंतर नहीं है।"" या ""तुम अन्य लोगों से श्रेष्ठ नहीं हो।""

देखें: आलंकारिक प्रश्न

**1 कुरिन्थियों 4:7 (#3)**

""

"पौलुस इस सवाल का प्रयोग इस बात पर जोर देने के लिए करता है कि उन्होंने उन चीजों को कमाया नहीं जो उनके पास है। वैकल्पिक अनुवाद: ""तुम्हारे पास जो कुछ भी है वह आपने मुफ्त में प्राप्त किया है।"" जो कुछ तुम्हारे पास है वह परमेश्वर ने तुम्हे मुफ्त में दिया है

देखें: आलंकारिक प्रश्न

**1 कुरिन्थियों 4:7 (#4)****"जबकि तूने (दूसरे से) पाया है"**

पौलुस ऐसे बोल रहे हैं जैसे "पाया है" केवल एक काल्पनिक सम्भावना हो, परन्तु उनका अभिप्राय है कि यह वास्तव में सत्य है। यदि आपकी भाषा में किसी निश्चित या सत्य बात को शर्त के रूप में नहीं कहा जाता है और यदि पाठक यह समझ सकते हैं कि पौलुस जो कह रहे हैं वह अनिश्चित है, तो आप उनके वचनों का अनुवाद एक निश्चित और सकारात्मक कथन के रूप में कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और चूंकि आपने वास्तव में इसे प्राप्त किया है"

देखें: जोड़ें — तथ्यात्मक स्थितियाँ

**1 कुरिन्थियों 4:7 (#4)**

""

"पौलुस उनके पास जो कुछ था उसके बारे में घमंड करने के लिए उन्हें डांट रहा था। वैकल्पिक अनुवाद: ""तुम्हे इस बात की डींग नहीं मारनी चाहिए जैसे कि तुमने ऐसा नहीं किया है।"" या ""तुम्हे घमंड करने का कोई अधिकार नहीं है।""

देखें: आलंकारिक प्रश्न

**1 कुरिन्थियों 4:7 (#6)**

""

मूल भाषा में यहाँ यह शब्द का उपयोग किया गया है जो हिन्दी अनुवाद में नहीं है। यहाँ, {यह} का दोनों उपयोग जो कुरिन्थ वासियों के पास है उसको सन्दर्भित करता है। यदि आपकी भाषा में किसी अनिर्दिष्ट "वस्तु" को सन्दर्भित करने के लिए {यह} का उपयोग नहीं होता है, तो आप एक ऐसा शब्द या वाक्यांश उपयोग कर सकते हैं जो स्पष्ट रूप से जो कुरिन्थियों के पास है को सन्दर्भित करता हो। वैकल्पिक अनुवाद: "क्या तुमने सब कुछ दूसरों से नहीं पाया ... तुमने सब कुछ दूसरों से पाया" या "क्या तुमने जो तुम्हारे पास है उसे दूसरों से नहीं पाया ... तुमने जो तुम्हारे पास है उसे दूसरों से पाया"

देखें: सर्वनाम — उनका उपयोग कब करें

**1 कुरिन्थियों 4:8 (#1)**

""

General Information:\n\nपौलुस कुरिन्थियों को लज्जित करने के लिए यहाँ विडंबना का उपयोग करता है और उन्हें यह अनुभव करता है कि जब वे स्वयं पर और अपने शिक्षकों पर गर्व करते हैं तो वे पाप कर रहे हैं।

देखें: विडंबना

### 1 कुरिन्थियों 4:8 (#2)

"तुम तो तृप्त हो चुके"

यहाँ पौलुस ऐसा कहते हैं जैसे कि कुरिन्थ वासियों के पास खाने के लिए पर्याप्त भोजन और पीने के लिए पेय पदार्थ हैं। इसके द्वारा उनका अर्थ है कि (वे ऐसा सोचते हैं कि) उनके पास इतनी आत्मिक आशीषें हैं कि अब उन्हें और कुछ प्राप्त करने की आवश्यकता नहीं है। यदि आपकी भाषा में यह उपयोगी हो, तो **तृप्त** का अर्थ किसी तुलनीय रूपक के साथ व्यक्त कर सकते हैं या विचार को सीधे तौर पर व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "तुम आशीषों से भर चुके हो" या "तुम्हारे पास हर आत्मिक वरदान है"

देखें: रूपक

### 1 कुरिन्थियों 4:8 (#3)

"तुम धनी हो चुके"

यहाँ पौलुस ऐसे बोलते हैं जैसे कि कुरिन्थ के लोग धनी हो चुके हों। वह ऐसा इसलिए कहते हैं ताकि इस बात पर फिर से ज़ोर दिया जा सके कि (वह ऐसा सोचते हैं कि) उनके पास ज़रूरत से अधिक आत्मिक आशीषें हैं। यदि आपकी भाषा में यह उपयोगी हो, तो **धनी हो चुके** के अर्थ के पीछे के विचार को एक तुलनीय रूपक या सीधे तौर पर व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "तुम समृद्ध हो चुके हो" या "तुम्हारे पास आत्मिक उपहारों की बहुतायत है"

देखें: रूपक

### 1 कुरिन्थियों 4:8 (#4)

"हमारे," - "हम"

यहाँ, **हमारे** और **हम** पौलुस और अन्य लोगों को सन्दर्भित करते हैं जो सुसमाचार का प्रचार करते हैं। इसमें कुरिन्थ वासियों को शामिल नहीं किया गया है।

देखें: विशिष्ट और समावेशी 'हम'

### 1 कुरिन्थियों 4:9 (#1)

"परमेश्वर ने हम प्रेरितों को" - "उन लोगों के समान ठहराया है"

पौलुस ने दो तरीकों से व्यक्त किया कि कैसे परमेश्वर ने अपने प्रेरितों को दुनिया को दिखाने के लिए प्रदर्शित किया है।

देखें: समांतरता

### 1 कुरिन्थियों 4:9 (#2)

"मेरी समझ में"

यहाँ, **मेरी समझ में**, पौलुस अपनी राय प्रस्तुत करते हैं कि वह और अन्य प्रेरित क्या करने और अनुभव करने वाले हैं। यदि आपकी भाषा में यह उपयोगी हो, तो आप **मेरी समझ में** के पीछे के विचार को व्यक्त करने के लिए एक शब्द या वाक्यांश का उपयोग कर सकते हैं जो किसी व्यक्ति की व्याख्या या राय प्रस्तुत करता है। वैकल्पिक अनुवाद: "मेरे विचार में," या "मुझे ऐसा लगता है कि"

देखें: अज्ञातों का अनुवाद करें

### 1 कुरिन्थियों 4:9 (#3)

"हम" - "हम ... ठहरे हैं"

यहाँ, **हम** और **हम** पौलुस और उनके साथी प्रेरितों को सन्दर्भित करता है। इसमें कुरिन्थ वासियों को सम्मिलित नहीं किया गया है।

देखें: विशिष्ट और समावेशी 'हम'

### 1 कुरिन्थियों 4:9 (#2)

"हम प्रेरितों को" - "उन लोगों के समान ठहराया है"

परमेश्वर ने अंत में रोमन सैन्य ज्ञांकी के कैदियों की तरह प्रेरितों को दिखाया है, जिन्हें फाँसीं से पहले अपमानित किया जाता है।

देखें: रूपक

### 1 कुरिन्थियों 4:9 (#5)

"सब के बाद"

यहाँ, **सब के बाद** का तात्पर्य निम्न में से हो सकता है: (1) वह समय जब प्रेरितों को लोगों के सामने ठहराया गया — जैसा कि किसी अखाड़े में होने वाले अन्तिम कार्यक्रम के रूप में होता था।। वैकल्पिक अनुवाद: "अन्त में" (2) वह स्थान जहाँ प्रेरितों को ठहराया गया, जो विजयोत्सव जुलूस के अन्त में होता था। वैकल्पिक अनुवाद: "पंक्ति में अन्तिम"

देखें: अज्ञातों का अनुवाद करें

### 1 कुरिन्थियों 4:9 (#6)

"क्योंकि हम जगत और स्वर्गदूतों और मनुष्यों के लिये एक तमाशा ठहरे हैं"

यहाँ पौलस अपने और अन्य प्रेरितों के बारे में ऐसे बोलते हैं मानो वे किसी ग्लैडियेटर के खेल या रंगमंचीय प्रदर्शन का हिस्सा हों। ऐसा इसीलिए कहते हैं ताकि यह दर्शाया जा सके कि जो अपमान और मृत्यु वे सहते हैं, वह सार्वजनिक रूप से होता है, जहाँ हर कोई देखता है कि क्या हो रहा है। यदि आपकी भाषा में यह उपयोगी हो, तो आप इस अलंकारिक अभिव्यक्ति को एक तुलनीय रूपक के साथ व्यक्त कर सकते हैं या विचार को स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "हम पूरी दुनिया के सामने जीते हैं—स्वर्गदूतों और मनुष्यों, दोनों की वृष्टि में" या "हम ये सब बातें सार्वजनिक रूप से सहते हैं—पूरे संसार के सामने, स्वर्गदूतों और मनुष्यों के सामने"

देखें: रूपक

### 1 कुरिन्थियों 4:9 (#4)

"मनुष्यों के लिये"

"संभावित अर्थ 1) ""दुनिया"" में अलौकिक (""स्वर्गदूत"") और प्राकृतिक (""मनुष्य"") दोनों शामिल हैं, या 2) सूची में तीन वस्तुएं हैं: ""दुनिया के लिए, स्वर्गदूतों के लिए और मनुष्यों के लिए।""

देखें: मेरिस्म

### 1 कुरिन्थियों 4:9 (#8)

"मनुष्यों के"

मूल भाषा में यहाँ पुरुषों शब्द का उपयोग किया गया है, परन्तु हिन्दी अनुवाद में यहाँ मनुष्यों शब्द का उपयोग किया गया है। हालांकि पुरुषों पुल्लिंग है, पौलस इसका उपयोग किसी भी मनुष्य के लिए कर रहे हैं, चाहे वह पुरुष हो या स्त्री। यदि आपकी भाषा में यह उपयोगी हो, तो आप पुरुषों को एक गैर-लिंग शब्द के साथ व्यक्त कर सकते हैं या दोनों लिंगों का उल्लेख कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "पुरुषों और स्त्रियों को" या "लोगों को"

देखें: जब पुल्लिंग शब्दों में स्त्रियाँ भी सम्मिलित होती हैं

### 1 कुरिन्थियों 4:10 (#1)

"हम मसीह के लिये मूर्ख हैं; परन्तु तुम मसीह में बुद्धिमान हो; हम निर्बल हैं परन्तु तुम बलवान हो। तुम आदर पाते हो, परन्तु हम निरादर होते हैं।"

पौलस की भाषा में, उन्हें {हैं} शामिल करने की आवश्यकता नहीं थी। हालांकि, कई भाषाएँ, जिनमें अंग्रेजी शामिल है, {हैं} को जोड़ना पड़ता है, यही कारण है कि यू.एल.टी. इसे कोष्ठकों में शामिल करता है। यदि आपकी भाषा में यहाँ {हैं} का उपयोग नहीं होता है, तो आप इसे छोड़ सकते हैं।

देखें: पदलोप

### 1 कुरिन्थियों 4:10 (#2)

"हम" - "हम" - "हम"

यहाँ, हम पौलस और अन्य "प्रेरितों" का उल्लेख करते हैं। इसमें कुरिन्थ वासियों को शामिल नहीं किया गया है।

देखें: विशिष्ट और समावेशी 'हम'

### 1 कुरिन्थियों 4:10 (#1)

""

पौलुस कुरिन्थियों को लजित करने के लिए विडंबना का उपयोग करता है ताकि वह जो कह रहा है उसके बारे में सोचें।

देखें: विडंबना

### 1 कुरिन्थियों 4:10 (#4)

"परन्तु तुम मसीह में बुद्धिमान हो" - "परन्तु तुम बलवान हो। तुम आदर पाते हो"

इन कथनों के माध्यम से पौलुस यह स्पष्ट करते हैं कि कुरिन्थ के लोग अपने बारे में क्या सोचते हैं। वे सोचते हैं कि वे इस संसार की वृष्टि में बुद्धिमान, बलवान् और आदर पाते हैं। पौलुस उनके इस आत्ममूल्यांकन की तुलना अपने और अन्य प्रेरितों की स्थिति से करते हैं, जो संसार की वृष्टि में बिल्कुल विपरीत दिखाई देते हैं, ताकि कुरिन्थ के लोग अपनी सोच पर दोबारा विचार करें। यदि आपकी भाषा में यह उपयोगी हो, तो आप इन कथनों को एक शब्द या वाक्यांश के साथ व्यक्त कर सकते हैं, जिससे यह स्पष्ट हो जाए कि ये बातें कुरिन्थ वासियों के वृष्टिकोण से कही गई हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "परन्तु तुम स्वयं को बुद्धिमान मानते हो ... परन्तु तुम स्वयं को बलवान मानते हो ... तुम स्वयं को सम्मानित मानते हो"

देखें: व्यंग

**1 कुरिन्थियों 4:10 (#2)**

""

लोग कुरिन्थियों से ऐसा व्यवहार करते हैं जैसे कि वे महत्वपूर्ण लोग हैं

**1 कुरिन्थियों 4:10 (#6)**

"तुम आदर पाते हो, परन्तु हम निरादर होते हैं"

पौलुस सूची की अंतिम बात में क्रम बदल देते हैं और हम से पहले तुम को रखते हैं। उसकी संस्कृति में यह सूची की अन्तिम बात को दर्शाने का एक तरीका था। यदि आपकी भाषा में यह उपयोगी हो, तो आप पहले दो कथनों के क्रम के अनुरूप इस अन्तिम कथन का क्रम भी रख सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "हम निरादर होते हैं, परन्तु तुम आदर पाते हो"

देखें: सूचना संरचना

**1 कुरिन्थियों 4:11 (#1)**

"हम इस घड़ी तक"

"अब तक या ""इस समय तक"""

**1 कुरिन्थियों 4:11 (#2)**

"हम" - "भूखे ... हैं"

यहाँ, हम पौलुस और अन्य "प्रेरितों" को संदर्भित करता है। इसमें कुरिन्थ वासियों को शामिल नहीं किया गया है।

देखें: विशिष्ट और समावेशी 'हम'

**1 कुरिन्थियों 4:11 (#3)**

"और नंगे हैं,

यहाँ, नंगे हैं का अर्थ है कि कपड़े पुराने और धिसे हुए हैं और मुश्किल से किसी व्यक्ति के शरीर को ढकते हैं। यदि यह आपकी भाषा में उपयोगी हो, तो आप नंगे हैं का अनुवाद एक ऐसे शब्द या वाक्यांश के साथ कर सकते हैं जो कपड़ों की पहचान करता है, जो मुश्किल से किसी व्यक्ति को ढकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "फटे-पुराने कपड़े पहने हुए हैं"

देखें: अज्ञातों का अनुवाद करें

**1 कुरिन्थियों 4:11 (#2)**

"नंगे हैं," - "धूसे खाते हैं"

"यह हाथ से मारने का मतलब है, चाबुक या डंडे के साथ नहीं। इसे सक्रिय रूप में कहा जा सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: ""लोग हमें पीटते हैं""

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

**1 कुरिन्थियों 4:11 (#3)**

"फिरते हैं"

पौलुस का मतलब है कि उनके पास रहने के लिए जगह थी, लेकिन उन्हें जगह जगह धूमना पड़ता था। उनके पास कोई निश्चित घर नहीं था।

**1 कुरिन्थियों 4:12 (#1)**

"अपने" - "हम आशीष देते हैं" - "हम सहते हैं"

यहाँ, हम और अपने शब्द पौलुस और अन्य "प्रेरितों" को सन्दर्भित करते हैं। इसमें कुरिन्थ वासियों को शामिल नहीं किया गया है।

देखें: विशिष्ट और समावेशी 'हम'

**1 कुरिन्थियों 4:12 (#2)**

"और अपने ही हाथों के काम करके परिश्रम करते हैं"

यहाँ, शब्द परिश्रम और काम करके मूल रूप से एक ही चीज़ का अर्थ रखते हैं। पौलुस इन दोनों शब्दों का प्रयोग यह जोर देने के लिए करते हैं कि वह बहुत परिश्रम कर रहे हैं। यदि आपकी भाषा इस तरह से पुनरावृत्ति का उपयोग नहीं करती है, तो आप इन शब्दों को जोड़ सकते हैं और जोर देने का संकेत किसी अन्य तरीके से कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "बहुत परिश्रम कर रहे हैं"

देखें: द्विरावृत्ति (डबलेट)

**1 कुरिन्थियों 4:12 (#3)**

"अपने ही हाथों के काम करके"

पौलुस की संस्कृति में, वाक्यांश अपने ही हाथों के यह दर्शाता है कि पौलुस और अन्य प्रेरित शारीरिक श्रम कर रहे थे। वास्तव में, हम जानते हैं कि पौलुस स्वयं तम्बू बनाते थे (देखें: 18:3), इसलिए सम्भवतः यहीं शारीरिक श्रम है जिसका वह यहाँ उल्लेख कर रहे हैं। यदि अपने ही हाथों के आपकी भाषा में शारीरिक श्रम का संकेत नहीं देता है, तो आप एक तुलनीय मुहावरा या ऐसी अभिव्यक्ति उपयोग कर सकते हैं जो शारीरिक श्रम का संकेत दे। वैकल्पिक अनुवाद: "शारीरिक रूप से परिश्रम का काम करके"

देखें: मुहावरा

## 1 कुरिन्थियों 4:12 (#4)

"लोग बुरा कहते हैं," - "वे सताते हैं"

वाक्यांश लोग बुरा कहते हैं और वे सताते हैं उन परिस्थितियों को दर्शाते हैं जिनमें पौलुस और अन्य प्रेरित आशीष देते हैं और सहते हैं। यदि आपकी भाषा में यह उपयोगी हो, तो आप: (1) "जब" जैसे शब्द को शामिल कर सकते हैं ताकि यह संकेत दिया जा सके कि ये क्रियाएँ एक ही समय में होती हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जब भी हमें अपशब्द बोले जाते हैं ... जब भी हमें उत्पीड़ित किया जाता है" (2) "हालांकि" जैसे शब्द को शामिल कर सकते हैं ताकि यह संकेत दिया जा सके कि ये क्रियाएँ एक-दूसरे के विपरीत हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "हालांकि हमें अपशब्द बोले जाते हैं ... हालांकि हमें उत्पीड़ित किया जाता है"

देखें: जोड़े — समकालिक समय सम्बन्ध

## 1 कुरिन्थियों 4:12 (#1)

"लोग बुरा कहते हैं, हम आशीष देते हैं"

"इसे सक्रिय रूप में कहा जा सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: ""जब लोग हमें धिकारते हैं, हम उन्हें आशीष देते हैं"" या ""जब लोग हमसे घृणा करते हैं, तो हम उन्हें आशीष देते हैं""

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

## 1 कुरिन्थियों 4:12 (#6)

"लोग बुरा कहते हैं"

यहाँ, **बुरा कहते हैं** का अर्थ है किसी व्यक्ति को शब्दों के माध्यम से अपमानित करना। यदि आपकी भाषा में **बुरा कहते हैं** का यह अर्थ स्पष्ट नहीं है, तो आप ऐसा शब्द या वाक्यांश प्रयोग कर सकते हैं जो यह दर्शाएँ कि यह अपमान

बोलकर किया गया है। वैकल्पिक अनुवाद: "बदनाम करते हैं" या "मौखिक रूप से हमला करते हैं"

देखें: अज्ञातों का अनुवाद करें

## 1 कुरिन्थियों 4:12 (#7)

"हम आशीष देते हैं"

यहाँ पौलुस यह नहीं बताते कि वह किसे या क्या आशीष देते हैं। उनका मतलब हो सकता है कि वह आशीष देते हैं: (1) उन लोगों को, जो उन्हें "बुरा कहते हैं"। वैकल्पिक अनुवाद: "हम बदले में आशीष देते हैं" (2) परमेश्वर को, भले ही वह कष्ट में हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "हम फिर भी परमेश्वर को धन्य कहते हैं"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

## 1 कुरिन्थियों 4:12 (#2)

"वे सताते हैं"

"इसे सक्रिय रूप में कहा जा सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: ""जब लोग हमें सताते हैं""

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

## 1 कुरिन्थियों 4:13 (#1)

"हम विनती करते हैं हम ... ठहरे हैं"

यहाँ, **हम** पौलुस और अन्य "प्रेरितों" का संदर्भित करता है। इसमें कुरिन्थ वासियों को शामिल नहीं किया गया है।

देखें: विशिष्ट और समावेशी 'हम'

## 1 कुरिन्थियों 4:13 (#2)

"बदनाम करते हैं"

वाक्यांश **बदनाम करते हैं** हैं उस परिस्थिति को दर्शाता है जिसमें पौलुस और अन्य प्रेरित **विनती** करते हैं। यदि यह आपकी भाषा में उपयोगी हो, तो आप: (1) तो आप 'जब' जैसे शब्द का प्रयोग कर सकते हैं ताकि यह दिखाया जा सके कि ये दोनों क्रियाएँ एक ही समय में घटित होती हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जब भी हमें बदनाम करते हैं" (2) "हालांकि" जैसे शब्द को शामिल कर सकते हैं ताकि यह संकेत मिले कि ये क्रियाएँ एक-दूसरे के विपरीत हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "हालांकि हमें बदनाम करते हैं"

देखें: जोड़े — समकालिक समय सम्बन्ध

### 1 कुरिन्थियों 4:13 (#1)

"वे बदनाम करते हैं"

"इसे सक्रिय रूप में कहा जा सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: ""जब लोग हमारी निंदा करते हैं""

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

### 1 कुरिन्थियों 4:13 (#4)

"हम आज तक जगत के कूड़े और सब वस्तुओं की खुरचन के समान ठहरे हैं"

यहाँ पौलुस कहते हैं कि वह और अन्य प्रेरित कूड़े और खुरचन जैसे हैं, जो दोनों ही शब्द कचरे को संदर्भित करते हैं। पौलुस इस तरह से बोलते हैं ताकि दिखा सकें कि जगत उन्हें और अन्य प्रेरितों को व्यर्थ, तुच्छ मानता है जैसे कचरा व्यर्थ होता है और उसे फेंक देना चाहिए। यदि आपकी भाषा में यह उपयोगी हो, तो आप इस उपमा के पीछे के विचार को एक तुलनीय छवि या सीधे तौर पर व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जगत की दृष्टि में हमारी कोई भी कीमत नहीं है" या "हम कचरे के ढेर जैसे हो गए हैं"

देखें: उपमा

### 1 कुरिन्थियों 4:13 (#5)

"जगत के कूड़े और सब वस्तुओं की खुरचन"

यहाँ पौलुस कचरे के लिए दो अलग-अलग शब्दों का उपयोग करते हैं। शब्द कूड़े उस वस्तु को दर्शाता है जिसे लोग साफ करने के बाद फेंक देते हैं। शब्द खुरचन उस गन्दगी या मैल को दर्शाता है जिसे लोग किसी वस्तु से पोंछकर या रगड़कर हटाते हैं। पौलुस इन दोनों अत्यंत मिलते-जुलते शब्दों का उपयोग इसलिए करते हैं ताकि यह जोर दिया जा सकें कि जगत सोचता है कि वह और अन्य प्रेरित कचरे की तरह हैं। यदि आपकी भाषा में इस तरह पुनरावृत्ति का उपयोग नहीं होता है, तो आप इन वाक्यांशों को मिला सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "सारे जगत का गंदा मैल"

देखें: द्विरावृत्ति (डबलेट)

### 1 कुरिन्थियों 4:13 (#6)

"जगत के कूड़े"

यहाँ पौलुस यह वर्णन करने के लिए स्वामित्व रूप का उपयोग करते हैं कि जगत किसे कूड़ा मानता है। यदि आपकी भाषा में यह उपयोगी हो, तो आप एक छोटा वाक्यांश जोड़कर यह स्पष्ट कर सकते हैं कि पौलुस और अन्य प्रेरित ही वे लोग हैं जिन्हें जगत कूड़ा समझता है। वैकल्पिक अनुवाद: "जिसे जगत कूड़ा मानता है"

देखें: स्वामित्व

### 1 कुरिन्थियों 4:13 (#7)

"जगत के"

जब पौलुस इस सन्दर्भ में जगत का उपयोग करते हैं, तो वह मुख्य रूप से उन सभी वस्तुओं को संदर्भित नहीं कर रहे हैं जो परमेश्वर ने बनाई हैं। बल्कि, वह जगत का उपयोग उन मनुष्यों को संदर्भित करने के लिए करते हैं जो यीशु में विश्वास नहीं करते हैं। यदि आपकी भाषा में यह उपयोगी हो, तो आप जगत को एक ऐसी अभिव्यक्ति के साथ व्यक्त कर सकते हैं जो सामान्य रूप से मनुष्यों को संदर्भित करती है। वैकल्पिक अनुवाद: "मनुष्यों के"

देखें: उपलक्षण

### 1 कुरिन्थियों 4:13 (#8)

"सब वस्तुओं की खुरचन"

यहाँ पौलुस स्वामित्व रूप का उपयोग करके खुरचन का वर्णन करते हैं जो: (1) सब वस्तुओं से आती है। वैकल्पिक अनुवाद: "सब वस्तुओं में की खुरचन" (2) सब लोग जिसे कचरा मानते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जिसे सभी लोग खुरचन मानते हैं"

देखें: स्वामित्व

### 1 कुरिन्थियों 4:13 (#9)

"आज तक"

यहाँ पौलुस इस वाक्य को उसी तरह प्रारम्भ करते हैं जैसे उन्होंने 4:11 में अपने वाक्य की शुरुआत की थी। पौलुस की संस्कृति में, वाक्यांश आज तक का अर्थ है कि पौलुस जिस बारे में बात कर रहे हैं वह ही रहा है और तब तक होता रहेगा जब तक वह इस पत्र को लिखते हैं। यदि आपकी भाषा में यह उपयोगी हो, तो आप इस वाक्यांश को एक तुलनीय मुहावरे के साथ व्यक्त कर सकते हैं या विचार को सीधे व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "अभी तक" "हर समय जब हम मसीह की सेवा करते हैं"

देखें: मुहावरा

## 1 कुरिन्थियों 4:14 (#1)

”

”मेरा तुम्हे लजित करने का उद्देश्य नहीं है, लेकिन तुम्हे सुधारने के लिए या ””मैं तुम्हें लजित करने का प्रयास नहीं कर रहा हूं, लेकिन मैं तुम्हे सुधारना चाहता हूं””

## 1 कुरिन्थियों 4:14 (#2)

”मैं तुम्हें लजित करने के लिये“

यहाँ, वाक्यांश मैं तुम्हें लजित करने के लिये यह दर्शाता है कि जिसे करने के लिए पौलुस ने नहीं लिखा। यदि आपके पाठक लजित करने के उद्देश्य के रूप में नहीं समझेंगे, तो आप ऐसा शब्द या वाक्यांश प्रयोग कर सकते हैं जो उद्देश्य को स्पष्ट रूप से इंगित करता हो। वैकल्पिक अनुवाद: ”तुम्हें शर्मिदा करने के लिए“

देखें: जोड़ें — लक्ष्य (उद्देश्य) सम्बन्ध

## 1 कुरिन्थियों 4:14 (#3)

”ये बातें“

यहाँ, ये बातें पौलुस द्वारा पहले से लिखी गई बातों को संदर्भित करती हैं, विशेष रूप से 4:6-13 पर ध्यान केन्द्रित करती है। यदि यह आपकी भाषा में उपयोगी हो, तो आप एक ऐसे शब्द या वाक्यांश का प्रयोग कर सकते हैं जो पौलुस द्वारा अभी-अभी लिखी गई बातों को संदर्भित करता है। वैकल्पिक अनुवाद: ”जो कुछ मैंने हम प्रेरितों और तुम्हारे बारे में कहा है“

देखें: सर्वनाम — उनका उपयोग कब करें

## 1 कुरिन्थियों 4:14 (#2)

”तुम्हें चिताता हूं“

किसी को बताएं कि वे जो कर रहे हैं गलत है और यह बुरी चीजें होने का कारण बनेंगे

## 1 कुरिन्थियों 4:14 (#3)

”अपने प्रिय बालक जानकर“

क्योंकि पौलुस कुरिन्थियों को मसीह के पास लाया था, वे उसके आन्तिक बच्चों की तरह हैं।

देखें: रूपक

## 1 कुरिन्थियों 4:15 (#1)

”यदि मसीह में तुम्हारे सिखानेवाले दस हजार भी होते“

यहाँ पौलुस एक सशर्त कथन कह रहे हैं, जो काल्पनिक लगता है, लेकिन वह पहले से ही आश्वस्त है कि यह शर्त सत्य नहीं है। उन्हें ज्ञात है कि कुरिन्थियों के पास दस हजार सिखानेवाले नहीं हैं, फिर भी वह यह बात इस उद्देश्य से कहते हैं ताकि जोर दिया जा सके कि चाहे वे कितने भी सिखानेवाले रखें, आन्तिक पिता केवल वही है। अपनी भाषा में एक ऐसी शर्त का परिचय देने के लिए स्वाभाविक रूप का उपयोग करें जिसे वक्ता सत्य नहीं मानते। वैकल्पिक अनुवाद: ”भले ही तुम्हारे पास मसीह में किसी तरह दस हजार सिखानेवाले होते“

देखें: जुड़ें — तथ्य के विपरीत स्थितियाँ

## 1 कुरिन्थियों 4:15 (#2)

”तुम्हारे सिखानेवाले दस हजार“

”यह उन्हें मार्गदर्शन करने वाले लोगों की संख्या का अतिशयोक्ति है ताकि आन्तिक पिता के महत्व पर जोर दें। वैकल्पिक अनुवाद: ”बहुत से संरक्षक“ या ”संरक्षकों की एक बड़ी भीड़“

देखें: अतिशयोक्ति

## 1 कुरिन्थियों 4:15 (#3)

”मसीह में“

यहाँ पौलुस स्थानिक रूपक मसीह में का उपयोग विश्वासियों की मसीह के साथ एकता का वर्णन करने के लिए करते हैं। इस मामले में, मसीह में होना, या मसीह के साथ एकजुट होना, यह दर्शा सकता है: (1) कि ये सिखानेवाले कुरिन्थियां की मसीह के साथ उनकी एकता में सहायता कर रहे हैं। वैकल्पिक अनुवाद: ”जो तुम्हे मसीह के साथ अधिक मजबूती से जोड़ने के लिए कार्य कर रहे हैं“ (2) यीशु में साथी विश्वासियों के रूप में सिखानेवाले। वैकल्पिक अनुवाद: ”जो मसीह में विश्वास करते हैं“

देखें: रूपक

## 1 कुरिन्थियों 4:15 (#4)

"तुम्हारे पिता बहुत से नहीं"

यहाँ पौलुस कुछ शब्द छोड़ देते हैं जो आपकी भाषा में एक पूर्ण विचार बनाने के लिए आवश्यक हो सकते हैं। अंग्रेजी में, ये शब्द आवश्यक हैं, इसलिए उन्हें यू.एल.टी. में कोष्ठकों में शामिल किया गया है। यदि आप इन शब्दों के बिना इस वाक्य का अनुवाद कर सकते हैं, तो आप यहाँ ऐसा कर सकते हैं। अन्यथा, आप इन शब्दों को वैसे ही रख सकते हैं जैसे वे यू.एल.टी. में दिखाई देते हैं।

देखें: पदलोप

## 1 कुरिन्थियों 4:15 (#5)

"तुम्हारे पिता बहुत से नहीं"

वैकल्पिक अनुवाद: "तुम्हारे पास केवल एक ही पिता है"

## 1 कुरिन्थियों 4:15 (#6)

"तुम्हारे पिता बहुत से नहीं, इसलिए कि मसीह यीशु में सुसमाचार के द्वारा मैं तुम्हारा पिता हुआ"

यहाँ पौलुस खुद को कुरिन्थ के विश्वासियों के लिए "पिता" के रूप में प्रस्तुत करते हैं। वह उनके पिता सुसमाचार के द्वारा बने, जिसका अर्थ है कि वह उनके आत्मिक पिता है। वही है जिन्होंने उन्हें सुसमाचार का प्रचार किया जब वे मसीह यीशु के साथ एकजुट हुए, और इस कारण से वही है जिन्होंने उन्हें जन्म दिया। यदि आपकी भाषा में यह उपयोगी हो तो आप यह स्पष्ट करते हुए व्यक्त कर सकते हैं कि पौलुस यहाँ "आत्मिक" पिता को संदर्भित करते हुए कैसे पिता के बारे में बोलते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "तुम्हारे आत्मिक पिता बहुत से नहीं; क्योंकि मैंने तुमको मसीह यीशु में सुसमाचार के माध्यम से आत्मिक रूप से जन्म दिया।"

देखें: बाइबल की अलंकृत भाषा - विस्तृत रूपक

## 1 कुरिन्थियों 4:15 (#2)

""

"पौलुस सबसे पहले जोर दे रहा है कि कुरिन्थियों के साथ उसका सम्बन्ध ""मसीह में"" सबसे महत्वपूर्ण है, दूसरी बात यह है कि ऐसा इसलिए हुआ क्योंकि उसने उन्हें सुसमाचार सुनाया, और तीसरा यह है कि वह उनके पिता की तरह है। वैकल्पिक अनुवाद: ""ऐसा इसलिए था क्योंकि परमेश्वर ने तुम्हे मसीह में जोड़ा जब मैंने तुम्हे सुसमाचार सुनाया, जिससे मैं तुम्हारा पिता बन गया"""

## 1 कुरिन्थियों 4:16 (#1)

"मेरी जैसी चाल चलो"

यदि आपकी भाषा में मेरी जैसी चाल के पीछे के विचार के लिए कोई भाववाचक संज्ञा नहीं होती है, तो आप "अनुकरण" जैसे क्रियात्मक शब्द का उपयोग करके विचार व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मेरा अनुकरण करो"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

## 1 कुरिन्थियों 4:17 (#1)

"इसलिए"

यहाँ, इसलिए पौलुस ने पिछले पद में जो कहा था, उसका सन्दर्भ देता है कि उनका अनुकरण करें। यदि आपकी भाषा में यह उपयोगी हो, तो आप स्पष्ट कर सकते हैं कि इसलिए पिछले पद का सन्दर्भ देता है। वैकल्पिक अनुवाद: "उस कारण से"

देखें: सर्वनाम — उनका उपयोग कब करें

## 1 कुरिन्थियों 4:17 (#2)

"मैंने ... भेजा है"

कभी-कभी, पौलुस भूतकाल भेजा का उपयोग उस व्यक्ति के सन्दर्भ में करते हैं जो पत्र को अपने गंतव्य तक पहुँचाता है। हालांकि, पौलुस बाद में तीमुथियुस के उनके पास आने की केवल एक संभावना के रूप में बात करते हैं (देखें: 16:10)। इसलिए, जिस यात्रा का पौलुस यहाँ उल्लेख करते हैं वह: (1) उस समय तक हो चुकी थी, जब पौलुस यह पत्र लिख रहे थे। तीमुथियुस कुरिन्थियों के पास जा रहे होंगे जब पौलुस यह पत्र लिख रहे थे, क्योंकि पौलुस भविष्य काल का उपयोग करते हैं यह बताने के लिए कि तीमुथियुस उन्हें पौलुस के तरीकों की स्मरण कराएगा। वैकल्पिक अनुवाद: "मैंने भेजा है" (2) जब तीमुथियुस उनके पास पत्र लाएँगे, उस समय वह उन्हें पौलुस के तरीकों की स्मरण कराएँगे। वैकल्पिक अनुवाद: "मैं भेज रहा हूँ"

## 1 कुरिन्थियों 4:17 (#1)

"प्रभु में मेरा प्रिय और विश्वासयोग्य पुत्र"

जिसे मैं प्यार करता हूँ और जिसे मैं परमेश्वर के बारे में सिखाता हूँ जैसे कि वह मेरा अपना बच्चा था

## 1 कुरिन्थियों 4:17 (#4)

"प्रभु में"

यहाँ पौलुस स्थानिक रूपक **प्रभु** में का उपयोग विश्वासियों की मसीह के साथ एकता का वर्णन करने के लिए करते हैं। इस मामले में, **प्रभु** में होना, या प्रभु के साथ संयुक्त होना, तीमुथियुस को ऐसे व्यक्ति के रूप में पहचानता है, जो **प्रभु** के साथ अपनी एकता में जो कुछ करने के लिए कहा जाता है, उसे विश्वासयोग्यता से पूरा करता है। वैकल्पिक अनुवाद: "प्रभु के साथ उनकी एकता में"

देखें: रूपक

## 1 कुरिन्थियों 4:17 (#5)

"मेरा चरित्र"

यहाँ पौलुस इस बारे में बात करते हैं कि वे कैसे रहते हैं और क्या करते हैं, जिसे **मेरा चरित्र** कहते हैं, जो उन मार्गों को सन्दर्भित करता है जिन पर पौलुस चलते हैं। इस प्रकार की बात पौलुस के व्यवहार को "चलने" के रूप में पहले से ही वर्णित करने से सम्बन्धित है (देखें: 3:3)। वाक्यांश **मेरा चरित्र** का अर्थ हो सकता है: (1) पौलुस कैसे सोचते और रहते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जिस तरीके से मैं रहता हूँ" (2) पौलुस द्वारा सोचने और जीने के तरीके के बारे में पालन किए जाने वाले सिद्धांत। वैकल्पिक अनुवाद: "जिन सिद्धांतों का मैं पालन करता हूँ"

देखें: रूपक

## 1 कुरिन्थियों 4:17 (#6)

"मसीह में"

यहाँ पौलुस स्थानिक रूपक **मसीह** में का उपयोग विश्वासियों की मसीह के साथ एकता का वर्णन करने के लिए करते हैं। इस सन्दर्भ में, **मसीह** में होना, या मसीह यीशु के साथ संयुक्त होना, पौलुस के **चरित्र** को उन तरीकों के रूप में वर्णित करता है जो मसीह यीशु के साथ संयुक्त लोगों के लिए उपयुक्त हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मसीह यीशु के साथ सम्बन्ध में जैसा उचित है"

देखें: रूपक

## 1 कुरिन्थियों 4:17 (#7)

"जैसे कि मैं ... उपदेश देता हूँ"

यहाँ पौलुस स्पष्ट रूप से यह नहीं बताते कि वे क्या सिखा रहे हैं। हालांकि, पिछले शब्दों से यह स्पष्ट है कि वे अपने **चरित्र** को सिखाते हैं, वही **चरित्र** जिसके बारे में तीमुथियुस उन्हें **स्मरण कराएगा**। यदि आपको यह स्पष्ट करने की आवश्यकता है कि पौलुस क्या सिखाते हैं, तो आप **चरित्र (मूल भाषा में मार्ग)** को स्पष्ट रूप से संदर्भित कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "वही मार्ग जो मैं सिखाता हूँ"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

## 1 कुरिन्थियों 4:17 (#8)

"हर जगह हर एक कलीसिया में"

यहाँ पौलुस ऐसा बोलते हैं जैसे उन्होंने **हर जगह** और **हर कलीसिया** का दौरा किया हो। कुरिन्थियों ने इसे पौलुस द्वारा देखी गई **हर जगह** और **हर कलीसिया** के सन्दर्भ में समझा होगा। यदि आपकी भाषा में यह उपयोगी हो, तो आप **हर जगह** और **हर कलीसिया** को स्पष्ट कर सकते हैं कि पौलुस **हर स्थान** और **कलीसिया** का दौरा कर चुके हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जहाँ भी मैं जाता हूँ और जिस भी कलीसिया का मैं दौरा करता हूँ"

देखें: अतिशयोक्ति

## 1 कुरिन्थियों 4:17 (#9)

"हर जगह हर एक कलीसिया में"

यहाँ, शब्द **हर जगह** और **हर कलीसिया** में बहुत समान अर्थ रखते हैं। पौलुस इस विचार को दोहराते हैं ताकि यह जोर दिया जा सके कि वह **मार्ग** हर कलीसिया में सिखाते हैं, न कि केवल कुरिन्थियों के बीच। यदि आपकी भाषा में इस तरह पुनरावृत्ति का उपयोग नहीं होता है, तो आप इन दोनों वाक्यांशों को एक में मिला सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "हर कलीसिया में"

देखें: द्विरावृत्ति (डबलेट)

## 1 कुरिन्थियों 4:18 (#1)

"आने ही का"

यह शब्द संकेत करता है कि पौलुस कुरिन्थियों के विश्वासियों के घमंडी व्यवहार को डांटने के लिए अपने विषय को बदल रहा है।

**1 कुरिन्थियों 4:18 (#2)****"कितने"**

शब्द **कितने** का अर्थ **कुछ** कुरिन्थ वासियों से है। यदि आपकी भाषा में यह उपयोगी हो, तो आप स्पष्ट कर सकते हैं कि **कितने** का अर्थ **कुछ** कुरिन्थ वासी विश्वासियों से है। वैकल्पिक अनुवाद: "तुम में से कुछ"

देखें: सर्वनाम — उनका उपयोग कब करें

**1 कुरिन्थियों 4:18 (#3)****"फूल गए हैं"**

यदि आपकी भाषा में निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं होता है, तो आप इस विचार को सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य स्वाभाविक तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। यदि यह बताना आवश्यक हो कि क्रिया कौन करता है, तो पौलुस यह संकेत करते हैं कि लोग स्वयं को "फुलाते" हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "स्वयं को फुला लेते हैं"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

**1 कुरिन्थियों 4:18 (#4)****"मानो"**

यहाँ पौलुस उनके **न आने** की बात को एक सम्भावना के रूप में प्रस्तुत करते हैं। हालांकि, वह आश्वस्त हैं कि यह सच नहीं है, क्योंकि वह उनके पास "आएँगे"। एक स्वाभाविक रूप का उपयोग करें जो यह दर्शाता हो कि वक्ता को विश्वास है कि यह सच नहीं है। वैकल्पिक अनुवाद: "जैसे कि"

देखें: जोड़ें — तथ्य के विपरीत स्थितियाँ

**1 कुरिन्थियों 4:18 (#5)****"मैं... आने ही का नहीं"**

यहाँ पौलुस अपनी भविष्य की यात्रा योजना के बारे में बात कर रहे हैं कि वह किसी समय पर कुरिन्थ वासियों से मिलने आएँगे। अपनी भाषा में एक ऐसा रूप उपयोग करें जो किसी से मिलने के लिए भविष्य की यात्रा योजनाओं को दर्शाता हो। वैकल्पिक अनुवाद: "मैं वहाँ नहीं आने वाला था जहाँ तुम रहते हो"

देखें: जाएँ और आएँ

**1 कुरिन्थियों 4:19 (#1)****"मैं तुम्हारे पास" - "आऊँगा"**

मैं तुमसे भेट करूँगा

**1 कुरिन्थियों 4:19 (#2)****"परन्तु (यदि) प्रभु चाहे तो मैं तुम्हारे पास शीघ्र ही आऊँगा"**

मूल भाषा में यहाँ **यदि** शब्द का उपयोग किया गया है, जबकि हिंदी अनुवाद में **परन्तु** शब्द का उपयोग हुआ है। यदि आपकी भाषा **यदि** कथन को पहले रखती है, तो आप इन दो खण्डों को पुनर्विवस्थित कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "यदि प्रभु चाहेंगे, तो मैं जल्द ही तुम्हारे पास आऊँगा!"

देखें: सूचना संरचना

**1 कुरिन्थियों 4:19 (#3)****"मैं तुम्हारे पास शीघ्र ही आऊँगा"**

यहाँ पौलुस कुरिन्थ वासियों से मिलने की अपनी योजना के बारे में बात कर रहे हैं। आप अपनी भाषा में एक ऐसे रूप का उपयोग करें जो किसी से मिलने की भविष्य की योजना को व्यक्त करता हो। वैकल्पिक अनुवाद: 'मैं वहाँ पहुँचूँगा जहाँ तुम रहते हो'

देखें: जाएँ और आएँ

**1 कुरिन्थियों 4:19 (#4)****"परन्तु प्रभु चाहे तो"**

यहाँ पौलुस कहते हैं कि वह केवल कुरिन्थ वासियों के पास यदि **प्रभु चाहे तो** ही आएँगे। उन्हें यह नहीं पता कि प्रभु की इच्छा "होगी" या नहीं। अपनी भाषा में एक ऐसा रूप प्रयोग करें जो एक सच्ची काल्पनिक स्थिति को दर्शाता है। वैकल्पिक अनुवाद: "केवल तभी, जब प्रभु चाहे तो, निश्चित रूप से"

देखें: जोड़ें — काल्पनिक स्थितियाँ

**1 कुरिन्थियों 4:19 (#5)****"बातों" - "उनकी सामर्थ्य"**

पौलुस की संस्कृति में **बातों** और **सामर्थ्य** के बीच का विरोधाभास सामान्य बात थी। इसका अर्थ था कि लोग बहुत

कुछ कह सकते हैं, परन्तु जरूरी नहीं कि वे वही कर सकें जो वे कहते हैं। यदि आपकी भाषा में "बात" और "कर्म" के बीच इस अंतर को व्यक्त करने का कोई तरीका है, तो आप इसे यहाँ उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "बातें ... उनके कर्म"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

## 1 कुरिन्थियों 4:19 (#6)

### "उन फूले हुओं की बातों को"

यहाँ, बातों शब्द उन बातों का प्रतिनिधित्व करता है जो कोई व्यक्ति कहता है। यदि आपकी भाषा में यह उपयोगी हो, तो आप बातों को एक समकक्ष अभिव्यक्ति या साधारण भाषा में व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "ये घमण्ड से फूले हुए लोग क्या कहते हैं"

देखें: लक्षणालंकार

## 1 कुरिन्थियों 4:19 (#7)

### "उन फूले हुओं की बातों को"

यदि आपकी भाषा में इस प्रकार से निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं होता है, तो आप इस विचार को सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य स्वाभाविक तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। यदि आपको यह बताना आवश्यक है कि क्रिया कौन करता है, तो पौलुस यह संकेत देते हैं कि लोग स्वयं को "फुलाते" हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "उन लोगों की बात जो अपने घमण्ड में फूल गए हैं"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

## 1 कुरिन्थियों 4:19 (#8)

### "उनकी सामर्थ्य"

यदि आपकी भाषा में सामर्थ्य के पीछे के विचार के लिए कोई भाववाचक संज्ञा नहीं है, तो आप इस विचार को व्यक्त करने के लिए "शक्तिशाली" जैसे विशेषण का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "वे कितने शक्तिशाली हैं" या "उनके शक्तिशाली कार्य"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

## 1 कुरिन्थियों 4:20 (#1)

### "क्योंकि परमेश्वर का राज्य बातों में नहीं, परन्तु सामर्थ्य में है"

यहाँ पौलुस इस तरह बोलते हैं जैसे परमेश्वर का राज्य बातों में नहीं, बल्कि सामर्थ्य में विद्यमान है। इसका अर्थ है कि परमेश्वर का राज्य इस बात में नहीं है कि लोग क्या कहते हैं, बल्कि इस बात में है कि वे क्या करते हैं। दूसरे शब्दों में कहें तो, बातों, या लोग जो कहते हैं, वह अपने आपमें लोगों को परमेश्वर के राज्य का हिस्सा नहीं बनाता। बल्कि, यह परमेश्वर की सामर्थ्य है जो लोगों के लिए और उनके माध्यम से कार्य करती है ताकि वे परमेश्वर के राज्य का हिस्सा बन सकें। यदि आपकी भाषा में यह उपयोगी हो, तो आप इस अलंकार को एक तुलनीय रूपक के साथ व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "परमेश्वर का राज्य बातों में नहीं बल्कि सामर्थ्य में है" या "परमेश्वर का राज्य बातों के बारे में नहीं बल्कि सामर्थ्य के बारे में है"

देखें: रूपक

## 1 कुरिन्थियों 4:20 (#2)

### "बातों में नहीं, परन्तु सामर्थ्य में"

पौलुस की संस्कृति में बातों और सामर्थ्य के बीच का विरोध स्पष्ट रूप से समझा जाता था। इसका अर्थ था कि लोग बहुत सी बातें कह सकते हैं, परन्तु वे हमेशा वह नहीं कर सकते जो वे कहते हैं कि वे कर सकते हैं। यदि आपकी भाषा में 'बात और काम' के बीच इस अंतर को प्रकट करने का कोई स्वाभाविक तरीका है, तो आप उसका प्रयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "बातों में नहीं बल्कि कर्मों में"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

## 1 कुरिन्थियों 4:20 (#3)

### "बातों"

यहाँ, बातों उस बात का प्रतिनिधित्व करता है जो कोई व्यक्ति शब्दों में व्यक्त करता है। यदि यह आपकी भाषा में उपयोगी हो, तो आप बातों को एक समकक्ष अभिव्यक्ति या सरल भाषा में व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जो लोग कहते हैं"

देखें: लक्षणालंकार

**1 कुरिन्थियों 4:20 (#4)****"सामर्थ"**

यदि आपकी भाषा में **सामर्थ** के पीछे के विचार के लिए कोई भाववाचक संज्ञा नहीं है, तो आप इस विचार को किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "शक्तिशाली कार्य" या "जो काम लोग सामर्थ के साथ करते हैं"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

**1 कुरिन्थियों 4:21 (#1)****"तुम क्या चाहते हो"**

"पौलुस कुरिन्थियों से आखिरी निवेदन कर रहा था, क्योंकि वह उनकी गलतियों के लिए उन्हें डांट रहा है। वैकल्पिक अनुवाद: ""मुझे बताओ कि अब तुम क्या करना चाहते हो"""

देखें: आलंकारिक प्रश्न

**1 कुरिन्थियों 4:21 (#2)**

""

"पौलुस कुरिन्थियों के सामने दो विरोधी दृष्टिकोणों को पेश कर रहा है जो वह उनके पास आने पर उपयोग कर सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: ""यदि तुम चाहो, तो मैं तुम्हे दंडित करने के लिए आ सकता हूँ, या मैं तुम्हारे साथ सभ्य होकर तुम्हें यह दिखा सकता हूँ कि मैं तुम से कितना प्यार करता हूँ""

देखें: आलंकारिक प्रश्न

**1 कुरिन्थियों 4:21 (#3)****"क्या मैं ... तुम्हारे पास आऊँ"**

यहाँ पौलुस अपनी भविष्य की यात्रा की योजना के बारे में बता रहे हैं कि वह किसी समय पर कुरिन्थ वासियों से मिलने आएँगे। अपनी भाषा में उस रूप का उपयोग करें जो किसी से मिलने के लिए भविष्य की यात्रा की योजना को दर्शाता है। वैकल्पिक अनुवाद: "क्या मैं वहाँ आऊँ जहाँ तुम रहते हो"

देखें: जाँच और आँख

**1 कुरिन्थियों 4:21 (#4)****"छड़ी लेकर"**

पौलुस छड़ी लेकर आने की बात करते हैं जैसे कि वह कुरिन्थ वासियों को शारीरिक रूप से पीटने जा रहे हैं ताकि वे उनकी बात सुनना सीखें। यह रूपक 4:14-15 में स्वयं को "पिता" के रूप में वर्णित करने के तरीके को जारी रख सकता है, क्योंकि पिता अपने बच्चों को शारीरिक रूप से छड़ी के साथ दण्डित कर सकते थे यदि वे आज्ञा का पालन नहीं करते थे। इस प्रकार से बोलकर, पौलुस अनुशासन या दण्ड का उल्लेख करते हैं, परन्तु वह जिस अनुशासन की धमकी देते हैं, वह शारीरिक नहीं होगा। यदि आपकी भाषा में यह उपयोगी हो, तो आप इस अलंकार को अनुशासन या दण्ड का वर्णन करने वाले शब्द या वाक्यांश के साथ व्यक्त कर सकते हैं, या आप इस विचार को स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "तुम्हे दण्डित करने के लिए" या "कड़ी फटकार के साथ"

देखें: रूपक

**1 कुरिन्थियों 4:21 (#5)****"प्रेम ... के साथ"**

यदि आपकी भाषा में **प्रेम** के पीछे के विचार के लिए कोई भाववाचक संज्ञा नहीं है, तो आप इस विचार को "प्रेमपूर्वक" जैसे क्रिया विशेषण या "प्रेम" जैसी क्रिया का उपयोग करके व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "क्या मैं तुमसे प्रेम करूँ"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

**1 कुरिन्थियों 4:21 (#6)****"नम्रता की आत्मा"**

यहाँ पौलुस एक **आत्मा** का वर्णन करते हैं जो **नम्रता** से विशेषित है। यदि आपकी भाषा इस विचार को व्यक्त करने के लिए स्वामित्व रूप का उपयोग नहीं करती है, तो आप **नम्रता** को एक विशेषण के रूप में अनुवाद करके इस विचार को व्यक्त कर सकते हैं, जैसे "कोमल।" वैकल्पिक अनुवाद: "एक कोमल आत्मा"

देखें: स्वामित्व

**1 कुरिन्थियों 4:21 (#7)****"आत्मा"**

यहाँ **आत्मा** का अर्थ परमेश्वर का पवित्र आत्मा नहीं है, बल्कि यह पौलुस की आत्मा को संदर्भित करता है। पौलुस की संस्कृति में किसी चीज़ की **आत्मा** के रूप में किसी व्यक्ति के

रवैये (दृष्टिकोण) का वर्णन करने का एक तरीका है जो उस चीज़ की विशेषता है। यहाँ, पौलुस एसे रवैये के बारे में बात करते हैं जो कोमल है। यदि आपकी भाषा में यह उपयोगी हो, तो आप **आत्मा** को "रवैया" जैसे शब्द के साथ व्यक्त कर सकते हैं ताकि विचार को स्पष्ट किया जा सके। वैकल्पिक अनुवाद: "एक रवैया"

देखें: अज्ञातों का अनुवाद करें

### 1 कुरिन्थियों 4:21 (#3)

"नम्रता की"

"दयालुता से या ""कोमलता से"""

### 1 कुरिन्थियों 5:1 (#1)

"यहाँ तक सुनने में आता है"

इस भाग में, **यहाँ तक** का अर्थ हो सकता है: (1) इस बात पर ज़ोर देना कि कुछ वास्तव में सच है। वैकल्पिक अनुवाद: "यह वास्तव में बताया गया है कि" (2) इस बात पर ज़ोर देना कि बहुत से लोग जानते हैं कि कुरिन्थ की कलीसिया में क्या हो रहा है। वैकल्पिक अनुवाद: "यह हर जगह बताया गया है कि" या "यह कई लोगों द्वारा बताया गया है कि"

देखें: अज्ञातों का अनुवाद करें

### 1 कुरिन्थियों 5:1 (#2)

"यहाँ तक सुनने में आता है"

यहाँ पौलुस जानबूझकर निष्क्रिय रूप का उपयोग करते हैं ताकि यह न बताना पड़े कि उन्हें **व्यभिचार** के बारे में किसने बताया। यदि आपकी भाषा में इस निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं किया जाता है, तो आप पौलुस को क्रिया का विषय बनाकर या किसी ऐसे रूप का उपयोग करके विचार व्यक्त कर सकते हैं, जैसे कि "सीखना" या किसी ऐसे या किसी ऐसे रूप का उपयोग करके जिसमें किसी व्यक्ति का नाम न लिखा हो। वैकल्पिक अनुवाद: "कुछ लोगों ने वास्तव में मुझे बताया है कि"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

### 1 कुरिन्थियों 5:1 (#2)

""

"इसे सक्रिय रूप में कहा जा सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: ""कि गैर-यहूदी भी अनुमति नहीं देते""

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

### 1 कुरिन्थियों 5:1 (#4)

"जो अन्यजातियों में भी नहीं होता"

जबकि पौलुस स्पष्ट रूप से यह नहीं कहते कि यह **व्यभिचार** अन्यजातियों में क्यों नहीं है, कुरिन्थियों ने समझ लिया होगा कि उनका मतलब है कि **अन्यजाति** इस तरह के व्यवहार की अनुमति नहीं देते हैं और कानून या सामाजिक व्यवहार द्वारा इसे प्रतिबंधित करते हैं। यदि यह जानकारी आपकी भाषा में निहित नहीं होगी, तो आप एक शब्द या वाक्यांश शामिल कर सकते हैं जो इंगित करता है कि पौलुस इस तरह की **व्यभिचार** के प्रति **अन्यजातियों** के रवैये को संदर्भित करते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जिससे अन्यजाति भी बचते हैं" या "जिससे अन्यजाति भी घबराते हैं"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

### 1 कुरिन्थियों 5:1 (#5)

"अन्यजातियों"

यहाँ पौलुस ने **अन्यजातियों** शब्द का उपयोग मुख्य रूप से गैर-यहूदियों के लिए नहीं करते हैं, क्योंकि कलीसिया में गैर-यहूदी सदस्य भी थे। बल्कि, पौलुस **अन्यजाति** शब्द का उपयोग उन लोगों का वर्णन करने के लिए करते हैं जो सच्चे परमेश्वर की आराधना नहीं करते हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप **अन्यजाति** को एक ऐसे शब्द या वाक्यांश के साथ व्यक्त कर सकते हैं जो उन लोगों की पहचान करता है जो परमेश्वर की आराधना या सेवा नहीं करते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मूर्तिपूजक"

देखें: अज्ञातों का अनुवाद करें

### 1 कुरिन्थियों 5:1 (#3)

""

आप में से एक आदमी अपने पिता की पत्नी के साथ व्यभिचार कर रहा है

### 1 कुरिन्थियों 5:1 (#4)

"अपने पिता की पत्नी को"

उसके पिता की पत्नी, लेकिन संभवतः उसकी माँ नहीं

### 1 कुरिन्यियों 5:2 (#1)

#### "परन्तु घमण्ड करते हो"

यदि आपकी भाषा इस प्रकार निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं करती है, तो आप इस विचार को सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं जो स्वाभाविक है। यदि आपको यह बताना आवश्यक है कि क्रिया कौन करता है, तो पौलुस का अर्थ है कि तुम स्वयं को "घमण्ड" करते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "आप स्वयं घमण्ड करते हैं"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

### 1 कुरिन्यियों 5:2 (#2)

#### "जिससे ऐसा काम करनेवाला तुम्हारे बीच में से निकाला जाता"

यहाँ, जिससे निम्नलिखित को प्रस्तुत कर सकता है: (1) "शोक" के लिए एक उद्देश्य। वैकल्पिक अनुवाद: "ताकि जिसने यह काम किया है उसे हटाया जा सके (2) एक आदेश। यदि आप निम्नलिखित वैकल्पिक अनुवाद का उपयोग करते हैं, तो आपको इसके पहले एक अवधि जोड़ने की आवश्यकता हो सकती है। वैकल्पिक अनुवाद: "जिसने यह काम किया है उसे हटाया जाना चाहिए"

देखें: जोड़ें — लक्ष्य (उद्देश्य) सम्बन्ध

### 1 कुरिन्यियों 5:2 (#2)

#### "ऐसा काम करनेवाला तुम्हारे बीच में से निकाला जाता"

"इसे सक्रिय रूप में कहा जा सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: ""तुम्हे उस व्यक्ति को हटा देना चाहिए जिसने ऐसा तुम्हारे मध्य किया है"""

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

### 1 कुरिन्यियों 5:2 (#4)

#### "जिससे ऐसा काम करनेवाला"

पौलुस की संस्कृति में, किसी कार्य को करने के लिए काम और करनेवाला दोनों का उपयोग करना सामान्य था। यदि आपकी भाषा में यहाँ काम और करनेवाला दोनों का उपयोग नहीं होता, तो आप इन दो शब्दों में से किसी एक के

साथ विचार व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जिसने यह किया" या "जिसने यह कार्य किया"

देखें: द्विरावृत्ति

### 1 कुरिन्यियों 5:2 (#5)

#### "तुम्हारे बीच में से निकाला जाता"

जब किसी को एक समूह के बीच में से निकाला जाता है, तो इसका अर्थ है कि वह व्यक्ति अब उस समूह का सदस्य नहीं है। यदि आपकी भाषा में किसी समूह के सदस्य को निष्कासित करने के लिए कोई विशिष्ट शब्द या वाक्यांश है, तो आप उसका उपयोग यहाँ कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "आपके समूह से प्रतिबंधित किया जा सकता है"

देखें: मुहावरा

### 1 कुरिन्यियों 5:3 (#1)

#### {क्योंकि} "मैं तो"

यहाँ, मूल भाषा में शब्द 'क्योंकि' उस कारण का परिचय देता है कि क्यों उस व्यक्ति को जिसने व्यभिचार किया है, "तुम्हारे बीच में से निकाला जाता" (5:2)। कारण यह है कि पौलुस ने पहले ही उस पर न्याय कर चुका है, और इसलिए कुरिन्यियों को दण्ड लागू करना चाहिए। अपने भाषा में एक ऐसा शब्द या वाक्यांश प्रयोग करें जो कारण प्रस्तुत करता है। वैकल्पिक अनुवाद: "उसे हटाया जाना चाहिए क्योंकि"

देखें: जोड़ें — कारण-और-परिणाम सम्बन्ध

### 1 कुरिन्यियों 5:3 (#2)

#### "शरीर के भाव से दूर था"

पौलुस की संस्कृति में, शरीर के भाव से दूर व्यक्तिगत रूप से उपस्थित न होने के बारे में बोलने का एक आलंकारिक तरीका है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप शरीर के भाव से दूर को एक तुलनीय अभिव्यक्ति के साथ व्यक्त कर सकते हैं या विचार को सीधे अनुवाद कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "आपके साथ न होना"

देखें: मुहावरा

### 1 कुरिन्यियों 5:3 (#1)

#### "आत्मा के भाव से तुम्हारे साथ होकर"

"मैं तुम्हारे साथ आत्मा मैं हूँ। आत्मा मैं उनके साथ होना उनकी देखभाल करना या उनके साथ रहने की चाह को दर्शाता है। वैकल्पिक अनुवाद: ""मुझे तुम्हारी चिंता है"" या ""मैं तुम्हारे साथ रहना चाहता हूँ""

### 1 कुरिन्थियों 5:3 (#4)

**"आत्मा के भाव से"**

यहाँ, आत्मा का अर्थ हो सकता है: (1) पौलुस की आत्मा, जो उनके उस हिस्से को दर्शाती है जो दूर से कुरिन्थियों के साथ जुड़ता है। वैकल्पिक अनुवाद: "मेरी आत्मा मैं" (2) पवित्र आत्मा, जो पौलुस को कुरिन्थियों के साथ जोड़ती है, भले ही वे शारीरिक रूप से साथ न हों। वैकल्पिक अनुवाद: "परमेश्वर की आत्मा मैं" या "परमेश्वर की आत्मा की शक्ति द्वारा"

### 1 कुरिन्थियों 5:3 (#2)

**"ऐसे काम करनेवाले के विषय में न्याय कर चुका हूँ"**

"संभावित अर्थ 1) ""मैंने तय किया है कि तुमको उसके साथ जिसने ऐसा किया है क्या करना चाहिए"" या 2) ""मैंने उस व्यक्ति को दोषी पाया जिसने यह किया"""

### 1 कुरिन्थियों 5:3 (#6)

**"न्याय कर चुका हूँ"**

यदि आपकी भाषा में न्याय के पीछे के विचार के लिए एक भाववाचक संज्ञा का उपयोग नहीं होता है, तो आप "न्याय कर चुका" के बजाय "न्याय" जैसी क्रिया का उपयोग करके विचार व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "पहले ही न्याय कर चुके हैं"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

### 1 कुरिन्थियों 5:3 (#7)

**"ऐसे काम करनेवाले"**

पौलुस उस व्यक्ति के अपनी सौतेली माँ के साथ यौन संबंध बनाने के बदसूरत विवरण को दोहराना नहीं चाहते। इसके बजाय, वह पहले कहीं गई बातों का संदर्भ देते हुए उस व्यक्ति के बारे में संकेत करते हैं। यदि संभव हो, तो अपने अनुवाद में पौलुस द्वारा पाप के विवरण को दोहराने से बचने के तरीके को बनाए रखें। आप पौलुस की तरह अस्पष्ट भाषा का उपयोग कर सकते हैं, या आप इसी तरह के मंगल भाषण का

उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "वह व्यक्ति जिसने यह पाप किया"

देखें: मंगल भाषण

### 1 कुरिन्थियों 5:3 (#8)

**"मानो उपस्थिति की दशा में"**

यहाँ पौलुस एक शर्तीय कथन देते हैं जो काल्पनिक लग सकता है, लेकिन जिसे वे जानते हैं कि सत्य नहीं है। वे जानते हैं कि वे उनके साथ उपस्थित नहीं हैं, लेकिन वे यह जोर देना चाहते हैं कि उनका न्याय उतना ही प्रभावी है मानो वे उपस्थित हों। अपनी भाषा में ऐसी स्थिति के लिए स्वाभाविक रूप का उपयोग करें जिसे वक्ता सत्य नहीं मानते। वैकल्पिक अनुवाद: "भले ही मैं अनुपस्थित हूँ"

देखें: जोड़ें — तथ्य के विपरीत स्थितियाँ

### 1 कुरिन्थियों 5:4 (#1)

**"तुम, और मेरी आत्मा" - "साथ इकट्ठे हों"**

वाक्यांश तुम, और मेरी आत्मा, इकट्ठे हों वह समय और स्थिति बताता है जिसमें कुरिन्थियों को इस पुरुष को "शैतान को सौंप" देना चाहिए ([5.5](#))। यदि यह वाक्यांश आपकी भाषा में समय या स्थिति का संकेत नहीं देता है, तो आप ऐसा शब्द या वाक्यांश उपयोग कर सकते हैं जो समय या स्थिति का संकेत देता है। वैकल्पिक अनुवाद: "उन समयों में से एक जब आप और मेरी आत्मा इकट्ठे हुए हैं"

देखें: जोड़े — समकालिक समय सम्बन्ध

### 1 कुरिन्थियों 5:4 (#1)

---

"जब तुम एक साथ होते हो या ""जब तुम एक साथ मिलते हो"""

### 1 कुरिन्थियों 5:4 (#2)

**"तो ऐसा मनुष्य, हमारे प्रभु यीशु के नाम से"**

"संभावित अर्थ 1) प्रभु यीशु का नाम एक अलंकार है जो उनके अधिकार को दर्शाता है। वैकल्पिक अनुवाद: ""हमारे प्रभु यीशु के अधिकार के साथ"" या 2) परमेश्वर के नाम में इकट्ठे होने का अर्थ है उनकी आराधना करने के लिए मिलना।

वैकल्पिक अनुवाद: ""हमारे प्रभु यीशु की आराधना करने के लिए""

देखें: प्रतिन्यास

## 1 कुरिन्थियों 5:4 (#4)

"तुम, और मेरी आत्मा, हमारे प्रभु यीशु की सामर्थ्य के साथ इकट्ठे हों"

वाक्यांश हमारे प्रभु यीशु की सामर्थ्य के साथ को संशोधित किया जा सकता है: (1) कैसे वे **इकट्ठे हों**. वैकल्पिक अनुवाद: "आप और मेरी आत्मा, हमारे प्रभु यीशु मसीह के नाम में इकट्ठे हुए हैं" (2) कैसे पौलुस ने [5:3](#) में "न्याय" कर चुके हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मैंने यह न्याय हमारे प्रभु यीशु मसीह के नाम में सुनाया है। आप और मेरी आत्मा, इकट्ठे हुए हैं,"

देखें: सूचना संरचना

## 1 कुरिन्थियों 5:4 (#5)

"और मेरी आत्मा"

ठीक वैसे ही जैसे [5:3](#) में है, पौलुस अपनी "आत्मा" के बारे में बात करते हैं। ठीक वैसे ही जैसे वहाँ, पौलुस की **आत्मा** का उनके साथ **इकट्ठा** होना यह बताने का एक लाक्षणिक तरीका है कि पौलुस उनके बारे में कैसे सोचते हैं और उनकी परवाह करते हैं। यहाँ, इसका अतिरिक्त अर्थ यह है कि जब वे **इकट्ठे** होते हैं तो जो कुछ भी करते हैं वह पौलुस के अपने अधिकार को दर्शाता है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप **मेरी आत्मा** के पीछे के विचार को एक तुलनीय रूपक या सीधे तौर पर व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और मेरे विचार" या "मेरे अधिकार के साथ"

देखें: मुहावरा

## 1 कुरिन्थियों 5:4 (#6)

"मेरी आत्मा"

यहाँ, **मेरी आत्मा** का अर्थ हो सकता है: (1) पौलुस की **आत्मा**, जो उनके उस हिस्से का प्रतिनिधित्व करती है जो दूर से कुरिन्थियों से जुड़ता है। वैकल्पिक अनुवाद: "मेरी अपनी आत्मा" (2) पवित्र आत्मा, जो पौलुस को कुरिन्थियों से जोड़ती है, भले ही वे शारीरिक रूप से साथ न हों। वैकल्पिक अनुवाद: "परमेश्वर की आत्मा में मेरा हिस्सा" या "मैं, परमेश्वर की आत्मा की शक्ति द्वारा"

## 1 कुरिन्थियों 5:4 (#7)

"हमारे प्रभु यीशु की सामर्थ्य के साथ"

यदि आपकी भाषा में **सामर्थ्य** के पीछे के विचार के लिए कोई भाववाचक संज्ञा नहीं है, तो आप इस विचार को "सशक्त करना" या "अधिकार देना" जैसे क्रिया का उपयोग करके व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जैसे लोग जो हमारे प्रभु यीशु द्वारा सशक्त किए गए हैं" या "जैसे लोग जिन्हें हमारे प्रभु यीशु ने सशक्त किया है"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

## 1 कुरिन्थियों 5:5 (#1)

"सौंपा जाए"

मूल भाषा में व्यक्ति को सौंपने का स्पष्ट उल्लेख शामिल है। वाक्यांश **सौंपा जाए** उस दण्ड को दर्शाता है जो उस निर्णय के साथ जुड़ा है जो पौलुस ने तब लिया जब उन्होंने उसका "न्याय" किया ([5:3](#))। यदि संभव हो, तो इस पुरुष को **सौंपा जाए** को पौलुस द्वारा उसे "पहले ही न्याय" करने के परिणाम या निहितार्थ के रूप में व्यक्त करें। वैकल्पिक अनुवाद: "चूँकि मैंने इस आदमी को दोषी घोषित कर दिया है, इसलिए इसे सौंप दो"

देखें: सूचना संरचना

## 1 कुरिन्थियों 5:5 (#1)

"शैतान को सौंपा जाए"

"मनुष्य को शैतान के पास सौंपना दर्शाता है कि मनुष्य को अपने समूह का हिस्सा बनने की अनुमति नहीं देना ताकि शैतान को उसे नुकसान पहुंचाने की अनुमति दी जा सके। वैकल्पिक अनुवाद: ""इस आदमी से अपना समूह छुड़वा दें ताकि शैतान उसे नुकसान पहुंचा सके""

देखें: रूपक

## 1 कुरिन्थियों 5:5 (#3)

"शरीर के विनाश के लिये"

यहाँ, **के लिये** "इस पुरुष को शैतान के हवाले करने" के परिणाम को प्रस्तुत करता है। यदि **के लिये** आपकी भाषा में परिणाम को इंगित नहीं करता है, तो एक ऐसा शब्द या वाक्यांश का उपयोग करें जो परिणाम को प्रस्तुत करता है। वैकल्पिक अनुवाद: "जिसके परिणामस्वरूप उसका शरीर नष्ट हो जाता है"

देखें: जोड़ें — कारण-और-परिणाम सम्बन्ध

## 1 कुरिन्थियों 5:5 (#2)

"शरीर के विनाश के लिये"

"संभावित अर्थ 1) ""शरीर"" उसके भौतिक शरीर को सम्बोधित करता है। वैकल्पिक अनुवाद: ""ताकि शैतान उसके शरीर को नुकसान पहुंचा सके"" या 2) ""शरीर"" पापी प्रकृति के लिए एक रूपक है। वैकल्पिक अनुवाद: ""ताकि उसकी पापी प्रकृति नष्ट हो जाए"" या ""ताकि वह अपनी पापी प्रकृति के अनुसार जीता न रहे""

देखें: रूपक

## 1 कुरिन्थियों 5:5 (#5)

"शरीर के विनाश के लिये"

यहाँ पौलुस ने शरीर के विनाश होगा यह स्पष्ट करने के लिए स्वामित्व रूप का उपयोग करते हैं। यदि आपकी भाषा इस विचार को व्यक्त करने के लिए इस रूप का उपयोग नहीं करती है, तो आप विनाश को "नष्ट करना" जैसे क्रिया के साथ अनुवाद कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "शरीर को नष्ट करना"

देखें: स्वामित्व

## 1 कुरिन्थियों 5:5 (#6)

"शरीर के विनाश के लिये"

यदि आपकी भाषा में विनाश के पीछे के विचार के लिए कोई भाववाचक संज्ञा नहीं है, तो आप इस विचार को "नष्ट करना" जैसी क्रिया का उपयोग करके व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "शरीर का नाश करना"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

## 1 कुरिन्थियों 5:5 (#7)

"ताकि"

जबकि शरीर के विनाश के लिये "सौंपने" का परिणाम है, शब्द ताकि "सौंपने" के उद्देश्य को प्रस्तुत करता है। अपनी भाषा में एक ऐसा शब्द या वाक्यांश प्रयोग करें जो उद्देश्य प्रस्तुत करता हो। वैकल्पिक अनुवाद: "इस उद्देश्य से कि" या "लक्ष्य के साथ कि"

देखें: जोड़ें — लक्ष्य (उद्देश्य) सम्बन्ध

## 1 कुरिन्थियों 5:5 (#3)

"ताकि उसकी आत्मा प्रभु यीशु के दिन में उद्धार पाए"

"इसे सक्रिय रूप में कहा जा सकता है। वैकल्पिक अनुवाद:

"ताकि परमेश्वर प्रभु के दिन उसकी आत्मा को बचा सकें"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

## 1 कुरिन्थियों 5:5 (#9)

"उसकी आत्मा"

यहाँ, आत्मा उस व्यक्ति के उन हिस्सों को संदर्भित करता है जो शरीर नहीं हैं। इसलिए, आत्मा व्यक्ति का केवल गैर-भौतिक हिस्सा नहीं है, बल्कि यह उसके पापों और कमज़ोरियों से अलग पूरे व्यक्ति का संदर्भ है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप आत्मा के उस अर्थ को एक शब्द या वाक्यांश के साथ व्यक्त कर सकते हैं जो पूरे व्यक्ति के उद्धार को संदर्भित करता है। वैकल्पिक अनुवाद: "वह" या "उसके प्राण"

देखें: अज्ञातों का अनुवाद करें

## 1 कुरिन्थियों 5:5 (#10)

"प्रभु यीशु के दिन में"

यहाँ पौलुस "प्रभु यीशु के दिन शब्दों का उपयोग उसी तरह करते हैं जैसे पुराना नियम करता है: एक घटना का उल्लेख करने के लिए जिसमें परमेश्वर अपने लोगों को बचाते हैं और अपने दुश्मनों को दंडित करते हैं। पौलुस विशेष रूप से उस घटना का उल्लेख करते हैं जिसमें यीशु सभी का न्याय करने के लिए लौटते हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप प्रभु यीशु के दिन का अनुवाद अधिक शब्दों को शामिल करके कर सकते हैं जो स्पष्ट करते हैं कि पौलुस दिन से क्या मतलब रखते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जिस दिन प्रभु लौटेंगे" या "जब प्रभु सभी का न्याय करने आएंगे"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित ज्ञानकारी

## 1 कुरिन्थियों 5:6 (#1)

"

तुम्हारा घमंड बुरा है

## 1 कुरिन्थियों 5:6 (#2)

"थोड़ा सा खमीर पूरे गुঁधे हुए आटे को खमीर कर देता है"

5:6-8 में, पौलुस खमीर और "आटा" के बारे में चर्चा करते हैं। पद 7-8 यह स्पष्ट करते हैं कि पौलुस "फसह" के बारे में विचार कर रहे हैं। इस यहूदी त्योहार में, लोग अपने घरों से सभी खमीर को हटा देते थे और केवल ऐसा आटा बनाते थे जो किण्वित नहीं होता था ("अखमीरी रोटी")। निर्गमन 12:1-28 देखें। इस पद में, खमीर एक अच्छी चीज़ का प्रतिनिधित्व नहीं करता है। बल्कि, इसे घर से हटाया जाना चाहिए, क्योंकि जो भी खमीर बचा होगा वह पूरे रोटी को "खमीरित" कर देगा। यदि आपकी भाषा में खमीर को आटे में मिलाने पर बुरी चीज़ नहीं माना जाता है, तो आप एक शब्द या वाक्यांश शामिल कर सकते हैं जो यह संकेत देता है कि आटे में खमीर नहीं होना चाहिए। वैकल्पिक अनुवाद: "थोड़ा सा खमीर पूरे रोटी को खमीरित कर देता है जो अखमीरी होना चाहिए"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

## 1 कुरिन्थियों 5:6 (#3)

"क्या तुम नहीं जानते, कि थोड़ा सा खमीर पूरे गुँधे हुए आटे को खमीर कर देता है"

पौलुस यह प्रश्न इसलिए नहीं पूछते क्योंकि वे जानकारी या सहमति या असहमति की तलाश में हैं। बल्कि, वे इसे इसलिए पूछते हैं ताकि कुरिन्थियों को उस बात में शामिल कर सकें जिसके लिए वे तर्क कर रहे हैं, उन्हें कुछ याद दिलाकर जो उन्हें पहले से पता होना चाहिए। प्रश्न में यह मान लिया गया है कि इसका उत्तर "हाँ" है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप इस प्रश्न के पीछे के विचार को एक जोरदार कथन के साथ व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "आप जानते हैं कि थोड़ा सा खमीर पूरी रोटी को खमीर कर देता है!"

देखें: आलंकारिक प्रश्न

## 1 कुरिन्थियों 5:6 (#2)

"क्या तुम नहीं जानते, कि थोड़ा सा खमीर पूरे गुँधे हुए आटे को खमीर कर देता है"

जैसे थोड़ा खमीर पूरी रोटी में फैलता है, इसी प्रकार थोड़ा पाप विश्वासियों की पूरी संगति को प्रभावित कर सकता है। (देखें: )

देखें: रूपक

## 1 कुरिन्थियों 5:7 (#1)

""

जैसे कि 5:6 और 5:8 में, पौलुस यहूदियों के फसह के पर्व के बारे में विचार कर रहे हैं। इस पर्व के दौरान, लोग अपने घरों से सभी खमीर को हटा देते थे और केवल अखमीरी रोटी बनाते थे, अर्थात् ऐसी रोटी जो किण्वित नहीं होती थी। इसके अतिरिक्त, एक मेस्त्रा की बलि दी जाती थी और उसे खाया जाता था। यह मेस्त्रा लोगों को याद दिलाता था कि कैसे परमेश्वर ने उन्हें मिस की भूमि में दासत्व से मुक्त किया था। देखें निर्गमन 12:1-28। यदि आपके पाठक इस जानकारी का अनुमान नहीं लगा सकते, तो आप एक पाद टिप्पणी शामिल कर सकते हैं जो फसह के बारे में बताता है और यह बताता है कि यह खमीर और मेस्त्रे से कैसे संबंधित है।

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

## 1 कुरिन्थियों 5:7 (#2)

"पुराना खमीर निकालकर, अपने आपको शुद्ध करो कि नया गूँधा हुआ आटा बन जाओ; ताकि तुम अखमीरी हो"

यहाँ पौलुस इस बारे में बताते हैं कि कैसे वे फसह के पर्व के दौरान पुराना खमीर निकालकर केवल अखमीरी रोटी बनाते थे। जैसे 5:6 में, वह पाप की तुलना खमीर से करते हैं। इस तरह से बोलकर, वह कुरिन्थियों से आग्रह करते हैं कि वे पाप करने वाले व्यक्ति को बाहर निकालें। तब वे नया गूँधा हुआ आटा की तरह होंगे, जैसे अखमीरी, अर्थात्, बिना पाप के। चूँकि यह रूपक पुराने नियम की विषयों पर आधारित है, आपको अपनी भाषा में इस रूपक को बनाए रखने की कोशिश करनी चाहिए। आप एक उपमा का उपयोग कर सकते हैं, या यदि आवश्यक हो, तो आप एक तुलनीय रूपक का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "पुराने खमीर अर्थात् पाप को निकाल दें, ताकि आप नया आटा बन जाएं, जैसे कि आप अखमीरी रोटी हैं" या "खराब सेब को दूर करें ताकि आप एक ताजा पीपा बन जाएं, जैसे कि आप ताजे सेब हैं"

देखें: बाइबल की अलंकृत भाषा - विस्तृत रूपक

## 1 कुरिन्थियों 5:7 (#3)

"ताकि तुम अखमीरी हो"

जब पौलुस कहते हैं कि वे अखमीरी हैं, तो इसका मतलब है कि वे खमीर, यानी पाप का सामना करने के खतरे में हैं। इसलिए उन्हें पुराने खमीर निकालना चाहिए। यदि वे पुराने खमीर के संपर्क से बचकर अखमीरी बने रहते हैं, तो वे नया आटा होंगे। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप यह स्पष्ट करके व्यक्त कर सकते हैं कि पौलुस उन्हें ऐसा

कहते हैं क्योंकि यह दिखाता है कि खमीर उनके लिए एक खतरा है। वैकल्पिक अनुवाद: "क्योंकि आप वर्तमान में अखमीरी रोटी है।"

देखें: अज्ञातों का अनुवाद करें

## 1 कुरिन्थियों 5:7 (#4)

"क्योंकि"

यहाँ पौलुस क्योंकि का उपयोग करते हैं ताकि यह बताएं कि उनका खमीर के बारे में रूपक उपयुक्त क्यों है। मसीह हमारा भी फसह के समान हैं। मूल भाषा में मसीह को मेस्त्रा के रूप में बताया गया है। चूँकि मसीह को उस मेस्त्रा की तरह बलिदान किया गया है, इसलिए कुरिन्थियों को ऐसे जीना चाहिए जैसे यह फसह है। इसका मतलब है कि उन्हें अपने समूह में पाप से बचना चाहिए। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इसे और स्पष्ट कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "आपको फसह का पालन करने वाले लोगों की तरह व्यवहार करना चाहिए क्योंकि"

देखें: जोड़ें — कारण-और-परिणाम सम्बन्ध

## 1 कुरिन्थियों 5:7 (#1)

"हमारा" - "फसह जो मसीह है, बलिदान हुआ है"

"जैसे फसह का मेमना हर साल विश्वास से इसाएल के पापों को ढाप लेता था, इसी प्रकार विश्वास से मसीह की मृत्यु ने उन सभी के पापों को अनंत काल तक ढक लिया जा रहा है। मसीह में भरोसा करते हैं। इसे सक्रिय रूप में कहा जा सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: ""परमेश्वर ने मसीह का बलिदान दिया, हमारे फसह का मेमना"""

देखें: रूपक

## 1 कुरिन्थियों 5:7 (#6)

"हमारा भी फसह जो मसीह है, बलिदान हुआ है"

यहाँ पौलुस मसीह की तुलना फसह के मेस्त्रे से करते हैं, क्योंकि दोनों ने दूसरों को बचाने के लिए अपने प्राण दिए। चूँकि यह रूपक पुराने नियम की विषयों पर आधारित है, आपको अपनी भाषा में इस रूप को बनाए रखने का प्रयास करना चाहिए, या आप एक उपमा का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मसीह, जो हमारे फसह के मेस्त्रे के समान हैं, उनका भी बलिदान किया गया है"

देखें: बाइबल की अलंकृत भाषा - विस्तृत रूपक

## 1 कुरिन्थियों 5:7 (#7)

"हमारा भी फसह (का मेस्त्र) जो मसीह है, बलिदान हुआ है"

पौलुस जानबूझकर यह नहीं बताते कि फसह का मेस्त्र, जो मसीह हैं, को किसने बलिदान किया। यदि आपकी भाषा में यह निष्क्रिय रूप नहीं है, तो आप इस विचार को किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। यदि संभव हो, तो यह न बताएं कि किसने मसीह को बलिदान किया। वैकल्पिक अनुवाद: "मसीह, हमारे फसह का मेस्त्र, भी एक बलिदान के रूप में मरे हैं"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

## 1 कुरिन्थियों 5:8 (#1)

"इसलिए आओ हम उत्सव में आनन्द मनाएँ, न तो पुराने खमीर से और न बुराई और दुष्टता के खमीर से, परन्तु सिध्धाई और सच्चाई की अखमीरी रोटी से।"

ठीक वैसे ही जैसे 5:6-7 में, यहाँ पौलुस खमीर और "आटा" के बारे में चर्चा करते हैं। इस यहूदी उत्सव फसह में, लोग अपने घरों से सभी खमीर को हटा देते थे और केवल ऐसा आटा बनाते थे जो किण्वित नहीं होता था (अखमीरी रोटी)। देखें निर्गमन 12:1-28। यहाँ, खमीर वह है जिसे हटाना होता है, और अखमीरी रोटी वह है जिसे ग्रहण करना होता है। यदि आपके पाठक इस पृष्ठभूमि को नहीं समझ पाते हैं, तो आप एक पाद टिप्पणी शामिल कर सकते हैं जो अतिरिक्त जानकारी देता है।

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

## 1 कुरिन्थियों 5:8 (#2)

"इसलिए आओ हम उत्सव में आनन्द मनाएँ, न तो पुराने खमीर से और न बुराई और दुष्टता के खमीर से, परन्तु सिध्धाई और सच्चाई की अखमीरी रोटी से"

यहाँ पौलुस खमीर और फसह के बारे में रूपक समाप्त जिसकी शुरुआत उन्होंने 5:6 में की थी। पौलुस कुरिन्थियों को पुराने खमीर को हटाकर उत्सव में आनन्द मनाने के लिए प्रोत्साहित करते हैं। फिर वह पहचानते हैं कि खमीर बुराई और दुष्टता का प्रतीक है, जबकि वह अखमीरी रोटी जिसे उन्हें खाना चाहिए, सिध्धाई और सच्चाई का प्रतीक है। इस रूपक के साथ पौलुस कुरिन्थियों को अपने समूह से उस व्यक्ति को निकालने के लिए प्रोत्साहित करते हैं जिसने पाप किया है, जैसे कोई उत्सव के दौरान अपने घर से खमीर को हटाता है। चूँकि यह रूपक पुराने नियम की विषय पर आधारित है, इसलिए आपको अपनी भाषा में इस रूपक को

बनाए रखने का प्रयास करना चाहिए। आप एक उपमा का उपयोग कर सकते हैं, या आप एक पाद टिप्पणी शामिल कर सकते हैं जो रूपक को समझाता है। वैकल्पिक अनुवाद: "तो फिर, हमें उन लोगों की तरह होना चाहिए जो त्योहार मनाते हैं, न कि पुराने खमीर के साथ, न ही बुराई और दुष्टता के खमीर के साथ, बल्कि ईमानदारी और सच्चाई की अखमीरी रोटी के साथ"

देखें: बाइबल की अलंकृत भाषा - विस्तृत रूपक

## 1 कुरिन्थियों 5:8 (#3)

"हम उत्सव में आनन्द मनाएँ"

पौलुस ने 5:7 में जो कहा है, उसके कारण यह **उत्सव** फसह से जुड़ा हुआ पर्व होना चाहिए। यदि आपके पाठक इसे संदर्भ से नहीं समझ पाते, तो आप यहाँ "फसह" नाम शामिल कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "हम फसह का पर्व मना सकते हैं"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

## 1 कुरिन्थियों 5:8 (#4)

"पुराने खमीर से और न बुराई और दुष्टता के खमीर से"

यहाँ पौलुस खमीर को परिभाषित करने के लिए पुराने खमीर का उल्लेख करते हैं। यदि आपकी भाषा में इस प्रकार पुनरावृत्ति का उपयोग नहीं होता है, तो आप दोनों वाक्यांशों को जोड़ सकते हैं और परिभाषा को किसी अन्य तरीके से प्रस्तुत कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "पुराने खमीर के साथ नहीं, जो कि दुष्टता और बुराई है।"

देखें: द्विरावृत्ति

## 1 कुरिन्थियों 5:8 (#5)

"बुराई और दुष्टता के खमीर से"

यहाँ पौलुस खमीर को बुराई और दुष्टता के रूप में पहचानने के लिए स्वामित्व रूप का उपयोग करते हैं। अगर आपकी भाषा में उस विचार के लिए इस रूप का उपयोग नहीं किया जाता है, तो आप उस विचार को किसी ऐसे शब्द या वाक्यांश का उपयोग करके व्यक्त कर सकते हैं जो किसी चीज़ का नाम बदल देया उसकी पहचान करा दे। वैकल्पिक अनुवाद: "खमीर, अर्थात्, बुराई और दुष्टता"

देखें: स्वामित्व

## 1 कुरिन्थियों 5:8 (#6)

"बुराई और दुष्टता"

यदि आपकी भाषा में **बुराई** और **दुष्टता** के विचारों के लिए भाववाचक संज्ञाओं का उपयोग नहीं होता है, तो आप उन विचारों को क्रियाओं या "व्यवहार" का वर्णन करने वाले विशेषणों का उपयोग करके व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "बुराई और दुष्ट व्यवहार का"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

## 1 कुरिन्थियों 5:8 (#7)

"बुराई और दुष्टता"

यहाँ, शब्द **बुराई** और **दुष्टता** लगभग समान अर्थ रखते हैं। शब्द **बुराई** का अर्थ नैतिक रूप से "बुरा" होता है, जबकि शब्द **दुष्टता** का अर्थ बुराई से चिह्नित होता है। यदि आपकी भाषा में इन्हें समान दो शब्द नहीं हैं, तो आप इस विचार को एक शब्द से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "दुष्ट का"

देखें: द्विरावृत्ति

## 1 कुरिन्थियों 5:8 (#8)

"सिधाई और सच्चाई की अखमीरी रोटी से"

यहाँ पौलुस स्वामित्व रूप का उपयोग करके **अखमीरी रोटी** को **सिधाई** और **सच्चाई** के रूप में पहचानते हैं। अगर आपकी भाषा में उस विचार के लिए इस रूप का उपयोग नहीं किया जाता है, तो आप उस विचार को किसी ऐसे शब्द या वाक्यांश का उपयोग करके व्यक्त कर सकते हैं जो किसी चीज़ का नाम बदल देया उसकी पहचान करा दे। वैकल्पिक अनुवाद: "अखमीरी रोटी, अर्थात्, ईमानदारी और सत्य"

देखें: स्वामित्व

## 1 कुरिन्थियों 5:8 (#9)

"सिधाई और सच्चाई"

यदि आपकी भाषा में **सिधाई** और **सच्चाई** के पीछे के विचारों के लिए भाववाचक संज्ञाओं का उपयोग नहीं होता है, तो आप उन विचारों को क्रियाओं या व्यवहारों का वर्णन करने वाले विशेषणों का उपयोग करके व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "ईमानदार और सच्चे व्यवहार का"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

## 1 कुरिन्थियों 5:8 (#10)

"सिधाई"

शब्द सिधाई का अर्थ बिना किसी छल-कपट के केवल एक ही इरादे से किए गए कार्य है। जो लोग ये कार्य करते हैं, वे कुछ और करते समय कुछ और नहीं कहते या दिखावा नहीं करते। यदि यह आपकी भाषा में मददगार हो, तो आप इस शब्द के पीछे के विचार को किसी ऐसे शब्द या वाक्यांश का उपयोग करके व्यक्त कर सकते हैं जो किसी ऐसी चीज़ की पहचान करता है जो सिधाई से और एक लक्ष्य को ध्यान में रखकर की जाती है। वैकल्पिक अनुवाद: "ईमानदारी का"

देखें: अज्ञातों का अनुवाद करें

## 1 कुरिन्थियों 5:9 (#1)

"मैंने अपनी पत्री में तुम्हें लिखा है"

यहाँ पौलुस एक पत्री का उल्लेख करते हैं जो उन्होंने इस पत्री को शुरू करने से पहले कुरिन्थियों को लिखा और भेजा था। यह वाक्यांश इस पत्री का नहीं बल्कि एक पिछले पत्री का उल्लेख करता है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप मैंने अपनी पत्री में तुम्हें लिखा का अनुवाद इस तरह कर सकते हैं कि यह स्पष्ट हो कि अपनी पत्री वह है जो पौलुस पहले ही भेज चुके हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मैंने आपको अपने पिछले पत्री में पहले ही लिख दिया था"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

## 1 कुरिन्थियों 5:9 (#2)

"की संगति"

यहाँ, की संगति अक्सर दो समूहों के लोगों के एक साथ मिलने को संदर्भित करता है। यहाँ विचार यह है कि व्यभिचारियों को कुरिन्थियों के समूह का हिस्सा नहीं होने चाहिए। यदि संगति का आपकी भाषा में यह अर्थ नहीं है, तो आप इस विचार को व्यक्त करने के लिए एक ऐसा शब्द उपयोग कर सकते हैं जो लोगों को अपने समूह में शामिल करने को संदर्भित करता है। वैकल्पिक अनुवाद: "लगातार मिलना"

देखें: अज्ञातों का अनुवाद करें

## 1 कुरिन्थियों 5:10 (#1)

"यह नहीं"

पौलुस यह नहीं का उपयोग करके यह स्पष्ट करने के लिए जोर देते हैं कि उन्होंने उन्हें पहले जो लिखा था (5:9), उसका क्या अर्थ था। जब उन्होंने उन्हें "व्यभिचारियों की संगति न करो" के लिए कहा, तो उनका मतलब जगत के लोगों से नहीं था। बल्कि, जैसा कि अगली पद स्पष्ट करती है, उनका मतलब साथी विश्वासियों से था। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप यह नहीं को एक शब्द या वाक्यांश के साथ व्यक्त कर सकते हैं जो पिछले कथन में कोई योग्यता पेश करता हो। वैकल्पिक अनुवाद: "ऐसा नहीं कि आपको बिल्कुल भी संबंध नहीं रखना चाहिए"

देखें: शब्दों और वाक्यांशों को जोड़ना

## 1 कुरिन्थियों 5:10 (#2)

"जगत के"

वाक्यांश जगत के यह स्पष्ट करता है कि व्यभिचारियों कलीसिया का हिस्सा नहीं होते हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इस वाक्यांश को एक तुलनीय वाक्यांश के साथ व्यक्त कर सकते हैं जो व्यभिचारियों को अविश्वासी के रूप में पहचानता है। वैकल्पिक अनुवाद: "जो विश्वास नहीं करते हैं" या "जो कलीसिया का हिस्सा नहीं होते हैं"

देखें: अज्ञातों का अनुवाद करें

## 1 कुरिन्थियों 5:10 (#3)

"लोभियों"

पौलुस लोगों के एक समूह की पहचान करने के लिए विशेषण लोभियों का उपयोग संज्ञा के रूप में कर रहे हैं। आपकी भाषा में भी विशेषण का उपयोग इसी प्रकार किया जा सकता है। यदि नहीं, तो आप इसे एक संज्ञा वाक्यांश के साथ अनुवाद कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "लालची लोग"

देखें: संज्ञात्मक विशेषण

## 1 कुरिन्थियों 5:10 (#2)

"व्यभिचारियों," - "लोभियों, या"

"जो लालची हैं या ""जो दूसरों जैसी वस्तुएं पाने के लिए बेर्इमान होने के इच्छुक हैं"""

## 1 कुरिन्थियों 5:10 (#4)

"इस दशा में तो तुम्हें जगत में से निकल जाना ही पड़ता"

तुमको सभी लोगों से बचना होगा

### 1 कुरिन्थियों 5:10 (#6)

"जगत में से निकल जाना ही पड़ता"

यह वाक्य मरने के लिए कोई मंगल भाषण नहीं है। इसके बजाय, पौलुस कह रहे हैं कि कुरिन्थियों को जगत के व्यभिचारियों से दूर जाने के लिए पृथ्वी से बाहर यात्रा करनी होगी। उनके संस्कृति और समय में, यह असंभव था। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप संजगत में से निकल जाना को एक शब्द या वाक्यांश के साथ व्यक्त कर सकते हैं जो पृथ्वी से बाहर यात्रा करने का संदर्भ देता है। वैकल्पिक अनुवाद: "पृथ्वी छोड़ने के लिए"।

देखें: अज्ञातों का अनुवाद करें

### 1 कुरिन्थियों 5:11 (#1)

"मेरा कहना यह है"

यहाँ पौलुस के कहने का अर्थ हो सकता है: (1) वह पत्री जिसके द्वारा वह कह रहे हैं, उस पत्री के विपरीत जो उन्होंने पहले ही लिखा था (5:9)। मूल भाषा में कहने के बदले **लिखा** शब्द इस्तेमाल हुआ है और यह वह **लिखा** भूतकाल हैं क्योंकि "लिखना" भूतकाल में होगा जब पत्री कुरिन्थियों को पढ़ा जाएगा। इस स्थिति के लिए अपनी भाषा में उपयुक्त काल का उपयोग करें। वैकल्पिक अनुवाद: "लेकिन अब मैंने आपको लिखा है" (2) वह पत्री जो उन्होंने पहले ही लिखा था, लेकिन वह चाहते हैं कि वे इसे **अभी** सही ढंग से समझें। वैकल्पिक अनुवाद: "लेकिन मैंने वास्तव में आपको जो लिखा था वह यह था"

### 1 कुरिन्थियों 5:11 (#2)

"उसकी संगति"

यहाँ, **संगति** अक्सर दो समूहों के लोगों के एक साथ मिलने को संदर्भित करता है। यहाँ विचार यह है कि **व्यभिचारी** लोग जो दावा करते हैं कि वे कुरिन्थियों के समूह से संबंधित हैं, उन्हें समूह का हिस्सा नहीं माना जाना चाहिए। यदि **संगति** का आपके भाषा में यह अर्थ नहीं है, तो आप इस विचार को व्यक्त करने के लिए एक ऐसा शब्द उपयोग कर सकते हैं जो लोगों को अपने समूह में शामिल करने को संदर्भित करता हो। वैकल्पिक अनुवाद: "नियमित रूप से मिलना"

देखें: अज्ञातों का अनुवाद करें

### 1 कुरिन्थियों 5:11 (#3)

"कोई भाई कहलाकर"

यहाँ, **कोई भाई कहलाकर** पिछले पद में वर्णित लोगों से **कोई** व्यक्ति अलग करता है। पौलुस ने कुरिन्थियों से यह नहीं कहा कि वे ऐसे लोगों के साथ **संगति न** करें, परन्तु उसने उन्होंने यह कहा कि वे ऐसे किसी भी व्यक्ति के साथ **संगति न** करें जो **भाई कहलाकर** गलत काम करते हो। अपनी भाषा में ऐसे निर्माण का प्रयोग करें जो यह संकेत देकि पौलुस बता नहीं रहे हैं, बल्कि भेद कर रहे हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "कोई भी व्यक्ति जिसे भाई कहा जाता है"

देखें: जानकारी देने और याद दिलाने में अन्तर करना

### 1 कुरिन्थियों 5:11 (#2)

"कोई" - "कहलाकर"

कोई भी जो स्वयं को बुलाता है

### 1 कुरिन्थियों 5:11 (#3)

"भाई"

यहाँ इसका अर्थ है एक साथी मसीही, या तो पुरुष या महिला।

### 1 कुरिन्थियों 5:11 (#6)

"गाली देनेवाला"

यहाँ, **गाली देनेवाला** उस व्यक्ति का वर्णन करता है जो दूसरों पर हमला करने के लिए कठोर शब्दों का उपयोग करके अपना गुस्सा व्यक्त करता है। अपनी भाषा में ऐसे व्यक्ति का वर्णन करने के लिए उपयुक्त शब्द का प्रयोग करें। वैकल्पिक अनुवाद: "वाचिक रूप से कूर"

देखें: अज्ञातों का अनुवाद करें

### 1 कुरिन्थियों 5:11 (#7)

"अंधेर करनेवाला"

यहाँ, **अंधेर करनेवाला** उस व्यक्ति को संदर्भित करता है जो दूसरों से बेईमानी से रूपये-पैसे लेता है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप **अंधेर करनेवाला** को ऐसे लोगों के लिए एक शब्द के साथ व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "चोर" या "ठगने वाला"

देखें: अज्ञातों का अनुवाद करें

## 1 कुरिन्थियों 5:11 (#8)

"ऐसे मनूष्य के साथ खाना भी न खाना"

पौलुस की संस्कृति में, किसी के साथ **खाना खाने** का अर्थ था कि आपने उन्हें अपने सामाजिक समूह में स्वीकार कर लिया है। यहाँ, वह चाहते हैं कि कुरिन्थियों ऐसे लोगों को अपने समूह में स्वीकार न करें। यदि आपकी संस्कृति में किसी के साथ "खाना खाने" का अर्थ उन्हें स्वीकार करना नहीं है, तो आपको इस विचार को स्पष्ट रूप से व्यक्त करने की आवश्यकता हो सकती है। वैकल्पिक अनुवाद: "ऐसे व्यक्ति को अपने समूह के भोजन में भी शामिल न करें"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

## 1 कुरिन्थियों 5:12 (#1)

"क्योंकि"

यहाँ, **क्योंकि** आगे के कारण प्रस्तुत करता है कि पौलुस क्यों चाहते हैं कि कुरिन्थियों का ध्यान विश्वासियों के "न्याय" पर हो लेकिन **बाहरवालों** पर नहीं। यह कारण अगले पद (5:13) में जारी रहते हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इस संबंध को व्यक्त करने के लिए एक शब्द या वाक्यांश का उपयोग कर सकते हैं जो आगे के कारण प्रस्तुत करें। वैकल्पिक अनुवाद: "आगे," या "अधिक प्रमाण के लिए,"

देखें: जोड़ें — कारण-और-परिणाम सम्बन्ध

## 1 कुरिन्थियों 5:12 (#1)

""

"पौलुस इस बात पर जोर दे रहा है कि वह कलीसिया के बाहर लोगों का न्याय करने वाला नहीं है। इसे सक्रिय रूप में भी कहा जा सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: ""मैं वह नहीं हूं जो उन लोगों का न्याय करे जो कलीसिया से जुड़ा नहीं हूं""

देखें: आलंकारिक प्रश्न

## 1 कुरिन्थियों 5:12 (#3)

"मुझे...क्या काम"

यहाँ पौलुस ने कुछ ऐसे शब्द छोड़ दिए हैं जो आपकी भाषा में एक पूरा वाक्य बनाने के लिए ज़रूरी हो सकते हैं। आप विचार को पूरा करने के लिए "क्या यह है" या "क्या यह मायने रखता है" जैसे शब्द जोड़ सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मुझे इससे क्या लाभ" या "मुझे इससे क्या फर्क पड़ता है"

देखें: पदलोप

## 1 कुरिन्थियों 5:12 (#4)

"मुझे"

यहाँ पौलुस केवल अपने बारे में बोलते हैं, लेकिन वह चाहते हैं कि कुरिन्थियों की भी वही राय हो जो उनकी है। यदि **मुझे** आपके पाठकों को इस बिंदु को गलत समझने का कारण बनता है, तो आप इस प्रश्न में कुरिन्थियों को भी शामिल कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "हमारे लिए" या "आप और मेरे लिए"

देखें: प्रथम, द्वितीय या तृतीय पुरुष

## 1 कुरिन्थियों 5:12 (#5)

"बाहरवालों" - "भीतरवालों"

वाक्यांश **बाहरवालों** उन लोगों की पहचान करता है जो कुरिन्थियों के समूह से संबंधित नहीं हैं। वाक्यांश **भीतरवालों** इसके विपरीत की पहचान करता है: जो लोग कुरिन्थियों के समूह से संबंधित हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इन वाक्यांशों को उन शब्दों या वाक्यांशों के साथ व्यक्त कर सकते हैं जो किसी विशेष समूह से संबंधित और असंबंधित लोगों को संदर्भित करते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "बाहरी लोग ... अंदरूनी लोग"

देखें: मुहावरा

## 1 कुरिन्थियों 5:12 (#2)

""

"पौलुस कुरिन्थियों को डांट रहा है। ""तुम्हे पता होना चाहिए कि तुमको कलीसिया के अंदर उपस्थित लोगों का न्याय करना चाहिए""

देखें: आलंकारिक प्रश्न

## 1 कुरिन्थियों 5:13 (#1)

"न्याय"

पौलुस की भाषा में, **न्याय** और "न्याय करेंगे" दिखने और सुनने में बहुत समान हैं। जबकि कुछ आरंभिक और महत्वपूर्ण पांडुलिपियों में यहाँ "न्याय करेंगे" लिखा है, कुछ आरंभिक और महत्वपूर्ण पांडुलिपियों में **न्यायी** हैं। जब तक

"न्याय करेंगे" का अनुवाद करने का कोई अच्छा कारण न हो, तब तक यहाँ यूएलटी का अनुसरण करना सबसे अच्छा है।  
देखें: पाठ्य भिन्नताएँ

## 1 कुरिन्थियों 5:13 (#2)

"न्याय...करता है"

यहाँ, न्याय परमेश्वर के कार्यों के बारे में एक सामान्य कथन देते हैं। वर्तमान काल का अर्थ यह नहीं है कि परमेश्वर वर्तमान में **बाहरवालों** पर अंतिम न्याय दे रहे हैं और भविष्य में ऐसा नहीं करेंगे। बल्कि, पौलुस के मन में अंतिम न्याय है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप यहाँ **न्याय** के वर्तमान काल को भविष्य काल में व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "न्याय करेंगे"

देखें: भविष्यसूचक भूतकाल

## 1 कुरिन्थियों 5:13 (#3)

"बाहरवालों"

वाक्यांश **बाहरवालों** उन लोगों की पहचान करता है जो कुरिन्थियों के विश्वासियों के समूह से संबंधित नहीं हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इस वाक्यांश को एक शब्द या वाक्यांश के साथ व्यक्त कर सकते हैं जो उन लोगों को संदर्भित करता है जो एक विशिष्ट समूह से संबंधित नहीं हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "बाहरी लोग"

देखें: मुहावरा

## 1 कुरिन्थियों 5:13 (#4)

"उस कुकर्मा को अपने बीच में से निकाल दो"

यहाँ पौलुस एक आदेश का उल्लेख करते हैं जो पुराने नियम की पुस्तक व्यवस्थाविवरण में कई बार प्रकट होता है (देखें: [13:5](#); [17:7](#); [17:12](#); [19:19](#); [21:21](#); [22:21-22](#), [22:24](#); [24:7](#))। यदि आपके पाठक इस आदेश को उद्धरण के रूप में नहीं पहचानते हैं, तो आप इसे उसी तरह से पेश कर सकते हैं जैसे आपने पहले ही पुराने नियम से उद्धरण पेश किए हैं (देखें: [1:31](#))। वैकल्पिक अनुवाद: "जैसा कि पुराने नियम में पढ़ा जा सकता है, 'अपने बीच से बुराई को दूर करो'" या "व्यवस्थाविवरण की पुस्तक के अनुसार, 'अपने बीच से बुराई को दूर करो'"

देखें: उद्धरण और उद्धरण सीमा

## 1 कुरिन्थियों 5:13 (#5)

"उस कुकर्मा को अपने बीच में से निकाल दो"

यदि आप अपनी भाषा में इस रूप का उपयोग नहीं कर सकते हैं, तो आप आदेश का अनुवाद प्रत्यक्ष उद्धरण के बजाय अप्रत्यक्ष उद्धरण के रूप में कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "हम शास्त्र में पढ़ते हैं कि आपको अपने बीच से बुराई को दूर करना चाहिए"

देखें: प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष उद्धरण

## 1 कुरिन्थियों 5:13 (#6)

"कुकर्मा"

पौलुस लोगों के एक समूह का वर्णन करने के लिए संज्ञा के रूप में विशेषण **कुकर्मा** का उपयोग कर रहे हैं। आपकी भाषा में भी विशेषणों का उपयोग उसी तरह ही सकता है। यदि नहीं, तो आप इसे संज्ञा वाक्यांश के साथ अनुवाद कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जो लोग बुरे हैं"

देखें: संज्ञात्मक विशेषण

## 1 कुरिन्थियों 6:1 (#3)

""

"पौलुस इस बात पर ज़ोर दे रहा है कि मसीहीयों को स्वयं के बीच मतभेदों को हल करना चाहिए। वैकल्पिक अनुवाद: ""उसे जाने की हिम्मत नहीं करनी चाहिए ... संत!"" या ""उसे परमेश्वर से डरना चाहिए और नहीं जाना चाहिए ... संत!"" (देखें: )"

देखें: आलंकारिक प्रश्न

## 1 कुरिन्थियों 6:1 (#2)

"झगड़ा हो, तो"

असहमति या तर्क

## 1 कुरिन्थियों 6:1 (#3)

"जब दूसरे के साथ झगड़ा हो"

वाक्यांश जब दूसरे के साथ झगड़ा हो उस स्थिति को दर्शाता है जिसमें वे फैसले के लिये अधर्मियों के पास जा रहे हैं। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप इसे स्पष्ट कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "यदि आपका किसी

दूसरे के साथ विवाद हो" या "जब भी आपके पास किसी अन्य के साथ विवाद हो"

देखें: जोड़े — समकालिक समय सम्बन्ध

## 1 कुरिन्थियों 6:1 (#4)

"दूसरे"

यहाँ, दूसरे दूसरे व्यक्ति को एक साथी विश्वासी के रूप में पहचानता है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप दूसरे का अनुवाद एक ऐसे शब्द या वाक्यांश के साथ कर सकते हैं जो दूसरे को एक विश्वासी के रूप में पहचानता है। वैकल्पिक अनुवाद: "दूसरे विश्वासी"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

## 1 कुरिन्थियों 6:1 (#5)

"फैसले के लिये अधर्मियों के पास जाए" - "के पास"

वाक्यांश फैसले के लिये अधर्मियों के पास जाए का अर्थ किसी मुकदमे या अन्य कानूनी विवाद को एक न्यायाधीश के पास निपटाना है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप फैसले के लिये अधर्मियों के पास जाए को एक समान मुहावरे के साथ व्यक्त कर सकते हैं जो कानून की कचहरी में विवाद को सुलझाने का संदर्भ देता है। वैकल्पिक अनुवाद: "अपने मुकदमे को ... की उपस्थिति में हल करना"

देखें: मुहावरा

## 1 कुरिन्थियों 6:2 (#1)

{या} "क्या तुम नहीं जानते, कि पवित्र लोग जगत का न्याय करेंगे?"

मूल भाषा में शब्द या उस विकल्प को प्रस्तुत करता है जिसके बारे में पौलुस 6:1 में बात करते हैं। कुरिन्थियों को वर्तमान में लगता है कि सार्वजनिक रूप से कचहरी जाना ठीक है। पौलुस एक सच्चा विकल्प देते हैं: वे जगत का न्याय करेंगे और इसलिए उन्हें अपने झगड़ों और मुकदमों को कहीं और ले जाने की आवश्यकता नहीं होनी चाहिए। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप या को एक ऐसे शब्द के साथ व्यक्त कर सकते हैं जो एक विरोधाभास को दर्शाता है या एक विकल्प देता है। वैकल्पिक अनुवाद: "बल्कि," या "दूसरी ओर,"

देखें: शब्दों और वाक्यांशों को जोड़ना

## 1 कुरिन्थियों 6:2 (#1)

"क्या तुम नहीं जानते, कि पवित्र लोग जगत का न्याय करेंगे"

पौलुस कुरिन्थियों को अनजान होने के अभिनय के लिए लजित कर रहा है

देखें: आलंकारिक प्रश्न

## 1 कुरिन्थियों 6:2 (#2)

""

"क्योंकि उन्हें बाद में अधिक उत्तरदायित दिया जाएगा, उन्हें अब कम चीजों के लिए उत्तरदायी होना चाहिए। वैकल्पिक अनुवाद: ""तुम भविष्य में दुनिया का न्याय करोगे, इसलिए तुम्हें इस मामले को सुलझाने में सक्षम होना चाहिए।""

देखें: आलंकारिक प्रश्न

## 1 कुरिन्थियों 6:2 (#4)

"जब तुम्हें जगत का न्याय करना है"

पौलुस ऐसे बोल रहे हैं जैसे जब तुम्हें जगत का न्याय करना है एक काल्पनिक संभावना हो, लेकिन उनका मतलब है कि यह वास्तव में सत्य है। यदि आपकी भाषा में कुछ निश्चित या सत्य होने पर उसे शर्त के रूप में नहीं कहा जाता है, और यदि आपके पाठक सोच सकते हैं कि पौलुस जो कह रहे हैं वह निश्चित नहीं है, तो आप उनके शब्दों का अनुवाद एक सकारात्मक कथन के रूप में कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "क्योंकि संसार का न्याय आपके द्वारा किया जाता है।"

देखें: जोड़े — तथ्यात्मक स्थितियाँ

## 1 कुरिन्थियों 6:2 (#5)

"तुम्हें जगत का न्याय करना है"

यदि आपकी भाषा में निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं होता है, तो आप इस विचार को सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य स्वाभाविक तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। पौलुस यहाँ निष्क्रिय रूप का उपयोग जगत पर ध्यान केंद्रित करने के लिए करते हैं, जिसका न्याय किया जाता है, न कि तुम पर, जो "न्याय" करते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "आप संसार का न्याय करते हैं"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

**1 कुरिन्थियों 6:2 (#6)****"का न्याय करना है"**

यहाँ, न्याय करना है तुम, यानी पवित्र लोग, क्या करते हैं, इसके बारे में एक सामान्य कथन है। वर्तमान काल का अर्थ यह नहीं है कि पवित्र लोग वर्तमान में अंतिम न्याय कर रहे हैं और भविष्य में ऐसा नहीं करेंगे। बल्कि, पौलुस वर्तमान काल का उपयोग एक सामान्य तथ्य के रूप में पवित्र लोग के बारे में बताने के लिए करते हैं। न्याय भविष्य में ही होगा। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप यहाँ न्याय किए जाने के वर्तमान काल को भविष्य काल के साथ व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "न्याय किया जाएगा"

देखें: भविष्यसूचक भूतकाल

**1 कुरिन्थियों 6:2 (#7)****"छोटे से छोटे झगड़ों का भी निर्णय करने के योग्य नहीं?"**

यहाँ, किसी चीज़ के योग्य नहीं होने का मतलब है कि कोई व्यक्ति उस चीज को करने में सक्षम नहीं है या उसे करने के लिए उपयुक्त नहीं है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप योग्य नहीं या अयोग्य को एक तुलनीय मुहावरे के साथ व्यक्त कर सकते हैं या विचार को सीधे व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "छोटे मामलों के संबंध में अयोग्य" "छोटे मामलों का न्याय करने में सक्षम नहीं"

देखें: मुहावरा

**1 कुरिन्थियों 6:2 (#8)****"छोटे से छोटे झगड़ों"**

यहाँ, झगड़ों निश्चिह्नित का संदर्भ दे सकते हैं: (1) कानूनी विवाद जो न्यायालय में सुलझाए जाते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "सबसे छोटे कानूनी विवादों का" (2) वह न्यायालय जो कानूनी विवाद का निर्णय करता है। वैकल्पिक अनुवाद: "सबसे निचली अदालतों का"

देखें: अज्ञातों का अनुवाद करें

**1 कुरिन्थियों 6:3 (#2)****"क्या तुम नहीं जानते, कि हम स्वर्गदूतों का न्याय करेंगे"**

"पौलुस आश्वर्यचित है कि वे जान नहीं पाते। वैकल्पिक अनुवाद: ""तुम जानते हो कि हम स्वर्गदूतों का न्याय करेंगे।""

देखें: आलंकारिक प्रश्न

**1 कुरिन्थियों 6:3 (#4)**

""

"क्योंकि उन्हें बाद में अधिक उत्तरदायित्व दिया जाएगा, उन्हें अब कम चीजों के लिए उत्तरदायी होना चाहिए। वैकल्पिक अनुवाद: वैकल्पिक अनुवाद: ""क्योंकि हम जानते हैं कि हम स्वर्गदूतों का न्याय करेंगे, हम यह भी सुनिश्चित कर सकते हैं कि परमेश्वर हमें इस जीवन में मामलों का न्याय करने में सक्षम बनाएंगे।""

देखें: आलंकारिक प्रश्न

**1 कुरिन्थियों 6:3 (#3)****"तो क्या सांसारिक बातों का निर्णय न करें"**

यहाँ पौलुस ने कुछ ऐसे शब्द छोड़ दिए हैं जो आपकी भाषा में एक पूरा वाक्य बनाने के लिए ज़रूरी हो सकते हैं। आप विचार को पूरा करने के लिए "क्या हम न्याय कर सकते हैं" या "क्या हम न्याय करने में सक्षम हैं" जैसे शब्द दे सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "हम इस जीवन के मामलों का कितना अधिक न्याय कर सकते हैं" या "हम इस जीवन के मामलों का कितना अधिक न्याय करने में सक्षम हैं"

देखें: पदलोप

**1 कुरिन्थियों 6:3 (#4)****"तो क्या सांसारिक बातों का {कितना अधिक} निर्णय न करें?"**

यहाँ पौलुस का तर्क यह है कि स्वर्गदूतों का न्याय करना सांसारिक बातों का न्याय करने से अधिक महत्वपूर्ण और कठिन कार्य है। वाक्यांश कितना अधिक जिसका उपयोग केवल मूल भाषा में है यह दर्शाता है कि जो लोग स्वर्गदूतों का न्याय करने जैसा महान और कठिन कार्य कर सकते हैं, वे सांसारिक बातों का न्याय करने जैसा कम प्रभावशाली और आसान कार्य आसानी से कर सकते हैं। यदि कितना अधिक आपके भाषा में उस संबंध को व्यक्त नहीं करता है, तो आप ऐसा शब्द या वाक्यांश उपयोग कर सकते हैं जो उस संबंध को व्यक्त करता हो। वैकल्पिक अनुवाद: "यदि हम वह कर सकते हैं, तो क्या हम न्याय नहीं कर सकते" या "फिर, न्याय करना सहज नहीं होना चाहिए"

देखें: जोड़ें — कारण-और-परिणाम सम्बन्ध

**1 कुरिन्थियों 6:3 (#1)**

""

इस जीवन से सम्बंधित बातों के विषय तर्क न करो

## 1 कुरिन्थियों 6:4 (#2)

""

"यदि तुम्हे दैनिक जीवन के बारे में निर्णय लेने के लिए कहा जाता है या ""यदि तुम्हे इस जीवन में महत्वपूर्ण मामलों को व्यवस्थित करना होगा"""

## 1 कुरिन्थियों 6:4 (#2)

"तुम्हें...निर्णय करना हो"

यहाँ, निर्णय का अर्थ हो सकता है: (1) कानूनी विवाद जो न्यायालय में सुलझाए जाते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "आपके पास मुकदमे हैं" (2) वह न्यायालय जो कानूनी विवाद का निर्णय करता है। वैकल्पिक अनुवाद: "आप न्यायालय में निर्णय की तलाश करते हैं"

देखें: अज्ञातों का अनुवाद करें

## 1 कुरिन्थियों 6:4 (#3)

"सांसारिक बातों का"

यहाँ, सांसारिक बातों उन सभी चीजों को संदर्भित करता है जो लोगों के साधारण या दैनिक जीवन का हिस्सा होती हैं। पौलुस इस शब्द का उपयोग कुरिन्थियों के बीच मुकदमों को साधारण जीवन के मामलों के रूप में पहचानने के लिए करते हैं। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप सांसारिक बातों को एक शब्द या वाक्यांश के साथ व्यक्त कर सकते हैं जो दैनिक या नियमित जीवन की विशेषताओं को संदर्भित करता है। वैकल्पिक अनुवाद: "आपके दैनिक जीवन में क्या होता है"

देखें: अज्ञातों का अनुवाद करें

## 1 कुरिन्थियों 6:4 (#1)

""

"संभावित अर्थ 1) यह एक आलंकारिक प्रश्न है या 2) यह एक विवरण है, ""जब तुम अतीत में ऐसे महत्वपूर्ण मामले सुलझा चुके हो, तब तुमने मसीहियों के बीच विवादों को अविश्वासियों द्वारा सुलझाने के लिए नहीं सौंपा था"" या 3 ) यह एक आदेश है, ""जब आप इस ज़िंदगी में महत्वपूर्ण मामलों को सुलझाते हैं, तो यह उन लोगों के लिए भी है जिनका कलीसिया में कोई पद नहीं हैं तुम उनको विवादों को सुलझाने के लिए सौंप दो!""

देखें: आलंकारिक प्रश्न

## 1 कुरिन्थियों 6:4 (#3)

""

"पौलुस कुरिन्थियों को डांट रहा है कि वे इन मामलों को कैसे संभाल रहे हैं। संभावित अर्थ यह है कि 1) ""तुम्हे ऐसे मामलों को कलीसिया के बाहर के लोगों को नहीं देना चाहिए।"" या 2) ""तुम ऐसे मामलों को कलीसिया के उन सदस्यों को दे सकते हो जो अन्य विश्वासियों द्वारा अच्छी तरह से समानित नहीं हैं।""

देखें: आलंकारिक प्रश्न

## 1 कुरिन्थियों 6:5 (#1)

"मैं...यह कहता हूँ"

वाक्यांश "मैं... यह कहता हूँ" का अर्थ हो सकता है: (1) पौलुस ने जो पहले ही कहा है, संभवतः 6:1-4 का पूरा भाग। वैकल्पिक अनुवाद: "मैं वे बातें कहता हूँ" (2) जो पौलुस इस पूरे खंड में कह रहे हैं (6:1-8)। वैकल्पिक अनुवाद: "मैं ये बातें कह रहा हूँ"

देखें: सर्वनाम — उनका उपयोग कब करें

## 1 कुरिन्थियों 6:5 (#2)

"तुम्हें लज्जित करने के लिये"

यहाँ, तुम्हें लज्जित करने के लिये का मतलब है कि पौलुस ने जो बातें कही हैं, वे कुरिन्थियों को लज्जित महसूस होनी चाहिए। यदि यह आपके भाषा में सहायक हो, तो आप तुम्हें लज्जित करने के लिये को एक तुलनीय मुहावरे के साथ व्यक्त कर सकते हैं या विचार को सीधे तौर पर व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "आपको शर्मिदा करने के लिए" या "आपको शर्म महसूस कराने के लिए"

देखें: मुहावरा

## 1 कुरिन्थियों 6:5 (#3)

"मैं तुम्हें लज्जित करने के लिये यह कहता हूँ"

यदि आपकी भाषा लज्जित के विचार के लिए एक भाववाचक संज्ञा का उपयोग नहीं करती है, तो आप इस विचार को व्यक्त करने के लिए "शर्मिदा करना" जैसी क्रिया का उपयोग कर

सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मैं आपको शर्मिदा करने के लिए यह कहता हूँ"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

## 1 कुरिन्थियों 6:5 (#4)

"क्या सचमुच तुम में से एक भी बुद्धिमान नहीं मिलता"

वाक्यांश क्या सचमुच तुम में से एक भी बुद्धिमान नहीं मिलता एक ऐसी स्थिति की पहचान करता है जिसमें कोई भी बुद्धिमान {पुरुष} नहीं पाया जा सकता। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप इस वाक्यांश को व्यक्त कर सकते हैं या इसे एक तुलनीय अभिव्यक्ति के साथ व्यक्त कर सकते हैं जो एक ऐसी स्थिति की पहचान करता है जिसमें कोई बुद्धिमान व्यक्ति नहीं है। वैकल्पिक अनुवाद: "क्या कोई बुद्धिमान पुरुष नहीं है"

देखें: मुहावरा

## 1 कुरिन्थियों 6:5 (#2)

""

"पौलुस कुरिन्थियों को लजित कर रहा है। वैकल्पिक अनुवाद: ""तुम्हे लजित होना चाहिए कि तुम विश्वासियों के बीच तर्क सुलझाने के लिए एक बुद्धिमान विश्वासी नहीं ढूँढ सकते""

देखें: आलंकारिक प्रश्न

## 1 कुरिन्थियों 6:5 (#6)

"एक भी बुद्धिमान नहीं मिलता" - "जो अपने"

हालाँकि बुद्धिमान {आदमी} और अपने शब्द पुलिंग हैं, लेकिन पौलुस उनका इस्तेमाल किसी भी व्यक्ति को संदर्भित करने के लिए कर रहे हैं, चाहे वह पुरुष हो या महिला। अगर यह आपकी भाषा में मददगार होगा, तो आप इन पुलिंग शब्दों को गैर-लिंगीय शब्दों के साथ व्यक्त कर सकते हैं या दोनों लिंगों को संदर्भित कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "कोई भी बुद्धिमान लोग नहीं हैं ... उनका" या "कोई भी बुद्धिमान पुरुष या महिला नहीं है ... उसका या उसका"

देखें: जब पुलिंग शब्दों में स्त्रियाँ भी सम्मिलित होती हैं

## 1 कुरिन्थियों 6:5 (#3)

"भाइयों का"

यहां इसका अर्थ है साथी मसीही, पुरुष और महिला दोनों सहित।

## 1 कुरिन्थियों 6:5 (#8)

"का निर्णय कर सके"

वाक्यांश का निर्णय कर सके का अर्थ लोगों के बीच विवादों के बारे में निर्णय लेना है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप इस वाक्यांश के पीछे के विचार को एक शब्द या वाक्यांश के साथ व्यक्त कर सकते हैं जो विवाद में सही पक्ष का निर्णय लेने को संदर्भित करता है। वैकल्पिक अनुवाद: "के बीच न्याय करना" या "विवादों को सुलझाना"

देखें: अज्ञातों का अनुवाद करें

## 1 कुरिन्थियों 6:6 (#2)

""

विश्वासी आपसी विवादों के निपटारे के लिए अविश्वासी न्यायाधीशों के पास जाते हैं

## 1 कुरिन्थियों 6:6 (#2)

"भाई-भाई"

हालाँकि भाई-भाई शब्द का अनुवाद पुलिंग है, लेकिन पौलुस इन शब्दों का इस्तेमाल किसी भी विश्वासी को संदर्भित करने के लिए कर रहे हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप भाई-भाई को गैर-लिंगीय शब्दों से व्यक्त कर सकते हैं या दोनों लिंगों को संदर्भित कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "एक भाई या बहन ... एक भाई या बहन"

देखें: जब पुलिंग शब्दों में स्त्रियाँ भी सम्मिलित होती हैं

## 1 कुरिन्थियों 6:6 (#3)

"और वह भी अविश्वासियों के सामने"

इस खंड में, पौलुस ने कुछ शब्दों को छोड़ दिया है जो आपकी भाषा में एक पूर्ण विचार बनाने के लिए आवश्यक हो सकते हैं। यदि आपकी भाषा को इन शब्दों की आवश्यकता है, तो आप यह शामिल कर सकते हैं कि क्या कार्रवाई हो रही है। वैकल्पिक अनुवाद: "और वे अविश्वासियों के सामने ऐसा करते हैं" या "और वे अविश्वासियों के सामने अदालत जाते हैं"

देखें: पदलोप

**1 कुरिन्थियों 6:7 (#1)**

"सचमुच तुम में बड़ा दोष तो यह है, कि आपस में मुकद्दमा करते हो"

यहाँ पौलुस बड़ा दोष का कारण बताते हैं, जब वह बड़ा दोष का उल्लेख करते हैं। यदि आपकी भाषा पहले कारण बताती है, तो आप इन उपवाक्यों के निर्देश को उलट सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "इसलिए, चूँकि तुम्हारे बीच मुकदमे हैं, तो यह वास्तव में तुम्हारी पूरी हार है"

देखें: सूचना संरचना

**1 कुरिन्थियों 6:7 (#2)**

"सचमुच तुम में बड़ा दोष तो यह है"

यहाँ मूल भाषा में पहले से ही वाक्य का इस्तेमाल हुआ है जो यह कहता है की यह कार्य पहले ही हो चूका है। यहाँ, सचमुच तुम में यह संदर्भित करता है कि कैसे कुरिन्थियों कानून की मुकद्दमे में बड़ा दोष यह है की वह वास्तविक मुकदमे के शुरू होने से पहले ही हार चुके हैं। यदि यह आपकी भाषा में मददगार हो, तो आप पहले से ही यह स्पष्ट करके व्यक्त कर सकते हैं कि विचाराधीन समय मुकदमे का फैसला होने से पहले का है। वैकल्पिक अनुवाद: "कानून की अदालत में प्रवेश करने से पहले ही आपकी पूरी हार"

**1 कुरिन्थियों 6:7 (#3)**

"सचमुच तुम में बड़ा दोष तो यह है"

वैकल्पिक अनुवाद: "इसलिए, आप वास्तव में पहले से ही पूरी तरह पराजित हो चुके हैं"

**1 कुरिन्थियों 6:7 (#4)**

"बड़ा दोष"

यहाँ, बड़ा दोष का अर्थ किसी लक्ष्य को प्राप्त करने के प्रयास में पूरी असफलता से है। बड़ा दोष या पराजय के लिए किसी प्रतिद्वंद्वी की आवश्यकता नहीं होती, क्योंकि कोई अन्य बाधाओं के कारण बड़ा दोष का सामना कर सकता है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप बड़ा दोष के पीछे के विचार को एक तुलनीय रूपक या सीधे तौर पर व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "पूरी तरह से भटक जाना" या "पूरी तरह से विफलता"

देखें: रूपक

**1 कुरिन्थियों 6:7 (#2)**

""

"पौलुस कुरिन्थियों को लज्जित करता है। वैकल्पिक अनुवाद: ""यह भला होगा की दूसरे तुम्हे गलत ठहराए और धोखा दे बजाय उनको अदालत में घसीटने के।"""

देखें: आलंकारिक प्रश्न

**1 कुरिन्थियों 6:7 (#6)**

"वरन् अन्याय क्यों नहीं सहते? अपनी हानि क्यों नहीं सहते"

यहाँ पौलुस अपने पहले प्रश्न को लगभग उन्हीं शब्दों के साथ दोहराते हैं। वह अपने द्वारा बताए जा रहे मुद्दे पर जोर देने के लिए ऐसा कह रहे हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप प्रश्नों को जोड़ सकते हैं और जोर देने के लिए किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "क्यों न अन्याय या धोखा सहा जाए?"

देखें: द्विरावृत्ति

**1 कुरिन्थियों 6:7 (#7)**

"अन्याय"

यदि आपकी भाषा में निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं होता है, तो आप इस विचार को सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य स्वाभाविक तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। पौलुस यहाँ निष्क्रिय रूप का उपयोग उन पर ध्यान केंद्रित करने के लिए करते हैं जो जिनके साथ अन्याय किया जाता है, न कि "गलत करने वाले" व्यक्ति पर। यदि आपको यह बताना आवश्यक है कि कार्रवाई कौन करता है, तो पौलुस संकेत देते हैं कि एक "सह-विश्वासी" इसे करता है। वैकल्पिक अनुवाद: "किसी साथी विश्वासी को तुम्हारे साथ गलत करने दो"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

**1 कुरिन्थियों 6:7 (#8)**

"अपनी हानि "

यदि आपकी भाषा में निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं होता है, तो आप इस विचार को सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य स्वाभाविक तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। पौलुस यहाँ निष्क्रिय रूप का उपयोग उन पर ध्यान केंद्रित करने के लिए करते हैं जो अपनी हानि जाते हैं, बजाय इसके कि वह "धोखा" देने वाले व्यक्ति पर ध्यान केंद्रित करे। यदि आपको

यह बताना आवश्यक है कि क्रिया कौन करता है, तो पौलुस संकेत देते हैं कि एक "सह-विश्वासी" इसे करता है। वैकल्पिक अनुवाद: "एक सह-विश्वासी आपको धोखा दे"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

## 1 कुरिन्थियों 6:8 (#1)

"वरन्"

यहाँ, वरन् पौलुस जो चाहते हैं उसके विपरीत पेश करता है, जो कि एक साथी विश्वासी को अदालत में ले जाने के बजाय "अन्याय सहना" और "हानि" देना है। यहाँ, पौलुस कहते हैं कि वे बिल्कुल विपरीत करते हैं। "अन्याय सहने" और "धोखा खाने" के बजाय, वे वास्तव में साथी विश्वासियों के साथ "अन्याय सहना" और "हानि" करते हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इस संबंध के पीछे के विचार को एक वाक्यांश के साथ व्यक्त कर सकते हैं जो स्पष्ट करता है कि पौलुस किसका विरोध कर रहे हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "लेकिन अन्याय सहने और धोखा खाने के बजाय,"

देखें: जोड़ें — विरोधाभास सम्बन्ध

## 1 कुरिन्थियों 6:8 (#2)

"और वह भी भाइयों को"

इस खंड में, पौलुस ने कुछ शब्द छोड़े हैं जो आपकी भाषा में एक पूर्ण विचार बनाने के लिए आवश्यक हो सकते हैं। यदि आपकी भाषा को इन शब्दों की आवश्यकता है, तो आप यह शामिल कर सकते हैं कि कौन सी क्रिया हो रही है। वैकल्पिक अनुवाद: "और आप यह अपने भाइयों के साथ करते हैं।"

देखें: पदलोप

## 1 कुरिन्थियों 6:8 (#1)

""

"मसीह में सभी विश्वासी एक दूसरे के भाई और बहन हैं।""तुम्हारे साथी विश्वासियों"""

## 1 कुरिन्थियों 6:9 (#1)

""

[6:9-10](#) में, पौलुस उन लोगों की सूची बनाते हैं जो अधर्मी कार्य करते हैं। इनमें से कई शब्द वही हैं जो उन्होंने [5:10-11](#) में समान सूचियों में उपयोग किए थे। यह देखना उपयोगी

हो सकता है कि आपने वहाँ शब्दों का अनुवाद कैसे किया था।

## 1 कुरिन्थियों 6:9 (#2)

{या} "क्या तुम नहीं जानते, कि अन्यायी लोग परमेश्वर के राज्य के वारिस न होंगे? धोखा न खाओ, न वेश्यागामी, न मूर्तिपूजक, न परस्तीगामी, न लुच्चे, न पुरुषगामी"

मूल भाषा में शब्द या [6:7](#) में, पौलुस के प्रश्न को "भाइयों को अन्याय और हानि देने" के विकल्प के रूप में प्रस्तुत करता है। यदि वे वास्तव में जानते, कि अन्यायी लोग परमेश्वर के राज्य के वारिस न होंगे, तो उन्हें "भाइयों को अन्याय और हानि नहीं देना चाहिए।" पौलुस शब्द या का उपयोग यह दिखाने के लिए करते हैं कि ये दो चीजें संगत नहीं हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप या को एक शब्द या वाक्यांश के साथ व्यक्त कर सकते हैं जो एक विकल्प प्रस्तुत करता है। वैकल्पिक अनुवाद: "इसके विपरीत,"

देखें: शब्दों और वाक्यांशों को जोड़नाकरना

## 1 कुरिन्थियों 6:9 (#1)

"क्या तुम नहीं जानते, कि"

"पौलुस ने जोर दिया कि उन्हें पहले से ही इस सत्य को जानना चाहिए। वैकल्पिक अनुवाद: ""तुम पहले ही जानते हो कि""

देखें: आलंकारिक प्रश्न

## 1 कुरिन्थियों 6:9 (#4)

"अन्यायी"

पौलुसलोगों के एक समूह का वर्णन करने के लिए संज्ञा के रूप में अन्यायी विशेषण का उपयोग कर रहे हैं। आपकी भाषा भी इसी तरह विशेषणों का उपयोग कर सकती है। यदि नहीं, तो आप इसे एक संज्ञा वाक्यांश के साथ अनुवाद कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जो लोग अधर्मी हैं" या "अधर्मी लोग"

देखें: संज्ञात्मक विशेषण

## 1 कुरिन्थियों 6:9 (#2)

"वारिस"

ग्रहण करने को जिसका परमेश्वर ने विश्वासियों से वादा किया है ऐसे बताया गया है जैसे परिवार के सदस्य से संपत्ति और धन विरासत में लेना

देखें: रूपक

## 1 कुरिन्थियों 6:9 (#6)

"धोखा न खाओ"

यदि आपकी भाषा में निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं होता है, तो आप इस विचार को सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य स्वाभाविक तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। पौलुस यहाँ निष्क्रिय रूप का उपयोग उन पर ध्यान केंद्रित करने के लिए करते हैं जो **धोखा खाते** हैं, बजाय इसके कि धोखा देने वाले व्यक्ति पर ध्यान केंद्रित किया जाए। यदि आपको यह बताना आवश्यक है कि क्रिया कौन करता है, तो आप एक अस्पष्ट या अनिश्चित विषय का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "कोई भी आपको धोखा न दे"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

## 1 कुरिन्थियों 6:9 (#7)

"वेश्यागामी"

पौलुस लोगों के एक समूह का वर्णन करने के लिए विशेषण वाक्यांश **वेश्यागामी** का उपयोग संज्ञा के रूप में कर रहे हैं। आपकी भाषा भी विशेषणों का इसी तरह उपयोग कर सकती है। यदि नहीं, तो आप इसे एक संज्ञा वाक्यांश के साथ अनुवाद कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जो लोग यौन रूप से अनैतिक हैं" या "यौन रूप से अनैतिक लोग"

देखें: संज्ञात्मक विशेषण

## 1 कुरिन्थियों 6:9 (#4)

""

संभावित अर्थ 1) यह सभी समलैंगिक गतिविधि के लिए मेरिस्म है या 2) पौलुस दो अलग-अलग गतिविधियों का नाम दे रहा है।

देखें: मेरिस्म

## 1 कुरिन्थियों 6:9 (#5)

""

संभावित अर्थ 1) पुरुष हैं जो अन्य पुरुषों को उनके साथ सोने देते हैं या 2) पुरुष जो पुरुषों को उनके साथ सोने के लिए पैसे देते हैं या 3) पुरुष जो दुसरे पुरुषों को धार्मिक गतिविधि के हिस्से के रूप में उनके साथ सोने देते हैं।

## 1 कुरिन्थियों 6:10 (#1)

"लोभी"

पौलुस लोगों के एक समूह का वर्णन करने के लिए विशेषण **लोभी** का उपयोग संज्ञा के रूप में कर रहे हैं। आपकी भाषा भी विशेषणों का इसी तरह उपयोग कर सकती है। यदि नहीं, तो आप इसे एक संज्ञा वाक्यांश के साथ अनुवाद कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "लालची लोग" या "जो लोग लालची हैं"

देखें: संज्ञात्मक विशेषण

## 1 कुरिन्थियों 6:10 (#2)

""

जो लोग बुराई का उपयोग करके दूसरों की संपत्ति लेने के लिए इच्छुक हैं

## 1 कुरिन्थियों 6:10 (#3)

"अंधेर करनेवाले"

यहाँ, **अंधेर करनेवाले** वही शब्द है जिसका अनुवाद 5:11 में "अंधेर करनेवाला" के रूप में किया गया है। यह उन व्यक्तियों की पहचान करता है जो दूसरों से बेर्इमानी से रूपये-पैसे लेते हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप **अंधेर करनेवाले** को ऐसे लोगों का उल्लेख करने वाले शब्द के साथ व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "ठगने वाले"

देखें: अज्ञातों का अनुवाद करें

## 1 कुरिन्थियों 6:10 (#4)

"वारिस होंगे"

यहाँ पौलुस **परमेश्वर के राज्य** के बारे में इस तरह बात करते हैं जैसे कि यह एक सम्पत्ति हो जिसे माता-पिता अपनी मृत्यु के बाद अपने बालक को दे सकते हैं। यहाँ पौलुस **वारिस** शब्द का उपयोग **परमेश्वर के राज्य** में रहने की योग्यता के लिए करते हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इस मुहावरे को एक तुलनीय रूपक के साथ व्यक्त कर सकते हैं

हैं या इस विचार को सीधे तौर पर व्यक्त कर सकते हैं।  
वैकल्पिक अनुवाद: "में रहेंगे"

देखें: रूपक

## 1 कुरिन्थियों 6:11 (#1)

"और तुम में से कितने ऐसे ही थे"

यहाँ, ऐसे उन अधर्मी व्यवहारों की सूची को संदर्भित करते हैं जो पौलुस ने 6:9-10 में दी थी। पौलुस कितने ऐसे कुरिन्थियों को उन लोगों के रूप में पहचानते हैं जो इस तरह से व्यवहार करते थे। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप ऐसे को अधर्मी व्यवहारों की सूची की ओर अधिक स्पष्ट रूप से संदर्भित करके अनुवाद कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "वे प्रकार के लोग हैं जो"

देखें: सर्वनाम — उनका उपयोग कब करें

## 1 कुरिन्थियों 6:11 (#2)

"परन्तु तुम....धोए गए, और पवित्र हुए और धर्मी ठहरे"

यहाँ पौलुस ने कुरिन्थियों की स्थिति और अब उनके अनुभव के बीच के अंतर पर ज़ोर देने के लिए परन्तु तुम थे को दोहराते हैं। यदि आपकी भाषा में इस तरह से पुनरावृत्ति का उपयोग नहीं होता है, तो आप परन्तु तुम का एक बार उपयोग कर सकते हैं और किसी अन्य तरीके से मजबूत विरोधाभास व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "लैकिन अब आप धोए गए हैं, पवित्र किए गए हैं, और धर्मी ठहराए गए हैं"

देखें: द्विरावृत्ति

## 1 कुरिन्थियों 6:11 (#1)

""

"इसे सक्रिय रूप में कहा जा सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: ""परमेश्वर ने आपको शुद्ध कर दिया है""

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

## 1 कुरिन्थियों 6:11 (#4)

"तुम...धोए गए"

यहाँ पौलुस ऐसे बोलते हैं जैसे कि कुरिन्थियों को पानी से धोया गया हो। इस तरह से बोलकर, पौलुस इस बात पर जोर देते हैं कि वे पाप से शुद्ध हो गए हैं, जैसे पानी से धोने से व्यक्ति गंदगी से मुक्त हो जाता है। पौलुस के मन में बपतिस्मा हो सकता है।

यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इस मुहावरे को एक तुलनीय रूपक के साथ व्यक्त कर सकते हैं या विचार को सीधे व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "आपको स्वच्छ किया गया" या "आपको शुद्ध किया गया"

देखें: रूपक

## 1 कुरिन्थियों 6:11 (#4)

"यहां यीशु मसीह की शक्ति और अधिकार के लिए एक अलंकार है। वैकल्पिक अनुवाद: ""हमारे प्रभु यीशु मसीह की शक्ति और अधिकार से""

देखें: प्रतिन्यास

## 1 कुरिन्थियों 6:11 (#6)

"हमारे परमेश्वर के आत्मा"

यहाँ पौलुस हमारे परमेश्वर के आत्मा अर्थात् पवित्र आत्मा के रूप में पहचानने के लिए स्वामित्व रूप का उपयोग करते हैं। उनका यह मतलब नहीं है कि आत्मा कुछ ऐसा है जो हमारे परमेश्वर का है। यदि आपकी भाषा आत्मा को हमारे परमेश्वर के रूप में पहचानने के लिए उस रूप का उपयोग नहीं करती है, तो आप एक ऐसे शब्द या वाक्यांश का उपयोग कर सकते हैं जो हमारे परमेश्वर के आत्मा या "पवित्र आत्मा" के रूप में पहचानता है। वैकल्पिक अनुवाद: "आत्मा जो हमारा परमेश्वर है" या "पवित्र आत्मा, हमारा परमेश्वर"

देखें: स्वामित्व

## 1 कुरिन्थियों 6:12 (#1)

"सब वस्तुएँ मेरे लिये उचित तो हैं, परन्तु सब वस्तुएँ लाभ की नहीं" - "सब वस्तुएँ मेरे लिये उचित हैं, परन्तु मैं किसी बात के अधीन न होऊँगा"

यहाँ पौलुस ने कथन पर दो अलग-अलग टिप्पणियाँ करने के लिए मेरे लिए सब वस्तुएँ मेरे लिये उचित तो हैं को दोहराते हैं। सब वस्तुएँ मेरे लिये उचित तो हैं को दोहराकर, पौलुस इस कथन के प्रति अपनी योग्यताओं या आपत्तियों पर जोर देते हैं। यदि आपकी भाषा में पुनरावृत्ति इस तरह से उपयोग नहीं होती है, तो आप सब वस्तुएँ मेरे लिये उचित तो हैं को एक बार कह सकते हैं और उसके बाद दोनों टिप्पणियों को शामिल कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मेरे लिए सब कुछ वैध है, लैकिन सब कुछ लाभदायक नहीं है, और मैं किसी भी चीज़ से वश में नहीं होऊँगा"

देखें: द्विरावृति

## 1 कुरिन्थियों 6:12 (#1)

Connecting Statement:\n\nपौलुस ने कुरिन्थियों के विश्वासियों को याद दिलाया कि परमेश्वर उन्हें शुद्ध चाहते हैं क्योंकि मसीह ने उन्हें अपनी मृत्यु के साथ खरीदा है। उनके शरीर अब परमेश्वर के भवन हैं। वह ऐसा यह कहकर करता है कि कुरिन्थियों क्या कहेंगे और फिर उन्हें सही करता है।

## 1 कुरिन्थियों 6:12 (#2)

"तुम प्रभु यीशु मसीह के नाम से"

संभावित अर्थ 1) पौलुस कुरिन्थियों के लोगों की सोच का जवाब दे रहा है, ""कुछ कहते हैं, 'मैं कुछ भी कर सकता हूँ'"" या 2) पौलुस वास्तव में कह रहा है कि वह क्या सोचता है, ""परमेश्वर मुझे सब कुछ करने की अनुमति देता है।"""

## 1 कुरिन्थियों 6:12 (#4)

"लाभ की"

यहाँ पौलुस यह नहीं कहते कि सब वस्तुएँ किसके लिए लाभ की नहीं हैं। उनका मतलब है कि सब वस्तुएँ उन व्यक्तियों या लोगों के लिए लाभ की नहीं हैं जो कहते हैं कि उनके लिए सब वस्तुएँ उचित तो हैं। यदि आपकी भाषा में यह शामिल करना हो कि किसके लिए सब वस्तुएँ लाभ की नहीं, तो आप यहाँ "आपके लिए" जैसे वाक्यांश को शामिल कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "आपके लिए लाभकारी हैं।"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

## 1 कुरिन्थियों 6:12 (#4)

""

"इसे सक्रिय रूप में कहा जा सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: ""मैं इन चीजों को एक स्वामी की तरह मुझ पर शासन करने की अनुमति नहीं दूंगा।""

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

## 1 कुरिन्थियों 6:12 (#6)

"किसी बात के अधीन न"

यहाँ, अधीन होना किसी अन्य चीज के अधिकार में होने का संदर्भ देता है। पौलुस यहाँ यह कहना चाहते हैं कि कुछ चीजें, जब कोई व्यक्ति उन्हें आदतन करता है, तो वे उस व्यक्ति पर शक्ति या नियंत्रण प्राप्त करने लगती हैं। यहाँ, वह कुरिन्थियों को बताना चाहते हैं कि, जबकि ऐसी चीजें उचित हो सकती हैं, उन्हें इन चीजों को करने से बचना चाहिए क्योंकि वे इन चीजों के द्वारा अधीन हो जाएँगे। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अधीन होने के पीछे के विचार को व्यक्त करने के लिए "शक्ति" या "नियंत्रण" का संदर्भ देने वाले शब्दों का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "नियंत्रित नहीं होंगे" या "शक्ति के अधीन नहीं होंगे।"

देखें: अज्ञातों का अनुवाद करें

## 1 कुरिन्थियों 6:13 (#1)

Possible meanings are 1) Paul is correcting what some Corinthians might be thinking, ""food is for the stomach, and the stomach is for food,"" by answering that God will do away with both the stomach and food or 2) Paul actually agrees that ""food is for the stomach, and the stomach is for food,"" but he is adding that God will do away with both of them.

## 1 कुरिन्थियों 6:13 (#2)

"भोजन पेट के लिये, और पेट भोजन के लिये है, परन्तु परमेश्वर इसको और उसको दोनों को नाश करेगा, परन्तु देह व्यभिचार के लिये नहीं, वरन् प्रभु के लिये; और प्रभु देह के लिये है"

इन दो वाक्यों में, पौलुस ने कई बार {है} को छोड़ दिया है। यदि आपकी भाषा में विचार व्यक्त करने के लिए {है} की आवश्यकता नहीं है, तो आप इन दो वाक्यों में {है} को छोड़ सकते हैं। यदि आपकी भाषा में विचार व्यक्त करने के लिए {है} की आवश्यकता है, तो आप: (1) प्रत्येक वाक्य में पहली बार {है} शामिल कर सकते हैं जब इसकी आवश्यकता हो। यूएलटी देखें। (2) हर बार जब इसकी आवश्यकता हो, {है} शामिल कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "भोजन पेट के लिए है, और पेट भोजन के लिए है ... शरीर यौन अनैतिकता के लिए नहीं है, बल्कि प्रभु के लिए है, और प्रभु शरीर के लिए हैं।"

देखें: पदलोप

**1 कुरिन्थियों 6:13 (#3)****"नाश करेगा"**

नष्ट

**1 कुरिन्थियों 6:13 (#4)****"इसको और उसको दोनों को"**

यहाँ, इसको पेट को संदर्भित करता है, और उसको भोजन को संदर्भित करते हैं, क्योंकि यहाँ भोजन बहुवचन है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप **इसको** और **उसको** जो संदर्भित करते हैं उसे **पेट** और **भोजन** के नामों से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "पेट और भोजन दोनों"

देखें: सर्वनाम — उनका उपयोग कब करें

**1 कुरिन्थियों 6:13 (#5)****"परन्तु"**

यहाँ, **परन्तु** पौलुस ने जो **भोजन** और **पेट** के बारे में कहा है, उसके आधार पर एक विकास का परिचय देता है। जबकि **भोजन** वास्तव में **पेट** के लिए है, **देह व्यभिचार** के लिए नहीं है। पौलुस **भोजन** और **पेट** के बारे में कुरिन्थियों से सहमत हैं, लेकिन वह इस बात से असहमत है कि **व्यभिचार** और **देह** को उसी तरह समझा जाना चाहिए। इसके बजाय, **देह प्रभु के लिए** है। पौलुस अगले पद में ([6:14](#)) और स्पष्ट करते हैं कि, **भोजन** और **पेट** के विपरीत, परमेश्वर **शरीर** को नाश नहीं करेंगे, क्योंकि हम जी उठाए जाएंगे। यदि, **परन्तु** **पेट** और **देह** के बीच अंतर प्रस्तुत नहीं करता, तो आप एक ऐसा शब्द या वाक्यांश उपयोग कर सकते हैं जो ऐसा विरोधाभास प्रस्तुत करता है। वैकल्पिक अनुवाद: "दूसरी ओर,"

देखें: शब्दों और वाक्यांशों को जोड़ना

**1 कुरिन्थियों 6:13 (#6)****"व्यभिचार के लिये"**

यदि आपकी भाषा में **व्यभिचार** के विचार के लिए कोई भाववाचक संज्ञा नहीं है, तो आप "अनैतिक" जैसे विशेषण का उपयोग करके विचार व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "यौन अनैतिकता के लिए" या "यौन अनैतिक व्यवहार"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

**1 कुरिन्थियों 6:13 (#7)****"प्रभु के लिये"**

यहाँ पौलुस का मतलब है कि **देह** का उद्देश्य **प्रभु** की सेवा और उन्हें प्रसन्न करने के लिए है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप **प्रभु के लिये** को एक क्रियात्मक वाक्यांश के साथ अनुवाद कर सकते हैं जो यह दर्शाता है कि **देह** को **प्रभु** की सेवा करनी चाहिए। वैकल्पिक अनुवाद: "प्रभु के लिए मनभावन"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

**1 कुरिन्थियों 6:13 (#8)****"और प्रभु देह के लिये है"**

यहाँ, **प्रभु देह के लिये** इस विचार को व्यक्त कर सकते हैं कि: (1) **प्रभु** मनुष्य के **देह** के लिए कार्य करते हैं न कि केवल मानव "आत्मा" या गैर-भौतिक भाग के लिए। यदि आप निम्नलिखित वैकल्पिक अनुवादों में से किसी का उपयोग करते हैं, तो आपको इसके पहले एक अल्पविराम शामिल करने की आवश्यकता हो सकती है। वैकल्पिक अनुवाद: "और प्रभु शरीर के लिए कार्य करते हैं" (2) **प्रभु** अब मनुष्य हैं और एक **देह** में हैं, जो यह समझा सकता है कि क्यों पौलुस अगले पद में **प्रभु** के पुनरुत्थान के बारे में बात करते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और प्रभु के पास एक मानव शरीर है"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

**1 कुरिन्थियों 6:14 (#1)****"और"**

यहाँ, **और** एक तरीका पेश करता है जिसमें "प्रभु देह के लिये है" ([6:13](#))। मनुष्य के शरीर महत्वपूर्ण हैं और व्यभिचार के लिए नहीं हैं, क्योंकि परमेश्वर उन लोगों को जी उठाएंगे, जो विश्वास करते हैं, और इसमें मानव शरीर शामिल हैं। यदि **और** आपकी भाषा में तर्क के आगे के विकास को पेश नहीं करता है, तो आप एक शब्द या वाक्यांश का उपयोग कर सकते हैं जो इस तरह से कार्य करता है। वैकल्पिक अनुवाद: "आगे,"

देखें: शब्दों और वाक्यांशों को जोड़ना

**1 कुरिन्थियों 6:14 (#1)****"प्रभु को जिलाया"**

प्रभु के फिर से जीने का कारण बन गया

## 1 कुरिन्थियों 6:14 (#3)

"जिलाया" - "भी जिलाएगा"

यहाँ, जिलाया और जिलाएगा का एक ही अर्थ है। पौलुस विविधता के लिए या क्योंकि वे भविष्य का उल्लेख कर रहे हैं, थोड़ा अलग शब्द का उपयोग करते हैं। आपके अनुवाद में, आप जिलाया और जिलाएगा के लिए एक ही शब्द का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "उठाया गया ... उठाएगा ... उठाएगा"

## 1 कुरिन्थियों 6:14 (#4)

"अपनी सामर्थ्य से"

यदि आपकी भाषा में **सामर्थ्य** के विचार के लिए कोई भाववाचक संज्ञा नहीं है, तो आप इस विचार को व्यक्त करने के लिए "शक्तिशाली रूप से" जैसे क्रिया विशेषण या "शक्तिशाली" जैसे विशेषण का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "शक्तिशाली रूप से कार्य करके" या "उनके शक्तिशाली कार्य द्वारा"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

## 1 कुरिन्थियों 6:15 (#1)

"क्या तुम नहीं जानते, कि तुम्हारी देह मसीह के अंग हैं"

"अनुवादित शब्द ""सदस्यों"" को शरीर के कुछ हिस्सों से सम्बोधित किया जाता है। मसीह से हमारे संबंध की बात ऐसे कही गई है जैसे हम उनके शरीर के हिस्से हैं। हम उनसे इतने अधिक जुड़े हैं कि हमारे शरीर भी उनके हैं। पौलुस इस सवाल का उपयोग उन लोगों को याद दिलाने के लिए करता है जिसका उन्हें पहले से ही पता होना चाहिए। वैकल्पिक अनुवाद: ""तुम्हे पता होना चाहिए कि तुम्हारा शरीर मसीह का हैं""

देखें: रूपक

## 1 कुरिन्थियों 6:15 (#2)

"क्या तुम नहीं जानते, कि तुम्हारी देह मसीह के अंग हैं?"

पौलुस यह प्रश्न इसलिए नहीं पूछते क्योंकि वे जानकारी की तलाश में हैं। बल्कि, वे इसे इसलिए पूछते हैं ताकि वह जो तर्क दे रहा है उसमें कुरिन्थियों को शामिल कर सकें। सवाल यह मानता है कि इसका जवाब "हाँ, हम जानते हैं" है। अगर यह आपकी भाषा में मददगार होगा, तो आप इस सवाल के पीछे के विचार को एक मजबूत पुष्टि के साथ व्यक्त कर सकते हैं।

वैकल्पिक अनुवाद: "आपको पता होना चाहिए कि आपके शरीर मसीह के अंग हैं।"

देखें: आलंकारिक प्रश्न

## 1 कुरिन्थियों 6:15 (#3)

"तो क्या मैं मसीह के अंग लेकर"

यहाँ पौलुस मसीह के अंग को हटाने के बारे में बात करते हैं जैसे कि, एक उंगली काटने की तरह, वे मसीह से देह का एक हिस्सा हटा सकते हैं। वह इस तरह से बोलते हैं कि यह दिखाने के लिए कि किसी व्यक्ति को मसीह के साथ एकता से दूर करना कितना बुरा है। यह किसी व्यक्ति के शरीर से एक उंगली, हाथ या पैर काटने जितना ही बुरा है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इस मुहावरे को एक तुलनीय रूपक के साथ व्यक्त कर सकते हैं या विचार को सीधे व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "लोगों को मसीह के साथ एकता से दूर करना"

देखें: रूपक

## 1 कुरिन्थियों 6:15 (#2)

""

"पौलुस इस सवाल का उपयोग इस बात पर जोर देने के लिए करता है कि कितना गलत है कोई व्यक्ति जो मसीह से होकर भी वेश्या के पास जाता है। वैकल्पिक अनुवाद: ""मैं मसीह का हिस्सा हूँ। मैं अपने शरीर को ले जाकर वेश्या के साथ सम्मिलित नहीं करूँगा! ""याएँ"" हम मसीह के शरीर के भाग हैं। हमें अपने शरीर को ले जाकर वेश्या के साथ सम्मिलित नहीं करना चाहिए।""

देखें: आलंकारिक प्रश्न

## 1 कुरिन्थियों 6:15 (#5)

"तो क्या मैं...बनाऊँ"

यहाँ पौलुस प्रथम पुरुष में बोल रहे हैं क्योंकि वे स्वयं को एक उदाहरण के रूप में प्रस्तुत कर रहे हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप ऐसा शब्द या वाक्यांश शामिल कर सकते हैं जो स्पष्ट करता है कि पौलुस स्वयं को एक उदाहरण के रूप में प्रस्तुत कर रहे हैं, या आप ऐसा रूप उपयोग कर सकते हैं जो स्वाभाविक रूप से आपकी भाषा में एक उदाहरण प्रस्तुत करेगा। वैकल्पिक अनुवाद: "क्या मुझे उदाहरण के लिए, उन्हें बनाऊँ"

देखें: प्रथम, द्वितीय या तृतीय पुरुष

**1 कुरिन्थियों 6:15 (#3)****"कदापि नहीं"**

"ऐसा कभी नहीं होना चाहिए! या ""हमें ऐसा कभी नहीं करना चाहिए!"""

**1 कुरिन्थियों 6:16 (#1)**

""

"पौलुस एक सच्चाई पर जोर देकर कुरिन्थियों को सिखाता है कि वे पहले से ही जानते हैं। ""मैं आपको याद दिलाना चाहता हूँ कि ... उसे।"" (देखें: )"

देखें: आलंकारिक प्रश्न

**1 कुरिन्थियों 6:16 (#2)****"जो कोई वेश्या से संगति करता है"**

यहाँ, वेश्या से संगति वेश्या के साथ यौन संबंध बनाने के लिए एक मंगल भाषण है। पौलुस विनम्र होने के लिए इस मंगल भाषण का उपयोग करते हैं। वह इस विशेष मंगल भाषण को चुनते हैं क्योंकि यह बिना यौन संकेतों के किसी के साथ संगति का भी संदर्भ दे सकता है। वह इस वाक्यांश का उपयोग अगले पद में मसीह के साथ एक आत्मा के बारे में बात करने के लिए करते हैं ([6:17](#))। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप वेश्या से संगति को अपनी भाषा में एक समान मंगल भाषण के साथ व्यक्त कर सकते हैं। यदि संभव हो, तो एक ऐसा मंगल भाषण उपयोग करें जो अगले पद में मसीह के साथ गैर-यौन एकता का वर्णन करने के लिए भी काम कर सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: "जो वेश्या के साथ रहता है"

देखें: मंगल भाषण

**1 कुरिन्थियों 6:16 (#2)**

""

"इसे सक्रिय रूप में भी कहा जा सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: ""जब कोई व्यक्ति अपने शरीर को एक वेश्या के शरीर से मिलाता है, तो ऐसा लगता है जैसे उनके शरीर एक शरीर हो गए हैं"""

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

**1 कुरिन्थियों 6:16 (#4)****"वेश्या से"**

यीशु सामान्य वेश्याओं के बारे में बात कर रहे हैं, किसी एक विशेष वेश्या के बारे में नहीं। अगर यह आपकी भाषा में मददगार हो, तो आप एक ऐसा वाक्यांश इस्तेमाल कर सकते हैं जो सामान्य रूप से "वेश्याओं" को संदर्भित करता है। वैकल्पिक अनुवाद: "किसी भी वेश्या के लिए"

देखें: सामान्य संज्ञा वाक्यांश

**1 कुरिन्थियों 6:16 (#5)****"एक तन हो"**

यहाँ पौलुस यह बता रहे हैं कि जो संगति करता है और वेश्या मिलकर एक तन बनाते हैं। वह यह तर्क नहीं कर रहे हैं कि जो संगति करता है वे स्वयं एक तन हैं। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप कुछ शब्द शामिल कर सकते हैं जिनका पौलुस संकेत करते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "उसके साथ एक शरीर है"

देखें: पदलोप

**1 कुरिन्थियों 6:16 (#6)****"एक तन हो"**

यहाँ पौलुस ऐसे बोल रहे हैं जैसे जो संगति करता है और वेश्या मिलकर एक तन साझा करते हैं जब वे शारीरिक संबंध बनाते हैं। वह इस तरह से बोलते हैं ताकि यह दिखा सके कि जब ये दो लोग शारीरिक संबंध बनाते हैं, तो उनकी एकता इतनी निकट होती है जैसे कि उनके पास केवल एक शरीर हो। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इस मुहावरे को एक तुलनीय रूपक के साथ व्यक्त कर सकते हैं या विचार को सीधे तौर पर व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "उसके साथ सब कुछ साझा करता है" या "उससे जुड़ा हुआ है"

देखें: रूपक

**1 कुरिन्थियों 6:16 (#7)****"क्योंकि लिखा है"**

पौलुस की संस्कृति में, क्योंकि लिखा है कि सी महत्वपूर्ण पाठ से उद्धरण प्रस्तुत करने का एक सामान्य तरीका है, इस मामले में, पुराने नियम की पुस्तक जिसका शीर्षक "उत्पत्ति" है (देखें: [2:24](#))। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो

आप एक तुलनीय वाक्यांश का उपयोग कर सकते हैं जो यह संकेत देता है कि पौलुस एक महत्वपूर्ण पाठ से उद्धरण दे रहे हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "क्योंकि इसे पुराने नियम में पढ़ा जा सकता है" या "क्योंकि उत्पत्ति की पुस्तक में हम पढ़ते हैं"

देखें: उद्धरण और उद्धरण सीमा

## 1 कुरिन्थियों 6:16 (#8)

"क्योंकि लिखा है, "वे दोनों एक तन होंगे।"

यदि आप अपनी भाषा में इस रूप का उपयोग नहीं करते हैं, तो आप इन बयानों का अनुवाद अप्रत्यक्ष उद्धरण के रूप में कर सकते हैं बजाय सीधे उद्धरण के। वैकल्पिक अनुवाद: "इसमें कहा गया है कि दोनों एक शरीर बन जाएंगे"

देखें: प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष उद्धरण

## 1 कुरिन्थियों 6:16 (#9)

"वे दोनों एक तन होंगे।"

यहाँ पौलुस द्वारा उद्धृत किया गया अंश उत्पत्ति की पुस्तक से आता है। यह कहानी परमेश्वर द्वारा आदम और हवा, पहले पुरुष और महिला, को बनाने के बारे में है। जब परमेश्वर हवा, महिला, को आदम नामक पुरुष के पास लाते हैं, तो कथा यह टिप्पणी करती है कि यही कारण है कि "पुरुष अपने मातापिता को छोड़कर अपनी पत्नी से मिला रहेगा और वे एक ही तन बने रहेंगे" ([2:24](#))। पौलुस यहाँ इस वाक्य के अंत को उद्धृत करते हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इस उद्धरण का संदर्भ स्पष्ट कर सकते हैं, और संदर्भ को समझाने के लिए एक पाद टिप्पणी शामिल कर सकते हैं। इसके अलावा यह स्पष्ट करके कि शब्द **दोनों** का क्या अर्थ है। वैकल्पिक अनुवाद: "एक पुरुष और एक महिला एक देह के रूप में बन जाएंगे।"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

## 1 कुरिन्थियों 6:17 (#1)

"और जो प्रभु की संगति में रहता है"

यहाँ, **प्रभु की संगति** उस बात का संदर्भ देता है जिसे पौलुस अन्यत्र "मसीह में" या "मसीह के साथ एक" होने के रूप में वर्णित करते हैं। पौलुस इस विशेष वाक्यांश का उपयोग करते हैं क्योंकि उन्होंने इसे पिछले पद में "वेश्या" के साथ संबंध के संदर्भ में उपयोग किया था (देखें: [6:16](#))। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप **प्रभु की संगति** को एक तुलनीय रूपक के साथ व्यक्त कर सकते हैं या विचार को सीधे व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "आत्मिक रूप से उनके साथ सभी चीजें साझा करता है" या "आत्मिक रूप से उनके साथ एक है"

देखें: रूपक

कर सकते हैं। यदि संभव हो, तो पिछले पद में "वेश्या के साथ जुड़ना" के लिए आपने जो शब्द उपयोग किए थे, वही शब्द उपयोग करें। वैकल्पिक अनुवाद: "जो प्रभु के साथ रहता है"

## 1 कुरिन्थियों 6:17 (#1)

""

"इसे सक्रिय रूप में भी कहा जा सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: ""जब परमेश्वर अपनी आत्मा को किसी व्यक्ति की आत्मा से मिलाता है, तो ऐसा लगता है जैसे उनकी आत्माएं एक आत्मा हो गयी हैं""

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

## 1 कुरिन्थियों 6:17 (#3)

"एक आत्मा हो जाता है"

यहाँ पौलुस इस बात की ओर इशारा कर रहे हैं कि जो प्रभु की संगति में रहता है, वे प्रभु के साथ मिलकर एक आत्मा बन जाते हैं। वह यह तर्क नहीं दे रहे हैं कि जो संगति में रहता है, वे स्वयं **एक आत्मा** हैं। अगर यह आपकी भाषा में मददगार हो, तो आप इसमें कुछ ऐसे शब्द शामिल कर सकते हैं जिनका पौलुस ने मतलब निकाला है। वैकल्पिक अनुवाद: "उनके साथ एक आत्मा हैं"

देखें: पदलोप

## 1 कुरिन्थियों 6:17 (#4)

"एक आत्मा हो"

यहाँ पौलुस इस प्रकार बोल रहे हैं जैसे जो संगति में रहता है और प्रभु मिलकर एक आत्मा साझा करते हैं जब संगति में रहने वाला प्रभु में विश्वास करते हैं। वह इस तरह से बोलते हैं ताकि एक विश्वासी और यीशु के बीच की एकता को जोर दिया जा सके, जो उतनी ही निकट है जैसे कि उनके पास केवल एक आत्मा हो। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इस मुहावरे को एक तुलनीय रूपक के साथ व्यक्त कर सकते हैं या विचार को सीधे व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "आत्मिक रूप से उनके साथ सभी चीजें साझा करता है" या "आत्मिक रूप से उनके साथ एक है"

देखें: रूपक

## 1 कुरिन्थियों 6:17 (#5)

"आत्मा"

यहाँ, आत्मा का अर्थ हो सकता है: (1) एक व्यक्ति की आत्मा उसके या उसकी "देह" के विपरीत। जबकि एक वेश्या और एक पुरुष के पास "एक तन हो सकता है" ([6:16](#)), जो एक शारीरिक मिलन है, प्रभु और एक विश्वासी के पास **एक आत्मा** हो सकती है, जो एक आत्मिक मिलन है। वैकल्पिक अनुवाद: "आत्मिक रूप से" (2) पवित्र आत्मा, जो प्रभु और विश्वासी को एक करता है। वैकल्पिक अनुवाद: "पवित्र आत्मा में"

## 1 कुरिन्थियों 6:18 (#1)

"बचे रहो"

"पौलुस यौन पाप को त्यागने वाले व्यक्ति की बात करता है जैसे कि वह व्यक्ति खतरे से दूर भाग रहा हो। वैकल्पिक अनुवाद: ""से दूर हो जाओ""

देखें: रूपक

## 1 कुरिन्थियों 6:18 (#2)

"व्यभिचार"

यदि आपकी भाषा में **व्यभिचार** के विचार के लिए कोई भाववाचक संज्ञा नहीं है, तो आप "अनैतिक" जैसे विशेषण का उपयोग करके विचार व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "यौन अनैतिकता क्या है" या "यौन अनैतिक व्यवहार"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

## 1 कुरिन्थियों 6:18 (#2)

""

"संभावित अर्थ 1) पौलुस दिखा रहा है कि यौन पाप विशेष रूप से बुरा है क्योंकि यह न केवल दूसरों के विरुद्ध बल्कि पापियों के अपने शरीर के विरुद्ध है या 2) पौलुस कुरिन्थियों की सोच को दर्शा रहा है। वैकल्पिक अनुवाद: ""अनैतिकता! तुम में से कुछ कह रहे हैं, 'हर व्यक्ति जो पाप करता है वह शरीर के बाहर होता है,' लेकिन मैं कहता हूं कि ""

देखें: अनुमानित ज्ञान और निहित जानकारी

## 1 कुरिन्थियों 6:18 (#4)

"मनुष्य" - "अपनी"

हालाँकि मूल भाषा में **मनुष्य** और **अपनी** पुलिंग हैं, पौलुस इन शब्दों का इस्तेमाल किसी को भी संदर्भित करने के लिए कर रहे हैं, चाहे वह पुरुष हो या महिला। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप **मनुष्य** और **अपनी** को गैर-लिंगीय शब्दों के साथ व्यक्त कर सकते हैं या दोनों लिंगों को संदर्भित कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "एक पुरुष या महिला ... उनका या उनकी अपनी"

देखें: जब पुलिंग शब्दों में स्त्रियाँ भी सम्मिलित होती हैं

## 1 कुरिन्थियों 6:18 (#3)

"और पाप मनुष्य करता है"

बुरा कार्य जो एक व्यक्ति करता है

## 1 कुरिन्थियों 6:19 (#1)

{या} "क्या तुम नहीं जानते, कि तुम्हारी देह पवित्र आत्मा का मन्दिर है"

मूल भाषा में वाक्यांश के शुरुआत से पहले शब्द या उस विकल्प को प्रस्तुत करता है जिसके बारे में पौलुस [6:18](#) में बात करते हैं। कुछ लोग वास्तव में "अपने देह के विरुद्ध पाप करता है।" पौलुस सही विकल्प देते हैं: उन्हें **जानना** चाहिए कि उनके देह **पवित्र आत्मा** के "मन्दिर" हैं। अगर यह आपकी भाषा में मददगार होगा, तो आप **या** को ऐसे शब्द से व्यक्त कर सकते हैं जो विरोधाभास को दर्शाता है या विकल्प देता है। वैकल्पिक अनुवाद: "बल्कि," या "दूसरी तरफ,"

देखें: शब्दों और वाक्यांशों को जोड़ना

## 1 कुरिन्थियों 6:19 (#1)

""

"पौलुस कुरिन्थियों को जो कुछ वे पहले से जानते हैं उस पर जोर देकर शिक्षा दे रहा है। वैकल्पिक अनुवाद: ""मैं तुम्हें याद दिलाना चाहता हूँ... परमेश्वर और तुम स्वयं के नहीं हो।""

देखें: आलंकारिक प्रश्न

## 1 कुरिन्थियों 6:19 (#2)

"तुम्हारी देह"

प्रत्येक मसीही का शरीर पवित्र आत्मा का भवन है

### 1 कुरिन्थियों 6:19 (#3)

"पवित्र आत्मा का मन्दिर है जो तुम में बसा हुआ"

परमेश्वर का भवन दिव्य प्राणियों को समर्पित होता है, और वह जगह जहाँ वे रहते हैं। इसी प्रकार, प्रत्येक कुरंथियों के व्यक्ति का शरीर पवित्र आत्मा का भवन है क्योंकि पवित्र आत्मा उनके भीतर उपस्थित है।

देखें: रूपक

### 1 कुरिन्थियों 6:19 (#5)

"जो...तुम्हें परमेश्वर की ओर से मिला है"

वैकल्पिक अनुवाद: "जो परमेश्वर ने आपको प्रदान किया है"

### 1 कुरिन्थियों 6:20 (#1)

"क्योंकि दाम देकर मोल लिये गए हो"

यहाँ पौलस ऐसा कह रहे हैं जैसे कि कुरिन्थियों को परमेश्वर ने किसी और से दाम देकर मोल लिया हो। पौलस उस प्रक्रिया की बात कर रहे हैं जिसे हम अक्सर "छुटकारा" कहते हैं। दाम मसीह की कूस पर मृत्यु है, जो विश्वासियों को पाप और दुष्ट शक्तियों से "मुक्त" करती है। यह एक महत्वपूर्ण बाइबलीय रूपक है, इसलिए यदि संभव हो तो रूपक को बनाए रखें या इसे एक उपमा के रूप में व्यक्त करें।

वैकल्पिक अनुवाद: "आपको एक मूल्य देकर खरीदा गया, जो मसीह की मृत्यु है"

देखें: रूपक

### 1 कुरिन्थियों 6:20 (#1)

""

"परमेश्वर ने पाप की दासता से कुरिन्थियों की स्वतंत्रता के लिए मूल्य दिया। इसे सक्रिय के रूप में कहा जा सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: ""परमेश्वर ने तुम्हारी स्वतंत्रता के लिए मूल्य दिया"""

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

### 1 कुरिन्थियों 6:20 (#2)

"इसलिए"

क्योंकि मैंने अभी जो कहा है वह सत्य है

### 1 कुरिन्थियों 6:20 (#4)

"अपनी देह के द्वारा"

अपनी देह के द्वारा वाक्यांश के बाद, कुछ प्रारंभिक पांडुलिपियों में "और अपनी आत्मा में, जो परमेश्वर की है" शामिल है। अधिकांश प्रारंभिक पांडुलिपियों में यह अतिरिक्त शब्द शामिल नहीं हैं। यदि संभव हो, तो इस अतिरिक्त शब्द को शामिल न करें।

देखें: पाठ्य भिन्नताएँ

### 1 कुरिन्थियों 7:1 (#2)

"उन बातों के विषय में जो"

पौलुस अपनी शिक्षा में एक नये विषय को परिचित कर रहा है।

### 1 कुरिन्थियों 7:1 (#3)

"उन बातों के विषय में जो तुम ने लिखीं"

कुरिन्थियों ने पौलुस को कुछ प्रश्नों के उत्तर मांगने के लिए एक पत्र लिखा था।

### 1 कुरिन्थियों 7:1 (#4)

"यह अच्छा है, कि पुरुष स्त्री को न छूए"

"संभावित अर्थ 1) पौलुस ने उद्धृत किया है जो कुरिन्थियों ने लिखा था। वैकल्पिक अनुवाद: ""आपने लिखा, 'एक आदमी के लिए यह अच्छा है कि किसी औरत को न छुए।'" या 2) पौलुस उसे जो वह वास्तव में क्या सोचता है कि कह रहा है। वैकल्पिक अनुवाद: ""मेरा जवाब यह है कि हाँ, यह एक आदमी के लिए अच्छा है कि किसी महिला को न छुए।"""

### 1 कुरिन्थियों 7:1 (#4)

"यह अच्छा है, कि पुरुष स्त्री को न छूए"

वैकल्पिक अनुवाद: "जब कोई पुरुष किसी महिला को नहीं छूता, तो यह अच्छी बात है"

**1 कुरिन्थियों 7:1 (#6)****"पुरुष"**

"संभावित अर्थ 1) ""एक आदमी"" एक विवाहित व्यक्ति को संबोधित करता है। वैकल्पिक अनुवाद: ""एक पति"" या 2) ""एक आदमी"" किसी भी व्यक्ति को संबोधित करता है।"

**1 कुरिन्थियों 7:1 (#6)****"पुरुष" - "स्त्री को"**

यहाँ पौलुस पुरुष और स्त्री का उल्लेख एकवचन में करते हैं, लेकिन वे किसी भी पुरुष और किसी भी स्त्री के बारे में सामान्य रूप से बात कर रहे हैं। यदि आपकी भाषा में सामान्य रूप से लोगों को संदर्भित करने के लिए एकवचन रूप का उपयोग नहीं किया जाता है, तो आप ऐसे रूप का उपयोग कर सकते हैं जो आपकी भाषा में लोगों को जातिगत रूप से संदर्भित करता हो। वैकल्पिक अनुवाद: "पुरुषों के लिए ... महिलाओं के लिए"

देखें: सामान्य संज्ञा वाक्यांश

**1 कुरिन्थियों 7:1 (#7)****"स्त्री को न छाए"**

"संभावित अर्थ 1) ""एक महिला को छूना"" यौन संबंध रखने के लिए एक प्रेयोक्ति है। वैकल्पिक अनुवाद: ""कुछ समय के लिए अपनी पत्नी के साथ यौन संबंध नहीं रखना"" या 2) ""एक महिला को छूना"" शादी के लिए एक अलंकार है। वैकल्पिक अनुवाद: ""शादी नहीं करना""

देखें: शिष्टाता

**1 कुरिन्थियों 7:2 (#1)****"परन्तु" - "से"**

"संभावित अर्थ 1) पौलुस कुरिन्थियों ने जो लिखा था उसका जवाब दे रहा है। वैकल्पिक अनुवाद: ""यह सच है, लेकिन क्योंकि"" या 2) पौलुस उसे जो वह वास्तव में क्या सोचता है कह रहा है।"

**1 कुरिन्थियों 7:2 (#2)**

..."

"लेकिन क्योंकि शैतान लोगों को यौन पाप करने के लिए प्रेरित करता है, प्रत्येक या ""लेकिन हम अपने पापपूर्ण प्रकृति के कारण यौन पाप करने की कामना करते हैं, इसलिए प्रत्येक"""

**1 कुरिन्थियों 7:2 (#3)****"व्यभिचार के डर से"**

यहाँ **व्यभिचार के डर से** यह दर्शाता है कि लोग **व्यभिचार** करने की लालसा रखते हैं और **व्यभिचार** करते हैं। पौलुस **व्यभिचार** का उल्लेख भाववाचक रूप में नहीं करते। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप **व्यभिचार** का अनुवाद ऐसे शब्द या वाक्यांश से कर सकते हैं जो "प्रलोभन" या "व्यवहार" को संदर्भित करता हो। वैकल्पिक अनुवाद: "व्यभिचार के प्रलोभन के कारण" या "क्योंकि लोग अनैतिक रूप से कार्य करते हैं"

देखें: लक्षणालंकार

**1 कुरिन्थियों 7:2 (#4)****"हर एक पुरुष की पत्नी, और हर एक स्त्री का पति हो"**

यहाँ पौलुस दो तृतीय-पुरुष अनिवार्यताएँ का उपयोग करते हैं। यदि आपकी भाषा में तृतीय-पुरुष अनिवार्यताएँ हैं, तो आप उन्हें यहाँ उपयोग कर सकते हैं। यदि आपके पास तृतीय-पुरुष अनिवार्यताएँ नहीं हैं, तो आप इस विचार को "चाहिए" या "अनुमति देना" जैसे शब्दों का उपयोग करके व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "प्रत्येक पुरुष की अपनी पत्नी होनी चाहिए, और प्रत्येक महिला का अपना पति होना चाहिए"

देखें: तृतीय-पुरुष अनिवार्यताएँ

**1 कुरिन्थियों 7:2 (#5)****"हर एक पुरुष की पत्नी, और हर एक स्त्री का पति हो"**

वाक्यांश एक पुरुष की पत्नी और हर एक स्त्री का पति हो मुख्य रूप से विवाहित रहने की निरंतर स्थिति को संदर्भित करते हैं, जिसमें लैगिक सम्बन्ध बनाए रखना शामिल है। हालांकि, यह मुहावरा मुख्य रूप से किसी के वर्तमान जीवनसाथी के साथ विवाह की स्थिति में बने रहने पर जोर देता है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप **हर एक पुरुष की पत्नी** और **हर एक स्त्री का पति हो** को एक तुलनीय मुहावरे के साथ अनुवाद कर सकते हैं या सीधे विवाहित रहने से भी उल्लेखित कर सकते हैं। वैकल्पिक

अनुवाद: "प्रत्येक पुरुष अपनी पत्नी के साथ विवाह में बना रहे, और प्रत्येक स्त्री अपने पति के साथ विवाह में बनी रहे"

देखें: मुहावरा

## 1 कुरिन्थियों 7:3 (#1)

"पति" - "पत्नी" - "पत्नी" - "पति का"

यहाँ पौलुस पति और पत्नी का उल्लेख एकवचन में करते हैं, लेकिन वह किसी भी पति और पत्नी के बारे में सामान्य रूप से बात कर रहे हैं। यदि आपकी भाषा में सामान्य रूप से लोगों का उल्लेख करने के लिए एकवचन रूप का उपयोग नहीं होता है, तो आप अपनी भाषा में लोगों का सामान्य रूप से उल्लेख करने वाला रूप उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "प्रत्येक पति ... अपनी पत्नी के लिए ... प्रत्येक पत्नी ... अपने पति के लिए"

देखें: सामान्य संज्ञा वाक्यांश

## 1 कुरिन्थियों 7:3 (#2)

"पति अपनी पत्नी का हक्क पूरा करे"

यहाँ पौलुस तृतीय-पुरुष अनिवार्यताएँ का उपयोग करते हैं। यदि आपकी भाषा में तृतीय-पुरुष अनिवार्यताएँ होती हैं, तो आप यहाँ एक का उपयोग कर सकते हैं। यदि आपके पास तृतीय-पुरुष अनिवार्यताएँ नहीं होते हैं, तो आप इस विचार को "चाहिए" या "जरूर" जैसे शब्दों का उपयोग करके व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "एक पति को देना चाहिए"

देखें: तृतीय-पुरुष अनिवार्यताएँ

## 1 कुरिन्थियों 7:3 (#1)

"हक्क"

पति और पत्नियां दोनों अपने पति / पत्नी के साथ नियमित रूप से सोने के लिए बाध्य हैं।

देखें: शिष्टता

## 1 कुरिन्थियों 7:3 (#2)

"वैसे ही पत्नी" - "अपने पति का"

"शब्द" ""देना चाहिए"" और ""यौन अधिकार"" पिछले वाक्यांश से समझा जाता है। वैकल्पिक अनुवाद: ""वैसे ही पत्नी को अपने पति को उसके यौन अधिकार देना चाहिए""

देखें: विराम बिंदु

## 1 कुरिन्थियों 7:4 (#1)

"पत्नी" - "पति का" - "पति" - "पत्नी को"

जैसे 7:3 में, पौलुस यहाँ पति और पत्नी को एकवचन में संदर्भित करते हैं, लेकिन वह किसी भी पति और पत्नी के बारे में सामान्य रूप से बात कर रहे हैं। यदि आपकी भाषा में सामान्य रूप से लोगों को संदर्भित करने के लिए एकवचन रूप का उपयोग नहीं किया जाता है, तो आप ऐसे रूप का उपयोग कर सकते हैं जो आपकी भाषा में लोगों को सामान्य रूप से संदर्भित करता हो। वैकल्पिक अनुवाद: "प्रत्येक पत्नी ... अपने पति को करती है ... प्रत्येक पति ... अपनी पत्नी को करता है"

देखें: सामान्य संज्ञा वाक्यांश

## 1 कुरिन्थियों 7:4 (#2)

"अपनी देह पर अधिकार नहीं" - "अपनी देह पर अधिकार नहीं"

यदि आपकी भाषा में अधिकार के पीछे के विचार के लिए भाववाचक संज्ञा का उपयोग नहीं किया गया है, तो आप किसी क्रिया या मौखिक वाक्यांश जैसे "नियंत्रण" या "अपना दावा करना" का उपयोग करके विचार को व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "अपनी देह पर नियंत्रण नहीं करती ... अपनी देह पर नियंत्रण नहीं करता" या "अपनी देह को अपना नहीं मानती ... अपनी देह को अपना नहीं मानता"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

## 1 कुरिन्थियों 7:4 (#3)

"पति का" - "पत्नी को"

इन दोनों जगहों पर पौलुस कुछ ऐसे शब्द छोड़ देता है जो शायद आपकी भाषा में एक पूरा वाक्य बनाने के लिए ज़रूरी हों। आप विचार को पूरा करने के लिए प्रत्येक कथन के पहले भाग से शब्द जोड़ सकते हैं, जैसा कि आई.आर.वी. करता है। वैकल्पिक अनुवाद: "पति का उसकी देह पर अधिकार है ... पत्नी का उसकी देह पर अधिकार है"

देखें: पदलोप

## 1 कुरिन्थियों 7:5 (#1)

"तुम एक दूसरे से अलग न रहो"

""“वंचित”“ शब्द का अर्थ किसी ऐसे व्यक्ति को दूर रखना है जिसका दूसरे व्यक्ति को प्राप्त करने का अधिकार है। ”“अपने पति / पत्नी के साथ वैवाहिक संबंधों से मना न करें”“

देखें: शिष्टता

## 1 कुरिन्थियों 7:5 (#2)

“आपसी सहमति से ही एक-दूसरे से अलग रहें”

यदि आपकी भाषा में ऐसा प्रतीत होता है कि पौलुस यहाँ एक कथन दे रहे थे और फिर उसका खण्डन कर रहे थे, तो आप इसे पुनः शब्दों में ढाल सकते हैं ताकि अपवाद खंड का उपयोग न करना पड़े। वैकल्पिक अनुवाद: “तुमको केवल एक स्थिति में एक-दूसरे से वंचित करना चाहिए: आपसी सहमति से”

देखें: जोड़ें — अपवाद खण्ड

## 1 कुरिन्थियों 7:5 (#3)

“आपस की सम्मति से”

यदि आपकी भाषा में सम्मति के पीछे के विचार के लिए कोई भाववाचक संज्ञा नहीं है, तो आप “सम्मति” जैसी क्रिया का उपयोग करके विचार व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “जब आप दोनों सहमत हों”

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

## 1 कुरिन्थियों 7:5 (#4)

“कुछ समय तक”

यहाँ, कुछ समय एक छोटे, अनिर्दिष्ट समय अवधि की पहचान करता है। शब्द कुछ समय सर्दी या गर्मी का उल्लेख नहीं करता है। यदि यह आपकी भाषा में सहयोग होगा, तो आप कुछ समय को एक शब्द या वाक्यांश के साथ व्यक्त कर सकते हैं जो अस्पष्ट रूप से एक छोटे समय का संदर्भ देता है। वैकल्पिक अनुवाद: “थोड़े समय के लिए” “कम समय के लिए”

देखें: मुहावरा

## 1 कुरिन्थियों 7:5 (#5)

“कि”

यहाँ, कि उस उद्देश्य का परिचय देता है जिसके लिए कुरिन्थ के लोग एक दूसरे से अलग रह सकते हैं। दूसरे शब्दों में, यह तक वाले कथन के उद्देश्य को बताता है। यदि यह आपकी भाषा में उपयोगी हो, तो आप यह स्पष्ट करके बता सकते हैं कि कि का क्या तात्पर्य है, और वह यह बताता है कि क्यों कुरिन्थ के लोग एक दूसरे से अलग रह सकते हैं। यदि आप निम्नलिखित वैकल्पिक अनुवाद का उपयोग करते हैं, तो आपको इसके पहले एक पूर्ण विराम जोड़ने की आवश्यकता हो सकती है। वैकल्पिक अनुवाद: “तुम केवल इस उद्देश्य से एक-दूसरे को वंचित कर सकते हो कि”

देखें: जोड़ें — लक्ष्य (उद्देश्य) सम्बन्ध

## 1 कुरिन्थियों 7:5 (#2)

”“

विशेष रूप से गहरी प्रार्थना की अवधि के लिए

## 1 कुरिन्थियों 7:5 (#7)

“प्रार्थना के लिये”

यदि आपकी भाषा में प्रार्थना के पीछे के विचार के लिए कोई भाववाचक संज्ञा नहीं है, तो आप इस विचार को व्यक्त करने के लिए “प्रार्थना करना” जैसी क्रिया का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “प्रार्थना करने के लिए”

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

## 1 कुरिन्थियों 7:5 (#4)

”“

पुनः एक साथ सो जाओ

## 1 कुरिन्थियों 7:5 (#9)

“कि”

यहाँ, कि उस उद्देश्य को प्रस्तुत करता है जिसके लिए: (1) कुरिन्थ के लोगों को शीघ्रता से फिर एक साथ रहना चाहिए। ऐसा इसलिए है क्योंकि शैतान उनको परखेगा जब तक वे एक साथ नहीं होते। यदि आप निम्नलिखित वैकल्पिक अनुवाद का उपयोग करते हैं, तो आपको इसके पहले एक पूर्ण विराम जोड़ने की आवश्यकता हो सकती है। वैकल्पिक

अनुवाद: "शीघ्रता से फिर से एक साथ हों जाओ ताकि" (2) कुरिन्थ के लोगों को एक दूसरे से अलग नहीं रहना चाहिए। यदि आप निम्नलिखित वैकल्पिक अनुवाद का उपयोग करते हैं, तो आपको इसके पहले एक पूर्ण विराम जोड़ने की आवश्यकता हो सकती है। वैकल्पिक अनुवाद: "एक-दूसरे को वंचित न करने का उद्देश्य यह है कि"

देखें: जोड़ें — लक्ष्य (उद्देश्य) सम्बन्ध

## 1 कुरिन्थियों 7:5 (#10)

### "परन्तु"

यहाँ, परन्तु यह कारण प्रस्तुत कर सकता है कि क्यों: (1) शैतान उन्हें परख सकता है। यदि आप निम्नलिखित वैकल्पिक अनुवाद का उपयोग करते हैं, तो आपको इसके पहले एक अल्पविराम जोड़ने की आवश्यकता हो सकती है। वैकल्पिक अनुवाद: "जो वह इसलिए करेगा क्योंकि" (2) उनको जल्द ही फिर एक साथ रहना है। यदि आप निम्नलिखित वैकल्पिक अनुवाद का उपयोग करते हैं, तो आपको इसके पहले एक पूर्ण विराम जोड़ने की आवश्यकता हो सकती है। वैकल्पिक अनुवाद: "तुमको ऐसा इसलिए करना चाहिए क्योंकि"

देखें: जोड़ें — कारण-और-परिणाम सम्बन्ध

## 1 कुरिन्थियों 7:5 (#5)

### "तुम्हारे असंयम के कारण"

क्योंकि कुछ दिनों के बाद, आपकी यौन इच्छाओं को नियंत्रण में रखना कठिन होगा

## 1 कुरिन्थियों 7:6 (#1)

### "यह"

यहाँ, यह निम्नलिखित को संदर्भित कर सकता है: (1) वह जो पौलुस ने 7:5 में उस स्थिति के बारे में कहा है जिसमें वह एक-दूसरे से "अलग" हो सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "यह जब तुम एक-दूसरे से अलग हो सकते हो" (2) वह जो पौलुस ने 7:2-5 में कहा है कि विवाहित जोड़ों को नियमित रूप से लैगिक सम्बन्ध बनाना चाहिए। वैकल्पिक अनुवाद: "यह विवाहित होने के सम्बन्ध में"

देखें: सर्वनाम — उनका उपयोग कब करें

## 1 कुरिन्थियों 7:6 (#2)

### "अनुमति है न कि आज्ञा"

यदि आपकी भाषा में नकारात्मक कथन को सकारात्मक कथन से पहले व्यक्त किया जाता है, तो आप इन दो वाक्यांशों के क्रम को उलट सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "आदेश के रूप में नहीं, बल्कि स्वीकृति के रूप में"

देखें: सूचना संरचना

## 1 कुरिन्थियों 7:6 (#3)

### "अनुमति"

यहाँ, अनुमति का अर्थ ऐसी चीज़ से है जिसे कोई व्यक्ति स्वीकृति देता है, भले ही वह उससे पूरी तरह सहमत न हो। आमतौर पर, यह अनुमति इसलिए दी जाती है क्योंकि कोई व्यक्ति उस व्यक्ति की नाराज नहीं करना चाहता है जिसके साथ वह व्यवहार कर रहा है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप अनुमति के पीछे के विचार को किसी तुलनीय शब्द या वाक्यांश का उपयोग करके व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "समझौता" या "स्वीकार"

देखें: अज्ञातों का अनुवाद करें

## 1 कुरिन्थियों 7:6 (#4)

### "अनुमति है न कि आज्ञा"

यदि आपकी भाषा में अनुमति और आज्ञा के पीछे के विचारों के लिए भाववाचक संज्ञाओं का उपयोग नहीं होता है, तो आप "स्वीकार करना" और "आदेश" जैसी क्रियाओं का उपयोग करके विचार व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "क्योंकि मैं इसे स्वीकृति देता हूँ, इसलिए नहीं कि मैं आदेश देता हूँ"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

## 1 कुरिन्थियों 7:7 (#1)

### "परन्तु"

यहाँ, परन्तु 7:1-6 में पौलुस द्वारा कही गई सभी बातों के साथ एक विरोधाभास प्रस्तुत करता है। उन पदों में, वह इस बारे में बात करते हैं कि विश्वासियों को तब कैसे व्यवहार करना चाहिए जब वे पहले से ही विवाहित हों। अब, हालांकि, वह विवाह करने के बारे में बात करना शुरू करते हैं, और वह कहते हैं कि वह चाहते हैं कि लोग अविवाहित रहें, जैसे वह हैं। परन्तु यहाँ एक नए चरण को प्रस्तुत करता है जो विवाह

करने से संबंधित है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप परन्तु को एक शब्द या वाक्यांश के साथ व्यक्त कर सकते हैं जो एक नए लेकिन सम्बन्धित विषय की शुरुआत करता है। वैकल्पिक अनुवाद: "अब" या "आगे बढ़ते हुए,"

देखें: शब्दों और वाक्यांशों को जोड़ना

## 1 कुरिन्थियों 7:7 (#1)

""

या तो पौलुस ने कभी शादी नहीं की थी या उसकी पत्नी की मृत्यु हो गई थी। इसकी संभावना नहीं है कि उसे तलाक का सामना करना पड़ा हो।

## 1 कुरिन्थियों 7:7 (#3)

"मनुष्य" - "हर एक को"

हालांकि मनुष्य और हर एक पुलिंग है, पौलुस इन शब्दों का उपयोग किसी के लिए कर रहे हैं, चाहे वह मनुष्य हो या स्त्री। यदि यह आपकी भाषा में उपयोगी हो, तो आप मनुष्य और हर एक को गैर लिंगीय शब्दों में व्यक्त कर सकते हैं या दोनों लिंगों को संदर्भित कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "पुरुष और स्त्रियाँ ... अपने-अपने"

देखें: जब पुलिंग शब्दों में स्त्रियाँ भी सम्मिलित होती हैं

## 1 कुरिन्थियों 7:7 (#4)

"वरदान"

यहाँ पौलुस उस जीवन के तरीके के बारे में बात करते हैं जिसे परमेश्वर ने प्रत्येक व्यक्ति को जीने के लिए बुलाया है, जैसे कि यह एक वरदान हो जो प्रत्येक व्यक्ति परमेश्वर से प्राप्त करता है। वरदान का उपयोग करके, पौलुस इस बात पर जोर देते हैं कि व्यक्ति परमेश्वर की ओर से वरदान स्वतंत्र रूप से प्राप्त करता है और यह वरदान एक उत्तम चीज है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप वरदान के पीछे के विचार को स्पष्ट रूप से या एक तुलनीय रूपक के साथ व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "आशीष" या "बुलाहट"

देखें: रूपक

## 1 कुरिन्थियों 7:7 (#2)

""

परमेश्वर लोगों को विभिन्न चीजों को करने में सक्षम बनाता है। वह एक व्यक्ति को किसी चीज में और दूसरे व्यक्ति को कुछ अलग करने में सक्षम बनाता है

## 1 कुरिन्थियों 7:8 (#1)

"अविवाहितों"

यहाँ, अविवाहितों का अर्थ हो सकता है: (1) वे लोग जो वर्तमान में विवाहित नहीं हैं, चाहे वे कभी विवाहित न रहे हों या अब विवाहित न हों। वैकल्पिक अनुवाद: "उन लोगों के लिए जिनके पास जीवनसाथी नहीं हैं" (2) ऐसे पुरुष जिनकी पत्नियाँ मर चुकी हैं, जो विधवाओं के साथ अच्छी जोड़ी बनाते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "विधुरों के लिये"

देखें: अज्ञातों का अनुवाद करें

## 1 कुरिन्थियों 7:8 (#2)

"अविवाहितों... के विषय में"

पौलुस एक समूह के लोगों का वर्णन करने के लिए विशेषण अविवाहितों का प्रयोग संज्ञा के रूप में कर रहे हैं। आपकी भाषा में भी विशेषण का इस प्रकार उपयोग हो सकता है। यदि नहीं, तो आप अविवाहितों को एक संज्ञा वाक्यांश या एक संबंधवाचक उपवाक्य के साथ अनुवाद कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "उन लोगों के लिए जो अविवाहित हैं"

देखें: संज्ञात्मक विशेषण

## 1 कुरिन्थियों 7:8 (#3)

"विधवाओं के विषय में"

यहाँ, विधवाओं विशेष रूप से उन स्त्रियों को संदर्भित करता है जिनके पति का निधन हो गया है। यह उन पुरुषों को संदर्भित नहीं करता जिनकी पत्नियों का निधन हो गया है। वैकल्पिक अनुवाद: "उन स्त्रियों के लिए जो विधवा हैं"

देखें: अज्ञातों का अनुवाद करें

## 1 कुरिन्थियों 7:8 (#4)

(यदि) "कि उनके लिये ऐसा"

बाइबल के अंग्रेजी अनुवाद में यहाँ यदि का उपयोग किया गया है, जो यहाँ एक नई घटना को प्रस्तुत करता है पर हिन्दी आई.आर.वी. अनुवाद में इसका प्रयोग नहीं किया गया है। यहाँ पौलुस एक सच्ची संभावना प्रस्तुत करने के लिए यदि का

उपयोग करते हैं। उनका मतलब है कि लोग पौलुस की तरह भी **रह** सकते हैं या नहीं भी रह सकते हैं। वह यह स्पष्ट करते हैं कि यदि वे **रह** सकते हैं तो यह **अच्छा** है। यदि यह आपकी भाषा में उपयोगी हो, तो आप इस रूप को सम्बन्धवाचक खण्ड का प्रयोग करके **यदि** कथन में व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जब भी"

देखें: जोड़ें — काल्पनिक स्थितियाँ

## 1 कुरिन्थियों 7:8 (#3)

""

देखें कि आपने इसका अनुवाद कैसे किया [1 कुरिन्थियों 7:1](#)।

## 1 कुरिन्थियों 7:9 (#1)

"परन्तु यदि वे संयम न कर सके, तो विवाह करें"

यहाँ पौलुस एक सच्ची संभावना को प्रस्तुत करने के लिए **यदि** का उपयोग करते हैं। उनका तात्पर्य है कि लोगों में **संयम हो सकता है** या नहीं भी हो सकता। यहाँ वह निर्देश देते हैं कि यदि उनमें **संयम नहीं है** तो क्या करना चाहिए। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इस रूप को एक सम्बन्धवाचक उपवाक्य का उपयोग करके **यदि** कथन को व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जिनके पास आत्म-संयम नहीं है, उन्हें विवाह कर लेना चाहिए"

देखें: जोड़ें — काल्पनिक स्थितियाँ

## 1 कुरिन्थियों 7:9 (#2)

"वे संयम न कर सके"

यदि आपकी भाषा में **संयम** के विचार के लिए कोई भाववाचक संज्ञा नहीं है, तो आप इस विचार को "आत्म-नियंत्रित" जैसे विशेषण या "स्वयं को नियंत्रित करना" जैसे क्रियात्मक वाक्यांश का उपयोग करके व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "वे आत्म-नियंत्रित नहीं हैं" या "वे स्वयं को नियंत्रित नहीं कर पाते हैं"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

## 1 कुरिन्थियों 7:9 (#3)

"विवाह करें"

यहाँ पौलुस तृतीय-पुरुष अनिवार्यताओं का उपयोग करते हैं। यदि आपकी भाषा में तृतीय-पुरुष अनिवार्यताएँ हैं, तो आप

यहाँ एक का उपयोग कर सकते हैं। यदि आपके पास तृतीय-पुरुष अनिवार्यताएँ नहीं हैं, तो आप इस विचार को "करने दें" या "करना चाहिए" जैसे शब्दों का उपयोग करके व्यक्त कर सकते हैं, जैसा कि आई.आर.वी. करता है। वैकल्पिक अनुवाद: "उन्हें विवाह करने दें"

देखें: तृतीय-पुरुष अनिवार्यताएँ

## 1 कुरिन्थियों 7:9 (#1)

"कामातुर रहने से"

किसी के साथ सोने की निरंतर इच्छा के साथ जीना

## 1 कुरिन्थियों 7:10 (#1)

"विवाह हो गया है"

पौलुस एक समूह के लोगों का वर्णन करने के लिए विशेषण **विवाह हो गया** का प्रयोग संज्ञा के रूप में कर रहा है। आपकी भाषा भी इसी प्रकार विशेषणों का उपयोग कर सकती है। यदि नहीं, तो आप **विवाह हो गया** का अनुवाद एक संज्ञा वाक्यांश या एक संबंधवाचक उपवाक्य के साथ कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "उन लोगों के लिए जो विवाहित हैं"

देखें: संज्ञात्मक विशेषण

## 1 कुरिन्थियों 7:10 (#2)

"मैं नहीं, वरन् प्रभु आज्ञा देता है"

यहाँ पौलुस स्पष्ट करते हैं कि इस आदेश के पीछे उनका अधिकार नहीं है। यह **प्रभु** हैं जो यहाँ अधिकार रखते हैं। पौलुस विशेष रूप से ध्यान में रखते हैं कि **प्रभु** ने जब वह पृथ्वी पर थे तब विवाह और त्यागने के बारे में क्या कहा था (देखें: [मर 10:5-12](#))। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप **मैं नहीं, वरन् प्रभु** का अनुवाद इस प्रकार कर सकते हैं कि यह पौलुस "अकेले" नहीं हैं जो आदेश देते हैं, या यह स्पष्ट कर सकते हैं कि पौलुस **प्रभु** के कहीं हुई बात का संदर्भ दे रहे हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मैं अकेला नहीं, बल्कि प्रभु भी" या "और यहाँ मैं जो प्रभु ने कहा उसका संदर्भ देता हूँ"

देखें: जोड़ें — विरोधाभास सम्बन्ध

## 1 कुरिन्थियों 7:10 (#3)

"पत्री" - "अपने पति से"

यहाँ पौलुस सामान्य रूप से पत्रियों और पतियों की बात कर रहें हैं, न कि केवल एक पत्नी और पति की। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप पत्नी और पति को पत्रियों और पतियों के लिए सामान्य रूप से संदर्भित करने के लिए एक तुलनीय तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "प्रत्येक पत्नी ... अपने पति से"

देखें: सामान्य संज्ञा वाक्यांश

## 1 कुरिन्थियों 7:10 (#1)

"से अलग न हो"

"पौलुस के पाठकों को अलग करने और तलाक देने के बीच का अंतर पता नहीं था। किसी के साथ ना रहना शादी समाप्त करना था। वैकल्पिक अनुवाद: ""तलाक नहीं लेना चाहिए"""

## 1 कुरिन्थियों 7:10 (#5)

"अलग न हो"

यदि आपकी भाषा में निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं होता है, तो आप इस विचार को सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य स्वाभाविक तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। पौलुस यहाँ निष्क्रिय रूप का प्रयोग पत्नी पर ध्यान केंद्रित करने के लिए करते हैं, जो अलग हो चुकी है, न कि "अलग करने" वाले व्यक्ति पर ध्यान केंद्रित करने के लिए। यदि आपको यह बताना आवश्यक है कि क्रिया कौन करता है, तो पौलुस यह संकेत देते हैं कि पत्नी स्वयं ऐसा करती हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "अलग नहीं होना चाहिए"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

## 1 कुरिन्थियों 7:11 (#1)

"और यदि अलग भी हो जाए, तो बिना दूसरा विवाह किए रहे; या अपने पति से फिर मेल कर ले"

आई.आर.वी. इस खण्ड को कोष्टक में डालता है क्योंकि यह पौलुस द्वारा 7:11 में कही गई बात का एक स्पष्टीकरण है और क्योंकि 7:10-11 को इस खण्ड के बिना भी आसानी से पढ़ा जा सकता है। इस खण्ड में, पौलुस निर्देश देते हैं कि यदि पत्नी पौलुस के कहे अनुसार अपने पति को तलाक दे देती है तो उसे क्या करना चाहिए। अपनी भाषा में एक ऐसा रूप उपयोग करें जो एक विशिष्टता या कोष्टक को दर्शाता हो। वैकल्पिक अनुवाद: "यदि वह मेरे कहने के बावजूद भी अलग हो जाती है, तो उसे अविवाहित रहने दे, या उसे पति से मेल-मिलाप करने दे"

देखें: सूचना संरचना

## 1 कुरिन्थियों 7:11 (#2)

"यदि अलग भी हो जाए," - "पति से)," - "पति" - "पत्नी"

यहाँ पौलुस सामान्य रूप से पत्रियों और पतियों की बात कर रहें हैं, न कि केवल एक पत्नी और पति की। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप पत्नी और पति को पत्रियों और पतियों के लिए सामान्य रूप से संदर्भित करने के लिए एक तुलनीय तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "पत्रियों में से कोई एक अलग हो सकती है ... अपने पति से ... प्रत्येक पति ... अपनी पत्नी"

देखें: सामान्य संज्ञा वाक्यांश

## 1 कुरिन्थियों 7:11 (#3)

"और यदि अलग भी हो जाए... रहे"

यहाँ पौलुस एक सच्ची संभावना प्रस्तुत करने के लिए यदि का उपयोग करते हैं। उनका मतलब है कि एक पत्नी अलग भी हो जाए, या वह अलग नहीं भी हो सकती है। फिर वह परिणाम निर्दिष्ट करते हैं यदि वह अलग हो जाती है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इस रूप को एक शब्द जैसे "अगर" या एक संबंधवाचक उपवाक्य के साथ प्रस्तुत करके यदि कथन को व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "लेकिन जो पत्नी अलग हो गई हो उसे रहने दो"

देखें: जोड़े — काल्पनिक स्थितियाँ

## 1 कुरिन्थियों 7:11 (#4)

"यदि अलग भी हो जाए"

यदि आपकी भाषा में इस प्रकार से निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं होता है, तो आप इस विचार को सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य स्वाभाविक तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। पौलुस यहाँ निष्क्रिय रूप का उपयोग "पत्नी" पर ध्यान केंद्रित करने के लिए करते हैं जो अलग हो रही है, बजाय इसके कि "अलग करने" वाले व्यक्ति पर ध्यान केंद्रित किया जाए। यदि आपको यह बताना आवश्यक है कि क्रिया कौन करता है, तो पौलुस यह संकेत देते हैं कि "पत्नी" स्वयं यह करती है। वैकल्पिक अनुवाद: "वह अलग होती है"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

**1 कुरिन्थियों 7:11 (#5)****"यदि अलग भी हो जाए"**

यहाँ पौलुस कुछ ऐसे शब्दों को छोड़ देते हैं जो शायद आपकी भाषा में एक पूर्ण विचार बनाने के लिए आवश्यक हो सकते हैं। पौलुस उन्हें छोड़ देते हैं क्योंकि उन्होंने पहले ही [7:10](#) में उनका उपयोग किया है और वह मानते हैं कि उनके श्रोता वहाँ से उन्हें समझ लेंगे। यदि आपको इन शब्दों को शामिल करने की आवश्यकता है, तो आप "अपने पति से" शब्द जोड़ सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "वह अपने पति से अलग हो सकती है"

देखें: पदलोप

**1 कुरिन्थियों 7:11 (#6)****"तो बिना दूसरा विवाह किए रहे; या अपने पति से फिर मेल कर ले"**

यहाँ पौलुस दो तृतीय-पुरुष अनिवार्यताओं का उपयोग करते हैं। यदि आपकी भाषा में तृतीय-पुरुष अनिवार्यताएँ हैं, तो आप उनका यहाँ उपयोग कर सकते हैं। यदि आपकी भाषा में तृतीय-पुरुष अनिवार्यताएँ नहीं हैं, तो आप इस विचार को "चाहिए" या "आवश्यक" जैसे शब्दों का उपयोग करके व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "उसे अविवाहित रहना चाहिए, या उसे पति से मेल-मिलाप कर लेना चाहिए"

देखें: तृतीय-पुरुष अनिवार्यताएँ

**1 कुरिन्थियों 7:11 (#1)****"पति से फिर मेल कर ले"**

"इसे सक्रिय रूप में कहा जा सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: ""उसे अपने पति के साथ शांति बनानी चाहिए और उसे वापस लौटना चाहिए""

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

**1 कुरिन्थियों 7:11 (#8)****"न पति अपनी पत्नी को छोड़े"**

वैकल्पिक अनुवाद: "एक पति को अपनी पत्नी को त्यागना नहीं चाहिए"

**1 कुरिन्थियों 7:12 (#1)**

""

इच्छुक या संतुष्ट

**1 कुरिन्थियों 7:12 (#2)****"प्रभु नहीं, परन्तु मैं"**

यहाँ, प्रभु नहीं, परन्तु मैं, उसके विपरीत है जो पौलुस ने [7:10](#) में कहा था। पौलुस यह स्पष्ट करना चाहते हैं कि इस आज्ञा के पीछे उनका अधिकार है। निश्चित रूप से, प्रभु ने उन्हें प्रेरित बनाया और अधिकार दिया, लेकिन वह चाहते हैं कि कुरिन्थ के लोगों को पता चले कि वह यहाँ उस अधिकार से बोल रहे हैं, और वह उस बात का उल्लेख नहीं कर रहे हैं जो प्रभु ने पृथ्वी पर रहते हुए कही थी। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप प्रभु नहीं, परन्तु मैं का अनुवाद इस प्रकार कर सकते हैं कि प्रभु ने इस विषय पर कुछ नहीं कहा था। वैकल्पिक अनुवाद: "मैं अकेला" या "मेरे अपने अधिकार पर, क्योंकि प्रभु ने इस विषय पर कुछ नहीं कहा"

देखें: जोड़ें — विरोधाभास सम्बन्ध

**1 कुरिन्थियों 7:12 (#3)****"यदि किसी भाई की पत्नी विश्वास न रखती हो, और उसके साथ रहने से प्रसन्न हो, तो वह उसे न छोड़े"**

यहाँ पौलुस एक सच्ची संभावना को प्रस्तुत करने के लिए यदि का उपयोग करते हैं। उनका मतलब है कि हो सकता है कि किसी भाई की पत्नी विश्वास न रखती हो, और उसके साथ रहने से प्रसन्न हो, या हो सकता है कि यह स्थिति न हो। फिर वह यह बताते हैं कि यदि ऐसी स्थिति उत्पन्न होती है तो क्या परिणाम होगा। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप इस रूप को "जब भी" जैसे शब्द से परिचय कराकर या एक सापेक्ष उपवाक्य का उपयोग करके यदि कथन को व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "लेकिन कोई भी भाई जिसकी अविश्वासी पत्नी उसके साथ रहने के लिए सहमत है, उसे तलाक न दे"

देखें: जोड़ें — काल्पनिक स्थितियाँ

**1 कुरिन्थियों 7:12 (#4)****"उसके साथ रहने से"**

यहाँ, उसके साथ रहने का अर्थ विवाहित रहना है। यदि यह आपकी भाषा में उपयोगी हो, तो आप उसके साथ रहने की बात को एक समान मुहावरे के साथ व्यक्त कर सकते हैं जो विवाहित रहने को संदर्भित करता है। वैकल्पिक अनुवाद: "उसके साथ रहना" या "उससे विवाहित रहना"

देखें: मुहावरा

### 1 कुरिन्थियों 7:12 (#5)

"तो वह उसे न छोड़े"

यहाँ पौलुस तृतीय-पुरुष अनिवार्यताओं का उपयोग करते हैं। यदि आपकी भाषा में तृतीय-पुरुष अनिवार्यताएँ हैं, तो आप यहाँ एक का उपयोग कर सकते हैं। यदि आपके पास तृतीय-पुरुष अनिवार्यताएँ नहीं हैं, तो आप इस विचार को "आवश्यक" या "चाहिए" जैसे शब्दों का उपयोग करके व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "उसे उसको त्यागना नहीं चाहिए"

देखें: तृतीय-पुरुष अनिवार्यताएँ

### 1 कुरिन्थियों 7:13 (#1)

"और जिस स्त्री का पति विश्वास न रखता हो, और उसके साथ रहने से प्रसन्न हो; वह पति को न छोड़े"

यहाँ पौलुस एक सच्ची संभावना प्रस्तुत करने के लिए और का उपयोग करते हैं। उनका मतलब है कि एक स्त्री का पति विश्वास न रखने वाला हो सकता है, और वह उसके साथ रहने के लिए प्रसन्न हो सकता है, या यह स्थिति नहीं भी हो सकती। फिर वह निर्दिष्ट करते हैं कि यदि यह स्थिति होती है तो परिणाम क्या होगा। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इस रूप को "जब भी" जैसे शब्द का उपयोग करके या एक संबंधवाचक उपवाक्य का उपयोग करके और कथन को व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "परन्तु यदि किसी स्त्री का पति अविश्वासी हो और उसके साथ रहने को तैयार हो तो वह तलाक न ले"

देखें: जोड़े — काल्पनिक स्थितियाँ

### 1 कुरिन्थियों 7:13 (#2)

"उसके साथ रहने से"

यहाँ, उसके साथ रहने से का अर्थ विवाह में रहना है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप उसके साथ रहना को एक समान मुहावरे के साथ व्यक्त कर सकते हैं जो विवाह में रहने को संदर्भित करता है। वैकल्पिक अनुवाद: "उसके साथ रहना" या "उससे विवाहित रहना"

देखें: मुहावरा

### 1 कुरिन्थियों 7:13 (#3)

"वह पति को न छोड़े"

यहाँ पौलुस तृतीय-पुरुष अनिवार्यताओं का उपयोग करते हैं। यदि आपकी भाषा में तृतीय-पुरुष अनिवार्यताएँ हैं, तो आप यहाँ एक का उपयोग कर सकते हैं। यदि आपके पास तृतीय-पुरुष अनिवार्यताएँ नहीं हैं, तो आप इस विचार को "चाहिए" या "आवश्यक होना" जैसे शब्दों का उपयोग करके व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "उसे पति को छोड़ना नहीं चाहिए"

देखें: तृतीय-पुरुष अनिवार्यताएँ

### 1 कुरिन्थियों 7:14 (#1)

"क्योंकि"

यहाँ, क्योंकि पौलुस की आज्ञाओं के कारण या आधार को प्रस्तुत करता है जो 7:12-13 पाया जाता है। जब पति या पत्नी में से कोई एक विश्वासी नहीं है, तो पौलुस चाहते हैं कि वे एक साथ रहें, और इसका कारण यह है ताकि अविश्वासी पति या पत्नी पवित्र हो जाए। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप क्योंकि को एक शब्द या वाक्यांश के साथ व्यक्त कर सकते हैं जो आज्ञा के लिए आधार प्रस्तुत करता है। वैकल्पिक अनुवाद: "तुमको ऐसा करना चाहिए क्योंकि"

देखें: जोड़े — कारण-और-परिणाम सम्बन्ध

### 1 कुरिन्थियों 7:14 (#2)

"पति जो विश्वास न रखता हो" - "पत्नी के कारण," - "पत्नी जो विश्वास नहीं रखती" - "पति के कारण"

यहाँ पौलुस सामान्य रूप से पत्नियों और पतियों की बात कर रहे हैं, न कि केवल एक पत्नी और पति की। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप पत्नी और पति को पत्नियों और पतियों से सामान्य रूप से संदर्भित करने के लिए एक तुलनीय तरीके का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "कोई भी अविश्वासी पति ... अपनी पत्नी के माध्यम से ... कोई भी अविश्वासी पत्नी ... अपने पति के माध्यम से"

देखें: सामान्य संज्ञा वाक्यांश

### 1 कुरिन्थियों 7:14 (#1)

""

"संभावित अर्थ 1) ""परमेश्वर ने अविश्वासित पति को उसकी विश्वास करने वाली पत्नी के कारण स्वयं के लिए अलग कर

दिया है"" या 2) ""परमेश्वर अविश्वासी पति को बेटे के समान व्यवहार करता है उसकी विश्वास करने वाले पत्री के कारण""  
देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

### 1 कुरिन्थियों 7:14 (#4)

"पवित्र ठहरता है" - "पवित्र ठहरती है"

यहाँ, पवित्र ठहरता का अर्थ पवित्रता से है। इसका मतलब यह नहीं है कि पति जो विश्वास न रखता हो या पत्री जो विश्वास नहीं रखती उनको विश्वासी माना जाता है। बल्कि, पौलुस का कहना है कि विश्वासी जीवनसाथी अविश्वासी जीवनसाथी द्वारा अशुद्ध नहीं होते। इसके ठीक विपरीतः विश्वासी जीवनसाथी के कारण विवाह स्वच्छ और पवित्र होता है। अगर आपकी भाषा में यह मददगार होगा, तो आप पवित्र ठहरता शब्द को ऐसे शब्द या वाक्यांश से व्यक्त कर सकते हैं जो एक स्वीकार्य या शुद्ध विवाह साथी की पहचान करता है। वैकल्पिक अनुवाद: "शुद्ध किया जाता है... शुद्ध किया जाता है" या "एक स्वीकार्य जीवनसाथी माना जाता है... एक स्वीकार्य जीवनसाथी माना जाता है"

देखें: अज्ञातों का अनुवाद करें

### 1 कुरिन्थियों 7:14 (#4)

"पति"

विश्वास करने वाला आदमी या पति

### 1 कुरिन्थियों 7:14 (#6)

"नहीं तो तुम्हारे बाल-बच्चे अशुद्ध होते"

यहाँ, नहीं तो उस स्थिति को संदर्भित करता है जो तब होती जब पौलुस ने जो कुछ अभी कहा था वह सच नहीं होता। पौलुस वास्तव में यह नहीं मानते कि तुम्हारे बाल-बच्चे अशुद्ध होते, लेकिन यह सच होता अगर वह अविश्वासी जीवनसाथी के पवित्र होने के बारे में गलत होते। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप नहीं तो को एक ऐसे रूप में व्यक्त कर सकते हैं जो लेखक सोचते हैं कि सत्य नहीं है। वैकल्पिक अनुवाद: "यदि ऐसा नहीं होता, तो तुम्हारे बच्चे अशुद्ध होते"

देखें: जोड़ें — वास्तविकता से विपरीत स्थितियाँ

### 1 कुरिन्थियों 7:14 (#7)

ऊँ "तुम्हारे"

यहाँ, तुम्हारे का अर्थ उन सभी कुरिन्थ के लोगों से है जिनका अविश्वासी जीवनसाथी है। इस प्रकार, यह पत्री और पति की ओर इशारा करता है। यदि आपकी भाषा में इस स्थिति में तुम्हारे का उपयोग नहीं किया जाएगा, तो आप इसके बजाय उनका का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "उनका"

देखें: प्रथम, द्वितीय या तृतीय पुरुष

### 1 कुरिन्थियों 7:14 (#8)

"परन्तु अब तो पवित्र हैं"

यहाँ, परन्तु अब तुम्हारे बाल-बच्चे अशुद्ध होते के साथ विरोधाभास प्रस्तुत करता है। शब्द अब समय को संदर्भित नहीं करता है, बल्कि यह बताता है कि पौलुस ने अविश्वासी जीवनसाथी के पवित्र होने के बारे में जो कहा है वह वास्तव में सच है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप अब को एक शब्द या वाक्यांश से व्यक्त कर सकते हैं जो यह पहचान करता है कि पौलुस ने जो कहा वह सत्य है। वैकल्पिक अनुवाद: "लेकिन चूंकि अविश्वासी जीवनसाथी पवित्र हैं, वे पवित्र हैं"

देखें: जोड़ें — विरोधाभास सम्बन्ध

### 1 कुरिन्थियों 7:14 (#5)

"पवित्र हैं"

"संभावित अर्थ 1) ""परमेश्वर ने उन्हें स्वयं के लिए अलग कर दिया है"" या 2) ""परमेश्वर उनसे अपने बच्चों के समान व्यवहार करता है""

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

### 1 कुरिन्थियों 7:15 (#1)

"परन्तु जो पुरुष विश्वास नहीं रखता, यदि वह अलग हो, तो अलग होने दो"

यहाँ पौलुस एक सच्ची संभावना प्रस्तुत करने के लिए परन्तु का उपयोग करते हैं। उनका मतलब है कि जो विश्वास नहीं रखता वह जा सकता है, या वह नहीं भी जा सकता है। फिर वह यह भी बताते हैं कि यदि वह जो विश्वास नहीं रखता चला गया तो क्या परिणाम होगा। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप इस रूप को एक सम्बन्धवाचक उपवाक्य का उपयोग करके परन्तु कथन को व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जो भी अविश्वासी जाए, उसे जाने दे"

देखें: जोड़ें — काल्पनिक स्थितियाँ

### 1 कुरिन्थियों 7:15 (#2)

"जो पुरुष विश्वास नहीं रखता, यदि वह अलग हो, तो अलग होने दो"

यहाँ, अलग हो का अर्थ विवाह का अंत करना है, अर्थात् जीवनसाथी को छोड़ देना। वाक्यांश अलग होने दो का अर्थ है जीवनसाथी को विवाह तोड़ने या छोड़ने की अनुमति देना। यदि आपकी भाषा में इन शब्दों का अर्थ विवाह विच्छेद या तलाक नहीं है, तो आप कोई तुलनीय अभिव्यक्ति इस्तेमाल कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "अगर अविश्वासी तलाक चाहता है, तो उसे तुम्हें तलाक देने दो"

देखें: मुहावरा

### 1 कुरिन्थियों 7:15 (#3)

"विश्वास नहीं रखता" - "वह अलग दो"

हालांकि वह पुलिंग है, पौलुस इसका उपयोग विश्वास नहीं रखने वाले के लिए कर रहे हैं, जो या तो एक पुरुष या एक स्त्री को संदर्भित कर सकता है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप वह को एक गैर-लिंग शब्द के साथ व्यक्त कर सकते हैं या दोनों लिंगों का उल्लेख कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "अविश्वासी ... उसे जाने दे"

देखें: जब पुलिंग शब्दों में स्त्रियाँ भी सम्मिलित होती हैं

### 1 कुरिन्थियों 7:15 (#4)

"जो पुरुष विश्वास नहीं रखता" - "भाई या बहन"

यहाँ पौलुस सामान्य रूप से अविश्वासियों, भाइयों और बहनों की बात कर रहे हैं, न कि केवल एक अविश्वासी, भाई या बहन की। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप इन शब्दों को सामान्य रूप से अविश्वासियों, भाइयों और बहनों को संदर्भित करने के लिए तुलनीय तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "अविश्वासियों में से एक ... शामिल भाई या बहन"

देखें: सामान्य संज्ञा वाक्यांश

### 1 कुरिन्थियों 7:15 (#5)

"अलग होने दो"

यहाँ पौलुस तृतीय-पुरुष अनिवार्यताओं का उपयोग करते हैं। यदि आपकी भाषा में तृतीय-पुरुष अनिवार्यताएँ हैं, तो आप यहाँ एक का उपयोग कर सकते हैं। यदि आपके पास तृतीय-पुरुष अनिवार्यताएँ नहीं हैं, तो आप इस विचार को "चाहिए" या "अनुमति दे" जैसे शब्दों का उपयोग करके व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "उसे जाने की अनुमति दे"

देखें: तृतीय-पुरुष अनिवार्यताएँ

### 1 कुरिन्थियों 7:15 (#1)

""

"यहां ""भाई"" और ""बहन"" एक मसीही पति या पत्नी को संबोधित करते हैं। यहां ""उनकी प्रतिज्ञाओं से बंधे नहीं"" एक रूपक है जिसका अर्थ है कि व्यक्ति ऐसा करने के लिए बाध्य नहीं है जो उन्होंने करने की शपथ खाई थी। इसे सक्रिय रूप में कहा जा सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: ""ऐसे मामलों में, परमेश्वर नहीं चाहता विश्वासी पति या पत्नी विवाह की शपथ का पालन करना जारी रखें""

देखें: रूपक

### 1 कुरिन्थियों 7:15 (#7)

"भाई या बहन"

यहाँ पौलुस ने भाई और बहन शब्द का प्रयोग दोनों लिंगों के विश्वासियों के रूप में शामिल लोगों की पहचान करने के लिए किया है। जिन लोगों का वह उल्लेख करते हैं, वे कुरिन्थ के विश्वासियों के भाई और बहन हैं, न कि वे जो विश्वास नहीं रखते थे। बल्कि, भाई या बहन का विवाह किसी विश्वास नहीं रखने वाले से हुआ है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप भाई या बहन को विश्वास करने वाले पति और पत्नी के लिए एक शब्द या वाक्यांश के साथ व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "विश्वासी पति या पत्नी"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित ज्ञानकारी

### 1 कुरिन्थियों 7:15 (#8)

"भाई या बहन बन्धन में नहीं"

यदि आपकी भाषा में निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं होता है, तो आप इस विचार को सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य स्वाभाविक तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। पौलुस यहाँ निष्क्रिय रूप का उपयोग उन पर ध्यान केंद्रित करने के लिए करते हैं जो बन्धन में नहीं हैं, बजाय इसके कि "बन्धन" क्या करता है। यदि आपको यह बताना आवश्यक है कि

क्रिया कौन करता है, तो पौलुस यह संकेत देते हैं कि "विवाह" भार्इ या बहन को नहीं बाँधता। वैकल्पिक अनुवाद: "भार्इ या बहन स्वतंत्र हैं"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

## 1 कुरिन्थियों 7:15 (#9)

"परन्तु"

यहाँ, परन्तु इस बात का परिचय देता है कि पौलुस कुरिन्थ के लोगों द्वारा सामान्यतः किस प्रकार के व्यवहार को देखना चाहते हैं। चाहे उनका जीवनसाथी छोड़ दे या नहीं, उन्हें मेल-मिलाप में रहना चाहिए। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप परन्तु के पीछे के विचार को व्यक्त करने के लिए एक शब्द या वाक्यांश का उपयोग कर सकते हैं जो एक सामान्य सिद्धांत को प्रस्तुत करता है। यदि आप निम्नलिखित वैकल्पिक अनुवाद का उपयोग करते हैं, तो आपको इसके पहले एक बिंदु जोड़ने की आवश्यकता हो सकती है। वैकल्पिक अनुवाद: "हर मामले में,"

देखें: शब्दों और वाक्यांशों को जोड़ना

## 1 कुरिन्थियों 7:15 (#10)

"मेल-मिलाप"

यदि आपकी भाषा में मेल-मिलाप के पीछे के विचार के लिए कोई भाववाचक संज्ञा नहीं है, तो आप इस विचार को व्यक्त करने के लिए "शांतिपूर्ण" जैसे विशेषण या "शांतिपूर्वक" जैसी क्रिया विशेषण का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "शांतिपूर्वक कार्य करें"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

## 1 कुरिन्थियों 7:16 (#1)

""

"पौलुस कुरिन्थियों से बात कर रहा है जैसे कि वे एक व्यक्ति थे, इसलिए यहाँ ""तुम"" और ""तुम्हारा"" के सभी उदाहरण एकवचन हैं। (देखें: )

देखें: 'आप' के रूप

## 1 कुरिन्थियों 7:16 (#2)

"हे स्त्री, तू क्या जानती है, कि तू अपने पति का उद्धार करा लेगी"

"पौलुस एक सवाल का उपयोग करता है जिससे महिलाएं उसके बारे में गहराई से सोचें जो कह रहा है। वैकल्पिक अनुवाद: ""तुम नहीं जान सकती कि तुम अपने अविश्वासी पति को बचा पाओगी।"" (देखें: )"

देखें: आलंकारिक प्रश्न

## 1 कुरिन्थियों 7:16 (#3)

"क्योंकि हे स्त्री, तू क्या जानती है कि" - "हे पुरुष, तू क्या जानता है कि"

यहाँ, शब्द स्त्री और पुरुष श्रोतागणों को सीधे रूप से संबोधित करते हैं। यदि आपकी भाषा में ये शब्द वाक्य में कहीं और आते हैं, तो आप उन्हें वहाँ रख सकते हैं जहाँ वे स्वाभाविक लगते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "स्त्रियों, तुम कैसे जानती हो कि ... पुरुष, तुम कैसे जानते हो कि"

देखें: सूचना संरचना

## 1 कुरिन्थियों 7:16 (#3)

"तू क्या जानती है," - "हे पुरुष," - "कि तू अपनी पत्नी का उद्धार करा लेगा"

"पौलुस एक सवाल का उपयोग करता है जिससे पुरुष उसके बारे में गहराई से सोचें जो कह रहा है। वैकल्पिक अनुवाद: ""तुम नहीं जान सकते कि तुम अपनी अविश्वासी पत्नी को बचा पाओगे।"" (देखें: )"

देखें: आलंकारिक प्रश्न

## 1 कुरिन्थियों 7:16 (#5)

"स्त्री," - "पति?" - "पुरुष," - "पत्नी"

यहाँ पौलुस स्त्री, पति, पुरुष, और पत्नी का उल्लेख एकवचन में करते हैं, लेकिन वह सामान्य रूप से उन सभी व्यक्तियों की बारे में बात कर रहे हैं जो इन श्रेणियों में आते हैं। यदि आपकी भाषा में व्यक्तियों का उल्लेख करने के लिए एकवचन रूप का उपयोग नहीं होता है, तो आप अपनी भाषा में व्यक्तियों का सामान्य रूप से उल्लेख करने वाले रूप का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "तुम में से प्रत्येक पुरुष ... तुम्हारी पत्नी ... तुम में से प्रत्येक पुरुष ... तुम्हारी पत्नी"

देखें: सामान्य संज्ञा वाक्यांश

## 1 कुरिन्थियों 7:16 (#6)

"तू... उद्धार करा लेगी" - "तू... उद्धार करा लेगा"

यहाँ पौलुस पति या पत्नी द्वारा अपने जीवनसाथी को यीशु में विश्वास की ओर ले आने को "उद्धार" के रूप में वर्णित करते हैं। इस प्रकार, पौलुस का मतलब है कि स्त्री या पुरुष वह माध्यम हैं जिनके द्वारा परमेश्वर पति या पत्नी का उद्धार करेंगे। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप तू उद्धार करा लेगा को एक शब्द या वाक्यांश के साथ व्यक्त कर सकते हैं जो किसी को "उद्धार" की ओर ले जाने का संदर्भ देता है, अर्थात्, उन्हें यीशु में विश्वास करने में मदद करना। वैकल्पिक अनुवाद: "परमेश्वर तुम्हारा उपयोग बचाने के लिए करेंगे ... परमेश्वर तुम्हारा उपयोग बचाने के लिए करेंगे"

देखें: लक्षणालंकार

## 1 कुरिन्थियों 7:17 (#1)

"पर"

यहाँ, पर, "चलने" के बारे में अपवाद को स्वीकार करता है जैसा प्रभु ने हर एक को बाँटा है जिसे उन्होंने अभी शामिल किया है: यदि एक अविश्वासी पति या पत्नी एक विश्वास करने वाले पति या पत्नी को त्याग देना चाहता है, तो यह अनुमेय है। पौलुस इस अपवाद को स्वीकार करते हैं, लेकिन मुख्य बिन्दु पर जोर देना चाहते हैं: विश्वासियों को उसी अवस्था में रहना चाहिए जिसमें वे हैं। यदि पर का अर्थ किसी दावे के अपवाद को स्वीकार करना नहीं होता, तो आप ऐसा शब्द या वाक्यांश उपयोग कर सकते हैं जो ऐसा करता हो। वैकल्पिक अनुवाद: "हर अन्य मामले में"

देखें: शब्दों और वाक्यांशों को जोड़ना

## 1 कुरिन्थियों 7:17 (#2)

"जैसा प्रभु ने हर एक को बाँटा है, और जैसा परमेश्वर ने हर एक को बुलाया है; वैसा ही वह चले"

यदि आपकी भाषा में चले का आदेश पहले दिया गया है और फिर बताया गया है कि कैसे चले हैं, तो आप इन वाक्यों को पुनः व्यवस्थित कर सकते हैं ताकि वे अधिक स्वाभाविक रूप से पढ़े जाएं। वैकल्पिक अनुवाद: "प्रत्येक व्यक्ति वैसा ही चले जैसा प्रभु ने प्रत्येक को सौंपा है, जैसा परमेश्वर ने प्रत्येक को बुलाया है"

देखें: सूचना संरचना

## 1 कुरिन्थियों 7:17 (#1)

"हर एक को"

प्रत्येक विश्वासी

## 1 कुरिन्थियों 7:17 (#4)

"वैसा ही वह चले"

पौलुस जीवन में व्यवहार के बारे में इस तरह बात करते हैं मानो वह "चलना" हो। अगर वैसा ही वह चले को आपकी भाषा में किसी व्यक्ति के जीवन जीने के तरीके के रूप में नहीं समझा जाता, तो आप इस विचार को स्पष्ट रूप से या किसी तुलनीय रूपक के साथ व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "उसे अपना जीवन जीने दे"

देखें: रूपक

## 1 कुरिन्थियों 7:17 (#5)

"वैसा ही वह चले"

यहाँ पौलुस तृतीय-पुरुष अनिवार्यताओं का उपयोग करते हैं। यदि आपकी भाषा में तृतीय-पुरुष अनिवार्यताएँ हैं, तो आप यहाँ एक का उपयोग कर सकते हैं। यदि आपके पास तृतीय-पुरुष अनिवार्यताएँ नहीं हैं, तो आप इस विचार को "चाहिए" या "आवश्यक" जैसे शब्दों का उपयोग करके व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "उसे चलना चाहिए"

देखें: तृतीय-पुरुष अनिवार्यताएँ

## 1 कुरिन्थियों 7:17 (#6)

"वैसा ही वह चले"

यहाँ, वह पुल्लिंग रूप में लिखा गया है, लेकिन यह किसी भी व्यक्ति को संदर्भित करता है, चाहे उनका कोई भी लिंग हो। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप वह के पीछे के विचार को व्यक्त करने के लिए एक ऐसा शब्द उपयोग कर सकते हैं जिसमें लिंग न हो, या आप दोनों लिंगों का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "उसे चलने दे"

देखें: जब पुल्लिंग शब्दों में स्त्रियाँ भी सम्मिलित होती हैं

## 1 कुरिन्थियों 7:17 (#2)

""

पौलुस इस तरह से कार्य करने के लिए सभी कलीसिया में विश्वासियों को सिखा रहा था।

### 1 कुरिन्थियों 7:18 (#1)

"वह खतनारहित न बने" - "वह खतना न कराए"

यहाँ पौलुस केवल पुरुषों के खतना की बात कर रहे हैं। इसलिए, इस पद में पुलिंग शब्दों को अनुवाद में यथासंभव बनाए रखना चाहिए।

देखें: जब पुलिंग शब्दों में स्लियाँ भी सम्मिलित होती हैं

### 1 कुरिन्थियों 7:18 (#1)

""

"पौलुस खतना किए गए लोगों (यहूदियों) को संबोधित कर रहा था। वैकल्पिक अनुवाद: ""खतना किए गए लोगों के लिए, जब परमेश्वर ने तुमको विश्वास करने के लिए बुलाया, तो तुम्हारा खतना पहले ही हो गया था""

देखें: आलंकारिक प्रश्न

### 1 कुरिन्थियों 7:18 (#3)

"बुलाया गया हो" - "बुलाया गया हो"

यदि आपकी भाषा में निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं होता है, तो आप इस विचार को सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य स्वाभाविक तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। पौलुस यहाँ निष्क्रिय रूप का उपयोग उन पर ध्यान केंद्रित करने के लिए करते हैं जो बुलाए गए हैं, बजाय इसके कि उस व्यक्ति पर ध्यान केंद्रित किया जाए जो "बुला रहा" है। यदि आपको यह बताना आवश्यक है कि कार्य कौन करता है, तो पौलुस यह संकेत देते हैं कि "परमेश्वर" ही इसे करते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "क्या परमेश्वर ने किसी को बुलाया... क्या परमेश्वर ने किसी को बुलाया"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

### 1 कुरिन्थियों 7:18 (#4)

"खतना किया हुआ"

यदि आपकी भाषा में निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं होता है, तो आप इस विचार को सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य स्वाभाविक तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। पौलुस यहाँ निष्क्रिय रूप का उपयोग उस व्यक्ति पर ध्यान केंद्रित करने के लिए करते हैं जो खतनारहित या खतना वाला है, बजाय उस व्यक्ति के जो "खतनारहित" या

लिए करते हैं जो खतना किए हुए हैं, बजाय इसके कि उस व्यक्ति पर ध्यान केंद्रित किया जाए जो "खतना" कर रहा है। यदि आपको यह बताना आवश्यक है कि क्रिया कौन करता है, तो आप एक अनिश्चित या अस्पष्ट विषय का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "किसी ने उनका खतना किया" देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

### 1 कुरिन्थियों 7:18 (#5)

"वह खतनारहित न बने"

खतनारहित होना एक शारीरिक प्रक्रिया को संदर्भित करता है जिसके द्वारा कोई व्यक्ति अपने लिंग पर चमड़ी जैसा कुछ दिखा सकता है, भले ही उसका खतना हुआ हो। यदि आपकी भाषा में इस प्रक्रिया के लिए कोई शब्द है, तो आप इसे यहाँ उपयोग कर सकते हैं। यदि आपकी भाषा में ऐसा कोई शब्द नहीं है, तो आप इस प्रक्रिया की पहचान करने वाला एक वाक्यांश उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "उसे अपना खतना छिपाने न दे" या "उसे अपना खतना पूर्ववत् न करने दे"

देखें: अज्ञातों का अनुवाद करें

### 1 कुरिन्थियों 7:18 (#6)

"वह खतनारहित न बने" - "वह खतना न कराए"

इस पद में, पौलुस दो तृतीय-पुरुष अनिवार्यताओं का उपयोग करते हैं। यदि आपकी भाषा में तृतीय-पुरुष अनिवार्यताएँ हैं, तो आप उनका यहाँ उपयोग कर सकते हैं। यदि आपकी भाषा में तृतीय-पुरुष अनिवार्यताएँ नहीं हैं, तो आप विचारों को व्यक्त करने के लिए "चाहिए" या "आवश्यक है" जैसे शब्दों का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "वह खतनारहित नहीं होना चाहिए ... उसका खतना नहीं करना चाहिए"

देखें: तृतीय-पुरुष अनिवार्यताएँ

### 1 कुरिन्थियों 7:18 (#7)

"वह खतनारहित न बने" - "वह खतना न कराए"

यदि आपकी भाषा इस प्रकार से निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं करती है, तो आप इस विचार को सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य स्वाभाविक तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। पौलुस यहाँ निष्क्रिय रूप का उपयोग उस व्यक्ति पर ध्यान केंद्रित करने के लिए करते हैं जो खतनारहित या खतना वाला है, बजाय उस व्यक्ति के जो "खतनारहित" या

"खतना" कर रहा है। यदि आपको यह बताना आवश्यक है कि कार्य कौन कर रहा है, तो आप एक अनिश्चित या अस्पष्ट विषय का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "कोई उसका खतना न करे... किसी को उसका खतना न करने दें" देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

## 1 कुरिन्थियों 7:18 (#2)

""

"पौलुस अब खतनारहित लोगों को संबोधित कर रहा था। वैकल्पिक अनुवाद: ""खतनारहित लोगों के लिए, जब परमेश्वर ने तुमको विश्वास करने के लिए बुलाया, तो तुम्हारा खतना नहीं हुआ था"""

देखें: आलंकारिक प्रश्न

## 1 कुरिन्थियों 7:18 (#9)

### "खतनारहित"

यदि आपकी भाषा में खतनारहित के पीछे के विचार के लिए कोई भाववाचक संज्ञा नहीं है, तो आप "खतना नहीं हुआ" जैसे विशेषण का उपयोग करके विचार व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जब खतना नहीं किया गया हो"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

## 1 कुरिन्थियों 7:19 (#1)

### "न खतना कुछ है, और न खतनारहित"

यहाँ पौलुस कहते हैं कि खतना और खतनारहित दोनों कुछ नहीं हैं। उनका मतलब यह नहीं है कि खतना और खतनारहित का अस्तित्व नहीं है। बल्कि, कुरिन्थ के लोगों ने इसे इस तरह समझा होगा कि खतना और खतनारहित का कोई मूल्य या महत्व नहीं है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप कुछ नहीं को एक तुलनीय मुहावरे के साथ व्यक्त कर सकते हैं या विचार को स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "खतने का कोई मूल्य नहीं है, और खतनारहित होने का कोई मूल्य नहीं है"

देखें: अतिशयोक्ति

## 1 कुरिन्थियों 7:19 (#2)

### "न खतना कुछ है, और न खतनारहित"

यहाँ पौलुस न को दोहराते हैं क्योंकि यह पुनरावृत्ति उनकी भाषा में प्रभावशाली थी। यदि आपकी भाषा इस तरह पुनरावृत्ति का उपयोग नहीं करती है, तो आप दोनों वाक्यांशों को जोड़कर किसी अन्य विधि का उपयोग करके दावे को सशक्त बना सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "न तो खतना और न ही खतनारहित कुछ भी महत्व रखते हैं"

देखें: समानांतरता

## 1 कुरिन्थियों 7:19 (#3)

### "खतना" - "खतनारहित"

यदि आपकी भाषा खतना और खतनारहित के पीछे के विचारों के लिए भाववाचक संज्ञाओं का उपयोग नहीं करती है, तो आप इन विचारों को "खतना किया हुआ" और "खतना नहीं किया हुआ" जैसे विशेषणों का उपयोग करके व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "खतना किया हुआ होना ... खतना न किया हुआ होना"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

## 1 कुरिन्थियों 7:19 (#4)

### "परमेश्वर की आज्ञाओं को मानना"

यहाँ पौलुस कुछ शब्दों को छोड़ देते हैं जो आपकी भाषा में विचार को पूरा करने के लिए आवश्यक हो सकते हैं। यदि आपकी भाषा में अधिक शब्दों की आवश्यकता है, तो आप उन्हें पद के पहले भाग से अनुमानित कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "परमेश्वर की आज्ञाओं का पालन ही सब कुछ है" या "परमेश्वर की आज्ञाओं का पालन करना महत्वपूर्ण है"

देखें: पदलोप

## 1 कुरिन्थियों 7:19 (#5)

### "आज्ञाओं को मानना"

यदि आपकी भाषा में मानना के विचार के लिए कोई भाववाचक संज्ञा नहीं है, तो आप इस विचार को व्यक्त करने के लिए "पालन करना" जैसी क्रिया का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "आज्ञाओं का पालन करना"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

## 1 कुरिन्थियों 7:19 (#6)

### "परमेश्वर की आज्ञाओं"

यदि आपकी भाषा में आज्ञाओं के पीछे के विचार के लिए कोई भाववाचक संज्ञा नहीं है, तो आप इस विचार को व्यक्त करने के लिए "आज्ञा देना" जैसी क्रिया का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जो परमेश्वर आज्ञा देते हैं"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

## 1 कुरिन्थियों 7:20 (#1)

"हर एक जन जिस दशा में बुलाया गया हो, उसी में रहे"

इस वाक्य में तत्वों का क्रम आपकी भाषा में भ्रामक हो सकता है। यदि आपकी भाषा में इस वाक्य को एक अलग तरीके से संरचित किया जाए, तो आप तत्वों को इस तरह से पुनः व्यवस्थित कर सकते हैं कि वे अधिक स्वाभाविक लगें। पौलुस ने तत्वों को वह जन जिस दशा में बुलाया गया हो पर जोर देने के लिए व्यवस्थित किया है, इसलिए यदि संभव हो तो इस तत्व पर महत्व बनाए रखें। वैकल्पिक अनुवाद: "हर एक जन जिस बुलाहट में बुलाया गया है उसी में बना रहे"

देखें: सूचना संरचना

## 1 कुरिन्थियों 7:20 (#2)

"जन जिस दशा में बुलाया गया हो"

वैकल्पिक अनुवाद: "उस बुलाहट में जो परमेश्वर ने उसे दी" या "उसकी अपनी बुलाहट में जो परमेश्वर द्वारा दी गई हो"

## 1 कुरिन्थियों 7:20 (#1)

""

"# General Information:\n\n""यहाँ शब्द """"हमें"""" और """"हम"""" पौलुस के दर्शकों के साथ सभी मसीहियों का उल्लेख करता है।

देखें:

## 1 कुरिन्थियों 7:20 (#2)

"दशा" - "में रहे"

"यहाँ ""बुलाहट"" उस कार्य या सामाजिक स्थिति को सम्बोधित करता है जिसमें आप समिलित थे। वैकल्पिक अनुवाद: ""जीना और करना जैसा आपने किया"""

## 1 कुरिन्थियों 7:20 (#5)

"उसी में रहे"

यहाँ पौलुस तृतीय-पुरुष अनिवार्यताओं का उपयोग करते हैं। यदि आपकी भाषा में तृतीय-पुरुष अनिवार्यताएँ होती हैं, तो आप यहाँ एक का उपयोग कर सकते हैं। यदि आपकी भाषा में तृतीय-पुरुष अनिवार्यताएँ नहीं होते हैं, तो आप इस विचार को "चाहिए" या "जरूरी है" जैसे शब्दों का उपयोग करके व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "उसे रहना चाहिए"

देखें: तृतीय-पुरुष अनिवार्यताएँ

## 1 कुरिन्थियों 7:20 (#6)

"उसी में रहे"

यहाँ, में रहे का अर्थ है किसी विशेष स्थिति में परमेश्वर की निष्ठापूर्वक सेवा करना। दूसरे शब्दों में, पौलुस नहीं चाहते कि वे अपनी सामाजिक और आर्थिक स्थिति को बदलने का प्रयास करें। इसके बजाय, उन्हें उस स्थिति में परमेश्वर की सेवा करनी चाहिए जिसमें परमेश्वर ने उन्हें बुलाया था। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप उसी में रहे के पीछे के विचार को स्पष्ट रूप से या एक तुलनीय रूपक के साथ व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "उसे अपने जीवन में उसी में रहना चाहिए" या "उसे उसी में संतुष्ट रहना चाहिए"

देखें: रूपक

## 1 कुरिन्थियों 7:21 (#1)

""

"पौलुस कुरिन्थियों से बात कर रहा है जैसे कि वे एक व्यक्ति थे, इसलिए ""आप"" और आज्ञा ""होना"" के सभी उदाहरण यहाँ एकवचन हैं।

देखें: 'आप' के रूप

## 1 कुरिन्थियों 7:21 (#2)

""

"इसे एक विवरण के रूप में कहा जा सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: ""उन लोगों के लिए जो दास थे जब परमेश्वर ने तुमको विश्वास करने के लिए बुलाया, मैं यह कहता हूँ: चिंतित न हो""

देखें: आलंकारिक प्रश्न

**1 कुरिन्थियों 7:21 (#3)****"यदि तू... बुलाया गया"**

यदि आपकी भाषा में निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं होता है, तो आप इस विचार को सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य स्वाभाविक तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। पौलुस यहाँ निष्क्रिय रूप का उपयोग **तू** पर ध्यान केंद्रित करने के लिए करते हैं, जो **बुलाया गया** है, बजाय इसके कि उस व्यक्ति पर ध्यान केंद्रित किया जाए जो "बुला" रहा है। यदि आपको यह बताना आवश्यक है कि क्रिया कौन करता है, तो पौलुस यह संकेत देते हैं कि "परमेश्वर" इसे करते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "क्या परमेश्वर ने तुमको बुलाया"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

**1 कुरिन्थियों 7:21 (#4)****"तू... चिन्ता न कर"**

यहाँ पौलुस तृतीय-पुरुष अनिवार्यताओं का उपयोग करते हैं। यदि आपकी भाषा में तृतीय-पुरुष अनिवार्यताएँ होते हैं, तो आप यहाँ एक का उपयोग कर सकते हैं। यदि आपकी भाषा में तृतीय-पुरुष अनिवार्यताएँ नहीं होती हैं, तो आप इस विचार को "चाहिए" जैसे शब्द का उपयोग करके व्यक्त कर सकते हैं, या आप आज्ञा को पुनः वाक्यांशित कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "इसके बारे में चिन्तित न हो"

देखें: तृतीय-पुरुष अनिवार्यताएँ

**1 कुरिन्थियों 7:21 (#5)****"परन्तु यदि तू स्वतंत्र हो सके, तो ऐसा ही काम कर"**

यहाँ पौलुस एक सत्य संभावना प्रस्तुत करने के लिए यदि का उपयोग करते हैं। उनका मतलब है कि कोई व्यक्ति **स्वतंत्र हो सकता** है, या वह व्यक्ति स्वतंत्र नहीं भी हो सकता। इसके बाद वह यह बताते हैं कि यदि कोई व्यक्ति **स्वतंत्र हो सके** है तो इसका क्या परिणाम होगा। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप इस रूप को एक सम्बन्धवाचक उपवाक्य का उपयोग करके **यदि** कथन को व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "वास्तव में जो भी स्वतंत्र होने में सक्षम है, उसे इसका लाभ उठाना चाहिए"

देखें: जोड़ें — कानूनिक स्थितियाँ

**1 कुरिन्थियों 7:21 (#6)****"तो ऐसा ही काम कर"**

वैकल्पिक अनुवाद: "जो अवसर तेरे पास है, उसका सदुपयोग कर"

**1 कुरिन्थियों 7:22 (#1)****"क्योंकि"**

यहाँ, **क्योंकि** उस दावे का समर्थन करता है जो पौलुस ने पिछले पद की शुरुआत में किया था कि जो लोग दास हैं उन्हें इससे चिन्तित नहीं होना चाहिए ([7:21](#))। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप स्पष्ट कर सकते हैं कि **क्योंकि** किस बात का समर्थन करता है। वैकल्पिक अनुवाद: "दास होने की चिन्ता मत कर क्योंकि"

देखें: जोड़ें — कारण-और-परिणाम सम्बन्ध

**1 कुरिन्थियों 7:22 (#1)****"वह प्रभु का स्वतंत्र किया हुआ"**

यह स्वतंत्र व्यक्ति परमेश्वर द्वारा क्षमा किया जाता है और इसलिए शैतान और पाप से मुक्त होता है।

**1 कुरिन्थियों 7:22 (#3)****"प्रभु में"**

यहाँ पौलुस मसीह के साथ विश्वासियों की एकता का वर्णन करने के लिए स्थानिक रूपक **प्रभु में** का उपयोग करता है। इस मामले में, **प्रभु में** होना, या प्रभु से एक हो जाना, उस व्यक्ति की पहचान कराता है जिसे प्रभु में एक होने के रूप में **बुलाया गया** है। वैकल्पिक अनुवाद: "प्रभु के साथ एक होना"

देखें: रूपक

**1 कुरिन्थियों 7:22 (#4)****"प्रभु का स्वतंत्र"**

यहाँ पौलुस स्वामित्व रूप का उपयोग करके किसी ऐसे व्यक्ति का वर्णन करते हैं जो **प्रभु** की दृष्टि में **स्वतंत्र** है। दूसरे शब्दों में, जबकि कोई व्यक्ति किसी मनुष्य की सोच के अनुसार एक दास हो सकता है, वह व्यक्ति **प्रभु** के सामने एक **स्वतंत्र** है। यदि आपकी भाषा में इस विचार को व्यक्त करने के लिए स्वामित्व रूप का उपयोग नहीं किया जाता है, तो आप प्रभु के "दृष्टिकोण" या "दृष्टि" के बारे में बात करके इस विचार को व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "प्रभु की दृष्टि में एक मुक्त व्यक्ति है"

देखें: स्वामित्व

**1 कुरिन्थियों 7:22 (#5)****"मसीह का दास"**

यहाँ पौलुस स्वामित्व रूप का प्रयोग किसी ऐसे व्यक्ति का वर्णन करने के लिए करता है जो मसीह का **दास** है। दूसरे शब्दों में, जबकि व्यक्ति मनुष्य की सोच के अनुसार स्वतंत्र हो सकता है, वह व्यक्ति **मसीह** के संबंध में एक **दास** है। यदि आपकी भाषा में इस विचार को व्यक्त करने के लिए स्वामित्व रूप का उपयोग नहीं किया जाता है, तो आप इस विचार को "संबंधित" जैसे वाक्यांश का उपयोग करके व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "एक मसीह का दास"

देखें: स्वामित्व

**1 कुरिन्थियों 7:23 (#1)****"तुम दाम देकर मोल लिये गए हो"**

"इसे सक्रिय रूप में कहा जा सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: ""मसीह ने मरकर तुम्हे मोल लिया है""

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

**1 कुरिन्थियों 7:23 (#2)****"तुम दाम देकर मोल लिये गए हो"**

यहाँ पौलुस ऐसा कहते हैं जैसे कुरिन्थ के लोगों को परमेश्वर ने किसी और से **दाम देकर मोल लिया हो**। पौलुस उस बात का उल्लेख कर रहे हैं जिसे हम अक्सर "छुटकारा" कहते हैं। **दाम मसीह की क्रूस** पर मृत्यु है, जो विश्वासियों को पाप और दुष्ट की शक्तियों से "मुक्त" करती है। यह बाइबल का एक महत्वपूर्ण रूपक है, इसलिए यदि संभव हो तो रूपक को संरक्षित रखें या इसे एक उपमा के रूप में व्यक्त करें। वैकल्पिक अनुवाद: "तुमको एक मूल्य देकर खरीदा गया था, जो मसीहा की मृत्यु है"

देखें: रूपक

**1 कुरिन्थियों 7:23 (#3)****"मनुष्यों के दास न बनो"**

यहाँ पौलुस **दास** का उपयोग किसी भी व्यक्ति का वर्णन करने के लिए करते हैं जो किसी और का अनुसरण करता है और उसकी आज्ञा का पालन करता है। पौलुस चाहते हैं कि कुरिन्थ

के लोग, चाहे वे सामाजिक और आर्थिक दृष्टि से **दास** हों या "मुक्त व्यक्ति", केवल परमेश्वर की आज्ञा मानें और उनकी सेवा करें, न कि **मनुष्यों** की। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप **दास** के विचार को स्पष्ट कर सकते हैं कि पौलुस के मन में "सेवा करना" और "आज्ञा मानना" है। वैकल्पिक अनुवाद: "मनुष्यों की आज्ञा न माने" या "सिर्फ मनुष्यों की सेवा न करे"

देखें: रूपक

**1 कुरिन्थियों 7:23 (#4)****"मनुष्यों के"**

हालांकि **मनुष्यों** पुल्लिंग है, पौलुस इसका उपयोग किसी भी व्यक्ति के लिए कर रहे हैं, चाहे वह पुरुष हो या स्त्री। यदि यह आपकी भाषा में उपयोगी हो तो आप **मनुष्यों** को किसी लिंग भेद रहित शब्द से व्यक्त कर सकते हैं या दोनों लिंगों को संदर्भित कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "लोगों का"

देखें: जब पुल्लिंग शब्दों में स्त्रियाँ भी सम्मिलित होती हैं

**1 कुरिन्थियों 7:24 (#1)**

""

यह पद [7:20](#) के बहुत समान है। मुख्य अंतर यह है कि यह पद **परमेश्वर के साथ** बने रहने की बात करता है, जबकि वह पद **परमेश्वर** के साथ बने रहने की बात नहीं करता। इस अपवाद के साथ, इस पद का अनुवाद करें ताकि यह [7:20](#) के समान प्रतीत हो।

**1 कुरिन्थियों 7:24 (#2)**

**"जो कोई जिस दशा में बुलाया गया हो, वह उसी में परमेश्वर के साथ रहे"**

इस वाक्य में तत्वों का क्रम आपकी भाषा में भ्रामक हो सकता है। यदि आपकी भाषा इस वाक्य को अलग तरीके से संरचित करती है, तो आप तत्वों को पुनः व्यवस्थित कर सकते हैं ताकि वे अधिक स्वाभाविक लगें। पौलुस ने प्रत्येक तत्व पर ज़ोर देने के लिए **जिसमें** उन्हें **बुलाया गया था** उसको व्यवस्थित किया है, इसलिए यदि संभव हो तो इसी तत्व पर ज़ोर बनाए रखें। वैकल्पिक अनुवाद: "हर एक जन जिस रीति से बुलाया गया है उसी रीति से परमेश्वर के साथ बना रहे"

देखें: सूचना संरचना

**1 कुरिन्थियों 7:24 (#3)****"जिस दशा में बुलाया गया हो"**

वैकल्पिक अनुवाद: "जो कुछ परमेश्वर ने उसे दिया" या "जो कुछ उसे परमेश्वर से प्राप्त हुआ है"

**1 कुरिन्थियों 7:24 (#1)****"हे भाइयों"**

यहाँ इसका अर्थ है साथी मसीही, पुरुष और महिला दोनों सहित।

**1 कुरिन्थियों 7:24 (#2)**

""

"इसे सक्रिय रूप में कहा जा सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: ""जब परमेश्वर ने हमें उन पर विश्वास करने के लिए बुलाया"""

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

**1 कुरिन्थियों 7:24 (#6)****"वह उसी में... रहे"**

यहाँ पौलुस तृतीय-पुरुष अनिवार्यताओं का उपयोग करते हैं। यदि आपकी भाषा में तृतीय-पुरुष अनिवार्यताएँ हैं, तो आप यहाँ एक का उपयोग कर सकते हैं। यदि आपके पास तृतीय-पुरुष अनिवार्यताएँ नहीं हैं, तो आप इस विचार को "चाहिए" या "आवश्यक है" जैसे शब्दों का उपयोग करके व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "उसे रहना चाहिए"

देखें: तृतीय-पुरुष अनिवार्यताएँ

**1 कुरिन्थियों 7:24 (#7)****"वह उसी में परमेश्वर के साथ रहे"**

यहाँ, उसी में परमेश्वर के साथ रहे का अर्थ है कि सी विशेष स्थिति में परमेश्वर की निष्ठापूर्वक सेवा करना। दूसरे शब्दों में, पौलुस नहीं चाहते कि वे लोग अपनी सामाजिक और आर्थिक स्थितियों को बदलने का प्रयास करें। इसके बजाय, उन्हें उन स्थितियों में परमेश्वर की सेवा करनी चाहिए जिनमें परमेश्वर ने उन्हें बुलाया है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप उसी में परमेश्वर के साथ रहे के विचार को स्पष्ट रूप से या तुलनीय रूपक के साथ व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "उसे अपना जीवन परमेश्वर के साथ जीने दो" या "उसे उसमें परमेश्वर की सेवा करने में संतुष्ट रहने दो"

देखें: रूपक

**1 कुरिन्थियों 7:25 (#1)****"के विषय में"**

जैसे अध्याय 7:1 में, विषय में एक नए विषय को प्रस्तुत करता है जिस पर पौलुस बात करना चाहते हैं। संभवतः, जिन विषयों को वह इस तरह प्रस्तुत करते हैं, उन्हीं के बारे में कुरिन्थ के लोगों ने उन्हें लिखा था। यहाँ विषय में का अनुवाद उसी तरह से करें जैसे आपने 7:1 में किया था। वैकल्पिक अनुवाद: "आगे, इस बारे में"

देखें: शब्दों और वाक्यांशों को जोड़ना

**1 कुरिन्थियों 7:25 (#1)**

""

"पौलुस यीशु की कोई शिक्षा नहीं जानता जो इस स्थिति के बारे में बताती है। वैकल्पिक अनुवाद: ""परमेश्वर ने मुझे उन लोगों को कुछ भी कहने का आदेश नहीं दिया है जिन्होंने कभी शादी नहीं की है"""

**1 कुरिन्थियों 7:25 (#3)****"प्रभु की कोई आज्ञा"**

यदि आपकी भाषा में आज्ञा के पीछे के विचार के लिए कोई भाववाचक संज्ञा का उपयोग नहीं होता है, तो आप इस विचार को "आदेश देना" जैसी क्रिया का उपयोग करके व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जो कुछ भी प्रभु ने आदेश दिया है"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

**1 कुरिन्थियों 7:25 (#2)**

""

मैं आपको बताता हूं कि मुझे क्या लगता है

**1 कुरिन्थियों 7:25 (#5)****"सम्मति देता हूँ"**

यदि आपकी भाषा में सम्मति के पीछे के विचार के लिए कोई भाववाचक संज्ञा का उपयोग नहीं होता है, तो आप इस विचार

को "सोचना" जैसी क्रिया का उपयोग करके व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मैं वही कहता हूँ जो मैं सोचता हूँ"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

## 1 कुरिन्थियों 7:25 (#3)

""

क्योंकि, परमेश्वर की दया से, मैं विश्वसनीय हूँ

## 1 कुरिन्थियों 7:25 (#7)

"जैसी दया प्रभु ने मुझ पर की है"

यदि आपकी भाषा में **दया** के विचार के लिए कोई भाववाचक संज्ञा नहीं है, तो आप इस विचार को "दयालुता से" जैसे क्रिया विशेषण या "कृपालु" जैसे विशेषण का उपयोग करके व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "प्रभु ने दया करके मुझे जो कुछ दिया है, उसे पाकर"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

## 1 कुरिन्थियों 7:26 (#1)

"इसलिए"

यहाँ, **इसलिए** यह नहीं बताता कि पौलस ने परमेश्वर से करुणा कैसे प्राप्त करी। बल्कि, **इसलिए** उस "सलाह" को प्रस्तुत करता है जो पौलस ने कहा था कि वह "देने" जा रहे थे (7:25)। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप **इसलिए** को एक ऐसे शब्द या वाक्यांश के साथ व्यक्त कर सकते हैं जो एक कथन को प्रस्तुत करता है जिसके बारे में पहले ही बात की जा चुकी है। वैकल्पिक अनुवाद, अल्पविराम को अपूर्ण विराम या पूर्णविराम में बदलते हुए: "यह मेरी राय है।"

देखें: शब्दों और वाक्यांशों को जोड़ना

## 1 कुरिन्थियों 7:26 (#2)

"यह अच्छा है, कि आजकल व्लेश के कारण"

यहाँ पौलस **अच्छा** को दोहराते हैं, क्योंकि उनकी भाषा में यह पाठकों को याद दिलाने का स्वाभाविक तरीका था कि उन्होंने पहले ही कहा था **यह अच्छा है।** यदि आपकी भाषा इस तरह पुनरावृत्ति का उपयोग नहीं करती, तो आप केवल एक **अच्छा** का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "कि, आने वाले संकट के कारण, यह अच्छा है"

देखें: द्विरावृत्ति (डबलेट)

## 1 कुरिन्थियों 7:26 (#3)

"यह अच्छा है, कि आजकल व्लेश के कारण मनुष्य जैसा है, वैसा ही रहे"

यहाँ पौलस अपने कथन को बीच में रोकते हैं ताकि उस कारण को शामिल कर सकें कि वह क्यों सोचते हैं कि यह एक **अच्छी** सलाह है। वह ऐसा आजकल के व्लेश पर जोर देने के लिए करते हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप वाक्य को पुनर्वस्थित कर सकते हैं और **आजकल के व्लेश पर जोर देने का प्रतिनिधित्व किसी अन्य तरीके से कर सकते हैं।** वैकल्पिक अनुवाद: "मनुष्य के लिए यही अच्छा है कि वह जैसा है वैसा ही रहे। यह आनेवाली विपत्ति के कारण है"

देखें: सूचना संरचना

## 1 कुरिन्थियों 7:26 (#4)

"आजकल व्लेश"

यहाँ, **आजकल व्लेश** निप्रलिखित को संदर्भित कर सकता है: (1) कुछ ऐसा जो होने वाला है। वैकल्पिक अनुवाद: "उस संकट का जो शीघ्र ही यहाँ होगा" (2) कुछ ऐसा जो पहले से हो रहा है। वैकल्पिक अनुवाद: "वर्तमान संकट का"

देखें: अज्ञातों का अनुवाद करें

## 1 कुरिन्थियों 7:26 (#5)

"आजकल व्लेश"

यहाँ, **व्लेश** का अर्थ हो सकता है कि: (1) सामान्य रूप से संसार भर में कलीसिया की पीड़ा और सताव। वैकल्पिक अनुवाद: "आने वाले सामान्य संकट की" (2) **कुरिन्थ** के विश्वासियों द्वारा अनुभव की जा रही पीड़ा और कठिनाइयाँ। वैकल्पिक अनुवाद: "आपके समूह पर आने वाले कष्ट"

देखें: अज्ञातों का अनुवाद करें

## 1 कुरिन्थियों 7:26 (#6)

"मनुष्य" - "जैसा है"

यहाँ, अनुवादित शब्द **मनुष्य** पुल्लिंग रूप में लिखा गया है, लेकिन वह किसी भी व्यक्ति को संदर्भित कर सकता है, चाहे उनका लिंग कुछ भी हो। यदि आपकी भाषा में यह सहायक

हो, तो आप मनुष्य के पीछे के विचार को व्यक्त करने के लिए ऐसे शब्दों का उपयोग कर सकते हैं जिनका कोई लिंग नहीं है, या आप दोनों लिंगों का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "एक व्यक्ति के लिए ... जैसा कि वह है"  
देखें: जब पुलिंग शब्दों में महिलाएं भी शामिल होती हैं

## 1 कुरिन्थियों 7:26 (#7)

"जैसा है, वैसा ही रहे"

वैकल्पिक अनुवाद: "जिस स्थिति में वह है, उसमें ही बने रहने के लिए"

## 1 कुरिन्थियों 7:27 (#1)

""

"# General Information:\n\n""पौलुस कुरिन्थियों से बात कर रहा है जैसे कि वह प्रत्येक व्यक्ति से बात कर रहा था, इसलिए """"आप"""" और आदेश """"नहीं खोजना"""" के सभी उदाहरण यहां एकवचन है।

देखें: 'आप' के रूप

## 1 कुरिन्थियों 7:27 (#2)

"यदि तेरे पत्नी है, तो उससे अलग होने का यत्न न कर"

"पौलुस एक संभावित स्थिति परिचित करने के लिए इस सवाल का उपयोग करता है। प्रश्न का अनुवाद ""अगर"" के साथ एक वाक्यांश के रूप में किया जा सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: ""अगर आप विवाहित हैं, तो नहीं करो"""

देखें: आलंकारिक प्रश्न

## 1 कुरिन्थियों 7:27 (#3)

"यदि तेरे पत्नी है"

यहाँ, तेरे पत्नी है का अर्थ हो सकता है: (1) एक पुरुष का किसी स्त्री से विवाह के लिए सगाई होना। वैकल्पिक अनुवाद: "क्या तू किसी स्त्री से सगाई कर चुका है?" (2) एक पुरुष का किसी स्त्री से विवाह होना। वैकल्पिक अनुवाद: "क्या तू विवाहित है?"

देखें: मुहावरा

## 1 कुरिन्थियों 7:27 (#3)

"तो उससे अलग होने का यत्न न कर"

"तलाक लेने की कोशिश मत करो या ""उससे अलग होने की कोशिश करो"""

## 1 कुरिन्थियों 7:27 (#5)

"यदि तेरे पत्नी नहीं"

यहाँ, पत्नी नहीं का अर्थ हो सकता है: (1) कोई व्यक्ति जिसकी कभी सगाई या विवाह न हुआ हो। वैकल्पिक अनुवाद: "क्या तू अविवाहित है" (2) कोई व्यक्ति जिसकी सगाई या विवाह हुआ था लेकिन उसने सगाई या विवाह को तोड़ दिया है। वैकल्पिक अनुवाद: "क्या तुमने अपनी मंगेतर को छोड़ दिया है" या "क्या तुमने अपनी पत्नी को तलाक दे दिया है"

देखें: मुहावरा

## 1 कुरिन्थियों 7:27 (#6)

""

यदि आपकी भाषा में इस तरह से निष्क्रिय रूप का प्रयोग नहीं होता है, तो आप विचार को सक्रिय रूप में या किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं जो आपकी भाषा में स्वाभाविक हो। पौलुस यहाँ निष्क्रिय रूप का प्रयोग उन पर ध्यान केन्द्रित करने के लिए करते हैं जिन्हें अलग किया गया है, न कि अलग करने वाले व्यक्ति पर ध्यान केन्द्रित करते हैं। यदि यह बताना आवश्यक हो कि यह कार्य कौन करता है, तो पौलुस संकेत देते हैं कि या तो यह तू है या एक "न्यायाधीश" इसे करता है। वैकल्पिक अनुवाद: "सम्बन्ध तोड़ने की कोशिश न कर। क्या तेरे पास कोई स्त्री नहीं है" या "किसी न्यायाधीश से अपने को मुक्त करने की कोशिश मत कर। क्या किसी न्यायाधीश ने तुझे किसी स्त्री से मुक्त किया है"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

## 1 कुरिन्थियों 7:27 (#4)

"तो उससे अलग होने का यत्न न कर:- "पत्नी की"

शादी करने की कोशिश मत करो

## 1 कुरिन्थियों 7:28 (#1)

"परन्तु"

यहाँ, परन्तु पिछले पद में पौलुस की सामान्य सलाह के लिए एक अपवाद प्रस्तुत किया गया है (7:27)। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप परन्तु को एक शब्द या वाक्यांश के साथ व्यक्त कर सकते हैं जो एक अपवाद को प्रस्तुत करता है। वैकल्पिक अनुवाद: "वास्तव में, यद्यपि,"  
देखें: जोड़ें — विरोधाभास सम्बन्ध

## 1 कुरिन्थियों 7:28 (#2)

"यदि तू विवाह भी करे, तो पाप नहीं"

यहाँ पौलुस कुरिन्थ की कलीसिया के विशिष्ट व्यक्तियों को संबोधित कर रहे हैं। इस कारण, तू यहाँ एकवचन है। पद के अंत में तू बहुवचन है क्योंकि यहाँ पौलुस के मन में पुरुष और स्त्रियाँ दोनों हैं।

देखें: 'आप' के प्रकार — एकवचन

## 1 कुरिन्थियों 7:28 (#3)

"परन्तु यदि तू विवाह भी करे, तो पाप नहीं"

यहाँ पौलुस एक सच्ची संभावना प्रस्तुत करने के लिए यदि का उपयोग करते हैं। उनका मतलब है कि एक पुरुष विवाह कर भी सकता है, या एक पुरुष विवाह नहीं भी कर सकता है। फिर वह यह निर्दिष्ट करते हैं कि यदि पुरुष विवाह करता है तो उसका क्या परिणाम होगा। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप इस रूप को एक संबंधवाचक उपवाक्य का उपयोग करके यदि कथन को व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जो भी पुरुष विवाह करता है, उसने पाप नहीं किया है"

देखें: जोड़ें — कात्पनिक स्थितियाँ

## 1 कुरिन्थियों 7:28 (#4)

"यदि कुँवारी व्याही जाए तो कोई पाप नहीं"

यहाँ पौलुस एक सच्ची संभावना प्रस्तुत करने के लिए यदि का उपयोग करते हैं। उनका मतलब है कि एक कुँवारी व्याह कर सकती है, या नहीं भी कर सकती है। इसके बाद वह यह स्पष्ट करता है कि यदि कुँवारी व्याही जाए तो क्या परिणाम होगा। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप इस रूप को एक संबंधवाचक उपवाक्य का उपयोग करके यदि कथन को व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जो भी कुँवारी विवाह करती है, उसने पाप नहीं किया है"

देखें: जोड़ें — कात्पनिक स्थितियाँ

## 1 कुरिन्थियों 7:28 (#5)

"परन्तु ऐसों को"

यहाँ, परन्तु ऐसों को पुरुष और कुँवारी की ओर इशारा करते हैं जो ब्याह करते हैं। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप परन्तु ऐसों को यह स्पष्ट करके व्यक्त कर सकते हैं कि यह विवाहित लोगों की ओर इशारा करता है। वैकल्पिक अनुवाद: "जो लोग विवाहित हैं"

देखें: सर्वनाम — उनका उपयोग कब करें

## 1 कुरिन्थियों 7:28 (#6)

"शारीरिक दुःख होगा"

यहाँ, शारीरिक दुःख उन्हीं समस्याओं और परेशानियों को संदर्भित करता है जिन्हें पौलुस ने पहले ही "आजकल के क्लेश" के रूप में 7:26 में कहा है। यह वाक्यांश वैवाहिक समस्याओं या जीवनसाथी के साथ झागड़ों को संदर्भित नहीं करता है। बल्कि, यह अतिरिक्त दुःख को संदर्भित करता है जो विवाहित लोग उत्थीड़न और परेशानियों के दौरान अनुभव करेंगे। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप शारीरिक दुःख का अनुवाद इस तरह कर सकते हैं कि आपने "आजकल के क्लेश" का 7:26 में कैसे अनुवाद किया है और उस वाक्यांश से सम्बन्ध को स्पष्ट कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "शरीर में उस कष्ट का अनुभव करेंगे जिसके बारे में मैंने पहले ही कहा है कि वह आने वाला है"

देखें: अज्ञातों का अनुवाद करें

## 1 कुरिन्थियों 7:28 (#7)

"दुःख होगा"

यदि आपकी भाषा में दुःख के पीछे के विचार के लिए भाववाचक संज्ञा का उपयोग नहीं किया गया है, तो आप "पीड़ित होना" जैसी क्रिया का उपयोग करके विचार को व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "कष्ट होगा"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

## 1 कुरिन्थियों 7:28 (#1)

""

"शब्द ""यह"" उन लोगों के सांसारिक मुसीबतों को संबोधित करता है जो विवाहित लोग पा सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: ""मैं आपको सांसारिक परेशानी न होने में मदद करना चाहता हूँ""

देखें: अनुमानित ज्ञान और निहित जानकारी

### 1 कुरिन्थियों 7:28 (#9)

"मैं बचाना चाहता हूँ"

यहाँ, मैं बचाना चाहता हूँ पौलुस की इच्छा को दर्शाता है कि वह कुरिन्थ के लोगों को उस दुःख से बचाए रखना चाहते हैं जिसका उन्होंने उल्लेख किया है। अगर यह आपकी भाषा में मददगार होगा, तो आप किसी तुलनीय मुहावरे या अभिव्यक्ति के साथ मैं बचाना चाहता हूँ को व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "तुमको इससे बचने में सहायता करना चाहता हूँ"

देखें: मुहावरा

### 1 कुरिन्थियों 7:29 (#1)

"मैं यह कहता हूँ"

यहाँ, यह उस बात की ओर संकेत करता है जो पौलुस कहने वाले हैं। पौलुस जो कहने वाले हैं उस पर जोर देने के लिए, कहने से पहले ही बताते हैं कि वह क्या कहेंगे। यदि आपकी भाषा में यह का उपयोग किसी ऐसी बात के लिए नहीं किया जाता जो जल्द ही कही जाएगी, तो आप एक ऐसे शब्द या वाक्यांश का उपयोग कर सकते हैं जो कुछ कहे जाने वाला है और जोर को किसी अन्य तरीके से व्यक्त करता है। वैकल्पिक अनुवाद: "मैं जो कहने जा रहा हूँ उसे सुनो"

देखें: सर्वनाम — उनका उपयोग कब करें

### 1 कुरिन्थियों 7:29 (#2)

"भाइयों"

यद्यपि भाइयों पुलिंग है, पौलुस इसका प्रयोग किसी भी विश्वासी के लिए कर रहे हैं, चाहे वह पुरुष हो या स्त्री। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप भाइयों को एक गैर-लिंग शब्द के साथ व्यक्त कर सकते हैं या दोनों लिंगों का उल्लेख कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "भाइयों और बहनों"

देखें: जब पुलिंग शब्दों में स्त्रियाँ भी सम्मिलित होती हैं

### 1 कुरिन्थियों 7:29 (#1)

"समय कम किया गया है"

"थोड़ा समय है या ""समय लगभग चला गया है""

### 1 कुरिन्थियों 7:29 (#4)

"समय कम किया गया है"

यदि आपकी भाषा में निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं होता है, तो आप इस विचार को सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य स्वाभाविक तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। पौलुस यहाँ निष्क्रिय रूप का उपयोग समय पर ध्यान केंद्रित करने के लिए करते हैं, जो कम किया गया है, न कि उस व्यक्ति पर ध्यान केंद्रित किया जाए जो समय को "कम" कर रहा है। यदि आपको यह बताना आवश्यक है कि किया कौन करता है, तो पौलुस यह संकेत देते हैं कि "परमेश्वर" इसे करते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "परमेश्वर ने समय को कम कर दिया है"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

### 1 कुरिन्थियों 7:29 (#5)

"समय"

यहाँ, समय का तात्पर्य उस समय से हो सकता है जब तक: (1) अन्त के समय की घटनाएँ शुरू होती हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "अन्त तक का समय" या "वह समय जब तक यीशु वापस आएंगे" (2) वह "क्लेश या दुःख" जिसका उन्होंने 7:26, 28 में उल्लेख किया है, शुरू होता है। वैकल्पिक अनुवाद: "संकट तक का समय"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

### 1 कुरिन्थियों 7:29 (#6)

"इसलिए चाहिए कि"

यहाँ पौलुस बताते हैं कि अब जब समय कम किया गया है, तो कुरिन्थ के लोगों को कैसे व्यवहार करना चाहिए। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप इसलिए चाहिए कि को एक ऐसा शब्द या वाक्यांश के साथ व्यक्त कर सकते हैं जो एक निष्कर्ष निकालता है या एक परिणाम प्रस्तुत करता है। यदि आप निम्नलिखित वैकल्पिक अनुवाद का उपयोग करते हैं, तो आपको उसके पहले एक पूर्ण विराम जोड़ने की आवश्यकता हो सकती है। वैकल्पिक अनुवाद: "इसका मतलब यह है कि, वर्तमान से लेकर आगे तक"

देखें: जोड़ें — कारण-और-परिणाम सम्बन्ध

### 1 कुरिन्थियों 7:29 (#7)

"वे ऐसे हों मानो उनके... नहीं"

वैकल्पिक अनुवाद: "उन लोगों की तरह व्यवहार करना चाहिए जिनके पास नहीं है"

### 1 कुरिन्थियों 7:29 (#8)

"उनके... नहीं"

यहाँ, नहीं पत्ती की ओर संकेत करता है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप नहीं को स्पष्ट करके व्यक्त कर सकते हैं कि यह पत्ती की ओर संकेत करता है। वैकल्पिक अनुवाद: "जिसकी कोई पत्ती नहीं है"

देखें: सर्वनाम — उनका उपयोग कब करें

### 1 कुरिन्थियों 7:30 (#1)

"रोनेवाले"

आँसू के साथ रोना या दुखी होना

### 1 कुरिन्थियों 7:30 (#2)

"मोल लेनेवाले ऐसे हों, कि मानो उनके पास कुछ है नहीं"

यहाँ पौलुस यह छोड़ देते हैं कि लोग क्या मोल ले रहे हैं और उनके पास क्या नहीं हैं। यदि आपकी भाषा में यह बताया गया है कि क्या मोल लिया गया है और क्या आपके पास है, तो आप एक सामान्य या अस्पष्ट वस्तु को शामिल कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जो लोग चीज़ें खरीदते हैं, उनके पास वे चीज़ें नहीं होतीं"

देखें: पदलोप

### 1 कुरिन्थियों 7:30 (#3)

"और रोनेवाले ऐसे हों, मानो रोते नहीं; और आनन्द करनेवाले ऐसे हों, मानो आनन्द नहीं करते; और मोल लेनेवाले ऐसे हों, कि मानो उनके पास कुछ है नहीं"

वैकल्पिक अनुवाद: "और जो रोते हैं उन्हें उनके जैसा व्यवहार करना चाहिए जो रोते नहीं हैं; और जो आनन्दित होते हैं उन्हें उनके जैसा व्यवहार करना चाहिए जो आनन्दित नहीं होते हैं; और जो खरीदते हैं उन्हें उनके जैसा व्यवहार करना चाहिए जिनके पास कुछ नहीं है"

### 1 कुरिन्थियों 7:31 (#1)

"और इस संसार के साथ व्यवहार करनेवाले ऐसे हों, कि संसार ही के न हो ले"

यहाँ पौलुस कुछ शब्दों को छोड़ देते हैं जो आपकी भाषा में विचार को पूरा करने के लिए आवश्यक हो सकते हैं। पौलुस इन शब्दों को छोड़ देते हैं क्योंकि उन्होंने इन्हें 7:29 में कहा था, और कुरिन्थ के लोगों ने उन बातों को उस पद से समझ लिया होगा। यदि आपकी भाषा में इन शब्दों की आवश्यकता है, तो आप 7:29 से "वे ऐसे हों मानो" को जोड़ सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जो लोग संसार का उपयोग कर रहे हैं, उन्हें इसका उपयोग न करनेवाले जैसा होना चाहिए"

देखें: पदलोप

### 1 कुरिन्थियों 7:31 (#1)

"इस संसार के साथ व्यवहार करनेवाले"

जो अविश्वासियों के साथ हर दिन व्यवहार करते हैं

### 1 कुरिन्थियों 7:31 (#3)

"इस संसार"

यहाँ, संसार विशेष रूप से उन लोगों और चीजों पर ध्यान केंद्रित करता है जो संसार से सम्बन्धित हैं। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप संसार को इस तरह से स्पष्ट कर सकते हैं कि पौलुस उन चीजों पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं जो संसार से सम्बन्धित हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "कुछ सांसारिक"

देखें: उपलक्षण

### 1 कुरिन्थियों 7:31 (#2)

""

उनको कार्यों से दिखाना चाहिए कि परमेश्वर में उनकी आशा है

### 1 कुरिन्थियों 7:31 (#5)

"बदलते जाते हैं"

वैकल्पिक अनुवाद: "शीघ्र ही समाप्त होगा"

**1 कुरिन्थियों 7:32 (#1)**

"यहाँ नि: शुल्क एक मुहावरा है जिसका मतलब है कि बिना किसी सोच के जीने की क्षमता। "" वैकल्पिक अनुवाद: ""चिंता करने की आवश्यकता के बिना""

देखें: मुहावरा

**1 कुरिन्थियों 7:32 (#2)**

**"अविवाहित पुरुष"**

यहाँ पौलुस **अविवाहित पुरुष** का उल्लेख एकवचन में करते हैं, लेकिन वह किसी भी **अविवाहित पुरुष** के बारे में सामान्य रूप से बात कर रहे हैं। यदि आपकी भाषा में समूह में लोगों का उल्लेख करने के लिए एकवचन रूप का उपयोग नहीं होता है, तो आप अपनी भाषा में लोगों का सामान्य रूप से उल्लेख करने वाले रूप का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "प्रत्येक अविवाहित पुरुष"

देखें: सामान्य संज्ञा वाक्यांश

**1 कुरिन्थियों 7:32 (#2)**

**"चिन्ता न"**

पर ध्यान केंद्रित

**1 कुरिन्थियों 7:32 (#4)**

**"चिन्ता"**

यदि आपकी भाषा में निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं होता है, तो आप सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य तरीके से विचार व्यक्त कर सकते हैं जो स्वाभाविक हो। पौलुस यहाँ निष्क्रिय रूप का उपयोग करते हैं ताकि **{पुरुष}** पर ध्यान केंद्रित किया जा सके जो **चिन्ता** करता है, बजाय इसके कि क्या उसे **चिन्ता** देता है। यदि आपको यह बताना आवश्यक है कि यह कार्य कौन करता है, तो पौलुस यह संकेत देते हैं कि **अविवाहित {पुरुष}** स्वयं इसे करते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "खुद को चिंतित करता है"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

**1 कुरिन्थियों 7:32 (#5)**

**"प्रभु की बातों की"**

यहाँ पौलुस स्वामित्व रूप का उपयोग करके **बातों** का वर्णन करते हैं जो सीधे **प्रभु** से संबंधित हैं। यह वाक्यांश किसी भी ऐसी वस्तु की पहचान करता है जो **प्रभु** से संबंधित है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप **प्रभु की बातों** को एक शब्द या वाक्यांश के साथ व्यक्त कर सकते हैं जो **प्रभु** से संबंधित किसी भी वस्तु को संदर्भित करता है। वैकल्पिक अनुवाद: "सब कुछ जो प्रभु से संबंधित है"

देखें: स्वामित्व

**1 कुरिन्थियों 7:32 (#6)**

**"कि प्रभु को कैसे प्रसन्न रखे"**

यहाँ, कि **प्रभु को कैसे प्रसन्न रखे**, आगे यह बताता है कि **प्रभु की बातों की चिन्ता** करने का क्या अर्थ है। यदि **कैसे** आपकी भाषा में एक और स्पष्टीकरण प्रस्तुत नहीं करता है, तो आप एक ऐसा शब्द या वाक्यांश उपयोग कर सकते हैं जो ऐसा स्पष्टीकरण प्रस्तुत करता है। वैकल्पिक अनुवाद: "अर्थात्, वह प्रभु को कैसे प्रसन्न कर सकता है"

**1 कुरिन्थियों 7:33 (#1)**

**"विवाहित मनुष्य"**

यहाँ पौलुस **विवाहित मनुष्य** का उल्लेख एकवचन में करते हैं, लेकिन वह सामान्य रूप से किसी भी विवाहित पुरुष के बारे में बात कर रहे हैं। यदि आपकी भाषा में सामान्य रूप से लोगों को संदर्भित करने के लिए एकवचन रूप का उपयोग नहीं किया जाता है, तो आप ऐसे रूप का उपयोग कर सकते हैं जो आपकी भाषा में लोगों को सामान्य रूप से संदर्भित करता हो। वैकल्पिक अनुवाद: "प्रत्येक अविवाहित पुरुष"

देखें: सामान्य संज्ञा वाक्यांश

**1 कुरिन्थियों 7:33 (#2)**

**"की बातों की चिन्ता में रहता है"**

यदि आपकी भाषा इस प्रकार से निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं करती है, तो आप इस विचार को सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य स्वाभाविक तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। पौलुस यहाँ निष्क्रिय रूप का उपयोग **मनुष्य** पर ध्यान केंद्रित करने के लिए करते हैं जो **चिन्ता में रहता है**, बजाय इसके कि उसे **चिन्ता** में रहने वाली चीज़ पर ध्यान केंद्रित करें। यदि आपको यह बताना आवश्यक है कि यह कार्य कौन करता है, तो पौलुस संकेत देते हैं कि **विवाहित मनुष्य** स्वयं इसे करता है। वैकल्पिक अनुवाद: "स्वयं को चिंतित करता है"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

### 1 कुरिन्थियों 7:33 (#3)

"संसार की बातों"

यहाँ पौलुस स्वामित्व रूप का उपयोग करके बातों का वर्णन करते हैं जो सीधे संसार से सम्बंधित हैं। यह वाक्यांश किसी भी वस्तु की पहचान करता है जो संसार से सम्बंधित है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप संसार की बातों को एक शब्द या वाक्यांश के साथ व्यक्त कर सकते हैं जो संसार से सम्बंधित किसी भी वस्तु को संदर्भित करता है। वैकल्पिक अनुवाद: "कई वस्तुएँ जो संसार से सम्बंधित हैं"

देखें: स्वामित्व

### 1 कुरिन्थियों 7:33 (#4)

"पत्नी"

यहाँ पौलुस पत्नी का उल्लेख कर रहे हैं, लेकिन उनके मन में विशेष रूप से पहले उल्लेखित विवाहित मनुष्य की पत्नी है। यदि आपकी भाषा इस रूप का उपयोग पुरुष की पत्नी को संदर्भित करने के लिए नहीं करती है, तो आप इस विचार को अधिक स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "उसकी पत्नी"

देखें: सामान्य संज्ञा वाक्यांश

### 1 कुरिन्थियों 7:33 (#5)

"मनुष्य... चिन्ता में रहता है"

यहाँ पौलुस ऐसा कहते हैं जैसे मनुष्य चिन्ता में रहता है। इस तरह से बात करने से पौलुस का तात्पर्य है कि विवाहित मनुष्य के हित या चिंताएँ परस्पर विरोधी हैं। वह इस बात को लेकर चिन्तित है कि वह प्रभु को कैसे प्रसन्न करे और अपनी पत्नी को कैसे प्रसन्न करे। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप चिन्ता में रहता को एक उपयुक्त रूपक के साथ व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "वह दो दिशाओं में खींचा जा रहा है" या "वह दो मन का है"

देखें: रूपक

### 1 कुरिन्थियों 7:33 (#6)

"मनुष्य... चिन्ता में रहता है"

यदि आपकी भाषा में निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं होता है, तो आप इस विचार को सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य स्वाभाविक तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। पौलुस यहाँ निष्क्रिय रूप का उपयोग करते हैं ताकि मनुष्य जो चिन्ता में रहता है, उस पर ध्यान केंद्रित किया जा सके, बजाय इसके कि "चिन्ता" कौन करता है। यदि आपको यह बताना ही है कि कार्य कौन करता है, तो पौलुस का तात्पर्य है कि उस व्यक्ति की "चिन्ता" ही ऐसा करती है। वैकल्पिक अनुवाद: "प्रभु और संसार की चिन्ताएँ उसे विभाजित करती हैं"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

### 1 कुरिन्थियों 7:33 (#7)

"विवाहिता और अविवाहिता"

यहाँ पौलुस विवाहिता और अविवाहिता का उल्लेख एकवचन में करते हैं, लेकिन वह सामान्य रूप से विवाहिता और अविवाहिता के बारे में बात कर रहे हैं। यदि आपकी भाषा में समूह में लोगों का उल्लेख करने के लिए एकवचन रूप का उपयोग नहीं होता है, तो आप अपनी भाषा में लोगों का सामान्य रूप से उल्लेख करने वाला रूप उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "प्रत्येक अविवाहित महिला या कुँवारी"

देखें: सामान्य संज्ञा वाक्यांश

### 1 कुरिन्थियों 7:33 (#8)

"विवाहिता और अविवाहिता"

यहाँ पौलुस निम्नलिखित में अंतर कर रहे होंगे: (1) वृद्ध अविवाहित महिलाएँ (अविवाहित) और छोटी अविवाहित महिलाएँ (अविवाहिता)। वैकल्पिक अनुवाद: "बड़ी या छोटी अविवाहित महिला" (2) तलाकशुदा महिलाएँ (अविवाहित) और महिलाएँ जिन्होंने कभी विवाह नहीं किया है (अविवाहिता)। वैकल्पिक अनुवाद: "तलाकशुदा महिला या वह महिला जिसने कभी शादी नहीं करी"

देखें: अज्ञातों का अनुवाद करें

### 1 कुरिन्थियों 7:34 (#1)

"चिन्ता में रहती है"

वह परमेश्वर को प्रसन्न करने का प्रयास कर रहा है और एक ही समय में अपनी पत्नी को प्रसन्न कर रहा है

## 1 कुरिन्थियों 7:34 (#2)

"प्रभु की चिन्ता"

यहाँ पौलुस स्वामित्व रूप का उपयोग करके **चिन्ता** का वर्णन करते हैं जो स्पष्ट रूप से **प्रभु** से सम्बंधित हैं। यह वाक्यांश किसी भी ऐसे कार्य को दर्शाता है जो प्रभु से सम्बंधित है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप **प्रभु की चिन्ता** को ऐसे शब्द या वाक्यांश से व्यक्त कर सकते हैं जो प्रभु से सम्बंधित किसी भी बात को संदर्भित करता हो। वैकल्पिक अनुवाद: "सब कुछ जो प्रभु से सम्बंधित है"

देखें: स्वामित्व

## 1 कुरिन्थियों 7:34 (#3)

"देह और आत्मा दोनों में"

यहाँ पौलुस **देह** और **आत्मा** का उल्लेख करते हैं ताकि यह स्पष्ट किया जा सके कि एक व्यक्ति का बाहरी हिस्सा है, जबकि **आत्मा** व्यक्ति का आन्तरिक हिस्सा है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप **देह और आत्मा दोनों में** को एक ऐसे शब्द या वाक्यांश के साथ व्यक्त कर सकते हैं जो इस बात पर जोर देता है कि यहाँ पूरा व्यक्ति विचार है। वैकल्पिक अनुवाद: "शरीर और प्राण में" या "हर हिस्से में"

देखें: विभज्योतक

## 1 कुरिन्थियों 7:34 (#4)

"विवाहिता"

यहाँ, **विवाहिता** स्त्रीलिंग है। यदि यह बात आपके पाठकों के लिए स्पष्ट नहीं है, तो आप स्पष्ट कर सकते हैं कि यह वाक्यांश महिलाओं के बारे में है। वैकल्पिक अनुवाद: "वह स्त्री जो विवाहित है"

देखें: जब पुल्लिंग शब्दों में स्त्रियाँ भी सम्मिलित होती हैं

## 1 कुरिन्थियों 7:34 (#5)

"की चिन्ता में रहती है"

यदि आपकी भाषा में निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं होता है, तो आप सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य तरीके से विचार व्यक्त कर सकते हैं जो स्वाभाविक हो। पौलुस यहाँ निष्क्रिय रूप का प्रयोग उन लोगों पर ध्यान केन्द्रित करने के लिए करते हैं जो **चिन्ता** करता है, न कि उन बातों पर जो उसे **चिन्ता** देती है। यदि आपको यह बताना आवश्यक है कि कार्य

कौन करता है, तो पौलुस यह संकेत देते हैं कि **विवाहित** यह करता है। वैकल्पिक अनुवाद: "वह खुद से चिन्तित है"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

## 1 कुरिन्थियों 7:34 (#6)

"संसार की चिन्ता"

यहाँ पौलुस स्वामित्व रूप का उपयोग **चिन्ता** का वर्णन करने के लिए करते हैं जो सीधे **संसार** से सम्बंधित होती हैं। यह वाक्यांश किसी भी ऐसी चीज़ की पहचान करता है जो व्यक्ति **संसार** से सम्बंधित करता है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप **संसार की चिन्ता** को एक शब्द या वाक्यांश के साथ व्यक्त कर सकते हैं जो **संसार** से सम्बंधित किसी भी चीज़ को संदर्भित करता है। वैकल्पिक अनुवाद: "कई चीजें जो संसार से सम्बंधित होती हैं"

देखें: स्वामित्व

## 1 कुरिन्थियों 7:34 (#7)

"पति"

यहाँ पौलुस **पति** का उल्लेख कर रहे हैं, परन्तु उनके मन में विशेष रूप से उस **विवाहिता** का पति है जिसका पहले उल्लेख किया जा चुका है। यदि आपकी भाषा इस रूप का उपयोग महिला के पति का उल्लेख करने के लिए नहीं करती है, तो आप इस विचार को अधिक स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "उसका पति"

देखें: सामान्य संज्ञा वाक्यांश

## 1 कुरिन्थियों 7:35 (#1)

"यह"

यहाँ, यह पौलुस द्वारा [7:32-34](#) में कही गई बात को संदर्भित करता है कि कैसे अविवाहित लोग प्रभु की सेवा बेहतर रूप से कर सकते हैं। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप **यह** को स्पष्ट करके व्यक्त कर सकते हैं कि यह किसकी ओर इशारा करता है। वैकल्पिक अनुवाद: "यह विवाह और प्रभु की सेवा करने के बारे में है"

देखें: सर्वनाम — उनका उपयोग कब करें

## 1 कुरिन्थियों 7:35 (#2)

"तुम्हारे ही लाभ के लिये"

यदि आपकी भाषा में लाभ के पीछे के विचार के लिए कोई भाववाचक संज्ञा का उपयोग नहीं होता है, तो आप इस विचार को व्यक्त करने के लिए "लाभ" या "सहायता" जैसे क्रिया का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "तुमको लाभ पहुँचना"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

## 1 कुरिन्थियों 7:35 (#1)

"तुम्हें फँसाने के लिये"

प्रतिबंध

## 1 कुरिन्थियों 7:35 (#4)

"तुम्हें फँसाने के लिये"

यहाँ पौलुस इस प्रकार बोलते हैं जैसे वह कुरिन्थ के लोगों को निर्देशित कर सकते हैं और उन्हें नियंत्रित कर सकते हैं कि वे कहाँ जाएँ, जैसे कि वे खेत के पशु हों। पौलुस इस प्रकार उन आदेशों का उल्लेख करते हैं जिनके लिए एक निश्चित प्रकार के व्यवहार की आवश्यकता होती है, ठीक उसी प्रकार जैसे रसी के लिए एक पशु को एक निश्चित क्षेत्र में रहना आवश्यक होता है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप तुम्हें फँसाने के लिये के पीछे के विचार को स्पष्ट रूप से या एक तुलनीय रूपक के साथ व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "तुमको निर्देशित करना" या "जीवन जीने का एक तरीका आवश्यक होना"

देखें: रूपक

## 1 कुरिन्थियों 7:35 (#5)

"कि जैसा... है"

यहाँ, कि जैसा पौलुस ने जो कहा है, उसके उद्देश्य को प्रस्तुत करता है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप कि जैसा है को एक शब्द या वाक्यांश के साथ व्यक्त कर सकते हैं जो आगे आने वाली बात को एक उद्देश्य या लक्ष्य के रूप में प्रस्तुत करता है। वैकल्पिक अनुवाद: "ताकि तुम उन तरीकों से कार्य कर सकों जो हैं" या "जो है उसे करने के लक्ष्य के साथ"

देखें: मुहावरा

## 1 कुरिन्थियों 7:35 (#2)

""

पर ध्यान केंद्रित कर सकते हैं

## 1 कुरिन्थियों 7:35 (#7)

"एक चित्त होकर"

यहाँ, एक चित्त होकर का अर्थ है कि कुछ भी किसी विशेष कार्यों में बाधा नहीं डाल रहा है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप एक चित्त होकर को एक शब्द या वाक्यांश के साथ व्यक्त कर सकते हैं जो ऐसी स्थिति का वर्णन करता है जिसमें कोई भी क्रिया में बाधा नहीं डाल रहा है। वैकल्पिक अनुवाद: "बिना बाधा" या "पूर्ण ध्यान के साथ"

देखें: अज्ञातों का अनुवाद करें

## 1 कुरिन्थियों 7:35 (#8)

"एक चित्त होकर"

यदि आपकी भाषा में एक चित्त होकर के पीछे के विचार के लिए कोई भाववाचक संज्ञा नहीं है, तो आप "ध्यान भंग करना" जैसी क्रिया का उपयोग करके विचार व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "बिना विचलित हुए"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

## 1 कुरिन्थियों 7:36 (#1)

""

इस पद की दो मुख्य व्याख्याएँ हैं: (1) मंगेतर की व्याख्या, जो यह सुझाव देती है कि यह पद एसे व्यक्ति के बारे में है जो एक स्त्री से विवाह करने के लिए प्रतिबद्ध है। इस मामले में, पौलुस कह रहे हैं कि अगर उस व्यक्ति को लगता है कि वह अनुचित तरीके से व्यवहार कर रहा है और अगर वह एक निश्चित उम्र की है, तो उसे अपनी मंगेतर से विवाह कर लेना चाहिए। (2) पिता की व्याख्या, जो बताती है कि यह पद एसे पिता के बारे में है जिसकी एक बेटी है। इस मामले में, पौलुस कह रहे हैं कि पिता को अपनी पुत्री को विवाह करने की अनुमति देनी चाहिए अगर उसे लगता है कि वह अनुचित तरीके से व्यवहार कर रहा है और अगर पुत्री एक निश्चित उम्र की है। आगे आने वाले टिप्पणी में, हम यह पहचानेंगे कि कौन से विकल्प इन दो प्रमुख विकल्पों में से किसके साथ मेल खाते हैं।

**1 कुरिन्थियों 7:36 (#2)**

"और यदि कोई यह समझे, कि मैं अपनी उस कुँवारी का हक्क मार रहा हूँ—उस कुँवारी का हक्क मार रहा हूँ, जिसकी जवानी ढल रही है"

यहाँ पौलुस दो सच्ची संभावनाओं को प्रस्तुत करने के लिए यदि का उपयोग करते हैं। उनका मतलब है कि एक मनुष्य हक्क मार सकता है, या एक मनुष्य ऐसा नहीं भी कर सकता है। उनका यह भी मतलब है कि उस कुँवारी कि जवानी ढल भी सकती है, या वह नहीं भी ढल सकती हैं। फिर वह यह निर्दिष्ट करते हैं कि यदि मनुष्य हक्क मार रहा है और कुँवारी की जवानी ढल रही है तो उसका परिणाम क्या होगा। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इस रूप को विशिष्ट स्थिति का वर्णन करके यदि कथन को व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "किसी को लग सकता है कि वह अपनी कुँवारी लड़की के साथ गलत व्यवहार कर रहा है, और हो सकता है कि उसकी शादी की उम्र से निकल गई हो। इस स्थिति में, ऐसा होना ही चाहिए"

देखें: जोड़ें — कात्पनिक स्थितियाँ

**1 कुरिन्थियों 7:36 (#3)****"कोई"**

यहाँ, कोई निम्नलिखित को संदर्भित कर सकता है: (1) एक पुरुष जो उस कुँवारी से सगाई कर चुके हैं। यह मंगेतर की व्याख्या के साथ मेल खाता है। वैकल्पिक अनुवाद: "कोई भी मंगेतर" (2) एक पिता जिसकी पुत्री कुँवारी है। यह पिता की व्याख्या के साथ मेल खाता है। वैकल्पिक अनुवाद: "कोई भी पिता"

देखें: सर्वनाम — उनका उपयोग कब करें

**1 कुरिन्थियों 7:36 (#1)**

""

"दयालु नहीं होना या ""सम्मान नहीं करना"""

**1 कुरिन्थियों 7:36 (#5)****"उस कुँवारी"**

यहाँ, उस कुँवारी का अर्थ हो सकता है: (1) एक स्त्री जो एक पुरुष से सगाई कर चुकी है। यह मंगेतर की व्याख्या के साथ मेल खाता है। वैकल्पिक अनुवाद: "उसकी मंगेतर" (2) एक पुत्री जिसने कभी विवाह नहीं किया हो। यह पिता की व्याख्या

के साथ मेल खाता है। वैकल्पिक अनुवाद: "उसकी अविवाहित पुत्री"

देखें: अज्ञातों का अनुवाद करें

**1 कुरिन्थियों 7:36 (#2)**

""

"संभावित अर्थ 1) ""वह महिला जिसे उसने शादी करने का बाद किया था"" या 2) ""उसकी कुँवारी बेटी।"""

**1 कुरिन्थियों 7:36 (#7)****"जिसकी जवानी ढल रही है"**

यहाँ, जवानी ढल रही है का वर्णन इस प्रकार किया जा सकता है: (1) एक व्यक्ति जो उस सामान्य उम्र से बड़ा है जिसमें आमतौर पर विवाह होता है। यह पिता और मंगेतर दोनों की व्याख्याओं के साथ मेल खाता है। वैकल्पिक अनुवाद: "विवाह करने के लिए औसत से बड़ी आयु वाला है" (2) एक व्यक्ति जिसने पूर्ण लैगिक परिपक्ता प्राप्त कर ली है। यह पिता और मंगेतर दोनों की व्याख्याओं के साथ मेल खाता है। वैकल्पिक अनुवाद: "पूरी तरह से परिपक्ष है" या "लैंगिक सम्बन्ध के लिए तैयार है"

देखें: अज्ञातों का अनुवाद करें

**1 कुरिन्थियों 7:36 (#8)****"जिसकी जवानी ढल रही है, और प्रयोजन भी हो—वैसा करें"**

यहाँ, प्रयोजन संदर्भित कर सकता है: (1) जो पौलुस कहने वाले हैं, जो है तो जैसा चाहे, वैसा करें। वैकल्पिक अनुवाद: "विवाह की उम्र पार कर चुका है—तो ऐसा होना चाहिए: उसे ऐसा करना चाहिए" (2) विवाह करने की आवश्यकता। वैकल्पिक अनुवाद: "वह विवाह की उम्र से परे है और उसे विवाह करना आवश्यक लगता है—उसे करना चाहिए"

देखें: सर्वनाम — उनका उपयोग कब करें

**1 कुरिन्थियों 7:36 (#9)****"तो जैसा चाहे, वैसा करें"**

बाइबल की मूल भाषा में यहाँ 'वह' का प्रयोग किया गया है पर हिन्दी आई.आर.वि. अनुवाद में इसका प्रयोग नहीं किया गया है। यहाँ, वह संदर्भित कर सकता है: (1) उस मंगेतर को, जो

विवाह करना चाहता है। वैकल्पिक अनुवाद: "मंगेतर को वही करना चाहिए जो वह चाहते हैं" (2) उस पिता को, जो चाहता है कि उसकी पुत्री का विवाह हो जाए। वैकल्पिक अनुवाद: "पिता को वही करना चाहिए जो वह चाहता है"

देखें: सर्वनाम — उनका उपयोग कब करें

## 1 कुरिन्थियों 7:36 (#10)

"तो जैसा चाहे, वैसा करे"

यहाँ, तो जैसा चाहे का अर्थ हो सकता है: (1) जैसे कोई मंगेतर कैसे विवाह करना चाहता और लैंगिक संबंध स्थापित करना चाहता है। वैकल्पिक अनुवाद: "उसे अपनी इच्छा से विवाह करना चाहिए" (2) जैसे पिता अपनी पुत्री का विवाह कैसे करना चाहते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "उसे अपनी पुत्री का विवाह उसी प्रकार करना चाहिए जैसा वह चाहता है"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

## 1 कुरिन्थियों 7:36 (#11)

"वैसा करे"

यहाँ पौलुस तृतीय-पुरुष अनिवार्यताओं का उपयोग करते हैं। यदि आपकी भाषा में तृतीय-पुरुष अनिवार्यताएँ हैं, तो आप यहाँ एक का उपयोग कर सकते हैं। यदि आपके पास तृतीय-पुरुष अनिवार्यताएँ नहीं हैं, तो आप इस विचार को "आवश्यक" या "करने दें" जैसे शब्दों का उपयोग करके व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "उसे करने दें"

देखें: तृतीय-पुरुष अनिवार्यताएँ

## 1 कुरिन्थियों 7:36 (#12)

"उन्हें विवाह करने दें"

यहाँ पौलुस तृतीय-पुरुष अनिवार्यताओं का उपयोग करते हैं। यदि आपकी भाषा में तृतीय-पुरुष अनिवार्यताएँ हैं, तो आप यहाँ एक का उपयोग कर सकते हैं। यदि आपके पास तृतीय-पुरुष अनिवार्यताएँ नहीं हैं, तो आप इस विचार को "चाहिए" या "सकते हैं" जैसे शब्दों का उपयोग करके व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "वे विवाह कर सकते हैं"

देखें: तृतीय-पुरुष अनिवार्यताएँ

## 1 कुरिन्थियों 7:36 (#3)

"वह उसका विवाह होने दे"

"संभावित अर्थ 1) ""उसे अपने मंगेतर से शादी करनी चाहिए"" या 2) ""उसे अपनी बेटी को शादी करने देना चाहिए।"""

## 1 कुरिन्थियों 7:37 (#1)

""

पिछले पद ([7:36](#)) की तरह ही, इस पद की भी दो मुख्य व्याख्याएँ हैं: (1) मंगेतर वाली व्याख्या, जो सुझाव देती है कि यह पद एक पुरुष के बारे में है जो एक स्त्री से विवाह करने के लिए सर्गाई कर चुका है। इस मामले में, पौलुस कह रहे हैं कि वह पुरुष जो अपनी मंगेतर से विवाह न करने का निर्णय लेता है, वह **अच्छा** करता है। (2) पिता वाली व्याख्या, जो सुझाव देती है कि यह पद एक पिता के बारे में है जिसकी एक पुत्री है। इस मामले में, पौलुस कह रहे हैं कि वह पिता जो अपनी पुत्री को विवाह करने से रोकने का निर्णय लेता है, वह **अच्छा** करता है। आगे की टिप्पणीयों में, मैं उन विकल्पों की पहचान करूँगा जो विशेष रूप से इन दो प्रमुख विकल्पों से मेल खाती हैं। पिछले पद में आपने जो व्याख्या चुनी थी, उसका अनुसरण करें।

## 1 कुरिन्थियों 7:37 (#1)

""

"यहाँ ""दृढ़ खड़े रहना"" निश्चितता के साथ कुछ तय करने के लिए एक रूपक है। यहाँ ""दिल"" किसी व्यक्ति के दिमाग या विचारों के लिए अलंकार है। वैकल्पिक अनुवाद: ""लेकिन अगर उसने दृढ़ता से अपने दिमाग में फैसला किया है""

देखें: रूपक

## 1 कुरिन्थियों 7:37 (#3)

"वह मन में," - "वह अपनी अभिलाषाओं को"

पौलुस की संस्कृति में, मन वह स्थान है जहाँ मनुष्य सोचते और योजना बनाते हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप मन का अनुवाद अपनी संस्कृति में उस स्थान का उल्लेख करके कर सकते हैं जहाँ मनुष्य सोचते हैं या विचार को स्पष्ट रूप से व्यक्त करें। वैकल्पिक अनुवाद: "अपने मन में ... उसके अपने मन में" या "जो योजना उसने बनाई है ... जो योजना उसने स्वयं बनाई है"

देखें: लक्षणालंकार

## 1 कुरिन्थियों 7:37 (#4)

"अत्यावश्यकता"

यदि आपकी भाषा **अत्यावश्यकता** के विचार के लिए एक भाववाचक संज्ञा का उपयोग नहीं करती है, तो आप इस विचार को व्यक्त करने के लिए "मजबूर करना" जैसी क्रिया का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "किसी के द्वारा उसे मजबूर करना"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

## 1 कुरिन्थियों 7:37 (#5)

"वह अपनी अभिलाषाओं को नियंत्रित कर सकता है"

यदि आपकी भाषा में **नियंत्रित** और **अभिलाषाओं** के पीछे के विचारों के लिए भाववाचक संज्ञाओं का उपयोग नहीं होता है, तो आप इन विचारों को "नियंत्रण" और "चाह" जैसे क्रियाओं का उपयोग करके व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "वह जो चाहता है उस पर शासन करता है"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

## 1 कुरिन्थियों 7:37 (#6)

"वह मन में फैसला करता है—तो वह विवाह न करके — अच्छा करता है"

इन तीन वाक्यांशों का क्रम आपकी भाषा में अप्राकृतिक हो सकता है। यदि क्रम अस्वाभाविक है, तो आप वाक्यांशों को पुनः क्रमित कर सकते हैं ताकि वे अधिक स्वाभाविक लगें। वैकल्पिक अनुवाद: "उसने अपने मन में ठान लिया है कि वह अपनी कन्या को कुँवारी रखेगा, तो वह पुरुष अच्छा करेगा"

देखें: सूचना संरचना

## 1 कुरिन्थियों 7:37 (#7)

"वह मन में... नियंत्रित कर सकता है"

यहाँ, **वह** उस बात की ओर संकेत करता है जो पौलुस कहने वाले हैं: **वह विवाह न करे।** यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप **वह** को स्पष्ट कर सकते हैं कि पौलुस उस बात के बारे में बात कर रहे हैं जो वह कहने वाले हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "वह अपने हृदय में यह करने का निश्चय करता है—यानी, उसे रखना"

देखें: सर्वनाम — उनका उपयोग कब करें

## 1 कुरिन्थियों 7:37 (#8)

"वह विवाह न करके"

यहाँ, वह **विवाह न करके** का अर्थ हो सकता है: (1) पुरुष अपनी मंगेतर से विवाह नहीं करता है और उसे **विवाह न करके** छोड़ देता है। यह मंगेतर की व्याख्या के साथ मेल खाता है। वैकल्पिक अनुवाद: "अपनी मंगेतर से विवाह न करना" (2) पिता अपनी पुत्री का विवाह नहीं करता है और उसे **विवाह न किए** ही छोड़ देता है। यह पिता की व्याख्या के साथ मेल खाता है। वैकल्पिक अनुवाद: "अपनी पुत्री का विवाह न करना"

देखें: मुहावरा

## 1 कुरिन्थियों 7:37 (#9)

"वह... अच्छा करता है"

यहाँ पौलुस यह स्पष्ट नहीं करते कि क्या **अच्छा** किया गया है। कुरिन्थ के लोगों ने इस पद से यह निष्कर्ष निकाला होगा कि पौलुस का मतलब है कि **विवाह न करके** ही वह **अच्छा** करता है। यदि आपके पाठक इस निष्कर्ष पर नहीं पहुँचते हैं, तो आप स्पष्ट कर सकते हैं कि क्या **अच्छा** किया गया है। वैकल्पिक अनुवाद: "वह इसे करने में सही है" या "यह एक उत्तम विकल्प है"

देखें: पदलोप

## 1 कुरिन्थियों 7:37 (#10)

"वह... करता है"

यहाँ पौलुस भविष्य काल का प्रयोग किसी ऐसी बात को बताने के लिए करते हैं जो सामान्यतः सत्य है। यदि आपकी भाषा में सामान्यतः सत्य के लिए भविष्य काल का उपयोग नहीं किया जाता है, तो आप यहाँ जो भी काल स्वाभाविक हो, उसका उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "वह करता है"

देखें: भविष्यसूचक भूतकाल

## 1 कुरिन्थियों 7:38 (#1)

"जो विवाह कर देता है" - "जो विवाह नहीं कर देता"

**पौलुस जो विवाह कर देता** और **जो विवाह नहीं कर देता** शब्दों का उपयोग सामान्य रूप में लोगों के बारे में बात करने के लिए करते हैं, न कि किसी विशेष मनुष्य के लिए। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप इन शब्दों के अर्थ को एक रूप में व्यक्त कर सकते हैं जो सामान्य रूप में लोगों

को इंगित करता है। वैकल्पिक अनुवाद: "जो कोई विवाह करता है ... जो कोई विवाह नहीं करता है"

देखें: सामान्य संज्ञा वाक्यांश

### 1 कुरिन्थियों 7:38 (#2)

"जो अपनी कुँवारी का विवाह कर देता है"

यहाँ पौलुस इन बातों को संदर्भित कर रहे होंगे: (1) एक पुरुष जो अपनी मंगेतर से विवाह कर रहा है। यह मंगेतर की व्याख्या के साथ मेल खाता है। वैकल्पिक अनुवाद: "वह पुरुष जो अपनी मंगेतर से विवाह करता है" (2) एक पिता जो अपनी कुँवारी का विवाह कर रहा है। यह पिता की व्याख्या के साथ मेल खाता है। वैकल्पिक अनुवाद: "एक पिता जो अपनी बेटी का विवाह करता है"

देखें: अज्ञातों का अनुवाद करें

### 1 कुरिन्थियों 7:38 (#3)

"जो विवाह नहीं कर देता"

यहाँ पौलुस का इन बातों को संदर्भित कर रहे होंगे: (1) एक पुरुष जो अपनी मंगेतर से विवाह नहीं करता। यह मंगेतर की व्याख्या के साथ मेल खाता है। वैकल्पिक अनुवाद: "वह पुरुष जो अपनी मंगेतर से विवाह नहीं करता" (2) एक पिता जो अपनी कुँवारी का विवाह नहीं करता। यह पिता की व्याख्या के साथ मेल खाता है। वैकल्पिक अनुवाद: "एक पिता जो अपनी बेटी का विवाह नहीं करता"

देखें: अज्ञातों का अनुवाद करें

### 1 कुरिन्थियों 7:38 (#4)

"करता है"

यहाँ पौलुस भविष्य काल का उपयोग करते हैं ताकि सामान्य रूप में जो कुछ सत्य है उसको पहचाना जा सके। यदि आपकी भाषा में सामान्यतः सत्य के लिए भविष्य काल का उपयोग नहीं होता है, तो आप यहाँ जो भी काल स्वाभाविक हो, उसका उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "करना"

देखें: भविष्यसूचक भूतकाल

### 1 कुरिन्थियों 7:39 (#1)

""

"यहां ""बाध्य"" उन लोगों के बीच घनिष्ठ संबंध के रूप में एक रूपक है जिसमें वे भावनात्मक, आत्मिक और शारीरिक रूप से एक-दूसरे का समर्थन करते हैं। यहां इसका मतलब शादी का संघ है। वैकल्पिक अनुवाद: ""एक औरत अपने पति से विवाहित है"" या ""एक महिला अपने पति के साथ एकजुट है""

देखें: रूपक

### 1 कुरिन्थियों 7:39 (#2)

"स्त्री... बंधी हुई है"

यदि आपकी भाषा में निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं होता है, तो आप सक्रिय रूप में या किसी अन्य तरीके से इस विचार को व्यक्त कर सकते हैं जो आपकी भाषा में स्वाभाविक है। पौलुस यहाँ निष्क्रिय रूप का उपयोग करते हैं ताकि स्त्री पर ध्यान केंद्रित किया जा सके, जो बंधी हुई है, बजाय इसके कि जो व्यक्ति "बाँधा" रहा है। यदि आपको यह बताना आवश्यक है कि कार्य कौन करता है, तो पौलुस यह संकेत देते हैं कि "परमेश्वर" या "व्यवस्था" इसे करता है। वैकल्पिक अनुवाद: "एक पत्नी को विवाहित रहना चाहिए" या "परमेश्वर की व्यवस्था एक पत्नी को बांधती है"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

### 1 कुरिन्थियों 7:39 (#3)

""

जब तक वह मर जाता है

### 1 कुरिन्थियों 7:39 (#4)

"तो जिससे चाहे विवाह कर सकती है, परन्तु केवल प्रभु में"

यदि आपकी भाषा में ऐसा प्रतीत होता है कि पौलुस यहाँ एक कथन दे रहे हैं और फिर उसका खण्डन कर रहे हैं, तो आप इस रूप का उपयोग करने से बचने के लिए इसे पुनः लिख सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "वह जिससे चाहे विवाह करने के लिए स्वतंत्र है, जब तक कि वह प्रभु में हो"

देखें: जोड़ें— अपवाद खण्ड

### 1 कुरिन्थियों 7:39 (#3)

"जिससे चाहे"

जिसको वह चाहे

### 1 कुरिन्थियों 7:40 (#1)

"मेरे विचार में"

परमेश्वर के वचन की मेरी समझ

### 1 कुरिन्थियों 7:40 (#3)

""

अविवाहित बनी रहती है

### 1 कुरिन्थियों 7:40 (#2)

"धन्य है"

अधिक संतुष्ट, अधिक आनंददायक

### 1 कुरिन्थियों 8:1 (#3)

"अब" - "विषय में"

पौलुस उनके पूछे गए अगले प्रश्न पर जाने के लिए इस वाक्यांश का उपयोग करता है।

### 1 कुरिन्थियों 8:1 (#4)

""

गैर यहूदी भक्त अपने देवताओं के लिए अनाज, मछली, पक्षी, या मांस अर्पित करेंगे। पुजारी वेदी पर उसका एक हिस्सा जला देगा। पौलुस उस हिस्से के बारे में बात कर रहा है जिसे याजक भक्तों को बाजार में बेचने या खाने के लिए वापस देगा।

### 1 कुरिन्थियों 8:1 (#3)

"मूरतों के सामने बलि की हुई वस्तुओं"

यदि आपकी भाषा में इस तरह से निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं किया जाता है, तो आप विचार को सक्रिय रूप में या किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं जो आपकी भाषा में स्वाभाविक है। पौलुस यहाँ निष्क्रिय रूप का उपयोग इस बात पर ध्यान केंद्रित करने के लिए करता है कि क्या बलिदान किया जाता है, बजाय इसके कि वह "बलिदान" करने वाले

व्यक्ति पर ध्यान केंद्रित करे। यदि आपको यह बताना है कि कौन कार्य करता है, तो आप अस्पृश्य या अनिश्चित विषय का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "लोगों ने मूर्तियों के लिए जो चीज़ें बलिदान की हैं"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

### 1 कुरिन्थियों 8:1 (#4)

"हम जानते हैं कि हम सभी के पास ज्ञान है।"

यहाँ पौलुस संभवतः (1) ज्ञान के बारे में अपनी खुद की राय व्यक्त कर रहे हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "हम जानते हैं कि हम सभी को वास्तव में ज्ञान है" (2) कुरिन्थियों ने अपने पत्र में जो कहा था उसे उद्धृत कर रहे हैं ताकि वे इसका उत्तर दे सकें, जैसे उन्होंने 6:12-13; 7:1 में किया था। वैकल्पिक अनुवाद: "आपने लिखा, 'हम जानते हैं कि हम सभी को ज्ञान है।'"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

### 1 कुरिन्थियों 8:1 (#5)

"हम सब को ज्ञान है"

यहाँ पौलुस यह निर्दिष्ट नहीं करते कि ज्ञान किस बारे में है। यह 8:4-6 में स्पष्ट हो जाता है कि पौलुस अन्य देवताओं के बारे में ज्ञान की बात कर रहे हैं, विशेष रूप से यह जानना कि केवल एक परमेश्वर हैं और अन्य देवता वास्तव में अस्तित्व में नहीं हैं। यदि संभव हो, तो यहाँ ज्ञान की आगे व्याख्या न करें, क्योंकि पौलुस अध्याय में बाद में इसे समझाते हैं। यदि आपको यह निर्दिष्ट करना आवश्यक है कि ज्ञान किस बारे में है, तो आप स्पष्ट कर सकते हैं कि यह मूरते या मूरतों के सामने बलि की हुई वस्तुओं के विषय में है। वैकल्पिक अनुवाद: "हम सभी को मूर्तियों के बारे में ज्ञान है" या "हम सभी को इस मुद्दे के बारे में ज्ञान है"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

### 1 कुरिन्थियों 8:1 (#6)

"कि हम सब को ज्ञान है: ज्ञान"

अगर आपकी भाषा में ज्ञान के पीछे के विचार के लिए भाववाचक संज्ञा का उपयोग नहीं किया गया है, तो आप "जानना" जैसी क्रिया का उपयोग करके विचार को व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "हम सभी चीजें जानते हैं। चीजों को जानना"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

**1 कुरिन्थियों 8:1 (#6)**

"ज्ञान" - "परन्तु प्रेम से उत्त्रति होती है"

"भाववाचक संज्ञा """"प्यार"""" को क्रिया के रूप में व्यक्त किया जा सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: """"लैकिन जब हम लोगों से प्यार करते हैं, तो हम उन्हें मज़बूत बनाते हैं""""

देखें: अमूर्त संज्ञाएँ

**1 कुरिन्थियों 8:1 (#7)**

"प्रेम से उत्त्रति होती है"

"लोगों को बलवान बनाना उनके विश्वास में परिपक्ष और बलवान बनाने में उनकी सहायता करने को दर्शाता है। वैकल्पिक अनुवाद: """"प्यार लोगों को बलवान करता है"""" या """"जब हम लोगों से प्यार करते हैं, हम उन्हें बलवान करते हैं""""

देखें: रूपक

**1 कुरिन्थियों 8:2 (#1)**

"यदि कोई समझे, कि मैं कुछ जानता हूँ, तो जैसा जानना चाहिए वैसा अब तक नहीं जानता"

यहाँ पौलुस ने यदि कोई का इस्तेमाल एक सच्ची संभावना को पेश करने के लिए किया है। उसका तात्पर्य है कि कोई व्यक्ति सोच सकता है कि वह कुछ जानता है, या वह व्यक्ति ऐसा नहीं सोच सकता है। फिर वह उस परिणाम को निर्दिष्ट करता है जो तब होता है जब व्यक्ति सोचता है कि वह कुछ जानता है। यदि यह आपकी भाषा में मददगार होगा, तो आप सापेक्ष खंड का उपयोग करके या वाक्य को "जब भी" से शुरू करके अगर कथन को बताकर इस रूप को व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "कोई भी व्यक्ति जो सोचता है कि वह कुछ जानता है, वह अभी तक नहीं जानता है" या "जब भी कोई सोचता है कि वह कुछ जानता है, तो वह अभी तक नहीं जानता है"

देखें: जोड़ें — कात्पनिक स्थितियाँ

**1 कुरिन्थियों 8:2 (#1)**

"समझे, कि" - "कुछ जानता हूँ"

"विश्वास करता है कि वह किसी के बारे में सब कुछ जानता है""""

**1 कुरिन्थियों 8:3 (#1)**

"परन्तु यदि कोई परमेश्वर से प्रेम रखता है, तो उसे परमेश्वर पहचानता है"

जैसे कि पिछले पद में, यहाँ भी पौलुस ने एक सच्ची संभावना को पेश करने के लिए यदि का इस्तेमाल किया है। उसका तात्पर्य है कि कोई व्यक्ति परमेश्वर से प्रेम कर सकता है, या वह व्यक्ति शायद न भी करे। फिर वह अगर व्यक्ति परमेश्वर से प्रेम करता है, तो उसके लिए परिणाम निर्दिष्ट करता है। आगर यह आपकी भाषा में मददगार होगा, तो आप इस रूप को सापेक्ष खंड का उपयोग करके यदि कथन को बताकर या वाक्य को "जब भी" से शुरू करके व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जो कोई परमेश्वर से प्रेम करता है, वह जाना जाता है" या "जब भी कोई परमेश्वर से प्रेम करता है, तो वह जाना जाता है"

देखें: जोड़ें — कात्पनिक स्थितियाँ

**1 कुरिन्थियों 8:3 (#1)**

"उसे परमेश्वर पहचानता है"

"इसे सक्रिय रूप में कहा जा सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: ""परमेश्वर उस व्यक्ति को जानता है"""

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

**1 कुरिन्थियों 8:3 (#3)**

"कोई" - "उसे"

यहाँ, कोई और उसे किसी व्यक्ति को संदर्भित करता है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप इन सर्वनामों को यह स्पष्ट करके व्यक्त कर सकते हैं कि वे किसके लिए संदर्भित हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "वह व्यक्ति ... परमेश्वर"

देखें: सर्वनाम — उनका उपयोग कब करें

**1 कुरिन्थियों 8:4 (#1)**

""

"# General Information:\n\nहम और """"हमें"""" यहाँ सभी विश्वासियों का उल्लेख करते हैं और पौलुस के दर्शकों को सम्मिलित करते हैं।

देखें:

**1 कुरिन्थियों 8:4 (#2)**

"अतः मूरतों के सामने बलि की हुई वस्तुओं के खाने के विषय"

यहाँ पौलुस मूरतों के सामने बलि की हुई वस्तुओं के खाने के विषय में बात करने के लिए अधिकारवाचक रूप का उपयोग करता है। यदि आपकी भाषा उस अर्थ को व्यक्त करने के लिए इस रूप का उपयोग नहीं करती है, तो आप मौखिक वाक्यांश का उपयोग करके विचार व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मूर्तियों को बलि चढ़ाए गए मांस को खाना"

देखें: स्वामित्व

**1 कुरिन्थियों 8:4 (#3)**

"मूरतों के सामने बलि की हुई वस्तुओं"

यहाँ, मूरतों के सामने बलि की हुई वस्तुओं का तात्पर्य है मूर्ति को चढ़ाया गया मांस। इस वाक्यांश का अनुवाद उसी तरह करें जैसा आपने [8:1](#) में किया था। वैकल्पिक अनुवाद: "मूर्तियों को बलि किए गए जानवरों के मांस का"

देखें: अज्ञातों का अनुवाद करें

**1 कुरिन्थियों 8:4 (#4)**

"मूरतों के सामने बलि की हुई वस्तुओं के खाने के विषय में"

यदि आपकी भाषा में इस तरह से निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं किया जाता है, तो आप विचार को सक्रिय रूप में या किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं जो आपकी भाषा में स्वाभाविक है। पौलुस यहाँ निष्क्रिय रूप का उपयोग इस बात पर ध्यान केंद्रित करने के लिए करता है कि क्या बलिदान किया जाता है, बजाय इसके कि वह "बलिदान" करने वाले व्यक्ति पर ध्यान केंद्रित करे। यदि आपको यह बताना है कि कौन कार्य करता है, तो आप अस्पष्ट या अनिश्चित विषय का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "लोगों ने मूर्तियों के लिए जो चीजें बलिदान की हैं"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

**1 कुरिन्थियों 8:4 (#2)**

""

"पौलुस संभवतः वाक्यांशों को उद्धृत कर रहा है जिनका कुछ कुरिन्थियों ने इस्तेमाल किया। """"कुछ नहीं"""" होना

कुछ शक्तिहीनता को दर्शाता है। वैकल्पिक अनुवाद: """"हम सब जानते हैं, जैसा कि आप स्वयं कहना पसंद करते हैं कि इस दुनिया में मूर्ति में कोई शक्ति नहीं है और एक परमेश्वर के अलावा कोई नहीं है""""

देखें: अनुमानित ज्ञान और निहित जानकारी

**1 कुरिन्थियों 8:4 (#6)**

"कि मूरत जगत में कोई वस्तु नहीं"

यहाँ पौलुस कहता है कि मूरत कुछ भी नहीं है, ताकि इस बात पर ज़ोर दिया जा सके कि मूर्तियाँ वास्तव में परमेश्वर नहीं हैं। वह यह नहीं कह रहे हैं कि चित्र या प्रतिमाएँ अस्तित्व में नहीं हैं। अगर यह आपकी भाषा में मददगार होगा, तो आप यह स्पष्ट करके कुछ भी नहीं व्यक्त कर सकते हैं कि पौलुस इस बारे में बात कर रहा है कि कैसे एक मूरत में सच्चे परमेश्वर की शक्ति या अस्तित्व नहीं है। वैकल्पिक अनुवाद: "दुनिया में एक मूरत वास्तव में एक परमेश्वर नहीं है"

देखें: रूपक

**1 कुरिन्थियों 8:4 (#7)**

"और एक को छोड़ और कोई परमेश्वर नहीं"

अगर आपकी भाषा में ऐसा लगता है कि पौलुस यहाँ एक कथन दे रहा था और फिर उसका खंडन कर रहा था, तो आप अपवाद खंड का उपयोग करने से बचने के लिए इसे फिर से लिख सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "केवल एक परमेश्वर है"

देखें: जोड़ें — अपवाद खण्ड

**1 कुरिन्थियों 8:4 (#8)**

"एक को छोड़"

यहाँ पौलुस सीधे पुराने नियम से उद्धरण नहीं देता है, लेकिन वह ऐसे शब्दों का उपयोग करता है जो पुराने नियम से परिचित किसी भी पाठक को [6:4](#) के बारे में सोचने पर मजबूर कर देंगे, जहाँ लिखा है कि "यहोवा एक ही है" यदि आपके पाठक इस संबंध को नहीं समझ पाते हैं, तो आप पदटिका या व्यवस्थाविवरण का संक्षिप्त संदर्भ शामिल कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "एक को छोड़कर, जैसा कि मूसा ने शास्त्रों में लिखा है"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

**1 कुरिन्थियों 8:5 (#1)****"यद्यपि"**

यहाँ, यद्यपि एक संभावना प्रस्तुत करता है कि पौलुस इसे सच मानने के लिए विश्वास नहीं करते। दूसरे शब्दों में, पौलुस यह नहीं सोचते कि कई ईश्वर और कई प्रभु हैं। वह यह मानते हैं कि लोग कई ईश्वर और कई प्रभुओं के बारे में बात करते हैं। इस प्रकार, उनका मुख्य बिंदु यह है कि, चाहे अन्य लोग कितने भी ईश्वर और प्रभुओं के बारे में बात करें, विश्वासियों को केवल एक परमेश्वर और एक प्रभु को मान्यता देनी चाहिए (8:6)। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप यद्यपि को एक स्वाभाविक रूप में व्यक्त कर सकते हैं जो एक ऐसी स्थिति को प्रस्तुत करता है जिसे वक्ता सच नहीं मानते। वैकल्पिक अनुवाद: "हालांकि यह हो सकता है कि" या "जबकि कुछ लोग दावा करते हैं कि"

देखें: तथ्य के विपरीत स्थितियाँ

**1 कुरिन्थियों 8:5 (#1)****"बहुत से ईश्वर कहलाते"**

"चीजें जिन्हे लोग देवता बुलाते हैं""

**1 कुरिन्थियों 8:5 (#3)****"यद्यपि आकाश में और पृथ्वी पर बहुत से ईश्वर कहलाते हैं"**

पौलुस आकाश और पृथ्वी का उपयोग करते हुए बोलते हैं ताकि इन दोनों के बीच में सब कुछ शामिल किया जा सके। इस तरह से बोलते हुए, वह हर उस जगह को शामिल करते हैं जिसे परमेश्वर ने बनाया है। अगर यह आपकी भाषा में मददगार होगा, तो आप इस अलंकार को एक समान अभिव्यक्ति या सरल भाषा में व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "सृष्टि के सभी भागों में परमेश्वर"

देखें: विभज्योतक

**1 कुरिन्थियों 8:5 (#2)****"बहुत से ईश्वर" - "बहुत से" - "और बहुत से प्रभु"**

पौलुस का मानना है कि कई देवता और कई प्रभु विध्यमान नहीं हैं, लेकिन वह जानता है कि मुर्तिपुजकों का मानना है कि वे विध्यमान हैं।

**1 कुरिन्थियों 8:6 (#1)**

""

फिर भी हम जानते हैं कि केवल एक ही परमेश्वर है

**1 कुरिन्थियों 8:6 (#2)****"परमेश्वर है: अर्थात् पिता"**

पिता एक महत्वपूर्ण उपाधि है जो त्रिएक में से एक व्यक्ति का वर्णन करती है। यदि आप निम्नलिखित वैकल्पिक अनुवाद का उपयोग करते हैं, तो आपको इसके पहले अल्पविराम जोड़ने की आवश्यकता हो सकती है। वैकल्पिक अनुवाद: "अर्थात्, पिता"

देखें: पुत्र और पिता का अनुवाद

**1 कुरिन्थियों 8:6 (#3)****"जिसकी ओर से सब वस्तुएँ हैं"**

यहाँ पौलुस इस बात पर ज़ोर देता है कि परमेश्वर पिता ने सभी चीज़ों का निर्माण किया है और वही उनका अंतिम स्रोत है। अगर यह आपकी भाषा में मददगार होगा, तो आप यह व्यक्त कर सकते हैं कि जिसकी ओर से सब वस्तुएँ हैं, एक ऐसे वाक्यांश के साथ जो परमेश्वर पिता को हर उस चीज़ का निर्माता बताता है जो मौजूद है। वैकल्पिक अनुवाद: "जो संसार के रचयिता है"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

**1 कुरिन्थियों 8:6 (#4)****"और हम उसी के लिये हैं"**

यहाँ पौलुस इस बात पर ज़ोर देता है कि जिस उद्देश्य के लिए हम अस्तित्व में हैं, वह परमेश्वर की सेवा करना और उसका सम्मान करना है। अगर यह आपकी भाषा में मददगार होगा, तो आप यह व्यक्त कर सकते हैं कि हम उसी के लिये हैं, एक ऐसे वाक्यांश के साथ जो परमेश्वर पिता को मसीही जीवन के लक्ष्य या उद्देश्य के रूप में पहचानता है। वैकल्पिक अनुवाद: "जिसकी हमें सेवा करनी है" या "जिसकी हम आराधना करते हैं"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

**1 कुरिन्थियों 8:6 (#5)****"जिसके द्वारा सब वस्तुएँ हुईं"**

यहां पौलुस इस बात पर जोर देते हैं कि प्रभु यीशु मसीह वह माध्यम हैं जिनके द्वारा परमेश्वर पिता ने सभी चीजों की रचना की। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप जिसके द्वारा सब वस्तुएँ हुईं को एक ऐसे वाक्यांश के साथ व्यक्त कर सकते हैं जो प्रभु यीशु मसीह को हर उस चीज़ की रचना में माध्यम के रूप में पहचानता है जो अस्तित्व में है। वैकल्पिक अनुवाद: "जिनके द्वारा परमेश्वर पिता ने सभी चीजों की रचना की!"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

## 1 कुरिन्थियों 8:6 (#6)

"जिसके द्वारा"

यहां पौलुस यह विचार व्यक्त कर सकते हैं: (1) कि हम मसीह के द्वारा बनाए गए हैं और उन्हीं के कारण हमारा अस्तित्व है। वैकल्पिक अनुवाद: "जिनके माध्यम से हम जीवित हैं" (2) कि हम को बचाया गया है और मसीह के द्वारा नया जीवन प्राप्त हुआ है। वैकल्पिक अनुवाद: "जिनके माध्यम से हमें नया जीवन मिला है"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

## 1 कुरिन्थियों 8:7 (#1)

""

"# General Information:\n\n""पौलुस यहां ""निर्बल"""" भाइयों के बारे में बात कर रहा है, जो लोग मूर्तिपूजा से मूर्तियों को बलि किए गए भोजन को अलग नहीं कर सकते हैं। यदि एक मसीही मूर्ति को अर्पित भोजन खाता है, तो निर्बल भाई सोच सकते हैं कि परमेश्वर उन्हें खाने से मूर्ति की पूजा करने की अनुमति देगा। यहां तक कि यदि खाने वाले ने मूर्तिपूजा नहीं की है और केवल खाना खा रहा है, तो भी उसने अपने निर्बल भाइयों के विवेक को भ्रष्ट कर दिया है!"""

## 1 कुरिन्थियों 8:7 (#2)

""

सभी लोग ... कुछ लोग जो अब मसीही हैं

## 1 कुरिन्थियों 8:7 (#3)

"अब तक मूरत को कुछ समझने के कारण"

अगर आपकी भाषा में समझने के पीछे के विचार के लिए भाववाचक संज्ञा का उपयोग नहीं किया गया है, तो आप क्रिया

का उपयोग करके विचार व्यक्त कर सकते हैं, जैसे कि "आदत डालना" या "अभ्यस्त"। वैकल्पिक अनुवाद: "मूर्तियों के अभ्यस्त होना"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

## 1 कुरिन्थियों 8:7 (#4)

"अब तक"

यहाँ, अब का तात्पर्य उस समय से है जब से ये लोग विश्वासी बने। पौलुस का तात्पर्य है कि ये लोग मूर्तियों की पूजा तब तक करते थे जब तक वे मसीही नहीं बन गए, न कि जब तक वह यह पत्र नहीं लिखता। अगर यह आपकी भाषा में मददगार होगा, तो आप अब तक को यह स्पष्ट करके व्यक्त कर सकते हैं कि पौलुस उस समय का जिक्र कर रहे हैं जब इन लोगों ने पहली बार यीशु पर विश्वास किया था। वैकल्पिक अनुवाद: "जब तक उन्होंने यीशु पर विश्वास नहीं किया"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

## 1 कुरिन्थियों 8:7 (#5)

"मूरतों के सामने बलि"

यहाँ, मूरतों के सामने बलि की गई चीजों का तात्पर्य है मूरतों को चढ़ाया गया मांस। इस वाक्यांश का अनुवाद उसी तरह करें जैसा आपने 8:1 में किया था। वैकल्पिक अनुवाद: "मूर्तियों को बलि किए गए जानवरों का मांस"

देखें: अज्ञातों का अनुवाद करें

## 1 कुरिन्थियों 8:7 (#6)

"मूरतों के सामने बलि की हुई"

यदि आपकी भाषा में इस तरह से निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं किया जाता है, तो आप विचार को सक्रिय रूप में या किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं जो आपकी भाषा में स्वाभाविक है। पौलुस यहाँ निष्क्रिय रूप का उपयोग इस बात पर ध्यान केंद्रित करने के लिए करता है कि बलिदान क्या किया जाता है, बजाय इसके कि वह "बलिदान" करने वाले व्यक्ति पर ध्यान केंद्रित करे। यदि आपको यह बताना है कि कौन कार्य करता है, तो आप अस्पष्ट या अनिश्चित विषय का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "लोगों ने मूर्तियों के लिए जो चीज़ें बलि की हैं"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

## 1 कुरिन्थियों 8:7 (#7)

"मूरतों के सामने बलि की हुई को कुछ वस्तु समझकर खाते हैं"

यह वाक्यांश निम्न को संदर्भित कर सकता है: (1) जब भी पौलुस जिन लोगों के बारे में बात कर रहा है वे मूरतों के सामने बलि की हुई को कुछ वस्तु समझकर खाते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मूरतों को बलि की गई चीज़ें खाना" (2) पौलुस जिन लोगों के बारे में बात कर रहा है वे कैसे सोचते हैं कि मूरतों को बलि की गई चीज़ें वास्तव में किसी दूसरे देवता की हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मांस को ऐसे खाना मानो वह असली मूरतों को बलि किया गया हो"

देखें: जोड़ें — अनुक्रमिक समय सम्बन्ध

## 1 कुरिन्थियों 8:7 (#8)

"उनका विवेक"

विवेक शब्द एक एकवचन संज्ञा है जो उनके विवेक को संदर्भित करता है। यदि आपकी भाषा में एकवचन संज्ञा का उस तरह से उपयोग नहीं किया जाता है, तो आप एक अलग अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "उनमें से प्रत्येक का विवेक"

देखें: समूहवाचक संज्ञाएँ

## 1 कुरिन्थियों 8:7 (#9)

"निर्बल होकर"

यहाँ, निर्बल होकर एक विवेक की पहचान करता है जो आसानी से किसी व्यक्ति को दोषी महसूस कराता है। एक निर्बल विवेक कुछ ऐसी चीजों की निंदा करता है जो संभवतः परमेश्वर के सामने स्वीकार्य हैं। यदि यह आपकी भाषा में मददगार होगा, तो आप कमज़ोर होने को एक तुलनीय रूपक के साथ व्यक्त कर सकते हैं या विचार को स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "संवेदनशील होना" या "जो अक्सर उनकी निंदा करता है"

देखें: रूपक

## 1 कुरिन्थियों 8:7 (#3)

"अशुद्ध होता"

बर्बाद या क्षतिग्रस्त

## 1 कुरिन्थियों 8:8 (#1)

""

"पौलुस भोजन को एक ऐसे व्यक्ति के समान बताता है जिसके द्वारा परमेश्वर हमारा स्वागत करता है। वैकल्पिक अनुवाद: ""भोजन हमें परमेश्वर के साथ पक्ष नहीं देता है"" या ""जो खाना हम खाते हैं उससे परमेश्वर प्रसन्न नहीं होता है""

देखें: व्यक्तित्व

## 1 कुरिन्थियों 8:8 (#2)

"यदि हम न खाएँ, तो हमारी कुछ हानि नहीं, और यदि खाएँ, तो कुछ लाभ नहीं"

यहाँ पौलुस "न खाएँ" और "यदि खाएँ" के बीच अंतर बताता है, जबकि दोनों पक्षों को नकाराता है। यदि आपकी भाषा में इस रूप का उपयोग नहीं किया जाता है, तो आप इस विचार को दो नकारात्मक वाक्यों के साथ व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "यदि हम नहीं खाते हैं तो हमें कमी नहीं होती है, और यदि हम खाते हैं तो हमें अधिकता नहीं होती है"

देखें: जोड़ें — विरोधाभास सम्बन्ध

## 1 कुरिन्थियों 8:8 (#3)

"यदि हम न खाएँ, तो हमारी कुछ हानि नहीं, और यदि खाएँ, तो कुछ लाभ नहीं"

यहाँ पौलुस दो बार यदि का उपयोग करके वास्तविक संभावनाओं को प्रस्तुत करते हैं। उनका तात्पर्य है कि एक व्यक्ति न खाएँ, या वह व्यक्ति यदि खाएँ। वह प्रत्येक विकल्प के लिए परिणाम निर्दिष्ट करते हैं। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप इस रूप को व्यक्त कर सकते हैं जैसे कि यदि कथनों को "जब भी" जैसे शब्द के साथ पेश करके या सापेक्ष वाक्यांशों का उपयोग करके। वैकल्पिक अनुवाद: "न तो जब हम नहीं खाते हैं तो हमें कमी होती है, न ही जब हम खाते हैं तो हमें बहुतायत होती है"

देखें: जोड़ें — काल्पनिक स्थितियाँ

## 1 कुरिन्थियों 8:8 (#2)

""

"इसे सकारात्मक रूप में कहा जा सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: ""कुछ लोग सोच सकते हैं कि अगर हम कुछ चीजें नहीं खाते हैं, तो परमेश्वर हमें कम प्यार करेंगे। लेकिन वे गलत हैं। जो लोग सोचते हैं कि अगर हम उन चीजों को खाते हैं तो परमेश्वर हमें और अधिक प्यार करेंगे""

देखें: दोहरे नकारात्मक

### 1 कुरिन्थियों 8:8 (#5)

"यदि हम न खाएँ," - "और यदि खाएँ"

यहाँ पौलुस एक सामान्य सिद्धांत बताता है, और वह यह स्पष्ट नहीं करता कि उसके मन में किस तरह का भोजन है। यदि संभव हो, तो आपने अनुवाद में यह निर्दिष्ट न करें कि हम क्या खाते हैं। यदि आपको यह स्पष्ट करना ही है कि हम क्या खाते हैं, तो आप "कुछ खास तरह के भोजन" का अस्पष्ट या सामान्य संदर्भ शामिल कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "हम विशिष्ट प्रकार का भोजन नहीं खाते ... हम विशिष्ट प्रकार का भोजन खाते हैं"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

### 1 कुरिन्थियों 8:9 (#1)

"तुम्हारी यह स्वतंत्रता"

यहाँ पौलुस का तात्पर्य है कि उनकी स्वतंत्रता (अधिकार) "भोजन" पर है, जैसा कि अंतिम आयत (8:8) में बताया गया है। मुद्दा यह है कि भोजन का विश्वासियों पर कोई स्वतंत्रता (अधिकार) नहीं है, चाहे उन्हें "परमेश्वर के निकट" लाने के लिए हो या दूरा। इसके बजाय, विश्वासियों के पास भोजन पर स्वतंत्रता है और इस प्रकार वे जो चाहें खा सकते हैं। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप यह स्पष्ट करके व्यक्त कर सकते हैं कि यहाँ स्वतंत्रता का क्या अर्थ है कि यह "भोजन" पर स्वतंत्रता को संदर्भित करता है। वैकल्पिक अनुवाद: "भोजन पर तुम्हारी यह स्वतंत्रता" या "खाने के संबंध में तुम्हारी यह स्वतंत्रता"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

### 1 कुरिन्थियों 8:9 (#2)

"तुम्हारी यह स्वतंत्रता"

अगर आपकी भाषा में स्वतंत्रता के पीछे के विचार के लिए भाववाचक संज्ञा का उपयोग नहीं किया गया है, तो आप "स्वतंत्रता" या "आजादी" जैसी क्रिया का उपयोग करके विचार व्यक्त कर सकते हैं और "भोजन" या "खाना" को वस्तु के रूप में शामिल कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "आप भोजन पर कैसे शासन करते हैं" या "आप अपने खाने का प्रबंधन कैसे करते हैं।

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

### 1 कुरिन्थियों 8:9 (#3)

"तुम्हारी यह स्वतंत्रता"

वैकल्पिक अनुवाद: "यह स्वतंत्रता जो आपके पास है"

### 1 कुरिन्थियों 8:9 (#1)

"कहाँ निर्बलों के लिये"

विश्वासी अपने विश्वास में पक्के नहीं हैं

### 1 कुरिन्थियों 8:9 (#5)

"निर्बलों के लिये"

पौलुस लोगों के एक समूह का वर्णन करने के लिए संज्ञा के रूप में विशेषण निर्बलों का उपयोग कर रहा है। आपकी भाषा में भी विशेषणों का उपयोग उसी तरह हो सकता है। यदि नहीं, तो आप इसे संज्ञा वाक्यांश के साथ अनुवाद कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "कमज़ोर लोग"

देखें: संज्ञात्मक विशेषण

### 1 कुरिन्थियों 8:10 (#1)

""

पौलुस कुरिन्थियों से बात कर रहा है जैसे कि वे एक व्यक्ति थे, इसलिए ये शब्द एकवचन हैं।

देखें: 'आप' के रूप

### 1 कुरिन्थियों 8:10 (#2)

"ज्ञानी"

यहाँ पौलुस यह स्पष्ट नहीं करता कि ज्ञानी किस बारे में है। हालाँकि, 8:4-6 से यह स्पष्ट है कि पौलुस अन्य ईश्वर के बारे में ज्ञान के बारे में बात कर रहा है, विशेष रूप से यह जानते हुए कि केवल एक ही परमेश्वर है और अन्य ईश्वर वास्तव में मौजूद नहीं हैं। यदि आपको यह स्पष्ट करना है कि ज्ञान किस बारे में है, तो आप स्पष्ट कर सकते हैं कि यह मूर्तियों या मूर्तियों को बलि की जाने वाली चीज़ों के विषय के बारे में है। वैकल्पिक अनुवाद: "मूर्तियों के बारे में ज्ञान" या "इस मुद्दे के बारे में ज्ञान"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

**1 कुरिन्थियों 8:10 (#3)****"यदि कोई तुझ ज्ञानी को"**

अगर आपकी भाषा में ज्ञानी के पीछे के विचार के लिए भाववाचक संज्ञा का उपयोग नहीं किया गया है, तो आप "जानना" जैसी क्रिया का उपयोग करके विचार को व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "वह व्यक्ति जो जानता है"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

**1 कुरिन्थियों 8:10 (#4)****"भोजन करते देखे"**

पौलुस की संस्कृति में, लोग करवट लेकर लेटकर **भोजन करते** थे। अगर यह आपकी भाषा में मददगार होगा, तो आप **भोजन करने** के लिए लेटने को ऐसे शब्द या वाक्यांश से व्यक्त कर सकते हैं जो आपकी संस्कृति में खाने की सामान्य स्थिति का वर्णन करता हो या यह संकेत देता हो कि व्यक्ति खाने वाला है। वैकल्पिक अनुवाद: "खाने वाला है"

देखें: अज्ञातों का अनुवाद करें

**1 कुरिन्थियों 8:10 (#5)****"और वह निर्बल जन हो, तो क्या उसके विवेक में मूरत के सामने बलि की हुई वस्तु के खाने का साहस न हो जाएगा"**

पौलुस यह प्रश्न इसलिए नहीं पूछते क्योंकि उन्हें जानकारी की आवश्यकता है। बल्कि, वे इसे कुरिन्थियों को अपनी दलील में सम्मिलित करने के लिए पूछते हैं। प्रश्न यह मानता है कि उत्तर "हाँ, यह निर्मित होगा" है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप इस प्रश्न के पीछे के विचार को एक मजबूत पुष्टि के साथ व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "उनका विवेक, कमजोर होने के कारण, निश्चित रूप से निर्मित होगा ताकि वे मूर्तियों को अर्पित की गई वस्तुओं को खा सकें।"

देखें: आलंकारिक प्रश्न

**1 कुरिन्थियों 8:10 (#2)**

---

वह सही और गलत होने के लिए क्या समझता है

**1 कुरिन्थियों 8:10 (#3)****"मूरत के सामने बलि की हुई वस्तु के खाने का साहस"**

खाने के लिए प्रोत्साहित किया

**1 कुरिन्थियों 8:10 (#8)****"और वह निर्बल जन हो, तो क्या उसके विवेक में मूरत के सामने बलि की हुई वस्तु के खाने का साहस न हो जाएगा।"**

यदि आपकी भाषा में इस तरह से निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं किया जाता है, तो आप विचार को सक्रिय रूप में या किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं जो आपकी भाषा में स्वाभाविक है। पौलुस यहाँ निष्क्रिय रूप का उपयोग उन लोगों पर ध्यान केंद्रित करने के लिए करता है जो निर्मित नहीं हैं, बजाय उन चीज़ों पर ध्यान केंद्रित करने के जो उन्हें "निर्माण नहीं करती हैं।" यदि आपको यह बताना आवश्यक है कि क्रिया कौन करता है, तो पौलुस यह संकेत देते हैं कि ज्ञान वाले व्यक्ति को मूरत के मन्दिर में खाते हुए देखना यह करता है। वैकल्पिक अनुवाद: "क्या यह उसके विवेक को, जो कमजोर है, निर्मित नहीं करेगा,"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

**1 कुरिन्थियों 8:10 (#9)****"निर्बल जन"**

यहाँ, निर्बल होना एक ऐसे विवेक की पहचान करता है जो किसी व्यक्ति को आसानी से दोषी महसूस कराता है। एक **निर्बल** विवेक कुछ ऐसी चीज़ों की निंदा करता है जो संभवतः परमेश्वर के सामने स्वीकार्य हैं। यदि यह आपकी भाषा में मददगार होगा, तो आप **निर्बल** होने को एक तुलनीय रूपक के साथ व्यक्त कर सकते हैं या विचार को स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "संवेदनशील होना" या "जो अक्सर उसकी निंदा करता है"

देखें: रूपक

**1 कुरिन्थियों 8:10 (#10)****"मूरत के सामने बलि की हुई वस्तु"**

यहाँ, मूरत के सामने बलि की हुई वस्तु का तात्पर्य है मूरत को चढ़ाया गया मांस। इस वाक्यांश का अनुवाद उसी तरह करें जैसा आपने [8:1](#) में किया था। वैकल्पिक अनुवाद: "मूर्तियों को बलि किए गए जानवरों का मांस"

देखें: अज्ञातों का अनुवाद करें

## 1 कुरिन्थियों 8:10 (#11)

### "मूरत के सामने बलि की हुई वस्तु"

यदि आपकी भाषा में इस तरह से निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं किया जाता है, तो आप विचार को सक्रिय रूप में या किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं जो आपकी भाषा में स्वाभाविक है। पौलुस यहाँ निष्क्रिय रूप का उपयोग इस बात पर ध्यान केंद्रित करने के लिए करता है कि क्या बलि किया जाता है, बजाय इसके कि वह "बलि" करने वाले व्यक्ति पर ध्यान केंद्रित करे। यदि आपको यह बताना है कि कौन कार्य करता है, तो आप अस्पष्ट या अनिश्चित विषय का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "लोगों ने मूरत के लिए जो चीज़ें बलिदान की हैं"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

## 1 कुरिन्थियों 8:11 (#2)

""

भाई या बहन जो अपने विश्वास में पक्के नहीं है पाप करेंगे या वह अपने विश्वास को खो देंगे।

## 1 कुरिन्थियों 8:11 (#2)

### "वह निर्बल भाई जिसके लिये मसीह मरा नाश हो जाएगा"

पौलुष उन लोगों के बारे में बात कर रहे हैं जो निर्बल हैं और सामान्य रूप से भाई हैं, किसी एक विशेष व्यक्ति के बारे में नहीं जो भाई है और जो निर्बल है। यदि आपकी भाषा में आम लोगों को संदर्भित करने के लिए एकवचन रूप का उपयोग नहीं किया जाता है, तो आप इस विचार को उस रूप में व्यक्त कर सकते हैं जो आपकी भाषा में अधिक स्वाभाविक है। वैकल्पिक अनुवाद: "हर एक जो कमज़ोर है, वह भाई है"

देखें: सामान्य संज्ञा वाक्यांश

## 1 कुरिन्थियों 8:11 (#3)

### "वह निर्बल भाई"

[8:9](#) की तरह ही, निर्बल व्यक्ति ऐसे व्यक्ति की पहचान करता है जो आसानी से दोषी महसूस करता है। एक निर्बल व्यक्ति सोचता है कि कुछ चीज़ें गलत हैं जो संभवतः परमेश्वर के सामने स्वीकार्य हैं। यदि यह आपकी भाषा में मददगार होगा, तो आप निर्बल होने को एक तुलनीय रूपक के साथ व्यक्त कर सकते हैं या विचार को स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकते हैं।

वैकल्पिक अनुवाद: "जो संवेदनशील है" या "वह जो अक्सर खुद की निंदा करता है"

देखें: रूपक

## 1 कुरिन्थियों 8:11 (#4)

### "भाई"

हालाँकि भाई पुल्लिंग है, लेकिन पौलुस इस शब्द का इस्तेमाल किसी भी विश्वासी को संदर्भित करने के लिए कर रहा है, चाहे वह पुरुष हो या महिला। अगर यह आपकी भाषा में मददगार होगा, तो आप भाई को गैर-लिंगीय शब्द से व्यक्त कर सकते हैं या दोनों लिंगों को संदर्भित कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "भाई या बहन"

देखें: जब पुल्लिंग शब्दों में स्त्रियाँ भी सम्मिलित होती हैं

## 1 कुरिन्थियों 8:11 (#1)

### "तेरे ज्ञान"

"पौलुस कुरिन्थियों से बात कर रहा है जैसे कि वे एक व्यक्ति थे, इसलिए यहाँ ""तुम्हारा"" शब्द एकवचन है।

देखें: 'आप' के रूप

## 1 कुरिन्थियों 8:11 (#6)

### "ज्ञान"

यहाँ पौलुस यह स्पष्ट नहीं करता कि ज्ञान किस बारे में है। हालाँकि, [8:10](#) की तरह, यह स्पष्ट है कि पौलुस अन्य ईश्वर के बारे में ज्ञान की बात कर रहा है, विशेष रूप से यह जानते हुए कि केवल एक ही परमेश्वर है और अन्य ईश्वर वास्तव में मौजूद नहीं हैं। यदि आपको यह स्पष्ट करना है कि ज्ञान किस बारे में है, तो आप स्पष्ट कर सकते हैं कि यह मूरत या मूर्तियों को बलि की जाने वाली चीज़ों के विषय के बारे में है। वैकल्पिक अनुवाद: "मूर्तियों के बारे में ज्ञान" या "इस मुद्दे के बारे में ज्ञान"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

## 1 कुरिन्थियों 8:11 (#7)

### "तेरे ज्ञान के कारण"

अगर आपकी भाषा में ज्ञान के पीछे के विचार के लिए भाववाचक संज्ञा का उपयोग नहीं किया गया है, तो आप "जानना" जैसी क्रिया का उपयोग करके विचार को व्यक्त कर

सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जो आप जानते हैं उसके माध्यम से"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

## 1 कुरिन्थियों 8:12 (#1)

"तो"

यहाँ, तो [8:10-11](#) में क्रियाओं और परिणामों की शृंखला को संदर्भित करता है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप यह स्पष्ट करके व्यक्त कर सकते हैं कि तो क्या संदर्भित करता है कि यह पिछले दो पदों को संदर्भित करता है। वैकल्पिक अनुवाद: "आपके ज्ञान के माध्यम से"

देखें: सर्वनाम — उनका उपयोग कब करें

## 1 कुरिन्थियों 8:12 (#2)

"तो भाइयों का अपराध करने से और उनके निर्बल विवेक को चोट देने से तुम मसीह का अपराध करते हो।"

यहाँ पौलुस का तात्पर्य है कि जब भी कुरिन्थ के विश्वासीयों ने अपने भाइयों के खिलाफ "पाप" किया और "उन्हें चोट पहुँचाई", तो उन्होंने उसी समय मसीह का अपराध किया। अगर यह आपकी भाषा में मददगार होगा, तो आप तो भाइयों का अपराध करने से और उनके निर्बल विवेक को चोट देने से तुम मसीह का अपराध करते हो के बीच के संबंध को स्पष्ट करके व्यक्त कर सकते हैं कि वे एक ही समय में होते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जब भी आप अपने भाइयों के खिलाफ इस तरह पाप करते हैं और उनके निर्बल विवेक को चोट पहुँचाते हैं, तो आप उसी समय मसीह के खिलाफ भी पाप करते हैं।"

देखें: जोड़े — समकालिक समय सम्बन्ध

## 1 कुरिन्थियों 8:12 (#3)

"को चोट देने"

वैकल्पिक अनुवाद: "घायल करके" या "क्योंकि तुम घायल करते हो"

## 1 कुरिन्थियों 8:12 (#4)

"तो भाइयों"

हालाँकि भाइयों पुलिंग है, लेकिन पौलुस इसका इस्तेमाल किसी भी व्यक्ति के लिए कर रहा है, चाहे वह पुरुष हो या

महिला। अगर यह आपकी भाषा में मददगार होगा, तो आप भाइयों को गैर-लिंगीय शब्द से व्यक्त कर सकते हैं या दोनों लिंगों को संदर्भित कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "आपके भाई और बहनें"

देखें: जब पुलिंग शब्दों में स्त्रियाँ भी सम्मिलित होती हैं

## 1 कुरिन्थियों 8:12 (#5)

"उनके निर्बल विवेक को चोट देने"

यहाँ पौलुस ऐसे बोलता है मानो विवेक शरीर के अंग हों जिन्हें घायल किया जा सकता है। इस तरह से बोलकर, वह इस बात पर ज़ोर देता है कि ज्ञान रखने वाले कुरिन्थ के विश्वासीयों ने दूसरे विश्वासीयों के निर्बल विवेक को चोट पहुँचाई है, ठीक वैसे ही जैसे कि उन्होंने उनके हाथों या शरीर को घायल किया हो। अगर यह आपकी भाषा में मददगार होगा, तो आप उनके निर्बल विवेक को चोट पहुँचाने को इस तरह से व्यक्त कर सकते हैं कि पौलुस का तात्पर्य है कि ज्ञान रखने वाले कुरिन्थ के विश्वासीयों ने निर्बल विवेक को चोट पहुँचाई है या निर्बल विवेक को दोषी महसूस कराया है। वैकल्पिक अनुवाद: "कमज़ोर विवेक को चोट पहुँचाना" या "कमज़ोर विवेक को दोषी महसूस कराना"

देखें: रूपक

## 1 कुरिन्थियों 8:12 (#6)

"निर्बल विवेक"

यहाँ, निर्बल विवेक का तात्पर्य है जो लोगों को आसानी से दोषी महसूस कराता है। ये निर्बल विवेक कुछ ऐसी चीज़ों की निंदा करते हैं जो शायद परमेश्वर के सामने स्वीकार्य हैं। अगर यह आपकी भाषा में मददगार होगा, तो आप कमज़ोर को एक तुलनीय रूपक के साथ व्यक्त कर सकते हैं या विचार को स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "संवेदनशील विवेक" या "विवेक, जो अक्सर उनकी निंदा करता है"

देखें: रूपक

## 1 कुरिन्थियों 8:13 (#1)

"इस कारण"

क्योंकि मैंने अभी जो कहा है वह सत्य है

## 1 कुरिन्यियों 8:13 (#2)

"इस कारण यदि भोजन मेरे भाई को ठोकर खिलाएँ, तो मैं कभी किसी रीति से माँस न खाऊँगा"

यहाँ पौलस प्रथम-पुरुष एकवचन का उपयोग करता है ताकि वह खुद को कुरिन्य के विश्वासी के अनुसरण के लिए एक उदाहरण के रूप में उपयोग कर सके। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप व्यक्त कर सकते हैं कि यही कारण है कि पौलस स्वयं को एक उदाहरण के रूप में प्रस्तुत करके प्रथम-पुरुष का उपयोग करता है। वैकल्पिक अनुवाद: "यदि भोजन मेरे भाई को ठोकर खिलाता है, तो मैं, एक के लिए, निश्चित रूप से कभी भी मांस नहीं खाऊँगा" या "मुझे एक उदाहरण के रूप में लें: यदि भोजन मेरे भाई को ठोकर खिलाता है, तो मैं निश्चित रूप से कभी भी मांस नहीं खाऊँगा"

देखें: प्रथम, द्वितीय या तृतीय पुरुष

## 1 कुरिन्यियों 8:13 (#2)

"भोजन खाने वाले व्यक्ति के लिए भोजन यहाँ एक अलंकार है। वैकल्पिक अनुवाद: ""यदि मैं खाने के कारण"" या ""यदि मैं, जो खा रहा हूं उसके कारण, कारण"""

देखें: प्रतिन्यास

## 1 कुरिन्यियों 8:13 (#4)

"भाई" - "भाई"

हालाँकि भाई पुलिंग है, लेकिन पौलस इसका इस्तेमाल किसी भी व्यक्ति के लिए कर रहा है, चाहे वह पुरुष हो या महिला। अगर यह आपकी भाषा में मददगार होगा, तो आप भाई को गैर-लिंगीय शब्द से व्यक्त कर सकते हैं या दोनों लिंगों को संदर्भित कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "भाई या बहन ... भाई या बहन"

देखें: जब पुलिंग शब्दों में स्लियाँ भी सम्मिलित होती हैं

## 1 कुरिन्यियों 8:13 (#5)

"मेरे भाई" - "अपने भाई"

पौलस सामान्य रूप से "भाईयों" की बात कर रहा है, किसी एक विशेष भाई की नहीं। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप मेरे भाई को ऐसे शब्द या वाक्यांश से व्यक्त कर सकते हैं जो सामान्य रूप से "भाईयों" को संदर्भित करता

है। वैकल्पिक अनुवाद: "मेरा कोई भी भाई ... मेरा कोई भी भाई"

देखें: सामान्य संज्ञा वाक्यांश

## 1 कुरिन्यियों 8:13 (#6)

"किसी रीति से"

अनुवाद किए गए शब्द **किसी रीति से** दो नकारात्मक शब्द नहीं हैं। पौलस की संस्कृति में, दो नकारात्मक शब्दों ने कथन को और भी नकारात्मक बना दिया। अंग्रेजी बोलने वाले सोचेंगे कि दो नकारात्मक मिलकर एक सकारात्मक बनाते हैं, इसलिए यूएलटी। इस विचार को एक मजबूत नकारात्मक के साथ व्यक्त करता है। यदि आपकी भाषा पौलस की संस्कृति की तरह दो नकारात्मक का उपयोग कर सकती है, तो आप यहाँ एक दोहरे नकारात्मक का उपयोग नहीं करती है, तो आप एक मजबूत नकारात्मक के साथ अनुवाद कर सकते हैं, जैसा कि यूएलटी करता है। वैकल्पिक अनुवाद: "किसी भी तरह से नहीं"

देखें: दोहरी नकारात्मकताएँ

## 1 कुरिन्यियों 8:13 (#7)

"माँस"

इस पूरे खंड में, "मूर्तियों को बलि की गई चीज़ें" मुख्य रूप से माँस को संदर्भित करती हैं, और इस तरह का माँस खाना ज्यादातर लोगों के लिए माँस खाने का एकमात्र तरीका था। यहाँ पौलस कह रहा है कि वह सामान्य रूप से माँस का त्याग करेगा, चाहे वह मूर्तियों को बलि किया गया हो या नहीं। उसका तात्पर्य है कि वह ऐसा इसलिए करता है ताकि साथी विश्वासी, जो नहीं जानते कि माँस मूर्तियों को बलि किया गया है या नहीं, ठोकर न खाएँ। अगर यह आपकी भाषा में मददगार होगा, तो आप यहाँ निहितार्थों का अनुवाद करके उन्हें स्पष्ट कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "माँस, भले ही वह मूर्तियों को बलि न किया गया हो"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित ज्ञानकारी

## 1 कुरिन्यियों 9:1 (#2)

पौलस इस आलंकारिक सवाल का उपयोग कुरिन्यियों को अपने अधिकारों की याद दिलाने के लिए करता है। वैकल्पिक अनुवाद: ""मैं एक स्वतंत्र व्यक्ति हूं।""

देखें: आलंकारिक प्रश्न

### 1 कुरिन्थियों 9:1 (#2)

#### "स्वतंत्र"

यहाँ, स्वतंत्र का अर्थ हो सकता है कि पौलुस स्वतंत्र हैं: (1) वे जो कुछ भी खाना चाहें, खा सकते हैं। यह प्रश्न अध्याय 8 से सम्बन्धित है। वैकल्पिक अनुवाद: "मैं जो कुछ भी खाना चाहूँ, उसे खाने के लिये स्वतंत्र हूँ" (2) वे जिन विश्वासियों की सेवा करते हैं, उनसे आर्थिक सहायता प्राप्त कर सकते हैं। यह प्रश्न इस अध्याय के पहले भाग से सम्बन्धित है। वैकल्पिक अनुवाद: "आपसे सहायता प्राप्त करने के लिये स्वतंत्र हूँ"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

### 1 कुरिन्थियों 9:1 (#3)

पौलुस इस आलंकारिक प्रश्न का उपयोग कुरिन्थियों को याद दिलाने के लिए करता है कि वह कौन है और उसके अधिकार क्या है। वैकल्पिक अनुवाद: ""मैं एक प्रेरित हूँ।"" (देखें: )

देखें: आलंकारिक प्रश्न

### 1 कुरिन्थियों 9:1 (#4)

#### "मेरे बनाए (मेरे काम)"

मूल भाषा में यहाँ "मेरे काम" वाक्यांश का प्रयोग किया गया है, जबकि हिन्दी बाइबल में इसे सीधे अर्थ "मेरे बनाए हुए" के साथ लिखा गया है। यहाँ, **काम** से अभिप्राय उस **काम** के परिणाम से है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप यह स्पष्ट करके **काम** को व्यक्त कर सकते हैं कि यहाँ ध्यान उस पर है जो उस **काम** से उत्पन्न हुआ है। वैकल्पिक अनुवाद: "मेरे काम का परिणाम"

देखें: लक्षणालंकार

### 1 कुरिन्थियों 9:1 (#4)

पौलुस इस आलंकारिक प्रश्न का उपयोग कुरिन्थियों को याद दिलाने के लिए करता है कि वह कौन है वैकल्पिक अनुवाद: ""मैंने मेरे प्रभु यीशु को देखा है।""

देखें: आलंकारिक प्रश्न

### 1 कुरिन्थियों 9:2 (#1)

यहाँ प्रमाण, प्रमाणित करने के लिए आवश्यक प्रमाण के लिए एक अलंकार है। वैकल्पिक अनुवाद: ""तुम प्रमाण हो जिनको मैं यह प्रमाणित करने के लिए उपयोग कर सकता हूँ कि परमेश्वर ने मुझे प्रेरित होने के लिए चुना है""

देखें: प्रतिन्यास

### 1 कुरिन्थियों 9:2 (#2)

#### "तुम ... मेरी प्रेरिताई पर छाप हो"

यदि आपकी भाषा में **छाप** के पीछे के विचार के लिये कोई भाववाचक संज्ञा नहीं है, तो आप इस विचार को "प्रमाणित करना" या "दिखाना" जैसे क्रिया का उपयोग करके व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "आप मेरी प्रेरिताई को प्रमाणित करते हैं" या "आप यह दिखाते हैं कि मैं एक प्रेरित हूँ।"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

### 1 कुरिन्थियों 9:2 (#3)

#### "मेरी प्रेरिताई पर छाप"

यहाँ पौलुस अधिकारवाचक का उपयोग करके **छाप** के विषय में बात करते हैं जो उनकी **प्रेरिताई** को दर्शाता है। यदि आपकी भाषा इस अर्थ को व्यक्त करने के लिये इस रूप का उपयोग नहीं करती है, तो आप एक क्रियात्मक वाक्यांश का उपयोग करके विचार व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जो मेरी प्रेरिताई को प्रमाणित करता है"

देखें: स्वामित्व

## 1 कुरिन्थियों 9:2 (#4)

"मेरी प्रेरिताई पर"

यदि आपकी भाषा में **प्रेरिताई** के पीछे के विचार के लिये कोई भाववाचक संज्ञा नहीं है, तो आप इस विचार को एक क्रियात्मक वाक्यांश का उपयोग करके व्यक्त कर सकते हैं, जैसे "मैं एक प्रेरित हूँ।" वैकल्पिक अनुवाद: "कि मैं एक प्रेरित हूँ"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

## 1 कुरिन्थियों 9:2 (#5)

"प्रभु में"

यहाँ पौलुस प्रभु में का उपयोग एक स्थानिक रूपक के रूप में करते हैं, जो मसीह के साथ विश्वासियों की एकता को दर्शाता है। इस सन्दर्भ में, **प्रभु** में होना, या प्रभु के साथ एकता में होना, उस छाप का वर्णन करता है जिसे कुरिन्थियों ने इस प्रकार प्रस्तुत किया है कि यह प्रभु के साथ एकता में होती है। वैकल्पिक अनुवाद: "प्रभु के साथ एकता में" या "जैसे आप प्रभु के साथ एकता में हैं"

देखें: रूपक

## 1 कुरिन्थियों 9:3 (#1)

"जो मुझे जाँचते हैं, उनके लिये यही मेरा उत्तर है"

यहाँ पौलुस ऐसी भाषा का उपयोग करते हैं जो सामान्यतः कचहरी में उपयोग की जाती है। उत्तर वह होता है जो दोषी व्यक्ति अपनी निर्दोषता प्रमाणित करने के लिये प्रस्तुत करते हैं। जो लोग जाँचते हैं, वे कचहरी के अधिकारी होते हैं और यह निर्णय लेते हैं कि कौन दोषी है और कौन निर्दोष। पौलुस इस रूपक का उपयोग यह समझाने के लिये करते हैं कि वह उन लोगों के विरुद्ध अपना उत्तर दे रहे हैं जिन्होंने उन पर गलत तरीके से कार्य करने का दोष लगाया है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप न्यायिक रूपक के पीछे के विचार को सीधे या किसी तुलनीय रूपक के साथ व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मेरा उत्तर उन लोगों के लिये जो मुझ पर दोष लगाते हैं"

देखें: रूपक

## 1 कुरिन्थियों 9:3 (#2)

"उनके लिये यही मेरा उत्तर है"

यदि आपकी भाषा में उत्तर के पीछे के विचार के लिये कोई भाववाचक संज्ञा नहीं है, तो आप इस विचार को "उत्तर देना" जैसी क्रिया का उपयोग करके व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जो मैं उनके विरुद्ध उत्तर देने के लिये कहता हूँ"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

## 1 कुरिन्थियों 9:3 (#3)

"जो मुझे जाँचते हैं"

यहाँ पौलुस यह नहीं बताते कि जो उन्हें जाँचते हैं वे यह कैसे सोचते हैं कि उन्होंने गलत काम किया है। पिछला वचन यह सुझाव देता है कि यह उनके "**प्रेरिताई**" ([6:21](#)) से सम्बन्धित है। पौलुस जानबूझकर उनके विरोध "दोष" का उल्लेख नहीं करते, इसलिए यदि सम्भव हो तो उसे अनकहा ही छोड़ दें। यदि आपको पौलुस के विरोध "दोष" बताना आवश्यक है, तो आप स्पष्ट कर सकते हैं कि यह इस बात से सम्बन्धित है कि वह सचमुच में एक प्रेरित हैं या नहीं। वैकल्पिक अनुवाद: "उन लोगों के लिये जो मेरी प्रेरिताई की जाँच करते हैं"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

## 1 कुरिन्थियों 9:3 (#1)

"यदि भोजन" - "ठोकर खिलाएँ, तो"

संभावित अर्थ 1) पौलुस की रक्षा करने वाले शब्द या 2) 1 कुरिन्थियों 9: 1-2 में दिए गए शब्द पौलुस का बचाव हैं। वैकल्पिक अनुवाद: ""यह मेरा बचाव है ... मैं।"""

## 1 कुरिन्थियों 9:4 (#1)

"क्या हमें का अधिकार नहीं"

"पौलुस कुरिन्थियों की सहमति की जानकारी को जताने के लिए एक प्रश्न का उपयोग करता है कि वह क्या कह रहा है। वैकल्पिक अनुवाद: ""हमारे पास कलीसियाओं से भोजन और पेय प्राप्त करने का पूर्ण अधिकार है।"""

देखें: आलंकारिक प्रश्न

**1 कुरिन्थियों 9:4 (#2)****"बिल्कुल नहीं"**

मूल भाषा में यहाँ दोहरी नकारात्मकता का प्रयोग किया गया है, जबकि हिन्दी बाइबल में यहाँ सिर्फ "नहीं" शब्द का उपयोग किया गया है। **बिल्कुल नहीं** का अनुवाद जिन यूनानी शब्दों से किया गया है, वे दो नकारात्मक शब्द हैं। पौलुस की संस्कृति में, दो नकारात्मक शब्दों का प्रयोग कथन को और अधिक नकारात्मक बना देता था। अंग्रेज़ी भाषी लोग दो नकारात्मक शब्दों से भ्रमित हो सकते हैं, इसलिए यूएलटी (अनफोलिङ्गवर्ड लिटरल ट्रान्सलेशन) इस विचार को एक मजबूत नकारात्मक के साथ व्यक्त करता है। यदि आपकी भाषा पौलुस की संस्कृति की तरह दो नकारात्मक शब्दों का उपयोग कर सकती है, तो आप यहाँ दोहरी नकारात्मक का उपयोग कर सकते हैं। यदि आपकी भाषा इस तरह से दो नकारात्मक शब्दों का उपयोग नहीं करती है, तो आप यूएलटी (अनफोलिङ्गवर्ड लिटरल ट्रान्सलेशन) की तरह एक मजबूत नकारात्मक के साथ अनुवाद कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "किसी भी तरह से नहीं"

देखें: दोहरी नकारात्मकताएँ

**1 कुरिन्थियों 9:4 (#2)****"क्या हमें"**

"यहाँ ""हम"" पौलुस और बरनबास को संबोधित करता है।

देखें: विशेष और समावेशी 'हम'

**1 कुरिन्थियों 9:4 (#4)****"क्या हमें ... अधिकार नहीं"**

यदि आपकी भाषा में **अधिकार** के पीछे के विचार के लिये कोई भाववाचक संज्ञा नहीं है, तो आप इस विचार को "कर सकते हैं" या "चाह सकते हैं" जैसे क्रियात्मक वाक्यांश का उपयोग करके व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "क्या हम बिल्कुल ... नहीं कर सकते"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

**1 कुरिन्थियों 9:4 (#5)****"खाने-पीने"**

यहाँ, **खाने-पीने** मुख्य रूप से "खाने" और "पीने" की शारीरिक प्रक्रिया की ओर संकेत नहीं करता। बल्कि, यह वाक्यांश मुख्य रूप से उन वस्तुओं को सन्दर्भित करता है जो **खाने-पीने** के लिये आवश्यक हैं, अर्थात् भोजन और पेय। पौलुस कह रहे हैं कि उन्हें और बरनबास को भोजन और पेय प्राप्त करने का **अधिकार** है, ताकि वे खा और पी सकें। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप **खाने-पीने** को स्पष्ट करके व्यक्त कर सकते हैं कि पौलुस "भोजन" और "पेय" का उल्लेख कर रहे हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "खाने के लिये भोजन और पीने के लिये पेय"

देखें: लक्षणालंकार

**1 कुरिन्थियों 9:4 (#6)****"खाने-पीने"**

यद्यपि पौलुस इसे स्पष्ट रूप से नहीं कहते, उनका तात्पर्य यह है कि **हमें** यह **अधिकार** है कि हम कुरिन्थियों से भोजन और पेय प्राप्त करें। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप यह स्पष्ट करके पौलुस की बात को व्यक्त कर सकते हैं कि **खाने** के लिये भोजन और **पीने** के लिये पेय पौलुस के कार्य के समर्थन में कुरिन्थियों से आए होंगे। वैकल्पिक अनुवाद: "आपके द्वारा सहायता पाना ताकि हम खा और पी सकें"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

**1 कुरिन्थियों 9:5 (#1)**

""

"पौलुस कुरिन्थियों की सहमति की जानकारी को जताने के लिए एक प्रश्न का उपयोग करता है कि वह क्या कह रहा है। वैकल्पिक अनुवाद: ""अगर हमारे पास विश्वासी पत्रियां हैं, तो हमें अपने साथ उन्हें ले जाने का अधिकार है जैसे कि अन्य प्रेरित उन्हें ले जाते हैं, और प्रभु के भाई और कैफा।""

देखें: आलंकारिक प्रश्न

**1 कुरिन्थियों 9:5 (#2)****"क्या हमें - "हैं"**

यहाँ, हमें पौलुस और बरनबास को सन्दर्भित करता है (देखें: 9:6)। इसमें कुरिन्थियों को शामिल नहीं किया गया है।

देखें: विशिष्ट और समावेशी 'हम'

## 1 कुरिन्थियों 9:5 (#3)

"(बिल्कुल) नहीं"

मूल भाषा में यहाँ दोहरी नकारात्मकता "बिल्कुल नहीं" के रूप में लिखा गया है, जबकि हिन्दी में सिर्फ "नहीं" शब्द लिखकर एक ही मजबूत नकारात्मकता का उपयोग किया गया है। बिल्कुल नहीं के लिये अनुवादित शब्द यूनानी भाषा में दो नकारात्मक शब्द हैं। पौलुस की संस्कृति में, दो नकारात्मक शब्द कथन को और भी अधिक नकारात्मक बना देते थे। अंग्रेजी भाषी लोग दो नकारात्मक शब्दों से भ्रमित हो सकते हैं, इसलिए यूएलटी (अनफोल्डिंगवर्ड लिटरल ट्रान्सलेशन) इस विचार को एक मजबूत नकारात्मक के साथ व्यक्त करता है। यदि आपकी भाषा पौलुस की संस्कृति की तरह दो नकारात्मक शब्दों का उपयोग कर सकती है, तो आप यहाँ दोहरी नकारात्मकता का उपयोग कर सकते हैं। यदि आपकी भाषा इस तरह से दो नकारात्मकताएँ शब्दों का उपयोग नहीं करती है, तो आप यूएलटी (अनफोल्डिंगवर्ड लिटरल ट्रान्सलेशन) की तरह एक मजबूत नकारात्मक के साथ अनुवाद कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "निश्चित रूप से नहीं"

देखें: दोहरी नकारात्मकताएँ

## 1 कुरिन्थियों 9:5 (#4)

"क्या हमें" - "यह अधिकार ... है"

यदि आपकी भाषा में अधिकार के पीछे के विचार के लिये कोई भाववाचक संज्ञा नहीं है, तो आप इस विचार को एक क्रियात्मक वाक्यांश का उपयोग करके व्यक्त कर सकते हैं, जैसे "सक्षम है" या "चाह सकते हैं।" वैकल्पिक अनुवाद: "क्या हम ... सक्षम ... हैं"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

## 1 कुरिन्थियों 9:5 (#5)

"साथ लिए फिरें"

यहाँ, साथ लिए फिरें का अर्थ किसी को साथी के रूप में साथ लेकर यात्रा करना है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप साथ लिए फिरें को एक शब्द या वाक्यांश के साथ

व्यक्त कर सकते हैं जो किसी और के साथ यात्रा करने को सन्दर्भित करता है। वैकल्पिक अनुवाद: "के साथ यात्रा करना"

देखें: अज्ञातों का अनुवाद करें

## 1 कुरिन्थियों 9:5 (#6)

"अन्य प्रेरित और प्रभु के भाई और कैफा"

यहाँ, प्रेरित में शामिल हो सकते हैं: (1) पौलुस और बरनबास, प्रभु के भाई, कैफा, और कई अन्य जिन्होंने सुसमाचार का प्रचार किया। वैकल्पिक अनुवाद: "अन्य प्रेरित, जिसमें प्रभु के भाई और कैफा शामिल हैं" (2) केवल "बारह," मुख्य प्रेरित, जिसमें कैफा शामिल होंगे लेकिन प्रभु के भाई नहीं। वैकल्पिक अनुवाद: "अन्य बारह प्रेरित और प्रभु के भाई—यहाँ तक कि कैफा भी"

## 1 कुरिन्थियों 9:5 (#7)

"अन्य प्रेरित और प्रभु के भाई और कैफा"

हालाँकि कैफा प्रेरितों में से एक थे, फिर भी पौलुस उनका उल्लेख अलग से करते हैं ताकि उन्हें एक उदाहरण के रूप में जोर देकर प्रस्तुत करें। उन्होंने इस पत्री में पहले भी कैफा का उदाहरण दिया है (देखें: 1:12; 3:22)। सम्बतः कुरिन्थियों की तुलना कैफा और पौलुस से की जा रही थी। इस बात का ध्यान रखें कि आपके अनुवाद के शब्दों से यह न लगे कि कैफा प्रेरित नहीं थे। वैकल्पिक अनुवाद: "अन्य प्रेरित और प्रभु के भाई—यहाँ तक कि कैफा भी"

## 1 कुरिन्थियों 9:5 (#8)

"प्रभु के भाई"

ये यीशु के छोटे भाई थे। वे मरियम और यूसुफ के पुत्र थे। चूँकि यीशु के पिता परमेश्वर थे, और उनके (प्रभु के भाई) पिता यूसुफ थे, इसलिए वे वास्तव में उनके सौतेले भाई थे। यह विवरण सामान्यतः अनुवादित नहीं होता, लेकिन यदि आपकी भाषा में "छोटे भाई" के लिये एक विशेष शब्द है, तो आप इसे यहाँ उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "प्रभु के छोटे भाई" या "प्रभु के सौतेले भाई"

देखें: कुटुम्बी

## 1 कुरिन्थियों 9:6 (#1)

"या केवल मुझे और बरनबास को ही ... करना चाहिए"

शब्द या पौलुस के 9:4-5 में पूछे गए प्रश्न के एक विकल्प को प्रस्तुत करता है। पौलुस पहले ही यह कह चुके हैं कि उनका क्या मानना है: उन्हें और बरनबास को खाने-पीने का "अधिकार है" और उनके पास पत्ती के साथ यात्रा करने का "अधिकार है"। यहाँ पौलुस गलत विकल्प प्रस्तुत करते हैं: केवल वे ही काम न करना चाहिए का अधिकार नहीं रखते। वे इस गलत विकल्प को इसलिए प्रस्तुत करते हैं ताकि यह दिखा सकें कि उनके पहले के कथन अवश्य सत्य हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप या को एक ऐसे शब्द के साथ व्यक्त कर सकते हैं जो विरोधाभास या विकल्प को दर्शाता है। वैकल्पिक अनुवाद: "तो क्या यह सत्य नहीं होगा कि केवल बरनबास और मैं ही ... नहीं रखते"

देखें: शब्दों और वाक्यांशों को जोड़ना

## 1 कुरिन्थियों 9:6 (#1)

""

"पौलुस कुरिन्थियों को लज्जित कर रहा है। वैकल्पिक अनुवाद: ""आपको लगता है कि जिन्हें पैसे कमाने के लिए काम करने की आवश्यकता है वह बर्नबास और मैं हूं!""

देखें: आलंकारिक प्रश्न

## 1 कुरिन्थियों 9:6 (#3)

"या केवल" - "जीवन निर्वाह (काम नहीं करने का कोई अधिकार नहीं है)"

मूल भाषा में यहाँ वाक्य दोहरी नकारात्मकता में लिखी गई है। जबकि हिन्दी बाइबल में दोहरी नकारात्मकता का उपयोग नहीं किया गया है। यहाँ पौलुस नहीं शब्द का दो बार उपयोग करते हैं। उनकी संस्कृति में, दो नकारात्मक शब्द कथन को और भी नकारात्मक बना देते थे। अंग्रेजी भाषी यहाँ दो नकारात्मक शब्दों को समझेंगे, इसलिए यूएलटी (अनफोल्डिंगवर्ड लिटरल ट्रान्सलेशन) इस विचार को दोनों के साथ व्यक्त करता है। यदि आपकी भाषा पौलुस की संस्कृति के समान दो नकारात्मकताएँ शब्दों का उपयोग कर सकती है, तो आप यहाँ दोहरी नकारात्मकता का उपयोग कर सकते हैं। यदि आपकी भाषा इस तरह से दो नकारात्मक शब्दों का उपयोग नहीं करती है, तो आप एक नकारात्मक के साथ अनुवाद कर सकते हैं और दूसरे नकारात्मक को उसके विपरीत को व्यक्त करके प्रस्तुत करें। वैकल्पिक अनुवाद: "क्या ... काम न करने का अधिकार अभाव है" या "क्या ... काम से बचने का अधिकार नहीं है"

देखें: दोहरी नकारात्मकता एँ

## 1 कुरिन्थियों 9:6 (#4)

"केवल मुझे और बरनबास को ही ... करना ... (अधिकार) ... चाहिए"

मूल भाषा में यहाँ "अधिकार" शब्द का प्रयोग किया गया है जो एक भाववाचक संज्ञा को दर्शाता है। जबकि हिन्दी बाइबल में इस शब्द को छोड़ दिया गया है। यदि आपकी भाषा में अधिकार के पीछे के विचार के लिये कोई भाववाचक संज्ञा नहीं होती है, तो आप इस विचार को एक क्रियात्मक वाक्यांश का उपयोग करके व्यक्त कर सकते हैं, जैसे "सक्षम हैं" या "चाह सकते हैं।" वैकल्पिक अनुवाद: "क्या केवल बरनबास और मैं ही ... सक्षम नहीं हैं"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

## 1 कुरिन्थियों 9:6 (#5)

"काम करना चाहिए"

यहाँ पौलुस मसीह की सेवा करनेवाले व्यक्ति को काम न करना पड़े, इसलिए कलीसियाओं से आर्थिक सहायता प्राप्त करने के विशेष अधिकार का उल्लेख करते हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप पौलुस के कहने का अर्थ स्पष्ट कर सकते हैं कि यहाँ दूसरों से सहायता प्राप्त करने की बात हो रही है। वैकल्पिक अनुवाद: "आर्थिक सहायता प्राप्त करना" या "काम न करना क्योंकि विश्वासी उनकी सहायता करते हैं"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

## 1 कुरिन्थियों 9:7 (#1)

"कौन" - "अपनी गिरह से खाकर सिपाही का काम करता है"

"पौलुस कुरिन्थियों की सहमति की जानकारी को जताने के लिए एक प्रश्न का उपयोग करता है कि वह क्या कह रहा है। वैकल्पिक अनुवाद: ""हम सभी जानते हैं कि कोई सैनिक अपनी आपूर्तियाँ खरीदता नहीं है।"" या ""हम सभी जानते हैं कि हर सैनिक को सरकार से उसकी आपूर्ति मिलती है।""

देखें: आलंकारिक प्रश्न

## 1 कुरिन्थियों 9:7 (#2)

"कौन" - "दाख की बारी लगाकर उसका फल नहीं खाता"

"पौलुस कुरिन्थियों की सहमति की जानकारी को जताने के लिए एक प्रश्न का उपयोग करता है कि वह क्या कह रहा है। वैकल्पिक अनुवाद: ""हम सभी जानते हैं कि जो दाख की बारी लगाता है वह सदैव उसका फल खाएगा।"" या ""हम सभी जानते हैं कि कोई ऐसी अपेक्षा नहीं करता है की दाख की बारी लगानेवाला, उसका फल न खाए।""

देखें: आलंकारिक प्रश्न

## 1 कुरिन्थियों 9:7 (#3)

""

"पौलुस कुरिन्थियों की सहमति की जानकारी को जताने के लिए एक प्रश्न का उपयोग करता है कि वह क्या कह रहा है। वैकल्पिक अनुवाद: ""हम सभी जानते हैं कि भेड़-बकरियां चरनेवाले पेय पदार्थ भेड़-बकरियों से प्राप्त करते हैं।""

देखें: आलंकारिक प्रश्न

## 1 कुरिन्थियों 9:8 (#1)

"ये बातें मनुष्य ही"

"पौलुस कुरिन्थियों को लजित कर रहा है। वैकल्पिक अनुवाद: ""आपको लगता है कि मैं इन चीजों को मात्र मानव अधिकार के आधार पर कह रहा हूँ।"" (देखें: )"

देखें: आलंकारिक प्रश्न

## 1 कुरिन्थियों 9:8 (#2)

"मनुष्य (पुरुष)"

मूल भाषा में यहाँ "पुरुष" शब्द का प्रयोग किया गया है, जो एक पुल्लिंग को दर्शाता है। जबकि हिन्दी बाइबल में यहाँ "मनुष्य" शब्द का उपयोग किया गया है जो एक सामान्य लिंग को दर्शाता है। हालाँकि पुरुष पुल्लिंग है, पौलुस इसका उपयोग कोई भी मानव के लिये कर रहे हैं, चाहे वह पुरुष हो या स्त्री। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप पुरुष को एक लिंग-निरपेक्ष शब्द के साथ व्यक्त कर सकते हैं या दोनों लिंगों का उल्लेख कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "पुरुष और स्त्रियाँ"

देखें: जब पुल्लिंग शब्दों में स्त्रियाँ भी सम्मिलित होती हैं

## 1 कुरिन्थियों 9:8 (#3)

"मनुष्य ही की रीति"

यहाँ पौलुस कहते हैं कि वह मनुष्य ही की रीति से बातें बोलता हूँ। इस वाक्यांश का उपयोग करके, वे उन लोगों द्वारा दिए गए तर्कों की पहचान करना चाहते हैं जो लोग केवल मनुष्य की रीति से सोचते और काम करते हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप वाक्यांश मनुष्य ही की रीति के पीछे के विचार को व्यक्त करने के लिये एक शब्द या वाक्यांश का उपयोग कर सकते हैं जो अविश्वासियों की बातों और तर्कों को दर्शाए। वैकल्पिक अनुवाद: "केवल मनुष्यों के तर्क के अनुसार" या "इस संसार के अनुसार"

देखें: मुहावरा

## 1 कुरिन्थियों 9:8 (#4)

"ये बातें"

मूल भाषा में यहाँ दो बार इस वाक्यांश का प्रयोग किया गया है जबकि हिन्दी बाइबल में यहाँ सिर्फ एक बार ही लिखा गया है। दोनों स्थानों पर यह प्रगट होता है, ये बातें पौलुस के उस कथन की ओर संकेत करती हैं जो उन्होंने 9:3-7 में कहा है, जिसमें उन्होंने कुरिन्थियों से आर्थिक सहायता प्राप्त करने के अपने "अधिकार" के विषय में बताया है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप ये बातें को एक शब्द या वाक्यांश के साथ व्यक्त कर सकते हैं जो स्पष्ट रूप से पहले कही गई बातों की ओर संकेत करता है। वैकल्पिक अनुवाद: "वे बातें ... वे बातें" या "जो मैंने कहा है ... जो मैंने कहा है"

देखें: सर्वनाम — उनका उपयोग कब करें

## 1 कुरिन्थियों 9:8 (#5)

"या"

मूल भाषा यहाँ "या" शब्द का प्रयोग किया गया है, जो किसी शब्दों या वाक्यांशों को जोड़ने का काम करता है। जबकि हिन्दी बाइबल में इस शब्द को छोड़ दिया गया है और वचन 8 का दूसरा भाग वचन 9 में मिलता है। या शब्द वचन के पहले भाग में पौलुस द्वारा कही गई बात के एक विकल्प को प्रस्तुत करता है। पौलुस यह कह सकते थे कि वे ये बातें मनुष्यों ही की रीति पर बोलते हैं। हालाँकि, या के द्वारा वे उस बात को प्रस्तुत करते हैं जिसे वे सचमुच में सत्य मानते हैं: व्यवस्था भी यहीं कहती है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप या के इस उपयोग को किसी अन्य शब्द के साथ व्यक्त कर

सकते हैं जो एक विरोधाभास को दर्शाता है या एक विकल्प देता है। यदि आप निम्नलिखित वैकल्पिक अनुवाद का उपयोग करते हैं, तो आपको वाक्य के पहले भाग को अपने प्रश्नवाचक के साथ समाप्त करने की आवश्यकता हो सकती है। वैकल्पिक अनुवाद: "इसके बजाय,"

देखें: शब्दों और वाक्यांशों को जोड़ना

## 1 कुरिन्थियों 9:8 (#2)

""

"पौलुस कुरिन्थियों को लज्जित कर रहा है। वैकल्पिक अनुवाद: ""तुम ऐसा करते हो जैसे तुम नहीं जानते कि ऐसा कानून में लिखा गया है।""

देखें: आलंकारिक प्रश्न

## 1 कुरिन्थियों 9:8 (#7)

"व्यवस्था"

मूल भाषा में यह शब्द वचन 8 के दूसरे भाग में मिलता है, जबकि हिन्दी बाइबल में यह शब्द वचन 9 में पाया जाता है। यहाँ, **व्यवस्था** विशेष रूप से पुराने नियम की पहली पाँच पुस्तकों को सन्दर्भित करती है, जिन्हें प्रायः पंचग्रन्थ या "मूसा की व्यवस्था" कहा जाता है। यह सुनिश्चित करें कि आपके पाठक समझ सकें कि पौलुस यहाँ विशेष रूप से इसी **व्यवस्था** का उल्लेख कर रहे हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "पंचग्रन्थ" या "मूसा की व्यवस्था"

देखें: अज्ञातों का अनुवाद करें

## 1 कुरिन्थियों 9:9 (#1)

"क्योंकि ... में लिखा है"

पौलुस की संस्कृति में, **क्योंकि ... लिखा है** एक महत्वपूर्ण शास्त्र भाग से उद्धरण प्रस्तुत करने का सामान्य तरीका है। इस विषय में, पौलुस स्पष्ट करते हैं कि उद्धरण **मूसा की व्यवस्था** से आता है। यह विशेष रूप से [25:4](#) से है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप यह व्यक्त कर सकते हैं कि पौलुस उद्धरण को एक तुलनीय वाक्यांश के साथ प्रस्तुत करते हैं जो यह संकेत देता है कि पौलुस एक महत्वपूर्ण शास्त्र भाग से उद्धरण कर रहे हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "क्योंकि यह मूसा की व्यवस्था में पढ़ा जा सकता है" या "क्योंकि हम मूसा की व्यवस्था में, व्यवस्थाविवरण की पुस्तक में पढ़ते हैं"

देखें: उद्धरण और उद्धरण सीमा

## 1 कुरिन्थियों 9:9 (#2)

"मूसा की व्यवस्था में लिखा है"

यदि आपकी भाषा में निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं होता, तो आप इस विचार को सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य तरीके से जो स्वाभाविक हो, व्यक्त कर सकते हैं। यहाँ पौलुस निष्क्रिय रूप का प्रयोग इसलिए करते हैं ताकि लिखनेवाले पर नहीं, बल्कि जो **लिखा है**, उस पर ध्यान केन्द्रित हो। यदि आपको कर्ता को बताना आवश्यक हो, तो आप इस प्रकार व्यक्त कर सकते हैं: (1) पवित्रशास्त्र का लेखक शब्द लिखते या बोलते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "पवित्रशास्त्र का लेखक वे वचन लिखते या बोलते हैं" (2) परमेश्वर वचन बोलते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "परमेश्वर ने मूसा की व्यवस्था में कहा है"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

## 1 कुरिन्थियों 9:9 (#3)

"मूसा की ..., दाँवते समय चलते हुए बैल का मुँह न बांधना"

यदि आपकी भाषा इस रूप का उपयोग नहीं करती है, तो आप अज्ञा का अनुवाद प्रत्यक्ष उद्धरण के स्थान पर अप्रत्यक्ष उद्धरण के रूप में कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मूसा की व्यवस्था में लिखा है कि दाँवते समय आप चलते हुए बैल का मुँह न बांधना"

देखें: प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष उद्धरण

## 1 कुरिन्थियों 9:9 (#1)

"मुँह न बांधना"

मूसा इसाएलियों से बात कर रहा था जैसे कि वे एक व्यक्ति थे, इसलिए यह आदेश एकवचन है।

देखें: 'आप' के रूप

## 1 कुरिन्थियों 9:9 (#5)

"(अनाज) दाँवते समय चलते हुए बैल का मुँह न बांधना"

मूल भाषा में यहाँ "अनाज" शब्द का प्रयोग किया गया है जबकि हिन्दी बाइबल में इस शब्द को छोड़ दिया गया है। पौलुस की संस्कृति में, किसान प्रायः बैल को कटाई के बाद गेहूँ पर चलाते या "दाँवते" थे ताकि गेहूँ की बालियों से दाने अलग हो जाएँ। कुछ लोग बैल को दाँवते समय मुँह बाँध देते थे ताकि बैल अनाज न खा सके। इस आज्ञा का उद्देश्य यह है कि बैल को उस अनाज में से खाने दिया जाए, जिसे वह परिश्रम से निकाल रहा है: **अनाज**। यदि आपके पाठक यह नहीं समझते कि यह आज्ञा किसके विषय में है, तो आप सन्दर्भ की व्याख्या करने वाला एक पाद टिप्पणी शामिल कर सकते हैं या एक छोटा सा स्पष्ट वाक्यांश जोड़ सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "बैल के मुँह न बाँधो ताकि वह दाँवते हुए अनाज को न खा सके"

देखें: अज्ञातों का अनुवाद करें

## 1 कुरिन्थियों 9:9 (#2)

""

"पौलुस एक सवाल पूछता है ताकि कुरिन्थियों के लोग उसके पूछे बिना सोचें की वह क्या कह रहा है। वैकल्पिक अनुवाद: ""तुम्हे मेरे बिना बताए पता होना चाहिए कि यह वह बैल नहीं है जिसकी परमेश्वर सबसे ज्यादा चिंता करते हैं।""

देखें: आलंकारिक प्रश्न

## 1 कुरिन्थियों 9:9 (#7)

"क्या परमेश्वर बैलों ही की चिन्ता करता है"

यहाँ पौलुस ऐसा बोलते हैं जैसे परमेश्वर को बैलों की कोई चिन्ता या रुचि नहीं है। कुरिन्थियों ने यह समझा होगा कि जिस आज्ञा को पौलुस ने उद्धृत किया है, उसका मुख्य उद्देश्य बैलों की देखभाल के विषय में नहीं, बल्कि किसी और बात या व्यक्ति की देखभाल के विषय में है। वह अगले वचन में आज्ञा के मुख्य उद्देश्य को स्पष्ट करते हैं: यह हमारे लिए है (9:9)। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप पौलुस के प्रश्न को इस तरह नरम कर सकते हैं कि यह तर्क दे कि आज्ञा "मुख्यतः" या "प्रायः" बैलों के विषय में नहीं है। हालाँकि, यदि सम्भव हो, तो पौलुस के कथन की वढ़ता बनाए रखें, क्योंकि वह अगले वचन में एक स्पष्टीकरण देते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "परमेश्वर की चिन्ता क्या मुख्यतः बैलों के लिये ही है"

देखें: अतिशयोक्ति

## 1 कुरिन्थियों 9:10 (#1)

"या"

या शब्द पौलुस के पिछले वचन (9:9) के अन्त में कही गई बात के एक विकल्प को प्रस्तुत करता है। उस वचन में, उन्होंने पूछा कि क्या परमेश्वर इस व्यवस्था में बैलों की चिन्ता करते हैं। चूँकि यहाँ विषय वह नहीं है, इसलिए या यह प्रस्तुत करता है जो पौलुस सचमुच में सत्य मानते हैं: व्यवस्था विशेष करके हमारे लिये। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप या को एक ऐसे शब्द के साथ व्यक्त कर सकते हैं जो एक विरोधाभास को दर्शाता है या एक विकल्प देता है। वैकल्पिक अनुवाद: "दूसरी ओर,"

देखें: शब्दों और वाक्यांशों को जोड़ना

## 1 कुरिन्थियों 9:10 (#1)

""

"पौलुस ने जो विवरण दिया है उस पर जोर देने के लिए एक सवाल पूछता है। वैकल्पिक अनुवाद: ""इसके बजाय, परमेश्वर निश्चित रूप से हमारे बारे में बात कर रहा था।""

देखें: आलंकारिक प्रश्न

## 1 कुरिन्थियों 9:10 (#3)

"(वह) कहता है"

मूल भाषा में यहाँ सर्वनाम "वह" का प्रयोग किया गया है जो एक सर्वनाम और पुल्लिंग को दर्शाता है, जबकि हिन्दी बाइबल में यहाँ इस शब्द को छोड़ दिया गया है। यहाँ, **वह 9:9** में "परमेश्वर" की ओर संकेत करता है। पौलुस मानते हैं कि पिछले वचन में जिस गद्यांश से उन्होंने उद्धृत किया है, वह परमेश्वर ही कहता है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप **वह** को स्पष्ट कर सकते हैं कि यह "मूसा की व्यवस्था" बोलने वाले परमेश्वर को दर्शाता है। वैकल्पिक अनुवाद: "परमेश्वर कहते हैं"

देखें: सर्वनाम — उनका उपयोग कब करें

## 1 कुरिन्थियों 9:10 (#2)

""

"यहाँ ""हम"" पौलुस और बरनबास को संबोधित करता है।

देखें: विशेष और समावेशी 'हम'

## 1 कुरिन्थियों 9:10 (#5)

"लिखा गया"

यदि आपकी भाषा में निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं होता है, तो आप सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य तरीके से जो स्वाभाविक हो, व्यक्त कर सकते हैं। पौलुस यहाँ निष्क्रिय रूप का उपयोग करते हैं ताकि इस बात पर जोर दिया जा सके कि क्या **लिखा गया** है, न कि उस व्यक्ति पर जिन्होंने "लिखा" है। यदि आपको यह बताना आवश्यक है कि क्रिया किसने की है, तो आप यह व्यक्त कर सकते हैं कि: (1) पवित्रशास्त्र का लेखक वचन लिखते या बोलते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मूसा ने इसे लिखा" (2) परमेश्वर वचन बोलते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "परमेश्वर ने कहा"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

## 1 कुरिन्थियों 9:10 (#6)

"कि"

यहाँ **कि** प्रस्तुत कर सकते हैं: (1) वह कारण जिसके लिये यह **लिखा गया**। वैकल्पिक अनुवाद: "क्योंकि" (2) जो **लिखा गया**, उसका सारांश। यदि आप निम्नलिखित वैकल्पिक अनुवाद का उपयोग करते हैं, तो आपको इसके पहले एक अल्पविराम जोड़ने की आवश्यकता हो सकती है। वैकल्पिक अनुवाद: "और इसका अर्थ है कि"

देखें: जोड़ें — कारण-और-परिणाम सम्बन्ध

## 1 कुरिन्थियों 9:10 (#7)

"जोतनेवाला" - "दाँवनेवाला"

पौलुस यहाँ इन लोगों के विषय में सामान्य रूप से बात कर रहे हैं, न कि किसी विशेष व्यक्ति की **जोतने** या **दाँवने** की। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप ऐसा रूप के साथ व्यक्त कर सकते हैं जो लोगों को सामान्य रूप से दर्शाता हो। वैकल्पिक अनुवाद: "जो कोई भी जोतता है ... जो कोई भी दाँवता है"

देखें: सामान्य संज्ञा वाक्यांश

## 1 कुरिन्थियों 9:10 (#8)

"आशा से" - "भागी होने की आशा से दाँवनी"

यदि आपकी भाषा में **आशा** के पीछे के विचार के लिये कोई भाववाचक संज्ञा नहीं है, तो आप इस विचार को "आशापूर्वक"

जैसे क्रिया विशेषण या "आशा करना" जैसी क्रिया का उपयोग करके व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "आशापूर्वक ... भागी होने के लिये आशापूर्वक"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

## 1 कुरिन्थियों 9:10 (#9)

"आशा से"

यहाँ पौलुस यह उल्लेख नहीं करते कि **आशा** क्या अपेक्षा करती है क्योंकि वह इसे वचन के अन्त में बताते हैं: **भागी होने**। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप स्पष्ट रूप से कह सकते हैं कि **भागी होना** ही वह है जिसकी **आशा** अपेक्षा करती है। वैकल्पिक अनुवाद: "फसल में सहभागी होने की आशा से"

देखें: पदलोप

## 1 कुरिन्थियों 9:10 (#10)

"दाँवनेवाला ... आशा से दाँवनी करे"

मूल भाषा में यहाँ कुछ शब्दों को छोड़ दिया गया जो वाक्य को पूर्ण बनाना आवश्यक है। जबकि हिन्दी बाइबल में वाक्य पूर्ण रूप से बिना शब्द छोड़े लिखा गया है। यहाँ पौलुस कुछ ऐसे शब्दों को छोड़ देते हैं जो आपकी भाषा में एक सम्पूर्ण विचार प्रगट करने के लिये आवश्यक हो सकते हैं। पौलुस इन शब्दों को इसलिए छोड़ देते हैं क्योंकि उन्होंने इन्हें पहले वाले खण्ड में स्पष्ट रूप से कहा है (जोते)। यदि आपकी भाषा को इन शब्दों की आवश्यकता है, तो आप उन्हें उस खण्ड से ले सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जो दाँवनेवाला ... आशा से"

देखें: पदलोप

## 1 कुरिन्थियों 9:11 (#1)

"यदि हमने तुम्हारे लिये आत्मिक वस्तुएँ बोई, तो क्या यह कोई बड़ी बात है, कि तुम्हारी शारीरिक वस्तुओं की फसल काटें"

इस वचन में पौलुस 9:9-10 में प्रयुक्त खेती से सम्बन्धित भाषा का प्रयोग करते हैं। जब वह और बरनबास "बोते" हैं, तो उन्हें "फसल काटनी" भी चाहिए। पौलुस स्पष्ट करते हैं कि उन्होंने जो बोई थी वह **आत्मिक वस्तुएँ** थीं, जिसका अर्थ सुसमाचार है। जो **शारीरिक वस्तुओं** को वे **काट** सकते हैं, वे धन और कुरिन्थियों से सहायता हैं। यदि आपके पाठक खेती की इस भाषा के प्रयोग को सही से न समझें, तो आप किसी उपमा का

उपयोग करके स्पष्ट कर सकते हैं कि पौलुस किस ओर संकेत कर रहे हैं या विचार को सीधे व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "इसी प्रकार, यदि हम ने आपको सुसमाचार सुनाया, तो क्या यह कोई बड़ी बात है, कि हम आपसे भौतिक सहायता प्राप्त करें?"

देखें: रूपक

## 1 कुरिन्थियों 9:11 (#2)

"हमने"

यहाँ, हमने विशेष रूप से पौलुस और बरनबास की ओर संकेत करता है। इसमें कुरिन्थियों को शामिल नहीं किया गया है।

देखें: विशिष्ट और समावेशी 'हम'

## 1 कुरिन्थियों 9:11 (#3)

"यदि"

पौलुस ऐसे बोल रहे हैं जैसे कि हमने "आर्थिक वस्तुएँ बोई" एक सम्भावना हो, लेकिन उनका अर्थ है कि यह वास्तव में सच है। यदि आपकी भाषा में कुछ निश्चित या सत्य होने पर उसे शर्त के रूप में नहीं कहा जाता है, और यदि आपके पाठक यह सोच सकते हैं कि पौलुस जो कह रहे हैं वह निश्चित नहीं है, तो आप उनके शब्दों को सकारात्मक कथन के रूप में अनुवाद कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "चूँकि" या "यह मानते हुए कि"

देखें: जोड़ें — तथ्यात्मक स्थितियाँ

## 1 कुरिन्थियों 9:11 (#1)

""

"पौलुस एक सवाल पूछता है ताकि कुरिन्थियों के लोग उसके पूछे बिना सोचें की वह क्या कह रहा है। वैकल्पिक अनुवाद: ""तुम्हे मेरे बताए बिना पता होना चाहिए कि हमारे लिए तुमसे भौतिक सहायता प्राप्त करना बहुत अधिक नहीं है!""

देखें: आलंकारिक प्रश्न

## 1 कुरिन्थियों 9:11 (#5)

"यदि"

यहाँ पौलुस एक सच्ची सम्भावना प्रस्तुत करने के लिये यदि का उपयोग करते हैं। उनका अर्थ है कि हम शारीरिक वस्तुओं की फसल काट सकते हैं, हालाँकि हम ऐसा नहीं करते। यदि हमने शारीरिक वस्तुओं की फसल काटे तो उसका परिणाम क्या होगा यह भी उन्होंने स्पष्ट किया है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इस रूप को एक शब्द जैसे "जब भी" या "कि" के साथ प्रस्तुत करके यदि कथन को व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "कि" या "जब भी"

देखें: जोड़ें — काल्पनिक स्थितियाँ

## 1 कुरिन्थियों 9:12 (#2)

"जब औरों का तुम पर यह अधिकार है, तो क्या हमारा इससे"

"पौलुस और कुरिन्थियों दोनों जानते हैं कि दूसरों ने अधिकार का इस्तेमाल किया है। ""क्योंकि अन्य ने इस अधिकार का प्रयोग किया""""

## 1 कुरिन्थियों 9:12 (#3)

"औरों का तुम पर यह अधिकार है"

हालाँकि पौलुस इसे सीधे तौर पर नहीं कहते हैं, लेकिन कुरिन्थियों ने अधिकार से आर्थिक सहायता प्राप्त करने के अधिकार को ही समझा होगा। यदि आपके पाठक अधिकार को इस तरह से नहीं समझते हैं, तो आप इस विचार को और स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "आपसे आर्थिक सहायता प्राप्त करने का अधिकार है"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

## 1 कुरिन्थियों 9:12 (#3)

"औरों का तुम पर यह अधिकार है, तो क्या हमारा" - "यह अधिकार"

यदि आपकी भाषा में अधिकार के विचार के लिये कोई भाववाचक संज्ञा नहीं है, तो आप "सकना" जैसी क्रिया का उपयोग करके विचार व्यक्त कर सकते हैं। यदि आप ऐसा करते हैं, तो आपको एक वस्तु व्यक्त करने की आवश्यकता हो सकती है, जो यहाँ आर्थिक सहायता प्राप्त कर रही है।

वैकल्पिक अनुवाद: "आपसे आर्थिक सहायता चाह सकते थे, क्या हम ... आपसे आर्थिक सहायता माँग सकता"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

## 1 कुरिन्थियों 9:12 (#1)

""

"पौलुस एक सवाल पूछता है ताकि कुरिन्थियों के लोग उसके पूछे बिना सोचें की वह क्या कह रहा है। यहां ""हम"" पौलुस और बरनबास को संबोधित करता है। वैकल्पिक अनुवाद: ""दूसरों ने अभ्यास किया ... तुम, ताकि तुम्हे पता हो मेरे बिना बताए कि हमारे पास यह अधिकार और भी अधिक है!""

देखें: विशेष और समावेशी 'हम'

## 1 कुरिन्थियों 9:12 (#5)

"तो क्या हमारा इससे अधिक न होगा"

यहाँ पौलुस कुछ ऐसे शब्द छोड़ देते हैं जो आपकी भाषा में एक पूर्ण विचार व्यक्त करने के लिये आवश्यक हो सकते हैं। यदि आपकी भाषा को इन शब्दों की आवश्यकता है, तो आप उन्हें वाक्य के पहले भाग से जोड़ सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "तो क्या हमारा इससे अधिक अधिकार न होगा"

देखें: पदलोप

## 1 कुरिन्थियों 9:12 (#6)

"क्या हमारा" - "हम ... लाए" - "हमारे" - "रोक न हो"

यहाँ, हम पौलुस और बरनबास का सन्दर्भ देता है। इसमें कुरिन्थियों को शामिल नहीं किया गया है।

देखें: विशेष और समावेशी 'हम'

## 1 कुरिन्थियों 9:12 (#3)

"औरों का"

सुसमाचार के अन्य सेवक

## 1 कुरिन्थियों 9:12 (#4)

"तुम पर यह अधिकार है, तो"

कुरिन्थियों के विश्वासियों को जिन्होंने उन्हें सुसमाचार सुनाया उन लोगों के रहने का खर्च प्रदान करने का अधिकार है

## 1 कुरिन्थियों 9:12 (#9)

"हमारे द्वारा मसीह के सुसमाचार की कुछ रोक न हो"

यदि आपकी भाषा में रोक के पीछे के विचार के लिये कोई भाववाचक संज्ञा नहीं है, तो आप इस विचार को व्यक्त करने के लिये "बाधा डालना" जैसी क्रिया का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "हम सुसमाचार में बाधा न डालें"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

## 1 कुरिन्थियों 9:13 (#1)

"क्या तुम नहीं जानते कि जो मन्दिर में सेवा करते हैं, वे मन्दिर में से खाते हैं"

"पौलुस कुरिन्थियों को याद दिलाता है जो वे जानते हैं ताकि वह नई जानकारी जोड़ सके। वैकल्पिक अनुवाद: ""मैं तुम्हे याद दिलाना चाहता हूँ कि जो भवन में सेवा करते हैं वे भवन से अपना भोजन ले सकते हैं।""

देखें: आलंकारिक प्रश्न

## 1 कुरिन्थियों 9:13 (#2)

"जो मन्दिर में सेवा करते हैं"

यहाँ मन्दिर में काम करने वाले का तात्पर्य किसी भी व्यक्ति से है जिसका कार्य मन्दिर में या उसके आसपास होता है। पौलुस के मन में सम्भवतः विशेष तौर पर "लेवियों" या अन्य "मन्दिर के सेवक" की बात थी। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप जो मन्दिर में सेवा करते हैं को अपनी भाषा में एक शब्द या वाक्यांश के साथ व्यक्त कर सकते हैं जो सामान्य रूप से किसी भी व्यक्ति को सन्दर्भित करता है जिसका कार्य मन्दिर में होता है। वैकल्पिक अनुवाद: "मन्दिर के सेवक"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

## 1 कुरिन्थियों 9:13 (#3)

"मन्दिर में से"

यहाँ मन्दिर में से खाते का अर्थ है कि ये लोग उस भोजन में से खाते हैं जिसे लोग मन्दिर में दान करते हैं या मन्दिर में परमेश्वर को अर्पित करते हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप मन्दिर में से को उस शब्द या वाक्यांश के साथ व्यक्त कर सकते हैं जो उन वस्तुओं को सन्दर्भित करता है जो लोगों ने मन्दिर को अर्पित या दिए हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जो लोग मन्दिर को देते हैं उसमें से"

देखें: अज्ञातों का अनुवाद करें

## 1 कुरिन्थियों 9:13 (#4)

"जो वेदी की सेवा करते हैं"

यहाँ जो वेदी की सेवा करते हैं हो सकते हैं: (1) जो मन्दिर में सेवा करते हैं के अन्दर एक विशेष समूह हो, विशेष रूप से उन याजकों से जो वेदी की सेवा करते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "विशेष रूप से, वे जो वेदी की सेवा करते हैं" (2) जो मन्दिर में सेवा करते हैं के विषय में बात करने का एक और तरीका। पौलुस स्वयं स्पष्ट करते हैं कि मन्दिर में से खाने का सचमुच में क्या अर्थ है। वैकल्पिक अनुवाद: "अर्थात्, वे जो वेदी पर सेवा करते हैं"

## 1 कुरिन्थियों 9:13 (#5)

"जो वेदी की सेवा करते हैं"

यहाँ जो वेदी की सेवा करते हैं उन विशेष लोगों को सन्दर्भित करता है जो वेदी पर बलिदान चढ़ाते थे। पौलुस के मन में विशेष रूप से "याजक" हो सकते हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप जो वेदी की सेवा करते हैं, उन लोगों के लिये एक शब्द या वाक्यांश के साथ व्यक्त कर सकते हैं जिनका परमेश्वर के साथ सबसे निकट सम्पर्क होता है और जो उन्हें बलिदान चढ़ाते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "याजक" या "जो सबसे पवित्र वस्तुओं की सेवा करते हैं"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

## 1 कुरिन्थियों 9:13 (#6)

"वेदी के साथ भागी होते हैं"

यहाँ वेदी के साथ भागी होते हैं का अर्थ है कि ये लोग बलिदान का एक भाग वेदी पर चढ़ाते हैं, पर वे उस बलिदान

का कुछ भाग स्वयं भी खाते हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप वेदी के साथ भागी होते हैं को एक शब्द या वाक्यांश के साथ व्यक्त कर सकते हैं जो लोगों द्वारा अपने परमेश्वर को चढ़ाई गई वस्तु के एक भाग को खाने को दर्शाता है। वैकल्पिक अनुवाद: "वेदी पर बलि चढ़ाई गई वस्तु का कुछ भाग खाना"

देखें: अज्ञातों का अनुवाद करें

## 1 कुरिन्थियों 9:14 (#1)

"प्रभु ने भी ठहराया"

यहाँ पौलुस इस बात का उल्लेख करते हैं कि कैसे यीशु ने कहा था कि "मजदूर को उसका भोजन मिलना चाहिए" जब उन्होंने लोगों को सुसमाचार सुनाने के लिये भेजा। [10:10](#) और [10:7](#) में इस कहावत को देखें। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप यीशु ने जो कहा उसका सन्दर्भ समझाने के लिये एक पाद टिप्पणी शामिल कर सकते हैं।

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

## 1 कुरिन्थियों 9:14 (#2)

"जीविका ... से हो"

यहाँ जीविका ... से हो यह बताता है कि किसी अपना भरण-पोषण कैसे करता है और भोजन व अन्य आवश्यकताएँ कैसे पूरी करता है। उदाहरण के लिये, जीविका बढ़ाईगीरी से हो का अर्थ होगा कि व्यक्ति बढ़ाईगीरी करके भोजन और आवास के लिये धन कमाता है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप जीविका ... से हो को अपनी भाषा में एक शब्द या वाक्यांश के साथ व्यक्त कर सकते हैं जो यह बताता है कि कोई व्यक्ति कैसे अपनी जीविका कमाता है या अपना भरण-पोषण करता है। वैकल्पिक अनुवाद: "अपना भरण-पोषण करना" या "अपनी आय प्राप्त करना"

देखें: मुहावरा

## 1 कुरिन्थियों 9:14 (#1)

"उनकी जीविका सुसमाचार से हो"

"यहाँ ""सुसमाचार"" शब्द एक अलंकार हैं उनके लिए 1) जिन लोगों को वे सुसमाचार बताते हैं, ""जिन्हें वे सुसमाचार बताते हैं उन लोगों से अपने लिए भोजन और अन्य चीजें प्राप्त करें"" या 2) सुसमाचार बताने का काम करने के

परिणामानुसार, ""उनसे अपना खाना और अन्य चीजें प्राप्त करों क्योंकि वे सुसमाचार बताने के लिए काम करते हैं।""

देखें: प्रतिन्यास

## 1 कुरिन्थियों 9:15 (#1)

""

ये चीजें जिनके मैं लायक हूँ

## 1 कुरिन्थियों 9:15 (#2)

"कोई भी बात काम में न लाया"

यहाँ पौलुस यूनानी में दो नकारात्मक शब्दों का उपयोग करते हैं: "कोई भी बात काम में न लाया।" पौलुस की संस्कृति में, दो नकारात्मक शब्द कथन को और भी अधिक नकारात्मक बना देते थे। अंग्रेजी भाषी इन दो नकारात्मक शब्दों को गलत समझ सकते हैं, इसलिए यूएलटी (अनफोलिंगवर्ड लिटरल ट्रान्सलेशन) इस विचार को एक मजबूत नकारात्मक के साथ व्यक्त करता है। यदि आपकी भाषा पौलुस की संस्कृति की तरह दो नकारात्मक शब्दों का उपयोग कर सकती है, तो आप यहाँ दोहरी नकारात्मक शब्द का उपयोग कर सकते हैं। यदि आपकी भाषा इस तरह से दो नकारात्मकता शब्दों का उपयोग नहीं करती है, तो आप एक मजबूत नकारात्मक शब्द के साथ अनुवाद कर सकते हैं, जैसा कि यूएलटी (अनफोलिंगवर्ड लिटरल ट्रान्सलेशन) करता है। वैकल्पिक अनुवाद: "किसी भी तरह से लाभ नहीं उठाया"

देखें: दोहरी नकारात्मकताएँ

## 1 कुरिन्थियों 9:15 (#3)

"इनमें से"

यहाँ "इनमें से" का तात्पर्य हो सकता है: (1) "अधिकार" या "अधिकारों" से जो पौलुस को कुरिन्थियों से आर्थिक सहायता पाने के लिये प्राप्त हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "इन अधिकारों में से" (2) सभी कारण जो उन्होंने 9:6-14 में दिए हैं कि क्यों सुसमाचार का प्रचार करने वालों को आर्थिक सहायता मिलनी चाहिए। वैकल्पिक अनुवाद: "इन कारणों में से" या "इन तर्कों में से"

देखें: सर्वनाम — उनका उपयोग कब करें

## 1 कुरिन्थियों 9:15 (#4)

"मैंने ... नहीं लिखीं"

मूल भाषा में यह वाक्य वर्तमान काल में लिखा गया है, जबकि हिन्दी बाइबल में यह वाक्य भूतकाल में लिखा गया है। यहाँ पौलुस 1 कुरिन्थियों का उल्लेख करते हैं, वही पत्री जिसे वे इस समय लिख रहे हैं। अपनी भाषा में पत्री का उल्लेख करने के लिये जो भी काल उपयुक्त हो, उसका उपयोग करें। वैकल्पिक अनुवाद: "मैं ... नहीं लिखता"

देखें: भविष्यसूचक भूतकाल

## 1 कुरिन्थियों 9:15 (#5)

"ये बातें"

यहाँ पौलुस उस बात का उल्लेख करते हैं जो उन्होंने पहले ही लिखी है, विशेष रूप से 9:6-14 में कही बातों की ओर। अपनी भाषा में ऐसे रूप का प्रयोग करें जो अभी कहीं गई बातों को सन्दर्भित करता हो। वैकल्पिक अनुवाद: "वे बातें" या "जो मैंने अभी-अभी लिखा है"

देखें: सर्वनाम — उनका उपयोग कब करें

## 1 कुरिन्थियों 9:15 (#6)

"कि ... ऐसा किया जाए"

यहाँ ऐसा का अर्थ है कुरिन्थियों से आर्थिक सहायता प्राप्त करना। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप ऐसा को एक ऐसे शब्द या वाक्यांश के साथ व्यक्त कर सकते हैं जो अधिक स्पष्ट रूप से आर्थिक सहायता प्राप्त करने का सन्दर्भ देता है। वैकल्पिक अनुवाद: "ये बातें ... किया जाए" या "सहायता प्रदान की जाए"

देखें: सर्वनाम — उनका उपयोग कब करें

## 1 कुरिन्थियों 9:15 (#2)

""

"इसे सक्रिय रूप में कहा जा सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: ""तो तुम मेरे लिए कुछ करोगे"""

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

## 1 कुरिन्थियों 9:15 (#3)

""

इस अवसर को दूर करो मुझे घमण्ड करना है

### 1 कुरिन्थियों 9:15 (#9)

"मेरा घमण्ड"

यदि आपकी भाषा में घमण्ड के पीछे के विचार के लिये कोई भाववाचक संज्ञा नहीं है, तो आप "घमण्ड करना" जैसी क्रिया का उपयोग करके विचार व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जिसके विषय में मैं घमण्ड करता हूँ"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

### 1 कुरिन्थियों 9:16 (#1)

"यदि मैं सुसमाचार सुनाऊँ, तो मेरा कुछ घमण्ड नहीं; क्योंकि यह तो मेरे लिये अवश्य है"

यदि आपकी भाषा में सामान्यतः कारण को परिणाम से पहले रखा जाता है, तो आप इन उपवाक्यों के क्रम को बदल सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "क्योंकि मुझ पर दबाव डाला गया है, इसलिए यदि मैं सुसमाचार सुनाऊँ तो मेरे लिये घमण्ड करने की कोई बात नहीं है"

देखें: सूचना संरचना

### 1 कुरिन्थियों 9:16 (#2)

"यदि"

पौलुस ऐसे बोल रहे हैं जैसे सुसमाचार सुनाना केवल एक सम्भावना हो, परन्तु उनका अर्थ है कि वह सचमुच में ऐसा करते हैं। यदि आपकी भाषा में कुछ निश्चित या सत्य होने पर उसे स्थिति के रूप में नहीं कहा जाता है, और यदि आपके पाठक सोच सकते हैं कि पौलुस जो कह रहे हैं वह निश्चित नहीं है, तो आप उनके शब्दों का अनुवाद एक सकारात्मक कथन के रूप में कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जब" या "जब भी"

देखें: जोड़ें — तथ्यात्मक स्थितियाँ

### 1 कुरिन्थियों 9:16 (#1)

""

मुझे सुसमाचार का प्रचार करना होगा

### 1 कुरिन्थियों 9:16 (#4)

"यह तो मेरे लिये अवश्य है"

मूल भाषा में यह शब्द भाववाचक संज्ञा में लिखा गया है, जबकि हिन्दी बाइबल में यह शब्द क्रिया विशेषण के रूप में लिखा गया है। यदि आपकी भाषा में अवश्य के विचार के लिये कोई भाववाचक संज्ञा नहीं है, तो आप "विवश करना" जैसी क्रिया का उपयोग करके विचार व्यक्त कर सकते हैं और खण्ड को पुनः शब्दांकित कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मैं एक विवशता के अधीन हूँ"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

### 1 कुरिन्थियों 9:16 (#5)

"यह तो मेरे लिये अवश्य है (विवशता मुझ पर लाद दिया गया है)"

मूल भाषा में यहाँ "विवशता मुझ पर लाद दिया गया है" लिखा है जो एक रूपक को दर्शाता है। जबकि हिन्दी बाइबल में इसका अर्थ सीधे लिखा गया है। यहाँ पौलुस ऐसे बोलते हैं जैसे विवशता एक भौतिक वस्तु हो जिसे किसी ने उन पर लाद दिया हा। इस तरह से बोलने का अर्थ है कि उन्हें कुछ करने की आवश्यकता है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इस अलंकार को एक तुलनीय रूपक के साथ व्यक्त कर सकते हैं या विचार को सीधे व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मुझे ऐसा करने की आज्ञा दी गई है" या "मेरा दायित्व है"

देखें: रूपक

### 1 कुरिन्थियों 9:16 (#2)

"और यदि मैं" - "मुझ पर हाय"

मैं दुर्भाग्य से पीड़ित हो सकता हूँ यदि

### 1 कुरिन्थियों 9:16 (#7)

"यदि मैं सुसमाचार न सुनाऊँ"

पौलुस एक ऐसी स्थिति की बात कर रहे हैं जो सुनने में काल्पनिक प्रतीत होती है, परन्तु उन्हें पहले से ही यह विश्वास है कि वह स्थिति असत्य है। वे जानते हैं कि वे सचमुच में सुसमाचार ... सुनाते हैं। अपनी भाषा में एक स्वाभाविक रूप का उपयोग करें जो एक ऐसी स्थिति को प्रस्तुत करता है

जिसे वक्ता सच नहीं मानते। वैकल्पिक अनुवाद: "जब भी मैं सुसमाचार सुनाना छोड़ दूँ, जो कि मैं कभी नहीं करूँगा"  
देखें: जोड़े — तथ्य के विपरीत स्थितियाँ

### 1 कुरिन्थियों 9:17 (#1)

"यदि अपनी इच्छा से यह करता हूँ, तो मजदूरी मुझे मिलती है, और यदि अपनी इच्छा से नहीं करता, तो भी भण्डारीपन मुझे सौंपा गया है"

यहाँ पौलस यदि का उपयोग दो सम्भावनाओं को प्रस्तुत करने के लिये करते हैं। उनका अर्थ है कि वह इसे इच्छा से यह कर सकते हैं, या वह इसे इच्छा से नहीं कर सकते हैं। वह प्रत्येक विकल्प के लिये एक परिणाम निर्दिष्ट करते हैं, लेकिन वह यह संकेत देते हैं कि वह इसे इच्छा से नहीं करते हैं (देखें: 9:16 में "अवश्य")। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इस रूप को अपनी भाषा में यदि कथनों को स्वाभाविक तरीके से व्यक्त कर सकते हैं, जैसे कि उन्हें "जब भी" के साथ प्रस्तुत करके। वैकल्पिक अनुवाद: "यदि मैं यह अपनी इच्छा से करता, तो मुझे प्रतिफल मिलता। परन्तु यदि मैं यह अपनी इच्छा से नहीं करता, तो भी भण्डारीपन मुझे सौंपा गया होता"

देखें: जोड़े — कात्पनिक स्थितियाँ

### 1 कुरिन्थियों 9:17 (#2)

"अपनी ... यह करता हूँ"

यहाँ यह 9:16 में "सुसमाचार सुनाऊँ" को सन्दर्भित करता है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप स्पष्ट करके यह व्यक्त कर सकते हैं कि यह किसकी ओर संकेत करता है। वैकल्पिक अनुवाद: "मैं सुसमाचार सुनता हूँ"

देखें: सर्वनाम — उनका उपयोग कब करें

### 1 कुरिन्थियों 9:17 (#1)

"क्योंकि यदि अपनी इच्छा से यह करता हूँ, तो"

"अगर मैं स्वेच्छा से प्रचार करता हूँ या ""यदि मैं प्रचार करूँ क्योंकि मैं चाहता हूँ"""

### 1 कुरिन्थियों 9:17 (#4)

"तो मजदूरी मुझे मिलती है"

यदि आपकी भाषा में मजदूरी के पीछे के विचार के लिये कोई भाववाचक संज्ञा नहीं होती है, तो आप इस विचार को व्यक्त करने के लिये "मजदूरी देना" या "इनाम देना" जैसी क्रिया का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मुझे इसके लिये इनाम मिलता है"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

### 1 कुरिन्थियों 9:17 (#5)

"यदि अपनी इच्छा से नहीं करता, तो भी भण्डारीपन मुझे सौंपा गया है"

यह वाक्य इस प्रकार हो सकता है: (1) इसमें "यदि" और "तो" कथन दोनों शामिल हो सकते हैं और यह स्पष्ट कर सकते हैं कि पौलस सुसमाचार को सुनाना "इच्छा से नहीं" कर रहे हैं। उन्होंने इस भण्डारीपन को नहीं चुना, और इसलिए वह इसे इच्छा से नहीं करते हैं। हालाँकि, वह सुसमाचार का सुनाते हैं क्योंकि उन्हें उस भण्डारीपन के साथ सौंपा गया है। वैकल्पिक अनुवाद: "यदि अपनी इच्छा से नहीं, मैं यह इसलिए करता हूँ क्योंकि भण्डारीपन मुझे सौंपा गया है" (2) अगले वचन (9:18) की शुरुआत में प्रश्न के लिये "यदि" कथन ("तो" कथन) व्यक्त करें। शब्द इच्छा से नहीं का प्रयोग सौंपा गया को संशोधित करेगा, और आपको इस वचन के अन्त और अगली वचन की शुरुआत को एक अल्पविराम के साथ जोड़ने की आवश्यकता होगी, तथा "तो" को छोटे अक्षर के साथ लिखें। वैकल्पिक अनुवाद: "परन्तु मुझे अनिच्छा से एक भण्डारीपन सौंपा गया है,"

देखें: सूचना संरचना

### 1 कुरिन्थियों 9:17 (#2)

"क्योंकि यदि" - "और" - "अपनी इच्छा से नहीं करता, तो भी"

"शब्द ""मैं ऐसा करता हूँ"" पिछले वाक्यांश से समझा जाता है। वैकल्पिक अनुवाद: ""लेकिन अगर मैं यह अनिच्छा से करता हूँ"" या ""लेकिन अगर मैं ऐसा करता हूँ, भले ही मैं नहीं चाहता"" या ""लेकिन अगर मैं ऐसा करता हूँ क्योंकि मुझे ऐसा करने के लिए मजबूर किया गया था""

देखें: विराम बिंदु

### 1 कुरिन्थियों 9:17 (#3)

""

"इसे सक्रिय रूप में कहा जा सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: ""मुझे यह काम करना चाहिए जिसे पूरा करने के लिए परमेश्वर ने मुझपर भरोसा किया""

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

## 1 कुरिन्थियों 9:17 (#8)

"भण्डारीपन"

यदि आपकी भाषा में **भण्डारीपन** के पीछे के विचार के लिये कोई भाववाचक संज्ञा नहीं है, तो आप इस विचार को "देखरेख करना" या "करना" जैसी क्रिया के साथ एक वाक्यांश का उपयोग करके व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "करने के लिये कुछ काम" या "देखरेख करने का कार्य"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

## 1 कुरिन्थियों 9:18 (#1)

"तो फिर मेरी कौन सी मजदूरी है"

"पौलुस उन्हें नई जानकारी के लिए तैयार कर रहा है जो वह उन्हें देने जा रहा है। वैकल्पिक अनुवाद: ""यह मेरा इनाम है!""

देखें: आलंकारिक प्रश्न

## 1 कुरिन्थियों 9:18 (#2)

"मेरी ... मजदूरी"

यदि आपकी भाषा में **मजदूरी** के पीछे के विचार के लिये कोई भाववाचक संज्ञा नहीं है, तो आप "मजदूरी देना" या "इनाम देना" जैसी क्रिया का उपयोग करके विचार व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जिस तरह परमेश्वर मुझे मजदूरी देते हैं" या "जिस तरह परमेश्वर मुझे इनाम देते हैं"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

## 1 कुरिन्थियों 9:18 (#2)

""

प्रचार के लिए मेरा इनाम यह है कि मैं भुगतान प्राप्त किए बिना प्रचार करूँ

## 1 कुरिन्थियों 9:18 (#4)

"सेंत-मेंत"

यहाँ **सेंत-मेंत** का अर्थ है कि कोई वस्तु उस व्यक्ति के लिये बिना मूल्य के है जो उसे प्राप्त करता है। पौलुस यह कह रहे हैं कि **सुसमाचार** उन लोगों के लिये "बिना मूल्य के" या "बिना दाम के" है जिनको वे सुनाते हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप **सेंत-मेंत** को एक शब्द या वाक्यांश के साथ व्यक्त कर सकते हैं जो यह दर्शाता है कि कुछ "बिना मूल्य के" या "बिना दाम के" है। वैकल्पिक अनुवाद: "बिना मूल्य के"

देखें: अज्ञातों का अनुवाद करें

## 1 कुरिन्थियों 9:18 (#3)

"मैं मसीह का सुसमाचार"

सुसमाचार प्रचार करें

## 1 कुरिन्थियों 9:18 (#6)

"मेरा अधिकार है, उसको मैं पूरी रीति से काम में लाऊँ"

यहाँ उसको मैं पूरी रीति से काम में लाऊँ का अर्थ है उस बात का उपयोग अपने लाभ के लिये करना। यहाँ पौलुस इस शब्द का उपयोग कर सकते हैं: (1) नकारात्मक रूप से, जिसका अर्थ होगा कि पौलुस अपने **अधिकार** का दुरुपयोग नहीं करना चाहते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मेरे अधिकार का दुरुपयोग करना" या "मेरे अधिकार का लाभ उठाना" (2) सकारात्मक रूप से, जिसका अर्थ होगा कि पौलुस **अधिकार** का उपयोग नहीं करना चाहते हैं, भले ही ऐसा करना उचित हो। वैकल्पिक अनुवाद: "मेरे अधिकार का उपयोग करना"

देखें: अज्ञातों का अनुवाद करें

## 1 कुरिन्थियों 9:18 (#4)

"यहाँ तक कि सुसमाचार में जो मेरा अधिकार है, उसको मैं पूरी रीति से काम में लाऊँ"

लोगों को मेरा सहायता करने के लिए मत कह जब मैं यात्रा और प्रचार करता हूँ

## 1 कुरिन्थियों 9:18 (#8)

"सुसमाचार में"

यहाँ पौलुस ऐसे बोलते हैं जैसे कि उनका अधिकार सुसमाचार के अन्दर हो। वह ऐसा इसलिए कहते हैं ताकि यह दिखा सकें कि उन्हें यह अधिकार केवल सुसमाचार के लिये अपनी सेवकाई के कारण मिला है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इस अलंकार को एक तुलनीय रूपक के साथ व्यक्त कर सकते हैं या विचार को सीधे व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "सुसमाचार के द्वारा" या "जो सुसमाचार से आता है"

देखें: रूपक

## 1 कुरिन्थियों 9:19 (#1)

"क्योंकि ... स्वतंत्र होने पर"

यहाँ क्योंकि वचन [19-23](#) का परिचय देता है। पौलुस [9:18](#) में कही गई बात से निष्कर्ष निकाल रहे हैं कि वे सुसमाचार को "सें-मेंत" में देते हैं। चूँकि वे सुसमाचार सें-मेंत में प्रदान करते हैं, इसलिए वे सबसे स्वतंत्र हैं। इस वचन और आगे के वचनों में, पौलुस समझाएँगे कि वे सबसे स्वतंत्र व्यक्ति के रूप में क्या करते हैं और यह कैसे लाभकारी या "मजदूरी" है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप क्योंकि को एक ऐसे शब्द या वाक्यांश के साथ व्यक्त कर सकते हैं जो एक स्पष्टीकरण या आगे की व्याख्या को प्रस्तुत करता हो। वैकल्पिक अनुवाद: "इसलिए, क्योंकि मैं ... स्वतंत्र हूँ"

देखें: शब्दों और वाक्यांशों को जोड़ना

## 1 कुरिन्थियों 9:19 (#2)

"होने"

यहाँ होने एक वाक्यांश प्रस्तुत होता है जो: (1) मैंने अपने आपको ... दास बना दिया है के साथ विरोधाभास प्रगट करता है। वैकल्पिक अनुवाद: "हालाँकि मैं हूँ" (2) बताता है कि पौलुस क्यों "अपने आप को दास बना" सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: "क्योंकि मैं हूँ"

देखें: जोड़ें — विरोधाभास सम्बन्ध

## 1 कुरिन्थियों 9:19 (#1)

"यहाँ से मुक्त एक मुहावरा है जिसका मतलब है कि दूसरों के लिए एक व्यक्ति को क्या करना चाहिए, इस बारे में सोचने के बिना जीने की क्षमता। वैकल्पिक अनुवाद: ""मैं दूसरों की सेवा किए बिना जीने में सक्षम हूँ""

देखें: रूपक

## 1 कुरिन्थियों 9:19 (#4)

"सबसे," - "सब का"

यहाँ कुरिन्थियों ने सब को विशेष रूप से लोगों के सन्दर्भ में समझा होगा। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप सब का अनुवाद एक शब्द या वाक्यांश जोड़कर कर सकते हैं जो स्पष्ट करता है कि पौलुस "लोगों" के विषय में बात कर रहे हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "सब लोगों से ... सब लोगों का"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित ज्ञानकारी

## 1 कुरिन्थियों 9:19 (#5)

"खींच लाऊँ"

यहाँ किसी को खींच लाऊँ का अर्थ है उन्हें मसीहा के विश्वास की ओर मार्गदर्शन करना। जब लोग विश्वास करना शुरू करते हैं, तो वे मसीहा और उनकी कलीसिया के सदस्य बन जाते हैं, और इसलिए जिसने उन्हें सुसमाचार सुनाया, उसने उन्हें कलीसिया के एक नए भाग के रूप में "जीत" लिया। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप खींच के पीछे के विचार को सीधे या तुलनीय वाक्यांश के साथ व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मैं परिवर्तित कर सकूँ" या "मैं मसीह के लिये जीत सकूँ"

देखें: अज्ञातों का अनुवाद करें

## 1 कुरिन्थियों 9:19 (#2)

"सबसे स्वतंत्र होने पर भी" - "है"

दूसरों को विश्वास करने के लिए सहमत कर या ""दूसरों को मसीह में भरोसा करने में मदद कर"""

## 1 कुरिन्थियों 9:20 (#1)

"मैं यहूदियों के लिये" - "बना"

"मैंने एक यहूदी की तरह अभिनय किया या ""मैंने यहूदी रीति-रिवाजों का अभ्यास किया"""

## 1 कुरिन्थियों 9:20 (#2)

"को खींच लाऊँ" - "खींच लाऊँ"

जैसे [9:19](#) में खींच का अर्थ किसी को मसीहा में विश्वास करने में सहायता करना है। इस शब्द का अनुवाद वैसा ही करें जैसा आपने [9:19](#) में किया था। वैकल्पिक अनुवाद: "परिवर्तित करूँ" या "मसीहा के लिये जीत सकूँ"

देखें: अज्ञातों का अनुवाद करें

## 1 कुरिन्थियों 9:20 (#2)

""

मैं यहूदियों के ग्रंथों की उनकी समझ को स्वीकार करते हुए यहूदी नेतृत्व की मांगों का पालन करने के लिए प्रतिबद्ध व्यक्ति के समान बन गया हूँ

## 1 कुरिन्थियों 9:20 (#4)

"व्यवस्था के अधीन ... व्यवस्था के अधीन बना"

मूल भाषा में यहाँ कुछ शब्दों को छोड़ दिया गया है जिसका कई भाषा में पूर्ण व्यक्त होने की आवश्यकता है। जबकि हिन्दी बाइबल में यहाँ वाक्य पूर्ण रूप से लिखा गया है। यहाँ पौलुस कुछ शब्दों को छोड़ देते हैं जो आपकी भाषा में एक पूर्ण विचार बनाने के लिये आवश्यक हो सकते हैं। पौलुस इन शब्दों को छोड़ देते हैं क्योंकि उन्होंने इन्हें पिछले खण्ड में स्पष्ट रूप से कहा है (मैं... बना)। यदि आपकी भाषा को इन शब्दों की आवश्यकता है, तो आप उन्हें पिछले खण्ड से जोड़ सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "व्यवस्था के अधीन, मैं व्यवस्था के अधीन बन गया"

देखें: पदलोप

## 1 कुरिन्थियों 9:20 (#5)

"व्यवस्था के अधीन बना"

वैकल्पिक अनुवाद: "मैंने व्यवस्था का पालन किया"

## 1 कुरिन्थियों 9:20 (#6)

"मैं व्यवस्था के अधीन न होने"

कुछ प्राचीन हस्तलिपियों में मैं व्यवस्था के अधीन न होने शामिल नहीं है। हालाँकि, अधिकांश प्राचीन हस्तलिपियों में ये शब्द शामिल हैं। यदि सम्भव हो, तो अपने अनुवाद में इन शब्दों को शामिल करें।

देखें: पाठ्य भिन्नताएँ

## 1 कुरिन्थियों 9:20 (#7)

"न होने"

यहाँ न होने एक वाक्यांश प्रस्तुत करता है जो व्यवस्था के अधीन बना के साथ विरोधाभास प्रगट करता है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप न होने का अनुवाद उन शब्दों को जोड़कर कर सकते हैं जो एक विरोधाभास प्रस्तुत करते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "हालाँकि मैं नहीं हूँ"

देखें: जोड़ें — विरोधाभास सम्बन्ध

## 1 कुरिन्थियों 9:20 (#8)

"व्यवस्था ... व्यवस्था के अधीन न होने पर भी ... , उन्हें जो व्यवस्था के अधीन हैं, खींच लाऊँ"

यहाँ उन्हें जो व्यवस्था के अधीन हैं, खींच लाऊँ यह उद्देश्य प्रगट करते हैं कि पौलुस स्वयं को व्यवस्था के अधीन व्यक्ति के समान प्रस्तुत करते हैं। व्यवस्था के अधीन न होने पर भी वाक्यांश यह संकेत करता है कि पौलुस समझते हैं कि वह सचमुच में व्यवस्था के अधीन नहीं हैं। यदि आपकी भाषा में कारण और उद्देश्य को पास-पास रखना अधिक स्वाभाविक हो, तो आप इन दोनों खण्डों के क्रम बदल सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "व्यवस्था ... ताकि उन्हें जो व्यवस्था के अधीन है, जीत सकूँ, जबकि मैं स्वयं व्यवस्था के अधीन नहीं हूँ"

देखें: सूचना संरचना

## 1 कुरिन्थियों 9:21 (#1)

"व्यवस्थाहीनों के लिये {" - "व्यवस्था से हीन नहीं (" - "व्यवस्थाहीनों को खींच लाऊँ"

यहाँ व्यवस्थाहीनों उन लोगों को सन्दर्भित करता है जिनके पास मूसा द्वारा लिखी गई व्यवस्था नहीं है। ये लोग यहूदी नहीं हैं, लेकिन पौलुस यह नहीं कह रहे हैं कि वे आज्ञा नहीं मानते हैं। बल्कि, पौलुस यहाँ मूसा द्वारा लिखी गई व्यवस्था पर जोर दे रहे हैं, इसलिए वे "अन्यजाति" या "गैर-यहूदी" जैसे शब्दों के बजाय इस प्रकार की भाषा का प्रयोग कर रहे हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप व्यवस्थाहीनों के पीछे के विचार को स्पष्ट कर सकते हैं कि पौलुस उन लोगों का

सन्दर्भ कर रहे हैं जिनके पास व्यवस्था नहीं है। वैकल्पिक अनुवाद: “उनके लिये जिनके पास मूसा की व्यवस्था नहीं है ... मूसा की व्यवस्था के बिना ... उन्हें जो मूसा की व्यवस्था के बिना है”

देखें: अज्ञातों का अनुवाद करें

## 1 कुरिन्थियों 9:21 (#2)

“मैं ... व्यवस्थाहीन सा बना”

यहाँ पौलुस कुछ शब्दों को छोड़ देते हैं जो आपकी भाषा में एक पूर्ण विचार व्यक्त करने के लिये आवश्यक हो सकते हैं। पौलुस इन शब्दों को छोड़ देते हैं क्योंकि उन्होंने इन्हें पिछले वचन में स्पष्ट रूप से कहा था (मैं ... बना 9:20 में)। यदि आपकी भाषा को इन शब्दों की आवश्यकता है, तो आप उन्हें उस खण्ड से ले सकते हैं। चूंकि अंग्रेजी को इन शब्दों की आवश्यकता है, इसलिए यूएलटी (अनफोल्डिंगवर्ड लिटरल ट्रान्सलेशन) ने उन्हें कोष्ठकों में प्रदान किया है।

देखें: पदलोप

## 1 कुरिन्थियों 9:21 (#3)

“जो परमेश्वर की व्यवस्था से हीन नहीं, परन्तु मसीह की व्यवस्था के अधीन हूँ ... कि व्यवस्थाहीनों को खींच लाऊँ”

9:20 के समान ही, पौलुस व्यवस्था से हीन होने और व्यवस्थाहीनों होने के उद्देश्य के बीच कुछ कथन जोड़ते हैं। यदि आपके पाठकों को यह संरचना भ्रमित करने वाली लगे, तो आप खण्डों को पुनः व्यवस्थित कर सकते हैं ताकि व्यवस्था से हीन के तुरन्त बाद उसका उद्देश्य आ जाए, या आप बीच के कथनों को कोष्ठक के रूप में रखकर कर दिखा सकते हैं, जैसा कि यूएलटी (अनफोल्डिंगवर्ड लिटरल ट्रान्सलेशन) करता है। वैकल्पिक अनुवाद: “ताकि मैं उन लोगों को जीत सकूँ जो व्यवस्थाहीन हैं। अब मैं परमेश्वर की व्यवस्था से हीन नहीं हूँ, परन्तु मसीह की व्यवस्था के अधीन हूँ”

देखें: सूचना संरचना

## 1 कुरिन्थियों 9:21 (#4)

“परमेश्वर की व्यवस्था से हीन”

यहाँ पौलुस अधिकारवाचक रूप का उपयोग करते हैं यह बताने के लिए कि: (1) वह परमेश्वर द्वारा दी गई व्यवस्था से हीन नहीं हैं। पौलुस मूसा द्वारा लिखी गई व्यवस्था और

परमेश्वर की सामान्य व्यवस्था के बीच अन्तर करते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “परमेश्वर की किसी भी व्यवस्था के बिना” (2) वह ऐसा व्यक्ति नहीं है जो परमेश्वर के प्रति अवज्ञाकारी (व्यवस्था से हीन) हैं। पौलुस उन लोगों के बीच अन्तर कर रहे हैं जिनके पास मूसा द्वारा लिखी गई व्यवस्था नहीं है और जो परमेश्वर की आज्ञा नहीं मानते। वैकल्पिक अनुवाद: “परमेश्वर के प्रति आज्ञा न मानना”

देखें: स्वामित्व

## 1 कुरिन्थियों 9:21 (#1)

“व्यवस्थाहीनों के लिये मैं”

जो मूसा के नियमों का पालन नहीं करते हैं

## 1 कुरिन्थियों 9:21 (#6)

“मसीह की व्यवस्था के अधीन”

यहाँ पौलुस उस व्यवस्था का वर्णन करने के लिये अधिकारवाचक प्रयोग करते हैं जिसे मसीह ने आज्ञा दी थी। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इस विचार को किसी ऐसे शब्द या वाक्यांश के द्वारा व्यक्त कर सकते हैं जो स्पष्ट रूप से बताए कि यह व्यवस्था मसीह की आज्ञा से है। वैकल्पिक अनुवाद: “मसीह की व्यवस्था के अधीन” या “उस व्यवस्था के अधीन जो मसीह से आती है”

देखें: स्वामित्व

## 1 कुरिन्थियों 9:21 (#7)

“खींच लाऊँ”

जैसे 9:19 में है, खींच लाने का अर्थ है उन्हें मसीहा में विश्वास करने के लिये सहायता करना। इस शब्द का अनुवाद उसी तरह करें जैसे आपने 9:19 में किया था। वैकल्पिक अनुवाद: “मैं परिवर्तित कर सकूँ” या “मैं मसीह के लिये जीत सकूँ”

देखें: अज्ञातों का अनुवाद करें

## 1 कुरिन्थियों 9:22 (#1)

“निर्बलों के लिये” - “निर्बल” - “निर्बलों”

जैसे 8:7-12 में, निर्बल एक ऐसे व्यक्ति की पहचान करता है जो आसानी से दोषी महसूस करता है। एक निर्बल व्यक्ति कुछ बातों को गलत मानता है, जो सम्भवतः परमेश्वर की वृष्टि

में प्रिय होती हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप निर्बल को एक तुलनीय रूपक के साथ व्यक्त कर सकते हैं या विचार को सीधे व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "संवेदनशील लोगों के लिये ... संवेदनशील ... वे जो संवेदनशील हैं" या "जो प्रायः स्वयं को दोषी ठहराते हैं ... जो स्वयं को दोषी ठहराता है ... जो प्रायः स्वयं को दोषी ठहराते हैं"

देखें: रूपक

## 1 कुरिन्थियों 9:22 (#2)

"निर्बलों के लिये" - "निर्बलों"

पौलुस निर्बलों विशेषण का प्रयोग एक संज्ञा के रूप में कर रहे हैं ताकि लोगों के एक समूह का वर्णन कर सकें। आपकी भाषा भी विशेषणों का इसी तरह उपयोग कर सकती है। यदि नहीं, तो आप इसे संज्ञा वाक्यांश के साथ अनुवाद कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जो लोग निर्बल हैं ... वे लोग जो निर्बल हैं"

देखें: संज्ञात्मक विशेषण

## 1 कुरिन्थियों 9:22 (#3)

"खींच लाऊँ"

जैसे 9:19 में, खींच लाऊँ का अर्थ किसी व्यक्ति को मसीहा पर विश्वास करने में सहायता करना है। इस शब्द का अनुवाद उसी तरह करें जैसे आपने 9:19 में किया था। वैकल्पिक अनुवाद: "मैं परिवर्तित कर सकूँ" या "मैं मसीह के लिये जीत सकूँ"

देखें: अज्ञातों का अनुवाद करें

## 1 कुरिन्थियों 9:22 (#4)

"मैं सब मनुष्यों के लिये सब कुछ बना हूँ"

यहाँ सब कुछ बना का अर्थ है कि पौलुस ने कई अलग-अलग तरीकों से जीवन जिया है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप मैं ... सब कुछ बना हूँ के पीछे के विचार को अपनी भाषा में अधिक स्वाभाविक रूप से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मैंने हर प्रकार से सबके साथ जीवन बिताया है"

देखें: मुहावरा

## 1 कुरिन्थियों 9:22 (#5)

"मैं सब मनुष्यों के लिये सब कुछ बना हूँ"

यहाँ सब मनुष्यों और सब कुछ अतिशयोक्ति हैं जिन्हें कुरिन्थियों ने समझा होगा कि पौलुस कई लोगों के लिये बहुत कुछ बन गए हैं। पौलुस इस प्रकार बोलते हैं ताकि यह जोर दे सकें कि वे लोगों के उद्धार के लिये किसी के लिये कुछ भी बनने को तैयार हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप पौलुस के दावे को स्पष्ट बना सकते हैं और जोर को किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मैं कई लोगों के लिये बहुत कुछ बन गया हूँ"

देखें: अतिशयोक्ति

## 1 कुरिन्थियों 9:22 (#6)

"कि किसी न किसी रीति से ... उद्धार कराऊँ"

वैकल्पिक अनुवाद: "ताकि मैं हर सम्भव जो उपाय मेरे पास है, उसके द्वारा उद्धार कर सकूँ"

## 1 कुरिन्थियों 9:22 (#7)

"किसी न किसी रीति से ... उद्धार कराऊँ"

यहाँ पौलुस यह कहते हैं कि वह दूसरों को यीशु में विश्वास दिलाकर "उद्धार" करते हैं। इसका अर्थ यह है कि वे स्वयं वह माध्यम हैं जिसके द्वारा परमेश्वर कुछ लोगों का उद्धार करेंगे। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप यह व्यक्त कर सकते हैं कि पौलुस कहते हैं कि वह कई एक का उद्धार एक ऐसे शब्द या वाक्यांश के साथ जो किसी को "उद्धार" की ओर ले जाने का सन्दर्भ देता है, अर्थात् उन्हें यीशु में विश्वास करने में सहायता करना। वैकल्पिक अनुवाद: "परमेश्वर हर रीति से मेरा उपयोग करके उद्धार कर सकते हैं"

देखें: लक्षणालंकार

## 1 कुरिन्थियों 9:23 (#1)

"(परन्तु) और मैं सब कुछ"

मूल भाषा में यहाँ "परन्तु" शब्द का प्रयोग किया गया है जो किसी शब्दों या वाक्यांशों को जोड़ने का कार्य करता है। जबकि हिन्दी बाइबल में इस शब्द को छोड़ दिया गया है। यहाँ

**परन्तु** 9:19-22 में पौलुस ने जो कुछ कहा उसका सारांश प्रस्तुत करते हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप परन्तु को ऐसे शब्द या वाक्यांश के साथ व्यक्त कर सकते हैं जो एक सारांश या निष्कर्ष प्रस्तुत करता है।

वैकल्पिक अनुवाद: "अन्त में," या "तो,"

देखें: शब्दों और वाक्यांशों को जोड़ना

## 1 कुरिन्थियों 9:23 (#2)

"मैं सब कुछ ... करता हूँ"

वैकल्पिक अनुवाद: "जो कुछ मैं करता हूँ वह सब"

## 1 कुरिन्थियों 9:23 (#3)

"उसका भागी"

यहाँ भागी वह व्यक्ति है जो किसी बात में दूसरों के साथ सहभागी होता है या भाग लेता है। पौलुस का अर्थ है कि वह सुसमाचार में भाग लेने या साझा करने तथा सुसमाचार की प्रतिज्ञाओं को प्राप्त करने के उद्देश्य से कार्य करते हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप भागी को एक तुलनीय शब्द या वाक्यांश के साथ व्यक्त कर सकते हैं जो यह संकेत देता है कि पौलुस सुसमाचार में "भागीदार" या "हिस्सेदार" है। वैकल्पिक अनुवाद: "इसमें एक हिस्सेदार" या "इसमें एक भागीदार"

देखें: अज्ञातों का अनुवाद करें

## 1 कुरिन्थियों 9:23 (#4)

"उसका भागी हो जाऊँ"

यदि आपकी भाषा में भागी के पीछे के विचार के लिये कोई भाववाचक संज्ञा नहीं है, तो आप इस विचार को व्यक्त करने के लिये "भाग लेना" या "साझा करना" जैसे क्रिया का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मैं इसमें भाग लूँ"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

## 1 कुरिन्थियों 9:23 (#5)

"उसका"

यहाँ उसका सुसमाचार की ओर संकेत करता है, परन्तु पौलुस विशेष रूप से सुसमाचार से आने वाले लाभों या आशीषों को ध्यान में रखते हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप उसका स्पष्ट करके व्यक्त कर सकते हैं

कि पौलुस सुसमाचार के आशीषों का उल्लेख कर रहे हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "उसके आशीषों का"

देखें: लक्षणालंकार

## 1 कुरिन्थियों 9:24 (#2)

""

"पौलुस कुरिन्थियों को याद दिलाता है जो वे जानते हैं ताकि वह नई जानकारी जोड़ सके। वैकल्पिक अनुवाद: ""मुझे तुम्हे याद दिलाना चाहिए कि हालांकि सभी धावक दौड़ते हैं, केवल एक धावक को ही पुरस्कार प्राप्त होता है।""

देखें: आलंकारिक प्रश्न

## 1 कुरिन्थियों 9:24 (#3)

""

पौलुस मसीही जीवन जीने और परमेश्वर के लिए काम करने को दौड़ने और खिलाड़ी होने से तुलना करता है। एक दौड़ जैसे, मसीही जीवन और कार्य में धावक के लिए सख्त अनुशासन की आवश्यकता होती है, और एक दौड़ जैसे, मसीही का एक विशिष्ट लक्ष्य होता है।

देखें: रूपक

## 1 कुरिन्थियों 9:24 (#3)

"दौड़ में तो दौड़ते सब ही हैं"

वैकल्पिक अनुवाद: "दौड़ के मैदान में दौड़ते तो सब हैं"

## 1 कुरिन्थियों 9:24 (#4)

""

पौलुस इनाम के बारे में बात कर रहा है जो परमेश्वर अपने विश्वासयोग्य लोगों को देगा जैसे प्रतियोगिता के लिए दिया गया पुरस्कार था।

देखें: रूपक

## 1 कुरिन्थियों 9:25 (#1)

"और हर एक पहलवान"

यहाँ हर एक पहलवान का अर्थ सामान्य रूप से किसी भी खिलाड़ी से है जो किसी खेल में हिस्सा लेता है, न कि केवल दौड़ने वालों से जैसा कि पिछले वचन में था। अपनी भाषा में ऐसा शब्द या वाक्यांश प्रयोग करें जो किसी भी खेल या प्रतियोगिता में भाग लेने वाले खिलाड़ी को सन्दर्भित करता हो। वैकल्पिक अनुवाद: "हर खिलाड़ी जो खेल प्रतियोगिताओं में भाग लेता है"

देखें: अज्ञातों का अनुवाद करें

## 1 कुरिन्थियों 9:25 (#2)

"संयम करता है"

यहाँ पौलुस विशेष रूप से खिलाड़ी विशेष भोजन खाता है, अपने शरीर को कठिन तरीकों से प्रशिक्षित करता है, तथा अन्य लोगों की तुलना में अलग तरीके से व्यवहार करता है। इन सबके लिये संयम की आवश्यकता होती है। वचन के अन्त में वह यह संकेत देते हैं कि हम को भी ऐसा संयम अपनाना चाहिए। यदि सम्भव हो, तो ऐसा शब्द या वाक्यांश प्रयोग करें जो खेल प्रशिक्षण से सम्बन्ध रखता हो, पर मसीही जीवन पर भी लागू किया जा सके। वैकल्पिक अनुवाद: "अपने आप को अनुशासित करते हैं"

देखें: अज्ञातों का अनुवाद करें

## 1 कुरिन्थियों 9:25 (#3)

"वे तो ... के लिये यह सब करते हैं"

यहाँ पौलुस कुछ शब्दों को छोड़ देते हैं जो आपकी भाषा में एक पूर्ण वाक्य बनाने के लिये आवश्यक हो सकते हैं। यदि आपकी भाषा को इन शब्दों की आवश्यकता है, तो आप इन्हें वचन के पहले वाक्य से ले सकते हैं। चौंकि अंग्रेजी को इन शब्दों की आवश्यकता है, इसलिए यूएलटी (अनफोल्डिंगवर्ड लिटरल ट्रान्सलेशन) ने उन्हें कोष्ठकों में प्रदान किया है। वैकल्पिक अनुवाद: "वे तो ... के लिये संयम करते हैं"

देखें: पदलोप

## 1 कुरिन्थियों 9:25 (#4)

"एक मुझनिवाले मुकुट"

यहाँ मुकुट का अर्थ पत्तियों से बना एक ऐसा मुकुट है जो एक पौधे या पेड़ से एकत्र किया गया है। यह मुकुट प्रतियोगिता जीतने वाले खिलाड़ी को उनकी जीत के प्रतीक के रूप में दी जाती थी। चौंकि मुकुट पत्तियों से बना होता था, यह मुझनिवाले होते थे। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो,

तो आप मुझनिवाले मुकुट के पीछे के विचार को एक ऐसे शब्द या वाक्यांश का उपयोग करके व्यक्त कर सकते हैं जो विजयी खिलाड़ी को मिलने वाली चीजों को सन्दर्भित करता हो, साथ ही इस बात पर भी जोर देता हो कि यह इनाम मुझनिवाले हो। वैकल्पिक अनुवाद: "एक टूटने वाला पदक" देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

## 1 कुरिन्थियों 9:25 (#5)

"हम ... , जो मुझने का नहीं"

यहाँ पौलुस कुछ शब्दों को छोड़ देते हैं जिन्हें आपकी भाषा में एक पूर्ण वाक्य बनाने के लिए आवश्यक हो सकता है। यदि आपकी भाषा को इन शब्दों की आवश्यकता है, तो आप उन्हें वचन के पहले वाक्य से ले सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "हम यह इसलिए करते हैं कि हमें एक न मुझनिवाले मुकुट मिले"

देखें: पदलोप

## 1 कुरिन्थियों 9:25 (#1)

""

पत्तियों से जुड़कर बना हुआ एक गुच्छा पुष्टांजलि है। पुष्टांजलि उन खिलाड़ियों को पुरस्कार के रूप में दिया जाता था जिन्होंने खेल और दौड़ जीती हो। पौलुस अनन्त जीवन की बात करता है जैसे कि यह एक पुष्टांजलि थी जो कभी सूखेगी नहीं।

देखें: रूपक

## 1 कुरिन्थियों 9:26 (#1)

""

"यहाँ ""दौड़ना"" और ""मुक्केबाजी"" मसीही जीवन जीने और परमेश्वर की सेवा करने के लिए दोनों रूपक हैं। इसे सकारात्मक रूप में कहा जा सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: ""मैं बहुत अच्छी तरह से जानता हूं कि मैं क्यों दौड़ रहा हूं, और मुझे पता है कि मैं मुक्केबाजी क्यों कर रहा हूं""

देखें: रूपक

## 1 कुरिन्थियों 9:26 (#2)

"इसी रीति ... , बेठिकाने नहीं;" - "इसी रीति ... , नहीं जो हवा पीटता हुआ"

इस वचन के दोनों भागों में पौलुस यह बताते हैं कि वह **इसी रीति** शब्द के साथ "दौड़ता" या "लड़ता" है, और फिर वह अधिक स्पष्ट रूप से समझाता है कि वह कैसे "दौड़ता है" या "लड़ता है। यदि आपके पाठकों को यह भ्रमित करने वाला लगे, तो आप पौलुस के "दौड़ता" या "लड़ता" का परिचय अधिक स्वाभाविक रूप से दे सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "न कि बिना उद्देश्य के ... नहीं जो हवा पीटता हुआ" या "जैसे कोई बिना उद्देश्य के नहीं ... जैसे कोई हवा में पीटता नहीं"

देखें: सूचना संरचना

## 1 कुरिन्थियों 9:26 (#3)

"बेठिकाने नहीं"

यहाँ पौलुस एक अलंकार का प्रयोग करते हैं जो एक नकारात्मक शब्द के साथ एक ऐसे शब्द का प्रयोग करके एक मजबूत सकारात्मक अर्थ व्यक्त करते हैं जिसका अर्थ इच्छित अर्थ के विपरीत है। यदि आपकी भाषा में यह भ्रमित करने वाला है, तो आप अर्थ को सकारात्मक रूप से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "उद्देश्य के साथ"

देखें: कठाक्षपूर्ण उक्ति

## 1 कुरिन्थियों 9:26 (#4)

"उसके समान नहीं जो हवा पीटता हुआ"

यहाँ पौलुस एक ऐसे मुक्केबाज़ का उल्लेख करते हैं जो अपने विरोधी से लड़ने के बदले हवा पीटता है। इस तरह का मुक्केबाज सफल नहीं होता। यदि आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप हवा पीटता हुआ को एक ऐसे वाक्यांश के साथ व्यक्त कर सकते हैं जो एक मुक्केबाज का उल्लेख करता है जो प्रायः अपने मुक्कों को चूक जाता है। वैकल्पिक अनुवाद: "न कि ऐसे जैसे मेरे मुक्के चूकते हो"

देखें: मुहावरा

## 1 कुरिन्थियों 9:27 (#1)

"मैं अपनी देह को मारता कूटता"

यहाँ पौलुस ऐसे शब्दों का प्रयोग करते हैं जो 9:26 में दिए गए मुक्के के रूपक को जारी रखते हैं। मैं अपनी देह को मारता कूटता वाक्यांश का अनुवाद "मैं अपने आप को सजा देता हूँ" भी किया जा सकता है। पौलुस का तात्पर्य यह है कि वे अपनी देह पर नियन्त्रण रखते हैं, ठीक जैसे ही जैसे मुक्केबाज अपने किसी विरोधी के चेहरे पर मुक्का मारने पर नियन्त्रण या

शासन करते हैं। उनका तात्पर्य यह नहीं है कि वे अपनी देह को चोट पहुँचाते हैं। चूँकि इस भाषा को अंग्रेजी में गलत समझा जा सकता है, इसलिए यूएलटी (अनफोल्डिंगवर्ड लिटरल ट्रान्सलेशन) ने इस विचार को सीधे व्यक्त किया है। आप भी इस विचार को सीधे व्यक्त कर सकते हैं, या आप एक तुलनीय रूपक का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मैं अपनी देह पर शासन करता हूँ" या "मैं अपनी देह पर नियन्त्रण लाता हूँ"

देखें: रूपक

## 1 कुरिन्थियों 9:27 (#2)

"अपनी देह ... , और वश में लाता हूँ"

यहाँ पौलुस अपने आप को सम्पूर्ण रूप में सन्दर्भित करने के लिये अपनी देह का उपयोग कर रहे हैं। उनका अर्थ यह नहीं है कि उनका गैर-शारीरिक भाग उनके शारीरिक भाग को "मारता कूटता" और "वश" लाता है। बल्कि उनका अर्थ यह है कि वे स्वयं को "मारता कूटता" और "वश" में करते हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अपनी देह के पीछे के विचार को व्यक्त करने के लिये अपनी भाषा में स्वयं को सन्दर्भित करने का एक स्वाभाविक तरीका उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "स्वयं को और स्वयं को वश में लाता हूँ"

देखें: उपलक्षण

## 1 कुरिन्थियों 9:27 (#3)

"वश में लाता हूँ"

यहाँ पौलुस ऐसे बोलते हैं जैसे वह अपनी देह को "वश" में कर रहे हों। वे इस प्रकार बोलते हैं ताकि यह फिर से जोर देकर बता सकें कि वे स्वयं पर पूरा नियन्त्रण और शासन करते हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप वश में लाता हूँ को एक तुलनीय रूपक के साथ व्यक्त कर सकते हैं या विचार को सीधे व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "नियन्त्रित करता हूँ" या "शासित करता हूँ"

देखें: रूपक

## 1 कुरिन्थियों 9:27 (#4)

"ऐसा न हो कि औरों को प्रचार करके"

यहाँ औरों को प्रचार करके से यह पहचान सकते हैं: (1) एक विरोधाभास कि कैसे वह निकम्मा ठहर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "कहीं ऐसा न हो कि, हालाँकि मैंने दूसरों

को प्रचार किया है" (2) पौलुस ने **निकम्मा** ठहरे जाने से पहले क्या किया था। वैकल्पिक अनुवाद: "कहीं ऐसा न हो कि, दूसरों को प्रचार करने के बाद"

देखें: जोड़ें — विरोधाभास सम्बन्ध

## 1 कुरिन्थियों 9:27 (#1)

"न हो कि" - "मैं आप ही किसी रीति से निकम्मा ठहरूँ"

"इस कर्मवाच्य वाक्य को एक सक्रिय रूप में दोहराया जा सकता है। दौड़ या प्रतियोगिता का न्यायाधीश परमेश्वर का एक रूपक है। वैकल्पिक अनुवाद: ""न्यायाधीश मुझे अयोग्य नहीं ठहराएगा"" या ""परमेश्वर यह नहीं कहेंगे कि मैं नियमों का पालन करने में विफल रहा हूँ""

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

## 1 कुरिन्थियों 9:27 (#6)

"मैं आप ही किसी रीति से निकम्मा ठहरूँ"

गूल भाषा में यह वाक्य निष्क्रिय रूप में लिखा गया है, जबकि हिन्दी बाइबल में इस वाक्य को सक्रिय रूप में लिखा गया है। यदि आपकी भाषा इस प्रकार से निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं करती है, तो आप इस विचार को सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य तरीके से जो स्वाभाविक हो, व्यक्त कर सकते हैं। पौलुस यहाँ निष्क्रिय रूप का उपयोग स्वयं पर ध्यान केन्द्रित करने के लिये करते हैं, जो **निकम्मा** ठहराया जा सकता है, न कि उस व्यक्ति पर जो "निकम्मा ठहराने" का कार्य करते हैं। यदि आपको यह बताना आवश्यक है कि यह क्रिया कौन करेंगे, तो पौलुस अप्रत्यक्ष रूप से संकेत देते हैं कि "परमेश्वर" इसे करेंगे। वैकल्पिक अनुवाद: "परमेश्वर मुझे भी निकम्मा ठहरा सकते हैं"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

## 1 कुरिन्थियों 9:27 (#7)

"मैं आप ही किसी रीति से ... ठहरूँ"

यहाँ आप, मैं पर ध्यान केन्द्रित करता है। यदि आपकी भाषा में **आप** से पुत्र पर ध्यान आकर्षित नहीं होता, तो आप सावधानी या ध्यान किसी और तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मैं भी हो सकता हूँ" या "मैं सचमुच में हो सकता हूँ"

देखें: निजवाचक सर्वनाम

## 1 कुरिन्थियों 10:1 (#1)

"(क्योंकि) हे भाइयों, मैं नहीं चाहता"

मूल भाषा में यहाँ "क्योंकि" शब्द का प्रयोग किया गया है, जो किसी शब्दों या वाक्यांशों को जोड़ने का काम करता है। जबकि हिन्दी बाइबल में यहाँ इस शब्द को छोड़ दिया गया है। यहाँ **क्योंकि** यह परिचय देता है कि पौलुस इसाएलियों के विषय में [10:1-5](#) में जो कहते हैं। इन वचन में पौलुस जो कहते हैं, वह पिछले वचन [9:27](#) में कहीं गई बात की व्याख्या करते हैं कि उन्हें और अन्य विश्वासियों को "निकम्मा" न ठहरने के लिये परिश्रम करना चाहिए। जिन इसाएलियों को परमेश्वर ने मिस से बाहर निकाला था, वे "निकम्मे" ठहराए गए, और विश्वासियों को उनके जैसा नहीं होना चाहिए। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप **क्योंकि** को एक ऐसा शब्द या वाक्यांश के साथ व्यक्त कर सकते हैं जो एक उदाहरण या समर्थन प्रस्तुत करता है। वैकल्पिक अनुवाद: "यहाँ एक उदाहरण हैः"

देखें: जोड़ें — कारण-और-परिणाम सम्बन्ध

## 1 कुरिन्थियों 10:1 (#2)

"मैं नहीं चाहता, कि तुम इस बात से अज्ञात रहो"

यहाँ पौलुस एक अलंकार का उपयोग करते हैं जो एक नकारात्मक शब्द के साथ एक ऐसे शब्द का प्रयोग करके एक मजबूत सकारात्मक अर्थ व्यक्त करता है जिसका अर्थ इच्छित अर्थ के विपरीत है। यदि आपकी भाषा में यह भ्रमित करने वाला है, तो आप अर्थ को सकारात्मक रूप से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मैं चाहता हूँ कि आप जानें"

देखें: कटाक्षपूर्ण उक्ति

## 1 कुरिन्थियों 10:1 (#3)

"भाइयों," - "पूर्वज"

यद्यपि **भाइयों** और **पूर्वज** शब्द पुलिंग हैं, पौलुस उनका उपयोग पुरुषों और स्त्रियों दोनों के लिये कर रहे हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप **भाइयों** और **पूर्वज** को लिंग-निरपेक्ष आधारित शब्दों के साथ व्यक्त कर सकते हैं या दोनों लिंगों का उल्लेख कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "भाइयों और बहनों ... माताओं और पिताओं"

देखें: जब पुलिंग शब्दों में स्त्रियाँ भी सम्मिलित होती हैं

## 1 कुरिन्थियों 10:1 (#4)

"हमारे सब पूर्वज"

यहाँ हमारे सब पूर्वज से तात्पर्य उन इस्साएलियों से है जो मिस में दास थे और जिन्हें परमेश्वर ने छुड़ाया था। सभी कुरिन्थियों का वंश इन इस्साएलियों से नहीं था। फिर भी, पौलुस इस्साएलियों को उनके पूर्वज के रूप में सन्दर्भित कर सकते हैं क्योंकि उनका मानना है कि सभी मसीही अब्राहम के परिवार में शामिल हो गए हैं, जो इस्साएलियों के पूर्वज हैं। अपने अनुवाद में पारिवारिक सम्बन्ध की भाषा को बनाए रखें। वैकल्पिक अनुवाद: "हमारे पुरखाओं"

देखें: कुटुम्बी

## 1 कुरिन्थियों 10:1 (#3)

"समुद्र के बीच से पार हो गए"

यह समुद्र दो नामों, लाल सागर और नरकट का सागर से जाना जाता है।

## 1 कुरिन्थियों 10:1 (#6)

"के बीच से पार हो गए"

यहाँ पौलुस इस विषय में बात कर रहे हैं कि कैसे परमेश्वर ने एक समुद्र को विभाजित किया और इस्साएली लोग बिना गीले हुए उस समुद्र के बीच से पार हो गए। ऐसे शब्द या वाक्यांश का प्रयोग करें जो किसी स्थान से होकर दूसरी ओर जाने को सन्दर्भित करता हो। वैकल्पिक अनुवाद: "से होकर आए"

देखें: जाएँ और आएँ

## 1 कुरिन्थियों 10:2 (#1)

"सब ने ... मूसा का बपतिस्मा लिया"

मूल भाषा में यह वाक्य निष्क्रिय रूप में लिखा गया है जबकि हिन्दी बाइबल में यह वाक्य सक्रिय रूप में लिखा गया है। यदि आपकी भाषा में निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं होता है, तो आप इस विचार को सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य तरीके से जो स्वाभाविक हो, व्यक्त कर सकते हैं। पौलुस

यहाँ निष्क्रिय रूप का उपयोग करते हैं ताकि वह बपतिस्मा लेने वालों पर ध्यान केन्द्रित करे, न कि उस व्यक्ति पर जो "बपतिस्मा देता" है। यदि आपको यह बताना आवश्यक है कि क्रिया कौन करता है, तो पौलुस यह संकेत देते हैं कि "परमेश्वर" या कोई अज्ञात व्यक्ति इसे करता है। वैकल्पिक अनुवाद: "वे सब मूसा में बपतिस्मा दिए गए (निष्क्रिय)" या "परमेश्वर ने सब को मूसा में बपतिस्मा दिया"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

## 1 कुरिन्थियों 10:2 (#1)

"सब ने" - "मूसा का बपतिस्मा लिया"

सभी ने पालन किया और मूसा के प्रति प्रतिबद्ध थे

## 1 कुरिन्थियों 10:2 (#3)

"सब ने ... , मूसा का बपतिस्मा लिया"

यहाँ पौलुस ऐसे बोलते हैं जैसे इस्साएलियों ने बपतिस्मा लिया हो, ठीक वैसे ही जैसे यीशु में विश्वासियों ने बपतिस्मा लिया हो। इससे उनका यह अर्थ नहीं है कि इस्साएलियों का कोई अलग उद्धारकर्ता था, जैसे मूसा। बल्कि, वह इस्साएलियों और कुरिन्थियों को जोड़ना चाहते हैं, और ऐसा करने का एक तरीका उनके अगुए (मूसा और यीशु) को जोड़ना है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप मूसा का बपतिस्मा लिया के पीछे के विचार को एक उपमा का उपयोग करके या यह संकेत देकर व्यक्त कर सकते हैं कि पौलुस बोल रहे हैं। चूँकि पौलुस का उद्देश्य इस वचन में विचारों को "यीशु में बपतिस्मा" से जोड़ना है, इसलिए यहाँ रूपक को बनाए रखें। वैकल्पिक अनुवाद: "वे सब, यूँ कहें तो, मूसा में बपतिस्मा दिए गए"

देखें: रूपक

## 1 कुरिन्थियों 10:2 (#2)

"बादल में"

उस बादल ने जो परमेश्वर की उपस्थिति को दर्शाया और दिन के समय इस्साएलियों का नेतृत्व किया

## 1 कुरिन्थियों 10:3 (#1)

"सब ने एक ही आत्मिक भोजन किया"

इस वचन में, पौलुस यह बताते हैं कि कैसे परमेश्वर ने इस्साएलियों को जंगल से यात्रा करते समय आत्मिक भोजन

प्रधान किया था। इस भोजन को "मन्त्रा" कहा जाता था। कहानी के लिये [निर्गमन 16](#) देखें। जबकि पौलुस इसे स्पष्ट रूप से नहीं कहते, पर यह स्पष्ट है कि वे "मन्त्रा" की तुलना प्रभु भोज में रोटी से कर रहे हैं, जैसे उन्होंने पिछले दो वचन में लाल समुद्र से पार होने की तुलना बपतिस्मा से की थी। यदि आपके पाठक इस कहानी से परिचित नहीं हैं, तो आप एक पाद टिप्पणी जोड़ सकते हैं जो कहानी का सन्दर्भ देता है या सारांश प्रस्तुत करता है।

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

## 1 कुरिन्थियों 10:3 (#2)

### "आत्मिक"

यहाँ **आत्मिक** संकेत कर सकता है: (1) कि पौलुस यह संकेत कर रहे हैं कि **भोजन** की तुलना प्रभु भोज में रोटी से की जानी चाहिए, जो भी "**आत्मिक**" है। वैकल्पिक अनुवाद: "ईश्वरीय" (2) कि वह **भोजन** परमेश्वर की ओर से अलौकिक रीति से आया था। वैकल्पिक अनुवाद: "अलौकिक"

देखें: अज्ञातों का अनुवाद करें

## 1 कुरिन्थियों 10:4 (#1)

""

उसी पानी को पी लिया जो परमेश्वर ने स्वाभाविक रूप से चट्टान से निकाला ... अलौकिक चट्टान

## 1 कुरिन्थियों 10:4 (#2)

### "आत्मिक"

यहाँ **आत्मिक** संकेत कर सकता है: (1) कि पौलुस यह संकेत दे रहे हैं कि जल की तुलना प्रभु भोज में दाखरस से की जानी चाहिए, जो **आत्मिक** भी है। वैकल्पिक अनुवाद: "ईश्वरीय" (2) कि वह जल परमेश्वर की ओर से अलौकिक रीति से आया था। वैकल्पिक अनुवाद: "अलौकिक"

देखें: अज्ञातों का अनुवाद करें

## 1 कुरिन्थियों 10:4 (#3)

### "आत्मिक"

यहाँ **आत्मिक** संकेत कर सकता है: (1) कि पौलुस पहले से संकेत दे रहे हैं कि उस **चट्टान** को केवल एक साधारण चट्टान

के रूप में नहीं, बल्कि **मसीह** के रूप में समझा जाना चाहिए (जैसा कि वह वचन के अन्त में करते हैं)। वैकल्पिक अनुवाद: "ईश्वरीय" (2) कि परमेश्वर ने **चट्टान** का उपयोग एक अलौकिक तरीके से किया। वैकल्पिक अनुवाद: "अलौकिक" देखें: अज्ञातों का अनुवाद करें

## 1 कुरिन्थियों 10:4 (#4)

### "चट्टान ... जो उनके साथ-साथ चलती थी"

कुछ प्रारम्भिक यहूदी विद्वानों ने पानी के चट्टान से आने की दो कहानियों का उपयोग यह तर्क करने के लिये किया कि दोनों कहानियों में एक ही चट्टान थी। इसका अर्थ है कि चट्टान इसाएलियों का **साथ-साथ चलती थी** जब वे जंगल में यात्रा कर रहे थे। पौलुस यहाँ इस व्याख्या का उल्लेख करते प्रतीत होते हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, **उनके साथ-साथ चलती थी** का अनुवाद करके एक पाद टिप्पणी जोड़ सकते हैं जो स्पष्ट करे कि पौलुस इस प्रकार क्यों बोल रहे हैं।

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

## 1 कुरिन्थियों 10:4 (#2)

### "और वह चट्टान मसीह था"

""चट्टान"" एक शाब्दिक, भौतिक चट्टान थी, इसलिए इसे शाब्दिक रूप से अनुवाद करना सबसे अच्छा होगा। यदि तुम्हारी भाषा में यह नहीं कहा जा ""सकता"" कि एक चट्टान व्यक्ति का नाम था, तो ""चट्टान"" शब्द को मसीह की शक्ति के रूप में उपयोग करें। जिसने चट्टान के द्वारा काम किया वैकल्पिक अनुवाद: ""यह मसीह था जो उस चट्टान के माध्यम से काम करता था""

देखें: प्रतियास

## 1 कुरिन्थियों 10:5 (#1)

"नाराज या ""गुस्से में""

देखें: अल्पोक्ति

## 1 कुरिन्थियों 10:5 (#2)

इस्साएली पिता

### 1 कुरिन्थियों 10:5 (#3)

"प्रसन्न ना था"

परमेश्वर ने उनके मृत शरीर को चारों ओर बिखराया या ""परमेश्वर ने उन्हें मार डाला और उनके शरीर बिखरे""

### 1 कुरिन्थियों 10:5 (#4)

"वे ... में ढेर हो गए"

पौलुस बहुत से इस्साएलियों की मृत्यु को "ढेर हो गए" कहकर सन्दर्भित कर रहे हैं। यह कुछ अप्रिय बात को व्यक्त करने का एक विनम्र तरीका है, जबकि यह विचार भी व्यक्त करता है कि उनकी मृत्यु कई अलग-अलग स्थानों पर हुई थी। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप वे ... ढेर हो गए के लिये मृत्यु को दर्शने वाला कोई और विनम्र तरीका प्रयोग कर सकते हैं या इसे सीधे व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "वे विभिन्न स्थानों में मर गए"

देखें: मंगल भाषण

### 1 कुरिन्थियों 10:5 (#4)

"से" - "वे जंगल"

मिस्र और इस्साएल के बीच रेगिस्तान भूमि जिसमें इस्साएली 40 साल तक धूमते रहे

### 1 कुरिन्थियों 10:6 (#1)

"ये बातें"

यहाँ ये बातें [10:1-5](#) में इस्साएलियों के विषय में पौलुस द्वारा कही गई बातों को सन्दर्भित करती हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप ये बातें का अनुवाद कर सकते हैं ताकि यह स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकें कि यह किसकी ओर संकेत करता है। वैकल्पिक अनुवाद: "जो कुछ उनके साथ हुआ"

देखें: सर्वनाम — उनका उपयोग कब करें

### 1 कुरिन्थियों 10:6 (#2)

"दृष्टान्त ठहरीं"

यहाँ पौलुस कहते हैं कि जो बातें इसाएलियों के साथ हुई, वे दृष्टान्त ठहर गईं। इसका अर्थ यह है कि जो हुआ उसकी व्याख्या दृष्टान्त के रूप में समझा जा सकता है या जो दृष्टान्त के रूप में हुआ। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप ठहरीं का अनुवाद इस प्रकार कर सकते हैं कि ये बातें, दृष्टान्त के रूप में समझा जाना चाहिए। वैकल्पिक अनुवाद: "समझा जा सकता है" या "उदाहरण के रूप में हुआ"

देखें: मुहावरा

### 1 कुरिन्थियों 10:6 (#3)

"वैसे हम ... लालच न करें"

वैकल्पिक अनुवाद: "हम लालच नहीं करेंगे"

### 1 कुरिन्थियों 10:6 (#4)

"लालच किया"

यहाँ पौलुस कुछ शब्दों को छोड़ देते हैं जो आपकी भाषा में एक पूर्ण वाक्य बनाने के लिये आवश्यक हो सकते हैं। यदि आपकी भाषा को इन शब्दों की आवश्यकता है, तो आप इन्हें वचन के दूसरे भाग से ले सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "बुरी वस्तुओं का लालच किया"

देखें: पदलोप

### 1 कुरिन्थियों 10:7 (#1)

"जैसा लिखा है"

पौलुस की संस्कृति में, जैसा लिखा है एक महत्वपूर्ण शास्त्र भाग से उद्धरण प्रस्तुत करने का सामान्य तरीका था। इस विषय में, उद्धरण [32:6](#) से आता है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप यह व्यक्त कर सकते हैं कि पौलुस ने उद्धरण का परिचय कैसे तुलनीय वाक्यांश से दिया जो यह संकेत देता है कि पौलुस एक महत्वपूर्ण शास्त्र भाग से उद्धरण दे रहे हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "क्योंकि इसे निर्गमन में पढ़ा जा सकता है" या "क्योंकि निर्गमन की पुस्तक में हम पढ़ते हैं"

देखें: उद्धरण और उद्धरण सीमा

## 1 कुरिन्थियों 10:7 (#2)

"लिखा है"

यदि आपकी भाषा में निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं होता है, तो आप इस विचार को सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य तरीके से जो स्वाभाविक हो, व्यक्त कर सकते हैं। पौलुस यहाँ निष्क्रिय रूप का उपयोग "लिखने" वाले व्यक्ति पर ध्यान केन्द्रित करने के बदले, जो **लिखा है** उस पर ध्यान केन्द्रित करने के लिये करते हैं। यदि आपको यह बताना आवश्यक है कि क्रिया कौन करता है, तो आप इसे इस प्रकार व्यक्त कर सकते हैं: (1) पवित्रशास्त्र या पवित्रशास्त्र के लेखक लिखते या बोलते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मूसा ने लिखा है" (2) परमेश्वर वचन बोलते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "परमेश्वर ने कहा है"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

## 1 कुरिन्थियों 10:7 (#3)

"लिखा है, 'लोग खाने-पीने बैठे, और खेलने-कूदने उठे'

यदि आपकी भाषा इस रूप का उपयोग नहीं करती है, तो आप आज्ञा को प्रत्यक्ष उद्धरण के बदले अप्रत्यक्ष उद्धरण के रूप में अनुवाद कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "यह लिखा है कि लोग खाने-पीने बैठे और और खेलने-कूदने उठे"

देखें: प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष उद्धरण

## 1 कुरिन्थियों 10:7 (#4)

"लोग खाने-पीने बैठे, और खेलने-कूदने उठे।"

यह उद्धरण उस कहानी से लिया गया है जिसमें मूसा परमेश्वर से मिलने पर्वत पर चढ़ गए थे। जब वे चले गए, तब इसाएलियों ने एक मूर्ति बनाई और उसकी आराधना की। यह उद्धरण उस आराधना का वर्णन करता है। पौलुस इस वचन को इसलिए चुनते हैं क्योंकि इसमें विशेष रूप से मूर्तियों को अर्पित भोजन और व्यभिचार (**खेलने-कूदने**, अगली टिप्पणी देखें) का उल्लेख करता है, जो विषय उन्होंने चर्चा की है और फिर से चर्चा करेंगे। यदि आपके पाठक इस कहानी से परिचित नहीं हैं, तो आप एक पाद टिप्पणी जोड़ सकते हैं जो कहानी का सन्दर्भ देता है या सारांश प्रस्तुत करता है।

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

## 1 कुरिन्थियों 10:7 (#3)

""

पौलुस यहाँ ग्रंथों को दोहरा रहा है। उसके पाठक इस शब्द से समझ गए होंगे कि लोग गायन और नृत्य और यौन गतिविधियों में सम्मिलित होकर मूर्तिपूजा कर रहे थे, न कि सरल आनंद मना रहे थे।

देखें: शिष्टता

## 1 कुरिन्थियों 10:8 (#1)

"हम व्यभिचार करें" - "उनमें से कितनों ने किया"

यदि आपकी भाषा में **व्यभिचार** के विचार के लिये कोई भाववाचक संज्ञा नहीं है, तो आप इस विचार को "अनैतिक" जैसे विशेषण का उपयोग करके व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "हम अनैतिक रीति से शारीरिक सम्बंध बनाए ... उनमें से कितनों ने अनैतिक रीति से शारीरिक सम्बंध बनाए" या "हम यौन अनैतिक व्यवहार करें ... उन्होंने यौन अनैतिक व्यवहार किया"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

## 1 कुरिन्थियों 10:8 (#2)

"उनमें से कितनों ने किया और एक दिन में तेईस हजार मर गये"

यहाँ पौलुस [गिनती 25:1-9](#) में पाई जाने वाली एक कहानी का उल्लेख करते हैं। इस कहानी में, कई इसाएली "बालपोर" नामक देवता की पूजा करने लगे। इस देवता की पूजा करते समय, उन्होंने **व्यभिचार** भी किया। परमेश्वर ने तेईस हजार इसाएलियों को मारकर उन्हें दण्डित किया। यदि आपके पाठक इस कहानी से परिचित नहीं हैं, तो आप एक पाद टिप्पणी जोड़ सकते हैं जो इस कहानी का सन्दर्भ देता है या उसका सारांश बताता है।

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

## 1 कुरिन्थियों 10:8 (#3)

"और"

यहाँ **और** उस परिणाम को प्रस्तुत करता है जो इसाएलियों के **व्यभिचार** करने से हुआ। यदि आपकी भाषा में परिणाम प्रस्तुत करने के लिये **और** का उपयोग नहीं होता है, तो आप एक ऐसा शब्द या वाक्यांश उपयोग कर सकते हैं जो अधिक

स्वाभाविक हो। वैकल्पिक अनुवाद: "और परिणामस्वरूप," या "जिसका परिणाम यह हुआ कि"  
देखें: जोड़ें — कारण-और-परिणाम सम्बन्ध

## 1 कुरिन्थियों 10:8 (#1)

""

परमेश्वर ने एक दिन में 23,000 लोगों की हत्या कर दी

## 1 कुरिन्थियों 10:8 (#5)

"मर गये (गिरे)"

मूल भाषा में "गिरे" शब्द का प्रयोग किया गया है, जो एक भाषा में विनम्रता को दर्शाता है। जबकि हिन्दी बाइबल में यहाँ सीधे "मर गए" वाक्यांश का उपयोग किया गया है। पौलुस कई इस्साएलियों की मृत्यु को "गिरे" के रूप में सन्दर्भित कर रहे हैं। यह कुछ अप्रिय बात को सन्दर्भित करने का एक विनम्र तरीका है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप गिरे को मृत्यु का सन्दर्भ देने के लिये किसी अन्य विनम्र तरीके से व्यक्त कर सकते हैं या आप इस विचार को सीधे व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "वे स्वर्गवासी हो गए" या "मृत होकर गिर पड़े"

देखें: मंगल भाषण

## 1 कुरिन्थियों 10:8 (#6)

"एक दिन में"

यहाँ एक दिन उस समय अवधि को सन्दर्भित करता है जिसमें सूरज आकाश में दिखाई देता है। अपनी भाषा में उस समय अवधि को सन्दर्भित करने वाले एक शब्द या वाक्यांश का उपयोग करें। वैकल्पिक अनुवाद: "एक ही दिन में" या "एक दिन के दौरान"

देखें: संख्याएँ

## 1 कुरिन्थियों 10:9 (#1)

"प्रभु"

कई प्राचीन हस्तलिपियों में यहाँ प्रभु है, लेकिन कई अन्य प्राचीन हस्तलिपियों में "मसीह" है। यह विचार करें कि जिन अनुवादों से आपके पाठक परिचित हो सकते हैं, वे "मसीह"

का प्रयोग करते हैं या प्रभु का। यदि किसी एक विकल्प को चुनने का कोई ठोस कारण न हो, तो आप यूएलटी (अनफोल्डिंगवर्ड लिटरल ट्रान्सलेशन) का अनुसरण कर सकते हैं।

देखें: पाठ्य भिन्नताएँ

## 1 कुरिन्थियों 10:9 (#2)

"जैसा उनमें से कितनों ने किया, और साँपों के द्वारा नाश किए गए"

यहाँ पौलुस [गिनती 21:5-6](#) में पाई जाने वाली एक कहानी का उल्लेख करते हैं। इस कहानी में, कई इस्साएलियों ने अपने अगुओं और परमेश्वर के "विरुद्ध बात करने लगे" या चुनौती दी। इसके जवाब में, परमेश्वर ने साँपों को भेजा जिसने इस्साएलियों को डँस लिया, और कई लोग मारे गए। यदि आपके पाठक इस कहानी से परिचित नहीं हैं, तो आप एक पाद टिप्पणी जोड़ सकते हैं जो कहानी का सन्दर्भ देता है या सारांश प्रस्तुत करता है।

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

## 1 कुरिन्थियों 10:9 (#3)

"और"

यहाँ और इस्साएलियों द्वारा प्रभु को परखें जाने का परिणाम प्रस्तुत करता है। यदि आपकी भाषा में परिणाम प्रस्तुत करने के लिये और का उपयोग नहीं होता है, तो आप एक ऐसा शब्द या वाक्यांश उपयोग कर सकते हैं जो अधिक स्वाभाविक हो। वैकल्पिक अनुवाद: "और परिणामस्वरूप" या "जिसका परिणाम यह हुआ कि उन्हें"

देखें: जोड़ें — कारण-और-परिणाम सम्बन्ध

## 1 कुरिन्थियों 10:9 (#1)

""

"इसे सक्रिय रूप में कहा जा सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: ""किया। फलस्वरूप, साँपों ने उन्हें नष्ट कर दिया""

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

## 1 कुरिन्थियों 10:10 (#1)

"उनमें से कितने कुड़कुड़ाए, और नाश करनेवाले के द्वारा नाश किए गए"

यहाँ पौलुस [गिनती 16:41-50](#) में पाई जाने वाली एक कहानी का उल्लेख करते हैं और सम्भवतः [गिनती 14:1-38](#) में पाई जाने वाली एक कहानी का भी उल्लेख करते हैं। इन दोनों कहानियों में इसाएलियों ने अपने अगुआ और स्वयं परमेश्वर की अगुआई के विरुद्ध **कुड़कुड़ाए** या शिकायत की। इसके उत्तर में, परमेश्वर एक मरी भेजते हैं या उन इसाएलियों का नाश डालते हैं जिन्होंने **कुड़कुड़ाया** था। यदि आपके पाठक इन कहानियों से परिचित नहीं हैं, तो आप एक पाद टिप्पणी जोड़ सकते हैं जो इन कहानियों का सन्दर्भ देता है या सारांश प्रस्तुत करता है। गिनती 16:41-50

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

## 1 कुरिन्थियों 10:10 (#2)

"और"

यहाँ और इसाएलियों के "कुड़कुड़ाने" के परिणाम को प्रस्तुत करता है। यदि आपकी भाषा में परिणाम प्रस्तुत करने के लिये और का उपयोग नहीं होता है, तो आप एक ऐसा शब्द या वाक्यांश उपयोग कर सकते हैं जो अधिक स्वाभाविक हो। वैकल्पिक अनुवाद: "जिसके परिणामस्वरूप" या "जिसका परिणाम यह हुआ कि वे"

देखें: जोड़ें — कारण-और-परिणाम सम्बन्ध

## 1 कुरिन्थियों 10:10 (#2)

""

"इसे सक्रिय रूप में कहा जा सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: ""किया। फलस्वरूप, मृत्यु के एक दूत ने उन्हें नष्ट कर दिया

""

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

## 1 कुरिन्थियों 10:10 (#4)

"नाश करनेवाले"

यहाँ नाश करनेवाले उस स्वर्गदूत को दर्शाता है जिसे परमेश्वर "नाश" करने के लिए भेजते हैं। कभी-कभी, इस स्वर्गदूत को "नाश करनेवाले" भी कहा जाता है। जिन कहानियों का पौलुस उल्लेख करते हैं, वे स्पष्ट रूप से नाश

करनेवाले का उल्लेख नहीं करतीं, लेकिन पौलुस समझते हैं कि नाश करनेवाले वह हैं जो मरी लाकर और इसाएलियों को मारकर परमेश्वर के न्याय को कार्यान्वित करता है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप नाश करनेवाले को एक शब्द या वाक्यांश के साथ व्यक्त कर सकते हैं जो एक आत्मिक प्राणी को सन्दर्भित करता हो जो "नाश" करता है। परन्तु यह आत्मिक प्राणी वह होना चाहिए जिसे परमेश्वर भेज सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मृत्यु का स्वर्गदूत" या "नाश करनेवाला स्वर्गदूत"

देखें: अज्ञातों का अनुवाद करें

## 1 कुरिन्थियों 10:11 (#1)

"ये सब बातें, जो उन पर पड़ी"

परमेश्वर ने हमारे पूर्वजों को दंडित किया

## 1 कुरिन्थियों 10:11 (#2)

"दृष्टान्त की रीति पर थीं"

जैसे [10:6](#) में, यहाँ दृष्टान्त यह दर्शाता है कि कैसे इसाएलियों की कहानियाँ उन विश्वासियों के लिये दृष्टान्त या "चित्रण" के रूप में कार्य करती हैं जो उन कहानियों को सुनते या पढ़ते हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप दृष्टान्त को एक तुलनीय शब्द या वाक्यांश के साथ व्यक्त कर सकते हैं और [10:6](#) में "दृष्टान्त" का अनुवाद कैसे किया गया है, इसकी तुलना कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "नमूना के रूप में" या "आदर्शों के रूप में"

देखें: अज्ञातों का अनुवाद करें

## 1 कुरिन्थियों 10:11 (#3)

और (परन्तु)"

मूल भाषा में यहाँ "परन्तु" शब्द का प्रयोग किया गया है, जो शब्दों या वाक्यांशों को जोड़ने का कार्य करता है। जबकि हिन्दी बाइबल में यहाँ "और" शब्द का उपयोग किया गया है। यहाँ परन्तु आगे के विकास का परिचय देता है। यह पिछले खण्ड के साथ विरोध नहीं करता है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप परन्तु के पीछे के विचार को व्यक्त करने के लिये एक शब्द या वाक्यांश का उपयोग कर सकते हैं जो आगे के विकास का परिचय देता है। वैकल्पिक अनुवाद: "और" या "और फिर"

देखें: शब्दों और वाक्यांशों को जोड़ना

**1 कुरिन्थियों 10:11 (#4)****"वे ... लिखी गई हैं"**

यदि आपकी भाषा में निष्क्रिय रूप का उपयोग इस प्रकार नहीं होता है, तो आप इस विचार को सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य तरीके से जो स्वाभाविक हो, व्यक्त कर सकते हैं। यहाँ पौलुस निष्क्रिय रूप का प्रयोग इस बात पर ध्यान केन्द्रित करने के लिये करते हैं कि क्या **लिखी गई** हैं, न कि उस व्यक्ति पर जो "लिख रहा" है। यदि आपको यह बताना आवश्यक है कि यह कार्य किसने किया, तो पौलुस यह संकेत देते हैं कि "मूसा" या "किसी और" ने इसे किया। वैकल्पिक अनुवाद: "एक व्यक्ति ने उसे लिखा" या "मूसा ने उसे लिखा"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

**1 कुरिन्थियों 10:11 (#5)****"हमारी चेतावनी के लिये"**

यदि आपकी भाषा में **चेतावनी** के पीछे के विचार के लिये एक भाववाचक संज्ञा का उपयोग नहीं होता है, तो आप इस विचार को व्यक्त करने के लिये "चेतावनी देना" जैसी क्रिया का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "हमें चेतावनी देने के लिये"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

**1 कुरिन्थियों 10:11 (#2)**

""

**"यहाँ ""हम"" सभी विश्वासियों को सम्बोधित करता है।**

देखें:

**1 कुरिन्थियों 10:11 (#3)****"जगत के अन्तिम समय में"**

अंतिम दिन

**1 कुरिन्थियों 10:12 (#1)**

""

पाप नहीं किया अथवा परमेश्वर को नकारा

**1 कुरिन्थियों 10:12 (#2)****"वह चौकस रहे"**

यहाँ पौलुस तृतीय-पुरुष अनिवार्यता का उपयोग करते हैं। यदि आपकी भाषा में तृतीय-पुरुष अनिवार्यताएँ हैं, तो आप यहाँ उसका उपयोग कर सकते हैं। यदि आपके पास तृतीय-पुरुष अनिवार्यताएँ नहीं हैं, तो आप इस विचार को "चाहिए" या "जरूरत है" जैसे शब्दों का उपयोग करके व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "उन्हें सावधान रहने की जरूरत है, कि"

देखें: तृतीय-पुरुष अनिवार्यताएँ

**1 कुरिन्थियों 10:12 (#3)****"मैं स्थिर हूँ," वह चौकस रहे, कि कहीं गिर न पड़े"**

यद्यपि मैं और वह पुलिंग हैं, पौलुस इनका उपयोग किसी भी व्यक्ति के लिये कर रहे हैं, चाहे वह पुरुष हो या स्त्री। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप मैं और वह को लिंग-निर्पेक्ष वाले शब्दों के साथ व्यक्त कर सकते हैं या दोनों लिंगों का उल्लेख कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "वह जो खड़ा या खड़ी है, वह सावधान रहे कि कहीं वह न गिर जाए"

देखें: जब पुलिंग शब्दों में स्त्रियाँ भी सम्मिलित होती हैं

**1 कुरिन्थियों 10:13 (#1)**

""

"इसे सकारात्मक के रूप में कहा जा सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: ""जो प्रलोभन तुमको प्रभावित करते हैं वे प्रलोभन हैं जो सभी लोग अनुभव करते हैं""

देखें: दोहरे नकारात्मक

**1 कुरिन्थियों 10:13 (#2)****"के" - "वह तुम्हें सामर्थ्य से" - "परीक्षा में न पड़ने देगा"**

वह तुमको केवल इस तरीके से परीक्षा की अनुमति देगा कि तुम विरोध करने के लिए पर्याप्त मजबूत हो

**1 कुरिन्थियों 10:13 (#3)****"ऐसी परीक्षा में नहीं" - "परीक्षा के साथ"**

यदि आपकी भाषा में परीक्षा के पीछे के विचार के लिये कोई भाववाचक संज्ञा नहीं होती है, तो आप इस विचार को व्यक्त करने के लिए "परीक्षा की" जैसी क्रिया का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "ऐसी कोई बात नहीं जिसने आपकी परीक्षा की ... उस बात के साथ जो आपकी परीक्षा की"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

### 1 कुरिन्थियों 10:13 (#4)

"जो मनुष्य के सहने के बाहर है"

जो बात मनुष्य के सहने के बाहर है वह कुछ ऐसा है जिसे कई लोग अनुभव करते हैं, और जो केवल एक या दो व्यक्तियों के लिये विशेष नहीं होती। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप जो मनुष्य के सहने के बाहर है को एक तुलनीय वाक्यांश के साथ व्यक्त कर सकते हैं या विचार को सीधे व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जो मनुष्यों के लिये सामान्य है" या "जो अन्य लोग अनुभव करते हैं"

देखें: मुहावरा

### 1 कुरिन्थियों 10:13 (#3)

"नहीं" - "तुम्हें" - "परीक्षा में" - "पड़ने देगा"

"इसे सक्रिय रूप में कहा जा सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: ""तुम्हें परीक्षा में डालने की अनुमति किसी को भी नहीं देगा"""

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

### 1 कुरिन्थियों 10:13 (#6)

"तुम्हें सामर्थ्य से बाहर"

यहाँ पौलस इस प्रकार बात करते हैं जैसे कोई परीक्षा ऐसी हो सकती है जो कुरिन्थियों की सहने की सामर्थ्य से बाहर हो। इस प्रकार बोलते हुए मानो परीक्षा बहुत दूर है, पौलस यह जोर देते हैं कि एक परीक्षा जो बाहर है, वह ऐसा हांगा जिसे कुरिन्थियों सामना नहीं कर पाएँगे, ठीक वैसे ही जैसे वे उस स्थान तक नहीं पहुँच सकते जो उनसे बहुत बाहर है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इस अलंकार को एक तुलनीय रूपक के साथ व्यक्त कर सकते हैं या विचार को सीधे व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "आपकी सामर्थ्य से बढ़कर" या "कि आप सक्षम नहीं हो"

देखें: रूपक

### 1 कुरिन्थियों 10:13 (#7)

"तुम्हें सामर्थ्य"

यहाँ पौलस यह नहीं बताते कि कुरिन्थियों के सामर्थ्य से क्या कर सकते हैं। यदि आपकी भाषा में यह बताना हो कि उनके सामर्थ्य से क्या हो सकते हैं, तो आप एक शब्द या वाक्यांश शामिल कर सकते हैं जो परीक्षा का "सामना करने" के लिये उपयोग किया जाएगा। वैकल्पिक अनुवाद: "आप सामना करने में सक्षम हैं" या "आप सहन कर सकते हैं"

देखें: पदलोप

### 1 कुरिन्थियों 10:13 (#8)

"निकास"

यहाँ पौलस परीक्षा के विषय में ऐसे बात करते हैं जैसे यह एक जाल हो जिसमें से निकास करने का कोई मार्ग हो। इस प्रकार बोलकर वह कुरिन्थियों को यह बताते हैं कि परमेश्वर परीक्षा का सामना करने का तरीका बताते हैं, जैसे कि जाल में से हर बार निकास का कोई मार्ग होता है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप निकास को एक तुलनीय रूपक के साथ व्यक्त कर सकते हैं या विचार को सीधे व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "बाहर निकलने का रास्ता" या "इसे सामना करने का तरीका"

देखें: रूपक

### 1 कुरिन्थियों 10:13 (#9)

"निकास भी करेगा; कि तुम सह सको"

यहाँ कि तुम सह सको हो सकता है कि: (1) परमेश्वर द्वारा निकास भी करेगा देने का परिणाम बताए। वैकल्पिक अनुवाद: "निकास भी करेंगे, जिसके परिणामस्वरूप आप इसे सह सको" (2) निकास भी करेगा को परिभाषित करना। वैकल्पिक अनुवाद: "निकास भी करेंगे, जो यह है कि आप उसे सह सकते हैं"

देखें: जोड़ें — लक्ष्य (उद्देश्य) सम्बन्ध

## 1 कुरिन्थियों 10:14 (#1)

""

Connecting Statement: \n\nपौलुस उन्हें शुद्ध होने और मूर्तिपूजा और अनैतिकता से दूर रहने के लिए याद दिलाता है जब वह प्रभु भोज के बारे में बात करता है, जो मसीह के रक्त और शरीर को दर्शाता है।

## 1 कुरिन्थियों 10:14 (#2)

### "मूर्ति पूजा से बचे रहो"

"पौलुस मूर्तियों की पूजा करने के अभ्यास की बात कर रहा है जैसे कि यह एक खतरनाक जानवर की तरह एक भौतिक चीज थी। वैकल्पिक अनुवाद: ""मूर्तियों की पूजा करने से दूर रहने के लिए जो कुछ कर सकते हैं करो""

देखें: रूपक

## 1 कुरिन्थियों 10:14 (#3)

### "मूर्तिपूजा"

यदि आपकी भाषा में **मूर्तिपूजा** के विचार के लिये कोई भाववाचक संज्ञा नहीं है, तो आप इस विचार को "अन्य देवताओं की पूजा करना" या "मूर्तियों की सेवा करना" जैसे वाक्यांशों का उपयोग करके व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मूर्तियों की सेवा करना" या "मूर्तियों की पूजा करना"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

## 1 कुरिन्थियों 10:15 (#1)

### "बुद्धिमान जानकर, तुम से"

यहाँ पौलुस जानकर का उपयोग करते हैं, परन्तु उनका अभिप्राय यह है कि वह सोचते हैं कि वह सचमुच में **बुद्धिमान** से बात कर रहे हैं। यदि आपकी भाषा **जानकर** का उपयोग नहीं करती है कि जो बात कहीं जा रही है वह निश्चित या सत्य है, और यदि आपके पाठक सोच सकते हैं कि पौलुस जो कह रहे हैं वह निश्चित नहीं है, तो आप कुरिन्थियों को **बुद्धिमान** के रूप में पहचान कर इस विचार को व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "आप बुद्धिमान हैं इसीलिए आप से इस प्रकार" कुरिन्थियों को **बुद्धिमान** के रूप में। वैकल्पिक अनुवाद: "आप बुद्धिमान हो इसलिए आप से इस तरह" या "जैसे कोई बुद्धिमान से बात कर रहा हो"

देखें: जोड़ें — तथ्यात्मक स्थितियाँ

## 1 कुरिन्थियों 10:15 (#2)

### "जो मैं कहता हूँ"

यहाँ जो मैं कहता हूँ उन बातों की ओर संकेत करता है जो पौलुस अगले वचन (विशेषकर से [10:16-22](#)) में कहने वाले हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप **जो मैं कहता हूँ** को एक ऐसे रूप में व्यक्त कर सकते हैं जो स्वाभाविक रूप से अगले वाक्यों की ओर संकेत करता है। वैकल्पिक अनुवाद: "जो मैं कहूँगा"

देखें: सर्वनाम — उनका उपयोग कब करें

## 1 कुरिन्थियों 10:16 (#1)

### "वह धन्यवाद का कटोरा"

पौलुस परमेश्वर की आशीष की बात कर रहा है जैसे कि यह प्रभु भोज के अनुष्ठान में इस्तेमाल कप में दाखरस था।

देखें: रूपक

## 1 कुरिन्थियों 10:16 (#2)

### "कटोरा"

यहाँ कुरिन्थियों ने **कटोरे** का **कटोरे** के अन्दर पेय से समझा होगा, जो पौलुस की संस्कृति में दाखरस होता है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप **कटोरे** को अधिक स्पष्ट रूप से यह बताकर व्यक्त कर सकते हैं कि **कटोरे** में क्या होगा। वैकल्पिक अनुवाद: "पेय" या "दाखरस"

देखें: लक्षणालंकार

## 1 कुरिन्थियों 10:16 (#3)

### "जिस पर हम धन्यवाद करते हैं"

जिसके लिए हम परमेश्वर का धन्यवाद करते हैं

## 1 कुरिन्थियों 10:16 (#3)

""

"पौलुस कुरिन्थियों को याद दिला रहा है जो वे पहले से जानते हैं, कि जो दाख का प्याला हम साझा करते हैं वह हमें मसीह

के खून में साझेदारी को दर्शाता है। वैकल्पिक अनुवाद: ""हम मसीह के खून में साझा करते हैं।""

देखें: आलंकारिक प्रश्न

## 1 कुरिन्थियों 10:16 (#5)

"वह मसीह के लहू की सहभागिता" - "मसीह की देह की सहभागिता"

यहाँ पौलुस अधिकारवाचक का प्रयोग उस सहभागिता का वर्णन करने के लिये करते हैं जो मसीह के लहू और देह में "साझा होती है"। इसका मुख्य अर्थ यह हो सकता है: (1) मसीह में सम्मिलित या मसीह में एकता। वैकल्पिक अनुवाद: "मसीह के लहू में सम्मिलित ... मसीह की देह में सम्मिलित" (2) अन्य विश्वासियों के साथ जुड़ना, जो मसीह के लहू और देह में सहभागिता से आता है। वैकल्पिक अनुवाद: "मसीह के लहू के आधार पर सहभागिता में संगति करना ... मसीह की देह के आधार पर सहभागिता में संगति करना"

देखें: स्वामित्व

## 1 कुरिन्थियों 10:16 (#4)

""

"पौलुस कुरिन्थियों को याद दिला रहा है जो वे पहले से जानते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: ""जब हम रोटी साझा करते हैं तो हम मसीह के शरीर में साझा करते हैं।""

देखें: आलंकारिक प्रश्न

## 1 कुरिन्थियों 10:16 (#7)

"हम तोड़ते हैं"

यहाँ रोटी तोड़ते का अर्थ है एक बड़े रोटी को लेना और उसे टुकड़ों में बाँटना ताकि कई लोग उन टुकड़ों को खा सकें। हम तोड़ते हैं का उपयोग करके, पौलुस यह दर्शा रहे हैं कई लोगों के साथ मिलकर रोटी खा कर रहे हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप हम तोड़ते हैं को अपनी भाषा में एक शब्द या वाक्यांश के साथ व्यक्त कर सकते हैं जो यह दर्शाता है कि लोग रोटी कैसे खाते हैं, और साथ ही यह भी जोर देता हो कि बहुत से लोग उस रोटी को खा रहे हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "हम साथ में खाते हैं"

देखें: अज्ञातों का अनुवाद करें

## 1 कुरिन्थियों 10:17 (#1)

"इसलिए, कि एक ही रोटी है तो हम भी जो बहुत हैं, एक देह हैं क्योंकि हम सब उसी एक रोटी में भागी होते हैं"

यहाँ पौलुस एक पूर्वधारणा, एक निष्कर्ष और फिर एक अन्य पूर्वधारणा बताकर अपना तर्क प्रस्तुत करते हैं। यदि आपकी भाषा स्वाभाविक रूप से निष्कर्ष से पहले दोनों पूर्वधारणाओं को रखती है, तो आप इन खण्डों को पुनः व्यवस्थित कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "क्योंकि, एक ही रोटी है, और हम सब उसी एक रोटी में भागी होते हैं, इसलिए हम भी जो बहुत हैं, एक देह हैं"

देखें: सूचना संरचना

## 1 कुरिन्थियों 10:17 (#1)

"रोटी है"

खाने से पहले सेंकी हुई रोटी का कटा हुआ एक भाग या टुकड़ों में तोड़ा हुआ

## 1 कुरिन्थियों 10:17 (#3)

"हम भी जो बहुत हैं, एक देह हैं"

यहाँ पौलुस इस प्रकार कह रहे हैं मानो जो लोग एक रोटी में भागी होते हैं, वे एक देह में भागी होते हैं। वे ऐसा इस बात पर जोर देने के लिये कहते हैं कि जब ये लोग एक रोटी खाते हैं, तो उनमें जो एकता होती है, वह ऐसी होती है जैसे उनके पास केवल एक ही देह हो। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इस अलंकार को एक तुलनीय रूपक के साथ व्यक्त कर सकते हैं या विचार को सीधे व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "हम जो बहुत हैं, सब कुछ एक साथ बाँटते हैं" या "हम जो बहुत हैं, एकता में जुड़े हुए हैं"

देखें: रूपक

## 1 कुरिन्थियों 10:18 (#1)

"शरीर के भाव से इस्माएली है"

यहाँ शरीर के भाव से इस्माएली की पहचान ऐसे लोगों के रूप में की गई है जो शारीरिक रूप से अब्राहम के वंशज हैं और इसाएल जाति का हिस्सा हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप शरीर के भाव से को शारीरिक वंश या वंशावली का सन्दर्भ देने वाले शब्द या वाक्यांश के साथ व्यक्त

कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जातीय इस्साएल" या "शारीरिक वंश द्वारा इस्साएल"

देखें: मुहावरा

## 1 कुरिन्थियों 10:18 (#1)

"क्या बलिदानों के खानेवाले वेदी के सहभागी नहीं"

"पौलुस कुरिन्थियों को याद दिलाता है जो वे जानते हैं ताकि वह नई जानकारी जोड़ सके। वैकल्पिक अनुवाद: ""जो लोग बलिदान किया हुआ भोंज खाते हैं, वे वेदी की गतिविधियों और आशीष में हिस्सा लेते हैं""

देखें: आलंकारिक प्रश्न

## 1 कुरिन्थियों 10:18 (#3)

"बलिदानों के खानेवाले"

यहाँ पौलुस इस बात का उल्लेख करते हैं कि कैसे याजक परमेश्वर को बलिदान का कुछ हिस्सा चढ़ाते थे, जबकि बलिदान देने वाले व्यक्ति और उनके साथ अन्य लोग बाकी हिस्सा खाते थे। इस प्रकार, बलिदान देने वाला व्यक्ति परमेश्वर और अन्य लोगों के साथ भोजन में भागी होता है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप यह **बलिदानों के खानेवाले** का आशय पौलुस के मन में क्या है, पाठ में या एक पाद टिप्पणी में व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "वे लोग जो याजक द्वारा परमेश्वर को उत्तम भाग चढ़ाने के बाद शेष बलि को खाते हैं"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

## 1 कुरिन्थियों 10:18 (#4)

"वेदी के सहभागी"

यहाँ पौलुस अधिकारवाचक का उपयोग करके **सहभागी** का वर्णन करते हैं जो **वेदी** में "भाग लेते हैं"। इसका मुख्य अर्थ यह हो सकता है: (1) "सहभागी होना" या **वेदी** और उसके द्वारा प्रस्तुत की गई बातों से एकता में आना। वैकल्पिक अनुवाद: "वेदी में भाग लेना" (2) अन्य इस्साएलियों के साथ जुड़ना, जो **वेदी** में "सहभागी होने" से आता है। वैकल्पिक अनुवाद: "वेदी के आधार पर संगति में सहभागी होना"

देखें: स्वामित्व

## 1 कुरिन्थियों 10:18 (#5)

"वेदी के"

यहाँ पौलुस **वेदी** का उपयोग उस वेदी को सन्दर्भित करने के लिये करते हैं, और याजकों ने वेदी पर क्या किया, जिसमें परमेश्वर के लिये जानवरों की बलि देना भी शामिल है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप **वेदी** को यह स्पष्ट करके व्यक्त कर सकते हैं कि पौलुस का आशय **वेदी** पर होनेवाली क्रियाओं से है। वैकल्पिक अनुवाद: "वेदी पर परमेश्वर की आराधना में"

देखें: उपलक्षण

## 1 कुरिन्थियों 10:19 (#1)

"फिर मैं क्या कहता हूँ? क्या यह"

"पौलुस कुरिन्थियों को याद दिलाता है जो वे जानते हैं ताकि वह नई जानकारी जोड़ सके। वैकल्पिक अनुवाद: ""मुझे दोबारा कहने दे जो मैं कह रहा हूँ।"" या ""यही मेरा मतलब है।""

देखें: आलंकारिक प्रश्न

## 1 कुरिन्थियों 10:19 (#2)

"फिर मैं क्या कहता हूँ"

यहाँ पौलुस मूर्तियों और उनके लिये चढ़ाई गई बलियों के विषय में अपने द्वारा कही गई बातों की ओर संकेत कर रहे हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप स्पष्ट रूप से कह सकते हैं कि पौलुस अब तक जो कह चुके हैं, उसका उल्लेख कर रहे हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "तो फिर, मैंने जो तर्क दिया है उसका क्या तात्पर्य है?"

देखें: सर्वनाम — उनका उपयोग कब करें

## 1 कुरिन्थियों 10:19 (#3)

"

"पौलुस चाहता है कि कुरिन्थियों के लोग अपने दिमाग में प्रश्न का उत्तर दें ताकि उसे उन्हें बताना न पड़े। वैकल्पिक

अनुवाद: ""तुम जानते हो कि मैं यह नहीं कह रहा हूँ कि मूर्ति को बलिदान किया भोजन महत्वपूर्ण नहीं है।""

देखें: आलंकारिक प्रश्न

## 1 कुरिन्थियों 10:19 (#4)

### "मूर्ति का बलिदान"

यदि आपकी भाषा में निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं होता है, तो आप इस विचार को सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य तरीके से जो स्वाभाविक हो, व्यक्त कर सकते हैं। यहाँ पौलुस निष्क्रिय रूप का उपयोग इस पर केन्द्रित करने के लिये करते हैं कि क्या बलिदान चढ़ाया जाता है, न कि उस व्यक्ति पर जो "बलिदान चढ़ा रहा है।" यदि आपको यह बताना आवश्यक है कि कार्य कौन करता है, तो आप अस्पष्ट या अनिश्चित कर्ता का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "भोजन जिसे लोगों ने मूर्तियों को बलिदान किया है"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

## 1 कुरिन्थियों 10:19 (#5)

### "फिर ... क्या यह कि मूर्ति का बलिदान कुछ है, या मूरत कुछ है"

यह प्रश्न पौलुस इसलिए नहीं पूछते क्योंकि उन्हें जानकारी चाहिए, बल्कि इसलिए पूछते हैं ताकि कुरिन्थियों को अपनी तर्क-वितर्क में सम्मिलित कर सकें। प्रश्न में यह मान लिया गया है कि इसका उत्तर है "नहीं, वे नहीं हैं।" यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इस प्रश्न के पीछे के विचार को एक मजबूत नकारात्मकता के साथ व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "तो? मूर्ति का बलिदान कुछ नहीं है, और एक मूरत कुछ नहीं है।"

देखें: आलंकारिक प्रश्न

## 1 कुरिन्थियों 10:19 (#6)

### "कुछ है" - "कुछ है"

यहाँ कुछ है का तात्पर्य यह पूछना हो सकता है: (1) क्या मूर्ति का बलिदान और मूरत सार्थक या महत्वपूर्ण हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "सार्थक है ... सार्थक है" (2) क्या मूर्ति का बलिदान और मूरत वास्तविक हैं या नहीं। वैकल्पिक अनुवाद: "वास्तविक है ... वास्तविक है"

## 1 कुरिन्थियों 10:20 (#1)

### "नहीं, बस यह, कि"

यहाँ पौलुस कुछ शब्द छोड़ देते हैं जो आपकी भाषा में एक पूर्ण वाक्य बनाने के लिये आवश्यक हो सकते हैं। यदि आपकी भाषा को इन शब्दों की आवश्यकता है, तो आप पिछले वचन ([10:19](#)) से कुछ जोड़ सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "बल्कि, मैं यह कह रहा हूँ कि"

देखें: पदलोप

## 1 कुरिन्थियों 10:20 (#2)

### "कि अन्यजाति जो बलिदान करते हैं, वे ... बलिदान करते हैं"

यहाँ पौलुस ने क्रिया से पहले कर्म को रखा है। यदि आपकी भाषा में हमेशा कर्म को क्रिया के बाद रखा जाता है, तो आप इस खण्ड को पुनः व्यवस्थित कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "कि अन्यजातियों के बलिदान जो वे चढ़ाते हैं"

देखें: सूचना संरचना

## 1 कुरिन्थियों 10:20 (#3)

### "परन्तु"

यहाँ परन्तु तर्क में एक विकास को प्रस्तुत करता है। यह एक मजबूत विरोधाभास प्रस्तुत नहीं करता है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप परन्तु को एक शब्द या वाक्यांश के साथ व्यक्त कर सकते हैं जो तर्क में अगले चरण को प्रस्तुत करता हो। वैकल्पिक अनुवाद: "अब"

देखें: शब्दों और वाक्यांशों को जोड़ना

## 1 कुरिन्थियों 10:20 (#4)

### "दुष्टात्माओं के सहभागी"

यहाँ पौलुस अधिकारवाचक का उपयोग करके सहभागी का वर्णन करते हैं जो दुष्टात्माओं में "भाग लेते हैं"। यह मुख्यतः इस ओर संकेत कर सकता है: (1) "सहभागी होना" या दुष्टात्माओं के साथ एकता में सम्मिलित होना। वैकल्पिक अनुवाद: "दुष्टात्माओं में भाग लेना" (2) अविश्वासियों के साथ जुड़ना, जो दुष्टात्माओं में "भाग लेने" से उत्पन्न होता है।

वैकल्पिक अनुवाद: "दुष्टात्माओं के आधार पर संगति में भाग लेना"

देखें: स्वामित्व

### 1 कुरिन्थियों 10:21 (#1)

"तुम ... नहीं पी सकते" - "तुम ... मेज ... के सहभागी नहीं हो सकते"

यहाँ पौलस कहते हैं कि वे ये दोनों काम नहीं कर सकते, यद्यपि वह जानते हैं कि वे शारीरिक रूप से इन दोनों को कर सकते हैं। कुरिन्थियों ने यह समझा होगा कि उनका तात्पर्य यह है कि इन दोनों को करना चौकानेवाला और अकल्पनीय है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप तुम ... नहीं कर सकते के पीछे के विचार को एक मजबूत आज्ञा या कथन के साथ व्यक्त कर सकते हैं कि इन दोनों चीजों को करना कितना बुरा होगा। वैकल्पिक अनुवाद: "आपको ... कभी नहीं पीना चाहिए ... मेज में सहभागी नहीं होना चाहिए" या "यह बहुत ही गलत है पीना ... यह बहुत ही गलत है ... मेज में सहभागी होना"

देखें: अतिशयोक्ति

### 1 कुरिन्थियों 10:21 (#1)

"तुम प्रभु के कटोरे, और दुष्टात्माओं के कटोरे दोनों में से" - "पी सकते!" - "नहीं"

"पौलस दुष्टात्मा के समान एक ही प्याले से पीने वाले व्यक्ति के बारे में बताता है कि वह व्यक्ति दुष्टात्मा का मित्र है। वैकल्पिक अनुवाद: ""तुम्हारे लिए प्रभु और दुष्टात्मा दोनों का सच्चे मित्र बनना असंभव है""

देखें: प्रतिन्यास

### 1 कुरिन्थियों 10:21 (#3)

"प्रभु के कटोरे" - "दुष्टात्माओं के कटोरे" - "प्रभु की मेज" - "दुष्टात्माओं की मेज"

यहाँ पौलस "कटोरे" और "मेज" का वर्णन करने के लिये अधिकारवाचक का उपयोग करते हैं जो प्रभु या दुष्टात्माओं से सम्बन्धित हैं। कटोरे और मेज का उपयोग उन समारोहों या आराधना में किया जाता है जो या तो प्रभु या दुष्टात्माओं से सम्बन्धित होते हैं। यदि आपकी भाषा में इस विचार को व्यक्त करने के लिये अधिकारवाचक का उपयोग नहीं होता है, तो आप इसे किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं।

वैकल्पिक अनुवाद: "प्रभु की आराधना के लिये उपयोग किया जाने वाला कटोरा ... दुष्टात्माओं की आराधना के लिये उपयोग किया जाने वाला कटोरा ... प्रभु की आराधना के लिये उपयोग की जाने वाली मेज ... दुष्टात्माओं की आराधना के लिये उपयोग की जाने वाली मेज"

देखें: स्वामित्व

### 1 कुरिन्थियों 10:21 (#2)

"तुम" - "दोनों में से" - "तुम प्रभु की मेज और दुष्टात्माओं की मेज दोनों के सहभागी नहीं"

तुम्हारे लिए प्रभु के लोगों और दुष्टात्माओं के साथ एक होना असंभव है

### 1 कुरिन्थियों 10:22 (#1)

"(या) क्या हम प्रभु को क्रोध दिलाते हैं"

मूल भाषा में यहाँ "या" शब्द का प्रयोग किया गया है जो किसी शब्द या वाक्यांशों को जोड़ने का काम करता है। जबकि हिन्दी बाइबल में यहाँ इस शब्द को छोड़ दिया गया है। या शब्द उस विकल्प को प्रस्तुत करता है जिसके विषय में पौलस 10:21 में बात करते हैं। यदि वे वास्तव में प्रभु से सम्बन्धित भोजन में भी और दुष्टात्माओं से सम्बन्धित भोजन में भी सहभागी होते हैं, तो वे प्रभु को क्रोध दिलाते हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप या को एक शब्द या वाक्यांश के साथ व्यक्त कर सकते हैं जो विरोधाभास को दर्शाता है या एक विकल्प देता है। वैकल्पिक अनुवाद: "यदि हम इन दोनों चीजों को करते हैं, तो क्या हम प्रभु को क्रोध नहीं दिलाते हैं?"

देखें: शब्दों और वाक्यांशों को जोड़ना

### 1 कुरिन्थियों 10:22 (#1)

"क्या हम प्रभु को क्रोध दिलाते हैं"

"पौलस चाहता है कि कुरिन्थ अपने दिमाग में इस प्रश्न का उत्तर दें। वैकल्पिक अनुवाद: वैकल्पिक अनुवाद: ""तुम्हे मेरे बिना बताए पता होना चाहिए कि प्रभु ॥११॥ रिस दिलाना उचित नहीं है!""

### 1 कुरिन्थियों 10:22 (#2)

"क्रोध दिलाते हैं"

क्रोध करना या परेशान करना

## 1 कुरिन्थियों 10:22 (#3)

""

"पौलुस चाहता है कि कुरिन्थि अपने दिमाग में इस प्रश्न का उत्तर दें। वैकल्पिक अनुवाद: ""तुम्हे मेरे बताए बिना पता होना चाहिए कि हम परमेश्वर से अधिक बलवान नहीं हैं।"" (देख: )"

देखें: आलंकारिक प्रश्न

## 1 कुरिन्थियों 10:23 (#1)

"सब वस्तुएँ ... उचित तो हैं," परन्तु सब लाभ की नहीं। "" - "उचित तो हैं, परन्तु सब वस्तुओं से उन्नति नहीं"

यहाँ, ठीक जैसा कि [6:12](#) में, पौलुस सब वस्तुएँ ... उचित तो हैं वाक्य को दो बार दोहराता है ताकि वह इस कथन पर दो अलग-अलग टिप्पणियाँ कर सके। सब वस्तुएँ मेरे लिये उचित तो हैं को दोहराकर, पौलुस इस कथन के प्रति अपनी योग्यताओं या आपत्तियों पर जोर देते हैं। यदि आपकी भाषा में पुनरावृत्ति का इस प्रकार उपयोग नहीं होता है, तो आप सब वस्तुएँ मेरे लिये उचित तो हैं को एक बार कह सकते हैं और उसके बाद दोनों टिप्पणियाँ शामिल कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "सब वस्तुएँ मेरे लिये उचित तो हैं, परन्तु सभी वस्तुएँ लाभ की नहीं हैं, और सभी वस्तुओं से उन्नति नहीं"

देखें: द्विरावृत्ति

## 1 कुरिन्थियों 10:23 (#2)

"सब वस्तुएँ मेरे लिये उचित तो हैं"

"संभावित अर्थ 1) पौलुस कुरिन्थियों के लोगों की सौच का जवाब दे रहा है, ""कुछ कहते हैं, 'मैं कुछ भी कर सकता हूँ'"" या 2) पौलुस वास्तव में कह रहा है कि वह क्या सौचता है, ""परमेश्वर मुझे सब कुछ करने की अनुमति देता है।"" इसका अनुवाद [1 कुरिन्थियों 6:12] (./ 06 / 12.md) जैसे किया जाना चाहिए।"

## 1 कुरिन्थियों 10:23 (#3)

"सब लाभ की नहीं"

कुछ चीजें लाभकारी नहीं हैं

## 1 कुरिन्थियों 10:23 (#4)

"सब लाभ की" - "उन्नति"

यहाँ पौलुस यह नहीं बताते कि किसके लिये सब कुछ लाभ की नहीं है और कौन वह है जो "उन्नति" नहीं करता। वह यह संकेत दे सकते हैं कि यह है: (1) कुरिन्थियों के समाज के अन्दर अन्य विश्वासी। वैकल्पिक अनुवाद: "दूसरों के लिये लाभ की ... दूसरों की उन्नति करते हैं" (2) वह व्यक्ति या लोग जो कहते हैं कि सब वस्तुएँ ... उचित तो हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "आपके लिये लाभ की हैं ... आपकी उन्नति करते हैं"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित ज्ञानकारी

## 1 कुरिन्थियों 10:23 (#4)

""

"लोगों को बलवान बनाना उनके विश्वास में परिपक्ष और बलवान बनाने में उनकी सहायता करने को दर्शाता है। देखें कि आपने [1 कुरिन्थियों 8: 1](#) में ""बलवान बनाना"" का अनुवाद कैसे किया है। वैकल्पिक अनुवाद: ""सब कुछ लोगों को बलवान नहीं करता"" या ""कुछ चीजें लोगों को बलवान नहीं करती हैं""

देखें: रूपक

## 1 कुरिन्थियों 10:24 (#1)

"कोई ... भलाई को न ढूँढे"

यहाँ पौलुस तृतीय-पुरुष अनिवार्यता का उपयोग करते हैं। यदि आपकी भाषा में तृतीय-पुरुष अनिवार्यताएँ हैं, तो आप यहाँ उसका उपयोग कर सकते हैं। यदि आपकी भाषा में तृतीय-पुरुष अनिवार्यताएँ नहीं हैं, तो आप "चाहिए" या "आवश्यकता" जैसे शब्द का उपयोग करके विचार व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "किसी को भी ... नहीं ढूँढ़नी चाहिए"

देखें: तृतीय-पुरुष अनिवार्यताएँ

## 1 कुरिन्थियों 10:24 (#2)

"अपनी ही"

मूल भाषा में यहाँ "अपनी" शब्द पुल्लिंग को दर्शाता है जबकि हिन्दी बाइबल में यह शब्द एक सामान्य लिंग को दर्शाता है। यहाँ अपनी पुल्लिंग रूप में लिखा गया है, लेकिन यह किसी

भी व्यक्ति को सन्दर्भित करता है, चाहे उनका लिंग कुछ भी हो। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप **अपनी** के पीछे के विचार को व्यक्त करने के लिये एक ऐसा शब्द उपयोग कर सकते हैं जिसमें लिंग न हो, या आप दोनों लिंगों का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "उस पुरुष या स्त्री की अपनी"

देखें: जब पुल्लिंग शब्दों में स्लियाँ भी सम्मिलित होती हैं

### 1 कुरिन्थियों 10:24 (#3)

"अपनी ही भलाई ... वरन् औरों की"

यहाँ पौलुस उस भलाई की बात करते हैं जो स्वयं या किसी अन्य व्यक्ति की हो सकती है। इसके द्वारा, वह यह दर्शाते हैं कि स्वयं के लिये या औरों के लिये क्या भलाई है। यदि आपकी भाषा में इस विचार को व्यक्त करने के लिये अधिकारवाचक का उपयोग नहीं होता है, तो आप स्पष्ट कर सकते हैं कि भलाई किसी के "लिये" है। वैकल्पिक अनुवाद: "अपने लिये भलाई ... वरन् दूसरे व्यक्ति के लिये भलाई चाहे"

देखें: स्वामित्व

### 1 कुरिन्थियों 10:24 (#4)

"वरन् औरों की"

यह वाक्यांश कुछ शब्दों को छोड़ देता है जिन्हें कई भाषाओं में वाक्य को पूर्ण करने के लिये आवश्यक हो सकते हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इस वचन के पहले भाग से इन शब्दों को जोड़ सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "वरन् प्रत्येक व्यक्ति दूसरे व्यक्ति की भलाई को ढूँढ़े"

देखें: पदलोप

### 1 कुरिन्थियों 10:24 (#5)

"औरों की"

पौलुस यहाँ किसी विशेष औरों की नहीं, बल्कि सामान्य रूप से अन्य लोगों की बात कर रहे हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप **औरों** को एक ऐसे रूप में व्यक्त कर सकते हैं जो आपकी भाषा में सामान्य रूप से लोगों को सन्दर्भित करता है। वैकल्पिक अनुवाद: "हर एक अन्य व्यक्ति की"

देखें: सामान्य संज्ञा वाक्यांश

### 1 कुरिन्थियों 10:25 (#1)

"कसाइयों के यहाँ"

यहाँ कसाइयों के यहाँ वह सार्वजनिक स्थान है जहाँ माँस और अन्य भोजन सामग्री बिकते थे। कभी-कभी, मूर्तियों को बलिदानों से प्राप्त माँस इस कसाइयों के यहाँ बेचा जाता था। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप सन्दर्भ को समझाने के लिये एक पाद टिप्पणी शामिल कर सकते हैं और बता सकते हैं कि पौलुस कसाइयों के यहाँ के विषय में क्यों बात कर रहे हैं।

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

### 1 कुरिन्थियों 10:25 (#2)

"बिकता है"

यदि आपकी भाषा में निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं होता है, तो आप इस विचार को सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य तरीके से जो स्वाभाविक हो, व्यक्त कर सकते हैं। यहाँ पौलुस निष्क्रिय रूप का उपयोग करते हैं ताकि उस वस्तु पर ध्यान केन्द्रित कर सके जो बिक रही है न कि उस व्यक्ति पर जो "बेच" रहा है। यदि आपको यह बताना आवश्यक है कि यह क्रिया कौन करता है, तो पौलुस यह संकेत देते हैं कि यह कार्य "कसाई" या "बेचनेवाला" करते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "कसाई बेचते हैं" या "लोग बेचते हैं"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

### 1 कुरिन्थियों 10:25 (#3)

"पूछो"

यहाँ पौलुस यह नहीं बताते कि वे किस विषय में पूछ रहे हैं, क्योंकि कुरिन्थ वासी इन शब्दों के बिना भी उन्हें समझ जाते। वह संकेत देते हैं कि वे यह पूछ रहे होंगे कि क्या यह भोजन मूर्तिपूजा में सम्मिलित किया गया था या नहीं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप पूछो का अनुवाद पूछो के लिये वस्तु प्रदान करने के रूप में कर सकते हैं, या आप स्पष्ट रूप से बता सकते हैं कि पौलुस का तात्पर्य क्या है। वैकल्पिक अनुवाद: "उसके उत्पत्ति के विषय में पूछो" या "पूछो कि क्या किसी ने उसे किसी मूर्ति को चढ़ाया है"

देखें: पदलोप

## 1 कुरिन्थियों 10:25 (#4)

"विवेक के कारण कुछ ... पूछो"

यहाँ विवेक के कारण इस बात का कारण प्रकट कर सकता है: (1) पूछो का। इस विषय में, पौलुस कह रहे हैं कि पूछो विवेक के कारण है, लेकिन उन्हें इस विषय में विवेक के बारे में चिंतित नहीं होना चाहिए। वैकल्पिक अनुवाद: "विवेक के कारण पूछना" (2) क्यों वे न पूछे और सबकुछ खा सकते हैं। इस विषय में, पौलुस कह रहे हैं कि उन्हें न पूछो और खाना चाहिए क्योंकि अगर वे पूछते, तो उनका विवेक उन्हें दोषी ठहरा सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: "पूछें। विवेक के लिये ऐसा करें।"

देखें: जोड़ें — कारण-और-परिणाम सम्बन्ध

## 1 कुरिन्थियों 10:25 (#5)

"विवेक"

यहाँ विवेक से तात्पर्य उन लोगों के विवेक की से है जो कसाइयों के यहाँ भोजन मोल ले रहे हैं। यदि आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप विवेक के पीछे के विचार को एक ऐसे रूप में व्यक्त कर सकते हैं जो उन लोगों के विवेक की स्पष्ट रूप से पहचान करता है जो भोजन मोल लेते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "आपका विवेक"

देखें: सर्वनाम — उनका उपयोग कब करें

## 1 कुरिन्थियों 10:26 (#1)

"क्योंकि"

पौलुस की संस्कृति में, क्योंकि एक महत्वपूर्ण शास्त्र भाग से उद्धरण प्रस्तुत करने का सामान्य तरीका था, इस विषय में, पुराने नियम की पुस्तक जिसका शीर्षक "भजन संहिता" है (देखें: 24:1)। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप एक तुलनीय वाक्यांश का उपयोग कर सकते हैं जो यह दर्शाता है कि पौलुस एक महत्वपूर्ण शास्त्र भाग से उद्धरण दे रहे हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "क्योंकि इसे पुराने नियम में पढ़ा जा सकता है," या "क्योंकि यह भजन संहिता की पुस्तक में कहा गया है,"

देखें: उद्धरण और उद्धरण सीमा

## 1 कुरिन्थियों 10:26 (#2)

"क्योंकि पृथ्वी और उसकी भरपूरी प्रभु की है"

यदि आप अपनी भाषा में इस रूप का उपयोग नहीं करते हैं, तो आप इन कथन का अनुवाद प्रत्यक्ष उद्धरण के बदले अप्रत्यक्ष उद्धरण के रूप में कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "क्योंकि यह कहता है कि पृथ्वी और उसकी भरपूरी प्रभु की है"

देखें: प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष उद्धरण

## 1 कुरिन्थियों 10:26 (#3)

"पृथ्वी और उसकी भरपूरी प्रभु की है"

यहाँ पौलुस जिस गद्यांश का उद्धरण देते हैं, पृथ्वी के बाद एक दूसरी बात भी शामिल की गई है जो प्रभु की है। लेखक की संस्कृति में, यह एक उल्कृष्ट काव्यात्मक शैली थी। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप पृथ्वी और उसकी भरपूरी को एक साथ रख सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "पृथ्वी प्रभु की है और उसकी भरपूरी भी"

देखें: सूचना संरचना

## 1 कुरिन्थियों 10:26 (#4)

"क्योंकि पृथ्वी (और उसकी भरपूरी)"

मूल भाषा में यहाँ वचन के दूसरे भाग में कुछ शब्दों को छोड़ दिया है जबकि हिन्दी बाइबल में वचन के पहले भाग में कुछ शब्दों को छोड़ दिया गया है। यहाँ पौलुस कुछ शब्दों को छोड़ देते हैं जो आपकी भाषा में एक पूर्ण वाक्य बनाने के लिये आवश्यक हो सकते हैं। आप विचार को पूरा करने के लिये वचन के दूसरे भाग से शब्द जोड़ सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "क्योंकि पृथ्वी प्रभु की है"

देखें: पदलोप

## 1 कुरिन्थियों 10:26 (#5)

"उसकी भरपूरी"

यहाँ भरपूरी से तात्पर्य पृथ्वी से सम्बन्धित हर वस्तु से है, जिसमें लोग, पशु, प्राकृतिक संसाधन, और अन्य सभी वस्तुएँ

शामिल हैं जो पृथ्वी के साथ जुड़ी हुई हैं। अपनी भाषा में पृथ्वी से सम्बन्धित हर वस्तु को व्यक्त करने का एक स्वाभाविक तरीका प्रयोग करें। वैकल्पिक अनुवाद: "जो कुछ उसमें है"

देखें: अज्ञातों का अनुवाद करें

## 1 कुरिन्थियों 10:27 (#1)

### "यदि"

यहाँ पौलुस यदि का उपयोग एक सच्ची सम्भावना को प्रगट करने के लिये करते हैं। उनका अर्थ है कि एक अविश्वासी तुम्हें नेवता दे और तुम जाना चाहते हो, या यह नहीं भी हो सकता है। वह परिणाम को निर्दिष्ट करते हैं यदि अविश्वासी तुम्हें नेवता दे और तुम जाना चाहो। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप यदि जैसे शब्द के स्थान पर "जब भी" जैसे किसी शब्द का प्रयोग करके इस वाक्य को व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जब भी"

देखें: जोड़ें — काल्पनिक स्थितियाँ

## 1 कुरिन्थियों 10:27 (#2)

### "तुम्हें नेवता दे"

यहाँ पौलुस का तात्पर्य यह है कि अविश्वासी अपने घर पर भोजन के लिये "उन्हें नेवता देते हैं"। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप तुम्हें नेवता दे को स्पष्ट करके व्यक्त कर सकते हैं कि निमंत्रण किसके लिये है। वैकल्पिक अनुवाद: "आपको उनके घर भोजन के लिये नेवता दे"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

## 1 कुरिन्थियों 10:27 (#3)

### "जो कुछ तुम्हारे सामने रखा जाए"

यहाँ जो कुछ तुम्हारे सामने रखा जाए का तात्पर्य शारीरिक रूप से किसी परिचारक या सेवक द्वारा खाने वाले व्यक्ति के सामने भोजन को मेज पर "रखने" से है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इस तरह से परोसे जाने वाले भोजन के विषय में एक तुलनीय वाक्यांश के साथ बात कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जो मेज पर है" या "जो वे आपको देते हैं"

देखें: मुहावरा

## 1 कुरिन्थियों 10:27 (#4)

### "जो कुछ ... सामने रखा जाए"

यदि आपकी भाषा में निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं होता है, तो आप इस विचार को सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य तरीके से जो स्वाभाविक हो, व्यक्त कर सकते हैं। यहाँ पौलुस निष्क्रिय रूप का उपयोग करते हैं ताकि ध्यान उस वस्तु पर केन्द्रित रहे जो रखा जाता है, न कि उस व्यक्ति पर जो "रख रहा" है। यदि यह बताना आवश्यक हो कि कार्य कौन करता है, तो पौलुस यह संकेत देते हैं कि इसे "अविश्वासियों" में से कोई एक करता है। वैकल्पिक अनुवाद: "जो अविश्वासी ... सामने रखता है"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

## 1 कुरिन्थियों 10:27 (#1)

""

तुम परमेश्वर चाहते हैं कि आप एक स्पष्ट विवेक के साथ खाना खाएं

## 1 कुरिन्थियों 10:27 (#6)

### "विवेक के कारण कुछ ... पूछो"

जैसे कि [10:25](#) में, विवेक के कारण इस बात का कारण दे सकता है: (1) पूछो। इस विषय में, पौलुस कह रहे हैं कि पूछना विवेक के कारण है, परन्तु उन्हें इस विषय में विवेक की विन्ता नहीं करनी चाहिए। वैकल्पिक अनुवाद: "विवेक के कारण प्रश्न पूछना" (2) क्यों वे न पूछकर सब कुछ खा सकते हैं। इस विषय में, पौलुस कह रहे हैं कि उन्हें न पूछकर खाना चाहिए क्योंकि अगर वे पूछते, तो उनका विवेक उन्हें दोषी ठहरा सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: "पूछे। यह विवेक के कारण करें"

देखें: जोड़ें — कारण-और-परिणाम सम्बन्ध

## 1 कुरिन्थियों 10:27 (#7)

### "विवेक"

यहाँ विवेक से तात्पर्य उन प्रत्येक व्यक्तियों के विवेक से है जो अविश्वासियों के साथ भोजन कर रहे हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप विवेक के पीछे के विचार को एक ऐसे रूप में व्यक्त कर सकते हैं जो अधिक स्पष्ट रूप

से विवेक को उस व्यक्ति के रूप में पहचानता है जो अविश्वासियों के साथ भोजन कर रहा है। वैकल्पिक अनुवाद: "आपका विवेक"

देखें: सर्वनाम — उनका उपयोग कब करें

## 1 कुरिन्थियों 10:28 (#1)

"यदि"

यहाँ पौलुस यदि का उपयोग एक सच्ची सम्भावना को प्रगट करने के लिये करते हैं। उनका अर्थ है कि कोई तुम को बता सकता है कि भोजन मूरत को बलि की हुई वस्तु है, या कोई नहीं भी बता सकता है। वह यह परिणाम निर्दिष्ट करते हैं यदि कोई तुम को बताता है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप यदि के स्थान पर "जब कभी" जैसे शब्द का प्रयोग करके इस विचार को व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जब भी"

देखें: जोड़ें — काल्पनिक स्थितियाँ

## 1 कुरिन्थियों 10:28 (#1)

""

"कुछ अनुवाद इस पद को रखते हैं, अगले पद में ""और तुम्हारा नहीं"" जारी रखते हुए, कोष्ठक में क्योंकि 1) ""तुम"" और ""खाना"" के रूप यहाँ एकवचन हैं, लेकिन पौलुस इस वाक्य के ठीक पहले और बाद में बहुवचन का उपयोग करता है, और 2) शब्द ""मेरी स्वतंत्रता का न्याय दूसरे के विवेक से क्यों किया जाए"" अगला पद ""विवेक के प्रश्न पूछे बिना तुम्हारे सामने जो कुछ भी रखा गया है खा लो"" पर बनाया गया प्रतीत होता है बजाय ([1 कुरिन्थियों 10:27] (../ 10 / 27.md)) ""दूसरे आदमी की विवेक"" | ""

देखें: 'आप' के रूप

## 1 कुरिन्थियों 10:28 (#3)

"यह तो मूरत को बलि की हुई वस्तु है"

यदि आपकी भाषा में निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं होता है, तो आप इस विचार को सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य तरीके से जो स्वाभाविक हो, व्यक्त कर सकते हैं। यहाँ पौलुस निष्क्रिय रूप का उपयोग करते हैं ताकि ध्यान उस पर केन्द्रित की जाए जो बलि की हुई वस्तु हो, न कि उस व्यक्ति पर जो "बलिदान" करता है। यदि आपको यह बताना आवश्यक है कि कार्य कौन करता है, तो पौलुस यह संकेत

देते हैं कि "कोई" इसे करता है। वैकल्पिक अनुवाद: "किसी ने इस वस्तु को मूरत को बलि की"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

## 1 कुरिन्थियों 10:28 (#4)

"यह तो मूरत को बलि की हुई (बलिदान) वस्तु है"

मूल भाषा में यहाँ "बलिदान" शब्द भाववाचक संज्ञा के रूप में लिखा गया है। जबकि हिन्दी बाइबल में यहाँ "बलि की हुई" वाक्यांश क्रियावाचक विशेषण में लिखा गया है। यदि आपकी भाषा में बलिदान के पीछे के विचार के लिये कोई भाववाचक संज्ञा नहीं है, तो आप इस विचार को व्यक्त करने के लिये "बलिदान करना" जैसी क्रिया का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "यह बलिदान है" या "यह अर्पण है"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

## 1 कुरिन्थियों 10:28 (#5)

"मूरत को बलि की हुई वस्तु"

मूल भाषा में यहाँ सिर्फ़ "बलिदान चढ़ाया गया" वाक्यांश का प्रयोग किया गया है। जबकि हिन्दी बाइबल में यहाँ "बलि की हुई वस्तु" किसको चढ़ाया है, यह भी लिखा है। यहाँ बलि की हुई वस्तु का तात्पर्य यह है कि वह भोजन किसी मूरत को बलि दी गई थी। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इस संकेत के पीछे के विचार को स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "बलिदान चढ़ाया गया"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

## 1 कुरिन्थियों 10:28 (#2)

""

"पौलुस कुरिन्थियों से बात कर रहा है जैसे कि वे एक व्यक्ति थे, इसलिए ""तुम"" शब्द और आदेश ""मत खाओ"" एकवचन हैं।

देखें: 'आप' के रूप

## 1 कुरिन्थियों 10:28 (#7)

"विवेक"

यहाँ यह स्पष्ट नहीं है कि पौलुस किसके **विवेक** के विषय में बात कर रहे हैं। यदि सम्भव हो, तो अस्पष्टता बनाए रखें, क्योंकि पौलुस अगले वचन में स्पष्ट करेंगे कि उनके मन में किसके **विवेक** की बात है।

देखें: जानकारी को अंतर्निहित कब रखना चाहिए

## 1 कुरिन्थियों 10:28 (#8)

"विवेक"

कुछ हस्तलिपियों में **विवेक** के बाद यह जोड़ा गया है, "क्योंकि पृथ्वी और उसकी भरपूरी प्रभु की है।" यह 10:26 की एक आकस्मिक पुनरावृत्ति प्रतीत होती है। यदि सम्भव हो, तो इस उद्धरण को शामिल न करें।

देखें: पाठ्य भिन्नताएँ

## 1 कुरिन्थियों 10:29 (#1)

""

"कुछ अनुवादों ने इन शब्दों को पद में शब्दों के साथ इनसे पहले रखा है, कोष्ठक में क्योंकि 1) ""तुम्हारा"" यहाँ एकवचन है, लेकिन पौलुस इस वाक्य के पहले और बाद में बहुवचन का उपयोग करता है, और 2) शब्द ""मेरी स्वतंत्रता का न्याय दूसरे के विवेक से क्यों किया जाए?"" अगला पद ""विवेक के प्रश्न पूछे बिना तुम्हारे सामने जो कुछ भी रखा गया है खा लो"" पर बनाया गया प्रतीत होता है बजाय ([1 कुरिन्थियों 10:27] (.. / 10 / 27.md)) ""दूसरे आदमी के विवेक""।""

देखें: 'आप' के रूप

## 1 कुरिन्थियों 10:29 (#2)

""

"पौलुस कुरिन्थियों से बात कर रहा है जैसे कि वे एक व्यक्ति थे, इसलिए यहाँ ""तुम्हारा"" शब्द एकवचन है।

देखें: 'आप' के रूप

## 1 कुरिन्थियों 10:29 (#3)

"उस दूसरे का"

यहाँ उस दूसरे वह है जिन्होंने 10:28 में कहा कि भोजन कैसे "मूरत को बलि की हुई वस्तु" थी। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप स्पष्ट कर सकते हैं कि उस दूसरे से किसका सन्दर्भ है। वैकल्पिक अनुवाद: "उस व्यक्ति का, जिसने आपको सूचित किया"

देखें: सर्वनाम — उनका उपयोग कब करें

## 1 कुरिन्थियों 10:29 (#3)

""

"इस प्रश्न के लिए संभावित अर्थ, अगले पद में प्रश्न के साथ, 1) ""के लिए"" शब्द का अर्थ है वापस [[1 कुरिन्थियों 10:27] (.. / 10 / 27.md)]में दर्शाता है। वैकल्पिक अनुवाद: वैकल्पिक अनुवाद: ""मैं विवेक के प्रश्न पूछने के लिए नहीं हूं, तो क्यों ... विवेक?"" या 2) पौलुस दोहरा रहा है जो कुछ कुरिन्थियों के लोग सोच रहे थे। वैकल्पिक अनुवाद: ""जैसा आप में से कुछ सोच रहे होंगे, 'क्यों ... विवेक?'""

## 1 कुरिन्थियों 10:29 (#5)

"मेरी स्वतंत्रता"

यहाँ पौलुस प्रथम पुरुष में बोलना शुरू करते हैं ताकि स्वयं को एक उदाहरण के रूप में प्रस्तुत कर सकें। जो वह 10:33 में कहते हैं, वह इस बात की पुष्टि करता है कि यही कारण है कि वह प्रथम पुरुष का उपयोग करते हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप यहाँ प्रथम पुरुष की अभिव्यक्ति यह स्पष्ट करके कर सकते हैं कि पौलुस स्वयं को उदाहरण के रूप में उपयोग कर रहे हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "उदाहरण के लिये, मेरी स्वतंत्रता,"

देखें: प्रथम, द्वितीय या तृतीय पुरुष

## 1 कुरिन्थियों 10:29 (#4)

""

"वक्ता चाहता है कि सुनने वाले व्यक्ति अपने दिमाग में प्रश्न का उत्तर दे। वैकल्पिक अनुवाद: वैकल्पिक अनुवाद: ""तुम्हे मेरे बताए बिना पता होना चाहिए कि कोई भी यह कह न पाए कि मैं गलत कर रहा हूं जिस व्यक्ति के पास सही और गलत के बारे में विचार हैं जो मेरे से अलग हैं।"" (देखें: )"

देखें: आलंकारिक प्रश्न

**1 कुरिन्थियों 10:29 (#7)****"मेरी स्वतंत्रता दूसरे के विचार से क्यों परखी जाए"**

यदि आपकी भाषा इस प्रकार से निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं करती है, तो आप इस विचार को सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य तरीके से जो स्वाभाविक हो, व्यक्त कर सकते हैं। यहाँ पौलुस निष्क्रिय रूप का उपयोग करते हैं ताकि मेरी स्वतंत्रता पर ध्यान केन्द्रित की जाए जिसे परखी जा रही है, न कि दूसरे के विचार पर जो "परखने" का कार्य कर रहा है। वैकल्पिक अनुवाद: "दूसरे के विचार मेरी स्वतंत्रता को क्यों परखते हैं"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

**1 कुरिन्थियों 10:29 (#8)****"मेरी स्वतंत्रता"**

यदि आपकी भाषा में **स्वतंत्रता** के विचार के लिये कोई भाववाचक संज्ञा का उपयोग नहीं होता है, तो आप इस विचार को एक सम्बन्धवाचक उपवाक्य के माध्यम से व्यक्त कर सकते हैं जिसमें "स्वतंत्र" जैसे विशेषण का प्रयोग हो। वैकल्पिक अनुवाद: "जो करने के लिये मैं स्वतंत्र हूँ"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

**1 कुरिन्थियों 10:30 (#2)****"यदि मैं" - "सहभागी होता हूँ"**

"यदि पौलुस दोहरा नहीं रहा है जो कुछ कुरिन्थियों के लोग सोच रहे हैं, ""मैं" उन लोगों दर्शाता है जो धन्यवाद के साथ मांस खाते हैं। ""अगर कोई व्यक्ति भाग लेता है"" या ""जब कोई व्यक्ति खाता है"""

**1 कुरिन्थियों 10:30 (#2)****"मैं" - "मैं" - "मेरी बदनामी क्यों होती है"**

यहाँ पौलुस स्वयं को एक उदाहरण के रूप में प्रस्तुत करने के लिये प्रथम पुरुष में बोलना जारी रखते हैं। जो वह 10:33 में कहते हैं, वह इसकी पुष्टि करता है कि वह प्रथम पुरुष का प्रयोग इसी कारण कर रहे हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप यह स्पष्ट करके प्रथम पुरुष व्यक्त कर सकते हैं कि पौलुस स्वयं को एक उदाहरण के रूप में प्रस्तुत

कर रहे हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मैं, उदाहरण के लिये, ... मैं ... मेरी बदनामी क्यों होती है"

देखें: प्रथम, द्वितीय या तृतीय पुरुष

**1 कुरिन्थियों 10:30 (#3)****"धन्यवाद करके"**

"और इसके लिए परमेश्वर का धन्यवाद हो या ""और उस व्यक्ति का धन्यवाद करें जिसने इसे मेरे लिए दिया"""

**1 कुरिन्थियों 10:30 (#1)**

""

"वक्ता चाहता है कि सुनने वाले व्यक्ति अपने दिमाग में प्रश्न का उत्तर दे। वैकल्पिक अनुवाद: ""मैं कृतज्ञता के साथ भोजन में भाग लेता हूँ, इसलिए कोई भी मेरा अपमान न करें जिसके लिए मैंने धन्यवाद दिया।"""

देखें: आलंकारिक प्रश्न

**1 कुरिन्थियों 10:30 (#5)****"मेरी बदनामी क्यों होती है"**

यदि आपकी भाषा में निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं होता है, तो आप इस विचार को सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य तरीके से जो स्वाभाविक हो, व्यक्त कर सकते हैं। यहाँ पौलुस निष्क्रिय रूप का उपयोग स्वयं पर ध्यान केन्द्रित करने के लिये करते हैं, जिनकी **बदनामी** होती है, न कि उस व्यक्ति पर ध्यान केन्द्रित करते हैं जो "बदनाम" कर रहा है। यदि यह बताना आवश्यक हो कि यह कार्य कौन करता है, तो पौलुस संकेत देते हैं कि कोई अन्य व्यक्ति इसे करता है। वैकल्पिक अनुवाद: "क्या वे मेरा अपमान करते हैं" या "क्या कोई मेरा अपमान करता है"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

**1 कुरिन्थियों 10:31 (#1)****"इसलिए"**

यहाँ **इसलिए** 8:1-10:30 तक जो कुछ पौलुस ने तर्क किया है, उसका निष्कर्ष प्रस्तुत करते हैं। यदि आपके पास किसी सम्पूर्ण अनुभाग का निष्कर्ष प्रस्तुत करने का कोई तरीका है, तो आप उसका उपयोग यहाँ कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "निष्कर्ष में"

देखें: जोड़ें — कारण-और-परिणाम सम्बन्ध

### 1 कुरिन्थियों 10:31 (#2)

"तुम चाहे खाओ, चाहे पीओ, चाहे जो कुछ करो"

पौलुस इस प्रकार बोल रहे हैं मानो "खाना," "पीना," और "करना" केवल एक काल्पनिक सम्भावनाएँ हो, परन्तु उनका तात्पर्य यह है कि कुरिन्थ वासी वास्तव में ये सब कार्य करेंगे। यदि आपकी भाषा किसी बात को निश्चित या सत्य होने की सम्भावना के रूप में नहीं बताती है और यदि आपके पाठक सोचते हैं कि पौलुस जो कह रहे हैं वह निश्चित नहीं है, तो आप उनके शब्दों का अनुवाद सकारात्मक कथन के रूप में कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जब आप खाते हैं या पीते हैं, या जब आप जो कुछ करते हैं"

देखें: जोड़ें — तथ्यात्मक स्थितियाँ

### 1 कुरिन्थियों 10:31 (#3)

"परमेश्वर की महिमा के लिये"

यदि आपकी भाषा में **महिमा** के विचार के लिये कोई भाववाचक संज्ञा नहीं है, तो आप इस विचार को व्यक्त करने के लिये "महिमा करना" जैसी क्रिया का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "परमेश्वर की महिमा करना"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

### 1 कुरिन्थियों 10:32 (#1)

"तुम न यहूदियों, न यूनानियों, और न परमेश्वर की कलीसिया के लिये ठोकर के कारण बनो"

यदि आपकी भाषा में ठोकर के पीछे के विचार के लिये कोई भाववाचक संज्ञा नहीं है, तो आप इस विचार को व्यक्त करने के लिये "ठोकर देना" जैसी क्रिया का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "आप न तो यहूदियों, न यूनानियों, और न ही परमेश्वर की कलीसिया को ठोकर दो"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

### 1 कुरिन्थियों 10:32 (#1)

"तुम न यहूदियों, न यूनानियों," - "ठोकर के कारण बनो"

"यहूदियों या यूनानियों को अप्रसन्न न करें या ""यहूदी या यूनानी को क्रोधित न करें""

### 1 कुरिन्थियों 10:33 (#1)

"अपना" - "बहुतों का लाभ"

यहाँ पौलुस एक **लाभ** की बात कर रहे हैं जो उनके या **बहुतों** के लिये है। इसके द्वारा, वह उस **लाभ** का उल्लेख करते हैं जो उनके लिये या **बहुतों** के लिये है। यदि आपकी भाषा में उस विचार को व्यक्त करने के लिये अधिकारवाचक का उपयोग नहीं होता है, तो आप स्पष्ट कर सकते हैं कि **लाभ** किसी के "लिये" है। वैकल्पिक अनुवाद: "जो मेरे लिये लाभदायक है ... परन्तु जो बहुतों के लिये लाभदायक है"

देखें: स्वामित्व

### 1 कुरिन्थियों 10:33 (#2)

"अपना नहीं, परन्तु बहुतों का लाभ"

यदि आपकी भाषा में **लाभ** के पीछे के विचार के लिये कोई भाववाचक संज्ञा नहीं है, तो आप इस विचार को "लाभ पहुँचाना" जैसी क्रिया का उपयोग करके व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जो मुझे लाभ नहीं पहुँचाता, परन्तु जो बहुतों को लाभ पहुँचाता है"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

### 1 कुरिन्थियों 10:33 (#3)

"बहुतों का"

जितना संभव हो उतने लोग

### 1 कुरिन्थियों 10:33 (#4)

"कि वे उद्धार पाएँ"

यदि आपकी भाषा में निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं होता है, तो आप इस विचार को सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य तरीके से जो स्वाभाविक हो, व्यक्त कर सकते हैं। यहाँ पौलुस निष्क्रिय रूप का उपयोग "बचाने" वाले व्यक्ति पर ध्यान केन्द्रित करने के बदले उन पर ध्यान केन्द्रित करते हैं जो उद्धार पाएँ हैं। यदि आपको यह बताना आवश्यक है कि कार्य कौन करता है, तो पौलुस संकेत देते हैं कि "परमेश्वर"

इसे करते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "परमेश्वर उनका उद्धार कर सके"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

## 1 कुरिन्थियों 11:1 (#1)

""

Connecting Statement:\n\nउन्हें मसीह का पालन करने के तरीके के बारे में याद दिलाने के बाद, पौलुस कुछ विशिष्ट निर्देश देता है कि कैसे महिलाओं और पुरुषों को विश्वासियों के रूप में जीना है।

## 1 कुरिन्थियों 11:2 (#1)

"(अब) मैं तुम्हें सराहता हूँ"

मूल भाषा में इस पद के प्रारंभ में **अब** शब्द का नए खण्ड को प्रस्तुत करने के लिए लिखा गया है जिसका उपयोग हिंदी आई.आर.वि. बाइबल में उपयोग नहीं किया गया है। यहाँ, **अब** पौलुस अपने तर्क में एक पूरे नए खण्ड को प्रस्तुत करते हैं। वह **अब** आराधना के दौरान उचित व्यवहार के बारे में बोलना प्रारंभ करते हैं। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप **अब** को एक ऐसे शब्द या वाक्यांश के साथ व्यक्त कर सकते हैं जो एक नए विषय का परिचय देता है या इसे अनुवाद किये बिना छोड़ सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "फिर,"

देखें: शब्दों और वाक्यांशों को जोड़ना

## 1 कुरिन्थियों 11:2 (#2)

"मुझे"

यहाँ, **मुझे** विशेष रूप से पौलुस की शिक्षा और उसके व्यवहार का सन्दर्भ देता है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप **मुझे** को इस प्रकार व्यक्त कर सकते हैं कि पौलुस के मन में **मुझे** के बारे में क्या है। वैकल्पिक अनुवाद: "मेरा सिद्धांत और व्यवहार"

देखें: लक्षणालंकार

## 1 कुरिन्थियों 11:2 (#1)

"तुम सदैव मेरे बारे में सोचते हो या ""तुम सदैव कार्य करने का प्रयास करते हो जैसा मैं चाहता हूँ"" कुरिन्थियों के लोग

यह नहीं भूलें थे कि पौलुस कौन था या उसने उन्हें क्या सिखाया था।

## 1 कुरिन्थियों 11:2 (#4)

"जो व्यवहार मैंने तुम्हें सौंप दिए हैं, उन्हें धारण करते हो"

यहाँ पौलुस ऐसे बोलते हैं जैसे **व्यवहार** कुछ भौतिक वस्तुएं हों जिन्हें कुरिन्थियों को **धारण** करना चाहिए। इस अलंकार का प्रयोग करके पौलुस इस बात पर बल देना चाहता है कि कुरिन्थियों पर विश्वास कर रहे हैं और उनके अनुसार उसी सावधानी और निरंतरता से कार्य कर रहे हैं, मानो वे उन्हें शारीरिक रूप से थामे हुए हों। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप **धारण** करते हो को एक तुलनीय रूपक के साथ व्यक्त कर सकते हैं या इस विचार को सीधे तौर पर व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जो व्यवहार मैं ने तुम्हें सौंप दिए हैं, उन्हें मानते हो" या "जो व्यवहार मैं ने तुम्हें सौंप दिए हैं, उन्हें पालन करते हो"

देखें: रूपक

## 1 कुरिन्थियों 11:2 (#5)

"जो व्यवहार"

यदि आपकी भाषा में **व्यवहार** के पीछे के विचार के लिए कोई भाववाचक संज्ञा नहीं है, तो आप "शिक्षा" या "सीखना" जैसी क्रिया के साथ एक सापेक्ष उपवाक्य का उपयोग करके विचार व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जो बातें तुमने मुझ से सीखी हैं"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

## 1 कुरिन्थियों 11:2 (#6)

"मैंने तुम्हें सौंप दिए हैं"

यहाँ पौलुस ऐसे बोलते हैं जैसे **व्यवहार** एक भौतिक वस्तु हो जिसे उन्होंने कुरिन्थियों को **सौंपा** था। इस प्रकार बोलकर, वह इस बात पर जोर देते हैं कि उन्होंने वास्तव में उन्हें **व्यवहार** सिखाया, और अब वे इन **व्यवहारों** को उतना ही अच्छी तरह से जानते हैं जैसे कि वे उन्हें अपने हाथों में पकड़े हुए हों। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इस अलंकार को एक तुलनीय रूपक के साथ व्यक्त कर सकते हैं या इस विचार को सीधे व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मैंने तुम्हें निर्देश दिए हैं" या "मैंने तुम्हें बताई हैं"

देखें: रूपक

**1 कुरिन्थियों 11:3 (#1)**

"सब बातों में तुम मुझे स्मरण करते हो"

संभावित अर्थ 1) ""इस कारण से, मैं चाहता हूँ"" या 2)  
""हालांकि, मैं चाहता हूँ"" "

**1 कुरिन्थियों 11:3 (#2)**

"हर एक" - "सिर" - "है"

अधिकार है

**1 कुरिन्थियों 11:3 (#3)**

"हर एक पुरुष का"

यहाँ, हर एक पुरुष का अर्थ हो सकता है: (1) पुरुष लोग।  
पौलुस यह नहीं कह रहे हैं कि मसीह महिलाओं का सिर नहीं  
है, बल्कि वह यह दावा कर रहे हैं कि वह पुरुषों का सिर है।  
वैकल्पिक अनुवाद: "हर एक पुरुष व्यक्ति का" (2) सामान्य  
रूप से लोग, भले ही शब्द पुल्लिंग है। वैकल्पिक अनुवाद:  
"हर एक व्यक्ति का"

देखें: जब पुल्लिंग शब्दों में स्त्रियाँ भी सम्मिलित होती हैं

**1 कुरिन्थियों 11:3 (#3)**

""

"संभावित अर्थ 1) ""पुरुषों को महिलाओं पर अधिकार होना  
चाहिए"" या 2) ""पति को पत्नी पर अधिकार रखना चाहिए"""

**1 कुरिन्थियों 11:3 (#5)**

""

पौलुस सामान्य रूप से "पुरुषों" और "स्त्रियों" की बात कर  
रहे हैं, न कि किसी विशेष पुरुष और स्त्री की। यदि आपकी  
भाषा में यह सहायक होगा, तो आप इस रूप को सामान्य रूप  
में लोगों का उल्लेख करने वाले रूप के साथ व्यक्त कर सकते  
हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "प्रत्येक पुरुष अपनी स्त्री का सिर है"  
या "प्रत्येक पुरुष प्रत्येक स्त्री का सिर है"

देखें: सामान्य संज्ञा वाक्यांश

**1 कुरिन्थियों 11:4 (#1)**

"जो पुरुष सिर ढाँके हुए"

यहाँ, पुरुष सिर ढाँके हुए उसी समय होते हैं जब वह प्रार्थना  
या भाविष्यद्वाणी कर रहे होते हैं। यदि आपकी भाषा में यह  
सहायक होगा, तो आप इन घटनाओं के बीच के सम्बन्ध को  
एक शब्द या वाक्यांश के साथ व्यक्त कर सकते हैं जो इंगित  
करता है कि ये घटनाएं एक ही समय पर होती हैं। वैकल्पिक  
अनुवाद: "जो अपने सिर ढाँके हुए"

देखें: जोड़े — समकालिक समय सम्बन्ध

**1 कुरिन्थियों 11:4 (#1)**

""

और उसके सिर पर कपड़ा या आवरण रखने के बाद ऐसा  
करता है

**1 कुरिन्थियों 11:4 (#3)**

"अपमान"

यहाँ, अपमान एक शब्द है जो किसी और को शर्मिदा करने  
या उनका आदर छीनने का कारण बनने को संदर्भित करता  
है। अपनी भाषा में इस विचार को संदर्भित करने वाले शब्द  
या वाक्यांश का उपयोग करें। वैकल्पिक अनुवाद: "शर्मिदा  
करता है" या "आदर छीन लेता है"

देखें: अज्ञात शब्दों का अनुवाद करें

**1 कुरिन्थियों 11:4 (#2)**

"वह अपने सिर का अपमान करता है"

"संभावित अर्थ 1) ""स्वयं की लज्जा का कारण होता है"" या  
2) ""मसीह की लज्जा का कारण होता है, जो उसका सिर  
है!"""

**1 कुरिन्थियों 11:5 (#1)**

""

"संभावित अर्थ 1) ""महिला जो प्रार्थना करती है ... स्वयं की  
लज्जा का कारण होती है"" या 2) ""पत्नी जो प्रार्थना करती है  
... अपने पति की लज्जा का कारण होती है!"""

**1 कुरिन्थियों 11:5 (#2)**

"अपमान"

यहाँ, अपमान एक शब्द है जो किसी और को शर्मिंदा करने या उनका आदर छीनने का कारण बनने का संदर्भ देता है। अपनी भाषा में इस विचार को व्यक्त करने के लिए उपयुक्त शब्द या वाक्यांश का उपयोग करें। वैकल्पिक अनुवाद: "शर्मिंदा करता है" या "आदर छीन लेता है"

देखें: अज्ञातों का अनुवाद करें

## 1 कुरिन्थियों 11:5 (#3)

"अपने सिर"

यहाँ, अपने सिर निम्नलिखित का संदर्भ दे सकता है: (1) कैसे 11:3 कहता है कि "स्त्री का सिर पुरुष है।" वाक्यांश अपने सिर इस प्रकार "पुरुष" को स्त्री के सिर के रूप में संदर्भित करता है। यह पुरुष उस स्त्री का पति होगा। वैकल्पिक अनुवाद: "अपना पति, अपना सिर" (2) फिर से कैसे 11:3 कहता है कि "स्त्री का सिर पुरुष है।" इस मामले में, "पुरुष" सामान्य रूप से पुरुषों को संदर्भित करता है। वैकल्पिक अनुवाद: "प्रत्यक पुरुष, उसका सिर" (3) स्त्री का भौतिक सिर, जिसका अर्थ होगा कि स्त्री "अपना" अपमान करती है। वैकल्पिक अनुवाद: "अपने स्वयं के सिर" या "अपना"

देखें: रूपक

## 1 कुरिन्थियों 11:5 (#4)

"वह"

यहाँ, वह का संदर्भ सिर को बिना ढके रखने से है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप वह का संदर्भ स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "सिर को बिना ढके रखना"

देखें: सर्वनाम — उनका उपयोग कब करें

## 1 कुरिन्थियों 11:5 (#5)

"क्योंकि वह मुँछड़ी होने के बराबर है"

यहाँ, होने के बराबर है कहने का अर्थ है कि दो चीजें समान या एक जैसी हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप इस वाक्यांश को एक तुलनीय मुहावरे के साथ व्यक्त कर सकते हैं या इस विचार को सीधे व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "यह जैसे ही हैं जैसे मुँछड़ी हो जाना" या "यह मुँछड़ी होने के समान है"

देखें: मुहावरा

## 1 कुरिन्थियों 11:5 (#6)

"मुँछड़ी होने के बराबर"

यहाँ, मुँछड़ी होने का अर्थ सिर से है। यदि आपको यह स्पष्ट करने की आवश्यकता हो कि किसे मुँछड़ी किया जा रहा है, तो आप सिर को शामिल कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "वह अपनी सिर मुँछड़ी होने के बराबर है"

देखें: पदलोप

## 1 कुरिन्थियों 11:5 (#7)

"मुँछड़ी होने के बराबर"

पौलुस की संस्कृति में, एक महिला जिसके सिर के बाल मुँडे हुए हों, उन्हें शर्म और अपमान का अनुभव करना पड़ता था, और पौलुस अपने तर्क के लिए इसे मानते हैं। यदि यह आपकी संस्कृति में सत्य नहीं है, तो आपको यह स्पष्ट करने की आवश्यकता हो सकती है कि सिर मुँडाना स्थियों के लिए अपमानजनक बात है। वैकल्पिक अनुवाद: "अपमानजनक तरीके से मुँछड़ी होने के बराबर"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

## 1 कुरिन्थियों 11:5 (#3)

""

जैसे कि उसने अपने सिर के सभी बालों को एक उस्तरे से हटा दिया था

## 1 कुरिन्थियों 11:6 (#1)

"यदि"

यहाँ पौलुस एक सच्ची संभावना प्रस्तुत करने के लिए यदि का उपयोग करते हैं। उनका अर्थ है कि एक स्त्री अपने सिर को ढक सकती है, या नहीं भी ढक सकती है। वह यह स्पष्ट करते हैं कि यदि स्त्री ओढ़नी न ओढ़े तो परिणाम क्या होंगे। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप इस रूप को "जब भी" जैसे शब्द के साथ प्रस्तुत करके यदि कथन को व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जब भी"

देखें: जोड़ें — काल्पनिक स्थितियाँ

## 1 कुरिन्थियों 11:6 (#2)

"ओढ़नी न ओढ़े," - "तो ओढ़नी ओढ़े"

सामान्यतः जैसा कि 11:5 में, ओढ़नी न ओढ़े का संदर्भ हो सकता है: (1) सिर और बालों पर कपड़ा न पहनना। वैकल्पिक अनुवाद: "उनके सिर पर वस्त्र नहीं हैं ... उसे अपने सिर पर वस्त्र पहनने दें" (2) पारंपरिक केशभूंगार में बाल को ऊपर न बाधना बल्कि उसे खुला छोड़ देना। वैकल्पिक अनुवाद: "अपने बाल खुले रखे ... वह अपने बाल बाँध ले"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

## 1 कुरिन्थियों 11:6 (#3)

"तो बाल भी कटा ले"

यहाँ पौलुस तृतीय पुरुष अनिवार्यता का प्रयोग करता है। यदि आपकी भाषा में तृतीय पुरुष अनिवार्यता हैं, तो आप यहाँ उसका उपयोग कर सकते हैं। यदि आपके पास तृतीय पुरुष अनिवार्यता नहीं हैं, तो आप इस विचार को "चाहिए" या "जरूरत है" जैसे शब्दों का उपयोग करके व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "तो उसके बाल भी कटवा दिए जाएं"

देखें: तृतीय-पुरुष अनिवार्यताएँ

## 1 कुरिन्थियों 11:6 (#4)

"तो बाल भी कटा ले"

यदि आपकी भाषा में निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं होता है, तो आप इस विचार को सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं जो स्वाभाविक हो। पौलुस यहाँ निष्क्रिय रूप का उपयोग करते हैं ताकि बाल के कटाने या मुण्डाने पर ध्यान केंद्रित किया जा सके, बजाय इसके कि "काटने" या "मुंडन" करने वाले व्यक्ति पर ध्यान केंद्रित किया जाए। यदि आपको यह बताना आवश्यक है कि यह कार्य कौन करता है, तो पौलुस संकेत करते हैं कि "कोई" इसे करता है। वैकल्पिक अनुवाद: "कोई उसके बाल कटवा दे या उसके बाल मुँडवा दे"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

## 1 कुरिन्थियों 11:6 (#1)

""

यह एक महिला के लिए उसके बालों का कम होना या गंजी होना लज्जा या अपमान का प्रतीक था।

## 1 कुरिन्थियों 11:6 (#6)

"यदि स्त्री के लिये बाल कटाना या मुण्डाना"

यहाँ, यदि स्त्री के लिये बाल कटाना इस बात का संदर्भ देता है कि बाल को कैसे छोटा या बहुत छोटा किया जाता है। वाक्यांश मुण्डाना इस बात का संदर्भ देता है कि बाल को इतना छोटा किया जा सकता है कि वह दिखाई नहीं दे। यदि आपकी भाषा में इन दो कार्यों के लिए अलग-अलग शब्द हैं, तो आप उन्हें यहाँ उपयोग कर सकते हैं। यदि आपकी भाषा में बाल को छोटा करने के लिए केवल एक शब्द है, तो आप यहाँ उपयुक्त एक शब्द का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "बाल छोटे कटाना"

देखें: द्विरावृत्ति (डबलेट)

## 1 कुरिन्थियों 11:6 (#7)

"स्त्री के लिये बाल कटाना या मुण्डाना"

यदि आपकी भाषा में निष्क्रिय रूप का उपयोग सामान्य नहीं है, तो आप इस विचार को सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य स्वाभाविक तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। पौलुस यहाँ निष्क्रिय रूप का उपयोग करते हैं ताकि बाल के कटाने या मुण्डाने पर ध्यान केंद्रित किया जा सके, बजाय इसके कि "काटने" या "मुंडन" करने वाले व्यक्ति पर ध्यान केंद्रित किया जाए। यदि आपको यह बताना आवश्यक है कि यह कार्य कौन करता है, तो पौलुस संकेत करते हैं कि "कोई" यह करता है। वैकल्पिक अनुवाद: "कोई उसके बाल कटवा दे या उसके बाल मुँडवा दे"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

## 1 कुरिन्थियों 11:6 (#8)

"तो ओढ़नी ओढ़े"

यहाँ पौलुस तृतीय पुरुष अनिवार्यता का उपयोग करते हैं। यदि आपकी भाषा में तृतीय पुरुष अनिवार्यता है, तो आप यहाँ उसका उपयोग कर सकते हैं। यदि आपके पास तृतीय पुरुष अनिवार्यता नहीं है, तो आप इस विचार को "चाहिए" या "जरूरत है" जैसे शब्दों का उपयोग करके व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "तो उसे ओढ़नी से अपना सिर ढकना चाहिए"

देखें: तृतीय-पुरुष अनिवार्यताएँ

## 1 कुरिन्थियों 11:7 (#1)

"हाँ"

यहाँ, हाँ और कारण प्रस्तुत करता है कि पौलुस ने "सिर ढकने" के बारे में जो तर्क दिया है, वह सही क्यों है। यदि

आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप हाँ को अनुवादित किए बिना छोड़ सकते हैं या एक ऐसा शब्द या वाक्यांश का उपयोग कर सकते हैं जो और कारण प्रस्तुत करता है। वैकल्पिक अनुवाद: "और कारण यह है कि क्यों"

देखें: शब्दों और वाक्यांशों को जोड़ना

## 1 कुरिन्थियों 11:7 (#2)

"उचित नहीं"

यह संकेत दे सकता है कि पुरुष को: (1) अपने सिर को ढकना नहीं चाहिए। वैकल्पिक अनुवाद: "नहीं ढकना चाहिए" (2) अपने सिर को ढकने की आवश्यकता नहीं है, लेकिन वह जो करना चाहते हैं वह कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "पर कोई बाध्यता नहीं है"

## 1 कुरिन्थियों 11:7 (#1)

"अपना सिर ढाँकना उचित नहीं"

"इसे सक्रिय रूप में कहा जा सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: संभावित अर्थ 1) ""अपने सिर को ढंकना नहीं चाहिए"" या 2) ""उसके सिर को ढकने की ज़रूरत नहीं है"""

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

## 1 कुरिन्थियों 11:7 (#4)

"क्योंकि वह"

यहाँ, **क्योंकि वह** एक उपवाक्य प्रस्तुत करता है जो उस बात का कारण या आधार देता है जो पहले कहा गया है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप इस सम्बन्ध को एक शब्द या वाक्यांश के साथ व्यक्त कर सकते हैं जो कारण या आधार प्रस्तुत करता है। वैकल्पिक अनुवाद: "क्योंकि वह"

देखें: जोड़ें — कारण-और-परिणाम सम्बन्ध

## 1 कुरिन्थियों 11:7 (#5)

"परमेश्वर का स्वरूप और महिमा"

यदि आपकी भाषा में **स्वरूप** और **महिमा** के पीछे के विचारों के लिए भाववाचक संज्ञाओं का उपयोग नहीं होता है, तो आप इस विचार को "प्रतिबिंबित करना" और "महिमा करना" जैसे क्रियाओं का उपयोग करके व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "वह परमेश्वर को प्रतिबिम्बित करता और महिमा देता है"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

## 1 कुरिन्थियों 11:7 (#6)

"स्त्री पुरुष की शोभा हैं"

यहाँ, स्त्री और पुरुष का संदर्भ हो सकता है: (1) एक महिला और पुरुष जो एक-दूसरे से विवाहित हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "पत्नी पति की शोभा है" (2) कोई भी व्यक्ति जो पुरुष और महिला हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "स्त्री पुरुष की महिमा है"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

## 1 कुरिन्थियों 11:7 (#7)

"स्त्री पुरुष की शोभा हैं"

पौलुस सामान्य रूप में "स्त्रीओं" और "पुरुषों" की बात कर रहे हैं, किसी विशेष स्त्री और पुरुष की नहीं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप इसे सामान्य रूप में लोगों को संदर्भित करने वाले रूप के साथ व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "प्रत्येक स्त्री अपने पुरुष की शोभा होती है" या "महिलाएं पुरुषों की शोभा होती है"

देखें: सामान्य संज्ञा वाक्यांश

## 1 कुरिन्थियों 11:7 (#2)

"महिमा है;" - "पुरुष की"

जैसे मनुष्य परमेश्वर की महानता को प्रतिबिंबित करता है, वैसे ही महिला मनुष्य के चरित्र को प्रतिबिंबित करती है।

## 1 कुरिन्थियों 11:8 (#1)

"क्योंकि"

यहाँ, **क्योंकि** पौलुस ने 11:7 में जो दावा किया है उसके लिए एक आधार प्रस्तुत करता है, विशेष रूप से इस दावे के लिए कि "स्त्री पुरुष की शोभा है!" 11:10 में, पौलुस 11:7 में किए गए दावे का परिणाम प्रस्तुत करते हैं। इस कारण से, कुछ भाषाओं में 11:7-8 तर्क या विचार को बाधित करते हुए प्रतीत हो सकते हैं। यदि यह आपकी भाषा में सत्य है, तो आप 11:7-8 को एक बाधा के रूप में चिह्नित कर सकते हैं, जैसे कि कोष्ठक या आपकी भाषा में किसी अन्य स्वाभाविक रूप का उपयोग करें। वैकल्पिक अनुवाद: "एक अतिरिक्त टिप्पणी के रूप में," या "वैसे,"

देखें: जोड़ें — कारण-और-परिणाम सम्बन्ध

## 1 कुरिन्थियों 11:8 (#1)

”

”परमेश्वर ने पुरुष से एक हड्डी लेकर और उस हड्डी से महिला बना दी। इसे सक्रिय रूप में कहा जा सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: परमेश्वर ने उस आदमी को महिला से नहीं बनाया। इसके बजाय, उसने महिला को आदमी से बनाया ”“

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

## 1 कुरिन्थियों 11:9 (#1)

”और

यहाँ, और पौलुस द्वारा [11:7](#) में किए गए दावे के लिए दूसरा आधार प्रस्तुत किया गया है, विशेष रूप से इस दावे के लिए कि ”स्त्री पुरुष की शोभा है।” [11:10](#) में। हालांकि, पौलुस [11:7](#) में किए गए दावे का परिणाम [11:10](#) में देते हैं। इस कारण से, कुछ भाषाओं में [11:7-8](#) ऐसा लग सकता है जैसे वे तर्क या बहस को बाधित कर रहे हैं। यदि यह आपकी भाषा में सही है, तो आप [11:7-8](#) को एक बाधा के रूप में चिह्नित कर सकते हैं, जैसे कि कोष्ठक का उपयोग करके या आपकी भाषा में किसी अन्य स्वाभाविक रूप का उपयोग करें। वैकल्पिक अनुवाद: ”एक अन्य अतिरिक्त टिप्पणी के रूप में,” या ”वैसे भी,”

देखें: जोड़ें — कारण-और-परिणाम सम्बन्ध

## 1 कुरिन्थियों 11:9 (#2)

”पुरुष स्त्री के लिये नहीं सिरजा गया, परन्तु स्त्री पुरुष के लिये सिरजी गई है”

फिर से, पौलुस एक पुरुष और एक स्त्री के बारे में बात कर रहे हैं। जिस प्रकार [11:8](#) में है, ये शब्द निम्नलिखित का उल्लेख कर सकते हैं: (1) प्रथम पुरुष और स्त्री जिन्हें परमेश्वर ने सिरजा: आदम और हव्वा। उत्पत्ति [2:18-25](#) की कहानी में, परमेश्वर ने सर्वप्रथम आदम को सिरजा है। परमेश्वर फिर आदम से सभी जानवरों का नामकरण करवाते हैं, लेकिन आदम के लिए कोई ”सहायक” नहीं था। परमेश्वर फिर आदम के लिए हव्वा को ”सहायक” के रूप में बनाते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: ”प्रथम पुरुष प्रथम स्त्री के लिए नहीं सिरजा गया था, बल्कि प्रथम स्त्री प्रथम पुरुष के लिए सिरजी गई थी” (2) सामाच्य रूप में ”पुरुष” और ”स्त्रियाँ”。 इस मामले में, पौलुस पुरुषों और स्त्रियों के बीच सामाच्य सम्बन्ध या पतियों और पत्रियों के बीच विशेष सम्बन्ध का उल्लेख कर रहे होंगे। वैकल्पिक अनुवाद: ”पुरुष स्त्रियों के लिए नहीं

सिरजे गए थे, बल्कि स्त्रियाँ पुरुषों के लिए सिरजे गए थे” या ”पति पत्रियों के लिए नहीं सिरजे गए थे, बल्कि पत्रियाँ पतियों के लिए सिरजे गए थे”

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित ज्ञानकारी

## 1 कुरिन्थियों 11:9 (#3)

”पुरुष ..... नहीं सिरजा गया”

यदि आपकी भाषा में निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं होता है, तो आप इस विचार को सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं जो स्वाभाविक हो। पौलुस यहाँ निष्क्रिय रूप का उपयोग करते हैं ताकि पुरुष पर ध्यान केंद्रित किया जा सके, जो सिरजा गया है, बजाय इसके कि ”सृजन” करने वाले पर ध्यान केंद्रित किया जाए। यदि आपको यह बताना आवश्यक है कि कार्य कौन करता है, तो पौलुस का संकेत है कि ”परमेश्वर” इसे करते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: ”परमेश्वर ने पुरुष को (स्त्री के लिए) नहीं सिरजा था”

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

## 1 कुरिन्थियों 11:9 (#4)

”स्त्री पुरुष के लिये”

यहाँ पौलुस कुछ शब्दों को छोड़ देते हैं जो आपकी भाषा में एक पूर्ण विचार बनाने के लिए आवश्यक हो सकता है। पौलुस इन शब्दों को छोड़ देते हैं क्योंकि उन्होंने इन्हें पिछले पद में स्पष्ट रूप से कहा था (सिरजी गई है)। यदि आपकी भाषा को इन शब्दों की आवश्यकता है, तो आप उन्हें उस पद से ले सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: ”स्त्री पुरुष के लिए सिरजी गई थीं”

देखें: पदलोप

## 1 कुरिन्थियों 11:10 (#1)

”के कारण स्त्री” - ”इसलिए स्वर्गदूतों”

यहाँ, के कारण का संदर्भ हो सकता है: (1) दोनों जो पौलुस ने [11:7](#) में कहा कि ”स्त्री पुरुष की शोभा है” और जो वह इस पद में स्वर्गदूतों के बारे में कहेंगे। वैकल्पिक अनुवाद: ”क्योंकि स्त्री पुरुष की शोभा है और स्वर्गदूतों के कारण, स्त्री” (2) जिस प्रकार पौलुस ने [11:7](#) में कहा कि ”स्त्री पुरुष की शोभा है!” वैकल्पिक अनुवाद: ”जो मैंने कहा है उसके कारण, स्त्री... स्वर्गदूतों के कारण” (3) जैसे पौलुस इस पद के अन्त

में स्वर्गदूतों के बारे में कहेंगे। वैकल्पिक अनुवाद: "इस कारण, अर्थात्, स्वर्गदूतों के कारण, स्त्री "

देखें: जोड़ें — कारण-और-परिणाम सम्बन्ध

## 1 कुरिन्थियों 11:10 (#2)

### "स्त्री"

यहाँ, स्त्री का अर्थ हो सकता है: (1) एक स्त्री। वैकल्पिक अनुवाद: "स्त्री" (2) एक पत्नी। वैकल्पिक अनुवाद: "पत्नी"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

## 1 कुरिन्थियों 11:10 (#3)

### "स्त्री"

पौलुस सामान्य रूप में "स्त्रियों" का उल्लेख कर रहे हैं, किसी विशेष स्त्री का नहीं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप इसे सामान्य रूप में लोगों को संदर्भित करने वाले रूप के साथ व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "प्रत्येक स्त्री"

देखें: सामान्य संज्ञा वाक्यांश

## 1 कुरिन्थियों 11:10 (#4)

### "कि अधिकार अपने सिर पर रखें"

वाक्यांश कि अधिकार अपने सिर पर रखें का अर्थ हो सकता है: (1) वह अधिकार जो "पुरुष" का स्त्री पर होता है। इस वृष्टिकोण में, अधिकार का अर्थ है सिर ढकने वाला कपड़ा या लंबे बाल, जिसे स्त्री पुरुष के अधिकार के चिन्ह के रूप में पहनती है। वैकल्पिक अनुवाद: "उसके सिर पर पुरुष के अधिकार का चिन्ह होना" (2) कैसे स्त्री का अपने सिर पर अधिकार होता है। दूसरे शब्दों में, उसके पास अधिकार है कि वह अपने सिर पर क्या पहने या क्या नहीं, या अधिकार का अर्थ हो सकता है सिर ढकने वाला कपड़ा या लंबे बाल, जिसे स्त्री अपने ऊपर अधिकार के चिन्ह के रूप में पहनती है। वैकल्पिक अनुवाद: "अपने सिर पर अधिकार होना" या "उसके सिर पर उसके अधिकार का चिन्ह होना"

देखें: अज्ञातों का अनुवाद करें

## 1 कुरिन्थियों 11:10 (#5)

### "अधिकार... रखें"

यदि आपकी भाषा में अधिकार के पीछे के विचार के लिए कोई भाववाचक संज्ञा नहीं है, तो आप इस विचार को एक अलग तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। सुनिश्चित करें कि आप उस शब्द या वाक्यांश का उपयोग करें जो पिछले पद में चुनी गई व्याख्या के साथ मेल खाता हो। वैकल्पिक अनुवाद: "शासन करना" या "किसी को शासन करने की अनुमति देना"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

## 1 कुरिन्थियों 11:10 (#6)

### "सिर पर"

यहाँ, सिर पर का तात्पर्य है कि सिर स्त्री का है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप इस तात्पर्य को एक ऐसे शब्द के साथ व्यक्त कर सकते हैं जो सीधे स्वामित्व को दर्शाता है। वैकल्पिक अनुवाद: "अपने सिर"

देखें: स्वामित्व

## 1 कुरिन्थियों 11:10 (#7)

### "स्वर्गदूतों के कारण"

यहाँ, स्वर्गदूतों के कारण स्पष्ट रूप से यह दर्शाता है कि पौलुस स्वर्गदूतों को एक कारण मानते हैं कि स्त्री अपने सिर पर अधिकार रखें, चाहे आप उस वाक्यांश का जो भी अर्थ निकालें। हालांकि, पौलुस का स्वर्गदूतों के कारण वाक्यांश से क्या मतलब है, यह स्पष्ट नहीं है। इसलिए, आपको अपने अनुवाद को खुला छोड़ देना चाहिए ताकि आपके पाठक निप्रलिखित निष्कर्षों में से कोई भी निकाल सकें। स्वर्गदूतों के कारण वाक्यांश का तात्पर्य यह हो सकता है: (1) स्वर्गदूत किस तरह संसार की व्यवस्था और विशेषकर आराधना की देखरेख करते हैं। स्त्री का अधिकार अपने सिर पर रखना स्वर्गदूतों की आराधना प्रथाओं की आवश्यकताओं को पूरा करेगा। वैकल्पिक अनुवाद: "स्वर्गदूतों की माँग के कारण" (2) कैसे स्वर्गदूत पृथ्वी की स्त्रियों की ओर यौन रूप से आकर्षित हो सकते हैं, इसलिए स्त्री अधिकार अपने सिर पर रखें ताकि वह स्वर्गदूतों को स्त्रियों के साथ यौन क्रिया करने या ऐसा करने के लिए लुभाए जाने से रोके। वैकल्पिक अनुवाद: "अन्यथा स्वर्गदूतों को प्रलोभन होगा" (3) कैसे स्वर्गदूत समुदाय की आराधना में उपस्थित होते हैं, और उनके प्रति सम्मान के चिन्ह के रूप में स्त्री को उचित है, कि अधिकार अपने सिर पर रखें। वैकल्पिक अनुवाद: "क्योंकि जब आप आराधना करते हैं तो स्वर्गदूत उपस्थित होते हैं"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

**1 कुरिन्थियों 11:11 (#1)****"तो भी प्रभु में"**

जबकि मैंने अभी जो कहा है वह सब सच है, सबसे महत्वपूर्ण बात ये है: प्रभु में

**1 कुरिन्थियों 11:11 (#2)****"प्रभु में"**

"संभावित अर्थ 1) ""मसीहियों में से, जो परमेश्वर के हैं"" या 2) ""दुनिया में जैसे परमेश्वर से निर्मित।"""

**1 कुरिन्थियों 11:11 (#3)****"स्त्री के है"**

"इसे सकारात्मक कहा जा सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: ""महिला आदमी पर निर्भर रहती है, और आदमी महिला पर निर्भर रहता है""

देखें: दोहरे नकारात्मक

**1 कुरिन्थियों 11:11 (#4)****"स्त्री" - "पुरुष," - "पुरुष" - "स्त्री"**

पौलुस सामान्य रूप में "पुरुषों" और "स्त्रियों" की बात कर रहे हैं, किसी विशेष पुरुष और स्त्री की नहीं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप इस रूप को सामान्य तरीके से लोगों का उल्लेख करने वाले रूप के साथ व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "प्रत्येक स्त्री ... पुरुष ... प्रत्येक पुरुष ... स्त्री"

देखें: सामान्य संज्ञा वाक्यांश

**1 कुरिन्थियों 11:12 (#1)****"स्त्री" - "पुरुष," - "पुरुष" - "स्त्री"**

पौलुस सामान्य रूप में "पुरुषों" और "स्त्रियों" की बात कर रहे हैं, किसी विशेष पुरुष और स्त्री की नहीं। यदि यह आपकी भाषा में उपयोगी हो, तो आप इस रूप को ऐसे रूप में व्यक्त कर सकते हैं जो सामान्य रूप से लोगों को संदर्भित करता हो। वैकल्पिक अनुवाद: "प्रत्येक स्त्री... पुरुष ... प्रत्येक पुरुष ... स्त्री"

देखें: सामान्य संज्ञा वाक्यांश

**1 कुरिन्थियों 11:12 (#2)****"जैसे स्त्री पुरुष से है, वैसे ही पुरुष स्त्री के द्वारा है"**

यहाँ, जैसे स्त्री पुरुष से {है} उस कहानी की ओर इशारा करती है कि कैसे परमेश्वर ने प्रथम स्त्री, हव्वा को प्रथम पुरुष, आदम की एक पसली से बनाया। पौलुस पहले ही इस कहानी का उल्लेख 11:8 में कर चुके हैं। पौलुस फिर इसकी तुलना करते हैं कि कैसे पुरुष स्त्री के द्वारा {है}। यह वाक्यांश इस बात की ओर इशारा करता है कि स्त्रियों पुरुषों को जन्म देती हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप उन दो वाक्यांशों के पीछे के विचार को अधिक स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जैसे प्रथम स्त्री प्रथम पुरुष से आई, वैसे ही पुरुष भी स्त्रियों से जन्म लेते हैं"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

**1 कुरिन्थियों 11:12 (#1)****""**

परमेश्वर ने सब कुछ बनाया

**1 कुरिन्थियों 11:13 (#2)****""**

"पौलुस कोरिन्थियों से उसके साथ सहमत होने की अपेक्षा करता है। इसे सक्रिय रूप में कहा जा सकता है। ""परमेश्वर का आदर करने के लिए, एक औरत को उसके सिर पर एक आवरण के साथ परमेश्वर से प्रार्थना करनी चाहिए।""

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

**1 कुरिन्थियों 11:13 (#1)****"स्वयं ही विचार करो, क्या स्त्री को"**

इस विषय को स्थानीय रीति-रिवाजों और कलीसियाई प्रथाओं के अनुसार निर्णय करें जिन्हें आप जानते हैं

**1 कुरिन्थियों 11:13 (#3)****"बिना सिर ढके"**

जिस प्रकार 11:5 में है, बिना सिर ढके का अर्थ हो सकता है:

(1) बालों और सिर के पीछे कोई भी वस्त्र न पहनना। वैकल्पिक अनुवाद: "सिर पर बिना वस्त्र के" (2) पारम्परिक केशविन्यास में बालों को न बांधकर उन्हें खुले रूप से छोड़ देना। वैकल्पिक अनुवाद: "अपने बालों को खुला छोड़के"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

## 1 कुरिन्थियों 11:14 (#1)

""

"पौलुस कोरिन्थियों से उसके साथ सहमत होने की अपेक्षा करता है। वैकल्पिक अनुवाद: ""प्रकृति स्वयं भी आपको सिखाती है ... उसके लिए!"" (देख: )"

देखें: आलंकारिक प्रश्न

## 1 कुरिन्थियों 11:14 (#2)

""

"वह समाज में लोगों के तरीके के बारे में बात कर रहा है, जैसे कि यह एक व्यक्ति है जो सिखाता है। वैकल्पिक अनुवाद: ""तुम लोगों के सामान्य तरीके से कार्य करने की रीति से ही जानते हो ..."" उसके लिए।

देखें: व्यक्तित्व

## 1 कुरिन्थियों 11:14 (#3)

"स्वाभाविक रीति से"

यहाँ, **स्वाभाविक** का अर्थ है जिस प्रकार से चीजें संसार में कार्य करती हैं। यह शब्द केवल "स्वाभाविक संसार" को नहीं दर्शाता, बल्कि इसमें वह सब कुछ शामिल हो सकता है जो अस्तित्व में है और उनके कार्य प्रणाली। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप **स्वाभाविक** को एक शब्द या वाक्यांश के साथ व्यक्त कर सकते हैं जो "जिस प्रकार से चीजे कार्य करती हैं" को संदर्भित करता है। वैकल्पिक अनुवाद: "संसार कैसे कार्य करता है" या "स्वाभाविक रीति से क्या होता है"

देखें: अज्ञातों का अनुवाद करें

## 1 कुरिन्थियों 11:14 (#4)

"स्वाभाविक रीति से"

यहाँ, **रीति** का ध्यान **स्वाभाविक** पर केंद्रित है। यदि **रीति** आपकी भाषा में इस प्रकार ध्यान आकर्षित नहीं करता है, तो आप ध्यान या केंद्र बिन्दु को किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "प्रकृति" या "प्रकृति वास्तव में"

देखें: निजवाचक सर्वनाम

## 1 कुरिन्थियों 11:14 (#5)

"यदि पुरुष लम्बे बाल रखे, तो उसके लिये अपमान है"

यहाँ पौलुस एक सच्ची संभावना प्रस्तुत करने के लिए यदि का उपयोग करते हैं। उनका अर्थ है कि **एक पुरुष के लंबे बाल हो सकते हैं**, या नहीं भी हो सकते। वह यह भी बताते हैं कि यदि एक पुरुष लम्बे बाल रखे तो इसका क्या परिणाम होगा। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इस वाक्यरचना को इस प्रकार व्यक्त कर सकते हैं कि "यदि" वाले वाक्य को "जब" जैसे शब्द से आरंभ करें, या "यदि" की संरचना से बचकर कोई और तरीका अपनाएँ। वैकल्पिक अनुवाद: "जब एक पुरुष के लंबे बाल होते हैं, तो यह उसके लिए अपमानजनक होता है" या "एक पुरुष के लंबे बाल होना अपमानजनक होता है"

देखें: जोड़ें — काल्पनिक स्थितियाँ

## 1 कुरिन्थियों 11:14 (#6)

"लम्बे बाल रखे"

यहाँ पौलुस एक ऐसे शब्द का उपयोग करते हैं जो किसी के बाल लंबे होने देने का संदर्भ देता है। यह स्पष्ट नहीं है कि बाल कितने लंबे होने चाहिए ताकि उन्हें **लंबे बाल** माना जा सके। आप ऐसे शब्द या वाक्यांश का उपयोग करें जो आपकी संस्कृति में **लंबे बाल** के रूप में माना जाता है। वैकल्पिक अनुवाद: "अपने बाल लम्बे रखता है"

देखें: अज्ञातों का अनुवाद करें

## 1 कुरिन्थियों 11:14 (#7)

"तो उसके लिये अपमान है"

यदि आपकी भाषा में **अपमान** के पीछे के विचार के लिए कोई भाववाचक संज्ञा नहीं है, तो आप इस विचार को व्यक्त करने के लिए "अपमान" जैसी क्रिया या "अपमानजनक" जैसे विशेषण का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "यह उसका अपमान करता है"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

## 1 कुरिन्थियों 11:15 (#1)

"परन्तु यदि स्त्री लम्बे बाल रखे; तो उसके लिये शोभा है"

यह उस अलंकारिक प्रश्न का दूसरा भाग है जो पिछले पद में शुरू हुआ था। पौलुस यह प्रश्न इसलिए नहीं पूछते क्योंकि

उन्हें जानकारी चाहिए। बल्कि, वह इसे इसलिए पूछते हैं ताकि कुरिन्थियों को अपनी दलील में शामिल कर सकें। प्रश्न में यह मान लिया गया है कि इसका उत्तर है, "हाँ, प्रकृति हमें यह सिखाती है।" यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इस प्रश्न के पीछे के विचार को एक मजबूत पुष्टि के साथ व्यक्त कर सकते हैं। यदि आप निम्नलिखित वैकल्पिक अनुवाद का उपयोग करते हैं, तो आपको पिछले पद का अनुवाद एक अलग पुष्टि के रूप में करना चाहिए। वैकल्पिक अनुवाद: "हालांकि, यदि किसी स्त्री के लंबे बाल हैं, तो यह उसके लिए शोभा है"

देखें: आलंकारिक प्रश्न

## 1 कुरिन्थियों 11:15 (#2)

"परन्तु यदि स्त्री लम्बे बाल रखे; तो उसके लिये शोभा है"

यहाँ पौलुस एक सच्ची संभावना प्रस्तुत करने के लिए परन्तु का उपयोग करते हैं। उनका अर्थ है कि स्त्री लम्बे बाल रखे, या नहीं भी रखे। उन्होंने बताया कि यदि स्त्री लंबे बाल रखे तो इसका क्या परिणाम होगा। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप इस रूप को "जब" जैसे शब्द के साथ प्रस्तुत करके या परन्तु संरचना से बचाकर व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जब एक स्त्री के लंबे बाल होते हैं, तो यह उनके लिए शोभा है" या "स्त्री के लिए लंबे बाल होना शोभा है"

देखें: जोड़ें — कात्पनिक स्थितियाँ

## 1 कुरिन्थियों 11:15 (#3)

"लम्बे बाल रखे"

जिस प्रकार 11:14 में है, यहाँ पौलुस एक शब्द का उपयोग करते हैं जो किसी के बाल लम्बे होने देने का संदर्भ देता है। यह स्पष्ट नहीं है कि बाल कितने लम्बे होने चाहिए ताकि उन्हें लम्बे बाल माना जा सके। एक शब्द या वाक्यांश का उपयोग करें जिसे आपकी संस्कृति में लम्बे बाल के लिए इस्तमाल किया जाता है। वैकल्पिक अनुवाद: "अपने बाल बढ़ाती हैं"

देखें: अज्ञातों का अनुवाद करें

## 1 कुरिन्थियों 11:15 (#4)

"तो उसके लिये शोभा है"

यदि आपकी भाषा में शोभा के पीछे के विचार के लिए कोई भाववाचक संज्ञा नहीं है, तो आप इस विचार को व्यक्त करने के लिए एक क्रिया जैसे "शोभा देना" या एक विशेषण जैसे

"शोभायमान" का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "यह उसे शोभा देती है" या "यह उसके लिए शोभायमान है"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

## 1 कुरिन्थियों 11:15 (#1)

""

"इसे सक्रिय रूप में कहा जा सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: ""परमेश्वर ने महिला को बाल सहित बनाया"" (देखें: )"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

## 1 कुरिन्थियों 11:15 (#6)

"लम्बे बाल"

यहाँ पौलुस एक शब्द का उपयोग करते हैं जो लम्बे बाल को संदर्भित करता है। यह स्पष्ट नहीं है कि बाल कितने लंबे होने चाहिए ताकि उन्हें लम्बे बाल माना जा सके। एक ऐसे शब्द या वाक्यांश का उपयोग करें जो आपकी संस्कृति में लम्बे बाल के रूप में माना जाता है। वैकल्पिक अनुवाद: "बढ़े हुए बाल"

देखें: अज्ञातों का अनुवाद करें

## 1 कुरिन्थियों 11:15 (#7)

"ओढ़नी के लिये"

इसका यह संदर्भ हो सकता है: (1) कैसे लम्बे बाल एक ओढ़नी के समान हैं या उसका कार्य करते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "एक ओढ़नी होना" (2) लम्बे बाल कैसे कार्य करते हैं "के स्थान पर" या एक ओढ़नी के प्रतिस्थापन के रूप में कार्य करते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "उसे ओढ़नी के स्थान पर"

## 1 कुरिन्थियों 11:16 (#1)

"यदि"

यहाँ पौलुस एक सच्ची संभावना प्रस्तुत करने के लिए यदि का उपयोग करते हैं। उनका अर्थ है कि कोई विवाद करना चाहे, या कोई नहीं चाहे। वह यदि कोई विवाद करना चाहे तो उसका परिणाम निर्दिष्ट करते हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप यदि कथन के इस रूप को "जब भी" जैसे शब्द के साथ प्रस्तुत करके व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जब भी"

देखें: जोड़ें — कात्पनिक स्थितियाँ

### 1 कुरिन्थियों 11:16 (#2)

"यदि कोई विवाद करना चाहे"

वैकल्पिक अनुवाद: "इस विषय पर लड़ाई करने का निश्चय करता है" या "इस विषय पर संघर्ष आरम्भ करने का विचार करता है"

### 1 कुरिन्थियों 11:16 (#3)

"हमारी "

यहाँ शब्द, **हमारी** पौलुस और अन्य लोगों को संदर्भित करते हैं जो उनके साथ सुसमाचार का प्रचार करते हैं। इसमें कुरिन्थियों को शामिल नहीं किया गया है।

देखें: विशिष्ट और समावेशी 'हम'

### 1 कुरिन्थियों 11:16 (#4)

"न ... ऐसी रीति है"

यहाँ, न ... ऐसी रीति का निम्नलिखित संदर्भ हो सकता है: (1) वह रीति जिसका कोई भी व्यक्ति जो विवाद करना समझता है, समर्थन करता है। इसलिए, यह रीति स्त्रियों के लिए "बिना ओढ़नी" सिर रखने की होगी। वैकल्पिक अनुवाद: "वह प्रथा जो उनके पास है" या "बिना ओढ़नी सिर वाली स्त्रियों की प्रथा" (2) विवादास्पद होना। वैकल्पिक अनुवाद: "विवादास्पद होने की कोई भी ऐसी प्रथा" या "विवादास्पद होने की प्रथा"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

### 1 कुरिन्थियों 11:16 (#5)

"और न परमेश्वर की कलीसियाओं"

यहाँ पौलुस कुछ शब्दों को छोड़ रहे हैं जो आपकी भाषा में एक पूर्ण विचार व्यक्त करने के लिए आवश्यक हो सकते हैं। पौलुस इन शब्दों को छोड़ देते हैं क्योंकि उन्होंने इन्हें आगे वाक्यांश में स्पष्ट रूप से कहा है (न ... ऐसी रीति है)। यदि आपकी भाषा को इन शब्दों की आवश्यकता है, तो आप उस वाक्यांश से जितना भी आवश्यक है शब्द जोड़ सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और न ही परमेश्वर की कलीसियाएं"।

देखें: पदलोप

### 1 कुरिन्थियों 11:17 (#2)

""

"एक और संभावित अर्थ यह है कि ""जैसा कि मैं आपको ये निर्देश देता हूं, वहाँ कुछ ऐसा है जिसके लिए मैं आपकी प्रशंसा नहीं कर सकता: जब"""

### 1 कुरिन्थियों 11:17 (#2)

"यह निर्देश देते हुए"

यहाँ, यह उस बात का उल्लेख करता है जो पौलुस प्रभु के भोज के विषय में कहने वाले हैं। यह उस बात का उल्लेख नहीं करता जो उन्होंने पहले ही कह दिया है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप स्पष्ट कर सकते हैं कि यह उस बात का उल्लेख करता है जो पौलुस कहने वाले हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जो मैं आदेश देने जा रहा हूं उसके विषय में आदेश देते हुए"

देखें: सर्वनाम — उनका उपयोग कब करें

### 1 कुरिन्थियों 11:17 (#3)

"तुम्हारे इकट्ठे होने से"

इस अध्याय में, तुम्हारे इकट्ठे होने से का अर्थ एक विशेष स्थान पर समूह का इकट्ठा होना है। आपकी भाषा में इस संदर्भ में "आना" के बजाय "जाना" या "इकट्ठा होना" कहा जा सकता है। जो भी सबसे स्वाभाविक हो, उसका उपयोग करें। वैकल्पिक अनुवाद: "आप एक साथ जाते हैं" या "आप एक साथ इकट्ठा होते हैं"

देखें: जाएँ और आएँ

### 1 कुरिन्थियों 11:17 (#5)

""

तुम एक-दूसरे की सहायता नहीं करते; इसके बजाय, तुम एक-दूसरे को नुकसान पहुंचाते हो

### 1 कुरिन्थियों 11:17 (#5)

"भलाई नहीं, परन्तु हानि होती है"

यहाँ पौलुस यह स्पष्ट नहीं करते कि किसके लिए या किस उद्देश्य के लिए "इकट्ठे होने से" भलाई नहीं, परन्तु हानि होती है। कुरिन्थियों ने समझा होगा कि उनका व्यवहार उनके समूह के लोगों के लिए हानि और भलाई के लिए नहीं था,

तथा इससे परमेश्वर की महिमा नहीं होती थी। यदि आपके पाठक इस जानकारी को नहीं समझते हैं, तो आप इसे अधिक स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "आपके समूह के लिए भलाई के लिए नहीं बल्कि हानि के लिए" या "परमेश्वर की महिमा और दूसरों की सेवा करने के लिए ... भलाई नहीं, परन्तु और भी हानि होती है"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

## 1 कुरिन्थियों 11:18 (#1)

### "पहले"

यदि आपकी भाषा में क्रमवाचक गिनती का उपयोग नहीं होता है, तो आप यहाँ मूल गिनती का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "एक"

देखें: क्रमसूचक संख्याएँ

## 1 कुरिन्थियों 11:18 (#2)

### "पहले"

यहाँ पौलुस पहले का उपयोग करते हैं, लेकिन वह कभी "दूसरे" पर नहीं जाते। सबसे अधिक संभावना है कि पौलुस के मन में अन्य बातें थीं जो वे कहना चाहते थे, लेकिन या तो वे उनका उल्लेख नहीं करते या वे कुरिन्थियों से 11:34 में कहते हैं कि जब वे उनसे मिलेंगे वे इन "शेष चीजों" के बारे में "निर्देश देंगे"। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप पहले का अनुवाद कर सकते हैं ताकि यह स्पष्ट हो सके कि पौलुस अन्य बातों को 11:34 में संबोधित करते हैं।

## 1 कुरिन्थियों 11:18 (#3)

### "मैं यह सुनता हूँ"

यहाँ पौलुस यह नहीं बताते कि उन्होंने यह जानकारी किससे "सुनी"। वह ऐसा इसलिए करते हैं ताकि कुरिन्थियों के बीच अनावश्यक विवाद न हो कि पौलुस को किसने बातें बताई। यदि यह बताना आवश्यक हो कि किसने पौलुस से बात की, तो आप एक अस्पष्ट या अनिश्चित कथन का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मैंने किसी से सुना है कि"

देखें: जानकारी को अंतर्निहित कब रखना चाहिए

## 1 कुरिन्थियों 11:18 (#4)

### "मैं यह सुनता हूँ, कि"

यहाँ पौलुस ऐसे बोल रहे हैं जैसे वे वर्तमान में **फूट** के बारे में "सुन रहे हैं"। वर्तमान काल में बोलकर वह इस बात पर जोर देते हैं कि यह जानकारी उन्हें यह पत्र लिखते समय या उससे ठीक पहले प्राप्त हुई थी। यदि यह आपकी भाषा में उपयोगी हो, तो आप वर्तमान काल का प्रयोग उस काल के साथ कर सकते हैं जो स्वाभाविक रूप से उस समय को संदर्भित करता है जब पौलुस यह पत्र लिख रहे थे। वैकल्पिक अनुवाद: "मैंने सुना है कि"

देखें: भविष्यसूचक भूतकाल

## 1 कुरिन्थियों 11:18 (#1)

"विश्वासियों के रूप में पौलुस एक इमारत के अंदर होने के बारे में बात नहीं कर रहा है।

## 1 कुरिन्थियों 11:18 (#2)

### "कलीसिया में"

तुम स्वयं को विरोधी समूहों में विभाजित करते हो"

## 1 कुरिन्थियों 11:18 (#7)

### "मैं कुछ कुछ विश्वास भी करता हूँ"

यहाँ, **कुछ कुछ** यह बताता है कि पौलुस कितना "विश्वास करते हैं।" यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप **कुछ कुछ** को एक शब्द या वाक्यांश के साथ व्यक्त कर सकते हैं जो किसी चीज का "भाग" बताता है। वैकल्पिक अनुवाद: "मैं इस बात पर आंशिक रूप से विश्वास करता हूँ" या "मैं इस बात का कुछ हिस्सा विश्वास करता हूँ"

देखें: मुहावरा

## 1 कुरिन्थियों 11:19 (#1)

### "क्योंकि"

यहाँ, **क्योंकि** उस कारण का परिचय देता है जिसके लिए पौलुस "कुछ कुछ विश्वास करते हैं" जो उन्होंने "सुना" है (11:18)। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप **क्योंकि** को एक शब्द या वाक्यांश के साथ व्यक्त कर सकते हैं जो स्पष्ट रूप से यह कारण देता है कि पौलुस "इस पर विश्वास करते हैं।" वैकल्पिक अनुवाद: "वास्तव में," या "मैं यह इसलिए करता हूँ क्योंकि"

देखें: जोड़ें — कारण-और-परिणाम सम्बन्ध

### 1 कुरिन्थियों 11:19 (#1)

"क्योंकि विधर्म भी तुम में अवश्य होंगे"

"संभावित अर्थ 1) ""जरूरी"" शब्द दर्शाता है कि ऐसी स्थिति होने की संभावना है। वैकल्पिक अनुवाद: ""क्योंकि सम्भवतः आप के बीच गुट होंगे"" या 2) पौलुस गुटों के लिए उन्हें लज्जित करने के लिए विडंबना का उपयोग कर रहा था। वैकल्पिक अनुवाद: ""तुम्हे ऐसा लगता है कि तुम्हारे बीच गुट होना चाहिए"" या ""तुम्हे लगता है कि तुम्हे स्वयं को विभाजित करना होगा""

देखें: विडंबना

### 1 कुरिन्थियों 11:19 (#2)

"विधर्म"

विरोधी लोगों के समूह

### 1 कुरिन्थियों 11:19 (#4)

"खरे"

"संभावित अर्थ 1) ""जिसे परमेश्वर स्वीकृति देते हैं"" या 2) ""जिसे तुम, कलीसिया, स्वीकृति देते हो।"""

### 1 कुरिन्थियों 11:19 (#5)

"इसलिए कि जो लोग तुम में खरे निकले हैं, वे प्रगट हो जाएँ"

यहाँ पौलुस यह नहीं बताते कि कैसे या क्यों खरे लोग प्रगट होंगे। यह इस पर निर्भर करता है कि वाक्य व्यांग्यात्मक है या नहीं, वे प्रगट हो जाएँ का अर्थ ही सकता है: (1) **विधर्म भी** परमेश्वर का तरीका है यह परखने और प्रकट करने के लिए कि कौन खरे हैं, क्योंकि जो लोग सच्चे मन से विश्वास करते रहते हैं, वे खरे हैं। यदि वाक्य व्यांग्यात्मक न हो तो इसका निहितार्थ यही है। वैकल्पिक अनुवाद: "परमेश्वर भी उन लोगों को प्रकट कर सकते हैं जो खरे हैं" (2) **विधर्म** वह साधन है जिसके द्वारा कुछ लोग अपने बारे में जो कुछ सोचते हैं उसे खरा बताते हैं। यदि वाक्य व्यांग्यात्मक हो तो इसका निहितार्थ यही है। वैकल्पिक अनुवाद: "जो लोग खरे हैं, वे भी स्वयं का दिखावा कर सकते हैं"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

### 1 कुरिन्थियों 11:20 (#1)

"इकट्ठे होते"

एक साथ इकट्ठा

### 1 कुरिन्थियों 11:20 (#2)

"तुम एक जगह में इकट्ठे होते हो"

यहाँ पौलुस **इकट्ठे होते** और **एक जगह में** दोनों का उपयोग करते हैं ताकि कुरिन्थियों की भौतिक एकता पर जोर दिया जा सके जब वे मिलते हैं। वह इस शारीरिक एकता को उनके खाने की प्रथाओं से उत्पन्न असहमति के विपरीत दिखाने के लिए ऐसा निर्देश देते हैं। यदि आपकी भाषा में पौलुस की तरह जोर देने के लिए दो समान वाक्यांशों का उपयोग नहीं होता है, तो आप एक सरल वाक्यांश का उपयोग कर सकते हैं और किसी अन्य तरीके से जोर दे सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जब आप सभी एक साथ होते हैं"

देखें: द्विरावृत्ति (डबलेट)

### 1 कुरिन्थियों 11:20 (#2)

""

तुम मान सकते हो कि तुम प्रभु भोज खा रहे हो, लेकिन तुम इसका सम्मान नहीं करते हो

### 1 कुरिन्थियों 11:21 (#1)

"पहले अपना भोज खा लेता है"

यह संदर्भित हो सकता है: (1) कैसे कुछ कुरिन्थियों के विश्वासियों को दूसरों से पहले भोजन मिल रहा था। इसका अर्थ हो सकता है कि जो लोग पहले भोजन प्राप्त करते थे, वे अपने हिस्से से अधिक खा लेते थे, जिससे बाकी लोगों के लिए भोजन नहीं बचता था। या इसका अर्थ हो सकता है कि प्रत्येक कुरिन्थियों के विश्वासी को उनके सामाजिक स्तर के अनुसार पहले से तैयार किया गया भोजन मिलता था। वैकल्पिक अनुवाद: "दूसरों को पर्याप्त भोजन मिलने से पहले अपना भोजन खा लेते हैं" या "उनके लिए पहले से तैयार किया गया भोजन प्राप्त करते हैं" (2) कुरिन्थियों के कुछ विश्वासी कैसे अपना भोजन दूसरों के साथ साझा किए बिना "खाते" थे। वैकल्पिक अनुवाद: "अपना भोजन खा जाता है" या "बिना साझा किए अपना भोजन खा लेता है"

देखें: अज्ञातों का अनुवाद करें

## 1 कुरिन्थियों 11:21 (#2)

"अपना"

हालांकि **अपना** पुलिंग है, पौलुस इसे किसी भी व्यक्ति के लिए उपयोग कर रहे हैं, चाहे वह पुरुष हो या महिला हो। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप **अपना** को एक लिंग भेद रहित शब्द के साथ व्यक्त कर सकते हैं या दोनों लिंगों का उल्लेख कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "अपना भोज खा लेता या खा लेती है"

देखें: जब पुलिंग शब्दों में स्लियाँ भी सम्मिलित होती हैं

## 1 कुरिन्थियों 11:21 (#3)

"कोई भूखा रहता है, और कोई मतवाला हो जाता है"

यहाँ पौलुस शब्द **कोई** को दोहराते हैं ताकि एक दूसरे से पहले अपना भोज खा लेने से उत्पन्न होने वाले दो परिणामों को प्रस्तुत किया जा सके। उनका यह अर्थ नहीं है कि केवल **एक** व्यक्ति **भूखा** या **मतवाला** है, और उनका यह अर्थ नहीं है कि ये केवल दो ही विकल्प हैं। यदि यह आपकी भाषा में उपयोगी हो, तो आप इस रूप को ऐसे रूप में व्यक्त कर सकते हैं जो स्वाभाविक रूप से संभावित, वैकल्पिक परिणामों को इंगित करता हो। वैकल्पिक अनुवाद: "कुछ वास्तव में भूखे हैं, लेकिन अन्य नशे में हैं"

देखें: मुहावरा

## 1 कुरिन्थियों 11:21 (#4)

"कोई भूखा रहता है, और कोई मतवाला हो जाता है"

यहाँ पौलुस **भूखा** होने की तुलना **मतवाला** होने से करते हैं। ये दो शब्द स्वाभाविक रूप से विपरीत नहीं हैं, लेकिन पौलुस अपने विरोधाभास में उनके विपरीत अर्थ को दर्शाने के लिए उनका उपयोग करते हैं। वह ऐसा इसलिए करते हैं ताकि चार शब्दों के बजाय दो शब्दों के साथ एक जटिल विरोधाभास उत्पन्न होने से बचने के लिए करते हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप **भूखा** और **मतवाला** होने के बीच के विरोधाभास को सभी चार शब्दों का उपयोग करके व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "एक वास्तव में भूखा और ध्यासा है, परन्तु एक भरा हुआ और नशे में है"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

## 1 कुरिन्थियों 11:22 (#1)

"क्या खाने-पीने के लिये तुम्हारे घर नहीं"

पौलुस यह प्रश्न इसलिए नहीं पूछते क्योंकि उन्हें जानकारी चाहिए। बल्कि, वह इसलिए पूछते हैं ताकि कुरिन्थियों के विश्वासियों को अपनी दलील में शामिल कर सकें। प्रश्न में यह मान लिया गया है कि इसका उत्तर है, "हां, हमारे पास घर है।" यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप इस प्रश्न के पीछे के विचार को एक मजबूत बयान के साथ व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "आपके पास निश्चित रूप से खाने और पीने के लिए घर हैं।"

देखें: आलंकारिक प्रश्न

## 1 कुरिन्थियों 11:22 (#2)

"क्या खाने-पीने के लिये तुम्हारे घर नहीं"

इस प्रश्न के साथ, पौलुस संकेत देते हैं कि पिछले पद में उन्होंने जिन खाने के व्यवहारों की आलोचना की थी, वे किसी के अपने "घर" में भी उपयुक्त हो सकते हैं। पौलुस के कहने का यहाँ उद्देश्य यह है कि यदि वे "पहले स्वयं का भोजन खाएं" ([11:21](#)), तो उन्हें अपने घरों में पहले खाना चाहिए। प्रभु भोज में उनका व्यवहार अलग होना चाहिए। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप यह स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकते हैं कि पौलुस इस प्रश्न को और अधिक स्पष्टता से पूछते हैं क्योंकि यह इस बात से जुड़ता है कि कुरिन्थियों के विश्वासी प्रभु भोज में कैसे खा रहे हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "क्या आपके पास निश्चित रूप से ऐसा घर नहीं हैं जिनमें आप किसी भी तरह से खा और पी सकते हैं"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

## 1 कुरिन्थियों 11:22 (#3)

"तुम्हारे घर (बिल्कुल) नहीं"

मूल भाषा में यहाँ **बिल्कुल नहीं** का प्रयोग किया गया हैं जो दोहरे नकारात्मकता को प्रस्तुत करते हैं जिसे हिन्दी में **नहीं** अनुवादित किया गया हैं।

शब्दों का अनुवाद **बिल्कुल नहीं** दो नकारात्मक शब्द हैं। पौलुस की संस्कृति में, दो नकारात्मक शब्द प्रश्न को और भी नकारात्मक बना देते थे, जो इस मामले में एक मजबूत सकारात्मक उत्तर की अपेक्षा करता है। अंग्रेजी बोलने वाले दो नकारात्मक शब्दों को गलत समझ सकते हैं, इसलिए यू.एल.टी. इस विचार को एक मजबूत नकारात्मकता के साथ व्यक्त करता है। यदि आपकी भाषा पौलुस की संस्कृति की तरह दो नकारात्मक शब्दों का उपयोग कर सकती है, तो आप यहाँ दोहरे नकारात्मकता का उपयोग कर सकते हैं।

यदि आपकी भाषा इस तरह से दो नकारात्मक शब्दों का उपयोग नहीं करती है, तो आप यूएलटी. की तरह एक मजबूत नकारात्मकता के साथ अनुवाद कर सकते हैं।

वैकल्पिक अनुवाद: "निश्चित रूप से नहीं"

देखें: दोहरी नकारात्मकता<sup>1</sup>

## 1 कुरिन्थियों 11:22 (#1)

"के लिये"

जिसमें भोज के लिए इकट्ठा होना

## 1 कुरिन्थियों 11:22 (#5)

"या परमेश्वर की कलीसिया को तुच्छ जानते हो, और जिनके पास नहीं है उन्हें लज्जित करते हो"

पौलुस यह प्रश्न इसलिए नहीं पूछते क्योंकि उन्हें जानकारी की आवश्यकता है। बल्कि, वह इसे इसलिए पूछते हैं ताकि वे कुरिन्थियों को अपनी दलील में शामिल कर सकें। प्रश्न में यह मान लिया गया है कि इसका उत्तर यह है कि "हम ये काम नहीं करना चाहते।" यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप इस प्रश्न के पीछे के विचार को एक मजबूत बयान के साथ व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "हालांकि, आप ही हैं जो परमेश्वर की कलीसिया का तिरस्कार करते हैं और जिनके पास कुछ नहीं है उन्हें अपमानित करते हो।"

देखें: आलंकारिक प्रश्न

## 1 कुरिन्थियों 11:22 (#6)

"और जिनके पास नहीं है उन्हें लज्जित करते हो"

यहाँ, और से यह प्रस्तुत किया गया कि किस विशेष तरीके से कुरिन्थियों के कुछ विश्वासियी परमेश्वर की कलीसिया को तुच्छ जानते हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप यहाँ और के कार्य को एक ऐसे शब्द के साथ व्यक्त कर सकते हैं जो अधिक स्पष्ट रूप से एक विशेष उदाहरण या एक साधन को इंगित करता है। वैकल्पिक अनुवाद: "अपमानित करके"

देखें: शब्दों और वाक्यांशों को जोड़ना

## 1 कुरिन्थियों 11:22 (#2)

"तुच्छ जानते हो"

घृणा या तिरस्कार और अनादर के साथ व्यवहार करना

## 1 कुरिन्थियों 11:22 (#4)

"मैं तुम से क्या कहूँ?" - "प्रशंसा करूँ? मैं प्रशंसा नहीं करता"

"पौलुस कुरिन्थियों को डांट रहा है। वैकल्पिक अनुवाद: ""मैं इसके बारे में कुछ भी अच्छा नहीं कह सकता। मैं आपकी प्रशंसा नहीं कर सकता।""

देखें: आलंकारिक प्रश्न

## 1 कुरिन्थियों 11:22 (#9)

"क्या इस बात में तुम्हारी प्रशंसा करूँ"

पौलुस यह प्रश्न इसलिए नहीं पूछते क्योंकि वे जानकारी की तलाश में हैं। बल्कि, वे इसे इसलिए पूछते हैं ताकि वे कुरिन्थियों को अपनी दलील में शामिल कर सकें। प्रश्न में यह मान लिया गया है कि इसका उत्तर यह है, "नहीं, आपको ऐसा नहीं करना चाहिए।" यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप इस प्रश्न के पीछे के विचार को एक मजबूत निषेध के साथ व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मैं निश्चित रूप से इसके लिए आपकी प्रशंसा नहीं करूँगा।"

देखें: आलंकारिक प्रश्न

## 1 कुरिन्थियों 11:22 (#10)

"क्या इस बात में तुम्हारी प्रशंसा करूँ? मैं प्रशंसा नहीं करता"

यहाँ पौलुस संकेत करते हैं कि वह दोनों एक अलंकारिक प्रश्न और एक नकारात्मक कथन का उपयोग करके कुरिन्थियों की प्रशंसा नहीं करेगे। वह अपनी नाराजगी को जोरदार तरीके से व्यक्त करने के लिए दोनों वाक्यों का उपयोग करते हैं। यदि आपकी भाषा में जोर देने के लिए पुनरावृत्ति का उपयोग नहीं होता है, और यदि आपके पाठक यह नहीं समझेंगे कि पौलुस एक ही विचार को क्यों दोहराते हैं, तो आप इन दोनों वाक्यों को एक मजबूत नकारात्मक व्यक्तव्य में मिला सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "इस लिए मैं आपकी कभी प्रशंसा नहीं करूँगा!"

देखें: द्विरावृत्ति (डबलेट)

## 1 कुरिन्थियों 11:23 (#1)

"क्योंकि यह बात मुझे प्रभु से पहुँची, और मैंने तुम्हें भी पहुँचा दी; कि प्रभु"

क्योंकि जो मैने तुम्हे बताया यह प्रभु से मैने सुना था, और वह यह था: प्रभु

## 1 कुरिन्थियों 11:23 (#2)

"जिस रात"

यहाँ, रात यह दर्शाता है कि पौलुस द्वारा वर्णित घटनाएँ एक विशेष रात के दौरान हुईं। उन घटनाओं के घटित होने के समय के रूप में "रात के दौरान" का उल्लेख करने के लिए एक स्वाभाविक तरीका अपनाएं। वैकल्पिक अनुवाद: "उस रात के दौरान जब"

देखें: अज्ञातों का अनुवाद करें

## 1 कुरिन्थियों 11:23 (#3)

"जिस रात पकड़वाया गया"

यहाँ पौलुस उस घटना का उल्लेख करते हैं कि कैसे प्रभु यीशु को पकड़वाया गया था। यीशु के सबसे करीबी शिष्यों में से एक, यहूदा इस्करियोती, धार्मिक अगुवों के साथ यीशु को उनके हवाले करने के लिए एक समझौता करता है (देखें: [मत्ती 26:14-16](#); [मर 14:10-11](#); [लूका 22:3-6](#))। जब यीशु अपने शिष्यों के साथ भोजन कर रहे होते हैं और प्रार्थना में समय बिता रहे होते हैं, तब यहूदा धार्मिक अगुवों को यीशु के पास ले जाता है, और वे उन्हें गिरफ्तार कर लेते हैं (देखें: [मत्ती 26:47-50](#); [मर 14:43-46](#); [लूका 22:47-48](#); [यूह 18:2-12](#))। पौलुस को मुख्य रूप से कहानी के इस भाग में रुचि नहीं है, परन्तु वह इसका उल्लेख यह समझाने के लिए करता है कि यीशु ने कब **रोटी ली**। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप यह स्पष्ट करने के लिए एक पाद टिप्पणी जोड़ सकते हैं कि वाक्यांश जिस रात उन्हें पकड़वाया गया था का संदर्भ किससे है, या कुछ संक्षिप्त में, अतिरिक्त जानकारी शामिल कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जिस रात उन्हें मरने के लिए सौंपा गया था"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

## 1 कुरिन्थियों 11:23 (#2)

"यीशु ने जिस रात पकड़वाया गया"

"इसे सक्रिय रूप में कहा जा सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: ""उस रात को जब यहूदा इस्करियोत ने उसे धोखा दिया"""

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

## 1 कुरिन्थियों 11:23 (#5)

"प्रभु यीशु," - "रोटी ली"

यहाँ से शुरू होकर [11:24-25](#) में जारी रखते हुए, पौलुस उस घटना का वर्णन करते हैं जिसे अक्सर "अंतिम भोज" कहा जाता है। यह यीशु का अपने निकटतम शिष्यों के साथ उनकी मृत्यु से पहले का अंतिम भोजन है, और पौलुस कुछ बातें साझा करते हैं जो उन्होंने (यीशु) इस अंतिम भोजन के दौरान कही और कीं। चूंकि पौलुस स्वयं विवरण देते हैं, इसलिए आपको इससे अधिक स्पष्ट रूप से कुछ भी कहने की आवश्यकता नहीं होनी चाहिए। "अंतिम भोज" की कहानी [मत्ती 26:20-29](#); [मरकुस 14:17-25](#); [लूका 22:14-23](#) में भी पाई जा सकती है।

देखें: जानकारी को अंतर्निहित कब रखना चाहिए

## 1 कुरिन्थियों 11:24 (#1)

""

उसने इससे टुकड़े लिए

## 1 कुरिन्थियों 11:24 (#2)

"कहा, "यह मेरी देह है, जो तुम्हारे लिये है: मेरे स्मरण के लिये यही किया करो"

यदि आप अपनी भाषा में इस प्रारूप का प्रयोग नहीं करते हैं, तो आप इन कथनों को प्रत्यक्ष उद्धरण के बजाय अप्रत्यक्ष उद्धरण के रूप में अनुवाद कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "उन्होंने कहा कि यह उनकी देह है, जो तुम्हारे लिए है, और तुम्हें उनके स्मरण में ऐसा करना चाहिए"

देखें: प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष उद्धरण

## 1 कुरिन्थियों 11:24 (#2)

"यह मेरी देह है"

मैं जिस रोटी को पकड़े हूं वह मेरा शरीर है

## 1 कुरिन्थियों 11:24 (#4)

"जो तुम्हारे लिए है"

यहाँ, तुम्हारे लिए से तात्पर्य यह है कि कैसे यीशु ने **तुम्हारे लिए**, अर्थात् उनके लिए जो उस पर विश्वास करते हैं, मरकर अपनी **देह** अर्पित किया। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप **तुम्हारे लिए** के पीछे के विचार को अधिक स्पष्ट

रूप से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जो तुम्हारे लिए बलिदान किया गया है" या "जो मैं तुम्हारे लिए बलिदान करूँगा"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

## 1 कुरिन्थियों 11:24 (#5)

### "यही किया करो"

यहाँ, शब्द यही का तात्पर्य हो सकता है: (1) वह करना जो यीशु ने किया, जिसमें "रोटी लेना," **धन्यवाद देना**, "उसे तोड़ना" और उसे खाना शामिल है। वैकल्पिक अनुवाद: "यह विधि पूरी करो" या "इन बातों को करो"; (2) केवल रोटी खाना। वैकल्पिक अनुवाद: "यह रोटी खाओ"

देखें: सर्वनाम — उनका उपयोग कब करें

## 1 कुरिन्थियों 11:24 (#6)

### "मेरे स्मरण के लिये"

यदि आपकी भाषा में **स्मरण** के पीछे के विचार के लिए कोई भाववाचक संज्ञा नहीं है, तो आप इस विचार को व्यक्त करने के लिए "याद रखना" जैसी क्रिया का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मुझे याद रखने के लिए"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

## 1 कुरिन्थियों 11:24 (#7)

### "मेरी"

जब यीशु यहाँ **मेरी** को संदर्भित करते हैं, तो वे विशेष रूप से इस बारे में बात कर रहे हैं कि उन्होंने अपने अनुयायियों के लिए क्या किया है और क्या करेंगे, विशेष रूप से कैसे वे स्वयं को **तुम्हारे** लिये अर्पित करने वाले हैं। यदि यह आपकी भाषा में उपयोगी होगा, तो आप शब्द **मेरी** व्यक्त कर सकते हैं और सोच सकते हैं कि यीशु केवल व्यक्तिगत स्मृति के बारे में बोल रहे हैं, यह स्पष्ट करके कि मैं **मेरे** द्वारा किए गए **मेरी** उन विशेष कार्यों को संदर्भित करता है। वैकल्पिक अनुवाद: "जो मैं आपके लिए कर रहा हूँ" या "कैसे मैं आपके लिए मरने जा रहा हूँ"

देखें: लक्षणालंकार

## 1 कुरिन्थियों 11:25 (#1)

### "कटोरा भी लिया"

"इसे वस्तुतः अनुवाद करना सबसे अच्छा है। कुरिन्थियों को पता था कि उन्होंने कौन सा प्याला लिया था, इसलिए यह सिर्फ ""एक प्याला"" या ""कोई एक प्याला"" या ""कोई प्याला"" नहीं है। संभावित अर्थ यह है कि 1) दाखरस का प्याला जिसे कोई उसे उपयोग करने की आशा करेगा या 2) तीसरा या चौथा उन चार दाखरस के प्यालों में से जिसमें यहूदियों ने फसह के भोज में पीया था।"

## 1 कुरिन्थियों 11:25 (#2)

### "कटोरा" - "कटोरा"

यहाँ कुरिन्थियों ने कटोरा को कटोरा के अंदर के पेय के रूप में समझा होगा, जो पौलुस की संस्कृति में दाखरस होता था। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप कटोरा को अधिक स्पष्ट रूप से यह बताकर व्यक्त कर सकते हैं कि कटोरे में क्या होगा। वैकल्पिक अनुवाद: "पेय ... पेय" या "दाखरस ... दाखरस"

देखें: लक्षणालंकार

## 1 कुरिन्थियों 11:25 (#3)

### "यह कटोरा मेरे लहू में नई वाचा है: जब कभी पीओ, तो मेरे स्मरण के लिये यही किया करो"

यदि आप अपनी भाषा में इस रूप का उपयोग नहीं करते हैं, तो आप इन बयानों का अनुवाद अप्रत्यक्ष उद्धरण के रूप में कर सकते हैं बजाय प्रत्यक्ष उद्धरण के रूप में। वैकल्पिक अनुवाद: "यह कहते हुए कि यह कटोरा उसके लहू में नई वाचा है, और जब कभी इसमें से पीओ, तो उसके स्मरण के लिये यही किया करो"

देखें: प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष उद्धरण

## 1 कुरिन्थियों 11:25 (#4)

### "यह कटोरा मेरे लहू में नई वाचा है"

यहाँ पौलुस इस बात का जिक्र करते हैं कि यीशु ने कटोरा को मेरे लहू में नई वाचा है के रूप में पहचाना। इस अलंकार को कई तरीकों से समझा गया है। कटोरा में दाखरस किसी तरह यीशु का लहू बन सकता है, या जब लोग कटोरे से पीते हैं तो यीशु का लहू किसी तरह से उपस्थित हो सकता है, या कटोरे में दाखरस यीशु के लहू का प्रतिनिधित्व कर सकता है या उसे स्मरणोत्सव बनाता है। इस रूपक की व्याख्याओं की विविधता और महत्व के कारण, यदि ऐसा करने का कोई तरीका है तो आपको रूपक को संरक्षित करना चाहिए। यदि आपको रूपक को किसी अलग तरीके से व्यक्त करना है, तो

ऐसे रूप का उपयोग करें जो सूचीबद्ध व्याख्याओं में से अधिक से अधिक के साथ सटीक बैठे। वैकल्पिक अनुवाद: "यह प्याला मेरे लहू में नई वाचा का प्रतिनिधित्व करता है"

देखें: रूपक

### 1 कुरिन्थियों 11:25 (#5)

"मेरे लहू में"

यहाँ, मेरे लहू में एक स्थानिक रूपक है जो संदर्भित कर सकता है: (1) कैसे नई वाचा यीशु के लहू द्वारा उद्घाटित या आरंभ की गई है। वैकल्पिक अनुवाद: "मेरे लहू द्वारा आरंभित" (2) कैसे प्याला को नई वाचा के साथ पहचाना जा सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: "मेरे लहू के कारण" या "क्योंकि इसमें मेरा लहू है"

देखें: रूपक

### 1 कुरिन्थियों 11:25 (#2)

"यह" - "जब कभी पीओ," - "किया करो"

इस प्याले से पीयो, और जितनी बार तुम इसे पीते हो

### 1 कुरिन्थियों 11:25 (#7)

"जब कभी पीओ {यह}"

यहाँ, {यह} कटोरे को संदर्भित करता है और इस प्रकार कटोरे के अंदर के पेय को भी। इसका अर्थ यह नहीं है कि विश्वासियों को हर बार किसी भी कटोरे से पीते समय करना चाहिए। बल्कि, जब भी वे यीशु की स्मरण के संदर्भ में कटोरे से पीते हैं, उन्हें यह करना चाहिए। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप जब कभी पीओ को अनुवाद कर सकते हैं ताकि यह का अर्थ अधिक स्पष्ट हो सके। वैकल्पिक अनुवाद: "जितनी बार आप इस विधि में कटोरे से पीते हैं" या "जितनी बार आप कटोरे से पीते हैं"

देखें: सर्वनाम — उनका उपयोग कब करें

### 1 कुरिन्थियों 11:25 (#8)

"मेरे स्मरण के लिये"

यदि आपकी भाषा में स्मरण के विचार के लिए कोई भाववाचक संज्ञा नहीं है, तो आप इस विचार को व्यक्त करने के लिए "याद करना" जैसी क्रिया का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मुझे याद करने"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

### 1 कुरिन्थियों 11:25 (#9)

"तो मेरे"

जब यीशु यहाँ मेरे उल्लेख करते हैं, तो वे विशेष रूप से इस बारे में बात कर रहे हैं कि उन्होंने अपने चेलों के लिए क्या किया है और क्या करेंगे, विशेष रूप से कैसे वे उनके लिए स्वयं को अर्पित करने वाले हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप मेरे शब्द को व्यक्त कर सकते हैं और सोच सकते हैं कि केवल यीशु व्यक्तिगत स्मृति के बारे में बात कर रहे हैं, यह स्पष्ट कर रहे हैं मेरे विशेष कार्यों का उल्लेख करता है जो मेरे द्वारा किए गए हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जो मैं तुम्हारे लिए कर रहा हूँ" या "कि मैं तुम्हारे लिए कैसे मरने जा रहा हूँ"

देखें: लक्षणालंकार

### 1 कुरिन्थियों 11:26 (#1)

"इस कटोरे"

यहाँ कुरिन्थियों ने कटोरे को कटोरे के अंदर के पेय के रूप में समझा होगा, जो पौलुस की संस्कृति में दाखरस हो सकता है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप कटोरे को अधिक स्पष्ट रूप से यह बताकर व्यक्त कर सकते हैं कि कटोरे में क्या है। वैकल्पिक अनुवाद: "इस कटोरे में क्या है" या "यह दाखरस"

देखें: लक्षणालंकार

### 1 कुरिन्थियों 11:26 (#2)

"प्रभु की मृत्यु को"

यदि आपकी भाषा में मृत्यु के पीछे के विचार के लिए कोई भाववाचक संज्ञा नहीं है, तो आप इस विचार को व्यक्त करने के लिए "मृत्यु होना" जैसी क्रिया का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "कि प्रभु की मृत्यु हुई"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

### 1 कुरिन्थियों 11:26 (#2)

"जब तक वह न आए"

"जहाँ यीशु आता है स्पष्ट किया जा सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: ""जब तक यीशु धरती पर वापस नहीं आ जाता""

देखें: अनुमानित ज्ञान और निहित जानकारी

### 1 कुरिन्थियों 11:26 (#4)

"क्योंकि जब कभी तुम यह रोटी खाते, और इस कटोरे में से पीते हो, तो प्रभु की मृत्यु को जब तक वह न आए, प्रचार करते हो"

यहाँ, जब तक न आए यह दर्शाता है कि विश्वासियों को कब तक यह रोटी को खानी और इस कटोरा में से पीना है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप जब तक वह न आए को वाक्य में पहले स्थानांतरित करके दिखा सकते हैं कि यह किसे संशोधित करता है। वैकल्पिक अनुवाद: "क्योंकि जब तक प्रभु न आए, जितनी बार तुम यह रोटी खाते, और इस कटोरे में से पीते हो, प्रभु की मृत्यु को प्रचार करते हो"

देखें: सूचना संरचना

### 1 कुरिन्थियों 11:27 (#1)

"जो कोई" - "प्रभु की रोटी खाए, या उसके कटोरे में से पीए"

प्रभु की रोटी खाते हुए या प्रभु का प्याला पीते हुए

### 1 कुरिन्थियों 11:27 (#2)

"कटोरा "

यहाँ कुरिन्थियों ने कटोरे को कटोरे के अंदर के पेय के रूप में समझा होगा, जो पौलुस की संस्कृति में दाखरस हो सकता है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप कटोरे को अधिक स्पष्ट रूप से यह बताकर व्यक्त कर सकते हैं कि कटोरे में क्या है। वैकल्पिक अनुवाद: "इस कटोरे में क्या है" या "दाखरस"

देखें: लक्षणालंकार

### 1 कुरिन्थियों 11:27 (#3)

"अनुचित रीति से"

यहाँ, अनुचित रीति से उस व्यवहार की पहचान करता है जो प्रभु भोज में भाग लेने वालों के लिए अनुचित या "अयोग्य" है। पौलुस ने इस प्रकार के व्यवहार का उदाहरण 11:18-22 में पहचाना है। यह वाक्यांश उन लोगों को संदर्भित नहीं करता जो अनुचित हैं, बल्कि यह उस व्यवहार को संदर्भित करता है जो अनुचित है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो

आप अयोग्य रीति से को ऐसे वाक्यांश से व्यक्त कर सकते हैं जो किसी विशेष संदर्भ में अनुचित या अशोभनीय आचरण को स्पष्ट रूप से पहचानता हो। वैकल्पिक अनुवाद: "अनुचित तरीके से कार्य करते हुए" या "प्रभु और साथी विश्वासियों का सम्मान किए बिना"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

### 1 कुरिन्थियों 11:27 (#4)

"वह प्रभु की देह और लहू का अपराधी ठहरेगा"

यहाँ, अपराधी का अर्थ हो सकता है: (1) व्यक्ति ने क्या किया है जिसके लिए वह अपराधी है। यहाँ, यह प्रभु के शरीर और लहू को "अपवित्र करने" या "अपमानित करने" के रूप में हो सकता है, या यह प्रभु की हत्या में भाग लेने का हो सकता है, जिसका संकेत उनके देह और लहू से होता है। वैकल्पिक अनुवाद: "प्रभु के देह और लहू का अपमान करने के दोषी" या "प्रभु का लहू बहाने और उनकी देह को भेदने का दोषी" (2) जिनके साथ उस व्यक्ति ने गलत किया है। यहाँ, वह स्वयं प्रभु होंगे, विशेष रूप से जब उन्होंने अपना देह और लहू अर्पित किया। वैकल्पिक अनुवाद: "प्रभु की देह और लहू के विरुद्ध पाप करने का दोषी ठहरेगा"

देखें: मुहावरा

### 1 कुरिन्थियों 11:28 (#1)

"इसलिए मनुष्य अपने आपको जाँच ले और इसी रीति से इस रोटी में से खाए, और इस कटोरे में से पीए"

इस पद में, पौलुस तीन तृतीय पुरुष अनिवार्यता का प्रयोग करते हैं। यदि आपकी भाषा में तृतीय पुरुष अनिवार्यता हैं, तो आप उन्हें यहाँ उपयोग कर सकते हैं। यदि आपकी भाषा में तृतीय पुरुष अनिवार्यता नहीं हैं, तो आप विचारों को "अवश्य" या "चाहिए" जैसे शब्दों का उपयोग करके व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "परन्तु एक मनुष्य को अपने आपको को जाँचना चाहिए, और इस रीति से उसे रोटी में से खानी चाहिए, और इस कटोरे में से पीना चाहिए"

देखें: तृतीय-पुरुष अनिवार्यताएँ

### 1 कुरिन्थियों 11:28 (#2)

"जाँच ले"

"पौलुस एक व्यक्ति के बारे में बोलता है जो परमेश्वर से अपने संबंध को देखता है और वह अपना जीवन कैसे जी रहा है जैसे कि वह व्यक्ति उस चीज़ को देख रहा है जिसे वह मौल लेना

चाहता है। देखें कि कैसे ""गुणवत्ता का परीक्षण"" का अनुवाद [1 कुरिन्थियों 3:13] (../ 03 / 13.md) में किया गया है।

देखें: रूपक

### 1 कुरिन्थियों 11:28 (#3)

**"इसी रीति से इस रोटी में से खाए, और इस कटोरे में से पीए"**

यहाँ, इसी रीति से खाए और पीए दोनों का परिचय देता है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप पीए और पहले के आदेश को जोड़ सकते हैं, या आप **इस रीति से** को दोहरा सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "इसी रीति से इस रोटी में से खाए, और इस कटोरे में से पीए" या "इसी रीति से इस रोटी में से खाए, और इसी रीति से इस कटोरे में से पीए"

देखें: सूचना संरचना

### 1 कुरिन्थियों 11:28 (#4)

**"इस रोटी में से खाए"**

यहाँ, रोटी में से का अर्थ है उस चीज का कुछ हिस्सा खाना। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप खाना को उस शब्द या वाक्यांश के साथ व्यक्त कर सकते हैं जो किसी चीज का हिस्सा खाने को संदर्भित करता है। वैकल्पिक अनुवाद: "इसी रीति से अपने भाग की रोटी में से खाए" या "इसी रीति से इस रोटी में से कुछ खाए"

देखें: मुहावरा

### 1 कुरिन्थियों 11:29 (#1)

---

"संभावित अर्थ 1) ""और यह नहीं पहचानता कि कलीसिया प्रभु की देह है"" या 2) ""और यह नहीं मानता कि वह प्रभु की देह को संभालने वाला है।"""

### 1 कुरिन्थियों 11:29 (#2)

**"खाने और पीने से अपने ऊपर दण्ड लाता है"**

यहाँ पौलस ऐसा कहते हैं जैसे लोग "खाने और पीने" से **दण्ड** प्राप्त कर सकते हैं। इस तरह से कहकर, पौलस का अर्थ है कि उनके "खाने और पीने" का परिणाम शारीरिक या आत्मिक पोषण नहीं है बल्कि **दण्ड** मिलना है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप इस मुहावरे को एक

तुलनीय रूपक के साथ व्यक्त कर सकते हैं या विचार को स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "उसका दण्ड खाने-पीने के कारण ही होता है" या "वह इस खाने-पीने का परिणामस्वरूप दण्ड पाता है"

देखें: मुहावरा

### 1 कुरिन्थियों 11:29 (#3)

**"अपने ऊपर दण्ड लाता है"**

यदि आपकी भाषा में **दण्ड** के पीछे के विचार के लिए एक भाववाचक संज्ञा का उपयोग नहीं होता है, तो आप "न्याय" जैसे क्रिया का उपयोग करके विचार को व्यक्त कर सकते हैं। पौलस का तात्पर्य है कि "परमेश्वर" ही वह है जो "न्याय" करता है। वैकल्पिक अनुवाद: "वह इस खाने-पीने का फल पाएगा, और परमेश्वर उसका न्याय करेगा" या "वह यह सोच कर खाता-पीता है कि परमेश्वर उसका न्याय करेगा"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

### 1 कुरिन्थियों 11:29 (#4)

**"अपने ऊपर"**

यहाँ, अपने ऊपर पुरुष रूप में लिखा गया है, लेकिन यह किसी भी व्यक्ति को संदर्भित करता है, चाहे उनका लिंग कुछ भी हो। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप **अपने ऊपर** के पीछे के विचार को व्यक्त करने के लिए एक ऐसा शब्द उपयोग कर सकते हैं जिसमें लिंग न हो, या आप दोनों लिंगों का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "स्वयं पर या स्वयं पर"

देखें: जब पुलिंग शब्दों में स्त्रियाँ भी सम्मिलित होती हैं

### 1 कुरिन्थियों 11:30 (#1)

**"निर्बल और रोगी हैं"**

इन शब्दों का अर्थ लगभग एक है और इन्हे संयुक्त रूप से जोड़ा जा सकता है, जैसे यूस्टी में।

### 1 कुरिन्थियों 11:30 (#2)

"यहाँ सोना मौत के लिए एक प्रेयोक्ति है। वैकल्पिक अनुवाद: ""और तुममें से कई लोग मर गए हैं""

देखें: शिष्टता

**1 कुरिन्थियों 11:31 (#1)****"यदि हम अपने आपको जाँचते"**

यहाँ पौलुस एक शर्तयुक्त कथन कह रहे हैं जो काल्पनिक प्रतीत होता है, लेकिन वह पहले से ही आश्वस्त हैं कि यह शर्त सत्य नहीं है। उन्होंने पिछले पद में पहले ही कहा है कि कुरिन्थियों को दण्डित किया जा रहा है, जिसका अर्थ है कि हम वास्तव में दण्डित किए जा रहे हैं। अपनी भाषा में एक स्वाभाविक रूप का उपयोग करें जो वक्ता को विश्वास है कि वह सत्य नहीं है। वैकल्पिक अनुवाद: "परन्तु यदि हम वास्तव में अपने आपको जाँचते"

देखें: जोड़े — तथ्य के विपरीत स्थितियाँ

**1 कुरिन्थियों 11:31 (#1)**

पौलुस एक व्यक्ति के बारे में बोलता है जो परमेश्वर से अपने संबंध को देखता है और वह अपना जीवन कैसे जी रहा है जैसे कि वह व्यक्ति उस चीज़ को देख रहा है जिसे वह मोल लेना चाहता है। देखें कि इसका अनुवाद कैसे किया जाता है [1 कुरिन्थियों 11:28] (../11 / 28.md)में।

देखें: रूपक

**1 कुरिन्थियों 11:31 (#2)**

इसे सक्रिय रूप में कहा जा सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: ""परमेश्वर हमारा न्याय नहीं करेंगे""

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

**1 कुरिन्थियों 11:32 (#1)**

इसे सक्रिय रूप में कहा जा सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: ""प्रभु हमें जाँचता है, वह हमें अनुशासित करता है, ताकि वह हमें दोषी न ठहराए""

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

**1 कुरिन्थियों 11:32 (#2)****"परन्तु प्रभु हमें दण्ड देकर हमारी ताङ्गना करता है"**

यहाँ, दण्ड देकर और हमारी ताङ्गना करता है एक ही समय पर होते हैं। वाक्यांश हमारी ताङ्गना करता है, दण्ड देकर के कार्य या उद्देश्य को दर्शाता है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप इन दोनों वाक्यांशों के सम्बन्ध को स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जब हम प्रभु द्वारा दण्डित किए जाते हैं, तो हम अनुशासित होते हैं" या "प्रभु के द्वारा दण्डित किया जाना ही वह तरीका है जिससे हम अनुशासित होते हैं"

देखें: जोड़े — समकालिक समय सम्बन्ध

**1 कुरिन्थियों 11:32 (#3)****"हमारी ताङ्गना करता है इसलिए कि हम संसार के साथ दोषी न ठहरें"**

यदि आपकी भाषा में निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं होता है, तो आप इस विचार को सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य स्वाभाविक तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। पौलुस यहाँ निष्क्रिय रूप का उपयोग हम पर ध्यान केंद्रित करने के लिए करते हैं, बजाय उन व्यक्तियों पर जो कार्य कर रहे हैं। हालांकि, यदि यह बताना आवश्यक है कि कार्य कौन करता है, तो पौलुस संकेत देते हैं कि "परमेश्वर" या प्रभु उन्हें करते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "वह हमें अनुशासित करते हैं ताकि वह हमें दोषी न ठहराएं" या "वह हमें अनुशासित करते हैं ताकि परमेश्वर हमें दोषी न ठहराएं"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

**1 कुरिन्थियों 11:32 (#4)****"संसार"**

यहाँ पौलुस संसार का उपयोग मुख्य रूप से उन मनुष्यों के लिए करते हैं जो संसार का हिस्सा हैं और जो मसीह में विश्वास नहीं करते हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप इस शब्द का अर्थ व्यक्त करने के लिए संसार का अनुवाद ऐसे शब्द या वाक्यांश से कर सकते हैं जो उन लोगों को संदर्भित करता है जो मसीह में विश्वास नहीं करते हैं, या आप "संसार के लोग" जैसे वाक्यांश का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "संसार के लोगों"

देखें: उपलक्षण

**1 कुरिन्थियों 11:33 (#1)****"भाइयों"**

हालांकि भाइयों पुल्लिंग है, पौलुस उसका उपयोग किसी भी विश्वासी, चाहे पुरुष हो या स्त्री, को संदर्भित करने के लिए कर रहे हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप भाइयों को एक गैर-लिंग आधारित शब्द के साथ व्यक्त कर सकते हैं या दोनों लिंगों का उल्लेख कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "भाइयों और बहनों"

देखें: जब पुल्लिंग शब्दों में स्त्रियाँ भी सम्मिलित होती हैं

## 1 कुरिन्थियों 11:33 (#1)

प्रभु भोज का जश्न मनाने से पहले एक साथ भोजन करने के लिए इकट्ठा हुए

## 1 कुरिन्थियों 11:33 (#3)

"जब तुम खाने के लिये इकट्ठे होते हो"

यहाँ पौलुस संकेत करते हैं कि वे प्रभु भोज खा रहे हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इस संकेत के पीछे के विचार को स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "प्रभु भोज में भाग लेने के लिए इकट्ठा होते हो"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

## 1 कुरिन्थियों 11:33 (#2)

""

भोजन शुरू करने से पहले दूसरों को आने की अनुमति दें"

## 1 कुरिन्थियों 11:34 (#1)

"यदि"

यहाँ पौलुस एक सच्ची संभावना प्रस्तुत करने के लिए यदि का उपयोग करते हैं। उनका अर्थ है कि कोई भूखा हो सकता है, या नहीं भी हो सकता है। वह यदि कोई भूखा हो के लिए परिणाम स्पष्ट करते हैं। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप इस रूप को एक शब्द जैसे "जब भी" के साथ प्रस्तुत करके यदि कथन को व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जब भी"

देखें: जोड़ें — काल्पनिक स्थितियाँ

## 1 कुरिन्थियों 11:34 (#2)

"यदि कोई भूखा हो"

यहाँ, भूखा होना उन कारणों में से एक को दर्शाता है कि क्यों कुरिन्थियों के लोग प्रभु के भोज के दौरान अनुचित व्यवहार कर रहे हैं। वे इतने भूखे हो सकते हैं कि वे सभी के भोजन प्राप्त करने की प्रतीक्षा नहीं कर सकते, या वे विशेष प्रकार के भोजन के लिए भूखे हो सकते हैं जो विशेष रूप से उनके लिए तैयार किया गया था और दूसरों के लिए नहीं। सुनिश्चित करें कि आपका अनुवाद [11:21](#) और [33](#) के अनुवाद से मेल खाता हो। वैकल्पिक अनुवाद: "यदि कोई इतना भूखा है कि वे प्रतीक्षा नहीं कर सकते" या "यदि कोई विशेष रूप से तैयार भोजन की इच्छा रखते हैं"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

## 1 कुरिन्थियों 11:34 (#1)

"अपने घर में खा ले"

इस सभा में भाग लेने से पहले उसे खाने दो

## 1 कुरिन्थियों 11:34 (#4)

"तो अपने घर में खा ले"

हालांकि अपने पुल्लिंग है, पौलुस इसका उपयोग सभी के लिए कर रहे हैं, चाहे वह पुरुष हो या स्त्री। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप अपने को एक गैर-लिंग शब्द के साथ व्यक्त कर सकते हैं या दोनों लिंगों का उल्लेख कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "तो अपने घर में खा ले"

देखें: जब पुल्लिंग शब्दों में स्त्रियाँ भी सम्मिलित होती हैं

## 1 कुरिन्थियों 11:34 (#2)

"परमेश्वर के लिए यह अवसर नहीं होगा कि वह तुम्हे अनुशासित करें

देखें: प्रतिन्यास

## 1 कुरिन्थियों 11:34 (#6)

"दण्ड का कारण"

यदि आपकी भाषा में दण्ड का कारण के पीछे के विचार के लिए कोई भाववाचक संज्ञा नहीं है, तो आप इस विचार को

**“दण्ड देना”** जैसे क्रिया का उपयोग करके व्यक्त कर सकते हैं। पौलुस यह संकेत देते हैं कि “परमेश्वर” वही हैं जो “दण्ड देते” हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “जिसका परिणाम यह हो कि परमेश्वर तुम्हें दण्ड दे”

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

## 1 कुरिन्थियों 11:34 (#7)

### “शेष बातों को”

यहाँ पौलुस यह स्पष्ट नहीं करते कि **शेष बातें** क्या हैं, और संदर्भ को अस्पष्ट छोड़ना सबसे अच्छा है। ऐसे रूप का प्रयोग करें जिसकी व्याख्या निम्नलिखित तरीकों से की जा सके। यह वाक्यांश निम्नलिखित का संदर्भ दे सकता है: (1) प्रभु भोज के बारे में पौलुस जो कुछ और कहना चाहते हैं। (2) पौलुस की प्रतिक्रियाएं अन्य बातों पर जो कुरिन्थियों ने उनसे पूछी थीं। (3) आराधना प्रथाओं के बारे में अन्य निर्देश।

देखें: जानकारी को अंतर्निहित कब रखना चाहिए

## 1 कुरिन्थियों 11:34 (#8)

### “मैं आकर ठीक कर दूँगा”

यदि आपकी भाषा में **ठीक** के पीछे के विचार के लिए कोई भाववाचक संज्ञा नहीं है, तो आप “**ठीक कर दूँगा**” या “**सिखा दूँगा**” जैसी क्रियाओं का उपयोग करके विचार व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “मैं आकर ठीक कर दूँगा”

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

## 1 कुरिन्थियों 11:34 (#9)

### “मैं आकर”

यहाँ पौलुस अपने भविष्य में कभी कुरिन्थियों से मिलने की योजना के बारे में बात कर रहे हैं। जिस भाषा का वे उपयोग कर रहे हैं, उससे यह संकेत मिलता है कि उनके पास अभी तक यह योजना नहीं है कि वे कब और कैसे यात्रा करेंगे। वे कह रहे हैं कि वे किसी समय उनसे मिलने की योजना बना रहे हैं। अपने भाषा में एक ऐसा रूप उपयोग करें जो भविष्य की यात्रा योजनाओं को इंगित करता हो। वैकल्पिक अनुवाद: “जब कभी तुम्हारे पास आऊंगा”

देखें: जाएँ और आएँ

## 1 कुरिन्थियों 12:1 (#1)

Connecting Statement:\n\nपौलुस उन्हें बताता है कि परमेश्वर ने विश्वासियों को विशेष वरदान दिए हैं। ये वरदान विश्वासियों की मण्डली की मदद के लिए हैं।

## 1 कुरिन्थियों 12:1 (#2)

### “आत्मिक वरदानों”

संयोजक कथन: यहाँ, **आत्मिक वरदान** इस बात का सन्दर्भ देता है कि कैसे पवित्र आत्मा विशेष विश्वासियों को विशेष कार्य करने में सक्षम बनाते हैं। पौलुस 12:8-10 में इन **आत्मिक वरदानों** की एक सूची देते हैं। इन **वरदानों** को विश्वासियों की प्राकृतिक “क्षमताओं” के रूप में नहीं समझा जाना चाहिए। बल्कि, ये **वरदान** वे तरीके हैं जिनसे पवित्र आत्मा एक विशिष्ट व्यक्ति के माध्यम से विशिष्ट कार्य करते हैं जो अन्य सभी नहीं कर सकते। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप **आत्मिक वरदानों** को किसी भिन्न शब्द या वाक्यांश के साथ व्यक्त कर सकते हैं, जो पवित्र आत्मा का कुछ संदर्भ रखते हुए इस विचार को व्यक्त करता हो। वैकल्पिक अनुवाद: “पवित्र आत्मा द्वारा दी गई योग्यताओं” या “तरीके जिनसे पवित्र आत्मा विश्वासियों को सुसज्जित करते हैं”

देखें: अज्ञातों का अनुवाद करें

## 1 कुरिन्थियों 12:1 (#3)

### “भाइयों”

जोड़ने वाला वक्तव्य: हालांकि शब्द **भाइयों** का रूप पुल्लिंग है, पौलुस इसका उपयोग किसी भी विश्वासी, चाहे पुरुष हो या महिला, को सन्दर्भित करने के लिए कर रहे हैं। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप **भाइयों** को एक गैर-लिंग शब्द के साथ व्यक्त कर सकते हैं या दोनों लिंगों का उल्लेख कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “भाइयों और बहनों”

देखें: जब पुल्लिंग शब्दों में स्त्रियाँ भी सम्मिलित होती हैं

## 1 कुरिन्थियों 12:1 (#2)

इसे सकारात्मक के रूप में कहा जा सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: ““मैं चाहता हूँ की तुम जानो””

देखें: दोहरे नकारात्मक

## 1 कुरिन्थियों 12:2 (#1)

यहाँ ""भटक गया"" कुछ गलत करने के लिए उकसाने का एक रूपक है। मूर्तियों की ओर भटकना मूर्तिपूजा करने के लिए गलत तरीके से उकसाने को दर्शाता है। वाक्यांश ""भटक गए थे"" और ""तुम उनकी अगुवाई में चले थे"" सक्रिय रूप में कहा जा सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: ""तुम्हे किसी तरह उकसाया गया मूर्तिपूजा करने के लिए जो बोल नहीं सकते"" या ""तुमने किसी तरह झूठ पर भरोसा किया और इस प्रकार तुमने मूर्तिपूजा की जो बोल नहीं सकते""

देखें: रूपक

## 1 कुरिन्थियों 12:2 (#2)

"तो गूँगी मूरतों के पीछे जैसे चलाए जाते थे वैसे चलते थे"

यदि आपकी भाषा में निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं होता है, तो आप सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य स्वाभाविक तरीके से विचार व्यक्त कर सकते हैं। पौलुस यहाँ निष्क्रिय रूप का उपयोग करते हैं ताकि यह स्पष्ट न हो कि "चलाए जाते" का कार्य किसने किया, क्योंकि वह इसे गुप्त रखना चाहते हैं। यदि आपको यह बताना आवश्यक हो कि कार्य किसने किया, तो पौलुस यह संकेत देते हैं कि "अन्य अन्यजाति" या "किसी" ने ऐसा किया। वैकल्पिक अनुवाद: "अन्य लोगों ने आपको गूँगी मूर्तियों की ओर भटकाया, जिस भी तरीके से उन्होंने आपको भटकाया"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

## 1 कुरिन्थियों 12:2 (#3)

"गूँगी मूरतों"

यहाँ, गूँगी का अर्थ है कि मूर्तियाँ उन लोगों से बात नहीं कर सकतीं जो उनकी उपासना करते हैं। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप गूँगी को एक शब्द या वाक्यांश के साथ व्यक्त कर सकते हैं जो मूरतों को बोलने में असमर्थ के रूप में वर्णित करता है। वैकल्पिक अनुवाद: "मूर्तियाँ जो संवाद नहीं कर सकतीं"

देखें: अज्ञातों का अनुवाद करें

## 1 कुरिन्थियों 12:2 (#4)

"जैसे चलाए जाते थे"

यहाँ पौलुस जानबूझकर अस्पष्ट भाषा का उपयोग करते हैं जो जैसे चलाए जाते थे उसे परिभाषित नहीं करता। आपके अनुवाद में, एक ऐसा शब्द या वाक्यांश उपयोग करें जो चलाए जाते को स्पष्ट रूप से परिभाषित नहीं करता। वैकल्पिक अनुवाद: "जैसे भी आप को निर्देशित किया गया था"

देखें: जानकारी को अंतर्निहित कब रखना चाहिए

## 1 कुरिन्थियों 12:3 (#1)

"इसलिए"

यहाँ, इसलिए निम्नलिखित से निष्कर्ष निकाल सकते हैं: (1) [12:1-2](#)। कुरिन्थियों को पता है कि कैसे मूर्ति पूजा की उपासना काम करती थी (पद 2), लेकिन पौलुस उन्हें बताना चाहते हैं कि कैसे मसीही आराधना काम करती है (पद 1)। इसलिए, वह उन्हें चेतावनी देगे। वैकल्पिक अनुवाद: "क्योंकि आप मसीही आराधना के बारे में कम जानते हैं" (2) केवल [12:2](#)। जब कुरिन्थ के लोग "मूर्तिपूजक" थे, तो वे इस बात के आदी थे कि "प्रेरित भाषण" या ईश्वर की शक्ति से बोलना कैसे काम करता है। अब, पौलुस उन्हें बताना चाहते हैं कि यह पवित्र आत्मा की सामर्थ्य द्वारा कैसे काम करता है। वैकल्पिक अनुवाद: "अब, हालांकि"

देखें: जोड़ें — कारण-और-परिणाम सम्बन्ध

## 1 कुरिन्थियों 12:3 (#2)

"परमेश्वर की आत्मा" - "पवित्र आत्मा"

यहाँ, परमेश्वर की आत्मा और पवित्र आत्मा दो अलग-अलग नाम हैं एक ही व्यक्ति के: पवित्र आत्मा। यदि आपकी भाषा में पवित्र आत्मा के लिए केवल एक नाम का उपयोग होता है, और यदि आपके पाठक यह सोच सकते हैं कि इस पद में दो अलग-अलग व्यक्तियों की पहचान की गई है, तो आप इस पद में दोनों स्थानों पर एक ही नाम का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "पवित्र आत्मा ... पवित्र आत्मा" या "परमेश्वर का आत्मा ... परमेश्वर का आत्मा"

देखें: नामों का अनुवाद कैसे करें

## 1 कुरिन्थियों 12:3 (#1)

""

संभावित अर्थ 1) ""ना कोई मसीही जिसमें परमेश्वर का आत्मा है"" या 2) ""ना कोई भी जो परमेश्वर के आत्मा की शक्ति से भविष्यवाणी कर रहा है, कह सकता है!""

**1 कुरिन्थियों 12:3 (#4)**

"कहता कि यीशु श्रापित है" - "कह सकता है कि यीशु प्रभु है"

यदि आपकी भाषा में किसी के कहने को सन्दर्भित करने के लिए इस रूप का उपयोग नहीं होता है, तो आप बयानों का अनुवाद अप्रत्यक्ष उद्धरण के रूप में कर सकते हैं बजाय सीधे उद्धरण के। वैकल्पिक अनुवाद: "कहते हैं कि यीशु श्रापित हैं ... यह कहने के लिए कि यीशु प्रभु हैं"

देखें: प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष उद्धरण

**1 कुरिन्थियों 12:3 (#2)**

""

"परमेश्वर यीशु को दंडित करेगा या ""परमेश्वर यीशु को पीड़ित करेगा"""

**1 कुरिन्थियों 12:3 (#6)**

"और न कोई पवित्र आत्मा के बिना कह सकता है कि यीशु प्रभु है"

यदि आपकी भाषा में ऐसा प्रतीत होता है कि पौलुस यहाँ एक कथन दे रहे थे और फिर उसका खण्डन कर रहे थे, तो आप इसे एक अपवाद खण्ड का उपयोग किए बिना पुनः शब्दों में ढाल सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और केवल पवित्र आत्मा के द्वारा ही कोई कह सकता है, 'यीशु प्रभु है'"

देखें: जोड़—अपवाद खण्ड

**1 कुरिन्थियों 12:4 (#1)**

"वरदान तो कई प्रकार के हैं"

यदि आपकी भाषा में **कई प्रकार** के पीछे के विचार के लिए कोई भाववाचक संज्ञा का उपयोग नहीं होता है, तो आप इस विचार को "विभिन्न" या "अलग" जैसे विशेषण का उपयोग करके व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "विभिन्न वरदान" या "अलग वरदान"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

**1 कुरिन्थियों 12:4 (#2)**

"आत्मा एक ही है"

यहाँ पौलुस कुछ शब्दों को छोड़ देते हैं जो आपकी भाषा में एक पूर्ण विचार बनाने के लिए आवश्यक हो सकते हैं। पौलुस यह संकेत देते हैं कि यह वही आत्मा है जो **कई प्रकार** के वरदान प्रदान करते हैं। यदि आपके पाठक इस जानकारी को नहीं समझेंगे, और यदि आपकी भाषा में इन शब्दों की आवश्यकता है तो आप उन्हें ये शब्द दे सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "वही आत्मा सभी को वरदान प्रदान करता है"

देखें: पदलोप

**1 कुरिन्थियों 12:5 (#1)**

"सेवा भी कई प्रकार की है"

यदि आपकी भाषा में **कई प्रकार** के पीछे के विचार के लिए कोई भाववाचक संज्ञा नहीं है, तो आप "विभिन्न" या "अलग-अलग" जैसे विशेषण का उपयोग करके विचार व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "विभिन्न सेवा" या "अलग-अलग सेवा"।

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

**1 कुरिन्थियों 12:5 (#2)**

"सेवा"

यदि आपकी भाषा में **सेवा** के पीछे के विचार के लिए कोई भाववाचक संज्ञा का उपयोग नहीं होता है, तो आप इस विचार को व्यक्त करने के लिए "सेवा करना" या "सेवकाई करना" जैसे क्रिया का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "सेवकाई करने के अनेक तरीके हैं"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

**1 कुरिन्थियों 12:5 (#3)**

"प्रभु एक ही है"

यहाँ पौलुस कुछ शब्दों को छोड़ देते हैं जो आपकी भाषा में एक पूर्ण विचार बनाने के लिए आवश्यक हो सकते हैं। पौलुस यह संकेत देते हैं कि यह **प्रभु एक ही है** जिनकी लोग **कई प्रकार की सेवाओं** के साथ सेवा करते हैं। यदि आपके पाठक इस जानकारी को नहीं समझेंगे, और यदि आपकी भाषा में इन शब्दों की आवश्यकता है तो आप उन्हें जोड़ सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "सभी उसी प्रभु की सेवा करते हैं" या "हर कोई उसी प्रभु की सेवा करता है"

देखें: पदलोप

**1 कुरिन्थियों 12:6 (#1)****"प्रभावशाली कार्य कई प्रकार के हैं"**

यदि आपकी भाषा में **कई प्रकार** के पीछे के विचार के लिए एक भाववाचक संज्ञा का उपयोग नहीं होता है, तो आप "विभिन्न" या "अलग-अलग" जैसे विशेषण का उपयोग करके विचार व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "कार्य तो अनेक हैं" या "कार्य अलग-अलग हैं"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

**1 कुरिन्थियों 12:6 (#2)****"कार्य"**

यहाँ, **कार्य** का अर्थ "गतिविधियां" या "कार्रवाइयों" से है, अर्थात्, कार्य करना। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप **कार्य** को एक शब्द या वाक्यांश के साथ व्यक्त कर सकते हैं जो सामान्य रूप से "कार्य करना" का सन्दर्भ देता है। वैकल्पिक अनुवाद: "गतिविधियां" या "हर कार्य करने के तरीके"

देखें: अज्ञातों का अनुवाद करें

**1 कुरिन्थियों 12:6 (#3)****"परमेश्वर एक ही है"**

यहाँ पौलुस कुछ शब्दों को छोड़ देते हैं जो आपकी भाषा में एक पूर्ण विचार बनाने के लिए आवश्यक हो सकते हैं। पौलुस यह संकेत देते हैं कि **परमेश्वर एक ही है** जो कई प्रकार के प्रभावशाली **कार्य** को सामर्थ्य प्रदान करते हैं। यदि आपके पाठक इस जानकारी को नहीं समझ पाएँगे, और यदि आपकी भाषा में इन शब्दों की आवश्यकता है, तो आप उन्हें जोड़ सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "परमेश्वर एक ही है"

देखें: पदलोप

**1 कुरिन्थियों 12:6 (#1)**

""

हर किसी को उन्हें अपने पास होने कारण बनता है

**1 कुरिन्थियों 12:7 (#1)**

""

"इसे सक्रिय रूप में कहा जा सकता है। परमेश्वर ही है जो देने वाला है ([1 कुरिन्थियों 12:6](#))। वैकल्पिक अनुवाद: ""परमेश्वर प्रत्येक को देता है""

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

**1 कुरिन्थियों 12:7 (#2)****"आत्मा का प्रकाश"**

यदि आपकी भाषा में **प्रकाश** के विचार के लिए कोई भाववाचक संज्ञा नहीं है, तो आप इस विचार को "प्रदर्शित करना" या "प्रकट करना" जैसे क्रिया का उपयोग करके व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "वे आत्मा को कैसे प्रदर्शित करते हैं" या "वे आत्मा की सामर्थ्य को कैसे प्रकट करते हैं"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

**1 कुरिन्थियों 12:7 (#3)****"आत्मा का प्रकाश दिया जाता है"**

यहाँ पौलुस स्वामित्व रूप का उपयोग यह दर्शनि के लिए करते हैं कि **आत्मा** कैसे **प्रकाश** द्वारा प्रकट होती है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप इस विचार को मौखिक वाक्यांश के साथ व्यक्त कर सकते हैं कि **प्रकाश दिया जाना** आत्मा का प्रकाशन है। वैकल्पिक अनुवाद: "आत्मा को बाह्य रूप से प्रदर्शित करने की क्षमता" या "आत्मा को बाह्य रूप से प्रदर्शित करने का एक तरीका"

देखें: स्वामित्व

**1 कुरिन्थियों 12:7 (#4)****"सब के लाभ पहुँचाने के लिये"**

यदि आपकी भाषा में **लाभ** के पीछे के विचार के लिए कोई भाववाचक संज्ञा नहीं है, तो आप इस विचार को व्यक्त करने के लिए "लाभ" या "सहायता" जैसी क्रिया का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "सभी को लाभ पहुँचाने के लिए"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

**1 कुरिन्थियों 12:8 (#1)**

""

"इसे सक्रिय रूप में कहा जा सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: ""आत्मा के माध्यम से परमेश्वर एक व्यक्ति को वचन देता है""  
देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

## 1 कुरिन्थियों 12:8 (#2)

"एक को" - "दूसरे को"

हालांकि पौलुस विशेष रूप से एक को और दूसरे को उल्लेख करते हैं, वह सिर्फ दो लोगों के बारे में बात नहीं कर रहे हैं। बल्कि, वह इस रूप का उपयोग उदाहरण देने के लिए कर रहे हैं। यदि आपकी भाषा में यह उपयोगी हो, तो आप यह व्यक्त कर सकते हैं कि पौलुस यहाँ दो उदाहरणों का प्रयोग प्रतिनिधि रूप में कर रहा है, या फिर आप यहाँ बहुवचन रूपों का भी प्रयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "कुछ लोगों को ... दूसरे लोगों को"

देखें: सर्वनाम — उनका उपयोग कब करें

## 1 कुरिन्थियों 12:8 (#2)

""

संदेश

## 1 कुरिन्थियों 12:8 (#4)

"बुद्धि की बातें"

यदि आपकी भाषा में बुद्धि के पीछे के विचार के लिए कोई भाववाचक संज्ञा नहीं है, तो आप इस विचार को किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। पौलुस का तात्पर्य हो सकता है कि: (1) बातों की विशेषता बुद्धि है। वैकल्पिक अनुवाद: "एक बुद्धिमान बात" (2) बात उन लोगों को बुद्धि प्रदान करता है जो इसे सुनते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "एक ऐसी बात जो दूसरों को बुद्धिमान बनाता है"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

## 1 कुरिन्थियों 12:8 (#5)

"दूसरे को... बातें"

यहाँ पौलुस कुछ शब्दों को छोड़ देते हैं जो आपकी भाषा में एक पूर्ण विचार बनाने के लिए आवश्यक हो सकते हैं। पौलुस इन शब्दों को छोड़ देते हैं क्योंकि उन्होंने इन्हें पिछले खण्ड में स्पष्ट रूप से कहा है (दी जाती है)। यदि आपकी भाषा को इन शब्दों की आवश्यकता है, तो आप उन्हें उस खण्ड से ले

सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "दूसरे को ज्ञान की बातें दिया गया है"

देखें: पदलोप

## 1 कुरिन्थियों 12:8 (#6)

"ज्ञान की बातें"

यदि आपकी भाषा में ज्ञान के पीछे के विचार के लिए कोई भाववाचक संज्ञा नहीं है, तो आप इस विचार को किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। पौलुस का मतलब हो सकता है कि: (1) बात की विशेषता ज्ञान है। वैकल्पिक अनुवाद: "एक ज्योतिर्मय बात" (2) बात उन लोगों को ज्ञान प्रदान करता है जो इसे सुनते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "एक बात जो दूसरों को ज्ञानी बनाता है"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

## 1 कुरिन्थियों 12:9 (#1)

"किसी को"

यहाँ पौलुस किसी को के लिए एक अलग शब्द का उपयोग करते हैं, जो उन्होंने पिछले पद या इस पद के शेष भाग में किया है। यह सम्भव है कि पौलुस इस अलग शब्द का उपयोग यह संकेत देने के लिए कर रहे हैं कि वह सूची में एक नया खण्ड शुरू कर रहे हैं। यदि आप सूची को खण्डों में विभाजित कर रहे हैं, तो आप यहाँ एक नया खण्ड शुरू कर सकते हैं। यदि आप निम्नलिखित वैकल्पिक अनुवाद का उपयोग करते हैं, तो आपको इसके पहले एक पूर्ण विराम जोड़ने की आवश्यकता हो सकती है। वैकल्पिक अनुवाद: "किसी अन्य व्यक्ति को"

## 1 कुरिन्थियों 12:9 (#2)

"किसी को," - "किसी को"

इस वचन के दोनों भागों में, पौलुस विशेष रूप से किसी को का उल्लेख करते हैं। जब वह ऐसा करते हैं, तो वह किसी एक व्यक्ति के बारे में नहीं बोल रहे हैं। बल्कि, वह इस रूप का उपयोग उदाहरण देने के लिए कर रहे हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप यह व्यक्त कर सकते हैं कि पौलुस यहाँ उदाहरण दे रहे हैं, आपकी भाषा में एक ऐसा रूप उपयोग करके जो प्रतिनिधि उदाहरणों को दर्शाता है, या आप यहाँ बहुवचन रूपों का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "अन्य लोगों को ... अन्य लोगों को"

देखें: सर्वनाम — उनका उपयोग कब करें

## 1 कुरिन्थियों 12:9 (#3)

"किसी को ... विश्वास" - "किसी को ... वरदान"

यहाँ पौलुस कुछ शब्दों को छोड़ देते हैं जो आपकी भाषा में एक पूर्ण विचार बनाने के लिए आवश्यक हो सकते हैं। पौलुस इन शब्दों को छोड़ देते हैं क्योंकि उन्होंने इन्हें 12:8 की शुरुआत में स्पष्ट रूप से कहा था ("दी जाती हैं")। यदि आपकी भाषा को इन शब्दों की आवश्यकता है, तो आप उन्हें उस खण्ड से ले सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "किसी को विश्वास दिया जाता है ... किसी को वरदान दिया जाता है"

देखें: पदलोप

## 1 कुरिन्थियों 12:9 (#4)

"विश्वास"

यहाँ, विश्वास परमेश्वर में एक विशेष आस्था को सन्दर्भित करता है। यह सभी विश्वासियों के विश्वास को सन्दर्भित नहीं करता है। यह विशेष विश्वास परमेश्वर में आस्था हो सकती है जो चमत्कार करने के लिए आवश्यक है, या यह दूसरों को अधिक विश्वास दिलाने में मदद करने की क्षमता हो सकती है, या यह कुछ और भी हो सकता है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप अधिक स्पष्ट रूप से यह व्यक्त कर सकते हैं कि विश्वास अपने आप में एक विशेष प्रकार का विश्वास है। वैकल्पिक अनुवाद: "विशेष विश्वास"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

## 1 कुरिन्थियों 12:9 (#5)

"विश्वास"

यदि आपकी भाषा में विश्वास के पीछे के विचार के लिए एक भाववाचक संज्ञा का उपयोग नहीं होता है, तो आप इस विचार को व्यक्त करने के लिए "विश्वास करना" या "भरोसा करना" जैसे क्रिया का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "विश्वास करने की क्षमता" या "वे कैसे विश्वास करते हैं"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

## 1 कुरिन्थियों 12:9 (#6)

"एक आत्मा"

यहाँ, एक आत्मा का अर्थ मूल रूप से उसी आत्मा जैसा ही है। पौलुस एक अलग वाक्यांश का उपयोग करते हैं क्योंकि उनकी संस्कृति में कभी-कभी एक दोहराए गए वाक्यांश को

बदलना अच्छी शैली माना जाता था। यदि आपकी भाषा में उसी आत्मा को अलग शब्दों में कहना अच्छी शैली नहीं होगी, और यदि आपके पाठक यह समझने में भ्रमित होंगे कि पौलुस अपने शब्द क्यों बदलते हैं, तो आप यहाँ उसी आत्मा का उपयोग कर सकते हैं बजाय उसी एक आत्मा के। वैकल्पिक अनुवाद: "उसी आत्मा"

## 1 कुरिन्थियों 12:10 (#1)

"किसी को" - "भविष्यद्वाणी की"

"वाक्यांश" ""एक ही आत्मा द्वारा दिया जाता है"" पिछले वाक्यांशों से समझा जाता है। वैकल्पिक अनुवाद: ""किसी को भविष्यवाणी वही आत्मा द्वारा दिया जाता है""

देखें: विराम बिंदु

## 1 कुरिन्थियों 12:10 (#2)

"अनेक प्रकार की भाषा"

"वाक्यांश" ""एक ही आत्मा द्वारा दिया जाता है"" पिछले वाक्यांशों से समझा जाता है। वैकल्पिक अनुवाद: ""एक ही आत्मा द्वारा विभिन्न प्रकार की भाषाएं दी जाती हैं""

देखें: विराम बिंदु

## 1 कुरिन्थियों 12:10 (#4)

"किसी को" - "भाषाओं का अर्थ बताना"

"वाक्यांश" ""एक ही आत्मा द्वारा दिया जाता है"" पिछले वाक्यांशों से समझा जाता है। वैकल्पिक अनुवाद: ""दूसरे को एक ही आत्मा द्वारा अन्यभाषाओं का अर्थ दिया जाता है""

देखें: विराम बिंदु

## 1 कुरिन्थियों 12:10 (#4)

"सामर्थ्य के काम"

यहाँ पौलुस काम के बारे में बात करने के लिए स्वामित्व रूप का उपयोग करते हैं जो सामर्थ्य द्वारा विशेषीकृत होते हैं। इसका अर्थ हो सकता है: (1) कि व्यक्ति ऐसी चीजे "काम" कर सकता है जो "सामर्थ्य" हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "सामर्थ्य कार्य करना" या "चमत्कार करना" (2) कि काम सामर्थ्य को प्रदर्शित करते हैं या दिखाते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "सामर्थ्य काम"

देखें: स्वामित्व

## 1 कुरिन्थियों 12:10 (#5)

### "भविष्यद्वाणी"

यदि आपकी भाषा में **भविष्यद्वाणी** के विचार के लिए कोई भाववाचक संज्ञा नहीं है, तो आप "भविष्यद्वाणी करना" जैसी क्रिया का उपयोग करके विचार व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "वे किस प्रकार भविष्यद्वाणी करते हैं"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

## 1 कुरिन्थियों 12:10 (#6)

### "आत्माओं की परख"

यदि आपकी भाषा में "परख" के भाव को व्यक्त करने के लिए कोई भाववाचक संज्ञा नहीं है, तो आप इस विचार को एक क्रिया के माध्यम से व्यक्त कर सकते हैं, जैसे "परखना"। वैकल्पिक अनुवाद: "वे आत्माओं को कैसे परखते हैं"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

## 1 कुरिन्थियों 12:10 (#7)

### "परख"

यहाँ, परख का अर्थ हो सकता है: (1) आत्माओं के बारे में निर्णय लेने की क्षमता। वैकल्पिक अनुवाद: "जाँचना" (2) आत्माओं का मूल्यांकन या पहचान करने की क्षमता। वैकल्पिक अनुवाद: "मूल्यांकन"

देखें: अज्ञातों का अनुवाद करें

## 1 कुरिन्थियों 12:10 (#8)

### "आत्माओं की"

यहाँ आत्माओं से तात्पर्य हो सकता है: (1) ऐसे भाषण या कार्य जो आत्माओं या "पवित्र आत्मा" की सामर्थ्य से किए गए हों। इस स्थिति में, जिनके पास यह "वरदान" है, वे यह "परख" सकते हैं कि कोई भाषण या कार्य परमेश्वर के आत्मा से है या नहीं। वैकल्पिक अनुवाद: "आमिक बातों के बारे में" (2) आत्मिक प्राणी स्वयं। इस स्थिति में, जिनके पास यह "वरदान" है, वे यह "परख" सकते हैं कि आत्माएँ परमेश्वर का प्रतिनिधित्व करती हैं या नहीं। वैकल्पिक अनुवाद: "आत्माओं के बीच"

देखें: अज्ञातों का अनुवाद करें

## 1 कुरिन्थियों 12:10 (#9)

### "किसी को"

यहाँ पौलुस, शब्द **किसी** के लिए एक अलग शब्द का उपयोग करते हैं, जो उन्होंने पिछले दो पदों में या इस पद के शेष में किया है, सिवाय उस एक मामले के जो पिछले पद में उल्लेखित है। यह सम्भव है कि पौलुस इस अलग शब्द का उपयोग यह संकेत देने के लिए कर रहे हैं कि वह सूची में एक नया खण्ड शुरू कर रहे हैं। यदि आप सूची को खण्डों में विभाजित कर रहे हैं, तो आप यहाँ एक नया खण्ड शुरू कर सकते हैं। यदि आप निम्नलिखित वैकल्पिक अनुवाद का उपयोग करते हैं, तो आपको उसके पहले एक पूर्ण विराम जोड़ना पड़ सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: "किसी अन्य व्यक्ति को"

## 1 कुरिन्थियों 12:10 (#3)

### "प्रकार की भाषा"

"यहाँ ""बोलीं"" भाषा का प्रतिनिधित्व करती है। वैकल्पिक अनुवाद: ""विभिन्न भाषाओं बोलने की क्षमता"""

देखें: प्रतिन्यास

## 1 कुरिन्थियों 12:10 (#11)

### "अनेक प्रकार की भाषा"

यहाँ, **अनेक प्रकार की भाषा** उन शब्दों की पहचान करते हैं जो ऐसी भाषाओं में बोले जाते हैं जिन्हें विश्वासियों द्वारा सामान्यतः समझा नहीं जा सकता। **भाषा** निम्नलिखित में से किसी एक या सभी भाषाओं को सन्दर्भित कर सकती है: (1) एक अन्यथा अज्ञात भाषा जिसे कोई व्यक्ति परमेश्वर से संवाद करने के लिए बोलता है। वैकल्पिक अनुवाद: "उत्साही भाषण" या "विभिन्न निजी भाषाएँ" (2) वह भाषा या भाषाएँ जो स्वर्गद्वारा बोलते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "विभिन्न स्वर्गद्वारों की भाषाएँ" (3) विदेशी भाषाएँ जिन्हें कलीसिया के विशिष्ट विश्वासी नहीं बोलते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "विभिन्न विदेशी भाषाएँ"

देखें: अज्ञातों का अनुवाद करें

## 1 कुरिन्थियों 12:10 (#12)

### "भाषाओं का अर्थ"

यहाँ, **अर्थ** का तात्पर्य हो सकता है: (1) भाषाओं का अनुवाद एक ऐसी भाषा में करना जिसे विश्वासियों द्वारा समझा जा सके। वैकल्पिक अनुवाद: "भाषाओं का अनुवाद" (2)

समझना और फिर भाषाओं में कही गई बात का अर्थ स्पष्ट करना। वैकल्पिक अनुवाद: "भाषाओं की व्याख्या"  
देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

## 1 कुरिन्थियों 12:10 (#5)

"भाषाओं का अर्थ बताना"

"यह एक भाषा में जो कुछ कहता है उसे सुनने की क्षमता है और लोगों को यह बताने के लिए एक और भाषा का उपयोग करना कि वह व्यक्ति क्या कह रहा है। वैकल्पिक अनुवाद: ""अन्य भाषाओं में जो कहा जाता है उसे समझने की क्षमता"""

## 1 कुरिन्थियों 12:11 (#1)

"वही एक आत्मा करवाता है"

परमेश्वर केवल एक पवित्र आत्मा के काम के माध्यम से वरदान देता है। देखें कि इसका अनुवाद कैसे किया जाता है  
[1 कुरिन्थियों 12:8](#)

## 1 कुरिन्थियों 12:11 (#2)

"और जिसे जो चाहता है {व्यक्तिगत रूप से} वह बाँट देता है"

मूल भाषा में यहाँ **व्यक्तिगत रूप से** वाक्यांश का उपयोग हुआ है जबकि हिन्दी आई.आर.वी अनुवाद में इस वाक्यांश का प्रयोग नहीं हुआ है। यहाँ, **व्यक्तिगत रूप से** का अर्थ है कि आत्मा कैसे वरदानों को विशिष्ट व्यक्तियों में "वितरित" करती हैं। दूसरे शब्दों में, विभिन्न लोगों को विभिन्न वरदान प्राप्त होते हैं। यदि यह आपकी भाषा में उपयोगी हो, तो आप किसी ऐसे शब्द या वाक्यांश के साथ **व्यक्तिगत रूप से** अपनी अभिव्यक्ति व्यक्त कर सकते हैं जो लोगों को उनकी अपनी पहचान के साथ-साथ उन समुदायों से भी पहचाने जिनमें वे भाग लेते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "स्वयं द्वारा" या "अलग से"

देखें: अज्ञातों का अनुवाद करें

## 1 कुरिन्थियों 12:11 (#3)

"जिसे जो चाहता है"

यहाँ, **जिसे जो चाहता है** का अर्थ है कि **आत्मा** वरदानों का "वितरण" उसी तरह करता है जैसा वह निर्णय लेता है, न कि किसी अन्य कारण से। यदि यह आपकी भाषा में सहायक

होगा, तो आप चाहता है को एक ऐसे शब्द के साथ व्यक्त कर सकते हैं जो **आत्मा** के "निर्णय" या "चुनाव" को सन्दर्भित करता है। वैकल्पिक अनुवाद: "जिस तरह से वह चुनते हैं"  
देखें: अज्ञातों का अनुवाद करें

## 1 कुरिन्थियों 12:12 (#1)

"देह"

संयोजक वक्तव्य: यहाँ पौलुस सामान्य रूप में "देह" की बात कर रहे हैं, किसी विशेष देह की नहीं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप इस रूप को सामान्य रूप में "देह" के सन्दर्भ में व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "उदाहरण के लिए, एक मानव शरीर,"

देखें: सामान्य संज्ञा वाक्यांश

## 1 कुरिन्थियों 12:12 (#2)

"एक है"

संयोजन वक्तव्य: यहाँ, **एक** इस बात को सन्दर्भित करता है कि **देह** एक एकल इकाई है। दूसरे शब्दों में, हम **एक** देह को एक वस्तु के रूप में गिन सकते हैं, भले ही यह कई भागों से बना हो। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप **एक** को एक शब्द या वाक्यांश के साथ व्यक्त कर सकते हैं जो **देह** की एकता पर जोर देता है। वैकल्पिक अनुवाद: "एकीकृत है" या "एकता है"

देखें: मुहावरा

## 1 कुरिन्थियों 12:12 (#1)

""

Connecting Statement:\n\nपौलुस वरदानों की विविधता के बारे में बात करता रहा है जो परमेश्वर विश्वासियों को देते हैं, परमेश्वर विभिन्न विश्वासियों को विभिन्न वरदान देते हैं, लेकिन पौलुस चाहता है कि वे यह जान लें कि सभी विश्वासियों को एक देह में बनाया है, जिसे मसीह की देह कहा जाता है। इस कारण से विश्वासियों में एकता होनी चाहिए।

## 1 कुरिन्थियों 12:12 (#4)

"जिस प्रकार" - "उसी प्रकार मसीह भी"

संयोजन वक्तव्य: यहाँ पौलुस यह नहीं बताते कि **मसीह** इस पद में वर्णित **देह** जैसा कैसे है। इसके बजाय, वह धीरे से

समझाते हैं कि मसीह कैसे देह जैसा है, जो कि निम्नलिखित पदों में है। [12:27](#) में, वह पूरी तरह से समझाते हैं कि उनका क्या अर्थ है: "आप मसीह की देह हैं और व्यक्तिगत रूप से इसके सदस्य हैं।" क्योंकि पौलुस अगले पदों में **उसी प्रकार मसीह का मतलब समझाते हैं**, आपको इस वाक्यांश को **देह** और **मसीह के बीच तुलना** पर जोर देकर व्यक्त करना चाहिए परन्तु कोई और विवरण दिए बिना। वैकल्पिक अनुवाद: "जैसे ... मसीह भी ऐसा ही है"

देखें: जानकारी को अंतर्निहित कब रखना चाहिए

## 1 कुरिन्थियों 12:13 (#1)

"एक ही आत्मा के द्वारा"

यहाँ, **एक ही आत्मा के द्वारा** तात्पर्य हो सकता है: (1) वह व्यक्ति जिसमें हम सब ने ... **बपतिस्मा लिया**। दूसरे शब्दों में, **बपतिस्मा एक ही आत्मा** के सामर्थ्य द्वारा होता है या **एक आत्मा** की प्राप्ति की ओर ले जाता है। वैकल्पिक अनुवाद: "**एक ही आत्मा में**" या "**एक आत्मा में**" (2) वह जो "**बपतिस्मा**" देता है। वैकल्पिक अनुवाद: "**एक ही आत्मा के कार्य के द्वारा**"

## 1 कुरिन्थियों 12:13 (#1)

"क्योंकि हम सब ने" - "**एक ही आत्मा के द्वारा**" - "**बपतिस्मा लिया**"

"संभावित अर्थ 1) पवित्र आत्मा वह है जो हमें बपतिस्मा देता है, ""इसलिए एक आत्मा हमें बपतिस्मा देता है"" या 2) आत्मा, पानी का बपतिस्मा की तरह, वह माध्यम है जिसके द्वारा हम शरीर में बपतिस्मा लेते हैं, ""इसलिए एक आत्मा में हम सबने बपतिस्मा लिया था""

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

## 1 कुरिन्थियों 12:13 (#3)

"हम सब ने ... बपतिस्मा लिया"

यहाँ, **बपतिस्मा** का अर्थ हो सकता है: (1) पानी का बपतिस्मा, जो **आत्मा** से सम्बन्धित है। वैकल्पिक अनुवाद: "जल में बपतिस्मा लिया" (2) एक विश्वासी बनना और **आत्मा** प्राप्त करना, जो **बपतिस्मा** लेने के समान है। वैकल्पिक अनुवाद: "सभी को बपतिस्मा जैसी किसी चीज में सम्मिलित किया गया"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

## 1 कुरिन्थियों 12:13 (#4)

"एक देह होने के लिये बपतिस्मा लिया"

यहाँ, किसी वस्तु या व्यक्ति में **बपतिस्मा** लेने से यह पता चलता है कि बपतिस्मा में हम किसके साथ जुड़ रहे हैं। इस सन्दर्भ में, विश्वासियों को **एक देह** के रूप में एकजुट किया जाता है जब वे **बपतिस्मा लेते हैं**। वैकल्पिक अनुवाद: "हम सब का बपतिस्मा हुआ ताकि हम एक देह बन सकें"

देखें: मुहावरा

## 1 कुरिन्थियों 12:13 (#5)

"एक देह होने के लिये"

यहाँ **पौलुस** इस तरह से बोलते हैं जैसे विश्वासी मिलकर **एक देह** हो। इस प्रकार बोलकर, वह उस एकता पर जोर देते हैं जो विश्वासियों के पास है क्योंकि वे मिलकर **आत्मा** को मसीह के **देह** के रूप में धारण करते हैं। **पौलुस** इस रूपक का उपयोग निम्नलिखित पदों में करते हैं, और यह 1 कुरिन्थियों और मसीही शिक्षा के लिए एक महत्वपूर्ण रूपक है। इस कारण से, आपको इस रूपक को बनाए रखना चाहिए या, यदि आपको विचार को अलग तरीके से व्यक्त करना है, तो एक उपमा का उपयोग करें। वैकल्पिक अनुवाद: "धनिष्ठ एकता में, जैसे कि हम एक देह थे"

देखें: रूपक

## 1 कुरिन्थियों 12:13 (#2)

"यहाँ बंधना ""दास"" के लिए एक अलंकार है। वैकल्पिक अनुवाद: ""चाहे दास-लोग या स्वतंत्र लोग""

देखें: प्रतिन्यास

## 1 कुरिन्थियों 12:13 (#7)

"हम सब को एक ही आत्मा पिलाया गया"

यदि आपकी भाषा में इस प्रकार से निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं होता है, तो आप इस विचार को सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य स्वाभाविक तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। **पौलुस** इस रूपका उपयोग उन लोगों पर जोर देने के लिए करते हैं जो पी रहे हैं, बजाय इसके कि जो पेय प्रदान करता है उस पर जोर दिया जाए। यदि आपको यह बताना आवश्यक है कि किसने यह कार्य किया, तो **पौलुस** यह संकेत देते हैं कि

"परमेश्वर" ने यह किया। वैकल्पिक अनुवाद: "परमेश्वर ने हम सभी को एक आत्मा पीने के लिए प्रेरित किया"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

## 1 कुरिन्थियों 12:13 (#3)

इसे सक्रिय रूप में कहा जा सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: ""परमेश्वर ने हम सभी को एक ही आत्मा दी, और हम आत्मा को साझा करते हैं जैसे लोग पेय साझा करते हैं""

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

## 1 कुरिन्थियों 12:14 (#1)

"देह"

यहाँ पौलुस सामान्य रूप में "देह" की बात कर रहे हैं, किसी विशेष देह की नहीं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप इस रूप को सामान्य रूप में "देह" के रूप में व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "किसी भी देह"

देखें: सामान्य संज्ञा वाक्यांश

## 1 कुरिन्थियों 12:15 (#1)

"यदि पाँव कहे: कि मैं हाथ नहीं, इसलिए देह का नहीं"

यहाँ पौलुस एक काल्पनिक स्थिति का उपयोग करके कुरिन्थियों को सिखा रहे हैं। वह चाहते हैं कि वे कल्पना करें कि एक पाँव बात कर सकता है और दावा करता है कि वह देह का हिस्सा नहीं है क्योंकि वह हाथ नहीं है। वह इस काल्पनिक स्थिति का उपयोग करते हैं क्योंकि यह पाँव के लिए बात करना बेतुका है, और यह और भी बेतुका है कि अगर पाँव बात कर सकता तो वह ये बातें कहता। अपनी भाषा में एक काल्पनिक स्थिति प्रस्तुत करने के लिए एक स्वाभाविक तरीका अपनाएँ। वैकल्पिक अनुवाद: "मान लीजिए कि एक पैर कहे, 'चूंकि मैं हाथ नहीं हूँ, इसलिए मैं देह का हिस्सा नहीं हूँ'"

देखें: काल्पनिक स्थितियाँ

## 1 कुरिन्थियों 12:15 (#2)

"पाँव"

पौलुस किसी भी पाँव का उदाहरण दे रहे हैं। वह किसी विशेष पाँव के बारे में बात नहीं कर रहे हैं जो बात कर सकता है।

यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप इस रूप को किसी भी पाँव को सन्दर्भित करने वाले रूप के साथ व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "एक पाँव" या "कोई भी पाँव"

देखें: सामान्य संज्ञा वाक्यांश

## 1 कुरिन्थियों 12:15 (#3)

"यदि पाँव कहे"

यहाँ पौलुस ऐसे बोलते हैं जैसे पाँव कुछ कह सकता हो।। वह इस तरह से इसलिए बोलते हैं क्योंकि वह चाहते हैं कि कुरिन्थियों को खुद को मसीह की देह के अंगों के रूप में देखें, और इसलिए पाँव उनके लिए एक उदाहरण है। वह यह भी चाहते हैं कि वे देखें कि यहाँ पाँव जो कहता है, वह कितना बेतुका है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इस मुहावरे को इस तरह स्पष्ट कर सकते हैं कि यह एक काल्पनिक स्थिति है जिसमें एक पाँव कुछ कह सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: "मान लीजिए कि एक पैर बात कर सकता है, और उसने कहा"

देखें: मानवीकरण

## 1 कुरिन्थियों 12:15 (#4)

"कहे: कि मैं हाथ नहीं, इसलिए देह का नहीं"

यदि आपकी भाषा इस रूप का उपयोग नहीं करती है, तो आप कथन को प्रत्यक्ष उद्धरण के बजाय अप्रत्यक्ष उद्धरण के रूप में अनुवाद कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "कहे कि, चूंकि यह हाथ नहीं है, इसलिए यह देह का नहीं"

देखें: प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष उद्धरण

## 1 कुरिन्थियों 12:15 (#5)

"मैं ... देह का नहीं" - "वह ... देह का नहीं"

यहाँ, देह का तात्पर्य किसी ऐसी चीज से है जो देह से संबंधित है या उसका हिस्सा है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप देह का वाक्यांश को अपनी भाषा में उस रूप में व्यक्त कर सकते हैं जो किसी चीज का हिस्सा या उससे सम्बन्धित होने का सन्दर्भ देता है। वैकल्पिक अनुवाद: "मैं देह का हिस्सा नहीं हूँ ... यह देह का हिस्सा नहीं है"

देखें: मुहावरा

## 1 कुरिन्थियों 12:15 (#6)

"क्या वह इस कारण देह का नहीं"

यहाँ पौलुस दो नकारात्मक शब्दों का उपयोग करते हैं यह विचार व्यक्त करने के लिए कि **पाँच** द्वारा दिया गया कारण **देह** से इसे अलग करने के लिए मान्य नहीं है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप दो नकारात्मक शब्दों के पीछे के विचार को सकारात्मक शब्दों या केवल एक नकारात्मक शब्द के साथ व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "इसके बावजूद, यह देह का है" या "यह अभी भी देह का है"

देखें: दोहरी नकारात्मकताएँ

## 1 कुरिन्थियों 12:15 (#7)

"इस"

यहाँ, **इस** उस बात की ओर इशारा करता है जो **पाँच** ने हाथ न होने के बारे में कही थी। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप **इस** को एक ऐसे शब्द या वाक्यांश के साथ व्यक्त कर सकते हैं जो अधिक स्पष्ट रूप से यह बताता है कि यह किसकी ओर इशारा करता है। वैकल्पिक अनुवाद: "यह तर्क" या "वह विचार"

देखें: सर्वनाम — उनका उपयोग कब करें

## 1 कुरिन्थियों 12:16 (#1)

"यदि कान कहे, 'मैं आँख नहीं, इसलिए देह का नहीं'"

जैसा कि [12:15](#) में निर्दिष्ट है, यहाँ पौलुस कुरिन्थियों को सिखाने के लिए एक काल्पनिक स्थिति का उपयोग कर रहे हैं। वह चाहते हैं कि वे कल्पना करें कि एक **कान** बात कर सकता है और दावा कर सकता है कि यह **देह** का नहीं है क्योंकि यह एक **आँख** नहीं है। वह इस काल्पनिक स्थिति का उपयोग करते हैं क्योंकि यह एक **कान** के लिए बात करना असंगत है, और यह और भी अधिक असंगत है कि एक **कान** ये बातें कहेगा अगर यह बात कर सकता। अपनी भाषा में एक काल्पनिक स्थिति को प्रस्तुत करने के लिए एक स्वाभाविक तरीका उपयोग करें। वैकल्पिक अनुवाद: "मान लीजिए कि एक कान कहे, 'चूंकि मैं एक आँख नहीं हूँ, मैं देह का नहीं हूँ'"

देखें: काल्पनिक स्थितियाँ

## 1 कुरिन्थियों 12:16 (#2)

"कान"

पौलुस किसी भी **कान** का उदाहरण दे रहे हैं। वह किसी विशेष **कान** की बात नहीं कर रहे हैं जो बात कर सकता है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप इस रूप को किसी भी **कान** को सन्दर्भित करने वाले रूप के साथ व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "एक कान" या "कोई भी कान"

देखें: सामान्य संज्ञा वाक्यांश

## 1 कुरिन्थियों 12:16 (#3)

"यदि कान कहे"

जैसे [12:15](#) में है, यहाँ पौलुस ऐसे बोलते हैं जैसे **कान** कुछ कह सकता है। वह इस तरह इसलिए बोलते हैं क्योंकि वह चाहते हैं कि कुरिन्थियों को खुद को मसीह की देह के अंगों के रूप में समझें, और इसलिए **कान** उनके लिए एक उदाहरण है। वह यह भी चाहते हैं कि वे देखें कि यहाँ **कान** जो कहता है वह कितना बेतुका है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इस मुहावरे को स्पष्ट कर सकते हैं कि यह एक काल्पनिक स्थिति है जिसमें एक पैर कुछ कह सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: "मान लीजिए कि एक कान बात कर सकता है, और उसने कहा"

देखें: मानवीकरण

## 1 कुरिन्थियों 12:16 (#4)

"कहे, 'मैं आँख नहीं, इसलिए देह का नहीं'"

यदि आपकी भाषा इस रूप का उपयोग नहीं करती है, तो आप कथन को प्रत्यक्ष उद्धरण के बजाय अप्रत्यक्ष उद्धरण के रूप में अनुवाद कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "कहे कि, 'चूंकि यह एक आँख नहीं है, इसलिए यह देह का नहीं है'"

देखें: प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष उद्धरण

## 1 कुरिन्थियों 12:16 (#5)

"मैं ... देह का नहीं," - "वह ... देह का नहीं"

जिस प्रकार [12:15](#) में है, उसी तरह **देह का** यह दर्शाता है कि कोई वस्तु देह से संबंधित है या **देह का** अंग है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप **देह का** उस रूप में व्यक्त कर सकते हैं जो किसी चीज का हिस्सा है या उससे सम्बन्धित है। वैकल्पिक अनुवाद: "मैं देह का अंग नहीं हूँ ... यह देह का अंग नहीं है"

देखें: मुहावरा

## 1 कुरिन्थियों 12:16 (#6)

"तो क्या वह इस कारण देह का नहीं"

यहाँ पौलुस दो नकारात्मक शब्दों का उपयोग करते हैं यह विचार व्यक्त करने के लिए कि **कान** जो कारण देता है वह **देह** से इसे अलग करने के लिए मात्र नहीं है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप दो नकारात्मक शब्दों के पीछे के विचार को सकारात्मक शब्दों के साथ या केवल एक नकारात्मक शब्द के साथ व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "इसके बावजूद, यह देह का है" या "यह अभी भी देह का है"

देखें: दोहरी नकारात्मकता<sup>एँ</sup>

## 1 कुरिन्थियों 12:16 (#7)

"इस"

यहाँ, **इस** उस बात की ओर इशारा करता है जो **कान** ने आँख न होने के बारे में कही थी। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप **इस** को एक ऐसे शब्द या वाक्यांश के साथ व्यक्त कर सकते हैं जो अधिक स्पष्ट रूप से यह पहचानता है कि यह किसकी ओर इशारा करता है। वैकल्पिक अनुवाद: "यह तर्क" या "वह विचार"

देखें: सर्वनाम — उनका उपयोग कब करें

## 1 कुरिन्थियों 12:17 (#1)

"यदि सारी देह आँख ही होती तो सुनना कहाँ से होता? यदि सारी देह कान ही होती तो सूँघना कहाँ होता"

यहाँ पौलुस दो काल्पनिक स्थितियों का उपयोग करके कुरिन्थियों को सिखा रहे हैं। वे चाहते हैं कि वे कल्पना करें कि **सारी देह** एक आँख या एक **कान** होता। वे इन काल्पनिक स्थितियों का उपयोग करते हैं क्योंकि एक आँख या एक कान के लिए **सारी देह** बनाना असंगत है। अपनी भाषा में काल्पनिक स्थितियों को प्रस्तुत करने के लिए एक स्वाभाविक तरीका अपनाएँ। वैकल्पिक अनुवाद: "मान लीजिए कि सारी देह एक आँख होता; सुनाई कहाँ से देता? मान लीजिए कि सारी देह एक कान होता; सूँघने की क्षमता कहाँ होती?"

देखें: काल्पनिक स्थितियाँ

## 1 कुरिन्थियों 12:17 (#2)

"सारी देह" - "सारी"

यहाँ पौलुस सामान्य रूप में "देह" की बात कर रहे हैं, किसी विशेष देह की नहीं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप इस रूप को सामान्य रूप में "देह" का उल्लेख करने वाले रूप के साथ व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "कोई भी सारी देह ... कोई भी सारी"

देखें: सामान्य संज्ञा वाक्यांश

## 1 कुरिन्थियों 12:17 (#1)

इसे एक विवरण बनाया जा सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: ""तुम कुछ भी नहीं सुन सके ... तुम कुछ भी सूँघ नहीं सके""

देखें: आलंकारिक प्रश्न

## 1 कुरिन्थियों 12:17 (#4)

"सारी"

यहाँ पौलुस **देह** का उल्लेख छोड़ देते हैं क्योंकि उन्होंने इसे पिछले वाक्य में स्पष्ट रूप से कहा था। यदि आपकी भाषा में यहाँ **देह** को स्पष्ट करने की आवश्यकता है, तो आप इसे पिछले वाक्य से ले सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "सारी देह"

देखें: पदलोप

## 1 कुरिन्थियों 12:18 (#1)

"परन्तु {अब}"

मूल भाषा में यहाँ **परन्तु अब** वाक्यांश का उपयोग हुआ है जबकि हिन्दी आई.आर.वी अनुवाद में सिर्फ **परन्तु** शब्द का प्रयोग हुआ है। यहाँ, **परन्तु अब** यह बताता है कि क्या सच है, उन काल्पनिक स्थितियों के विपरीत जो पौलुस ने पिछले वचन में प्रस्तुत की थीं ([12:17](#))। यहाँ, शब्द **अब** समय को सन्दर्भित नहीं करता है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप **परन्तु अब** को एक शब्द या वाक्यांश के साथ व्यक्त कर सकते हैं जो एक काल्पनिक स्थिति के विपरीत वास्तविकता को प्रस्तुत करता है। वैकल्पिक अनुवाद: "वास्तव में, हालांकि," या "जैसा कि यह वास्तव में है,"

देखें: जोड़ें — विरोधाभास सम्बन्ध

## 1 कुरिन्थियों 12:18 (#2)

"अंगों को ... एक-एक करके देह में"

यहाँ पौलुस अपने वाक्य को एक-एक करके को शामिल करने के लिए बाधित करते हैं। पौलुस की संस्कृति में, इस बाधा ने एक-एक पर विशेष जोर दिया। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप वाक्यांशों को पुनर्व्यवस्थित करके और किसी अन्य तरीके से जोर देकर यह संकेत दे सकते हैं कि पौलुस अपने वाक्य को क्यों बाधित करते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "प्रत्येक अंग को ... में"

देखें: सूचना संरचना

## 1 कुरिन्थियों 12:18 (#3)

"अपनी इच्छा के अनुसार"

यहाँ, अपनी इच्छा के अनुसार का अर्थ है कि परमेश्वर ने अंगों को ... रखा है जैसा उन्होंने निर्णय लिया, और किसी अन्य कारण से नहीं। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप इच्छा को एक ऐसे शब्द के साथ व्यक्त कर सकते हैं जो परमेश्वर ने "निर्णय लिया" या "चुना" को सन्दर्भित करता है। वैकल्पिक अनुवाद: "जिस रीति से उन्होंने चुना"

देखें: अज्ञातों का अनुवाद करें

## 1 कुरिन्थियों 12:19 (#1)

"यदि वे सब एक ही अंग होते, तो देह कहाँ - "होती"

यहाँ पौलुस एक काल्पनिक स्थिति का उपयोग करके कुरिन्थियों को सिखा रहे हैं। वे चाहते हैं कि वे कल्पना करें कि सब देह के अंग एक ही अंग होते। वे इस काल्पनिक स्थिति का उपयोग इसलिए करते हैं क्योंकि यह सब देह के अंगों के लिए एक ही अंग होना असंगत है। अपनी भाषा में काल्पनिक स्थिति प्रस्तुत करने के लिए एक स्वाभाविक तरीका अपनाएँ। वैकल्पिक अनुवाद: "मान लीजिए कि वे सब एक ही अंग होते; तो देह कहाँ"

देखें: काल्पनिक स्थितियाँ

## 1 कुरिन्थियों 12:19 (#1)

"क्या" - "दास, क्या स्वतंत्र"

""सदस्य"" शब्द शरीर के भागों, जैसे सिर, हाथ या घुटना के लिए एक सामान्य शब्द है। वैकल्पिक अनुवाद: ""शरीर का एक ही भाग""""

## 1 कुरिन्थियों 12:19 (#2)

""

"इसे एक विवरण बनाया जा सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: ""कोई शरीर नहीं होगा"""

देखें: आलंकारिक प्रश्न

## 1 कुरिन्थियों 12:20 (#1)

"परन्तु अब"

जैसे 12:18 में है, परन्तु अब उस सत्य को प्रस्तुत करता है, जो पिछले वचन (12:19) में पौलुस द्वारा प्रस्तुत काल्पनिक स्थितियों के विपरीत है। यहाँ शब्द अब समय को सन्दर्भित नहीं करता है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप परन्तु अब को एक ऐसे शब्द या वाक्यांश के साथ व्यक्त कर सकते हैं जो एक काल्पनिक स्थिति के विपरीत वास्तविकता को प्रस्तुत करता है। वैकल्पिक अनुवाद: "वास्तव में, हालांकि," या "जैसा कि यह वास्तव में है,"

देखें: जोड़ें — विरोधाभास सम्बन्ध

## 1 कुरिन्थियों 12:20 (#2)

"अंग तो बहुत से हैं"

यहाँ, अंग तो बहुत से हैं का अर्थ विभिन्न प्रकार के अंग से है। दूसरे शब्दों में, इसका मतलब यह नहीं है कि देह के एक हिस्से के कई उदाहरण हैं (जैसे कई हाथ)। बल्कि, इसका अर्थ है कि कई अलग-अलग प्रकार के सदस्य हैं (जैसे कान, पैर, और हाथ)। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप अंग तो बहुत से हैं यह स्पष्ट करके कह सकते हैं कि पौलुस के मन में भिन्न-भिन्न प्रकार के अंगों की बात है। वैकल्पिक अनुवाद: "कई प्रकार के अंग हैं"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

## 1 कुरिन्थियों 12:20 (#3)

"परन्तु देह एक ही है"

यहाँ पौलुस कुछ शब्दों को छोड़ देते हैं जो आपकी भाषा में एक पूर्ण विचार बनाने के लिए आवश्यक हो सकते हैं। पौलुस इन शब्दों को छोड़ देते हैं क्योंकि उन्होंने इन्हें पहले के खण्ड में स्पष्ट रूप से कहा था (है)। यदि आपकी भाषा में यहाँ इन शब्दों की आवश्यकता है, तो आप इन्हें पिछले खण्ड से ले सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "परन्तु देह एक ही है"

देखें: पदलोप

## 1 कुरिन्थियों 12:21 (#1)

"आँख ... से नहीं कह सकती" - "सिर पाँवों से"

यहाँ पौलुस एक काल्पनिक स्थिति का उपयोग करके कुरिन्थियों को सिखा रहे हैं। वह चाहते हैं कि वे कल्पना करें कि एक आँख और एक सिर अन्य देह के अंगों से बात कर सकते हैं। वह इस काल्पनिक स्थिति का उपयोग इसलिए करते हैं क्योंकि, यदि ये देह के अंग बात कर सकते, तो वे कभी भी अन्य देह के अंगों से "मुझे तेरा प्रयोजन नहीं" नहीं कहेंगे। उनका कहना है कि मनुष्य की देह के अंग मिलकर काम करते हैं; वे एक-दूसरे से छुटकारा पाने की कोशिश नहीं करते। अपनी भाषा में एक काल्पनिक स्थिति को प्रस्तुत करने के लिए एक स्वाभाविक तरीका अपनाएँ। वैकल्पिक अनुवाद: "मान लीजिए कि आँख कह सकती है। यह ... नहीं ... सकती है... मान लीजिए कि सिर कह सकता है। यह पाँवों से नहीं कह सकता है"

देखें: काल्पनिक स्थितियाँ

## 1 कुरिन्थियों 12:21 (#2)

"आँख हाथ से नहीं कह सकती, "मुझे तेरा प्रयोजन नहीं," और न सिर पाँवों से कह सकता है, "मुझे तुम्हारा प्रयोजन नहीं।"

यहाँ पौलुस इस प्रकार बोलते हैं जैसे एक आँख और एक सिर बातें कर सकते हैं। वह इस तरह से इसलिए बोलते हैं क्योंकि वह चाहते हैं कि कुरिन्थियों के विश्वासी स्वयं को मसीह की देह के अंगों के रूप में देखें, और इसलिए आँख और सिर उनके लिए उदाहरण हैं। वह यह भी चाहते हैं कि वे समझें कि यह कितना बेतुका होगा अगर एक आँख या सिर कहे कि उसे अन्य देह के अंगों की आवश्यकता नहीं है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप इस मुहावरे को स्पष्ट कर सकते हैं कि यह एक काल्पनिक स्थिति है जिसमें एक आँख या सिर बातें कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मान लें कि एक आँख बात कर सकती है। यह हाथ से नहीं कह सकती, 'मुझे तेरा प्रयोजन नहीं है।' या फिर, मान लें कि एक सिर बात कर सकता है। यह हाथ से नहीं कह सकता है, 'मुझे तुम्हारा प्रयोजन नहीं।'"

देखें: मानवीकरण

## 1 कुरिन्थियों 12:21 (#3)

"हाथ से नहीं कह सकती, "मुझे तेरा प्रयोजन नहीं," - "पाँवों से कह सकता है, "मुझे तुम्हारा प्रयोजन नहीं!"

यदि आपकी भाषा इस रूप का उपयोग नहीं करती है, तो आप कथन को प्रत्यक्ष उद्धरण के बजाय अप्रत्यक्ष उद्धरण के

रूप में अनुवाद कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "कि इसे हाथ का प्रयोजन नहीं ... कि इसे पैरों का प्रयोजन नहीं"

देखें: प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष उद्धरण

## 1 कुरिन्थियों 12:21 (#4)

"आँख हाथ से नहीं कह सकती,"" - "सिर पाँवों से"

पौलुस देह के अंगों को उदाहरण के रूप में उपयोग कर रहे हैं। वह किसी विशेष आँख, हाथ, सिर, या पाँव के बारे में नहीं बोल रहे हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इस रूप को किसी भी कान का उल्लेख करने वाले रूप के साथ व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "कोई आँख हाथ से नहीं कह सकती ... कोई सिर पाँवों से नहीं कह सकता"

देखें: सामान्य संज्ञा वाक्यांश

## 1 कुरिन्थियों 12:21 (#5)

"मुझे तेरा प्रयोजन नहीं,"" - "मुझे तुम्हारा प्रयोजन नहीं"

यहाँ, मुझे तेरा प्रयोजन नहीं पौलुस की भाषा में इस विचार को व्यक्त करने का स्वाभाविक तरीका है। कुछ भाषाओं में, यह वाक्यांश अस्वाभाविक या जितना होना चाहिए उससे लम्बा लग सकता है। पौलुस इस रूप का विशेष जोर देने के लिए उपयोग नहीं कर रहे हैं, इसलिए आप इस विचार को अपनी भाषा में जिस भी तरीके से स्वाभाविक लगे, व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मुझे आपकी आवश्यकता नहीं है ... मुझे आपकी आवश्यकता नहीं है" या "आपकी जरूरत नहीं है ... आपकी जरूरत नहीं है"

देखें: मुहावरा

## 1 कुरिन्थियों 12:21 (#6)

"और"

यहाँ, और एक और उदाहरण प्रस्तुत करता है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप और को एक शब्द या वाक्यांश के साथ व्यक्त कर सकते हैं जो एक और उदाहरण प्रस्तुत करता है। वैकल्पिक अनुवाद: "या, एक और उदाहरण के लिए, " या "या आगे"

देखें: शब्दों और वाक्यांशों को जोड़ना

## 1 कुरिन्थियों 12:21 (#7)

"सिर पाँवों से"

यहाँ पौलुस कुछ शब्दों को छोड़ देते हैं जो आपकी भाषा में एक पूर्ण विचार बनाने के लिए आवश्यक हो सकते हैं। पौलुस इन शब्दों को छोड़ देते हैं क्योंकि उन्होंने इन्हें पिछले वाक्यांश में स्पष्ट रूप से कहा है (नहीं कह सकती)। यदि आपकी भाषा को इन शब्दों की आवश्यकता है, तो आप उन्हें उस वाक्यांश से जोड़ सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "सिर पाँवों से कहने में असमर्थ है"

देखें: पदलोप

## 1 कुरिन्थियों 12:22 (#1)

"निर्बल"

यहाँ, निर्बल का अर्थ शारीरिक दुर्बलता या ताकत की कमी से है। यह स्पष्ट नहीं है कि वह देह के किन अंगों को निर्बल माना होगा। किसी ऐसे सामान्य शब्द का प्रयोग करें जो कमजोरी या दुर्बलता की पहचान कराता हो। वैकल्पिक अनुवाद: "अधिक दुर्बल" या "कम मजबूत"

देखें: अज्ञातों का अनुवाद करें

## 1 कुरिन्थियों 12:22 (#2)

"आवश्यक"

यहाँ, आवश्यक उन निर्बल देह के अंगों की पहचान करता है जो देह के सही ढंग से कार्य करने के लिए अनिवार्य हैं। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप आवश्यक को एक शब्द या वाक्यांश के साथ व्यक्त कर सकते हैं जो देह के अंगों को "जरूरी" या "अनिवार्य" के रूप में पहचानता है। वैकल्पिक अनुवाद: "आवश्यक" या "अनिवार्य"

देखें: अज्ञातों का अनुवाद करें

## 1 कुरिन्थियों 12:22 (#3)

"निर्बल देख पड़ते हैं, बहुत ही आवश्यक हैं"

यहाँ ऐसा प्रतीत होता है कि पौलुस एक सामान्य सिद्धान्त बता रहे हैं कि जितना निर्बल एक देह का अग होता है, उतना ही बहुत वह देह के लिए आवश्यक हो जाता है। वह अन्य देह के अंगों के साथ तुलना का संकेत देते हैं, जो "मजबूत" हैं लेकिन "कम आवश्यक" हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप इस सामान्य सिद्धान्त के पीछे के विचार या पौलुस किसकी तुलना कर रहे हैं, इसे अधिक स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "अन्य अंगों की तुलना में निर्बल होना वास्तव में उन अन्य अंगों की तुलना में उतना ही अधिक आवश्यक है"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

## 1 कुरिन्थियों 12:23 (#1)

"और देह के जिन अंगों को हम कम आदरणीय समझते हैं उन्हीं को हम अधिक आदर देते हैं; और हमारे शोभाहीन अंग और भी बहुत शोभायमान हो जाते हैं"

इस पूरे पद में, पौलुस सम्भवतः इस बारे में विचार कर रहे हैं कि हम कैसे सावधानीपूर्वक ऐसे कपड़े पहनते हैं जो हमारे कम आदरणीय और शोभाहीन देह के अंगों को ढकते हैं। वह यह निर्दिष्ट नहीं करते कि ये देह के कौन से अंग होंगे, लेकिन यह सम्भव है कि उनके मन में जननांग अंग हों। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप स्पष्ट रूप से कह सकते हैं कि पौलुस के मन में कपड़े हैं, जिस तरह से हम देह के कुछ अंगों को अधिक आदर देते हैं या उन्हें बहुत शोभायमान मानते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और देह के जिन अंगों को हम कम आदरणीय समझते हैं, उन्हें वस्त्र पहनाकर हम अधिक आदर देते हैं; और हमारे शोभाहीन अंग और भी बहुत शोभायमान हो जाते हैं, क्योंकि हम उन्हें ढकने का ध्यान रखते हैं"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

## 1 कुरिन्थियों 12:23 (#2)

"देह के जिन अंगों को"

इस पद में मूल भाषा में शब्द वे लिखा गया है जबकि आई.आर.वि. हिंदी अनुवाद में नहीं लिखा है। यहाँ, वे शब्द 12:22 में वर्णित "अंगों" को संदर्भित करता है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो वे के स्थान पर सीधे "अंगों" का प्रयोग किया जा सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: "देह के जिन अंगों को"

देखें: सर्वनाम — उनका उपयोग कब करें

## 1 कुरिन्थियों 12:23 (#3)

"देह के जिन अंगों को हम कम आदरणीय समझते हैं उन्हीं को हम अधिक आदर देते हैं"

यहाँ पौलुस पहले यह पहचानते हैं कि वे किसके बारे में बात कर रहे हैं (देह के जिन अंगों को हम कम आदरणीय समझते हैं) और फिर अपने वाक्य में उन्हीं को का उपयोग करके उस वाक्यांश का सन्दर्भ देते हैं। यदि आपके पाठक इस संरचना से भ्रमित होंगे, तो आप वाक्य को पुनर्गठित कर सकते हैं और किसी अन्य तरीके से यह संकेत दे सकते हैं कि पौलुस किसके बारे में बात कर रहे हैं। वैकल्पिक अनुवाद:

"हम देह के उन अंगों को अधिक आदर देते हैं जिन्हें हम कम आदरणीय समझते हैं"

देखें: सूचना संरचना

## 1 कुरिन्थियों 12:23 (#4)

"उन्हीं को हम अधिक आदर देते हैं"

यदि आपकी भाषा में आदर के पीछे के विचार के लिए कोई भाववाचक संज्ञा नहीं है, तो आप इस विचार को एक क्रिया जैसे "आदर देना" या एक क्रिया विशेषण जैसे "आदरपूर्वक" का उपयोग करके व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "हम उनका आदरपूर्वक व्यवहार करते हैं" या "हम उन्हें अधिक आदर देते हैं"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

## 1 कुरिन्थियों 12:23 (#2)

"हमारे शोभाहीन अंग"

यह सम्भवतः शरीर के निजी भागों को संबोधित करता है, जिन्हे लोग ढके रहते हैं।

देखें: शिष्टाता

## 1 कुरिन्थियों 12:23 (#6)

"बहुत शोभायमान"

यदि आपकी भाषा में शोभायमान के पीछे के विचार के लिए कोई भाववाचक संज्ञा नहीं है, तो आप इस विचार को व्यक्त करने के लिए "शोभायमान बनाना" जैसी क्रिया या "प्रस्तुत योग्य बनाना" जैसे विशेषण का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "अधिक शोभायमान बना दिए जाते हैं" या "अधिक प्रस्तुत योग्य बना जाते हैं"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

## 1 कुरिन्थियों 12:24 (#1)

"हमारे शोभायमान अंगों"

यहाँ, शोभायमान अंगों [12:23](#) में "शोभाहीन अंगों" के विपरीत हैं। ये शोभायमान अंग सम्भवतः वे देह के अंग हैं जिन्हें हम कपड़ों से नहीं ढकते हैं, लेकिन पौलुस ने यह स्पष्ट नहीं किया है कि वह देह के किन अंगों के बारे में सोच रहे हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप शोभायमान अंगों को एक ऐसे शब्द या वाक्यांश के साथ व्यक्त कर सकते

हैं जो "शोभाहीन अंगों" के अनुवाद के विपरीत हो। वैकल्पिक अनुवाद: "गैर-निजी अंग"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित ज्ञानकारी

## 1 कुरिन्थियों 12:24 (#2)

"इसका प्रयोजन नहीं"

यहाँ पौलुस यह नहीं बताते कि उन्हें किस चीज का प्रयोजन नहीं है। वह यह संकेत देते हैं कि उन्हें "आदर" के साथ व्यवहार करने की आवश्यकता नहीं है, जैसे कि "शोभाहीन अंग" के साथ किया जाता है (देखें: [12:23](#))। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इसका प्रयोजन नहीं का अनुवाद इस तरह कर सकते हैं कि लोग अपने "शोभाहीन अंग" के साथ क्या करते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "आदर के साथ व्यवहार करने की आवश्यकता नहीं है"

देखें: पदलोप

## 1 कुरिन्थियों 12:24 (#3)

"परमेश्वर ने देह को ऐसा बना दिया है"

यहाँ पौलुस इस प्रकार बोलते हैं जैसे परमेश्वर ने कई अलग-अलग चीजें लेकर उन्हें मिलाकर एक साथ देह को ऐसा बना दिया है। इस प्रकार से बोलकर, वे इस बात पर जोर देते हैं कि देह कई अलग-अलग अंगों से बना है, लेकिन परमेश्वर ने इन सभी अंगों को एक साथ जोड़ा या संयुक्त किया है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप देह को ऐसा बना दिया है एक उपयुक्त रूपक के साथ व्यक्त कर सकते हैं या विचार को सीधे व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "देह को इकट्ठा किया है" या "सभी देह के अंगों को एक देह में जोड़ा है"

देखें: मुहावरा

## 1 कुरिन्थियों 12:24 (#4)

"देह"

यहाँ पौलुस "देह" के बारे में सामान्य रूप से बात कर रहे हैं, किसी विशेष देह के बारे में नहीं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इसे सामान्य रूप में "देह" के रूप में व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मानव देह" या "प्रत्येक देह"

देखें: सामान्य संज्ञा वाक्यांश

## 1 कुरिन्थियों 12:24 (#5)

"जिस अंग को घटी थी उसी को और भी बहुत आदर हो"

यहाँ पौलुस यह संकेत देते हैं कि जो शरीर के अंग "आदर" में कमी रखते हैं, उन्हें परमेश्वर से **बहुत आदर** मिलता है। कुरिन्थियों ने इस वाक्यांश को यह समझा होगा कि परमेश्वर ही देह के सृजनकर्ता है, इसलिए जो पौलुस ने पहले ही [12:23-24](#) में कहा है, वह सत्य है। परमेश्वर ने देह को इस प्रकार बनाया है कि हम निजी और कम आदरणीय देह के अंगों को अधिक आदर और शोभा देते हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इस संकेत के पीछे के विचार को अधिक स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकते हैं, जिसमें यह शामिल हो कि मनुष्य देह के अंगों के बारे में क्या सोचते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जिसे हम कम आदरणीय मानते हैं उसे अधिक आदर देते हैं" या "देह के उन अंगों को अधिक आदर देते हैं जिन्हें हम कम आदरणीय मानते हैं"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

## 1 कुरिन्थियों 12:24 (#6)

"जिस अंग को घटी थी उसी को और भी बहुत आदर हो"

यदि आपकी भाषा में **आदर** के पीछे के विचार के लिए कोई भाववाचक संज्ञा नहीं है, तो आप इस विचार को व्यक्त करने के लिए "आदर" जैसी क्रिया या "आदरणीय" जैसे विशेषण का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जो कम आदरणीय हैं उसे अधिक आदर देना" या "जो कम आदरणीय है उसे आदरणीय बनाना"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

## 1 कुरिन्थियों 12:25 (#1)

"फूट न पड़े" - "परन्तु"

यहाँ पौलुस एक अलंकार का उपयोग करते हैं जिसमें एक नकारात्मक शब्द का उपयोग करके एक मजबूत सकारात्मक अर्थ व्यक्त किया जाता है, जो इच्छित अर्थ के विपरीत होता है। यदि यह आपकी भाषा में भ्रमित करने वाला है, तो आप अर्थ को सकारात्मक रूप से व्यक्त कर सकते हैं। यदि आप ऐसा करते हैं, तो आपको इस पद के दोनों हिस्सों के बीच के विरोधाभास को एक सम्बन्ध के रूप में व्यक्त करने की आवश्यकता होगी। वैकल्पिक अनुवाद: "पूरी एकता हो ... और उसके"

देखें: (लाइटोटीज़) कठाक्षपूर्ण उक्ति

## 1 कुरिन्थियों 12:25 (#2)

"देह में फूट न पड़े"

यदि आपकी भाषा में **फूट** के पीछे के विचार के लिए कोई भाववाचक संज्ञा नहीं है, तो आप इस विचार को व्यक्त करने के लिए "विभाजित करना" या "बाँटना" जैसी क्रिया का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "देह स्वयं को विभाजित न करे" या "देह विभाजित न हो जाए"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

## 1 कुरिन्थियों 12:25 (#3)

"अंग एक दूसरे की बराबर चिन्ता करे"

यहाँ पौलुस ऐसे बोलते हैं जैसे **देह के अंग** एक-दूसरे की **चिन्ता** कर सकते हैं। वह इस तरह से इसलिए बोलते हैं क्योंकि वह चाहते हैं कि कुरिन्थियों को खुद को मसीह के **देह के अंग** के रूप में सोचना चाहिए, और इसलिए एक मनुष्य के देह के अंग उनके लिए एक उदाहरण हैं। यदि आपकी भाषा में यह उपयोगी हो, तो आप इस मुहावरे को एक उपमा के साथ व्यक्त कर सकते हैं या विचार को सीधे तौर पर व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "अंगों को एक-दूसरे की देखभाल करने की तरह काम करना चाहिए" या "अंगों को एक-दूसरे के साथ काम करना चाहिए"

देखें: मानवीकरण

## 1 कुरिन्थियों 12:25 (#1)

"देह में फूट न पड़े, परन्तु"

शरीर एकीकृत हो सकता है, और

## 1 कुरिन्थियों 12:26 (#1)

"यदि एक अंग दुःख पाता है," - "यदि एक अंग की बड़ाई होती है"

यहाँ पौलुस **एक अंग** और **सभी अंगों** के बीच सम्बन्ध दिखाने के लिए शर्तीय रूप का उपयोग करते हैं। यदि शर्तीय रूप **एक** के साथ जो होता है और **सभी** के साथ जो होता है, के बीच निकट सम्बन्ध नहीं बनाता है, तो आप एक अलग रूप का उपयोग कर सकते हैं जो निकट सम्बन्ध बनाता है। वैकल्पिक अनुवाद: "जब एक अंग दुःख पाता है ... जब एक अंग की बड़ाई होती है"

देखें: जोड़ें — काल्पनिक स्थितियाँ

## 1 कुरिन्थियों 12:26 (#2)

"यदि एक अंग दुःख पाता है, तो सब अंग उसके साथ दुःख पाते हैं"

यहाँ पौलुस इस प्रकार बोलते हैं जैसे **एक अंग** और वास्तव में एक देह के **सब अंग दुखी** हो सकते हैं, जो कि एक ऐसा शब्द है जो आमतौर पर वस्तुओं की बजाय लोगों के लिए उपयोग किया जाता है। वह इस तरह से इसलिए बोलते हैं क्योंकि वह चाहते हैं कि कुरिन्थियों को खुद को मसीह की देह के **अंग** के रूप में सोचना चाहिए, और इसलिए एक मनुष्य की देह के **अंग** उनके लिए एक उदाहरण हैं। यहाँ उनके मन में विशेष रूप से यह विचार है कि देह के एक भाग में चोट या संक्रमण (उदाहरण के लिए, एक उंगली) का प्रभाव पूरी देह पर होता है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इस मुहावरे को एक उपमा के साथ व्यक्त कर सकते हैं या विचार को स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "यदि एक अंग दर्द महसूस करता है, तो सभी अंग भी दर्द महसूस करते हैं" या "यदि एक अंग एक व्यक्ति की तरह है जो दुःख पाता है, तो सभी अंग भी उस दुःख में शामिल होते हैं"

देखें: मानवीकरण

## 1 कुरिन्थियों 12:26 (#1)

""

"इसे सक्रिय रूप में कहा जा सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: ""कोई एक सदस्य को सम्मान देता है""

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

## 1 कुरिन्थियों 12:26 (#4)

"उसके साथ सब अंग आनन्द मनाते हैं"

यहाँ पौलुस इस प्रकार बोलते हैं जैसे **सब अंग** लोगों की तरह आनन्द मना सकते हैं। वह इस प्रकार इसलिए बोलते हैं क्योंकि वह चाहते हैं कि कुरिन्थियों को खुद को मसीह की **देह** के **अंग** के रूप में समझना चाहिए, और इस प्रकार मनुष्य की देह के **अंग** उनके लिए एक उदाहरण हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इस मुहावरे को एक उपमा के साथ व्यक्त कर सकते हैं या विचार को सीधे व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "सभी अंग ऐसे लोग हैं जो एक साथ आनन्द मनाते हैं" या "सभी अंग एक साथ सम्मान प्राप्त करते हैं"

देखें: मानवीकरण

## 1 कुरिन्थियों 12:27 (#1)

"इसी प्रकार तुम सब मिलकर" - "हो"

"यहाँ ""अब"" शब्द का उपयोग महत्वपूर्ण बिंदु पर ध्यान आकर्षित करने के लिए किया जाता है।"

## 1 कुरिन्थियों 12:27 (#2)

"तुम सब मिलकर मसीह की देह हो, और अलग-अलग उसके अंग हो"

यहाँ पौलुस इस तरह बोलते हैं जैसे विश्वासियों को **अंग** या **देह** के अंगों के रूप में देखा जाता है, जो मिलकर **मसीह** की देह बनाते हैं। इस तरह बोलकर, वे कलीसिया के लिए "देह" के बारे में [12:12-26](#) में कही गई हर बात को लागू करते हैं, और कलीसिया की एकता पर जोर देते हैं। पौलुस ने इस पूरे अनुच्छेद में **देह** की भाषा का उपयोग किया है, और यह 1 कुरिन्थियों और मसीही शिक्षण के लिए एक महत्वपूर्ण रूपक है। इस कारण से, आपको इस रूपक को बनाए रखना चाहिए या, यदि आपको विचार को अलग तरह से व्यक्त करना है, तो एक उपमा का उपयोग करें। वैकल्पिक अनुवाद: "यह ऐसा है जैसे आप मसीह की देह हैं और व्यक्तिगत रूप से इसके अंग हैं" या "आप मसीह की देह के रूप में कार्य करते हैं, और व्यक्तिगत रूप से आप इसके अंग के रूप में कार्य करते हैं"

देखें: मुहावरा

## 1 कुरिन्थियों 12:27 (#3)

"अलग-अलग उसके अंग हो"

यहाँ, अलग-अलग यह दर्शाता है कि कैसे विशिष्ट लोग मसीह की देह के **अंग** होते हैं। दूसरे शब्दों में, अलग-अलग लोगों को प्रत्येक को एक "**अंग**" माना जा सकता है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप **अलग-अलग** को एक ऐसे शब्द या वाक्यांश के साथ व्यक्त कर सकते हैं जो लोगों को उनके समुदायों से अलग पहचानता है जिनमें वे भाग लेते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "आप में से प्रत्येक इसके अंग हैं"

देखें: अज्ञातों का अनुवाद करें

## 1 कुरिन्थियों 12:28 (#1)

"अलग-अलग"

मूल भाषा में यहाँ शब्द **कुछ** का उपयोग हुआ है जबकि हिन्दी आई.आर.वी अनुवाद में शब्द **अलग-अलग** का प्रयोग हुआ है। यहाँ, **कुछ** उन विशिष्ट लोगों को सन्दर्भित करता है जिनके पास इस पद के शेष में सूचीबद्ध वरदान हैं। यदि यह आपकी

भाषा में सहायक होगा, तो आप कुछ को स्पष्ट कर सकते हैं कि यह उन लोगों को सन्दर्भित करता है जिनके पास वह वरदान या शीर्षक हैं जो वह सूची में देते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "लोगों को कलीसिया में विशेष रूप से कार्य करने के लिए"

देखें: सर्वनाम — उनका उपयोग कब करें

## 1 कुरिन्थियों 12:28 (#2)

"प्रथम" - "द्वासरे" - "तीसरे"

यदि आपकी भाषा में क्रमवाचक गिनती का उपयोग नहीं होता है, तो आप यहाँ मूल गिनती का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "एक, ... दो, ... तीन,"

देखें: क्रमसूचक संख्याएँ

## 1 कुरिन्थियों 12:28 (#1)

"प्रथम प्रेरित"

"संभावित अर्थ 1) ""पहला वरदान जिसका मैं उल्लेख करता हूं वह प्रेरित है"" या 2) ""सबसे महत्वपूर्ण वरदान प्रेरित है!""

## 1 कुरिन्थियों 12:28 (#4)

"फिर सामर्थ्य के काम करनेवाले, फिर चंगा करनेवाले, और उपकार करनेवाले, और प्रधान, और नाना प्रकार की भाषा बोलनेवाले"

जब पौलुस अपनी सूची में गिनती का उपयोग करना बंद कर देते हैं, तो वे लोगों के लिए पदवियों का उल्लेख करना भी बन्द कर देते हैं और इसके बजाय उन वरदानों का नाम लेते हैं जो उनके पास हैं। हालाँकि, अगले दो पदों ([12:29-30](#)) में पूछे गए प्रश्न दर्शाते हैं कि पौलुस चाहता है कि कुरिन्थियों के विश्वासी इन वरदानों को विशिष्ट लोगों से सम्बन्धित समझें। यदि आपके पाठक पदवी से वरदान में परिवर्तन से भ्रमित हों, तो आप इन वरदानों को उन्हें प्रस्तुत करने वाले लोगों के साथ स्पष्ट रूप से जोड़ सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "फिर चमत्कार करने वाले लोग, फिर वे जिनके पास चंगाई के वरदान हैं, वे जो सहायता करते हैं, वे जो प्रशासन करते हैं, और वे जो नाना प्रकार की भाषाएँ बोलते हैं"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

## 1 कुरिन्थियों 12:28 (#2)

""

वे जो अन्य विश्वासियों को सहायता प्रदान करते हैं

## 1 कुरिन्थियों 12:28 (#6)

"प्रधान"

यदि आपकी भाषा में प्रधान के विचार के लिए कोई भाववाचक संज्ञा नहीं है, तो आप इस विचार को "प्रशासनिक" जैसे विशेषण या "नेतृत्व करना" या "निर्देशित करना" जैसी क्रिया का उपयोग करके व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "प्रशासनिक कौशल" या "नेतृत्व करने की क्षमता"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

## 1 कुरिन्थियों 12:28 (#4)

""

एक व्यक्ति जो उस भाषा का अध्ययन किए बिना एक या अधिक विदेशी भाषाओं में बात कर सकता है

## 1 कुरिन्थियों 12:28 (#8)

"की भाषा"

यहाँ, भाषा का मतलब कुछ ऐसा है जो कोई अपनी "जीभ" से करता है, जो कि एक भाषा बोलना है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप संकेत कर सकते हैं कि भाषाएँ एक तुलनीय शब्द का उपयोग करके या विचार को स्पष्ट रूप से व्यक्त करके "भाषाओं" के बारे में बोलने का एक तरीका है। वैकल्पिक अनुवाद: "की भाषा"

देखें: लक्षणालंकार

## 1 कुरिन्थियों 12:29 (#1)

""

"पौलुस अपने पाठकों को याद दिला रहा है कि वे पहले से क्या जानते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: ""केवल उनमें से कुछ प्रेरित हैं। उनमें से कुछ केवल भविष्यद्वक्ता हैं। उनमें से कुछ शिक्षक हैं। उनमें से कुछ केवल शक्तिशाली काम करते हैं।""

देखें: आलंकारिक प्रश्न

**1 कुरिन्थियों 12:29 (#2)****"क्या सब सामर्थ्य के काम करनेवाले हैं"**

यहाँ, अन्य प्रश्नों के विपरीत, हैं जोड़ना समझ में नहीं आता। पौलुस यह नहीं कह रहे हैं कि सब सामर्थ्य के काम करनेवाले नहीं हैं। बल्कि, वह कह रहे हैं कि सब सामर्थ्य के काम नहीं करते हैं। आप एक तुलनीय शब्द जोड़ सकते हैं जो सामर्थ्य के काम "करने को" सन्दर्भित करता है। वैकल्पिक अनुवाद: "सभी सामर्थ्य के काम नहीं करते, क्या वे करते हैं?"

देखें: पदलोप

**1 कुरिन्थियों 12:30 (#1)****"सब को चंगा करने का वरदान मिला है?" - "नाना प्रकार की"**

"इसे एक विवरण बनाया जा सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: ""उनमें से सभी को चंगाई का वरदान नहीं है।"" (देखें: )"

देखें: आलंकारिक प्रश्न

**1 कुरिन्थियों 12:30 (#2)****"नाना प्रकार की भाषा"**

यहाँ, भाषा का अर्थ कुछ ऐसा है जो कोई अपनी "जीभ" से करता है, जो कि एक भाषा बोलना है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप बता सकते हैं कि नाना प्रकार की भाषाएँ एक तुलनीय शब्द का उपयोग करके या विचार को स्पष्ट रूप से व्यक्त करके "भाषाओं" के बारे में बोलने का एक तरीका है। वैकल्पिक अनुवाद: "अन्य भाषाओं में"

देखें: लक्षणालंकार

**1 कुरिन्थियों 12:30 (#4)****"बोलते हैं"**

इसका मतलब है कि उस भाषा में दुसरों को बताना जो उस भाषा को नहीं समझता है। देखें कि इसका अनुवाद कैसे किया जाता है [1 कुरिन्थियों 2:13] (../ 02 / 13.md)।

**1 कुरिन्थियों 12:31 (#1)****"क्या सब अनुवाद करते हैं? तुम से वरदानों की धून में रहो"**

"संभावित अर्थ 1) ""तुम्हे उत्सुकता से परमेश्वर से उन वरदानों की लालसा करनी चाहिए जो कलीसिया की सबसे अच्छी मदद करते हैं।"" या 2) ""तुम उत्सुकता से वरदानों की लालसा में रहो जो आपको लगता है कि महान हैं क्योंकि आपको लगता है कि वे अधिक रोमांचक हैं।"""

**1 कुरिन्थियों 12:31 (#2)****"बड़े से बड़े वरदानों"**

यहाँ, बड़े से बड़े संकेत कर सकता है: (1) जो पौलुस मानते हैं कि बड़े वरदान हैं, जो अन्य विश्वासियों को सबसे अधिक लाभ पहुँचाते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "वे वरदान जो बड़े होते हैं" या "वे वरदान जो दूसरों की सहायता करते हैं" (2) जो कुरिन्थियों को लगता है कि बड़ा वरदान है, जिनसे पौलुस असहमत हो सकते हैं। कुरिन्थियों में शायद भाषाओं में बोलना एक बड़ा वरदान के रूप में शामिल होगा। यदि आप इस विकल्प को चुनते हैं, तो आपको धून में रहो को एक कथन के रूप में व्यक्त करना होगा, न कि एक आदेश के रूप में। वैकल्पिक अनुवाद: "जो आप सोचते हैं कि बड़े वरदान हैं"

देखें: व्यंग

**1 कुरिन्थियों 12:31 (#3)****"मैं तुम्हें ...बताता हूँ"**

यहाँ पौलुस परिचय देते हैं कि वह अगले अध्याय में कुरिन्थियों से क्या कहने वाले हैं। किसी व्यक्ति द्वारा कहे जाने वाले शब्द को इगित करने के लिए अपनी भाषा में स्वाभाविक क्रिया काल का प्रयोग करें। वैकल्पिक अनुवाद: "मैं आपको दिखाने वाला हूँ"

देखें: भविष्यसूचक भूतकाल

**1 कुरिन्थियों 13:1 (#1)**

---

Connecting Statement:\n\nपरमेश्वर द्वारा विश्वासियों को दिए वरदानों के बारे में बात करने के बाद, पौलुस ने जोर दिया कि क्या अधिक महत्वपूर्ण है।

**1 कुरिन्थियों 13:1 (#2)**

---

संभावित अर्थ 1) पौलुस प्रभाव के लिए बढ़ा चढ़ा कर कह रहा है और विश्वास नहीं करता कि लोग स्वर्गदूतों की भाषा बोलते हैं या 2) पौलुस सोचता है कि कुछ जो भाषा में बोलते हैं वे वास्तव में वो भाषा बोलते हैं जिसका स्वर्गदूत उपयोग करते हैं।

देखें: अतिशयोक्ति

## 1 कुरिन्थियों 13:1 (#3)

"मनुष्यों, और स्वर्गदूतों की बोलियाँ"

यहाँ पौलुस दो विशिष्ट श्रेणियों की भाषाओं का उल्लेख करते हैं: **बोलियाँ: मनुष्यों और स्वर्गदूतों की**। उनका यह अर्थ नहीं है कि केवल यही बोलियाँ हैं जो अस्तित्व में हैं, लेकिन वह सोचते हैं कि ये दो प्रकार की भाषाएँ अस्तित्व में हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप **मनुष्यों, और स्वर्गदूतों की बोलियाँ** को विभिन्न मानवीय भाषाओं को संदर्भित करने के लिए सामान्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं और फिर इसे संशोधित भी कर सकते हैं ताकि आप इसे स्वर्गदूतों की भाषाओं के लिए उपयोग कर सकें। वैकल्पिक अनुवाद: "विदेशी भाषाएँ और स्वर्गदूतों की भाषाएँ"

देखें: अज्ञातों का अनुवाद करें

## 1 कुरिन्थियों 13:1 (#4)

"और प्रेम न रखँ"

यदि आपकी भाषा में प्रेम के विचार के लिए कोई भाववाचक संज्ञा नहीं है, तो आप इस विचार को व्यक्त करने के लिए "प्रेम" जैसी क्रिया का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मैं लोगों से प्रेम नहीं करता हूँ।"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

## 1 कुरिन्थियों 13:1 (#3)

"तो मैं ठनठनाता हुआ पीतल, और झंझनाती हुई झाँझ हूँ"

मैं ऐसा यंत्र बन गया हूं जो जोरदार, कष्ट देनेवाला शोर करता है

देखें: रूपक

## 1 कुरिन्थियों 13:1 (#6)

"ठनठनाता हुआ पीतल, और झंझनाती हुई झाँझ"

यहाँ पौलुस अपनी संस्कृति में दो अलग-अलग तेज़ आवाज़ वाले धातु के वाद्ययंत्रों का उल्लेख करते हैं। अगर आपकी संस्कृति में धातु से बने दो अलग-अलग तेज़ आवाज़ वाले वाद्ययंत्र नहीं हैं, तो आप यहाँ सिर्फ़ एक का उल्लेख कर सकते हैं। इसके अलावा, अगर आपकी संस्कृति में धातु के वाद्ययंत्रों का इस्तेमाल नहीं होता, तो आप दो या एक ऐसे वाद्ययंत्र का ज़िक्र कर सकते हैं जो तेज़ आवाज़ करते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "एक शोर करने वाली झाँझा" या "एक तेज़ ढोल"

देखें: द्विरावृत्ति

## 1 कुरिन्थियों 13:1 (#4)

"पीतल"

एक बड़ी, पतली, गोल धातु की थाली जिसे एक गद्दीदार छड़ी के साथ मारा जाता है जो जोर से ध्वनि उत्पन्न करने के लिए

देखें: अज्ञात शब्दों का अनुवाद

## 1 कुरिन्थियों 13:1 (#5)

"झंझनाती हुई झाँझ"

दो पतली, गोल धातु की थाली जिसे जोर से ध्वनि उत्पन्न करने के लिए एक गद्दीदार छड़ी के साथ मारा जाता है

देखें: अज्ञात शब्दों का अनुवाद

## 1 कुरिन्थियों 13:2 (#1)

"और यदि मैं भविष्यद्वाणी कर सकूँ, और सब भेदों और सब प्रकार के ज्ञान को समझूँ, और मुझे यहाँ तक पूरा विश्वास हो, कि मैं पहाड़ों को हटा दूँ, परन्तु प्रेम न रखँ, तो मैं कुछ भी नहीं"

यहाँ, [13:1](#) की तरह ही, पौलुस कुरिन्थियों को सिखाने के लिए एक काल्पनिक स्थिति का उपयोग कर रहे हैं। वे चाहते हैं कि वे कल्पना करें कि वे भविष्यद्वाणी कर सकते हैं और सब भेदों और सब प्रकार के ज्ञान को समझ सकते हैं और कि वे पूरा विश्वास हो, कि पहाड़ों को हटा सकें लेकिन उनके पास प्रेम नहीं है। वे इस काल्पनिक स्थिति में खुद का उपयोग करते हैं ताकि वह कुरिन्थियों को बिना प्रेम के लोगों के उदाहरण के रूप में इस्तेमाल करके उन्हें नाराज़ न करें। अपनी भाषा में एक काल्पनिक स्थिति को प्रस्तुत करने के लिए एक स्वाभाविक तरीका उपयोग करें। वैकल्पिक अनुवाद: "और मान लीजिए कि मेरे पास सभी भविष्यद्वाणी थीं और मैंने सभी रहस्यों और ज्ञान को समझा, और मान लीजिए कि मेरे पास सभी विश्वास था ताकि पहाड़ों को हटा दूँ

लेकिन यह भी मान लीजिए कि मेरे पास प्रेम नहीं था। उस स्थिति में, मैं कुछ भी नहीं होता।"

देखें: काल्पनिक स्थितियाँ

## 1 कुरिन्थियों 13:2 (#2)

"यदि मैं भविष्यद्वाणी कर सकूँ"

यदि आपकी भाषा में भविष्यद्वाणी के विचार के लिए कोई भाववाचक संज्ञा नहीं है, तो आप इस विचार को "भविष्यद्वाणी करना" जैसी क्रिया का उपयोग करके व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मैं भविष्यद्वाणी कर सकता हूँ।"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

## 1 कुरिन्थियों 13:2 (#3)

"सब भेदों और सब प्रकार के ज्ञान"

यदि आपकी भाषा भेदों और ज्ञान के पीछे के विचारों के लिए भाववाचक संज्ञाओं का उपयोग नहीं करती है, तो आप विचारों को किसी अन्य तरीके, जैसे विशेषणों या क्रियाओं के साथ व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "सब कुछ जो गुप्त है और जानने योग्य है" या "सब कुछ जो छिपा हुआ है और जानने के लिए है"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

## 1 कुरिन्थियों 13:2 (#4)

"मुझे यहाँ तक पूरा विश्वास हो"

यदि आपकी भाषा में विश्वास के पीछे के विचार के लिए कोई भाववाचक संज्ञा नहीं है, तो आप इस विचार को "विश्वास करना" या "भरोसा" जैसे क्रिया का उपयोग करके व्यक्त कर सकते हैं। पौलुस यह संकेत देते हैं कि यह परमेश्वर में विश्वास है। वैकल्पिक अनुवाद: "मैं परमेश्वर पर पूरी तरह भरोसा करता हूँ।"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

## 1 कुरिन्थियों 13:2 (#5)

"कि मैं पहाड़ों को हटा दूँ"

यहाँ, कि यह वर्णन करता है कि विश्वास से क्या परिणाम निकल सकते हैं। पौलुस यहाँ एक चरम उदाहरण का उपयोग करते हैं यह परिभाषित करने के लिए कि विश्वास कितना महान है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप

यह स्पष्ट करके संकेत दे सकते हैं कि पहाड़ों को हटाना विश्वास से कैसे संबंधित है, कि पौलुस पहाड़ों को हटाने को विश्वास के परिणाम के चरम उदाहरण के रूप में पहचानते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "ताकि मैं पहाड़ों को भी हटा सकूँ"

देखें: जोड़ें — कारण-और-परिणाम सम्बन्ध

## 1 कुरिन्थियों 13:2 (#6)

"परन्तु प्रेम न रखूँ"

यदि आपकी भाषा में प्रेम के विचार के लिए कोई भाववाचक संज्ञा नहीं है, तो आप इस विचार को व्यक्त करने के लिए "प्रेम" जैसी क्रिया का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मैं लोगों से प्रेम नहीं करता हूँ।"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

## 1 कुरिन्थियों 13:2 (#7)

"तो मैं कुछ भी नहीं"

यहाँ पौलुस कहते हैं कि यदि काल्पनिक स्थिति सच होती, तो वह कुछ भी नहीं होते। कुरिन्थियों ने समझा होगा कि इसका मतलब है कि वह जो भी महान कार्य कर सकते थे, उनका कोई मूल्य नहीं होता, और उन्हें स्वयं उन कार्यों से कोई आदर या महिमा नहीं मिलती। पौलुस का यह मतलब नहीं है कि उनका अस्तित्व नहीं होता। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप मैं कुछ भी नहीं का अनुवाद पौलुस के दावे को स्पष्ट करके या यह संकेत देकर कर सकते हैं कि यह आदर या मूल्य को संदर्भित करता है। वैकल्पिक अनुवाद: "मेरा कोई मूल्य नहीं है" या "मुझे उन महान कार्यों से कुछ नहीं मिलता"

देखें: अतिशयोक्ति

## 1 कुरिन्थियों 13:3 (#1)

"और यदि मैं अपनी सम्पूर्ण सम्पत्ति कंगालों को खिला दूँ, या अपनी देह जलाने के लिये दे दूँ, और प्रेम न रखूँ, तो मुझे कुछ भी लाभ नहीं"

यहाँ, [13:1-2](#) की तरह ही, पौलुस कुरिन्थियों को सिखाने के लिए एक काल्पनिक स्थिति का उपयोग कर रहे हैं। वह चाहते हैं कि वे कल्पना करें कि वह अपनी सम्पूर्ण सम्पत्ति कंगालों को दे सकते हैं और वह अपनी देह जलाने के लिये सौंप सकते हैं ताकि वह घमंड कर सके (यहाँ घमंड करना एक अतिरिक्त जानकारी है को केवल मूल भाषा में है), लेकिन उनके पास प्रेम नहीं है। वह इस काल्पनिक स्थिति में खुद का

उपयोग करते हैं ताकि वह कुरिन्थियों को बिना प्रेम के लोगों के उदाहरण के रूप में उपयोग करके उन्हें नाराज न करें। एक काल्पनिक स्थिति को पेश करने के लिए अपनी भाषा में एक स्वाभाविक तरीके का उपयोग करें। वैकल्पिक अनुवाद: "और मान लीजिए कि मैंने अपनी सारी सम्पत्ति दे दी, और मान लीजिए कि मैंने अपना शरीर सौंप दिया ताकि मैं घमंड कर सकूँ, लेकिन यह भी मान लीजिए कि मेरे पास प्यार नहीं है। उस स्थिति में, मुझे कुछ भी हासिल नहीं होगा"

देखें: काल्पनिक स्थितियाँ

## 1 कुरिन्थियों 13:3 (#1)

"अपनी देह जलाने के लिये दे द्वृँ"

"वाक्यांश ""जलाया जाना"" सक्रिय किया जा सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: ""मैं उन लोगों को अनुमति देता हूँ जो जलाकर मारने के लिए मुझे सताते हैं""

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

## 1 कुरिन्थियों 13:3 (#3)

"अपनी देह जलाने के लिये दे द्वृँ" (ताकि मैं घमंड करूँ)

पौलुस की भाषा में, ताकि मैं घमंड करूँ और "अपनी देह जलाने के लिये दे द्वृँ" दिखने और सुनने में बहुत समान हैं। जबकि बाद की कई पांडुलिपियों में यहाँ "अपनी देह जलाने के लिये दे द्वृँ" लिखा है, सबसे पुरानी पांडुलिपियों में "मैं घमंड करूँ" लिखा है। जब तक "देह जलाने के लिये दे द्वृँ" का अनुवाद करने का कोई अच्छा कारण न हो, तब तक यहाँ यूएलटी का पालन करना और मैं घमंड करूँ का अनुवाद करना सबसे अच्छा है।

देखें: पाठ्य भिन्नताएँ

## 1 कुरिन्थियों 13:3 (#4)

"अपनी देह जलाने के लिये दे द्वृँ" (ताकि मैं घमंड करूँ)

यहाँ, ताकि यह प्रस्तुत कर सकता है: (1) एक परिणाम जो "किसी के देह को सौंपने" से उत्पन्न होता है। वैकल्पिक अनुवाद: "ताकि मैं तब घमंड कर सकूँ" (2) "अपने देह को सौंपने" का उद्देश्य। वैकल्पिक अनुवाद: "ताकि मैं घमंड कर सकूँ"

देखें: जोड़ें — कारण-और-परिणाम सम्बन्ध

## 1 कुरिन्थियों 13:3 (#5)

"और प्रेम न रखूँ"

यदि आपकी भाषा में प्रेम के पीछे के विचार के लिए एक भाववाचक संज्ञा का उपयोग नहीं होता है, तो आप इस विचार को व्यक्त करने के लिए "प्रेम" जैसी क्रिया का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मैं लोगों से प्रेम नहीं करता हूँ!"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

## 1 कुरिन्थियों 13:4 (#1)

""

यहाँ पौलुस प्रेम के बारे में बोलता है जैसे कि यह एक व्यक्ति था।

देखें: व्यक्तित्व

## 1 कुरिन्थियों 13:4 (#2)

"धीरजवन्त है, और कृपातु है"

यहाँ पौलुस धीरजवन्त है और कृपातु है को किसी अन्य शब्द के साथ नहीं जोड़ते। वह ऐसा इसलिए करते हैं क्योंकि वह चाहते हैं कि कुरिन्थियों को इन दो विचारों को निकटता से जुड़ा हुआ समझें। चूँकि अंग्रेजी बोलने वाले इस संबंध को गलत समझ सकते हैं, इसलिए यूएलटी ने यह स्पष्ट करने के लिए "और" जोड़ा है ताकि यह लगे की यह दोनों विचार जुड़े हुए हैं। यदि आपके पाठ्क भी इस संबंध को गलत समझते हैं, तो आप यूएलटी की तरह एक जोड़ने वाला शब्द जोड़ सकते हैं या आप कृपातु है को अपने विचार के रूप में व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "धीरजवन्त है; यह दयालु हैं"

देखें: पदलोप

## 1 कुरिन्थियों 13:4 (#3)

"प्रेम डाह नहीं करता; प्रेम अपनी बड़ाई नहीं करता"

यहाँ, डाह का मतलब है कि लोग अक्सर शब्दों के माध्यम से यह दिखाने की कोशिश करते हैं कि वे कितने महान हैं। दूसरी ओर, बड़ाई का मतलब है कि लोग अपने बारे में कितनी ऊँची सोच रखते हैं। यदि आपकी भाषा में ऐसे शब्द हैं जो इन भेदों के साथ मेल खाते हैं, तो आप उन्हें यहाँ उपयोग कर सकते हैं। यदि आपकी भाषा में ऐसे शब्द नहीं हैं जो इन भेदों के साथ मेल खाते हैं, तो आप "अहंकार" या "गर्व" के लिए एक

सामान्य शब्द का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "गर्वित नहीं होता"

देखें: द्विरावृत्ति

## 1 कुरिन्थियों 13:5 (#1)

""

पौलुस प्रेम के बारे में बोल रहा है जैसे कि यह एक व्यक्ति था।  
देखें: व्यक्तित्व

## 1 कुरिन्थियों 13:5 (#2)

"अशोभनीय व्यवहार नहीं करता"

यहाँ, अशोभनीय व्यवहार का अर्थ ऐसा व्यवहार है जो शर्मनाक या अपमानजनक होता है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अशोभनीय व्यवहार को एक ऐसे शब्द से व्यक्त कर सकते हैं जो शर्मनाक या अपमानजनक व्यवहार को संदर्भित करता है। वैकल्पिक अनुवाद: "यह अपमानजनक नहीं है" या "यह अनुचित नहीं है"

देखें: अज्ञातों का अनुवाद करें

## 1 कुरिन्थियों 13:5 (#3)

"वह {अपनी} भलाई नहीं चाहता"

यहाँ {अपनी} का अर्थ जो किसी के लिए लाभकारी है। दूसरे शब्दों में, {अपनी} की खोज का मतलब होगा कि "प्रेम" अपने लिए सर्वोत्तम करने का प्रयास कर रहा है, दूसरों के लिए नहीं। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप वह {अपनी} भलाई नहीं चाहता को एक तुलनीय मुहावरे के साथ व्यक्त कर सकते हैं या इस विचार को "स्वार्थी" जैसे शब्द के साथ व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "यह स्वार्थी नहीं होता"

देखें: मुहावरा

## 1 कुरिन्थियों 13:5 (#2)

""

"इसे सक्रिय रूप में कहा जा सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: ""कोई भी इसे जल्दी अप्रसन्न नहीं कर पाएगा""

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

## 1 कुरिन्थियों 13:5 (#5)

"बुरा नहीं मानता"

यहाँ पौलुस ऐसे बोलते हैं जैसे कोई दूसरों द्वारा की गई हर एक बुरी बात की लेखा रखते हुए बुरा मानता हो, जैसे वे उसे लिख रहे हों और उसका जोड़ कर रहे हों। वह इस तरह से बोलते हैं ताकि यह बताने के लिए कि लोग बुरी बातों के लिए बुरा मानकर कैसे याद रखते हैं और उन्हें क्षमा नहीं करते। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप बुरा नहीं मानता को एक तुलनीय रूपक के साथ व्यक्त कर सकते हैं या विचार को सीधे तौर पर व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "यह गलतियों को पकड़ कर नहीं रखता" या "यह नाराज़ नहीं होता"

देखें: रूपक

## 1 कुरिन्थियों 13:6 (#1)

""

पौलुस प्रेम के बारे में बोल रहा है जैसे कि यह एक व्यक्ति था।

देखें: व्यक्तित्व

## 1 कुरिन्थियों 13:6 (#2)

""

"इसे सकारात्मक रूप में कहा जा सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: ""यह केवल धार्मिकता और सत्य में आनंदित होता है""

देखें: दोहरे नकारात्मक

## 1 कुरिन्थियों 13:6 (#3)

"कुरकर्म से"

यदि आपकी भाषा में कुरकर्म के विचार के लिए कोई भाववाचक संज्ञा नहीं है, तो आप इस विचार को व्यक्त करने के लिए "अधर्मी" जैसे विशेषण या "अधर्मी रूप से" जैसे क्रिया विशेषण का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "अधर्मी कार्य" या "लोग जो अधर्मी कार्य करते हैं"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

## 1 कुरिन्थियों 13:6 (#4)

"सत्य से"

यदि आपकी भाषा में सत्य के पीछे के विचार के लिए कोई भाववाचक संज्ञा नहीं है, तो आप इस विचार को "सच्चा" जैसे विशेषण का उपयोग करके व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "सच्ची बातों में" या "सत्य बातें"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

## 1 कुरिन्थियों 13:7 (#1)

""

पौलुस प्रेम के बारे में बोल रहा है जैसे कि यह एक व्यक्ति था।

देखें: व्यक्तित्व

## 1 कुरिन्थियों 13:7 (#2)

"वह सब बातें सह लेता है, सब बातों पर विश्वास करता है, सब बातों की आशा रखता है, सब बातों में धीरज धरता है"

संयोजक वाक्य: यहाँ, सब बातें मुख्य रूप से उस स्थिति या समय को संदर्भित करती हैं जिसमें "प्रेम" सह लेता है, विश्वास करता है, आशा रखता है, और धीरज धरता है। वाक्यांश सब बातें का अर्थ यह नहीं है कि "प्रेम" जो कुछ भी सुनता है उस पर विश्वास करता है या जो कुछ भी हो सकता है उसके लिए आशा करता है। बल्कि, बात यह है कि "प्रेम" हर स्थिति में विश्वास करता है और हर समय आशा रखता है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप सब बातें के पीछे के विचार को इस तरह से व्यक्त कर सकते हैं जो समय या स्थिति को अधिक स्पष्ट रूप से संदर्भित करता हो। वैकल्पिक अनुवाद: "यह हर स्थिति में सहन करता है, हर स्थिति में विश्वास करता है, हर स्थिति में आशा करता है, हर स्थिति में धीरज रखता है"।

देखें: मुहावरा

## 1 कुरिन्थियों 13:7 (#3)

"वह सब बातें सह लेता है, सब बातों पर विश्वास करता है, सब बातों की आशा रखता है, सब बातों में धीरज धरता है"

संयोजक वाक्य: यदि आप पिछले टिप्पणी का पालन करते हैं और सब बातों को समय या स्थिति के संदर्भ में समझते हैं, तो सह लेता है, विश्वास करता है, आशा रखता है, और धीरज धरता है में कोई निर्दिष्ट वस्तु नहीं है। पौलुस वस्तुओं का उल्लेख नहीं करते क्योंकि वह विवरण को व्यापक बनाना चाहते हैं और इसे कई स्थितियों में आसानी से लागू करना

चाहते हैं। यदि आपको वस्तुओं को व्यक्त करना है, तो क्रियाएँ सह लेता है और धीरज धरता है यह दर्शाती है कि एक व्यक्ति दूसरों द्वारा की जाने वाली बुरी चीजों को सह लेता है और धीरज धरता है। क्रियाएँ विश्वास करता है और आशा रखता है यह संकेत देती है कि एक व्यक्ति विश्वास करता है और आशा रखता है कि परमेश्वर वह करेंगे जो उन्होंने करने का वादा किया है। वैकल्पिक अनुवाद: "यह हर परिस्थिति में दूसरों के किए को सहता है; हर परिस्थिति में परमेश्वर पर विश्वास करता है; हर परिस्थिति में परमेश्वर पर आशा रखता है; हर परिस्थिति में दूसरों के किए को धीरज से सहता है"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

## 1 कुरिन्थियों 13:7 (#4)

"वह सब बातें सह लेता है, सब बातों पर विश्वास करता है, सब बातों की आशा रखता है, सब बातों में धीरज धरता है"

संयोजक वाक्य: यहाँ पौलुस वाक्यांश सब बातें और वही संरचना चार सीधे वाक्यों में दोहराते हैं। यह उनके संस्कृति में अत्यधिक प्रभावशाली रूप से व्यक्त किया गया था। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, और यदि यह आपकी संस्कृति में प्रभावशाली ढंग से नहीं लिखा जा सकता है, तो आप संकेत दे सकते हैं कि क्यों पौलुस शब्दों और संरचना को कुछ या सभी दोहराव को हटाकर और कथनों को दूसरे तरीके से प्रभावशाली बनाकर दोहराते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "यह सब कुछ सहता है, विश्वास करता है, आशा करता है, और सब कुछ सहन करता है"

देखें: समानांतरता

## 1 कुरिन्थियों 13:7 (#5)

"वह" - "सह लेता है"

संयोजक वाक्य: यहाँ, सह लेता का अर्थ हो सकता है:(1) बाहर की चीजों को अंदर आने से रोकना। यहाँ मुद्दा यह होगा कि "प्रेम" दूसरों द्वारा की जाने वाली बुरी चीजों को "सहने" में सक्षम है। वैकल्पिक अनुवाद: "यह सहन करता है" या "यह सहनशील है" (2) अंदर की चीजों को बाहर आने से रोकना। यहाँ मुद्दा यह होगा कि "प्रेम" दूसरों को बुरी चीजों से बचाता है या ढाल देता है। वैकल्पिक अनुवाद: "यह बचाता है"

देखें: अज्ञातों का अनुवाद करें

## 1 कुरिन्थियों 13:8 (#1)

"प्रेम कभी टलता नहीं"

संयोजक वाक्यः यहाँ, [13:4-7](#) की तरह ही, पौलुस ऐसे बोलते हैं जैसे प्रेम एक व्यक्ति हो। उन पदों में आपके द्वारा चुनी गई अनुवाद रणनीतियों का पालन करना जारी रखें। वैकल्पिक अनुवादः "यदि आप दूसरों से प्रेम करते हैं, तो आप ऐसा करना कभी नहीं छोड़ेंगे"

देखें: मानवीकरण

## 1 कुरिन्थियों 13:8 (#2)

"कभी टलता नहीं"

संयोजक वाक्यः यहाँ पौलुस ने सकारात्मक अर्थ दर्शनी के लिए दो नकारात्मक शब्दों, कभी नहीं और टलता का प्रयोग किया है। यदि आपकी भाषा में इस तरह के दो नकारात्मक शब्दों का प्रयोग नहीं किया गया है, तो आप इसके बजाय एक मजबूत सकारात्मक शब्द का प्रयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवादः "हमेशा बना रहता है" या "प्रेम हमेशा बना रहता है"

देखें: कठाक्षपूर्ण उक्ति

## 1 कुरिन्थियों 13:8 (#3)

(यदि) "भविष्यद्वाणियाँ हों, तो समाप्त हो जाएँगी, भाषाँ मौन हो जाएँगी; ज्ञान हो, तो मिट जाएगा"

संयोजक वाक्यः यहाँ पौलुस सशर्त रूप का उपयोग यह पहचानने के लिए करते हैं कि वह किस बारे में बात कर रहे हैं। इस रूप का अर्थ यह नहीं है कि पौलुस इस बारे में अनिश्चित है कि भविष्यद्वाणियाँ, भाषाँ, और ज्ञान वर्तमान में मौजूद हैं या नहीं। बल्कि, पौलुस इस रूप का उपयोग प्रत्येक को शेष खंड के विषय के रूप में पहचानने के लिए करते हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप पौलुस के यदि के उपयोग के पीछे के विचार को एक विरोधाभास शब्द जैसे "हालाँकि" का उपयोग करके या वाक्यों को सरल बनाकर व्यक्त कर सकते हैं ताकि वे यदि का उपयोग न करें। वैकल्पिक अनुवादः "यद्यपि भविष्यद्वाणियाँ हैं, वे समाप्त हो जाएँगी; यद्यपि भाषाँ हैं, वे समाप्त हो जाएँगी; यद्यपि ज्ञान है, वह समाप्त हो जाएगा" या "भविष्यद्वाणियाँ समाप्त हो जाएँगी; भाषाँ बंद हो जाएँगी; ज्ञान समाप्त हो जाएगा"

देखें: जोड़ें — तथ्यात्मक स्थितियाँ

## 1 कुरिन्थियों 13:8 (#4)

(यदि) "प्रेम कभी टलता नहीं; भविष्यद्वाणियाँ हों, तो समाप्त हो जाएँगी, भाषाँ मौन हो जाएँगी; ज्ञान हो, तो मिट जाएगा"

संयोजक वाक्यः यहाँ पौलुस कुछ शब्दों को छोड़ देते हैं जो आपकी भाषा में एक पूरा वाक्य बनाने के लिए ज़रूरी हो सकते हैं। अगर आपको इन शब्दों की ज़रूरत है, तो आप "वहाँ हैं" जैसे वाक्यांश जोड़ सकते हैं। चौंकि अंग्रेजी को पहले खंड में इन शब्दों की आवश्यकता होती है, इसलिए यूएलटी उन्हें प्रदान करता है। आप उन्हें सिर्फ़ पहले खंड में या सभी खंडों में प्रदान कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवादः "यदि भविष्यद्वाणियाँ हैं, वे समाप्त हो जाएँगी; यदि भाषाएँ हैं, वे समाप्त हो जाएँगी; यदि ज्ञान है, वह समाप्त हो जाएगा"

देखें: पदलोप

## 1 कुरिन्थियों 13:8 (#5)

"भाषाँ"

संयोजक वाक्यः यहाँ, भाषाँ का मतलब है कुछ ऐसा जो कोई अपनी "जीभ" से करता है, यानी कोई भाषा बोलना। अगर यह आपकी भाषा में मददगार होगा, तो आप संकेत दे सकते हैं कि भाषाँ एक तुलनीय शब्द का उपयोग करके या विचार को स्पष्ट रूप से व्यक्त करके "भाषाओं" के बारे में बोलने का एक तरीका है। वैकल्पिक अनुवादः "विशेष भाषाँ"

देखें: लक्षणालंकार

## 1 कुरिन्थियों 13:8 (#6)

"भाषाँ"

संयोजक वाक्यः यहाँ, भाषाँ का वही अर्थ है जो इसका [12:10, 28, 30; 13:1](#) में था। इसे उसी तरह अनुवाद करें जैसे आपने उन पदों में किया था।

देखें: अज्ञातों का अनुवाद करें

## 1 कुरिन्थियों 13:8 (#7)

"ज्ञान हो, तो मिट जाएगा"

संयोजक वाक्यः यदि आपकी भाषा में ज्ञान के पीछे के विचार के लिए कोई भाववाचक संज्ञा नहीं है, तो आप इस विचार को "जानना" जैसी क्रिया का उपयोग करके व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवादः "गुप्त बातें जो लोग जानते हैं, वे समाप्त हो जाएँगी"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

## 1 कुरिन्थियों 13:9 (#1)

### "क्योंकि"

संयोजक वाक्यः यहाँ, 'क्योंकि' पौलुस के इस कथन का कारण बताता है कि भविष्यद्वाणियाँ, भाषाएँ, और ज्ञान समाप्त हो जाएँगे। अगर यह आपकी भाषा में मददगार होगा, तो आप किसी ऐसे तुलनात्मक शब्द से **क्योंकि** को व्यक्त कर सकते हैं जो किसी व्यक्ति द्वारा दावा किए जाने का कारण बताता हो। वैकल्पिक अनुवादः "वास्तव में," या "ऐसा इसलिए है क्योंकि"

देखें: जोड़ें — कारण-और-परिणाम सम्बन्ध

## 1 कुरिन्थियों 13:9 (#2)

### "अधूरा - "अधूरी"

संयोजक वाक्यः यहाँ, **अधूरा** से तात्पर्य इस बात से है कि कोई चीज किसी बड़े संपूर्ण भाग का केवल एक भाग है। अगर यह आपकी भाषा में मददगार होगा, तो आप **अधूरा** को एक तुलनीय अभिव्यक्ति के साथ व्यक्त कर सकते हैं जो इंगित करता है कि कुछ एक बड़े संपूर्ण भाग का केवल एक हिस्सा है। वैकल्पिक अनुवादः "आंशिक रूप से ... आंशिक रूप से" या "अपूर्ण रूप से ... अपूर्ण रूप से"

देखें: मुहावरा

## 1 कुरिन्थियों 13:10 (#1)

### "जब सर्वसिद्ध आएगा"

संयोजक वाक्यः यहाँ पौलुस ऐसे बोलते हैं जैसे **सर्वसिद्ध** "आ सकता है" जिसका अर्थ है कि लोग **सर्वसिद्ध** का अनुभव कर सकते हैं। वह इस रूपक का उपयोग करते हैं क्योंकि वह क्रिया **आएगा** का उपयोग यीशु की वापसी के लिए भी करते हैं (देखें: 4:5; 11:26), और वह **सर्वसिद्ध** के आगमन को यीशु के आगमन के साथ जोड़ना चाहते हैं। वह समय जब जब **सर्वसिद्ध आएगा**, वह समय होगा जब यीशु वापस आएंगे। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इस अलंकारिक वाक्यांश को एक तुलनीय रूपक के साथ व्यक्त कर सकते हैं या विचार को स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकते हैं और **सर्वसिद्ध** को यीशु की वापसी से किसी अन्य तरीके से जोड़ सकते हैं। वैकल्पिक अनुवादः "हम यीशु की वापसी पर पूर्णता का अनुभव करेंगे"

देखें: रूपक

## 1 कुरिन्थियों 13:10 (#2)

### "सर्वसिद्ध" - "तो अधूरा"

संयोजक वाक्यः यहाँ, **अधूरा** 13:9 में "ज्ञान" और "भविष्यद्वाणी करना" की ओर इशारा करता है। वाक्यांश **सर्वसिद्ध** का **अधूरा** के साथ विरोधाभास है, इसलिए **सर्वसिद्ध** का मतलब परमेश्वर का संपूर्ण ज्ञान और अनुभव से है और परमेश्वर क्या कहते हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप **सर्वसिद्ध** और **अधूरा** के पीछे के विचार को अधिक स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवादः "परमेश्वर का संपूर्ण अनुभव ... परमेश्वर का आंशिक अनुभव, जिसमें ज्ञान और भविष्यद्वाणी शामिल हैं,"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

## 1 कुरिन्थियों 13:11 (#1)

"जब मैं बालक था, तो मैं बालकों के समान बोलता था, बालकों के समान मन था बालकों सी समझ थी; परन्तु सयाना हो गया, तो बालकों की बातें छोड़ दीं"

संयोजक वाक्यः यहाँ पौलुस प्रथम पुरुष मैं का उपयोग करके खुद को एक उदाहरण के रूप में वर्णित करते हैं, लेकिन वह यह संकेत देते हैं कि अधिकांश लोग यहाँ जो वर्णन किया गया है, उसका अनुभव करते हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप मैं को एक सामान्य उदाहरण के रूप में व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवादः "जब लोग बच्चे होते थे, तो वे बच्चों की तरह बोलते थे, वे बच्चों की तरह सोचते थे, वे बच्चों की तरह तर्क करते थे। जब वे वयस्क बन गए, तो उन्होंने बचकानी चीजें छोड़ दीं"

देखें: प्रथम, द्वितीय या तृतीय पुरुष

## 1 कुरिन्थियों 13:11 (#2)

"मैंने एक बालक के समान बोला, मैंने एक बालक के समान सोचा, मैंने एक बालक के समान तर्क किया"

संयोजक वाक्यः यहाँ पौलुस एक बालक के समान और लगातार तीन खंडों में एक ही संरचना को दोहराते हैं। यह उनके संस्कृति में प्रभावशाली ढंग से कहा गया था। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, और यदि यह आपके संस्कृति में प्रभावशाली ढंग से नहीं लिखा गया होगा, तो आप यह संकेत कर सकते हैं कि पौलुस कुछ या सभी पुनरावृत्ति को समाप्त करके और बयानों को किसी अन्य तरीके से प्रभावशाली बनाकर शब्दों और संरचना को क्यों दोहराते हैं। वैकल्पिक अनुवादः "मैंने सब कुछ एक बालक की तरह किया" "मैंने बोला, सोचा, और तर्क किया एक बालक की तरह"

देखें: समानांतरता

### 1 कुरिन्थियों 13:11 (#3)

"सायाना हो गया"

संयोजक वाक्य: वैकल्पिक अनुवाद: "मैं वयस्क हो गया हूँ"

### 1 कुरिन्थियों 13:11 (#4)

"तो बालकों की बातें छोड़ दीं"

संयोजक वाक्य: यहाँ पौलस ऐसे बोलते हैं जैसे उन्होंने बालकों की बातें कोलिया और उन्हें एक सन्दूक या अलमारी में छोड़ दिया। उनका मतलब है कि उन्होंने बालकों की बातें करना बंद कर दिया, जैसे बालकों के समान "बोलना," "सोचना," या "विचार करना"। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इस मुहावरे को एक तुलनीय रूपक के साथ व्यक्त कर सकते हैं या विचार को सीधे व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मैंने बचकानी हरकतों से छुटकारा पा लिया" या "मैंने बचकानी हरकतें करना बंद कर दिया"

देखें: रूपक

### 1 कुरिन्थियों 13:12 (#2)

"अब हमें" - "दिखाई देता है"

"संभावित अर्थ 1) ""अब हम मसीह को देखते हैं"" या 2) ""अब हम परमेश्वर को देखते हैं।"""

### 1 कुरिन्थियों 13:12 (#2)

"दर्पण में धुँधला सा"

यहाँ पौलस ऐसे बोलते हैं जैसे कि हम एक दर्पण को देख रहे हों और एक प्रतिबिंब को धुँधला रूप से देख सकते हैं। इस रूपक के साथ, पौलस यह विचार व्यक्त कर रहे हैं: (1) कि अब हम परमेश्वर को केवल अप्रत्यक्ष रूप से देख सकते हैं, जैसे दर्पण में प्रतिबिंब एक अप्रत्यक्ष रूप है। वैकल्पिक अनुवाद: "परमेश्वर का अप्रत्यक्ष प्रतिबिंब, जैसे हम एक दर्पण में देख रहे हों" (2) कि अब हम परमेश्वर के बारे में केवल कुछ चीजें ही देख सकते हैं, जैसे दर्पण केवल अपूर्ण रूप से छवि को प्रतिबिंबित करता है। वैकल्पिक अनुवाद: "अपूर्ण रूप से, जैसे हम दर्पण में एक अस्पष्ट प्रतिबिंब देख रहे हों"

देखें: रूपक

### 1 कुरिन्थियों 13:12 (#1)

""

पौलस के दिनों में दर्पण कांच के बजाए पॉलिश धातु से बने थे और एक मंद, अस्पष्ट प्रतिबिंब दिखाते थे।

### 1 कुरिन्थियों 13:12 (#3)

"लेकिन फिर हम मसीह को आमने-सामने देखेंगे इसका मतलब है कि हम मसीह के साथ शारीरिक रूप से उपस्थित होंगे।

देखें: विराम बिंदु

### 1 कुरिन्थियों 13:12 (#5)

"परन्तु उस समय आमने-सामने"

यहाँ, आमने-सामने एक क्रिया या स्थिति को पहचानता है जो व्यक्तिगत रूप से होती है। दूसरे शब्दों में, एक व्यक्ति वास्तव में दूसरे व्यक्ति को आमने-सामने देख सकता है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप आमने-सामने को एक तुलनीय मुहावरे के साथ व्यक्त कर सकते हैं या विचार को सीधे व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "लेकिन तब, आँख से आँख" या "लेकिन तब, परमेश्वर की प्रत्यक्ष उपस्थिति में"

देखें: मुहावरा

### 1 कुरिन्थियों 13:12 (#6)

"उस समय" - "उस समय"

यहाँ, उस समय उस समय को संदर्भित करता है जब यीशु वापस आएंगे और उसके बाद क्या होगा। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप उस समय के पीछे के विचार को स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "तब, जब यीशु लौटेंगे, ... तब, जब यीशु लौटेंगे,"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

### 1 कुरिन्थियों 13:12 (#7)

"अब हमें दर्पण में धुँधला सा दिखाई देता है; परन्तु उस समय आमने-सामने देखेंगे, इस समय मेरा ज्ञान अधूरा है; परन्तु उस समय ऐसी पूरी रीति से पहचानूँगा, जैसा मैं पहचाना गया हूँ"

यहाँ पौलुस प्रथम पुरुष बहुवचन से प्रथम पुरुष एकवचन में बदलते हैं। चूंकि वह हर विश्वासी के लिए खुद को एक उदाहरण के रूप में इस्तेमाल कर रहे हैं, इसलिए इस बदलाव के पीछे कोई विशेष अर्थ नहीं है। बल्कि, पौलुस बहुवचन से एकवचन में इसलिए बदलते हैं क्योंकि यह उनकी संस्कृति में एक अच्छी शैली मानी जाती थी। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इस पद को प्रथम पुरुष बहुवचन में भी व्यक्त कर सकते हैं, या आप ऐसे शब्द शामिल कर सकते हैं जो स्पष्ट करें कि पौलुस खुद को एक उदाहरण के रूप में प्रस्तुत कर रहे हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "अब मैं, उदाहरण के लिए, आंशिक रूप से जानता हूँ, लेकिन तब मैं पूरी तरह से जान लूँगा, जैसे कि मैं भी पूरी तरह से जाना गया हूँ"

देखें: सर्वनाम — उनका उपयोग कब करें

## 1 कुरिन्थियों 13:12 (#4)

शब्द ""मसीह"" समझा गया है। वैकल्पिक अनुवाद: ""मैं पूरी तरह से मसीह को जानूँगा""

देखें: विराम बिंदु

## 1 कुरिन्थियों 13:12 (#9)

### "अधूरा"

यहाँ, [13:9](#) की तरह, **अधूरा** से यह दर्शाता है कि कोई चीज़ किसी बड़े भाग का केवल एक **अधूरा** हिस्सा है। अगर यह आपकी भाषा में मददगार होगा, तो आप **अधूरा** को एक तुलनीय अभिव्यक्ति के साथ व्यक्त कर सकते हैं जो इंगित करता है कि कुछ एक बड़े भाग का केवल एक **अधूरा** हिस्सा है। वैकल्पिक अनुवाद: "आंशिक रूप से" या "अपूर्ण रूप से"

देखें: मुहावरा

## 1 कुरिन्थियों 13:12 (#5)

इसे सक्रिय रूप में कहा जा सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: ""जैसे मसीह ने मुझे पूरी तरह से जाना है""

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

## 1 कुरिन्थियों 13:13 (#1)

### "अब"

यहाँ, अब का उपयोग निम्न कार्य के लिए किया जा सकता है: (1) चीज़ों के बारे में सारांश कथन प्रस्तुत करना। वैकल्पिक अनुवाद: "जैसा है," (2) वह समय बताएँ जिसके दौरान ये तीनों स्थायी हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "वर्तमान में,"

देखें: शब्दों और वाक्यांशों को जोड़ना

## 1 कुरिन्थियों 13:13 (#2)

### "ये तीनों स्थायी हैं"

यह संकेत कर सकता है कि: (1) ये तीनों हमेशा स्थायी हैं, यीशु के वापस आने के बाद भी, [13:8](#) में भविष्यद्वाणियाँ, भाषाएँ, और ज्ञान के विपरीत, जो "समाप्त हो जाएँगी।" वैकल्पिक अनुवाद: "ये तीन कभी समाप्त नहीं होंगे" (2) ये तीनों विश्वासियों के वर्तमान जीवन में स्थायी हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "ये तीन जारी रहते हैं"

## 1 कुरिन्थियों 13:13 (#3)

### "अब विश्वास, आशा, प्रेम ये तीनों स्थायी हैं"

यहाँ पौलुस ये तीनों का परिचय देते हैं और फिर वाक्य के अंत में उनका नाम लेते हैं। अगर यह आपकी भाषा में मददगार हो, तो आप वाक्य के कुछ हिस्सों को फिर से व्यवस्थित कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "विश्वास, आशा और प्रेम, ये तीन चीजें बनी रहती हैं" या "तीन चीजें, विश्वास, आशा और प्रेम, बनी रहती हैं"

देखें: सूचना संरचना

## 1 कुरिन्थियों 13:13 (#1)

इन भाववाचक संज्ञाओं को क्रियाओं के साथ वाक्यांशों में व्यक्त किया जा सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: ""हमें परमेश्वर पर भरोसा करना चाहिए, आत्मविश्वास रखो कि वह जिसका वायदा किया है करेंगे और उन्हें और दूसरों से प्रेम करना चाहिए""

देखें: अमूर्त संज्ञाएँ

## 1 कुरिन्थियों 13:13 (#5)

### "विश्वास, आशा, प्रेम"

यहाँ पौलुस ने बिना जोड़ने वाले शब्दों का इस्तेमाल किए तीन चीजों को सूचीबद्ध किया है। चूंकि अंग्रेज़ी बोलने वाले लोग सूची में अंतिम वस्तु से पहले एक जोड़ने वाले शब्द की अपेक्षा करते हैं, इसलिए यूएलटी ने यहाँ **और** शामिल किया है। यदि आपके पाठक भी सूची में एक या कई जोड़ने वाले शब्दों की अपेक्षा करते हैं, तो आप उन्हें शामिल कर सकते हैं।

वैकल्पिक अनुवाद: “विश्वास, आशा और प्रेम”

देखें: पदलोप

## 1 कुरिन्थियों 13:13 (#6)

### “इनमें सबसे बड़ा”

यहाँ पौलुस स्पष्ट रूप से यह नहीं बताते कि **प्रेम सबसे बड़ा** क्यों है। वह यह संकेत दे सकते हैं कि: (1) परमेश्वर और दूसरों से प्रेम करना सबसे महत्वपूर्ण कार्य है। वैकल्पिक अनुवाद: “इनमें से सबसे महत्वपूर्ण” (2) **प्रेम तीनों** में से एकमात्र है जो यीशु के वापस आने के बाद भी जारी रहता है, और इसलिए यह एकमात्र है जो स्थायी है। वैकल्पिक अनुवाद: “इनमें से सबसे स्थायी”

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

## 1 कुरिन्थियों 13:13 (#7)

### “प्रेम है”

यदि आपकी भाषा में **प्रेम** के विचार के लिए कोई भाववाचक संज्ञा नहीं है, तो आप इस विचार को “प्रेम” जैसी क्रिया का उपयोग करके व्यक्त कर सकते हैं। पौलुस यह संकेत देते हैं कि **प्रेम** परमेश्वर और दूसरों के लिए है। वैकल्पिक अनुवाद: “लोगों और परमेश्वर से प्रेम करना है”

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

## 1 कुरिन्थियों 14:1 (#1)

Connecting Statement:\n\nपौलुस चाहता है कि वे जाने यद्यपि शिक्षण अधिक महत्वपूर्ण है क्योंकि यह लोगों को निर्देश देता है, यह प्रेम के साथ किया जाना चाहिए।

## 1 कुरिन्थियों 14:1 (#2)

### “प्रेम”

संयोजक वक्तव्य: यदि आपकी भाषा में **प्रेम** के पीछे के विचार के लिए कोई भाववाचक संज्ञा नहीं है, तो आप इस विचार को व्यक्त करने के लिए “स्नेह रखना” जैसी क्रिया का उपयोग कर सकते हैं। पौलुस का तात्पर्य है कि **प्रेम** की विषय-वस्तु दूसरे लोग हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “दूसरों से प्रेम करना”

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

## 1 कुरिन्थियों 14:1 (#3)

### “और... की भी धून में रहो”

संयोजक वक्तव्य: यहाँ, **और** अगला विषय प्रस्तुत करता है जिसके बारे में पौलुस बात करना चाहते हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप **और** का उपयोग कर सकते हैं और सोच सकते हैं कि पौलुस प्रेम का अनुकरण करो और आत्मिक वरदानों की धून में रहो को एक नए विषय के साथ जोड़ रहे हैं, या आप यहाँ एक नया वाक्य शुरू कर सकते हैं। यदि आप दूसरा वैकल्पिक अनुवाद उपयोग करते हैं, तो आपको इसके पहले एक पूर्ण विराम जोड़ने की आवश्यकता हो सकती है। वैकल्पिक अनुवाद: “और उत्सुक रहो” या “उत्सुक रहो”

देखें: शब्दों और वाक्यांशों को जोड़ना

## 1 कुरिन्थियों 14:1 (#2)

पौलुस प्रेम की बात करता है जैसे कि यह एक व्यक्ति था। “‘प्यार का पीछा करें’” या “‘लोगों से प्यार करने के लिए कड़ी मेहनत करें’”

देखें: पहला, दूसरा या तीसरा पुरुष

## 1 कुरिन्थियों 14:1 (#3)

### “परन्तु उस समय देखेंगे”

और विशेष रूप से भविष्यवाणी करने में सक्षम होने के लिए कठिन परिश्रम करें”

## 1 कुरिन्थियों 14:2 (#1)

### “क्योंकि”

यहाँ, **क्योंकि** उन कारणों को प्रस्तुत करता है जिनके लिए पौलुस चाहते हैं कि कुरिन्थ के लोगों को विशेष रूप से

भविष्यवाणी करने की लालसा हो। ये कारण 14:2-4 में पाए जाते हैं। यदि यह आपकी भाषा में उपयोगी होगा, तो आप दावे के कारणों को प्रस्तुत करने के लिए तुलनात्मक तरीके से **क्योंकि** को व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "यहाँ बताया गया है कि तुमको भविष्यवाणी के लिए उत्सुक क्यों होना चाहिए।"

देखें: जोड़ें — कारण-और-परिणाम सम्बन्ध

### 1 कुरिन्थियों 14:2 (#2)

"अन्य भाषा में बातें करता है"

पौलुस सामान्य रूप से "अन्य भाषा में बातें करने वाले" लोगों की बात कर रहे हैं; वह किसी एक विशेष व्यक्ति की बात नहीं कर रहे हैं। यदि यह आपकी भाषा में उपयोगी हो, तो आप इस रूप को ऐसे रूप में व्यक्त कर सकते हैं जो सामान्य रूप से लोगों को संदर्भित करता हो। वैकल्पिक अनुवाद: "जो कोई भी अन्य भाषा में बोलता है"

देखें: सामान्य संज्ञा वाक्यांश

### 1 कुरिन्थियों 14:2 (#3)

"अन्य भाषा में"

यहाँ और इस अध्याय में, **अन्य भाषा** और "बोलियाँ" का अनुवाद उसी तरह से करें जैसे आपने 13:1, 8 में अनुवाद किया था।

देखें: अज्ञातों का अनुवाद करें

### 1 कुरिन्थियों 14:2 (#4)

"मनुष्यों से," - "परन्तु... बातें करता है"

हालांकि शब्द **मनुष्य** पुल्लिंग है, पौलुस उनका उपयोग किसी भी व्यक्ति के लिए कर रहे हैं, चाहे वह पुरुष हो या स्त्री। यदि यह आपकी भाषा में उपयोगी हो तो आप किसी लिंग भेद रहित शब्द का प्रयोग कर सकते हैं या दोनों लिंगों का उल्लेख कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मनुष्यों के लिए ... लेकिन वह बोलता है"

देखें: जब पुल्लिंग शब्दों में स्त्रियाँ भी सम्मिलित होती हैं

### 1 कुरिन्थियों 14:2 (#5)

"भेद"

यदि आपकी भाषा में **भेद** के पीछे के विचार के लिए कोई भाववाचक संज्ञा नहीं है, तो आप "राज़" या "रहस्य" जैसे विशेषण का उपयोग करके विचार व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "रहस्यमय शब्द"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

### 1 कुरिन्थियों 14:2 (#6)

"आत्मा में"

यहाँ, **आत्मा** का अर्थ हो सकता है: (1) पवित्र आत्मा, जो किसी व्यक्ति को **अन्य भाषा** में बोलने की शक्ति या सामर्थ्य प्रदान करते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "परमेश्वर की आत्मा में" या "परमेश्वर की आत्मा की सामर्थ्य द्वारा" (2) किसी व्यक्ति की आत्मा, जो व्यक्ति के आंतरिक जीवन को संदर्भित करती है। यह इसी आंतरिक जीवन से है कि **अन्य भाषा** उत्पन्न होती है। वैकल्पिक अनुवाद: "उसकी आत्मा में"

### 1 कुरिन्थियों 14:3 (#1)

"जो भविष्यद्वाणी करता है"

पौलुस सामान्य रूप से "भविष्यद्वाणी" करने वाले लोगों की बात कर रहे हैं, किसी एक विशेष व्यक्ति की नहीं। यदि यह आपकी भाषा में उपयोगी हो, तो आप इस रूप को ऐसे रूप में व्यक्त कर सकते हैं जो सामान्य रूप से लोगों को संदर्भित करता हो। वैकल्पिक अनुवाद: "कोई भी जो भविष्यद्वाणी करता है"

देखें: सामान्य संज्ञा वाक्यांश

### 1 कुरिन्थियों 14:3 (#2)

"मनुष्यों से"

हालांकि **मनुष्यों** पुल्लिंग है, पौलुस इसका उपयोग किसी के लिए कर रहे हैं, चाहे वह पुरुष हो या स्त्री। यदि यह आपकी भाषा में उपयोगी हो तो आप **मनुष्यों** को किसी लिंग भेद रहित शब्द से व्यक्त कर सकते हैं या दोनों लिंगों को संदर्भित कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मनुष्यों के लिये"

देखें: जब पुल्लिंग शब्दों में स्त्रियाँ भी सम्मिलित होती हैं

### 1 कुरिन्थियों 14:3 (#1)

""

"लोगों को बलवान बनाना उनके विश्वास में परिपक्ष और बलवान बनाने में उनकी सहायता करने को दर्शाता है। देखें कि आपने 1 कुरिन्थियों 8: 1 में ""बलवान बनाना"" का अनुवाद कैसे किया है। वैकल्पिक अनुवाद: ""उन्हें बलवान बनाने के लिए""

देखें: रूपक

## 1 कुरिन्थियों 14:3 (#4)

### "उपदेश और शान्ति की बातें"

यहाँ, उपदेश मुख्य रूप से दूसरों को एक विशिष्ट तरीके से कार्य करने या सीचने के लिए "उत्साहित" करने को संदर्भित करता है। दूसरी ओर, **शान्ति की बातें** मुख्य रूप से दुःख या पीड़ा में दूसरों को "सांत्वना" देने को संदर्भित करती है। यदि आपकी भाषा में ऐसे शब्द हैं जो इस अंतर के साथ मेल खाते हैं, तो आप उनका यहाँ उपयोग कर सकते हैं। यदि आपकी भाषा में ऐसे शब्द नहीं हैं जो इस अंतर के साथ मेल खाते हैं, तो आप "उपदेश" या **शान्ति की बातों** के लिए एक सामान्य शब्द का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "उपदेश"

देखें: द्विरावृत्ति (डबलेट)

## 1 कुरिन्थियों 14:3 (#5)

### "उपदेश और शान्ति की बातें"

यदि आपकी भाषा में उपदेश और शान्ति की बातों के विचारों के लिए भाववाचक संज्ञाओं का उपयोग नहीं होता है, तो आप इन विचारों को व्यक्त करने के लिए "प्रोत्साहित करना" और "सांत्वना देना" जैसी क्रियाओं का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "प्रोत्साहित करना" और "सांत्वना देना"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

## 1 कुरिन्थियों 14:4 (#1)

### "जो अन्य भाषा में बातें करता है" - "जो भविष्यद्वाणी करता है"

यहाँ, 14:2-3 की तरह ही, पौलुस सामान्य रूप से "भविष्यद्वाणी करने" और "अन्य भाषा में बातें करने वाले" लोगों की बात कर रहे हैं, न कि दो विशेष व्यक्तियों की। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप इस रूप को सामान्यतः लोगों को संदर्भित करने वाले रूप के साथ व्यक्त

कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जो कोई भी अन्य भाषा में बोलता है ... जो कोई भी भविष्यद्वाणी करता है"

देखें: सामान्य संज्ञा वाक्यांश

## 1 कुरिन्थियों 14:4 (#1)

### "उन्नति करता है"

"लोगों को बलवान बनाना उनके विश्वास में परिपक्ष और बलवान बनाने में उनकी सहायता करने को दर्शाता है। देखें कि आपने 1 कुरिन्थियों 8: 1 में ""बलवान बनाना"" का अनुवाद कैसे किया है। वैकल्पिक अनुवाद: ""लोगों को बलवान बनाना है""

देखें: रूपक

## 1 कुरिन्थियों 14:5 (#1)

### "परन्तु अधिकतर यह"

यहाँ पौलुस कुछ शब्दों को छोड़ देते हैं जो आपकी भाषा में एक पूर्ण विचार बनाने के लिए आवश्यक हो सकते हैं। पौलुस इन शब्दों को छोड़ देते हैं क्योंकि उन्होंने इन्हें पहले के वाक्यांश में स्पष्ट रूप से कहा है (मैं चाहता हूँ)। यदि आपकी भाषा को इन शब्दों की आवश्यकता है, तो आप उन्हें उस वाक्यांश से ले सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "लेकिन मैं उससे भी ज्यादा चाहता हूँ" या "लेकिन और भी अधिक, मैं लालसा करता हूँ कि"

देखें: पदलोप

## 1 कुरिन्थियों 14:5 (#1)

""

"पौलुस इस बात पर जोर दे रहा है कि भविष्यवाणी का वरदान विभिन्न भाषाओं में बोलने के वरदान से बड़ा है। वैकल्पिक अनुवाद: ""भविष्यवाणियाँ करनेवाले के पास एक बड़ा वरदान है""

देखें: संकेतन

## 1 कुरिन्थियों 14:5 (#3)

### "उससे बढ़कर है"

यहाँ, बढ़कर का अर्थ है कि भविष्यद्वाणी करने वाला कुछ ऐसा करता है जो अन्य भाषाओं में बातें करने वाले की तुलना में अधिक महत्वपूर्ण और सहायक होता है। इसका यह अर्थ नहीं है कि परमेश्वर भविष्यद्वाणी करने वाले व्यक्ति की अन्य भाषाओं में बातें करने वाले व्यक्ति से अधिक परवाह करते हैं। यदि पाठकों को बढ़कर का अर्थ गलत रूप से समझ में आता है, तो आप स्पष्ट रूप से बता सकते हैं कि वह व्यक्ति कैसे या किस प्रकार बढ़कर है। वैकल्पिक अनुवाद: "कुछ अधिक उपयोगी कार्य करता है" या "वह कार्य करता है जो अधिक मूल्यवान है"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

## 1 कुरिन्थियों 14:5 (#4)

"कलीसिया की उन्नति के लिये अनुवाद न करे"

यू.एल.टी. अनुवाद इन उपवाक्यों को कोष्ठक में रखता है क्योंकि वे पौलुस द्वारा कही गई बात को स्पष्ट करते हैं कि अन्य भाषा बोलनेवाला भविष्यद्वाणी करनेवाले से बढ़कर है। इस उपवाक्य में, पौलुस स्पष्ट करते हैं कि वह केवल अन्य भाषा बोलनेवाले के बारे में बिना व्याख्या के बात कर रहे हैं। इसके अलावा, यदि कोई अन्य भाषा बोलनेवाले की व्याख्या करता है, तो इससे भविष्यद्वाणी की तरह ही उन्नति हो सकता है। अपनी भाषा में एक ऐसा रूप इस्तेमाल करें जो व्याख्या या कोष्ठक को इंगित करे। यदि आप निम्नलिखित वैकल्पिक अनुवाद का उपयोग करते हैं, तो आपको उसके पहले एक पूर्ण विराम जोड़ना पड़ सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: "यह सत्य है सिवाय इसके कि जब वह व्याख्या करता है, ताकि कलीसिया को उन्नति प्राप्त हो"

देखें: सूचना संरचना

## 1 कुरिन्थियों 14:5 (#2)

"अनुवाद"

इसका मतलब है कि उस भाषा में दुसरों को बताना जो उस भाषा को नहीं समझता है। देखें कि इसका अनुवाद कैसे किया जाता है [1 कुरिन्थियों 2:13] (.. / 02 / 13.md)।

## 1 कुरिन्थियों 14:5 (#6)

"अन्य भाषा बोलनेवाला... अनुवाद न करे"

बाइबल की मूल भाषा में यहाँ 'वह' का प्रयोग किया गया है पर हिन्दी आई.आर.वी. अनुवाद में इसका प्रयोग नहीं किया गया है। यहाँ, वह विशेष रूप से अन्य भाषा बोलनेवाले व्यक्ति की ओर संकेत कर सकता है, लेकिन यह आवश्यक नहीं है।

शब्द वह किसी भी व्यक्ति की ओर संकेत कर सकता है जो अनुवाद कर सकता है, न कि केवल उस व्यक्ति की ओर जो अन्य भाषा में बोलनेवाला है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप इस विचार को स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकते हैं कि वह किसी भी व्यक्ति की ओर संकेत करता है। वैकल्पिक अनुवाद: "वह अनुवाद करेगा या फिर कोई और अनुवाद करेगा"

देखें: सर्वनाम — उनका उपयोग कब करें

## 1 कुरिन्थियों 14:5 (#7)

"अन्य भाषा बोलनेवाला... अनुवाद करे"

बाइबल की मूल भाषा में यहाँ 'वह' का प्रयोग किया गया है पर हिन्दी आई.आर.वि. में इसका प्रयोग नहीं किया गया है। हालांकि वह पुलिंग है, पौलुस इसका उपयोग किसी को भी संदर्भित करने के लिए कर रहे हैं, चाहे वह पुरुष हो या स्त्री। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप वह को एक गैर-लिंग शब्द के साथ व्यक्त कर सकते हैं या दोनों लिंगों का उल्लेख कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "वह अनुवाद करे"

देखें: जब पुलिंग शब्दों में स्त्रियाँ भी सम्मिलित होती हैं

## 1 कुरिन्थियों 14:5 (#8)

"उन्नति के लिये"

पौलुस यहाँ इस तरह से बोलते हैं मानो कि विश्वासी एक भवन के समान है जिसको कोई "उन्नति के लिये" बना रहा है। इस रूपक के साथ, वह इस बात पर जोर देते हैं कि जो अन्य भाषाओं में बातें करने वाले हैं और जो "अनुवाद" भी करते हैं, वह अन्य विश्वसियों को अधिक दृढ़ और परिपक्व बनने में मदद करते हैं, ठीक उसी तरह जैसे जो घर बनाता है वह उसे मजबूत और निपुण बनाता है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप इस मुहावरे को एक तुलनीय रूपक के साथ व्यक्त कर सकते हैं या इस विचार को स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकते हैं। देखें कि आपने इस रूपक का अनुवाद [14:3](#) में कैसे किया था। वैकल्पिक अनुवाद: "विकास" या "उन्नति"

देखें: रूपक

## 1 कुरिन्थियों 14:6 (#1)

"इसलिए हे भाइयों"

यहाँ, इसलिए हे भाइयों उस बात को प्रस्तुत करता है जिसे पौलुस जो सत्य मानते हैं उसे प्रस्तुत करता है। बाइबल की मूल भाषा में यहाँ 'अब' का प्रयोग किया गया है, जो यहाँ एक नई घटना को प्रस्तुत करता है पर हिन्दी आई.आर.वी. अनुवाद में इसका प्रयोग नहीं किया गया है। यहाँ **अब** शब्द समय को संदर्भित नहीं करता है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप **इसलिए** और **अब** को एक शब्द या वाक्यांश के साथ व्यक्त कर सकते हैं जो यह प्रस्तुत करता है कि कोई व्यक्ति क्या सत्य मानता है। वैकल्पिक अनुवाद: "ऐसा ही है, भाइयों," या "लेकिन भाइयों, सच तो यह है, कि"

देखें: शब्दों और वाक्यांशों को जोड़ना

## 1 कुरिन्थियों 14:6 (#2)

### "भाइयों"

यद्यपि भाइयों पुलिंग है, पौलुस इसका प्रयोग किसी भी विश्वासी के लिए कर रहे हैं, चाहे वह पुरुष हो या स्त्री। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप भाइयों को एक गैर-लिंग शब्द के साथ व्यक्त कर सकते हैं या दोनों लिंगों का उल्लेख कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "भाइयों और बहनों"

देखें: जब पुलिंग शब्दों में स्लियाँ भी सम्मिलित होती हैं

## 1 कुरिन्थियों 14:6 (#3)

### "मैं... आकर" - "मुझसे तुम्हें क्या लाभ होगा" - "मैं... कहूँ"

यहाँ पौलुस प्रथम पुरुष का उपयोग करके स्वयं को एक उदाहरण के रूप में प्रस्तुत करते हैं। यदि यह आपकी भाषा में उपयोगी हो तो आप प्रथम पुरुष को सामान्य तृतीय पुरुष के रूप में अनुवाद कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "कोई आता है... क्या उसे लाभ होगा... वह बोलता है" या "लोग आते हैं... क्या उन्हें लाभ होगा... वे बोलते हैं"

देखें: प्रथम, द्वितीय या तृतीय पुरुष

## 1 कुरिन्थियों 14:6 (#4)

"यदि मैं तुम्हारे पास आकर अन्य भाषा में बातें करूँ, और प्रकाश, या ज्ञान, या भविष्यद्वाणी, या उपदेश की बातें तुम से न कहूँ, तो मुझसे तुम्हें क्या लाभ होगा"

यदि आपकी भाषा में सामान्यतः यह व्यक्त किया जाता है कि कुरिन्थ के लोगों को क्या लाभ पहुँचाएगा, न कि क्या लाभ नहीं पहुँचाएगा, तो आप इस पद को पुनः व्यवस्थित कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "यदि मैं तुम से प्रकाशन या

ज्ञान या भविष्यद्वाणी या शिक्षा की बातें बोलूँ, तो क्या मैं तुम्हें कुछ लाभ न पहुँचाऊँगा? परन्तु यदि मैं तुम्हारे पास आकर अन्य भाषाएँ बोलूँ, तो क्या मैं तुम्हें कुछ लाभ पहुँचाऊँगा?"

देखें: सूचना संरचना

## 1 कुरिन्थियों 14:6 (#5)

"यदि मैं तुम्हारे पास आकर अन्य भाषा में बातें करूँ... बातें तुम से न कहूँ, तो मुझसे तुम्हें क्या लाभ होगा"

यहाँ पौलुस एक काल्पनिक स्थिति का उपयोग करके कुरिन्थ के लोगों को सिखा रहे हैं। वह चाहते हैं कि वे लोग कल्पना करें कि वह उनके पास अन्य भाषा में बातें करते हुए आ रहे हैं। वह स्वयं का प्रयोग इस काल्पनिक स्थिति में यह समझाने के लिए करते हैं कि यदि वह चाहते तो ऐसा कर सकते थे और इसलिए भी कि वह यह कहकर किसी को ठेस नहीं पहुँचाना चाहते कि इससे दूसरों को कोई लाभ नहीं होता। अपनी भाषा में एक स्वाभाविक तरीके से एक काल्पनिक स्थिति प्रस्तुत करें। वैकल्पिक अनुवाद: "मान लो कि मैं तुम्हारे पास आकर अन्य भाषाएँ बोलता रहूँ। यदि मैं तुमसे बातें न करूँ तो तुम्हें क्या लाभ होगा"

देखें: काल्पनिक स्थितियाँ

## 1 कुरिन्थियों 14:6 (#6)

### "मैं तुम्हारे पास आकर"

यहाँ पौलुस किसी समय कुरिन्थ के लोगों से मिलने की अपनी योजना के बारे में बात कर रहे हैं। अपनी भाषा में उस रूप का उपयोग करें जो किसी से मिलने के लिए भविष्य की यात्रा की योजनाओं को दर्शाता है। वैकल्पिक अनुवाद: "मैं वहाँ आऊँगा जहाँ तुम रहते हो"

देखें: जाएँ और आएँ

## 1 कुरिन्थियों 14:6 (#1)

### "मुझसे तुम्हें क्या लाभ होगा"

"इसे एक विवरण बनाया जा सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: ""मैं तुम्हें लाभ नहीं दूंगा।"" या ""मैंने कुछ भी नहीं किया होगा जो आपकी मदद करता है।"" (देखें: )"

देखें: आलंकारिक प्रश्न

## 1 कुरिन्थियों 14:6 (#8)

"उपदेश की बातें तुम से न कहूँ, तो मुझसे तुम्हें क्या लाभ होगा"

यदि आपकी भाषा में ऐसा प्रतीत होता है कि पौलुस यहाँ एक कथन दे रहे थे और फिर उसका खण्डन कर रहे थे, तो आप अपवाद खण्ड का उपयोग करने से बचने के लिए इसे पुनः लिख सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "क्या मैं केवल तभी तुम्हारा भला नहीं करूँगा जब मैं तुमसे बात करूँगा"

देखें: जोड़ें — अपवाद खण्ड

## 1 कुरिन्थियों 14:6 (#9)

"और प्रकाश, या ज्ञान, या भविष्यद्वाणी, या उपदेश की बातें"

यदि आपकी भाषा में प्रकाश, ज्ञान, भविष्यद्वाणी, या उपदेश की बातें के पीछे के विचारों के लिए भाववाचक संज्ञाओं का उपयोग नहीं होता है, तो आप इन विचारों को व्यक्त करने के लिए "प्रकट करना," "जानना," "भविष्यद्वाणी करना," और "सिखाना" जैसे क्रियाओं का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "या तो तुम्हें चीज़ें दिखाने के लिए या तुम्हें चीज़ें समझाने के लिए या तुम्हें भविष्यवाणी करने के लिए या तुम्हें आदेश देने के लिए"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

## 1 कुरिन्थियों 14:7 (#1)

"यदि निर्जीव वस्तुएँ भी, जिनसे ध्वनि निकलती है —जैसे बाँसुरी या बीन—यदि उनके स्वरों में भेद न हो"

यहाँ पौलुस पहले यह पहचानते हैं कि वह किस बारे में बात कर रहे हैं (निर्जीव वस्तुएँ भी, जिनसे ध्वनि निकलती है—जैसे बाँसुरी या बीन) और फिर अपने वाक्य में उनके का उपयोग करके उस वाक्यांश का संदर्भ देते हैं। यदि आपके पाठक इस संरचना से भ्रमित हों, तो आप वाक्य को पुनः संरचित कर सकते हैं और दूसरे तरीके से बता सकते हैं कि पौलुस किस बारे में बात कर रहे हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "यदि ध्वनि देने वाली निर्जीव वस्तुएँ भी—चाहे बाँसुरी हो या बीन—भिन्न धनियाँ न दें" या "उदाहरण के लिए ध्वनि देने वाली निर्जीव वस्तुएँ ले—चाहे बाँसुरी हो या बीन। यदि वे भिन्न धनियाँ न दें"

देखें: सूचना संरचना

## 1 कुरिन्थियों 14:7 (#2)

"निर्जीव वस्तुएँ"

यहाँ निर्जीव वस्तुएँ वे वस्तुएँ हैं जो कभी जीवित नहीं रही हैं। पौलुस विशेष रूप से उन वाद्य-यत्रों के बारे में सोच रहे हैं जिनका उपयोग मनुष्य ध्वनि उत्पन्न करने के लिए करते हैं। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप निर्जीव वस्तुएँ को एक शब्द या वाक्यांश के साथ व्यक्त कर सकते हैं जो सामान्यतः उन वस्तुओं को संदर्भित करता है जो कभी जीवित न रही हों। वैकल्पिक अनुवाद: "निर्जीव वस्तुएँ"

देखें: अज्ञातों का अनुवाद करें

## 1 कुरिन्थियों 14:7 (#3)

"ध्वनि निकलती—" - "उनके स्वरों में भेद न हो"

पौलुस की संस्कृति में, लोग इस बारे में बात करते थे कि कैसे कोई ध्वनि निकल सकता है। इसका मतलब है कि वह चीज ध्वनि उत्पन्न करती है या बनाती है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप ध्वनि निकलती या स्वरों में भेद न हो को एक तुलनीय मुहावरे या अभिव्यक्ति के साथ व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "ध्वनियाँ उत्पन्न करना ... वे अलग-अलग धनियाँ उत्पन्न नहीं करेंगे"

देखें: मुहावरा

## 1 कुरिन्थियों 14:7 (#4)

"यदि उनके स्वरों में भेद न हो"

यहाँ पौलुस एक सशर्त कथन दे रहे हैं जो कात्पनिक लगता है, लेकिन वह पहले से ही आश्वस्त है कि यह शर्त सत्य नहीं है। वह जानते हैं कि वास्तव में बाँसुरी और बीन के स्वरों में भेद है। अपनी भाषा में किसी ऐसी स्थिति को प्रस्तुत करने के लिए स्वाभाविक रूप का प्रयोग करें जिसके बारे में वक्ता का मानना है कि वह सत्य नहीं है। वैकल्पिक अनुवाद: "अगर वे वास्तव में अलग-अलग धनियाँ नहीं देते"

देखें: जोड़ें — तथ्य के विपरीत स्थितियाँ

## 1 कुरिन्थियों 14:7 (#1)

"उनके स्वरों में भेद न हो तो"

यह विभिन्न स्वरों को सम्बोधित करता है जो राग को बनाते हैं, बाँसुरी ध्वनि और वीणा ध्वनि के बीच के अंतर के लिए नहीं।

## 1 कुरिन्थियों 14:7 (#2)

”

”पौलुस चाहता है कि कुरिन्थियों के लोग इसका उत्तर स्वयं दें। वैकल्पिक अनुवाद: ””कोई भी नहीं जान पाएगा कि बाँसुरी या वीणा कौनसी धुन बजा रही है।”” (देख: )

देखें: आलंकारिक प्रश्न

## 1 कुरिन्थियों 14:7 (#7)

”बाँसुरी या बीन... तो जो फूँका या बजाया जाता है“

यदि आपकी भाषा में निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं होता है, तो आप इस विचार को सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य स्वाभाविक तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। पौलुस यहाँ गीत पर जोर देने के लिए निष्क्रिय रूप का उपयोग करते हैं, बजाय उस व्यक्ति के जो गीत बजाते हैं। यदि आपको यह बताना आवश्यक है कि क्रिया किसने की, तो आप एक अस्पष्ट या अनिश्चित विषय का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: ”जो कोई बाँसुरी बजाता है या जो कोई बीन बजाता है“

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

## 1 कुरिन्थियों 14:7 (#8)

”तो जो फूँका या बजाया जाता है, वह क्यों पहचाना जाएगा“

यदि आपकी भाषा में इस प्रकार से निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं होता है, तो आप इस विचार को सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य स्वाभाविक तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। यदि आपको यह बताना आवश्यक है कि क्रिया किसने की, तो आप एक अस्पष्ट या अनिश्चित विषय का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: ”कैसे कोई जान पाएगा कि बाँसुरी पर क्या धुन बजाई जा रही है या बीन पर क्या धुन बजाई जा रही है“

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

## 1 कुरिन्थियों 14:8 (#1)

”और यदि“

यहाँ, और यदि एक और उदाहरण को प्रस्तुत करता है जो पिछले पद में पौलुस द्वारा कही गई बात का समर्थन करता है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप और यदि को एक शब्द या वाक्यांश के साथ व्यक्त कर सकते हैं जो एक

और उदाहरण प्रस्तुत करता है। वैकल्पिक अनुवाद: ”फिर से,“

देखें: शब्दों और वाक्यांशों को जोड़ना

## 1 कुरिन्थियों 14:8 (#2)

”यदि तुरही का शब्द साफ न हो तो कौन लड़ाई के लिये तैयारी करेगा“

पौलुस की संस्कृति में, सैनिक लड़ाई से पहले या उसके दौरान आदेश या संकेत देने के लिए अक्सर तुरही का इस्तेमाल किया करते थे। ये संकेत किसी शत्रु के आने के विषय में, या कि सैनिकों को हमला करना चाहिए या पीछे हटना चाहिए, या किसी और बात के विषय में होते थे। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप स्पष्ट रूप से कह सकते हैं कि पौलुस तुरही के बारे में बात करने से लड़ाई के बारे में बात करने की ओर बढ़ते हैं क्योंकि तुरही का उपयोग युद्ध में किया जाता था। वैकल्पिक अनुवाद: ”यदि कोई सैनिक अन्य सैनिकों को संकेत देने के लिए तुरही बजाता है और उसमें अनिश्चित ध्वनि आती है, तो कौन युद्ध के लिए तैयार होगा“

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

## 1 कुरिन्थियों 14:8 (#3)

”यदि तुरही का शब्द साफ न हो“

यहाँ पौलुस एक सर्वार्थ कथन बना रहे हैं जो कात्पनिक लगता है, लेकिन वह पहले से ही आश्वस्त हैं कि शर्त सत्य नहीं है। वह जानते हैं कि एक तुरही वास्तव में एक निश्चित या स्पष्ट शब्द ”देती“ है। अपनी भाषा में किसी ऐसी स्थिति को प्रस्तुत करने के लिए स्वाभाविक रूप का प्रयोग करें जिसके बारे में वक्ता का मानना है कि वह सत्य नहीं है। वैकल्पिक अनुवाद: ”यदि एक तुरही वास्तव में एक अनिश्चित ध्वनि देती है“

देखें: जोड़ें — तथ्य के विपरीत स्थितियाँ

## 1 कुरिन्थियों 14:8 (#4)

”शब्द साफ न हो“

पौलुस की संस्कृति में, लोग इस बारे में बात करते थे कि कैसे कोई चीज़ शब्द उत्पन्न करती है। इसका मतलब है कि वह वस्तु शब्द उत्पन्न करती है या बनाती है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप शब्द साफ न हो को एक तुलनीय मुहावरे या अभिव्यक्ति के साथ व्यक्त कर सकते हैं।

देखें कि आपने इस मुहावरे का अनुवाद [14:7](#) में कैसे किया। वैकल्पिक अनुवाद: "एक अनिश्चित ध्वनि उत्पन्न करता है"

देखें: मुहावरा

## 1 कुरिन्थियों 14:8 (#5)

"शब्द साफ न हो"

यहाँ, **शब्द साफ न हो** का अर्थ उन स्वरों से है जो आसानी से पहचाने नहीं जाते या सुनने में कठिन होते हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप **शब्द साफ न हो** को ऐसे शब्द या वाक्यांश से व्यक्त कर सकते हैं जो खराब तरीके से बजाए गए या सुनने में कठिन स्वरों को संदर्भित करता हो। वैकल्पिक अनुवाद: "एक अस्पष्ट ध्वनि" या "एक अनिश्चित स्वर"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

## 1 कुरिन्थियों 14:8 (#1)

""

"पौलुस चाहता है कि कुरिन्थियों के लोग इसका उत्तर स्वयं दें। वैकल्पिक अनुवाद: ""कोई भी नहीं जानता कि युद्ध के लिए तैयार होने का समय कब होगा!"" (देखें: )"

देखें: आलंकारिक प्रश्न

## 1 कुरिन्थियों 14:9 (#1)

"ऐसे ही तुम भी यदि"

यहाँ पौलुस कुछ शब्दों को छोड़ देते हैं जिनकी ज़रूरत आपकी भाषा में एक पूर्ण विचार बनाने के लिए पड़ सकती है। कुरिन्थ के लोगों ने यह अनुमान लगाया होगा कि पौलुस का मतलब था कि वह ऐसे वाद्य-यंत्रों की तरह होंगे जो स्पष्ट ध्वनियाँ नहीं निकालते। यदि आपके पाठक उस जानकारी का अनुमान नहीं लगा सकते, और यदि आपकी भाषा में एक पूर्ण विचार बनाने के लिए अधिक शब्दों की आवश्यकता है, तो आप उन्हें जोड़ सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "तुम उन वाद्य-यंत्रों की तरह हो, जब तक"

देखें: पदलोप

## 1 कुरिन्थियों 14:9 (#2)

"ऐसे ही तुम भी यदि जीभ से साफ बातें न कहो"

यहाँ, **जीभ** का अर्थ हो सकता है: (1) मानव देह का वह हिस्सा जिसका उपयोग लोग शब्दों को बोलने के लिए करते हैं। इस मामले में, अपनी **जीभ साफ बातें कहो** को संशोधित करता है। वैकल्पिक अनुवाद: "उसी तरह तुम भी, जब तक तुम अपनी जीभ का उपयोग करके बुद्धिमान भाषण नहीं देते" (2) वह अन्य भाषा जिसे कुछ कुरिन्थवासियों के द्वारा बोला जा रहा था। इस मामले में, अपनी **जीभ** पहले लिखे तुम को संशोधित करता है। वैकल्पिक अनुवाद: "जब तुम अन्य भाषा में बोलते हो तब तुम उसी तरह ही व्यवहार भी करते हो। जब तक कि तुम समझदारीपूर्ण बातें न बोलो"

## 1 कुरिन्थियों 14:9 (#3)

"तुम... साफ बातें कहो"

यहाँ, **साफ बातों** का अर्थ है ऐसे शब्द बोलना जिन्हें अन्य लोग समझ सकें। यदि आपकी भाषा में **साफ बात** या **शब्दों** के लिए **कहो** शब्द का उपयोग नहीं किया गया है, तो आप एक तुलनीय अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "तुम समझदारी वाले शब्द बोलते हो" या "तुम समझ आने वाली भाषा में बात करते हो"

देखें: मुहावरा

## 1 कुरिन्थियों 14:9 (#4)

"साफ बातें"

यहाँ, **साफ बातें** उन शब्दों और वाक्यों को संदर्भित करता है जिन्हें अन्य लोग समझ सकते हैं। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप **साफ बातों** को एक तुलनीय अभिव्यक्ति के साथ व्यक्त कर सकते हैं जो समझ में आने वाली भाषा की पहचान करती है। वैकल्पिक अनुवाद: "समझने लायक बात" या "ऐसे शब्द जो अन्य लोग समझ सकते हैं"

देखें: अज्ञातों का अनुवाद करें

## 1 कुरिन्थियों 14:9 (#5)

"तो जो कुछ कहा जाता है वह कैसे समझा जाएगा"

पौलुस यह प्रश्न इसलिए नहीं पूछते क्योंकि वे जानकारी चाहते हैं। इसके बजाय, वह इसलिए कहते हैं कि वह जो तर्क कर रहे हैं उसमें कुरिन्थ के लोगों को भी शामिल कर सकें। प्रश्न में यह मान लिया गया है कि इसका उत्तर, "यह समझ में नहीं आएगा" है। यदि यह आपकी भाषा में उपयोगी हो तो आप इस प्रश्न के पीछे के विचार को प्रबल निषेध के साथ व्यक्त कर

सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जो बात कही जा रही है वह कभी समझ में नहीं आएगी।"

देखें: आलंकारिक प्रश्न

## 1 कुरिन्थियों 14:9 (#6)

"तो जो कुछ कहा जाता है वह कैसे समझा जाएगा"

यदि आपकी भाषा में इन तरीकों से निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं होता है, तो आप इस विचार को सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य स्वाभाविक तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। पौलुस यहाँ निष्क्रिय रूपों का उपयोग करते हैं ताकि यह न बताना पड़े कि कौन बोल रहा है और कौन समझ रहा है, जिससे उनका प्रश्न अधिक आम बन जाता है। यदि आपको यह बताना है कि कार्य किसने किया, तो पौलुस का तात्पर्य है कि "तुम" बोल रहे हो और कोई अन्य व्यक्ति समझ रहा है। वैकल्पिक अनुवाद: "कोई समझे कि तुम क्या बोल रहे हैं"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

## 1 कुरिन्थियों 14:9 (#7)

"हवा से बातें करनेवाले"

यहाँ, **हवा से बातें करनेवाले** यह कहने का एक तरीका है कि भाषण या शब्दों का कोई प्रभाव नहीं है। दूसरे शब्दों में, कोई व्यक्ति नहीं बल्कि केवल **हवा ही बातें सुनती है**। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप **हवा से बातें करना** को एक तुलनीय अभिव्यक्ति के साथ व्यक्त कर सकते हैं जो उन शब्दों का वर्णन करती है जिनका कोई प्रभाव या अर्थ नहीं है। वैकल्पिक अनुवाद: "सिर्फ़ खाली शब्द बोलना" या "जो नहीं है उससे बात करना"

देखें: मुहावरा

## 1 कुरिन्थियों 14:10 (#1)

"क्यों न हों"

यहाँ, **क्यों न हों** इंगित करता है कि पौलुस यह मान रहे हैं कि भाषाओं के कितने ही प्रकार हैं। वह इस पर बहस नहीं कर रहे हैं और इसे साबित करने में भी उनकी कोई दिलचस्पी नहीं है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप **क्यों न हों** को एक समान शब्द या वाक्यांश के साथ व्यक्त कर सकते हैं जो किसी ऐसी चीज़ को संदर्भित करता है जिसे सत्य माना जाता है। वैकल्पिक अनुवाद: "निश्चित रूप से" या "निश्चय ही"

देखें: अज्ञातों का अनुवाद करें

## 1 कुरिन्थियों 14:10 (#2)

"उनमें से कोई भी बिना अर्थ की न होगी"

यहाँ, **बिना अर्थ** का मतलब हो सकता है: (1) कैसे सभी भाषाएँ उन लोगों के बीच स्पष्ट रूप से "संवाद" करती हैं जो उन भाषाओं को जानते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और कोई भी कुछ नहीं संचार करता" (2) कैसे सभी भाषाएँ संवाद करने के लिए "धनि" या "आवाज़" का उपयोग करती हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "कोई भी शब्द के बिना नहीं है" या "वे सभी आवाज का उपयोग करते हैं"

## 1 कुरिन्थियों 14:10 (#1)

""

"इसे सकारात्मक के रूप में कहा जा सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: ""वे सभी के पास अर्थ है""

देखें: दोहरे नकारात्मक

## 1 कुरिन्थियों 14:11 (#1)

"इसलिए यदि मैं किसी भाषा का अर्थ न समझूँ, तो बोलनेवाले की दृष्टि में परदेशी ठहरूँगा; और बोलनेवाला मेरी दृष्टि में परदेशी ठहरेगा"

यहाँ पौलुस एक काल्पनिक स्थिति का उपयोग करके कुरिन्थ के लोगों को सिखा रहे हैं। वह चाहते हैं कि वे कल्पना करें कि वह किसी ऐसे व्यक्ति के साथ हैं जो एक ऐसी भाषा बोलता है जिसे वह नहीं जानते। इस स्थिति में, वह और दूसरा व्यक्ति एक-दूसरे के लिए "परदेशी" हैं। अपनी भाषा में एक काल्पनिक स्थिति प्रस्तुत करने के लिए एक स्वाभाविक तरीके का उपयोग करें। वैकल्पिक अनुवाद: "मानो कि मैं किसी विशेष भाषा का अर्थ नहीं जानता। इस स्थिति में, मैं उस भाषा को बोलने वाले हर व्यक्ति के लिए परदेशी हूँ और जो कोई भी उस भाषा को बोलता है, वह मेरे लिए परदेशी है"

देखें: काल्पनिक स्थितियाँ

## 1 कुरिन्थियों 14:11 (#2)

"इसलिए यदि"

यहाँ, **यदि** निम्नलिखित को प्रस्तुत कर सकता है: (1) पिछले पद से एक निष्कर्ष। दूसरे शब्दों में, यदि प्रत्येक भाषा अर्थ का संचार करती है ([14:10](#)), फिर जो व्यक्ति उस अर्थ को नहीं समझता, वह उस भाषा को बोलने वाले व्यक्ति के लिए

**परदेशी** है। वैकल्पिक अनुवाद: "इसलिए, यदि" (2) पिछले पद के साथ एक विरोधाभास। दूसरे शब्दों में, हालाँकि हर भाषा अर्थ बताती है (14:10), एक व्यक्ति जो उस भाषा को नहीं समझता है वह उस अर्थ को नहीं समझ सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: "लैकिन यदि"

देखें: शब्दों और वाक्यांशों को जोड़ना

## 1 कुरिन्थियों 14:11 (#3)

"इसलिए यदि मैं किसी भाषा का अर्थ न समझूँ"

यहाँ पौलुस सशर्त रूप का प्रयोग यह दिखाने के लिए करता है कि भाषा का अर्थ न जानने से वह उस भाषा बोलनेवाले की दृष्टि में परदेशी बन जाता है। यदि आपकी भाषा में सशर्त रूप इस प्रकार का कारण-प्रभाव सम्बन्ध नहीं दर्शाता है, तो आप यदि कथन को इस प्रकार व्यक्त कर सकते हैं जो सम्बन्ध को दर्शाता हो। वैकल्पिक अनुवाद: "फिर, जब भी मैं भाषा का अर्थ नहीं जान पाता" या "मान लो कि मुझे भाषा का अर्थ नहीं पता है। तब,"

देखें: जोड़ें — कात्पनिक स्थितियाँ

## 1 कुरिन्थियों 14:11 (#4)

"मैं... अर्थ न समझूँ" - "ठहरूँगा" - "मेरी"

यहाँ पौलुस प्रथम पुरुष का उपयोग करके स्वयं को एक उदाहरण के रूप में प्रस्तुत करते हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप प्रथम पुरुष को सामान्यतः तृतीय पुरुष के रूप में अनुवाद कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "कोई नहीं जानता ... वह ठहरेगा ... उसे"

देखें: प्रथम, द्वितीय या तृतीय पुरुष

## 1 कुरिन्थियों 14:11 (#5)

"भाषा का अर्थ"

यदि आपकी भाषा में अर्थ के पीछे के विचार के लिए कोई भाववाचक संज्ञा नहीं है, तो आप इस विचार को व्यक्त करने के लिए "बातचीत करता है" या "अर्थ रखता है" जैसे क्रिया का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "भाषा का क्या अर्थ है"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

## 1 कुरिन्थियों 14:11 (#6)

"परदेशी" - "परदेशी ठहरेगा"

यहाँ, परदेशी उस व्यक्ति को संदर्भित करता है जिसके साथ कोई संस्कृति और भाषा साझा नहीं करता है। यदि यह आपकी भाषा में उपयोगी हो, तो आप परदेशी शब्द को किसी ऐसे व्यक्ति के लिए तुलनीय शब्द से व्यक्त कर सकते हैं जिसकी भाषा और संस्कृति भिन्न हो। वैकल्पिक अनुवाद: "एक बाहरी व्यक्ति ... एक बाहरी व्यक्ति ही रहेगा"

देखें: अज्ञातों का अनुवाद करें

## 1 कुरिन्थियों 14:11 (#7)

"बोलनेवाले" - "बोलनेवाला"

यहाँ पौलुस कुछ शब्दों को छोड़ देते हैं जो आपकी भाषा में एक पूर्ण विचार बनाने के लिए आवश्यक हो सकते हैं। पौलुस इन शब्दों को छोड़ देते हैं क्योंकि उन्होंने पहले वाक्यांश में उन्हें स्पष्ट रूप से कहा है (भाषा)। यदि आपकी भाषा को इन शब्दों की आवश्यकता है, तो आप उन्हें उस वाक्यांश से ले सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "भाषा बोलने वाले से ... भाषा बोलने वाले को"

देखें: पदलोप

## 1 कुरिन्थियों 14:12 (#1)

"इसलिए तुम भी"

यहाँ, इसलिए तुम भी उस निष्कर्ष को प्रस्तुत करता है जिस को पौलुस 14:1-11 में कहीं गई बातों से निकालना चाहते हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप इसलिए तुम भी के कार्य को एक तुलनीय वाक्यांश के साथ व्यक्त कर सकते हैं जो एक निष्कर्ष या अनुमान प्रस्तुत करता है। वैकल्पिक अनुवाद: "इन सब बातों के अनुरूप" या "मैंने जो कहा है उसके अनुसार"

देखें: जोड़ें — कारण-और-परिणाम सम्बन्ध

## 1 कुरिन्थियों 14:12 (#2)

"इसलिए तुम भी"

यहाँ पौलुस कुछ शब्दों को छोड़ देते हैं जो आपकी भाषा में एक पूर्ण विचार बनाने के लिए आवश्यक हो सकते हैं। यदि आपकी भाषा को इन शब्दों की आवश्यकता है, तो आप एक वाक्यांश जोड़ सकते हैं जैसे "इस प्रकार कार्य करना चाहिए।"

वैकल्पिक अनुवाद: "इसी प्रकार तुम्हें भी निम्नलिखित तरीके से व्यवहार करना चाहिएः"

देखें: पदलोप

## 1 कुरिन्थियों 14:12 (#3)

"तुम... धून में हो... तुम्हारे वरदानों की उन्नति से"

यहाँ, तुम्हारे वरदानों की उन्नति का अर्थ है किसी चीज़ की अधिकता की इच्छा करना। यदि यह आपकी भाषा में उपयोगी हो, तो आप इस रचना को एक तुलनीय वाक्यांश के साथ व्यक्त कर सकते हैं जो अधिक पाने या अधिक करने की इच्छा को इंगित करता है। वैकल्पिक अनुवाद: "उनसे भरपूर होने की इच्छा" या "उनमें से अधिक पाने का प्रयास"

देखें: मुहावरा

## 1 कुरिन्थियों 14:12 (#4)

"कलीसिया की उन्नति हो"

यहाँ पौलुस उन्नति के बारे में बात करने के लिए स्वामित्व रूप का उपयोग करते हैं जो कलीसिया को प्रभावित करता है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप इस रूप के पीछे के विचार को उन्नति को एक क्रिया के रूप में और कलीसिया को उसके उद्देश्य के रूप में अनुवाद करके व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "ताकि तुम कलीसिया का निर्माण कर सको"

देखें: स्वामित्व

## 1 कुरिन्थियों 14:12 (#2)

""

"पौलुस कलीसिया के बारे में बोलता है जैसे कि यह एक ऐसा घर था जिसका निर्माण किया जा सकता था और कलीसिया बनाने का काम जैसे कोई फसल काट सकता था। वैकल्पिक अनुवाद: ""परमेश्वर के लोगों को परमेश्वर की सेवा करने में आँधक सक्षम बनाने में सफल होने के लिए""

देखें: रूपक

## 1 कुरिन्थियों 14:13 (#1)

"इस कारण जो अन्य भाषा बोले, तो वह प्रार्थना करें"

यहाँ पौलुस तृतीय-पुरुष अनिवार्यताओं का उपयोग करते हैं। यदि आपकी भाषा में तृतीय-पुरुष अनिवार्यताएँ होती हैं, तो

आप यहाँ एक का उपयोग कर सकते हैं। यदि आपके पास तृतीय-पुरुष अनिवार्यताएँ नहीं हैं, तो आप इस विचार को "चाहिए" या "आवश्यक है" जैसे शब्द का उपयोग करके व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जो अन्य भाषा में बोलता है, उसे प्रार्थना करनी चाहिए"

देखें: तृतीय-पुरुष अनिवार्यताएँ

## 1 कुरिन्थियों 14:13 (#1)

"उसका अनुवाद भी कर सके"

इसका मतलब है कि उस भाषा में दूसरों को बताना जो उस भाषा को नहीं समझते हैं। देखें कि इसका अनुवाद कैसे किया जाता है [1 कुरिन्थियों 2:13] (../ 02 / 13.md)।

## 1 कुरिन्थियों 14:13 (#3)

"कि उसका अनुवाद भी कर सके"

यहाँ पौलुस यह छोड़ देते हैं कि व्यक्ति क्या अनुवाद करने जा रहा है क्योंकि उन्होंने इसे पहले ही पिछले वाक्यांश में बताया है (अन्य भाषा)। यदि आपको यह निर्दिष्ट करने की आवश्यकता है कि व्यक्ति क्या अनुवाद करेगा, तो आप यहाँ भाषा का संदर्भ शामिल कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "वह इसकी व्याख्या कर सकता है" या "वह जो उसने अन्य भाषा में कहा है उसकी व्याख्या कर सकता है"

देखें: पदलोप

## 1 कुरिन्थियों 14:13 (#4)

"वह... अनुवाद भी कर सके"

हालाँकि वह पुलिंग है, फिर भी पौलुस इसका प्रयोग किसी भी व्यक्ति के लिए कर रहे हैं, चाहे वह पुरुष हो या स्त्री। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप वह को एक गैर-लिंग शब्द के साथ व्यक्त कर सकते हैं या दोनों लिंगों का उल्लेख कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "वह अनुवाद कर सकता है"

देखें: जब पुलिंग शब्दों में स्त्रियाँ भी सम्मिलित होती हैं

## 1 कुरिन्थियों 14:14 (#1)

"यदि मैं अन्य भाषा में प्रार्थना करूँ, तो मेरी आत्मा"

यहाँ पौलुस सशर्त रूप का उपयोग यह दिखाने के लिए करते हैं कि अन्य भाषा में प्रार्थना करने द्वारा आत्मा प्रार्थना करती है, लेकिन बुद्धि काम नहीं देती है। यदि सशर्त रूप आपकी भाषा में इस तरह से कारण-और-प्रभाव सम्बन्ध को इंगित नहीं करता है, तो आप यदि कथन को इस तरह से व्यक्त कर सकते हैं जो सम्बन्ध को दर्शाता है। वैकल्पिक अनुवाद: "जब भी मैं अन्य भाषा में प्रार्थना करता हूँ, मेरी आत्मा" या "मान लो कि मैं अन्य भाषा में प्रार्थना करता हूँ। तब, मेरी आत्मा"

देखें: जोड़ें — काल्पनिक स्थितियाँ

## 1 कुरिन्थियों 14:14 (#2)

"मैं... प्रार्थना करूँगा" - "मेरी" - "मेरी"

यहाँ पौलुस प्रथम पुरुष का उपयोग करके स्वयं को एक उदाहरण के रूप में प्रस्तुत करते हैं। यदि यह आपकी भाषा में उपयोगी होगा, तो आप प्रथम पुरुष का अनुवाद सामान्य तृतीय पुरुष के रूप में कर सकते हैं, या स्पष्ट रूप से बता सकते हैं कि पौलुस एक उदाहरण हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "कोई प्रार्थना करेगा ... उनके ... उनके"

देखें: प्रथम, द्वितीय या तृतीय पुरुष

## 1 कुरिन्थियों 14:14 (#3)

"मेरी आत्मा प्रार्थना करती है"

यहाँ, आत्मा का अर्थ हो सकता है: (1) व्यक्ति का आंतरिक भाग, वह भाग जो मन के विपरीत है, लेकिन जो किसी भी तरह से श्रेष्ठ या परमेश्वर के करीब नहीं है। वैकल्पिक अनुवाद: "मेरी आंतरिक अस्तित्व प्रार्थना करता है" या "मेरा हृदय प्रार्थना करता है" (2) पवित्र आत्मा व्यक्ति की आत्मा को निर्देशित कर रहा है। वैकल्पिक अनुवाद: "पवित्र आत्मा मेरी आत्मा के साथ प्रार्थना करता है" या "पवित्र आत्मा मेरे आंतरिक आत्मिक अस्तित्व को प्रार्थना में निर्देशित करता है"

## 1 कुरिन्थियों 14:14 (#1)

"परन्तु मेरी बुद्धि काम नहीं देती"

"मन को समझ में नहीं आता कि क्या प्रार्थना की जा रही है और इसलिए, प्रार्थना से कोई लाभ नहीं प्राप्त होता है इसे ऐसे कहा गया है जैसे कि ""मन लाभहीन है।"" वैकल्पिक अनुवाद: ""मैं इसे अपने मन में नहीं समझता"" या ""मेरा मन प्रार्थना से लाभ नहीं उठाता है, क्योंकि मैं उन शब्दों को समझ नहीं पा रहा हूँ जो मैं कह रहा हूँ""

देखें: रूपक

## 1 कुरिन्थियों 14:15 (#1)

"क्या करना चाहिए?" - "प्रार्थना करूँगा"

"पौलुस अपना निष्कर्ष दर्शा रहा है। वैकल्पिक अनुवाद: ""मैं ऐसा करूँगा।""

देखें: आलंकारिक प्रश्न

## 1 कुरिन्थियों 14:15 (#2)

"मैं आत्मा से भी प्रार्थना करूँगा, और बुद्धि से भी प्रार्थना करूँगा" - "मैं आत्मा से गाऊँगा, और बुद्धि से भी गाऊँगा"

यहाँ पर 14:14 के समान ही, पौलुस प्रथम पुरुष का उपयोग करके स्वयं को एक उदाहरण के रूप में प्रस्तुत करते हैं। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप प्रथम पुरुष को एक सामान्य तृतीय पुरुष के रूप में अनुवाद कर सकते हैं, या स्पष्ट रूप से कह सकते हैं कि पौलुस एक उदाहरण हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "लोगों को अपनी आत्मा से प्रार्थना करनी चाहिए, और उन्हें अपने मन से भी प्रार्थना करनी चाहिए। लोगों को अपनी आत्मा से गाना चाहिए, और उन्हें अपने मन से भी गाना चाहिए"

देखें: प्रथम, द्वितीय या तृतीय पुरुष

## 1 कुरिन्थियों 14:15 (#3)

"मैं आत्मा से भी प्रार्थना करूँगा" - "मैं आत्मा से गाऊँगा"

यहाँ, आत्मा से भी कार्य करूँगा के लिये नीचे दी गई संभावनाएँ हैं: (1) आत्मा से भी कार्य करने के साथ-साथ। दूसरे शब्दों में, पौलुस कह रहे हैं कि जब वह "प्रार्थना" करते हैं या "गीत" गाते हैं, तो वह अपनी आत्मा और बुद्धि दोनों का उपयोग एक साथ करेंगे। वैकल्पिक अनुवाद: "और मैं अपने बुद्धि का उपयोग भी करूँगा ... और मैं अपने बुद्धि का उपयोग भी करूँगा" (2) एक अलग समय पर अपनी आत्मा से कार्य करूँगा। दूसरे शब्दों में, पौलुस कह रहे हैं कि वह कभी-कभी अपनी आत्मा का और कभी-कभी अपनी बुद्धि का उपयोग करते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "लेकिन अन्य समय में मैं अपने बुद्धि से प्रार्थना करूँगा ... लेकिन अन्य समय में मैं अपने बुद्धि से गाऊँगा"

देखें: जोड़े — समकालिक समय सम्बन्ध

## 1 कुरिन्थियों 14:15 (#2)

""

प्रार्थना और गीत एक ऐसी भाषा में होना चाहिए जो उपस्थित लोग समझ सकें।

## 1 कुरिन्थियों 14:16 (#1)

"यदि तू आत्मा ही से धन्यवाद करेगा, तो फिर... क्यों"

यहाँ पौलुस सशर्त रूप का उपयोग यह दिखाने के लिए करते हैं कि आत्मा ही से धन्यवाद देने से वह व्यक्ति जो अज्ञानी है, "आमीन" कहने में असमर्थ हो जाता है। यदि आपकी भाषा में सशर्त रूप इस प्रकार का कारण-प्रभाव सम्बन्ध नहीं दर्शाता है, तो आप यदि कथन को इस तरह से व्यक्त कर सकते हैं जो सम्बन्ध दिखाता हो। वैकल्पिक अनुवाद: "जब भी तुम आत्मा के साथ धन्यवाद देते हो, तो कैसे" या "मान लो कि तुम आत्मा के साथ धन्यवाद देते हो। फिर, कैसे"

देखें: जोड़ें — कात्पनिक स्थितियाँ

## 1 कुरिन्थियों 14:16 (#1)

"कहता है"

"यद्यपि ""तुम"" यहाँ एकवचन है, फिर भी पौलुस उन सभी को संबोधित कर रहा है जो केवल आत्मा में प्रार्थना करते हैं, लेकिन मन से नहीं।

देखें: 'आप' के रूप

## 1 कुरिन्थियों 14:16 (#3)

"तू आत्मा ही से धन्यवाद करेगा"

यहाँ पौलुस ऐसे व्यक्ति के बारे में बात कर रहा है जो "अन्य भाषा" बोलने के लिए "बुद्धि" का नहीं बल्कि केवल आत्मा का प्रयोग कर रहा है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप स्पष्ट रूप से कह सकते हैं कि पौलुस इसी के बारे में बात कर रहे हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "तुम केवल आत्मा से ही अन्य भाषा में धन्यवाद देते हो"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

## 1 कुरिन्थियों 14:16 (#4)

"आत्मा ही से"

[4:14-15](#) के समान ही, आत्मा निम्न को संदर्भित कर सकता है: (1) व्यक्ति का आंतरिक भाग, वह भाग जो बुद्धि के विपरीत है, लेकिन जो किसी भी तरह से श्रेष्ठ या परमेश्वर के करीब नहीं है। वैकल्पिक अनुवाद: "अपने आंतरिक आत्मिक मनुष्यत्व के साथ" या "अपने हृदय के साथ" (2) पवित्र आत्मा किसी व्यक्ति की आत्मा को निर्देशित कर रहे हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "पवित्र आत्मा की सामर्थ्य द्वारा" या "जैसे पवित्र आत्मा तुम्हारे आंतरिक आत्मिक मनुष्यत्व को निर्देशित कर रहे हैं"

## 1 कुरिन्थियों 14:16 (#2)

""

"इसे एक विवरण बनाया जा सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: ""बाहरी व्यक्ति कभी भी 'आमिन' कहने में सक्षम नहीं होगा ... कहते हुए"" (देखें: )"

देखें: आलंकारिक प्रश्न

## 1 कुरिन्थियों 14:16 (#6)

"तो फिर अज्ञानी तेरे धन्यवाद पर आमीन क्यों कहेगा"

यहाँ पौलुस ऐसे बोलते हैं जैसे अज्ञानी के लिए कोई एक स्थान हो जिसे वे "भरेंगे।" वह इस तरह से बोलते हैं कि वह उस व्यक्ति के स्थान के आधार पर जिसको वह भरेगा, उसका चरित्र चित्रण कर सकें। दूसरे शब्दों में, अज्ञानी के स्थान को भरने वाला व्यक्ति, अज्ञानी के रूप में वर्णित होता है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इस वाक्यांश को एक तुलनीय रूपक के साथ व्यक्त कर सकते हैं या विचार को स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जिसके पास वरदान नहीं हैं" या "वरदानहीन व्यक्ति"

देखें: रूपक

## 1 कुरिन्थियों 14:16 (#7)

"कहेगा"

पौलुस ऐसे लोगों की बात कर रहे हैं जो सामान्य रूप से अज्ञानी लोगों के स्थान पर "कहेंगे," किसी एक विशेष व्यक्ति के बारे में नहीं। यदि यह आपकी भाषा में उपयोगी हो, तो आप इस रूप को ऐसे रूप में व्यक्त कर सकते हैं जो सामान्य रूप से लोगों को संदर्भित करता हो। वैकल्पिक अनुवाद: "कोई भी व्यक्ति जो स्थान भरता है"

देखें: सामान्य संज्ञा वाक्यांश

**1 कुरिन्थियों 14:16 (#3)****"तो फिर अज्ञानी"****"संभावित अर्थ 1) ""एक और व्यक्ति"" या 2) ""लोग जो आपके समूह में नए हैं।""****1 कुरिन्थियों 14:16 (#4)****"सहमत होने में सक्षम हो****देखें: संकेतन****1 कुरिन्थियों 14:16 (#10)****"धन्यवाद पर"**

यहाँ, **धन्यवाद** उस बात की ओर इशारा करता है जो वह व्यक्ति कह रहा था जब वह **आत्मा ही** से "धन्यवाद" दे रहा था। पौलुस ने यहाँ एक अलग शब्द का उपयोग किया है, लेकिन मूलतः उनका मतलब एक ही है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप इस वाक्यांश का अनुवाद करके **धन्यवाद** को व्यक्त कर सकते हैं ताकि यह स्पष्ट रूप से **आत्मा ही** से **धन्यवाद** करेगा की ओर इशारा करे।

**देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी****1 कुरिन्थियों 14:16 (#11)****"तेरे धन्यवाद पर"**

यदि आपकी भाषा में **धन्यवाद** के पीछे के विचार के लिए कोई भाववाचक संज्ञा नहीं है, तो आप इस विचार को व्यक्त करने के लिए "धन्यवाद" जैसी क्रिया का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "तुमने परमेश्वर को कैसे धन्यवाद दिया" या "तुमने परमेश्वर को धन्यवाद किसके लिए किया"

**देखें: भाववाचक संज्ञाएँ****1 कुरिन्थियों 14:16 (#12)****"वह तो नहीं जानता"****हालाँकि वह पुलिंग है, फिर भी पौलुस इसका प्रयोग किसी भी व्यक्ति के लिए कर रहे हैं, चाहे वह पुरुष हो या स्त्री। यदि**

यह आपकी भाषा में उपयोगी हो, तो आप वह को किसी लिंग भेद रहित शब्द से व्यक्त कर सकते हैं, या दोनों लिंगों को संदर्भित कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "वह नहीं जानता/जानती"

**देखें: जब पुलिंग शब्दों में स्त्रियाँ भी सम्मिलित होती हैं****1 कुरिन्थियों 14:17 (#1)**

पौलुस कुरिन्थियों से बात कर रहा है जैसे कि वे एक व्यक्ति थे, इसलिए यहाँ ""तुम"" शब्द एकवचन है।

**देखें: 'आप' के रूप****1 कुरिन्थियों 14:17 (#2)****"दूसरे की"**

पौलुस सामान्य रूप से **दूसरे** लोगों के बारे में बात कर रहे हैं, किसी एक विशेष व्यक्ति के बारे में नहीं। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप इस रूप को ऐसे रूप में व्यक्त कर सकते हैं जो सामान्य रूप से लोगों को संदर्भित करता है। वैकल्पिक अनुवाद: "कोई अन्य व्यक्ति"

**देखें: सामान्य संज्ञा वाक्यांश****1 कुरिन्थियों 14:17 (#2)**

लोगों को बलवान बनाना उनके विश्वास में परिपक्ष और बलवान बनाने में उनकी सहायता करने को दर्शाता है। इसे सक्रिय रूप में कहा जा सकता है। देखें कि आपने [1 कुरिन्थियों 8:1](#) में ""बलवान बनाना"" का अनुवाद कैसे किया है। वैकल्पिक अनुवाद: ""अन्य व्यक्ति समर्थ नहीं हुआ है"" या ""जो भी तुम कहते हो वह किसी बाहरी व्यक्ति को समर्थ नहीं करता है जो तुम्हे सुन सकता है""

**देखें: रूपक****1 कुरिन्थियों 14:17 (#4)****"दूसरे की उन्नति नहीं होती"**

यदि आपकी भाषा में निष्क्रिय रूप का उपयोग स्वाभाविक नहीं है, तो आप इस विचार को सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं जो स्वाभाविक हो। पौलुस यहाँ निष्क्रिय रूप का उपयोग करते हैं ताकि उस

व्यक्ति पर जोर दिया जा सके जिसकी उन्नति नहीं होती, बजाय इसके कि उस व्यक्ति पर जोर दिया जाए जो उन्नति नहीं कर रहा है। यदि यह बताना आवश्यक है कि यह कार्य किसने किया है, तो पौलुस यह संकेत देते हैं कि "तू" ने किया है। वैकल्पिक अनुवाद: "तू दूसरे व्यक्ति की उन्नति नहीं कर रहा है"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

## 1 कुरिन्थियों 14:18 (#1)

### "तुम सबसे"

यहाँ पौलुस कुछ शब्दों को छोड़ देते हैं जो आपकी भाषा में एक पूर्ण विचार बनाने के लिए आवश्यक हो सकते हैं। पौलुस इन शब्दों को छोड़ देते हैं क्योंकि उन्होंने उन्हें पिछले वाक्याश में स्पष्ट रूप से कहा है (अन्य भाषा में बोलता)। यदि आपकी भाषा को इन शब्दों की आवश्यकता है, तो आप उन्हें उस वाक्यांश से ले सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "तुम सब अन्य भाषा में बोलते हो"

देखें: पदलोप

## 1 कुरिन्थियों 14:19 (#1)

### "कलीसिया में"

यहाँ, **कलीसिया में** एक स्थानिक रूपक है जो **कलीसिया** को इस प्रकार प्रस्तुत करता है जैसे वह एक स्थान हो जहाँ लोग इकट्ठे हो सकते हैं। पौलुस इस तरह से बोलते हैं ताकि वह उस स्थिति को इंगित कर सकें जिसकी वह चर्चा कर रहे हैं: विश्वासियों का एक समूह जो परमेश्वर की आराधना के लिए मिलता है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप **कलीसिया में** को इस प्रकार स्पष्ट कर सकते हैं कि **कलीसिया** का तात्पर्य आराधना के लिए विश्वासियों के एकत्र होने को संदर्भित करता है। वैकल्पिक अनुवाद: "विश्वासियों की सभा में" या "आराधना की सेवा के दौरान"

देखें: रूपक

## 1 कुरिन्थियों 14:19 (#2)

### "पाँच"

यहाँ पौलुस **पाँच** शब्दों का उल्लेख उन कुछ शब्दों को इंगित करते हैं, जो कि उन **हजार बातों** के विपरीत हैं जिनका उल्लेख वह इस पद में बाद में करेंगे। संख्या **पाँच** का कोई विशेष महत्व नहीं है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप यह व्यक्त कर सकते हैं और सोच सकते हैं कि

**पाँच** एक विशेष संख्या है, जो एक ऐसी संख्या के साथ है जिसे विशेष नहीं माना जाएगा या यह संकेत दे सकते हैं कि पौलुस के मन में "थोड़े" शब्द ही हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "चार" या "केवल कुछ"

देखें: संख्याएँ

## 1 कुरिन्थियों 14:19 (#3)

### "अन्य भाषा में दस हजार बातें कहने से... कि औरों के सिखाने के लिये"

अगर आपकी भाषा में उद्देश्य से पहले तुलना का बाकी हिस्सा स्वाभाविक रूप से बताया गया है, तो आप इन खण्डों को फिर से व्यक्तिगत कर सकते हैं। जब आप उद्देश्य को व्यक्त करते हैं तो आपको एक नया वाक्य शुरू करने की आवश्यकता हो सकती है। वैकल्पिक अनुवाद: "अन्य भाषा में दस हजार बातों से। इस प्रकार, मैं दूसरों को भी सिखा सकूँ"

देखें: सूचना संरचना

## 1 कुरिन्थियों 14:19 (#1)

पौलुस शब्दों की गिनती नहीं कर रहा था, लेकिन इस बात पर जोर देने के लिए अतिशयोक्ति का इस्तेमाल किया कि भाषा में कुछ समझने योग्य शब्द बड़ी संख्या में शब्दों की तुलना में जिन्हें लोग समझ नहीं सकते हैं कहीं अधिक मूल्यवान हैं। वैकल्पिक अनुवाद: ""10,000 शब्द"" या ""बहुत सारे शब्द""

देखें: संख्या

## 1 कुरिन्थियों 14:20 (#1)

General Information:\n\nपौलुस उनसे कहता है कि विभिन्न भाषाओं में बोलना समय से पहले भविष्यवक्ता यशायाह द्वारा अन्य भाषाओं में बोलने से कई साल पहले मसीह की कलीसिया की शुरूआत में बताया गया था

## 1 कुरिन्थियों 14:20 (#2)

यहाँ ""बच्चे"" आस्तिकता में अपरिपक्ष होने का एक रूपक है। वैकल्पिक अनुवाद: ""बच्चों की तरह मत सोचो""

देखें: रूपक

### 1 कुरिन्थियों 14:20 (#3)

"फिर भी बुराई में तो बालक रहो, परन्तु समझ में सयाने बनो"

यदि आपकी भाषा स्वाभाविक रूप से तुलना से पहले विरोधाभास को व्यक्त करती है, तो आप सयाने बनो वाक्यांश को बालक रहो वाक्यांश से पहले रख सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "बल्कि, समझ में सयाने बनो, और केवल बुराई में बालक रहो"

देखें: सूचना संरचना

### 1 कुरिन्थियों 14:20 (#4)

"बुराई में"

वैकल्पिक अनुवाद: "बुराई के विषय में"

### 1 कुरिन्थियों 14:21 (#1)

इसे सक्रिय रूप में कहा जा सकता है: वैकल्पिक अनुवाद: ""भविष्यवक्ता ने इन शब्दों को व्यवस्था में लिखा:""

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

### 1 कुरिन्थियों 14:21 (#2)

"व्यवस्था में लिखा है"

पौलुस की संस्कृति में, शब्द **लिखा है** किसी महत्वपूर्ण पाठ से उद्धरण प्रस्तुत करने का एक सामान्य तरीका है। इस मामले में, यह पुराने नियम की पुस्तक "यशायाह" से है (देखें: [यशा 28:11-12](#))। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो सकता है, तो आप एक तुलनीय वाक्यांश का उपयोग कर सकते हैं जो यह संकेत देता है कि पौलुस एक महत्वपूर्ण पाठ से उद्धरण दे रहे हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "इसे व्यवस्था में पढ़ा जा सकता है" या "व्यवस्था में, यशायाह की पुस्तक कहती है"

देखें: उद्धरण और उद्धरण सीमा

### 1 कुरिन्थियों 14:21 (#3)

"व्यवस्था में"

यहाँ, **व्यवस्था** का तात्पर्य इस्लाएल के सभी पवित्रशास्त्रों को संदर्भित करता है जिन्हें हम पुराना नियम कहते हैं। यह केवल पहली पाँच पुस्तकों या उन पुस्तकों को संदर्भित नहीं करता जिनमें "व्यवस्थाएँ" हैं। यदि यह आपकी भाषा में उपयोगी हो, तो आप **व्यवस्था** को ऐसे शब्द से व्यक्त कर सकते हैं जो पुराने नियम को अधिक स्पष्ट रूप से संदर्भित करता हो। वैकल्पिक अनुवाद: "पवित्रशास्त्र में" या "इस्लालियों की पवित्र पुस्तक में"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

### 1 कुरिन्थियों 14:21 (#4)

""लिखा है,"

यदि आप अपनी भाषा में इस रूप का प्रयोग नहीं करते हैं, तो आप इन कथनों को प्रत्यक्ष उद्धरण के बजाय अप्रत्यक्ष उद्धरण के रूप में अनुवाद कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "यह लिखा है कि परमेश्वर अन्य भाषा के बोलनेवालों और पराए मुख के द्वारा इन लोगों से बातें करेंगे, परन्तु वे इस रीति से भी उनकी न सुनेंगे। यहोवा यों कहते हैं"

देखें: प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष उद्धरण

### 1 कुरिन्थियों 14:21 (#2)

इन दो वाक्यांशों का मूल रूप से एक अर्थ है और जोर देने के लिए एक साथ उपयोग किया जाता है।

देखें: समांतरता

### 1 कुरिन्थियों 14:21 (#6)

"अन्य भाषा बोलनेवालों"

यहाँ, **अन्य भाषा** उन शब्दों को संदर्भित करती है जो लोग अपनी **अन्य भाषा** से बोलते हैं। यह मुख्य रूप से विदेशी भाषाओं को संदर्भित करता है, न कि मुख्य रूप से मसीही आराधना में बोली जाने वाली अन्य भाषाओं को। यदि यह आपकी भाषा में उपयोगी हो, तो आप **अन्य भाषा** को ऐसे शब्द या वाक्यांश से व्यक्त कर सकते हैं जो विदेशी भाषाओं को संदर्भित करता हो। वैकल्पिक अनुवाद: "अन्य भाषाओं के लोगों द्वारा" या "जो लोग विभिन्न भाषाएँ बोलते हैं"

देखें: लक्षणालंकार

**1 कुरिन्थियों 14:21 (#7)****"पराए मुख के द्वारा"**

यहाँ, मुख उन शब्दों को संदर्भित करता है जो लोग अपने मुख से बोलते हैं। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप मुख को एक शब्द या वाक्यांश के साथ व्यक्त कर सकते हैं जो लोगों के कहे को संदर्भित करता है। वैकल्पिक अनुवाद: "पराए लोगों के शब्द" या "पराए लोगों की वाणी"

देखें: लक्षणालंकार

**1 कुरिन्थियों 14:21 (#8)****"इन लोगों से"**

कुरिन्थ के लोगों ने समझा होगा कि यहाँ यह शब्द इन लोगों इसाएल के लोगों को संदर्भित करते हैं। यदि आपके पाठक इस निष्कर्ष पर नहीं पहुँचते हैं, तो आप इसे स्पष्ट रूप से संकेत कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "इसाएल के लोगों के लिए"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

**1 कुरिन्थियों 14:21 (#9)****"मैं... इन लोगों से बात करूँगा"**

यहाँ पौलस प्रभु कहता है शब्दों को शामिल करते हैं ताकि यह संकेत मिल सके कि जिन शब्दों का उद्धरण दिया गया है, उन्हें किसने कहा था। यदि आपकी भाषा से यह पता चल जाए कि उद्धरण के पहले या बीच में कौन बोल रहा है, तो आप प्रभु कहता है को एक अधिक स्वाभाविक स्थान पर ले जा सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मैं इन लोगों से बात करूँगा," प्रभु कहते हैं, लेकिन इस तरह से भी वे मेरी बात नहीं सुनेंगे।"

देखें: सूचना संरचना

**1 कुरिन्थियों 14:22 (#1)**

Connecting Statement:\n\nपौलस कलीसिया में वरदानों का उपयोग करने के क्रम में विशिष्ट निर्देश देता है।

**1 कुरिन्थियों 14:22 (#2)**

"विश्वासियों के लिये नहीं, परन्तु अविश्वासियों के लिये चिन्ह है" - "अविश्वासियों के लिये नहीं परन्तु विश्वासियों के लिये चिन्ह है"

संयोजक वक्तव्य: यदि आपकी भाषा स्वाभाविक रूप से उन लोगों को जिनके लिये संकेत हैं, उनसे पहले रखेगी जिनके लिये वह नहीं हैं, तो आप खण्डों को पुनः व्यवस्थित कर सकते हैं ताकि नहीं खण्ड दूसरे स्थान पर हो। वैकल्पिक अनुवाद: "यह चिन्ह अविश्वासियों के लिये है, न कि उन लोगों के लिए है जो विश्वास करते हैं, ... विश्वासियों के लिये, अविश्वासियों के लिये नहीं"

देखें: सूचना संरचना

**1 कुरिन्थियों 14:22 (#2)**

इसे सकारात्मक रूप से व्यक्त किया जा सकता है और अन्य सकारात्मक विवरण के साथ जोड़ा जा सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: ""केवल विश्वासियों के लिए""

देखें: दोहरे नकारात्मक

**1 कुरिन्थियों 14:22 (#4)****"भविष्यद्वाणी... के लिये नहीं"**

यदि पौलस यहाँ "के लिये चिन्ह है" का अर्थ देते हैं, तो "चिन्ह" का अर्थ वही हो सकता है जो पद में पहले था, लेकिन अधिक संभावना है कि इसका अर्थ कुछ और हो सकता हो। "चिन्ह" का अर्थ हो सकता है: (1) एक सकारात्मक संकेत जो लोगों को कुछ समझाता है या प्रभावित करता है। वैकल्पिक अनुवाद: "भविष्यद्वाणी प्रभावशाली है, नहीं" या "भविष्यद्वाणी समझाती है, नहीं" (2) परमेश्वर के न्याय या क्रोध का एक नकारात्मक संकेत। वैकल्पिक अनुवाद: "भविष्यद्वाणी परमेश्वर के न्याय का संकेत है, नहीं"

**1 कुरिन्थियों 14:22 (#5)****"भविष्यद्वाणी"**

यदि आपकी भाषा में भविष्यद्वाणी के पीछे के विचार के लिए कोई भाववाचक संज्ञा नहीं होती है, तो आप "भविष्यद्वाणी करना" जैसी क्रिया का उपयोग करके विचार व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "लोग क्या भविष्यद्वाणी करते हैं"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

## 1 कुरिन्थियों 14:23 (#1)

"यदि कलीसिया एक जगह इकट्ठी हो, और सब के सब अन्य भाषा बोलें, और बाहरवाले या अविश्वासी लोग भीतर आ जाएँ तो क्या वे तुम्हें पागल न कहेंगे"

यहाँ पौलुस एक काल्पनिक स्थिति का उपयोग करके कुरिन्थ के लोगों को सिखा रहे हैं। वह चाहते हैं कि वे कल्पना करें कि कलीसिया एक जगह इकट्ठी है, और सब के सब अन्य भाषा में बोल रहे हैं। फिर, वह चाहते हैं कि वे कल्पना करें कि यदि बाहरवाले या अविश्वासी लोग वहाँ उपस्थित हों और सब को अन्य भाषा में बोलते सुनें तो क्या होगा। किसी काल्पनिक स्थिति को प्रस्तुत करने के लिए अपनी भाषा में स्वाभाविक तरीके का प्रयोग करें। वैकल्पिक अनुवाद: "मान लो कि पूरी कलीसिया एक ही जगह पर इकट्ठा होती है और वे सभी अन्य भाषा बोलते हैं। मान लो कि कोई बाहरवाला या अविश्वासी भीतर आ जाता है। तो क्या वह नहीं कहेगा"

देखें: काल्पनिक स्थितियाँ

## 1 कुरिन्थियों 14:23 (#2)

"एक जगह इकट्ठी हो"

यहाँ पौलुस ने एक जगह और इकट्ठी दोनों शब्दों का उपयोग यह जोर देने के लिये किया है कि वह आराधना के लिए कलीसिया की एक आधिकारिक सभा के बारे में बात कर रहे हैं। यदि आपकी भाषा में पौलुस की तरह जोर देने के लिए दो समान वाक्यांशों का प्रयोग नहीं किया गया है, तो आप केवल एक वाक्यांश का प्रयोग कर सकते हैं और दूसरे तरीके से ज़ोर दे सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "एक जगह इकट्ठे हो सकते हैं" या "शायद एक ही स्थान पर हो"

देखें: द्विरावृत्ति (डबलेट)

## 1 कुरिन्थियों 14:23 (#3)

"बाहरवाले"

यहाँ, 14:16 के समान ही बाहरवाले का अर्थ हो सकता है: (1) कोई भी ऐसा व्यक्ति जो अन्य लोगों द्वारा बोली जाने वाली अन्य भाषा को नहीं समझता है। वैकल्पिक अनुवाद: "वे लोग जो अन्य भाषा को नहीं समझते" या "अप्रशिक्षित" (2) एक व्यक्ति जो मसीही समुदाय का हिस्सा नहीं है। वैकल्पिक अनुवाद: "बाहरवाला व्यक्ति"

देखें: अज्ञातों का अनुवाद करें

## 1 कुरिन्थियों 14:23 (#4)

"भीतर आ जाएँ"

इस स्थिति में आपकी भाषा में भीतर आ जाएँ के बजाय "भीतर जाएँ" कहा जा सकता है। जो भी रूप स्वाभाविक हो, उसका उपयोग करें। वैकल्पिक अनुवाद: "भीतर जाएँ" देखें: जाएँ और आएँ

## 1 कुरिन्थियों 14:23 (#1)

इसे एक विवरण बनाया जा सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: ""वे कहेंगे कि तुम पागल हो।"" (देखें: )

देखें: आलंकारिक प्रश्न

## 1 कुरिन्थियों 14:23 (#6)

"तुम्हें पागल... कहेंगे"

जो लोग पागल होते हैं, वे ऐसे तरीकों से व्यवहार करते हैं जो सामान्य या स्वीकार्य नहीं होते हैं। अक्सर ये तरीके खतरनाक, अजीब, या तर्कहीन होते हैं। यदि आपकी भाषा में यह मददगार हो, तो आप पागल को एक शब्द या वाक्यांश के साथ व्यक्त कर सकते हैं जो उन लोगों की पहचान करता है जो तर्कहीन और अजीब तरीके से व्यवहार कर रहे हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "तुम्हारा दिमाग खराब हो गया है" या "तुम पागल हो"

देखें: अज्ञातों का अनुवाद करें

## 1 कुरिन्थियों 14:23 (#7)

"तुम्हें पागल... कहेंगे"

यहाँ, तुम्हें का संदर्भ सारी कलीसिया और उन सब लोगों से है जो अन्य भाषा में बोलते हैं। पौलुस तृतीय पुरुष से द्वितीय पुरुष की ओर जाते हैं ताकि काल्पनिक स्थिति को कुरिन्थ के लोगों पर लागू किया जा सके। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप इस परिवर्तन को पद में पहले द्वितीय पुरुष के साथ व्यक्त कर सकते हैं या यहाँ तृतीय पुरुष का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "कलीसिया पागल है"

देखें: प्रथम, द्वितीय या तृतीय पुरुष

## 1 कुरिन्थियों 14:24 (#1)

"यदि सब भविष्यद्वाणी करने लगें, और कोई अविश्वासी या बाहरवाला मनुष्य भीतर आ जाए, तो सब उसे दोषी ठहरा देंगे और परख लेंगे"

यहाँ पौलुस एक काल्पनिक स्थिति का उपयोग करके कुरिन्थ के लोगों को सिखा रहे हैं। वह चाहते हैं कि वे कल्पना करें कि सब भविष्यद्वाणी करने लगें, और उसका तात्पर्य है कि पिछली स्थिति की तरह ही इस काल्पनिक स्थिति के लिए भी पूरी कलीसिया एक साथ है (देखें: [14:23](#))। फिर, वह चाहते हैं कि वे कल्पना करें कि क्या होगा यदि कोई अविश्वासी या बाहरवाला मनुष्य उपस्थित हो और सब को भविष्यद्वाणी करते सुन ले। वैकल्पिक अनुवाद: "मान लो कि वे सभी भविष्यद्वाणी करेंगे। मान लो कि कोई अविश्वासी या बाहरवाला व्यक्ति अंदर आता है। उस स्थिति में, उसे दोषी ठहराया जाता है"

देखें: काल्पनिक स्थितियाँ

## 1 कुरिन्थियों 14:24 (#2)

"सब भविष्यद्वाणी करने लगें"

यहाँ पौलुस तृतीय पुरुष का उपयोग करते हैं क्योंकि वह एक काल्पनिक स्थिति का उपयोग कर रहे हैं। हालांकि, वह चाहते हैं कि कुरिन्थ के लोग इस काल्पनिक स्थिति को अपने ऊपर लागू करें। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप इसे द्वितीय पुरुष का उपयोग करके व्यक्त कर सकते हैं कि शब्द सब कुरिन्थ के लोगों पर लागू होता है। वैकल्पिक अनुवाद: "तुम सब भविष्यद्वाणी करोगे"

देखें: प्रथम, द्वितीय या तृतीय पुरुष

## 1 कुरिन्थियों 14:24 (#3)

"बाहरवाला मनुष्य"

यहाँ, [14:23](#) की समान ही, बाहरवाला का अर्थ हो सकता है: (1) कोई भी ऐसा व्यक्ति जो अन्य लोगों द्वारा बोली जाने वाली अन्य भाषा को नहीं समझता है। वैकल्पिक अनुवाद: "एक ऐसा व्यक्ति जो अन्य भाषा को नहीं समझता हो" या "अप्रशिक्षित व्यक्ति" (2) एक व्यक्ति जो मसीही समुदाय का हिस्सा नहीं है। वैकल्पिक अनुवाद: "बाहरवाला व्यक्ति"

देखें: अज्ञातों का अनुवाद करें

## 1 कुरिन्थियों 14:24 (#4)

"भीतर आ जाए"

इस स्थिति में आपकी भाषा में भीतर आ जाए के बजाय "भीतर चला जाए" कहा जा सकता है। जो भी रूप स्वाभाविक हो, उसका उपयोग करें। वैकल्पिक अनुवाद: "भीतर जा सकता है"

देखें: जाएँ और आएँ

## 1 कुरिन्थियों 14:24 (#1)

पौलुस मूल रूप से जोर देने के लिए दो बार एक ही बात कहता है। वैकल्पिक अनुवाद: ""वह अनुभव करेगा कि वह पाप का दोषी है क्योंकि वह सुनता है कि आप क्या कह रहे हैं""

देखें: समांतरता

## 1 कुरिन्थियों 14:24 (#6)

"तो सब उसे दोषी ठहरा देंगे और परख लेंगे"

यदि आपकी भाषा में निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं होता है, तो आप इस विचार को सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य स्वाभाविक तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। पौलुस यहाँ निष्क्रिय रूप का उपयोग उस व्यक्ति पर जोर देने के लिए करते हैं जो दोषी ठहरा दिया गया है या परख लिया गया है, बजाय इसके कि उन सब पर जोर दिया जाए जो यह कार्य कर रहे हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "सब उसे दोषी ठहराते हैं, सब उसे परखते हैं"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

## 1 कुरिन्थियों 14:24 (#7)

"उसे... दोषी ठहरा देंगे" - "परख लेंगे"

हालाँकि उसे पुल्लिंग है, फिर भी पौलुस इसका प्रयोग किसी भी व्यक्ति के लिए कर रहे हैं, चाहे वह पुरुष हो या स्त्री। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप उसे को एक गैर-लिंग शब्द के साथ व्यक्त कर सकते हैं या दोनों लिंगों का उल्लेख कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "वह दोषी है ... वह परखा जाता/ती है"

देखें: जब पुल्लिंग शब्दों में स्त्रियाँ भी सम्मिलित होती हैं

## 1 कुरिन्थियों 14:24 (#8)

"सब" - "सब"

यहाँ सब का अर्थ हो सकता है: (1) जो कुछ भविष्यद्वाणी करने वाले लोग कह रहे हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जो कुछ कहा गया है ... जो कुछ कहा गया है" या "सब शब्दों द्वारा ... सब शब्दों द्वारा" (2) सब जो भविष्यद्वाणी कर रहे हैं ... सब जो भविष्यद्वाणी कर रहे हैं"

## 1 कुरिन्थियों 14:25 (#1)

यहां ""दिल"" किसी व्यक्ति के विचारों के लिए एक अलंकार है। इसे सक्रिय रूप में कहा जा सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: ""परमेश्वर उसे असके दिल के रहस्य प्रकट करेगे"" या ""वह अपने निजी आंतरिक विचारों को पहचान लेगा""

देखें: प्रतिन्यास

## 1 कुरिन्थियों 14:25 (#2)

**"उसके मन के भेद प्रगट हो जाएँगे"**

यहाँ पौलस ऐसे बोलते हैं जैसे उसके मन के भेद कोई अद्वश्य वस्तुएँ हों जो प्रकट हो जाएँगी। वह इस प्रकार यह सकेत देने के लिए बोलते हैं कि अन्य लोग अब उस भेद को उतना ही जानते हैं, मानो उन्होंने उसे प्रकट होते देखा हो। यदि यह आपकी भाषा में उपयोगी हो, तो आप इस अलंकार को किसी तुलनीय रूपक के साथ व्यक्त कर सकते हैं या विचार को स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "उसके हृदय के भेद प्रकट हो जाते हैं" या "उसके हृदय के रहस्य प्रकट होते हैं"

देखें: रूपक

## 1 कुरिन्थियों 14:25 (#2)

अपने चेहरे के बल गिरना एक मुहावरा है, जिसका अर्थ है झुकना। वैकल्पिक अनुवाद: ""वह झुक जाएगा और परमेश्वर की आराधना करेगा""

देखें: मुहावरा

## 1 कुरिन्थियों 14:25 (#4)

**"उसके" - "वह मुँह... दण्डवत् करेगा"**

हालांकि उसके और वह पुलिंग हैं, पौलस इनका उपयोग किसी को भी संदर्भित करने के लिए कर रहे हैं, चाहे वह पुरुष हो या स्त्री। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप उसके और वह को गैर-लिंग वाले शब्दों के साथ व्यक्त कर सकते हैं या दोनों लिंगों का उल्लेख कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "उसके या उसकी ... उसका मुँह, वह आराधना करेगा या करेगी"

देखें: जब पुलिंग शब्दों में स्त्रियाँ भी सम्मिलित होती हैं

## 1 कुरिन्थियों 14:25 (#5)

**"और मान लेगा, कि सचमुच परमेश्वर तुम्हारे बीच में है"**

यदि आप अपनी भाषा में इस रूपक का उपयोग नहीं करते हैं, तो आप इस कथन का अनुवाद अप्रत्यक्ष उद्धरण के रूप में कर सकते हैं बजाय इसके कि इसे प्रत्यक्ष उद्धरण के रूप में करें। वैकल्पिक अनुवाद: "यह मान लेते हुए कि परमेश्वर सचमुच में तुम्हारे बीच में हैं"

देखें: प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष उद्धरण

## 1 कुरिन्थियों 14:26 (#1)

पौलुस अपने संदेश के अगले भाग को प्रस्तुत करने के लिए एक प्रश्न का उपयोग करता है। वैकल्पिक अनुवाद: ""क्योंकि मैंने जो कुछ भी कहा है, वह सच है, यही तुम्हे करने की आवश्यकता है, मेरे साथी विश्वासियों।""

देखें: आलंकारिक प्रश्न

## 1 कुरिन्थियों 14:26 (#2)

**"इसलिए... क्या करना चाहिए"**

यहाँ पौलस यह प्रश्न पूछ सकते हैं: (1) उनके तर्क का कुरिन्थ के लोगों के लिये क्या अर्थ है। वैकल्पिक अनुवाद: "इसलिए मेरा क्या तात्पर्य है" (2) कुरिन्थ के लोगों को क्या करना चाहिए। वैकल्पिक अनुवाद: "इसलिए तुमको क्या करना चाहिए"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

## 1 कुरिन्थियों 14:26 (#3)

**"भाइयों"**

हालांकि भाइयों का उपयोग पुलिंग रूप में होता है, पौलुस इसे किसी भी विश्वासी के लिए उपयोग कर रहे हैं, चाहे वह पुरुष हो या स्त्री। यदि यह आपकी भाषा में उपयोगी हो, तो आप भाइयों को किसी लिंग भेद रहित शब्द से व्यक्त कर सकते हैं या दोनों लिंगों को संदर्भित कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "भाइयों और बहनों"

देखें: जब पुलिंग शब्दों में स्लियाँ भी सम्मिलित होती हैं

## 1 कुरिन्थियों 14:26 (#4)

"तुम इकट्ठे होते हो"

यहाँ, इकट्ठे होते हो एक विशेष स्थान पर किसी समूह के इकट्ठा होने को संदर्भित करता है। इस तरह के संदर्भों में आपकी भाषा में इकट्ठे होते के बजाय "जाना" या "इकट्ठा होना" कहा जा सकता है। जो सबसे अधिक स्वाभाविक रूप हो उसका उपयोग करें। वैकल्पिक अनुवाद: "तुम एक साथ जाते हो" या "तुम एक साथ इकट्ठे होते हो"

देखें: जाएँ और आएँ

## 1 कुरिन्थियों 14:26 (#5)

"हर एक"

यहाँ, हर एक कुरिन्थ की कलीसिया के विशिष्ट या व्यक्तिगत विश्वासियों को संदर्भित करता है। पौलुस का यह अर्थ नहीं है कि हर व्यक्ति के हृदय में इनमें से प्रत्येक चीज है, और वह यह भी नहीं कहते कि हर एक व्यक्ति के पास केवल इनमें से एक चीज है। बल्कि, उनका अर्थ यह है कि कुरिन्थ की कलीसिया के व्यक्तिगत लोग जब इकट्ठे होते थे तो इनमें से कोई भी चीज उनके भीतर हो सकती है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप हर एक को एक शब्द या वाक्यांश के साथ व्यक्त कर सकते हैं जो अधिक स्पष्ट रूप से यह संकेत करता है कि पौलुस सामान्य रूप से बोल रहे हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "तुम में से हर एक"

देखें: सर्वनाम — उनका उपयोग कब करें

## 1 कुरिन्थियों 14:26 (#6)

"हृदय में भजन, या उपदेश, या अन्य भाषा, या प्रकाश, या अन्य भाषा का अर्थ बताना रहता है"

मूल भाषा में, "है" का उपयोग किया गया है, जो यह बताता है कि वह सारी बातें उस व्यक्ति के पास हैं। आई.आर.वी. अनुवाद में इसे सरलता से हर एक के हृदय में के रूप में अनुवाद किया गया है। यहाँ पौलुस ने हर एक के हृदय में को

इस प्रकार कहा है ताकि इस बात पर जोर दिया जा सके कि जब तुम इकट्ठे होते हो तो किसी भी विश्वासी के पास इनमें से कोई भी चीज़ हो सकती है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, आप यह व्यक्त कर सकते हैं कि पौलुस ने हर एक के हृदय में पर क्यों ज़ोर दिया है जो यह संकेत देता है कि किसी भी व्यक्ति में इनमें से कोई भी चीज़ हो सकती है। वैकल्पिक अनुवाद: "एक भजन या एक शिक्षा या एक प्रकाशन या एक अन्य भाषा या एक अनुवाद है"

देखें: समानांतरता

## 1 कुरिन्थियों 14:26 (#7)

"के हृदय में भजन, या उपदेश, या अन्य भाषा, या प्रकाश, या अन्य भाषा का अर्थ बताना रहता है"

यदि आपकी भाषा प्रकाश या अन्य भाषा का अर्थ बताना के पीछे के विचारों के लिए भाववाचक संज्ञाओं का उपयोग नहीं करती है, तो आप "प्रकट करना" और "अर्थ बताना" जैसे क्रियाओं का उपयोग करके इन विचारों को व्यक्त कर सकते हैं। यदि आप ऐसा करते हैं, तो आपको सूची में मौजूद सभी वस्तुओं का क्रियात्मक वाक्यांशों के साथ अनुवाद करना पड़ सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: "एक भजन गाते हैं, उपदेश देते हैं, कुछ ऐसा समझाते हैं जो गुप्त था, अन्य भाषा में बोलते हैं, या अन्य भाषा का अर्थ बताते हैं"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

## 1 कुरिन्थियों 14:26 (#8)

"अर्थ बताना"

यहाँ पर भी 12:10 के समान ही, अर्थ बताना विशेष रूप से अन्य भाषा की व्याख्या करने से संबंधित है। यदि यह आपकी भाषा में उपयोगी हो, तो आप स्पष्ट रूप से बता सकते हैं कि यह अर्थ बताना अन्य भाषा का अर्थ बताने के विषय में है। वैकल्पिक अनुवाद: "अन्य भाषा की व्याख्या"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

## 1 कुरिन्थियों 14:26 (#2)

इसका मतलब है कि उस भाषा में दुसरों को बताना जो उस भाषा को नहीं समझता है। देखें कि ""1 कुरिन्थियों 2:13] (./02 / 13.md) में"" व्याख्या ""का अनुवाद कैसे किया जाता है।

## 1 कुरिन्थियों 14:26 (#10)

### "उन्नति"

यहाँ पौलुस इस प्रकार बोलते हैं जैसे कि विश्वासियों को एक भवन के रूप में देखा जाए जिसकी कोई "उन्नति" करता है। इस रूपक के माध्यम से, वह जोर देते हैं कि कुरिन्थ के लोगों को अन्य विश्वासियों को मजबूत और अधिक परिपक्व बनाने पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए, जैसे कि जो एक घर बनाता है उसे मजबूत और उत्कृष्ट बनाता है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप इस मुहावरे को एक तुलनीय रूपक के साथ व्यक्त कर सकते हैं या विचार को स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकते हैं। देखें कि आपने इस रूपक का अनुवाद [14:12](#) में कैसे किया था। वैकल्पिक अनुवाद: "उन्नति" या "विकास"

देखें: रूपक

## 1 कुरिन्थियों 14:26 (#11)

### "उन्नति के लिये"

यहाँ कुरिन्थ के लोगों ने पौलुस की बात का यह अर्थ लगाया होगा कि **उन्नति** अन्य विश्वासियों पर लागू होता है। यदि आपके पाठक इसे नहीं समझते हैं, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "विश्वासियों की आत्मिक उन्नति के लिये"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

## 1 कुरिन्थियों 14:27 (#1)

### "यदि"

पौलुस ऐसे बोल रहे हैं जैसे किसी का **अन्य भाषा** में "बातें करना" एक काल्पनिक संभावना हो, लेकिन वह जानते हैं कि अक्सर कोई व्यक्ति **अन्य भाषा** में "बातें करता" है। यदि आपकी भाषा किसी बात को निश्चित या सत्य होने की स्थिति के रूप में नहीं बताती है, और यदि आपके पाठक सोचते हैं कि पौलुस जो कह रहे हैं वह निश्चित नहीं है, तो आप उस विचार को किसी ऐसे शब्द से व्यक्त कर सकते हैं जो किसी संभावना के बजाय किसी स्थिति को संदर्भित करता हो। वैकल्पिक अनुवाद: "जब कभी भी"

देखें: जोड़ें — तथ्यात्मक स्थितियाँ

## 1 कुरिन्थियों 14:27 (#2)

### (ऐसा हो कि) "तो दो-दो या बहुत"

बाइबल की मूल भाषा में यहाँ 'ऐसा हो कि' का प्रयोग किया गया है, जो यहाँ एक नई घटना को प्रस्तुत करता है पर हिन्दी आई.आर.वि. अनुवाद में इसका प्रयोग नहीं किया गया है। यहाँ पौलुस कुछ शब्दों को छोड़ देते हैं जो आपकी भाषा में एक पूर्ण विचार बनाने के लिए आवश्यक हो सकते हैं। अंग्रेजी में इन शब्दों की आवश्यकता होती है, इसलिए यू.एल.टी. ने उन्हें कोष्ठकों में प्रदान किया है। यदि आपकी भाषा को भी इन शब्दों की आवश्यकता है, तो आप इनकों या ऐसे समान शब्दों का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "यह इस प्रकार किया जाना चाहिए"

देखें: पदलोप

## 1 कुरिन्थियों 14:27 (#3)

### "तो दो-दो, या बहुत हो तो तीन-तीन जन"

पौलुस स्पष्ट रूप से यह नहीं बताते कि किस स्थिति में केवल दो या बहुत हो तो तीन विश्वासियों को ही **अन्य भाषा** में बोलना चाहिए। कुरिन्थ के लोगों ने समझा होगा कि वह प्रत्येक बार के लिये बोल रहे हैं जब भी विश्वासी लोग परमेश्वर की आराधना के लिए इकट्ठा होते थे (देखें: [14:28](#) में "कलीसिया में" अभिव्यक्ति)। पौलुस का यह मतलब नहीं है कि केवल **दो या बहुत हो तो तीन** जन ही कभी भी अन्य भाषा में बोल सकते हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकते हैं कि पौलुस किस स्थिति के विषय में बात कर रहे हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "हर बार जब भी तुम इकट्ठे होते हो, तो यह दो या अधिकतम तीन जनों द्वारा होना चाहिए"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

## 1 कुरिन्थियों 14:27 (#1)

### "आमीन" - "कहेगा"

और उन्हें एक के बाद दूसरे को बात करनी चाहिए या "" और उन्हें एक समय में एक को बात करनी चाहिए""""

## 1 कुरिन्थियों 14:27 (#5)

### "एक व्यक्ति अनुवाद करे"

यहाँ पौलुस तृतीय-पुरुष अनिवार्यताओं का उपयोग करते हैं। यदि आपकी भाषा में तृतीय-पुरुष अनिवार्यताएँ हैं, तो आप यहाँ पर एक का उपयोग कर सकते हैं। यदि आपके पास तृतीय-पुरुष अनिवार्यताएँ नहीं हैं, तो आप इस विचार को

"चाहिए" या "करने दे" जैसे शब्दों का उपयोग करके व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "किसी एक व्यक्ति को व्याख्या करनी चाहिए" या "किसी एक को व्याख्या करने दे" देखें: तृतीय-पुरुष अनिवार्यताएँ

## 1 कुरिन्थियों 14:27 (#6)

"एक"

यहाँ पौलुस यह संकेत नहीं देते कि यह **एक** व्यक्ति उन लोगों में से एक हैं जो अन्य भाषा में बातें कर रहा है या यह कोई और है। यह संभव है कि पौलुस सोचते हैं कि दोनों विकल्प स्वीकार्य हैं। यदि संभव हो, तो आपको **एक** का अनुवाद इस तरह करना चाहिए कि यह अन्य भाषा में बोलने वाले लोगों में से किसी एक या किसी और व्यक्ति को संदर्भित कर सके। वैकल्पिक अनुवाद: "कोई व्यक्ति" या "एक व्यक्ति"

देखें: जानकारी को अंतर्निहित कब रखना चाहिए

## 1 कुरिन्थियों 14:27 (#3)

"अनुवाद करें"

"इसका मतलब है कि उस भाषा में दुसरों को बताना जो उस भाषा को नहीं समझते हैं। देखें कि ""1 कुरिन्थियों 2:13] (../02 / 13.md) में"" व्याख्या ""का अनुवाद कैसे किया जाता है।"

## 1 कुरिन्थियों 14:28 (#1)

"यदि"

14:27 के समान, पौलुस ऐसे बोल रहे हैं मानो **अनुवाद करनेवाले** का न होना एक काल्पनिक संभावना हो, परन्तु वह जानते हैं कि कभी-कभी यह सत्य भी होता है। यदि आपकी भाषा किसी बात को निश्चित या सत्य होने की स्थिति के रूप में नहीं बताती है, और यदि आपके पाठक सोचते हैं कि पौलुस जो कह रहे हैं वह निश्चित नहीं है, तो आप उस विचार को किसी ऐसे शब्द से व्यक्त कर सकते हैं जो किसी संभावना के बजाय किसी स्थिति को संदर्भित करता हो। वैकल्पिक अनुवाद: "जब भी"

देखें: जोड़ें — तथ्यात्मक स्थितियाँ

## 1 कुरिन्थियों 14:28 (#2)

"अनुवाद करनेवाला"

यहाँ भी, 14:26-27 की समान ही, शब्द **अनुवाद करनेवाला** विशेष रूप से उस व्यक्ति को संदर्भित करता है जो अन्य भाषा का अनुवाद कर सकता है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप स्पष्ट रूप से कह सकते हैं कि **अनुवाद करनेवाला** वह व्यक्ति हैं जो अन्य भाषा का "अनुवाद" करता है। वैकल्पिक अनुवाद: "अन्य भाषा के लिए एक अनुवादक"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

## 1 कुरिन्थियों 14:28 (#3)

"अनुवाद करनेवाला न हो"

14:27 की तरह ही, **अनुवाद करनेवाला** वह व्यक्ति हो सकता है जो अन्य भाषाओं में बोलता है या फिर यह कोई अन्य व्यक्ति भी हो सकता है। यदि संभव हो, तो आपको **अनुवाद करनेवाला** का अनुवाद इस तरह करना चाहिए कि यह अन्य भाषा में बोलनेवाले किसी व्यक्ति या किसी अन्य के लिए संदर्भित हो सके। वैकल्पिक अनुवाद: "कोई भी व्याख्या नहीं कर सकता"

देखें: जानकारी को अंतर्निहित कब रखना चाहिए

## 1 कुरिन्थियों 14:28 (#4)

"शान्त रहे" - "अपने मन... से बातें करें"

बाइबल की मूल भाषा में यहाँ 'वह' का प्रयोग किया गया है पर हिन्दी आई.आर.वि. में इसका प्रयोग नहीं किया गया है। हालांकि **वह** और **अपने** पुलिंग हैं, लेकिन पौलुस उनका उपयोग किसी को भी संदर्भित करने के लिए कर रहे हैं, चाहे वह पुरुष हो या स्त्री। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप **वह** और **अपने** को गैर-लिंग आधारित शब्दों के साथ व्यक्त कर सकते हैं या दोनों लिंगों का उल्लेख कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "वह चुप रहे ... उसे अपने आप से बात करने दे"

देखें: जब पुलिंग शब्दों में महिलाएं सम्मिलित होती हैं

## 1 कुरिन्थियों 14:28 (#5)

"शान्त रहे" - "अपने मन... से बातें करें"

यहाँ पौलुस दो तृतीय-पुरुष अनिवार्यताओं का उपयोग करते हैं। यदि आपकी भाषा में तृतीय-पुरुष अनिवार्यताएँ हैं, तो आप उनका यहाँ उपयोग कर सकते हैं। यदि आपके पास तृतीय-पुरुष अनिवार्यताएँ नहीं हैं, तो आप विचारों को व्यक्त करने के लिए "चाहिए" या "आवश्यक है" जैसे शब्दों का

उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "उसे शान्त रहना चाहिए ... उसे बातें करना चाहिए"

देखें: तृतीय-पुरुष अनिवार्यताएँ

## 1 कुरिन्थियों 14:28 (#6)

"शान्त रहे" - "अपने... से बातें करे"

यहाँ, शान्त रहे और अपने से बातें करे विशेष रूप से "अन्य भाषा" में बोलने का उल्लेख करते हैं। वे सामान्य रूप से कलीसिया में किसी के भी बोलने का उल्लेख नहीं करते हैं। यदि आपके पाठक इस जानकारी को नहीं समझेंगे, तो आप इसे अधिक स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "उसे अन्य भाषा बोलने मत दे ... उसे अन्य भाषा बोलने दे"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

## 1 कुरिन्थियों 14:28 (#7)

"कलीसिया में"

यहाँ, [14:19](#) के समान ही, कलीसिया में एक स्थानिक रूपक है जो कलीसिया को इस तरह से दर्शाता है जैसे कि यह एक स्थान हो जिस में लोग इकट्ठे हो सकते हैं। पौलुस इस तरह से बोलते हैं ताकि वह उस स्थिति को स्पष्ट कर सके जिस पर वह चर्चा कर रहे हैं: विश्वासियों का एक समूह जो परमेश्वर की आराधना करने के लिए मिलता है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप कलीसिया में को इस बात से स्पष्ट करके व्यक्त कर सकते हैं कि कलीसिया का मतलब आराधना के लिए विश्वासियों के एक समूह से है। वैकल्पिक अनुवाद: "विश्वासियों की सभा में" या "आराधना की सेवा के दौरान"

देखें: रूपक

## 1 कुरिन्थियों 14:28 (#8)

"अपने मन से और परमेश्वर से"

यहाँ, अपने मन से और परमेश्वर से का अर्थ हो सकता है: (1) कि कैसे किसी व्यक्ति को "अन्य भाषा" को अपने मन और परमेश्वर के बीच रखना चाहिए। दूसरे शब्दों में, "अन्य भाषा" का अनुभव करने वाला केवल वह व्यक्ति और परमेश्वर है। इसका यह अर्थ होगा कि "अन्य भाषा" बोलने वाला व्यक्ति अपने मन में या फिर बहुत शांतिपूर्ण तरीके से बातें कहता है। वैकल्पिक अनुवाद: "अपने मन में परमेश्वर से" या "शांतिपूर्वक परमेश्वर से" (2) सभा खत्म होने के बाद वह व्यक्ति कैसे "अन्य भाषा" में बातें करता है जब "वह" अपने

मन में होता है। इस तरह, केवल "अन्य भाषा" बोलने वाला व्यक्ति और परमेश्वर ही इसे सुनते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "परमेश्वर से बातें करना जब वह अकेला हो"

देखें: मुहावरा

## 1 कुरिन्थियों 14:29 (#1)

(लेकिन) "भविष्यद्वक्ताओं में से"

बाइबल की मूल भाषा में यहाँ 'लेकिन' का प्रयोग किया गया है पर हिन्दी आई.आर.वि. में इसका प्रयोग नहीं किया गया है। यहाँ, लेकिन एक नए विषय (भविष्यद्वाणी) के बारे में समान निर्देश प्रस्तुत करता है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप लेकिन को एक शब्द या वाक्यांश के साथ व्यक्त कर सकते हैं जो एक संबंधित विषय प्रस्तुत करता है। वैकल्पिक अनुवाद: "उसी प्रकार,"

देखें: शब्दों और वाक्यांशों को जोड़ना

## 1 कुरिन्थियों 14:29 (#1)

"भविष्यद्वक्ताओं में से दो या तीन बोलें"

संभावित अर्थ 1) केवल दो या तीन भविष्यद्वक्ता किसी भी एक संगती में बोलते हैं या 2) केवल दो या तीन भविष्यद्वक्ता किसी भी समय बोलते हैं।

## 1 कुरिन्थियों 14:29 (#3)

"दो या तीन"

यहाँ, दो या तीन भविष्यद्वक्ताओं की संख्या को केवल उस दो की गिनती तक सीमित नहीं किया गया है। बल्कि, पौलुस दो या तीन का उपयोग यह बताने के लिए करते हैं कि जब विश्वासी आराधना के लिए इकट्ठे होते हैं, तो कितने भविष्यद्वक्ताओं को बोलना चाहिए। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप दो या तीन का अनुवाद एक शब्द या वाक्यांश को जोड़कर कर सकते हैं जो यह संकेत करता है कि पौलुस यहाँ उदाहरण दे रहे हैं या अनुमान लगा रहे हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "लगभग दो या तीन"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

## 1 कुरिन्थियों 14:29 (#4)

"दो या तीन बोलें, और शेष लोग उनके वचन को परखें"

इस पद में, पौलुस दो तृतीय-पुरुष अनिवार्यताओं का उपयोग करते हैं। यदि आपकी भाषा में तृतीय-पुरुष अनिवार्यताएँ हैं, तो आप उनका यहाँ पर उपयोग कर सकते हैं। यदि आपके पास तृतीय-पुरुष अनिवार्यताएँ नहीं हैं, तो आप विचारों को व्यक्त करने के लिए "चाहिए" या "जरूरी है" जैसे शब्दों का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "दो या तीन भविष्यद्वक्ता को बोलना चाहिए, और अन्य लोगों को उनका मूल्यांकन करना चाहिए"

देखें: तृतीय-पुरुष अनिवार्यताएँ

## 1 कुरिन्थियों 14:29 (#5)

### "शेष लोग"

यहाँ, शेष लोग निम्न लोगों को संदर्भित कर सकते हैं: (1) सभी विश्वासी जो भविष्यद्वाणी नहीं कर रहे हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "बचे हुए विश्वासी लोग" (2) वह सब भविष्यद्वक्ता जो भविष्यद्वाणी नहीं कर रहे हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "अन्य भविष्यद्वक्ता"

देखें: सर्वनाम — उनका उपयोग कब करें

## 1 कुरिन्थियों 14:29 (#6)

### "शेष लोग उनके वचन को परखें"

यहाँ पौलुस यह नहीं बताते कि शेष लोगों को क्या परखना चाहिए। उनका तात्पर्य यह है कि यह वही है जो भविष्यद्वक्ता बोलते हैं। यदि आपके पाठक इस निष्कर्ष पर नहीं पहुंचते हैं, तो आप स्पष्ट रूप से यह उल्लेख कर सकते हैं कि भविष्यद्वक्ता क्या बोलते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "दूसरों को यह मूल्यांकन करने दें कि वे क्या कहते हैं"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

## 1 कुरिन्थियों 14:30 (#1)

### "यदि"

यहाँ पौलुस एक सच्ची संभावना को प्रस्तुत करने के लिए यदि का उपयोग करते हैं। उनका मतलब है कि कुछ ईश्वरीय प्रकाश दूसरे पर भी हो सकता है, या नहीं भी हो सकता। वह दूसरे पर कुछ ईश्वरीय प्रकाश हो के परिणाम को निर्दिष्ट करते हैं। यदि यह आपकी भाषा में उपयोगी होगा, तो आप इस रूप को एक शब्द जैसे "जब" या "मान लो" के साथ यदि कथन को व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जब"

देखें: जोड़ें — कात्पनिक स्थितियाँ

## 1 कुरिन्थियों 14:30 (#1)

..."

"इसे सक्रिय रूप में कहा जा सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: ""अगर परमेश्वर किसी को अंतर्दृष्टि देता है""

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

## 1 कुरिन्थियों 14:30 (#3)

### "दूसरे पर जो बैठा है"

यहाँ, बैठा का अर्थ है कि वह व्यक्ति आराधना में भाग ले रहा है जब विश्वासी लोग इकट्ठे होते हैं। इसका आगे यह तात्पर्य है कि वह व्यक्ति बोलने वाला व्यक्ति नहीं है, क्योंकि पौलुस की संस्कृति में वक्ता खड़ा होता था। यदि आपके पाठक ये निष्कर्ष नहीं निकाल सकते तो आप उन्हें स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "दूसरे के लिए जो बैठा है और सुन रहा है" या "दूसरे आराधक के लिए जो सुन रहा है"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

## 1 कुरिन्थियों 14:30 (#4)

### "तो पहला चुप हो जाए"

पौलुस यहाँ पर तृतीय-पुरुष अनिवार्यताओं का उपयोग करते हैं। यदि आपकी भाषा में तृतीय-पुरुष अनिवार्यताएँ हैं, तो आप यहाँ इसका उपयोग कर सकते हैं। यदि आपकी भाषा में तृतीय-पुरुष अनिवार्यताएँ नहीं हैं, तो आप इस विचार को "रहना चाहिए" या "आवश्यक है" जैसे शब्दों का उपयोग करके व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "पहले को चुप रहना चाहिए"

देखें: तृतीय-पुरुष अनिवार्यताएँ

## 1 कुरिन्थियों 14:30 (#5)

### "पहला"

यहाँ, पहला 14:29 में वर्णित "दो या तीन भविष्यद्वक्ताओं" में से किसी एक की ओर संकेत करता है। यह उस व्यक्ति की पहचान करता है जो बोल रहा है जबकि दूसरा वहाँ बैठा है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप पहला को किसी शब्द या वाक्यांश के साथ व्यक्त कर सकते हैं जो उस व्यक्ति की पहचान करता है जो बोल रहा है जबकि दूसरे पर कुछ ईश्वरीय प्रकाश हो रहा है। वैकल्पिक अनुवाद: "जो अभी भविष्यद्वाणी कर रहा है"

देखें: सर्वनाम — उनका उपयोग कब करें

## 1 कुरिन्थियों 14:31 (#1)

### "क्योंकि"

यहाँ, **क्योंकि** उस कारण को प्रस्तुत करता है कि पौलुस क्यों चाहते हैं कि "पहला" वक्ता "चुप हो जाए" जब किसी अन्य पर ईश्वरीय प्रकाश हो (देखें: 14:30): यदि वे उनकी बात मानते हैं, तो वे सब एक-एक करके भविष्यद्वाणी कर सकते हैं। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप **क्योंकि** को एक ऐसे शब्द के साथ व्यक्त कर सकते हैं जो किसी एक आदेश के लिए कारण प्रस्तुत करता है। वैकल्पिक अनुवाद: "ऐसा करो क्योंकि, इस तरह से,"

देखें: जोड़ें — कारण-और-परिणाम सम्बन्ध

## 1 कुरिन्थियों 14:31 (#2)

### "सब"

यहाँ पौलुस यह नहीं बताते कि **सब** कौन हैं। वह संकेत करते हैं कि **सब** उन लोगों को संदर्भित करता है जो परमेश्वर से एक ईश्वरीय प्रकाश प्राप्त करते हैं (देखें: 14:30)। उनके मन में वह हर एक विश्वासी नहीं है जो एक साथ इकट्ठे होते हैं। यदि आपके पाठक इस जानकारी को नहीं समझते हैं, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "सभी जिनको एक ईश्वरीय प्रकाश प्राप्त हुआ हो"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

## 1 कुरिन्थियों 14:31 (#1)

### "करके भविष्यद्वाणी"

एक समय में केवल एक व्यक्ति को भविष्यवाणी करनी चाहिए।

## 1 कुरिन्थियों 14:31 (#2)

### "तुम सब" - "शान्ति पाएँ"

"इसे सक्रिय रूप में कहा जा सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: ""आप सभी को प्रोत्साहित कर सकते हैं""

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

## 1 कुरिन्थियों 14:32 (#1)

"भविष्यद्वक्ताओं की आत्मा भविष्यद्वक्ताओं के वश में है"

यदि आपकी भाषा में इस प्रकार से निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं होता है, तो आप इस विचार को सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य स्वाभाविक तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। पौलुस यहाँ **भविष्यद्वक्ताओं** पर ध्यान केन्द्रित करने के बजाय **आत्मा** पर ध्यान केन्द्रित करने के लिए निष्क्रिय क्रिया का प्रयोग करता है। यदि आपको यह बताना आवश्यक है कि यह कार्य कौन करता है, तो पौलुस यह संकेत देते हैं कि **भविष्यद्वक्ता** इसे करते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "भविष्यद्वक्ता भविष्यद्वक्ताओं की आत्माओं को वश में रखते हैं" या "भविष्यद्वक्ता भविष्यद्वक्ताओं की आत्माओं को नियंत्रित रखते हैं"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

## 1 कुरिन्थियों 14:32 (#2)

"भविष्यद्वक्ताओं की आत्मा... वश में है"

यहाँ, **भविष्यद्वक्ताओं** की आत्मा निम्नलिखित को संदर्भित कर सकती है: (1) "**आत्मिक**" वरदान जो **भविष्यद्वक्ताओं** के पास पवित्र आत्मा की सामर्थ्य द्वारा होते हैं। इसका समर्थन 14:12 द्वारा होता है, जहाँ यहाँ पर जिस शब्द का अनुवाद **आत्मा** किया गया है उसका अनुवाद वहाँ "आत्मिक वरदान" के रूप में किया गया है। वैकल्पिक अनुवाद: "भविष्यद्वक्ताओं के आत्मिक वरदान वश में होते हैं" या "पवित्र आत्मा भविष्यद्वक्ताओं को जो करने में सक्षम बनाता है वह वश में है" (2) **आत्मा** जो **भविष्यद्वक्ताओं** का हिस्सा है, अर्थात् उनका अन्तरिक जीवन या गैर-भौतिक भाग। वैकल्पिक अनुवाद: "भविष्यद्वक्ता जैसे कार्य करते हैं वह इसके वश में होता है" या "भविष्यद्वक्ताओं के मन वश में होते हैं"

देखें: अज्ञातों का अनुवाद करें

## 1 कुरिन्थियों 14:32 (#3)

"भविष्यद्वक्ताओं"

यहाँ, **भविष्यद्वक्ताओं** का मतलब (1) उन्हीं **भविष्यद्वक्ताओं** से हो सकता है जिनके पास **आत्मा** हैं। इस मामले में, **भविष्यद्वक्ता** अपनी आत्मा को वश में रखते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "ये भविष्यद्वक्ता" (2) अन्य **भविष्यद्वक्ताओं** से हो सकता है। इस मामले में, कुछ **भविष्यद्वक्ता** (जो नहीं बोल रहे हैं) दूसरे **भविष्यद्वक्ताओं**

(जो बोल रहे हैं) की आत्मा को वश में रखते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "अन्य भविष्यद्वक्ताओं"

## 1 कुरिन्थियों 14:33 (#1)

### "क्योंकि"

यहाँ, **क्योंकि** यह कारण बताता है कि "भविष्यद्वक्ताओं की आत्मा भविष्यद्वक्ताओं के वश में हैं" ([14:32](#))। चूंकि भविष्यद्वाणी का वरदान परमेश्वर से आता है, यह परमेश्वर के साथ मेल खाना चाहिए। चूंकि परमेश्वर गड़बड़ी का नहीं, परन्तु शान्ति का कर्ता है, इसलिए भविष्यवाणी का वरदान भी शान्ति का होना चाहिए। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप **क्योंकि** को एक ऐसे शब्द या वाक्यांश के साथ व्यक्त कर सकते हैं जो एक कथन के लिए कारण या आधार प्रस्तुत करता है। वैकल्पिक अनुवाद: "तुम यह जान सकते हो क्योंकि"

देखें: जोड़ें — कारण-और-परिणाम सम्बन्ध

## 1 कुरिन्थियों 14:33 (#1)

""

परमेश्वर एक ही समय में सभी लोगों को बोलने की अनुमति देकर भ्रमित परिस्थितियां नहीं बनाते हैं।

## 1 कुरिन्थियों 14:33 (#3)

### "परमेश्वर गड़बड़ी का नहीं, परन्तु शान्ति का कर्ता है"

यहाँ पौलुस स्वामित्व रूप का उपयोग यह बताने के लिए करते हैं कि परमेश्वर की विशेषता शान्ति है, न कि गड़बड़ी। यदि आपकी भाषा में किसी व्यक्ति के चरित्र-चित्रण के लिए स्वामित्व रूप का प्रयोग नहीं किया गया है, तो आप ऐसा रूप प्रयोग कर सकते हैं जो ऐसा करता हो। वैकल्पिक अनुवाद: "परमेश्वर अव्यवस्था के परमेश्वर नहीं हैं बल्कि शान्ति के परमेश्वर हैं" या "परमेश्वर का सम्बन्ध अव्यवस्था से नहीं बल्कि शान्ति से है"

देखें: स्वामित्व

## 1 कुरिन्थियों 14:33 (#4)

### "गड़बड़ी का नहीं, परन्तु शान्ति का कर्ता है"

यदि आपकी भाषा में गड़बड़ी और शान्ति के पीछे के विचारों के लिए भाववाचक संज्ञाओं का उपयोग नहीं होता है, तो आप "भ्रमित" और "शान्तिपूर्ण" जैसे विशेषणों का उपयोग करके

विचार व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "भ्रमित, लेकिन शान्तिपूर्ण" या "एक भ्रमित परमेश्वर, लेकिन एक शान्ति के परमेश्वर"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

## 1 कुरिन्थियों 14:33 (#5)

""

वाक्यांश जैसा पवित्र लोगों की सब कलीसियाओं में है निम्नलिखित में बदलाव कर सकता है: (1) इसके बाद आने वाले दो पदों में। इस विकल्प का समर्थन इस बात से होता है कि इस पद का पहला भाग एक निष्कर्ष की तरह लगता है और यह कहना अधिक अर्थपूर्ण नहीं है कि परमेश्वर सब कलीसियाओं में एक विशिष्ट तरीके से विद्यमान हैं। इस विकल्प के लिए यू.एल.टी. देखें। (2) इस पद के पहले वाक्य में। इस विकल्प का समर्थन यह दर्शाता है कि "कलीसियाओं में" आगे पद के आरंभ में दोहराया गया है और कैसे पौलुस वाक्यों के अंत में इसी से मिलते-जुलते वाक्यांश का उपयोग करते हैं (देखें: [4:17](#); [7:17](#))। वैकल्पिक अनुवाद: "शान्ति का, जैसा कि पवित्र लोगों की सब कलीसियाओं में होता है"

देखें: सूचना संरचना

## 1 कुरिन्थियों 14:33 (#6)

### "सब कलीसियाओं में"

यहाँ, **सब कलीसियाओं में** एक स्थानिक रूपक है जो **कलीसिया** को इस तरह से दर्शाता है जैसे वे एक स्थान हों जहाँ लोग इकट्ठे हो सकें। पौलुस इस तरह से बात करते हैं ताकि वह जिस स्थिति पर चर्चा कर रहे हैं उसे स्पष्ट कर सकें: विश्वासियों का समूह जो परमेश्वर की आराधना करने के लिए एकत्रित होते हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप **सब कलीसियाओं में** को स्पष्ट कर सकते हैं कि **कलीसिया** का अर्थ आराधना के लिए विश्वासियों के इकट्ठे होने से है। वैकल्पिक अनुवाद: "विश्वासियों की सभी सभाओं में" या "सभी आराधना सेवाओं में"

देखें: रूपक

## 1 कुरिन्थियों 14:34 (#1)

### "चुप रहें"

संभावित अर्थ 1) बोलना बंद करो, 2) जब कोई भविष्यवाणी कर रहा है, तो बोलना बंद करें, या 3) कलीसिया सभा के दौरान बिल्कुल चुप रहें।

## 1 कुरिन्थियों 14:34 (#2)

"स्त्रियाँ... चुप रहें" - "बातें करने की"

यहाँ, चुप रहें और बातें करने का अर्थ हो सकता है: (1) विशेष परिस्थितियों में बोलना या न बोलना जो भविष्यद्वाणियों को "परखने" से सम्बन्धित हैं (देखें: 14:29)। ये विशेष परिस्थितियाँ तब होंगी जब उस स्त्री का पति या करीबी पुरुष रिश्तेदार वह व्यक्ति हो जिसने भविष्यद्वाणी करी हो। वैकल्पिक अनुवाद: "जब उसका पति भविष्यद्वाणी कर रहा हो तो स्त्रियों को चुप रहना चाहिए ... जब उसका पति भविष्यद्वाणी कर रहा हो तो बोलना चाहिए" (2) अनुचित तरीकों से बोलना या न बोलना, विशेष रूप से अनुचित तरीके से प्रश्न पूछना, ज़ोर से बोलना, या अनुचित समय पर बोलना। पौलुस चुप रहें का उपयोग उसी प्रकार से कर रहे हैं जैसा कि उन्होंने 14:28, 30 में किया था: यह किसी भी प्रकार की बातचीत को निषिद्ध नहीं करता बल्कि "शान्त रहने" को संदर्भित करता है जब बोलना अनुचित होगा। वैकल्पिक अनुवाद: "स्त्रियों को अनुचित बातचीत से बचना चाहिए ... बोलने के द्वारा आराधना में बाधा डालना" (3) कोई भी आधिकारिक बातें, जिसमें भविष्यद्वाणी, भविष्यद्वाणियों को समझना, और अन्य भाषा शामिल हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "चुप रहना ... कभी बोलना नहीं"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

## 1 कुरिन्थियों 14:34 (#3)

"स्त्रियाँ... चुप रहें"

यहाँ पौलुस तृतीय-पुरुष अनिवार्यताओं का उपयोग करते हैं। यदि आपकी भाषा में तृतीय-पुरुष अनिवार्यताएँ हैं, तो आप यहाँ एक का उपयोग कर सकते हैं। यदि आपके पास तृतीय-पुरुष अनिवार्यताएँ नहीं हैं, तो आप इस विचार को "चाहिए" या "जरूरी है" जैसे शब्द का उपयोग करके व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "स्त्रियों को चुप रहना चाहिए"

देखें: तृतीय-पुरुष अनिवार्यताएँ

## 1 कुरिन्थियों 14:34 (#4)

"कलीसिया में"

यहाँ, कलीसिया में एक स्थानिक रूपक है जो कलीसिया के बारे में ऐसे बोलता है जैसे वे एक ऐसी जगह हों जहाँ लोग इकट्ठे हो सकते हैं। पौलुस इस तरह से बोलते हैं ताकि वह जिस स्थिति पर चर्चा कर रहे हैं उसे स्पष्ट कर सकें: विश्वासियों का समूह जो परमेश्वर की आराधना करने के लिए एकत्रित

होते हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप कलीसिया में को स्पष्ट कर सकते हैं कि कलीसिया आराधना के लिए विश्वासियों के समूह को संदर्भित करता है। वैकल्पिक अनुवाद: "विश्वासियों की सभाओं में" या "आराधना सेवाओं में"

देखें: रूपक

## 1 कुरिन्थियों 14:34 (#5)

"उन्हें... अनुमति नहीं"

यहाँ, उन्हें अनुमति नहीं संकेत करने का एक तरीका है कि कोई प्रथा या परम्परा दृढ़ता से निषिद्ध है। इसमें यह नहीं बताया गया है कि इस प्रथा या व्यवहार को कौन मना करता है, बल्कि यह दर्शाया गया है कि यह सामान्यतः स्वीकार्य है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप उन्हें अनुमति नहीं को एक तुलनीय शब्द या वाक्यांश के साथ व्यक्त कर सकते हैं जो एक सामान्य निषेध को संदर्भित करता है। वैकल्पिक अनुवाद: "उन्हें अनुमति नहीं है" या "वे सक्षम नहीं हैं"

देखें: मुहावरा

## 1 कुरिन्थियों 14:34 (#6)

"अधीन रहने की"

यहाँ पौलुस तृतीय-पुरुष अनिवार्यताओं का प्रयोग करते हैं। यदि आपकी भाषा में तृतीय-पुरुष अनिवार्यताएँ हैं, तो आप यहाँ एक का उपयोग कर सकते हैं। यदि आपके पास तृतीय-पुरुष अनिवार्यताएँ नहीं हैं, तो आप इस विचार को "चाहिए" या "रहने दें" जैसे शब्दों का उपयोग करके व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "उन्हें अधीनता में रहने दें"

देखें: तृतीय-पुरुष अनिवार्यताएँ

## 1 कुरिन्थियों 14:34 (#7)

"अधीन रहने"

यहाँ पौलुस यह स्पष्ट नहीं करते कि स्त्रियों को किसके प्रति या किस चीज के प्रति अधीन रहना चाहिए। यदि संभव हो, तो आपको भी यह नहीं बताना चाहिए कि उन्हें किसके प्रति अधीन रहना चाहिए। यदि आपको अधीन रहने के विषय पर विचार करना पड़े, तो पौलुस का तात्पर्य यह हो सकता है कि अधीन रहने का यह अर्थ: (1) पतियों के लिए (या अन्य निकट पुरुष रिश्तेदार)। वैकल्पिक अनुवाद: "अपने पतियों के प्रति अधीन रहना" (2) वह व्यवस्था जो परमेश्वर ने

कलीसिया को दी है उसके लिए। वैकल्पिक अनुवाद: "कलीसिया की व्यवस्थाओं के अनुसार कार्य करना" (3) सम्पूर्ण कलीसिया के लिए, विशेष रूप से अगुवों के लिए। वैकल्पिक अनुवाद: "अन्य विश्वसियों के प्रति अधीनता में रहना" या "अगुवों के प्रति अधीनता में रहना"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

## 1 कुरिन्थियों 14:34 (#8)

"जैसा व्यवस्था में लिखा भी है"

यहाँ पौलुस यह स्पष्ट नहीं करते कि उनका **व्यवस्था** से क्या अभिप्राय है। यह 3:16 को संदर्भित कर सकता है। हालांकि, यह संभवतः पुराने नियम की पहली पाँच पुस्तकों के लिए (जो "पंचग्रन्थ" कहलाती हैं) या पूरे पुराने नियम के लिए एक अधिक सामान्य संदर्भ हो सकता है (जैसा कि पौलुस 14:21 में **व्यवस्था** का उपयोग करते हैं)। यदि संभव हो, तो यह स्पष्ट न करें कि **व्यवस्था** से पौलुस के मन में क्या अर्थ था, क्योंकि वह यह स्पष्ट रूप से नहीं बताते कि उनका **व्यवस्था** से क्या अभिप्राय है। वैकल्पिक अनुवाद: "जैसा कि तुम इसे परमेश्वर की आज्ञाओं में पा सकते हो" या "जैसा कि पवित्रशास्त्र में लिखा है"

देखें: जानकारी को अंतर्निहित कब रखना चाहिए

## 1 कुरिन्थियों 14:35 (#1)

"यदि"

यहाँ पौलुस एक सच्ची संभावना प्रस्तुत करने के लिए यदि का उपयोग करते हैं। उनका मतलब है कि वे **कुछ भी सीखने चाह सकते हैं**, या नहीं भी चाह सकते हैं। यदि वे **कुछ सीखना चाहें** तो वह उसके परिणाम को निर्दिष्ट करते हैं। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप इस रूप को एक शब्द जैसे "जब भी" या "मान लो" के साथ प्रस्तुत करके यदि कथन को व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जब भी"

देखें: जोड़ें — काल्पनिक स्थितियाँ

## 1 कुरिन्थियों 14:35 (#2)

"वे कुछ सीखना चाहें"

यहाँ पौलुस यह नहीं बताते कि "स्थितियाँ" या "पत्रियाँ" किस बारे में **कुछ सीखना चाह सकती हैं**। वह यह संकेत दे सकते हैं कि वे अधिक सीखने और पूछने की इच्छा निम्न विषयों के लिए रखती हैं: (1) उनके पतियों ने **कलीसिया** में क्या बोला

है। वैकल्पिक अनुवाद: "वे अपने पतियों द्वारा कही गई बातों के बारे में कुछ भी जानने की इच्छा रखती हैं" (2) **कलीसिया** में किसी ने क्या कहा है। वैकल्पिक अनुवाद: "वे यह जानने की इच्छा करती हैं कि किसी ने क्या कहा है"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

## 1 कुरिन्थियों 14:35 (#3)

"वे... पूछें"

यहाँ पौलुस तृतीय-पुरुष अनिवार्यताओं का उपयोग करते हैं। यदि आपकी भाषा में तृतीय-पुरुष अनिवार्यताएँ हैं, तो आप यहाँ एक का उपयोग कर सकते हैं। यदि आपके पास तृतीय-पुरुष अनिवार्यताएँ नहीं हैं, तो आप इस विचार को "चाहिए" या "जरूरी है" जैसे शब्दों का उपयोग करके व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "उन्हें पूछना चाहिए"

देखें: तृतीय-पुरुष अनिवार्यताएँ

## 1 कुरिन्थियों 14:35 (#4)

"लज्जा की बात है"

यहाँ पौलुस यह स्पष्ट नहीं करते कि यह व्यवहार किसके लिए **लज्जा की बात है**। उनका लगभग निश्चित रूप से यह मतलब है कि इससे स्त्री और संभवतः उसके परिवार पर भी "लज्जा" आ सकती है। इससे विश्वसियों के पूरे समूह पर "लज्जा" भी आ सकता है। यदि संभव हो तो ऐसी अभिव्यक्ति का प्रयोग करें जो इनमें से किसी एक या सभी विचारों को व्यक्त करने के लिए सामान्य रूप से पर्याप्त हो। वैकल्पिक अनुवाद: "यह शर्मनाक है" या "यह शर्म लाता है"

देखें: जानकारी को अंतर्निहित कब रखना चाहिए

## 1 कुरिन्थियों 14:35 (#5)

"स्त्री का"

यहाँ, 14:34 के समान ही, **स्त्री** निम्न को संदर्भित कर सकती हैं: (1) कोई भी विवाहित **स्त्री** (और संभवतः कोई भी **स्त्री** जिसके करीबी रिश्तेदार पुरुष हैं)। इस दृष्टिकोण के समर्थन में इस पद में **अपने-अपने पति** का संदर्भ दिया गया है। वैकल्पिक अनुवाद: "एक पत्नी के लिए" (2) सामान्य रूप में कोई भी **स्त्री**। वैकल्पिक अनुवाद: "किसी भी स्त्री के लिए"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

## 1 कुरिन्थियों 14:35 (#6)

"कलीसिया में"

यहाँ, कलीसिया में एक स्थानिक रूपक है जो कलीसिया को एक ऐसे स्थान के रूप में प्रस्तुत करता है जहाँ लोग इकट्ठा हो सकते हैं। पौलुस इस तरह से बोलते हैं ताकि वह उस स्थिति को इंगित कर सकें जिसकी वह चर्चा कर रहे हैं: विश्वासियों का वह समूह जो परमेश्वर की आराधना करने के लिए एकत्र होते हैं। यदि यह आपकी भाषा में उपयोगी हो, तो आप कलीसिया में को यह स्पष्ट करके अपनी बात व्यक्त कर सकते हैं कि कलीसिया का तात्पर्य आराधना के लिए विश्वासियों के एकत्र होने से है। वैकल्पिक अनुवाद: "विश्वासियों की सभा में" या "आराधना की सेवा में"

देखें: रूपक

## 1 कुरिन्थियों 14:36 (#1)

"या"

शब्द या उन निर्देशों का विकल्प प्रस्तुत करता है जो पौलुस ने आराधना में उचित क्रम के बारे में दिए हैं, जिसमें उसने 14:27-35 में जो कहा है, वह शामिल है, विशेषकर 14:33-35 में कहा गया भी शामिल है। पौलुस ने या शब्द का प्रयोग यह संकेत करने के लिए किया है कि यह सोचना कि परमेश्वर का वचन तुम में से निकला, परमेश्वर की कही हुई बातों का पालन करने के विपरीत है। यदि यह आपकी भाषा में उपयोगी होगा, तो आप या को किसी ऐसे शब्द या वाक्यांश से व्यक्त कर सकते हैं जो विकल्प प्रस्तुत करता हो। वैकल्पिक अनुवाद: "मान लो कि तुम मेरे निर्देशों का पालन नहीं करना चाहते। इस पर विचार करो।"

देखें: शब्दों और वाक्यांशों को जोड़ना

## 1 कुरिन्थियों 14:36 (#1)

""

"पौलुस ने जोर दिया कि कुरिन्थियों के लोग ही अकेले नहीं हैं जो समझते हैं कि परमेश्वर मसीहियों से क्या चाहता है। वैकल्पिक अनुवाद: ""परमेश्वर का वचन तुम कुरिन्थियों से नहीं आया था, तुम अकेले लोग नहीं हो जो परमेश्वर की इच्छा को समझते हो।"""

देखें: आलंकारिक प्रश्न

## 1 कुरिन्थियों 14:36 (#3)

"क्यों परमेश्वर का वचन... निकला" - "या केवल... पहुँचा है"

यहाँ पौलुस ऐसे बोलते हैं जैसे परमेश्वर का वचन एक व्यक्ति हो जो यात्रा कर सकता है। वह इस तरह से बोलते हैं ताकि वचन को उन लोगों से अधिक महत्व दिया जा सके जो उस वचन का प्रचार करते हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप यह संकेत कर सकते हैं कि लोग वचन के साथ यात्रा करते हैं और परमेश्वर के वचन पर जोर देने का किसी अन्य तरीके को अपना सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "क्या परमेश्वर के वचन का प्रचार करने वाले लोग बाहर गए ... क्या इसे प्रचार करने वाले लोग आए"

देखें: मानवीकरण

## 1 कुरिन्थियों 14:36 (#4)

"क्यों परमेश्वर का वचन तुम में से निकला" - "या केवल तुम ही तक पहुँचा है"

पहले प्रश्न में, निकला का अर्थ है कि कुरिन्थ के लोगों को परमेश्वर के वचन का स्रोत माना गया है। दूसरे प्रश्न में, पहुँचा का अर्थ है कि कुरिन्थ के लोगों को परमेश्वर के वचन का प्राप्तकर्ता माना गया है। अपनी भाषा में इसे स्पष्ट करने के लिए गतिविधि से जुड़े शब्दों का उपयोग करें। वैकल्पिक अनुवाद: "क्या परमेश्वर का वचन चला गया... क्या यह केवल तुम तक पहुँचा?"

देखें: जाएँ और आएँ

## 1 कुरिन्थियों 14:36 (#2)

"परमेश्वर का वचन यहाँ परमेश्वर के संदेश के लिए एक अलंकार है। वैकल्पिक अनुवाद: ""परमेश्वर का संदेश"""

देखें: प्रतिन्यास

## 1 कुरिन्थियों 14:36 (#6)

"परमेश्वर का वचन"

यहाँ पौलुस वचन का वर्णन करने के लिए स्वामित्व रूप का उपयोग करते हैं जो: (1) परमेश्वर से है। वैकल्पिक अनुवाद: "परमेश्वर से प्राप्त वचन" (2) परमेश्वर के बारे में है। वैकल्पिक अनुवाद: "वह वचन जो परमेश्वर के बारे में है"

देखें: स्वामित्व

## 1 कुरिन्थियों 14:37 (#1)

**"यदि कोई मनुष्य अपने आपको भविष्यद्वक्ता या आत्मिक जन समझे"**

यहाँ पौलुस इस तरह बोलते हैं जैसे यदि कुछ कुरिन्थ के लोगों को लगता है कि वे "भविष्यद्वक्ता" या **आत्मिक जन** हों, लेकिन वह जानते हैं कि उनमें से कुछ इस तरह से सोचते भी हैं। वह **यदि** का उपयोग उन लोगों की पहचान करने के लिए करते हैं जिनसे वह बात कर रहे हैं। यदि आपकी भाषा में किसी विशेष समूह की पहचान के लिए **यदि** का उपयोग नहीं होता है, तो आप एक ऐसा रूप उपयोग कर सकते हैं जो ऐसा करता है। वैकल्पिक अनुवाद: "जो कोई स्वयं को भविष्यद्वक्ता या आत्मिक मानता है"

देखें: जोड़ें — तथ्यात्मक स्थितियाँ

## 1 कुरिन्थियों 14:37 (#2)

**"अपने... आपको जन समझे" - "तो यह जान ले"**

हालांकि **अपने आपको पुलिंग** हैं, पौलुस इन शब्दों का उपयोग किसी को भी संदर्भित करने के लिए कर रहे हैं, याहे वह पुरुष हो या स्त्री। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप **अपने आपको** को गैर-लिंग वाले शब्दों के साथ व्यक्त कर सकते हैं या दोनों लिंगों का उल्लेख कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "अपने आप को सोचता है ... उसे रहने दो"

देखें: जब पुलिंग शब्दों में स्त्रियाँ भी सम्मिलित होती हैं

## 1 कुरिन्थियों 14:37 (#1)

एक सच्चा भविष्यद्वक्ता या वास्तव में आत्मिक व्यक्ति पौलुस के लेखों को प्रभु से प्राप्त के रूप में स्वीकार करेगा।

## 1 कुरिन्थियों 14:37 (#4)

**"मैं तुम्हें लिखता हूँ"**

यहाँ पौलुस इस पत्र, 1 कुरिन्थियों को संदर्भित करने के लिए वर्तमान काल का उपयोग करते हैं। यदि आपकी भाषा में वर्तमान काल का उपयोग किसी ऐसे पत्र को संदर्भित करने के लिए नहीं किया जाता है जिसे कोई वर्तमान में लिख रहा है, तो आप उस काल का उपयोग कर सकते हैं जो आपकी भाषा में स्वाभाविक है। वैकल्पिक अनुवाद: "मैंने लिखा है"

देखें: भविष्यसूचक भूतकाल

## 1 कुरिन्थियों 14:37 (#5)

**"प्रभु की आज्ञाएँ हैं"**

यहाँ पौलुस स्वामित्व रूप का उपयोग करके **आज्ञाएँ** का वर्णन करते हैं: (1) यह एक **आज्ञा** है जो वह **प्रभु** के अधिकार से देते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "एक आदेश जिसे प्रभु अधिकृत करते हैं" या "एक आदेश जिसमें प्रभु का अधिकार है" (2) एक **आज्ञा** जो **प्रभु** ने दी है या वर्तमान में दे रहे हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "एक आज्ञा जो प्रभु देते हैं"

देखें: स्वामित्व

## 1 कुरिन्थियों 14:37 (#6)

**"प्रभु की आज्ञाएँ"**

यदि आपकी भाषा में **आज्ञाएँ** के पीछे के विचार के लिए कोई भाववाचक संज्ञा नहीं होती है, तो आप इस विचार को "आदेश देना" जैसी क्रिया का उपयोग करके व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जो आज्ञा प्रभु देते हैं"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

## 1 कुरिन्थियों 14:38 (#1)

**"यदि कोई न माने"**

यहाँ पौलुस ऐसे बोलते हैं मानो **यदि** कुछ कुरिन्थ के लोग न मानें, लेकिन उन्हें उम्मीद है कि उनमें से कुछ सचमुच ऐसे हो सकते हैं। वे **यदि** का उपयोग करके उन लोगों को पहचानते हैं जिनसे वे बात कर रहे हैं। यदि आपकी भाषा **यदि** का उपयोग करके किसी विशेष समूह की पहचान नहीं करती है, तो आप एक ऐसे रूप का उपयोग कर सकते हैं जो ऐसा करता है। वैकल्पिक अनुवाद: "जो कोई न माने"

देखें: जोड़ें — तथ्यात्मक स्थितियाँ

## 1 कुरिन्थियों 14:38 (#2)

**"कोई न माने, तो न माने"**

यहाँ **न माने** का अर्थ निम्न हो सकता है: (1) अंतिम पद ([14:37](#)) में "जान ले" के विपरीत, अर्थात् किसी चीज़ या व्यक्ति के अधिकार को स्वीकार न करना। वैकल्पिक अनुवाद: "यदि इसे स्वीकार नहीं करता, तो उसे स्वीकार न किया जाए" (2) यह न जानना कि कोई बात सत्य है।

वैकल्पिक अनुवाद: "यदि इसे नहीं जानता, तो उसे जानने न दिया जाए"

## 1 कुरिन्थियों 14:38 (#3)

### "न माने"

यहाँ पौलुस यह नहीं बताते कि यह व्यक्ति क्या **नहीं मान** रहा है। हालांकि, पिछला पद (14:37) यह संकेत देता है कि यह व्यक्ति इस बारे में **नहीं मान** रहा है कि पौलुस ने जो कुछ लिखा है वह प्रभु की आज्ञा है। यदि आपके पाठक इस जानकारी को नहीं समझेंगे, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "न माने कि मैं प्रभु की ओर से एक आज्ञा लिख रहा हूँ"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

## 1 कुरिन्थियों 14:38 (#4)

### "तो न माने"

यहाँ पौलुस तृतीय-पुरुष अनिवार्यताओं का उपयोग करते हैं। यदि आपकी भाषा में तृतीय-पुरुष अनिवार्यताएँ हैं, तो आप यहाँ एक का उपयोग कर सकते हैं। यदि आपके पास तृतीय-पुरुष अनिवार्यताएँ नहीं हैं, तो आप इस विचार को "चाहिए" या "जरूरी" जैसे शब्द का उपयोग करके व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "उसे नहीं मानना चाहिए"

देखें: तृतीय-पुरुष अनिवार्यताएँ

## 1 कुरिन्थियों 14:38 (#5)

### "तो न माने"

यहाँ पौलुस यह नहीं बताते कि उस व्यक्ति को कौन **न मानने** दे रहा है। उनका मतलब हो सकता है: (1) कि कुरिय के लोगों को उसे **न मानने** देना चाहिए। वैकल्पिक अनुवाद: "तुमको उसे अज्ञानी रहने देना चाहिए" (2) कि परमेश्वर **उसे न मानने** दे रहे हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "परमेश्वर उसे अज्ञानी रहने देंगे" या "परमेश्वर उन्हें अज्ञानी मानेंगे"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

## 1 कुरिन्थियों 14:38 (#6)

### "तो न माने"

बाइबल की मूल भाषा में यहाँ 'उसे' का प्रयोग किया गया है पर हिन्दी आई.आर.वि. में इसका प्रयोग नहीं किया गया है।

हालांकि उसे का उपयोग पुलिंग के लिए होता है, लेकिन पौलुस इसका उपयोग किसी भी व्यक्ति के लिए कर रहे हैं, चाहे वह पुरुष हो या स्त्री। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप उसे को एक गैर-लिंग शब्द के साथ व्यक्त कर सकते हैं या दोनों लिंगों का उल्लेख कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "उसे अज्ञानी रहने दो"

देखें: जब पुलिंग शब्दों में स्त्रियाँ भी सम्मिलित होती हैं

## 1 कुरिन्थियों 14:38 (#7)

### "तो न माने"

पौलुस की भाषा में, **न माने** और "उसे अज्ञानी समझा जाता है" देखने और सुनने में बहुत समान हैं। जबकि कुछ प्रारंभिक और महत्वपूर्ण हस्तलिपियों में यहाँ "उसे अज्ञानी समझा जाता है" है, कई प्रारंभिक और महत्वपूर्ण हस्तलिपियों में **न माने** है। जब तक "उसे अज्ञानी समझा जाता है" का अनुवाद करने का कोई अच्छा कारण नहीं है, यहाँ आई.आर.वि. का अनुसरण करना सबसे अच्छा है।

देखें: पाठ्य भिन्नताएँ

## 1 कुरिन्थियों 14:39 (#1)

### (तो फिर) "अतः हे भाइयों"

बाइबल की मूल भाषा में यहाँ 'तो फिर' का प्रयोग किया गया है पर हिन्दी आई.आर.वि. में इसका प्रयोग नहीं किया गया है। यहाँ, **तो फिर** 14:1-38 से तर्क के निष्कर्ष को प्रस्तुत करता है। अपनी भाषा में एक ऐसा शब्द या वाक्यांश का उपयोग करें जो तर्क के निष्कर्ष को प्रस्तुत करता है। वैकल्पिक अनुवाद: "इसलिए" या "सारांश में"

देखें: जोड़ें — कारण-और-परिणाम सम्बन्ध

## 1 कुरिन्थियों 14:39 (#2)

### "भाइयों"

हालांकि **भाइयों** का उपयोग पुलिंग रूप में होता है, पौलुस इस शब्द का उपयोग किसी भी विश्वासी के लिए कर रहे हैं, चाहे वह पुरुष हो या स्त्री। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप **भाइयों** को एक गैर-लिंग शब्द के साथ व्यक्त कर सकते हैं या दोनों लिंगों का उल्लेख कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "भाइयों और बहनों"

देखें: जब पुलिंग शब्दों में स्त्रियाँ भी सम्मिलित होती हैं

## 1 कुरिन्थियों 14:39 (#1)

पौलुस यह स्पष्ट करता है कि एक कलीसिया सभा में अन्य भाषाओं में बोलने की अनुमति ग्रहणयोग्य और स्वीकार्य है।

## 1 कुरिन्थियों 14:40 (#1)

### "क्यों परमेश्वर का वचन"

पौलुस जोर दे रहा है कि कलीसिया सभा औं को व्यवस्थित ढंग से आयोजित किया जाना चाहिए। वैकल्पिक अनुवाद: ""लेकिन सभी चीजों को सही तरीके से और क्रम में करें"" या ""लेकिन व्यवस्थित, उचित तरीके से सबकुछ करें""

## 1 कुरिन्थियों 14:40 (#2)

### "सारी बातें... की जाएँ"

यहाँ पौलुस तृतीय-पुरुष अनिवार्यताओं का उपयोग करते हैं। यदि आपकी भाषा में तृतीय-पुरुष अनिवार्यताएँ हैं, तो आप यहाँ एक का उपयोग कर सकते हैं। यदि आपके पास तृतीय-पुरुष अनिवार्यताएँ नहीं हैं, तो आप इस विचार को "चाहिए" या "जरूरी है" जैसे शब्दों का उपयोग करके व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "सारी बातें करी जानी चाहिए" देखें: तृतीय-पुरुष अनिवार्यताएँ

## 1 कुरिन्थियों 14:40 (#3)

### "सभ्यता"

यहाँ, सभ्यता का मतलब उस स्थिति के लिए उपयुक्त व्यवहार से है। देखें कि आपने [7:35](#) में "उचित" शब्द का अनुवाद कैसे किया था। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप सभ्यता को एक शब्द या वाक्यांश के साथ व्यक्त कर सकते हैं जो उपयुक्त या शालीन व्यवहार को संदर्भित करता है। वैकल्पिक अनुवाद: "सही ढंग से" या "शालीनता से"

देखें: अज्ञातों का अनुवाद करें

## 1 कुरिन्थियों 14:40 (#4)

### "क्रमानुसार"

यहाँ, क्रमानुसार का अर्थ है कि वस्तुएँ, लोग, और क्रियाएँ सही स्थान और क्रम में हैं। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप क्रमानुसार को एक ऐसे शब्द या वाक्यांश के

साथ व्यक्त कर सकते हैं जो ऐसी सही और व्यवस्थित वस्तुओं, लोगों, और क्रियाओं को इंगित करता है। वैकल्पिक अनुवाद: "एक व्यवस्थित तरीके से" या "एक सही ढंग से व्यवस्थित तरीके से"

देखें: अज्ञातों का अनुवाद करें

## 1 कुरिन्थियों 15:1 (#1)

""

Connecting Statement:\n\nपौलुस उन्हें याद दिलाता है कि यह सुसमाचार है जो उन्हें बचाता है और वह उन्हें फिर से बताता है कि सुसमाचार क्या है। फिर वह उन्हें एक लघु इतिहास सबक देता है, जो अभी क्या होनेवाला है इसके साथ समाप्त होता है।

## 1 कुरिन्थियों 15:1 (#2)

""

तुम्हे याद रखने में मदद करें

## 1 कुरिन्थियों 15:1 (#3)

### "भाइयों"

संयोजक वक्तव्य: हालाँकि भाइयों शब्द पुल्लिंग है, लेकिन पौलुस इसका इस्तेमाल किसी भी विश्वासी को संदर्भित करने के लिए कर रहा है, चाहे वह पुरुष हो या महिला। अगर यह आपकी भाषा में मददगार होगा, तो आप भाइयों को गैर लिंगीय शब्द से व्यक्त कर सकते हैं या दोनों लिंगों को संदर्भित कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "भाइयों और बहनों"

देखें: जब पुल्लिंग शब्दों में स्त्रियाँ भी सम्मिलित होती हैं

## 1 कुरिन्थियों 15:1 (#3)

### "जिसमें तुम स्थिर भी हो"

पौलुस कुरिन्थियों के बारे में बात कर रहा है जैसे एक घर और सुसमाचार एक आधार जिस पर घर खड़ा था।

देखें: रूपक

## 1 कुरिन्थियों 15:2 (#1)

"उसी के द्वारा तुम्हारा उद्धार भी होता है, यदि उस सुसमाचार को जो मैंने तुम्हें सुनाया था"

यदि आपकी भाषा स्वाभाविक रूप से मुख्य कथन से पहले स्थिति बताती है, तो आप इन दो खंडों को फिर से व्यवस्थित कर सकते हैं। यदि आप निम्नलिखित वैकल्पिक अनुवाद का उपयोग करते हैं, तो आपको इसके पहले एक अवधि जोड़ने की आवश्यकता हो सकती है। वैकल्पिक अनुवाद: "यदि तुम उस वचन को दृढ़ता से थामे रहो जो मैंने तुम्हें सुनाया है, तो उसके द्वारा भी तुम बच जाओगे"

देखें: सूचना संरचना

## 1 कुरिन्थियों 15:2 (#1)

"तुम्हारा उद्धार भी होता है"

"इसे सक्रिय रूप में कहा जा सकता है। ""परमेश्वर तुम्हे बचाएगा"""

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

## 1 कुरिन्थियों 15:2 (#3)

"तुम्हारा उद्धार भी होता है"

यहाँ पौलुस कुरिन्थियों के विश्वासियों के उद्धार के बारे में बात करने के लिए वर्तमान काल का उपयोग करता है। पौलुस इस काल का उपयोग इसलिए कर सकता है क्योंकि: (1) वह चाहता है कि कुरिन्थियों को एहसास हो कि वे केवल तभी उद्धार पायेगे जब यीशु वापस आएंगे, और अभी वे उद्धार पाने की प्रक्रिया में हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "आप वर्तमान में बचाए जा रहे हैं" या "आप बचाए जाएंगे" (2) वह वर्तमान काल का उपयोग किसी ऐसी चीज़ के बारे में बात करने के लिए कर रहा है जो आम तौर पर सच है। उसके मन में कुरिन्थियों के विश्वासियों के बचाए जाने का कोई खास समय नहीं है। वैकल्पिक अनुवाद: "आप बचाए गए हैं"

## 1 कुरिन्थियों 15:2 (#4)

"यदि"

यहाँ पौलुस ने प्रतिबंधात्मक रूप का उपयोग यह दिखाने के लिए किया है कि वचन को दृढ़ता से थामे रहने से उद्धार प्राप्त होता है। यदि प्रतिबंधात्मक रूप आपकी भाषा में इस तरह के कारण-और-प्रभाव संबंध को इंगित नहीं करता है, तो आप यदि कथन को इस तरह से व्यक्त कर सकते हैं जो संबंध को दर्शाता है। वैकल्पिक अनुवाद: "जब तक" या "जब"

देखें: जोड़ें — काल्पनिक स्थितियाँ

## 1 कुरिन्थियों 15:2 (#5)

"यदि उस सुसमाचार को जो मैंने तुम्हें सुनाया था स्मरण रखते हो"

यहाँ पौलुस ऐसे बोलता है मानो सुसमाचार कोई भौतिक वस्तु हो जिसे कुरिन्थियों मजबूती से स्मरण रख सकें। वह इस तरह से उस भरोसे या स्मरण को संदर्भित करने के लिए बोलता है जो किसी वस्तु पर किसी की पकड़ जितना ही मजबूत होता है जिसे वे खोना नहीं चाहते। अगर यह आपकी भाषा में मददगार होगा, तो आप इस अलंकार को एक तुलनीय रूपक के साथ व्यक्त कर सकते हैं या विचार को स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "आप कभी भी वचन को नहीं छोड़ते" या "आप वचन पर लगातार विश्वास करते हैं"

देखें: रूपक

## 1 कुरिन्थियों 15:2 (#2)

"उस सुसमाचार को जो मैंने तुम्हें सुनाया था"

संदेश जो मैंने तुम्हें प्रचार किया

## 1 कुरिन्थियों 15:2 (#7)

"नहीं तो तुम्हारा विश्वास करना व्यर्थ हुआ"

यहाँ, नहीं तो वचन को स्मरण रखने के विपरीत का परिचय देता है। पौलुस का तात्पर्य है कि अगर वे वचन को स्मरण नहीं करते हैं, तो तुम्हारा विश्वास करना व्यर्थ हुआ। अगर यह आपकी भाषा में सहयक होगा, तो आप इस विरोधाभास को और अधिक स्पष्ट रूप से बताकर व्यक्त कर सकते हैं। यदि आप निम्नलिखित वैकल्पिक अनुवाद का उपयोग करते हैं, तो आपको इसके पहले एक अवधि जोड़ने की आवश्यकता हो सकती है। वैकल्पिक अनुवाद: "हालाँकि, यदि आप वचन को दृढ़ता से नहीं थामे रहते, तो आपने व्यर्थ में विश्वास किया"

देखें: जोड़ें — विरोधाभास सम्बन्ध

## 1 कुरिन्थियों 15:3 (#1)

"इसी कारण मैंने सबसे पहले तुम्हें वही बात पहुँचा दी"

यहाँ पौलुस ऐसे बोलता है मानो उसने कुरिन्थियों को जो सुसमाचार सुनाया वह एक भौतिक वस्तु थी जिसे उसने उन्हें दिया। इस तरह से बोलकर, वह इस बात पर ज़ोर

देता है कि उसने कुरिन्युस के विश्वासियों को वास्तव में सुसमाचार सिखाया, और अब वे इसे उतना ही अच्छी तरह जानते हैं जैसे कि उन्होंने इसे अपने हाथों में थामा हो। अगर यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप इस अलंकार को एक तुलनीय रूपक के साथ व्यक्त कर सकते हैं या विचार को स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मैंने तुम्हें सबसे पहले सिखाया" या "मैंने तुम्हें सबसे पहले सौंपा"

देखें: रूपक

### 1 कुरिन्थियों 15:3 (#1)

"मैंने सबसे पहले"

संभावित अर्थ 1) कई चीजों में से सबसे महत्वपूर्ण या 2) पहली बार के रूप में।

### 1 कुरिन्थियों 15:3 (#2)

"हमारे पापों के लिये"

"हमारे पापों के लिए भुगतान करना या ""ताकि परमेश्वर हमारे पापों को क्षमा कर सके"""

### 1 कुरिन्थियों 15:3 (#4)

"हमारे पापों के लिए"

वैकल्पिक अनुवाद: "हमारे पापों का उद्धार करने के लिए"

### 1 कुरिन्थियों 15:3 (#3)

"पवित्रशास्त्र के वचन के अनुसार"

पौलुस पुराने नियम के लेखन को प्रस्तुत कर रहा है।

### 1 कुरिन्थियों 15:4 (#1)

"गाढ़ा गया"

"इसे सक्रिय रूप में कहा जा सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: ""उन्होंने उन्हें गाढ़ दिया"""

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

### 1 कुरिन्थियों 15:4 (#2)

"जी भी उठा"

"इसे सक्रिय रूप में कहा जा सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: ""परमेश्वर ने उन्हें उठाया"""

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

### 1 कुरिन्थियों 15:4 (#3)

"जी भी उठा"

के कारण फिर से जी उठा

### 1 कुरिन्थियों 15:4 (#4)

"तीसरे दिन"

अगर आपकी भाषा में क्रमसूचक संख्याओं का उपयोग नहीं किया जाता है, तो आप यहाँ मूल गिनती का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "तीसरे दिन"

देखें: क्रमसूचक संख्याएँ

### 1 कुरिन्थियों 15:4 (#5)

"तीसरे दिन"

पौलुस की संस्कृति में, वर्तमान दिन को "पहला दिन" माना जाता था। इसलिए, **तीसरा दिन** उसके **दफ्फन होने** के दो दिन बाद का दिन होगा। यदि यीशु को शुक्रवार को **दफनाया** गया, तो वह रविवार को जी उठे। विचार करें कि आपकी भाषा में दिन कैसे गिने जाते हैं और एक वाक्यांश का उपयोग करें जो समय को सही ढंग से दर्शाता हो। वैकल्पिक अनुवाद: "दो दिन बाद"

देखें: संख्याएँ

### 1 कुरिन्थियों 15:4 (#6)

"पवित्रशास्त्र के अनुसार"

पौलुस की संस्कृति में, किसी महत्वपूर्ण पाठ का संदर्भ प्रस्तुत करने के लिए '**के अनुसार**' एक सामान्य तरीका था। इस मामले में, पौलुस यह नहीं बताता कि उसके मन में **शास्त्र** का कौन सा भाग है, बल्कि वह पूरे **शास्त्र** का उल्लेख करता है। अगर यह आपकी भाषा में मददगार होगा, तो आप व्यक्त कर सकते हैं कि पौलुस ने उद्धरण का परिचय कैसे दिया, एक तुलनीय वाक्यांश के साथ जो दर्शाता है कि पौलुस एक

महत्वपूर्ण पाठ का उल्लेख कर रहा है। वैकल्पिक अनुवाद:  
"जैसा कि शास्त्रों में पढ़ा जा सकता है"

देखें: उद्धरण और उद्धरण सीमा

### 1 कुरिन्थियों 15:4 (#7)

"पवित्रशास्त्र के अनुसार तीसरे दिन"

यहाँ, पवित्रशास्त्र के अनुसार संशोधित किया जा सकता है  
(1) वह तीसरे दिन जी उठा। वैकल्पिक अनुवाद: "तीसरे दिन, सब कुछ वैसा ही हुआ जैसा शास्त्रों में दर्ज है" (2) ठीक तीसरे दिन। वैकल्पिक अनुवाद: "तीसरे दिन, जब शास्त्रों ने संकेत दिया था कि यह होगा"

### 1 कुरिन्थियों 15:5 (#1)

"और कैफा को तब बारहों को दिखाई दिया"

संयोजक वक्तव्य: अगर आपकी भाषा में इस तरह से निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं किया जाता है, तो आप विचार को संक्रिय रूप में या किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं जो आपकी भाषा में स्वाभाविक है। पौलुस निष्क्रिय रूप का उपयोग उस व्यक्ति पर जोर देने के लिए करता है जिसे देखा जा रहा है बजाय उन लोगों पर ध्यान केंद्रित करने के जो "देखते हैं।" वैकल्पिक अनुवाद: "कैफा और फिर बारह ने उसे देखा"

देखें: संक्रिय या निष्क्रिय

### 1 कुरिन्थियों 15:5 (#2)

"और" - "दिखाई दिया"

स्वयं को दिखाया

### 1 कुरिन्थियों 15:6 (#1)

"फिर पाँच सौ से अधिक भाइयों को एक साथ दिखाई दिया"

यदि आपकी भाषा में इस तरह से निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं किया जाता है, तो आप विचार को संक्रिय रूप में या किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं जो आपकी भाषा में स्वाभाविक है। पौलुस निष्क्रिय रूप का उपयोग उस व्यक्ति पर जोर देने के लिए जो दिखाई दिया जा रहा है न कि उन लोगों पर जो "देखते हैं।" वैकल्पिक अनुवाद: "पाँच सौ से अधिक भाइयों ने उसे एक साथ देखा"

देखें: संक्रिय या निष्क्रिय

### 1 कुरिन्थियों 15:6 (#2)

"फिर पाँच सौ से अधिक भाइयों को एक साथ दिखाई दिया"

हालाँकि भाइयों शब्द पुल्लिंग रूप में है, लेकिन पौलुस इसका इस्तेमाल किसी भी विश्वासी को संदर्भित करने के लिए कर रहा है, चाहे वह पुरुष हो या महिला। अगर यह आपकी भाषा में मददगार होगा, तो आप भाइयों को गैर-लिंगीय शब्द से व्यक्त कर सकते हैं या दोनों लिंगों को संदर्भित कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "पाँच सौ से अधिक भाइयों और बहनों द्वारा"

देखें: जब पुल्लिंग शब्दों में स्त्रियाँ भी सम्मिलित होती हैं

### 1 कुरिन्थियों 15:6 (#3)

"एक साथ"

यहाँ, एक साथ यह संकेत मिलता है कि पाँच सौ से ज्यादा भाइयों में से सभी ने एक ही समय पर यीशु को देखा। अगर यह आपकी भाषा में मददगार होगा, तो आप एक शब्द या वाक्यांश के साथ एक साथ व्यक्त कर सकते हैं जो इसे एक घटना के रूप में पहचानता है। वैकल्पिक अनुवाद: "एक ही समय में" या "एक साथ"

देखें: अज्ञातों का अनुवाद करें

### 1 कुरिन्थियों 15:6 (#4)

"जिनमें से बहुत सारे अब तक वर्तमान हैं पर कितने सो गए"

आपकी भाषा में यह अधिक स्वाभाविक हो सकता है कि आप इस बात का उल्लेख करें कि कितने सो गए, इससे पहले कि आप यह मुख्य बिंदु बताएं कि बहुत सारे अब तक वर्तमान हैं यदि ऐसा है, तो आप इन दो खंडों के क्रम को उलट सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "एक साथ। जबकि कुछ लोग सो गए हैं, उनमें से अधिकांश अब तक बचे हुए हैं।"

देखें: सूचना संरचना

### 1 कुरिन्थियों 15:6 (#5)

"अब तक वर्तमान हैं"

यहाँ, अब तक वर्तमान हैं, वर्तमान क्षण तक जीवित रहने को संदर्भित करता है। पौलुस का तात्पर्य है कि यीशु को देखने वाले पाँच सौ लोगों में से **अधिक** अभी भी जीवित हैं जब वह यह पत्र लिख रहा है। यदि यह आपकी भाषा में मददगार होगा, तो आप **अब तक वर्तमान हैं** एक तुलनीय मुहावरे के साथ व्यक्त कर सकते हैं या विचार को स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "अब तक जीवित रहना"

देखें: मुहावरा

## 1 कुरिन्थियों 15:6 (#2)

"यहाँ सोना मौत के लिए एक आम प्रेयोक्ति है। वैकल्पिक अनुवाद: ""कुछ मर गए हैं""

देखें: शिष्टता

## 1 कुरिन्थियों 15:7 (#1)

"फिर याकूब को दिखाई दिया तब सब प्रेरितों को दिखाई दिया"

यदि आपकी भाषा में इस तरह से निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं किया जाता है, तो आप विचार को सक्रिय रूप में या किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं जो आपकी भाषा में स्वाभाविक है। पौलुस निष्क्रिय रूप का उपयोग उस व्यक्ति पर ज़ोर देने के लिए करता है जिसे **देखा** जा रहा है बजाय उन लोगों पर ज़ोर देने के जो "देखते हैं।" वैकल्पिक अनुवाद: "याकूब और फिर सभी प्रेरितों ने उसे देखा"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

## 1 कुरिन्थियों 15:7 (#2)

"तब सब प्रेरितों को"

यहाँ, **सब प्रेरितों** केवल उन बारह करीबी अनुयायियों को संदर्भित नहीं करते हैं जिन्हें यीशु ने उनका अनुसरण करने के लिए बुलाया था। पौलुस स्पष्ट रूप से स्पष्ट नहीं करता है कि जब वह **प्रेरितों** का उल्लेख करता है तो उसका तात्पर्य किससे है, लेकिन शब्द संभवतः "बारह" को संदर्भित करता है, शायद याकूब और अन्य भी। चूँकि पौलुस यह निर्दिष्ट नहीं करता है कि वास्तव में **प्रेरित** कौन हैं, इसलिए आपको अपने अनुवाद में एक सामान्य शब्द का उपयोग करना चाहिए। वैकल्पिक अनुवाद: "उन सभी लोगों द्वारा जो प्रेरित हैं" या "उन सभी द्वारा जिन्हें यीशु ने विशेष रूप से अपने प्रतिनिधियों के रूप में चुना है"

देखें: जानकारी को अंतर्निहित कब रखना चाहिए

## 1 कुरिन्थियों 15:8 (#1)

"कितने सो गए"

अंत में, वह दूसरों को दिखाई देने के बाद"

## 1 कुरिन्थियों 15:8 (#2)

"और सब के बाद मुझ को भी दिखाई दिया, जो मानो अधूरे दिनों का जन्मा हूँ"

यदि आपकी भाषा में इस तरह से निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं किया जाता है, तो आप विचार को सक्रिय रूप में या किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं जो आपकी भाषा में स्वाभाविक है। पौलुस निष्क्रिय रूप का उपयोग उस व्यक्ति पर ज़ोर देने के लिए करता है जिसे **देखा** जा रहा है न कि उस व्यक्ति पर जो "देखता है।" वैकल्पिक अनुवाद: "मैंने भी उसे देखा, मानो मैं गलत समय पर जन्मा बालक हूँ"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

## 1 कुरिन्थियों 15:8 (#2)

"जो" - "अधूरे दिनों का जन्मा हूँ"

"यह एक मुहावरा है जिसके द्वारा पौलुस का अर्थ यह हो सकता है कि वह अन्य प्रेरितों की तुलना में बाद में एक मसीही बन गया। या सम्भवतः उसका मतलब है कि, अन्य प्रेरितों के विपरीत, उसने यीशु की तीन साल की सेवकाई को नहीं देखा। वैकल्पिक अनुवाद: ""कोई जो दूसरों के अनुभवों की कमी अनुभव करता है"""

देखें: मुहावरा

## 1 कुरिन्थियों 15:8 (#4)

"जो मानो अधूरे दिनों का जन्मा हूँ।"

यहाँ पौलुस खुद की तुलना **अधूरे दिनों का जन्मा बालक** से करते हैं। उनका तात्पर्य हो सकता है: (1) कि उन्होंने मसीह को देखा और अचानक या असामान्य समय पर प्रेरित बन गये, ठीक वैसे ही जैसे **अधूरे दिनों का जन्मा बालक**। वैकल्पिक अनुवाद: "जो अचानक हुआ, जैसे कि मैं गलत समय पर पैदा हुआ बच्चा था" (2) कि मसीह के उसके सामने आने से पहले, वह **अधूरे दिनों का जन्मा बालक** की तरह शक्तिहीन और दुखी थे। वैकल्पिक अनुवाद: "जो गलत समय पर पैदा हुए बालक की तरह शक्तिहीन और दुखी थे"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

### 1 कुरिन्थियों 15:9 (#1)

"क्योंकि मैं प्रेरितों में सबसे छोटा हूँ, वरन् प्रेरित कहलाने के योग्य भी नहीं, क्योंकि मैंने परमेश्वर की कलीसिया को सताया था।"

यदि आपकी भाषा में कारण को परिणाम से पहले बताया जाता है, तो आप वाक्य में **क्योंकि** मैंने परमेश्वर की कलीसिया को सताया था। खंड को पहले ले जा सकते हैं। यह कारण दे सकता है: (1) **वरन् प्रेरित कहलाने के योग्य भी नहीं**। वैकल्पिक अनुवाद: "मैं प्रेरितों में सबसे छोटा हूँ, जो, क्योंकि मैंने परमेश्वर की कलीसिया को सताया था, प्रेरित कहलाने के योग्य नहीं हैं" (2) पूरे वाक्य के लिए। वैकल्पिक अनुवाद: "क्योंकि मैंने परमेश्वर की कलीसिया को सताया था, मैं प्रेरितों में सबसे छोटा हूँ, जो प्रेरित कहलाने के योग्य नहीं हैं।"

देखें: सूचना संरचना

### 1 कुरिन्थियों 15:9 (#2)

"सबसे छोटा"

यहाँ, सबसे छोटा का तात्पर्य है महत्व और सम्मान में सबसे कम। आगरे आपके पाठक यह अनुमान नहीं लगा पाएँगे कि महत्व और सम्मान में पौलुस सबसे कम है, तो आप इसे स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "सबसे कम महत्वपूर्ण" या "सबसे कम मूल्यवान"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

### 1 कुरिन्थियों 15:9 (#3)

"कहलाने"

यदि आपकी भाषा में इस तरह से निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं किया जाता है, तो आप विचार को सक्रिय रूप में या किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं जो आपकी भाषा में स्वाभाविक है। चूँकि पौलुस निष्क्रिय का उपयोग यह बताने से बचने के लिए करता है कि "बुलावा" कौन कर रहा है, इसलिए यदि आपको यह बताना है कि कौन कार्य करता है, तो आप अस्पष्ट या अनिश्चित विषय का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "लोगों द्वारा मुझे कहलाने के लिए" या "उनके द्वारा मुझे पुकारने के लिए"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

### 1 कुरिन्थियों 15:9 (#4)

"परमेश्वर की कलीसिया"

यहाँ, परमेश्वर की कलीसिया का तात्पर्य उन सभी से है जो मसीह में विश्वास करते हैं। यह सिर्फ़ एक **कलीसिया** या विश्वासियों के समूह को संदर्भित नहीं करता है। अगर यह आपकी भाषा में मददगार होगा, तो आप परमेश्वर की **कलीसिया** का अनुवाद इस तरह कर सकते हैं कि यह स्पष्ट हो जाए कि यह वाक्यांश सभी विश्वासियों को संदर्भित करता है। वैकल्पिक अनुवाद: "परमेश्वर की कलीसिया" या "परमेश्वर का पूरी कलीसिया"

देखें: अज्ञातों का अनुवाद करें

### 1 कुरिन्थियों 15:10 (#1)

"परमेश्वर के अनुग्रह से" - "उसका अनुग्रह जो मुझ पर हुआ" - "परमेश्वर के अनुग्रह"

अगर आपकी भाषा में **अनुग्रह** के पीछे के विचार के लिए भावावाचक संज्ञा का उपयोग नहीं किया गया है, तो आप "देने" जैसी क्रिया या "अनुग्रहकारी" जैसे विशेषण का उपयोग करके विचार को व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "क्योंकि परमेश्वर ने मुझ पर अनुग्रह किया, ... तथ्य यह है कि उसने मुझ पर अनुग्रह किया ... परमेश्वर ने अनुग्रह किया" या "जो परमेश्वर ने मुझे दिया ... जो उसने मुझे दिया जो मुझमें था ... जो परमेश्वर ने मुझे दिया"

देखें: भावावाचक संज्ञाएँ

### 1 कुरिन्थियों 15:10 (#2)

"मैं जो कुछ भी हूँ"

यहाँ पौलुस यह नहीं बताता कि **मैं** क्या हूँ। हालाँकि, पिछली आयत से पता चलता है कि वह एक "प्रेरित" है (15:9)। अगर आपके पाठक यह अनुमान नहीं लगा सकते, तो आप इसे स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मैं क्या हूँ, यानी एक प्रेरित" या "एक प्रेरित"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

### 1 कुरिन्थियों 15:10 (#3)

""

"पौलुस ने उद्धरणों के माध्यम से जोर दिया है कि परमेश्वर ने पौलुस के माध्यम से काम किया। वैकल्पिक अनुवाद:

""क्योंकि वह मेरे प्रति दयालु थे, इसलिय मैं बहुत अच्छा काम करने में सक्षम था""

देखें: अल्पोक्ति

## 1 कुरिन्थियों 15:10 (#4)

"व्यर्थ"

यहाँ, **व्यर्थ** में एक ऐसे कारण की पहचान की जाती है जिसका इच्छित प्रभाव नहीं होता है। इस मामले में, परमेश्वर का **अनुग्रह व्यर्थ** होगी यदि यह पौलुस को "श्रम" करने के लिए प्रेरित नहीं करती या यदि कोई भी पौलुस के संदेश पर विश्वास नहीं करता। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप **व्यर्थ** में एक ऐसे शब्द या वाक्यांश के साथ व्यक्त कर सकते हैं जो एक ऐसे कारण की पहचान करता है जिसका इच्छित प्रभाव नहीं होता है। वैकल्पिक अनुवाद: "बिना किसी लाभ के" या "बिना किसी उद्देश्य के"

देखें: मुहावरा

## 1 कुरिन्थियों 15:10 (#5)

"उन सबसे"

यहाँ, **उन सबसे** का तात्पर्य उन "प्रेरितों" से है जिनका ज़िक्र पौलुस ने पिछली आयत ([15:9](#)) में किया है। अगर यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप यहाँ "प्रेरितों" का स्पष्ट रूप से ज़िक्र करके इस संदर्भ को व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "सभी प्रेरित"

देखें: सर्वनाम — उनका उपयोग कब करें

## 1 कुरिन्थियों 15:10 (#6)

"यह मेरी ओर से नहीं हुआ परन्तु परमेश्वर के अनुग्रह से जो मुझ पर था"

यहाँ पौलुस कुछ ऐसे शब्दों को छोड़ देता है जिनकी आपकी भाषा को एक पूर्ण विचार बनाने के लिए आवश्यकता हो सकती है। पौलुस इन शब्दों को छोड़ देता है क्योंकि उसने इन्हें पिछले खंड (**परिश्रम भी किया**) में स्पष्ट रूप से कहा था। यदि आपकी भाषा को इन शब्दों की आवश्यकता है, तो आप उन्हें उस खंड से प्रदान कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "फिर भी यह मैं नहीं था जिसने परिश्रम किया, बल्कि परमेश्वर की कृपा ने मेरे साथ परिश्रम किया"

देखें: पदलोप

## 1 कुरिन्थियों 15:10 (#7)

"यह मेरी ओर से नहीं हुआ परन्तु परमेश्वर के अनुग्रह से जो मुझ पर था"

यदि आपकी भाषा स्वाभाविक रूप से सकारात्मक से पहले नकारात्मक को नहीं बताती है, तो आप **नहीं** कथन और परन्तु कथन के क्रम को उलट सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "हालाँकि यह वास्तव में मेरे साथ ईश्वर की कृपा थी, मैं नहीं"

देखें: सूचना संरचना

## 1 कुरिन्थियों 15:10 (#3)

""

पौलुस उस काम के बारे में बोलता है जो वह करने में सक्षम हुआ क्योंकि परमेश्वर उसके प्रति दयालु थे जैसे कि वह अनुग्रह वास्तव में काम कर रहा था। वैकल्पिक अनुवाद: संभावित अर्थ 1) यह सच है, और परमेश्वर ने वास्तव में काम किया और नम्रता से पौलुस को एक साधन के रूप में इस्तेमाल किया या 2) पौलुस एक रूपक का उपयोग कर रहा है और कह रहा है कि परमेश्वर पौलुस को काम करने और पौलुस के काम को अच्छा बनाने के लिए दयालु थे।

देखें: रूपक

## 1 कुरिन्थियों 15:11 (#1)

"इसलिए चाहे मैं हूँ, चाहे वे हों"

यहाँ पौलुस क्रिया के बिना मैं और वे का परिचय देता है। वह यह पहचानने के लिए ऐसा करता है कि जब वह बाद में पद में **हम** का प्रयोग करता है तो उसका तात्पर्य किससे है। यदि आपकी भाषा को इस स्थिति में क्रिया की आवश्यकता है, तो आप ऐसी क्रिया का उपयोग कर सकते हैं जो पात्रों या विचारों का परिचय देती है या उन्हें सामने लाती है। वैकल्पिक अनुवाद: "हम मेरे बारे में बात कर रहे हैं या उनके बारे में" या "हम मेरे बारे में बात कर रहे हैं या उनके बारे में"

देखें: पदलोप

## 1 कुरिन्थियों 15:11 (#2)

"वे"

यहाँ, [15:10](#) की तरह ही, वे उन "प्रेरितों" को संदर्भित करते हैं जिनका उल्लेख पौलुस ने [15:9](#) में किया है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप यहाँ "प्रेरितों" का

स्पष्ट रूप से उल्लेख करके इस संदर्भ को व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "अन्य प्रेरित"

देखें: सर्वनाम — उनका उपयोग कब करें

## 1 कुरिन्थियों 15:11 (#3)

"हम यहीं प्रचार करते हैं, और इसी पर तुम ने विश्वास भी किया।"

दोनों जगहों पर, इसी पर का तात्पर्य हो सकता है: (1) सुसमाचार जैसा कि पौलुस ने 15:3-8 में वर्णित किया है। वैकल्पिक अनुवाद: "यहीं सुसमाचार है जिसका हम प्रचार करते हैं, और यहीं सुसमाचार है जिस पर आपने विश्वास किया" (2) "अनुग्रह" जिसकी चर्चा पौलुस ने अंतिम पद (15:10) में की है। वैकल्पिक अनुवाद: "हम परमेश्वर के अनुग्रह से प्रचार करते हैं, और परमेश्वर के अनुग्रह से आपने विश्वास किया"

देखें: सर्वनाम — उनका उपयोग कब करें

## 1 कुरिन्थियों 15:11 (#4)

"हम यहीं प्रचार करते हैं"

यहाँ, हम वाक्य में पहले मैं और वे को संदर्भित करता है। इसमें पौलुस और अन्य प्रेरित शामिल हैं, लेकिन कुरिन्थियों के विश्वासियों को शामिल नहीं किया गया है।

देखें: विशिष्ट और समावेशी 'हम'

## 1 कुरिन्थियों 15:12 (#1)

"अतः"

पौलुस इस तरह बोल रहे हैं मानो यह एक काल्पनिक संभावना है, लेकिन उनका तात्पर्य है कि यह वास्तव में सच है। अगर आपकी भाषा किसी चीज़ को निश्चित या सत्य होने की शर्त के रूप में नहीं बताती है, और अगर आपके पाठकों को लगता है कि पौलुस जो कह रहे हैं वह निश्चित नहीं है, तो आप खड़ को "चूंकि" या "क्योंकि" जैसे शब्द से शुरू कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "चूंकि"

देखें: जोड़ें — तथ्यात्मक स्थितियाँ

## 1 कुरिन्थियों 15:12 (#2)

"अतः जबकि मसीह का यह प्रचार किया जाता है, कि वह मरे हुओं में से जी उठा"

वैकल्पिक अनुवाद: "यदि यह घोषित किया जाता है कि मसीह मरे हुओं में से जी उठा है"

## 1 कुरिन्थियों 15:12 (#3)

"मसीह का यह प्रचार"

यदि आपकी भाषा में इस तरह से निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं किया जाता है, तो आप विचार को सक्रिय रूप में या किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं जो आपकी भाषा में स्वाभाविक है। यदि आपको यह बताना है कि कौन कार्य करता है, तो पौलुस का तात्पर्य है कि जो कोई भी सुसमाचार का प्रचार करता है, वह ऐसा करता है, विशेष रूप से वह और अन्य "प्रेरित"। वैकल्पिक अनुवाद: "हम मसीह की घोषणा करते हैं, विशेष रूप से" या "विश्वासी प्रचारक मसीह की घोषणा करते हैं, विशेष रूप से"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

## 1 कुरिन्थियों 15:12 (#2)

""

फिर जीवित कर दिया

## 1 कुरिन्थियों 15:12 (#5)

"वह मरे हुओं में से जी उठा"

यदि आपकी भाषा में इस तरह से निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं किया जाता है, तो आप विचार को सक्रिय रूप में या किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं जो आपकी भाषा में स्वाभाविक है। पौलुस यहाँ निष्क्रिय का उपयोग यीशु पर ध्यान केंद्रित करने के लिए करता है, जिसे जिलाया गया था, बजाय इसके कि वह "उठाने" वाले पर ध्यान केंद्रित करे। यदि आपको यह बताना है कि किसने कार्य किया, तो पौलुस का तात्पर्य है कि "परमेश्वर" ने ऐसा किया। वैकल्पिक अनुवाद: "परमेश्वर ने उसे जी उठाया"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

## 1 कुरिन्थियों 15:12 (#6)

"मरे हुओं," - "मरे हुओं"

पौलुस मरे विशेषण का उपयोग संज्ञा के रूप में उन सभी लोगों को संदर्भित करने के लिए कर रहा है जो मर चुके हैं। आपकी भाषा में भी विशेषणों का उपयोग उसी तरह हो सकता है। यदि नहीं, तो आप इसे संज्ञा वाक्यांश के साथ

अनुवाद कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मृत लोगों में से ... मेरे लोगों में से" या "लाशों में से ... लाशों से"

देखें: संज्ञात्मक विशेषण

## 1 कुरिन्थियों 15:12 (#1)

""

"पौलुस एक नया विषय शुरू करने के लिए इस सवाल का उपयोग कर रहा है। वैकल्पिक अनुवाद: ""तुम्हे यह नहीं कहना चाहिए कि मृतकों का पुनरुत्थान नहीं है!"" (देखें: )"

देखें: आलंकारिक प्रश्न

## 1 कुरिन्थियों 15:12 (#8)

**"कि मेरे हुओं का पुनरुत्थान है ही नहीं?"**

यदि आपकी भाषा में **पुनरुत्थान** के पीछे के विचार के लिए भाववाचक संज्ञा का उपयोग नहीं किया गया है, तो आप "पुनरुत्थान" या "फिर से जीवित होना" जैसी क्रिया का उपयोग करके विचार को व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मृतक पुनर्जीवित नहीं होंगे" या "मृतकों को जीवन में वापस नहीं लाया जाएगा"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

## 1 कुरिन्थियों 15:13 (#1)

**"यदि मेरे हुओं का पुनरुत्थान ही नहीं"**

यहाँ, यदि मेरे हुओं का पुनरुत्थान ही नहीं, अंतिम पद ([15:12](#)) के अंत में पाए गए शब्दों को दोहराता है। पौलुस इन शब्दों को दोहराता है ताकि वह जो तर्क दे रहा है उसे बहुत स्पष्ट कर सके। यदि आपके पाठकों को इन शब्दों को दोहराने की आवश्यकता नहीं है, और यदि वे इस बात से भ्रमित हैं कि पौलुस खुद को क्यों दोहरा रहा है, तो आप एक छोटे वाक्यांश के साथ पिछली आयत में शब्दों का संदर्भ दे सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "अगर यह सच होता"

## 1 कुरिन्थियों 15:13 (#2)

**"यदि मेरे हुओं का पुनरुत्थान ही नहीं"**

यहाँ पौलुस एक सर्वानुभव कर रहा है जो काल्पनिक लगता है, लेकिन वह पहले से ही आश्वस्त है कि यह शर्त सत्य नहीं है। वह जानता है कि वास्तव में मृतकों का पुनरुत्थान होता है। वह इस रूप का उपयोग कुरिन्थियों को उनके इस

दावे के निहितार्थ दिखाने के लिए करता है कि "यदि मेरे हुओं का पुनरुत्थान ही नहीं" (देखें: [15:12](#))। अपनी भाषा में एक ऐसी शर्त को पेश करने के लिए एक प्राकृतिक रूप का उपयोग करें जिसे वक्ता मानता है कि वह सत्य नहीं है। वैकल्पिक अनुवाद: "यदि वास्तव में मृतकों का पुनरुत्थान नहीं होता"

देखें: जोड़ें — तथ्य के विपरीत स्थितियाँ

## 1 कुरिन्थियों 15:13 (#3)

**"यदि मेरे हुओं का पुनरुत्थान ही नहीं"**

यदि आपकी भाषा में **पुनरुत्थान** के पीछे के विचार के लिए भाववाचक संज्ञा का उपयोग नहीं किया गया है, तो आप "पुनरुत्थान" या "फिर से जीवित होना" जैसी क्रिया का उपयोग करके विचार को व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मृतक पुनर्जीवित नहीं होंगे" या "मृतकों को जीवन में वापस नहीं लाया जाएगा"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

## 1 कुरिन्थियों 15:13 (#4)

**"मेरे हुओं का"**

पौलुस मेरे शब्द के विशेषण का उपयोग संज्ञा के रूप में उन सभी लोगों को संदर्भित करने के लिए कर रहा है जो मर चुके हैं। आपकी भाषा में भी विशेषणों का उपयोग उसी तरह हो सकता है। यदि नहीं, तो आप इसे संज्ञा वाक्यांश के साथ अनुवाद कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मृत लोगों का" या "लाशों का"

देखें: संज्ञात्मक विशेषण

## 1 कुरिन्थियों 15:13 (#2)

""

"इसका सक्रिय रूप में अनुवाद किया जा सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: ""परमेश्वर ने मसीह को भी नहीं जिलाया है""

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

## 1 कुरिन्थियों 15:14 (#1)

**"और यदि मसीह नहीं जी उठा"**

यहाँ, और यदि मसीह नहीं जी उठा; पिछले पद के अंत में पाए गए शब्दों को दोहराता है (15:13)। पौलुस इन शब्दों को दोहराते हैं ताकि वह जो तर्क कर रहे हैं वह बहुत स्पष्ट हो सके। यदि आपके पाठकों को इन शब्दों को दोहराने की आवश्यकता नहीं है, और यदि वे इस बात से भ्रमित होंगे कि पौलुस खुद को क्यों दोहरा रहे हैं, तो आप पिछले पद के शब्दों का एक छोटे वाक्यांश के साथ संदर्भ दे सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "यदि वह सत्य होता"

## 1 कुरिन्थियों 15:14 (#2)

"और यदि मसीह नहीं जी उठा"

यहाँ पौलुस एक सर्वानुभव कर रहा है जो काल्पनिक लगता है, लेकिन वह पहले से ही आश्वस्त है कि यह शर्त सत्य नहीं है। वह जानता है कि **मसीह** वास्तव में **जी उठा** है। वह इस रूप का उपयोग कुरिन्थियों के विश्वासियों को पुनरुत्थान के बारे में उनके दावे के निहितार्थ दिखाने के लिए करता है। अपनी भाषा में एक ऐसी शर्त को पेश करने के लिए एक प्राकृतिक रूप का उपयोग करें जिसे वक्ता मानता है कि वह सत्य नहीं है। वैकल्पिक अनुवाद: "यदि मसीह वास्तव में नहीं जी उठा है"

देखें: जोड़े — तथ्य के विपरीत स्थितियाँ

## 1 कुरिन्थियों 15:14 (#3)

"मसीह नहीं जी उठा"

यदि आपकी भाषा में इस तरह से निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं किया जाता है, तो आप विचार को सक्रिय रूप में या किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं जो आपकी भाषा में स्वाभाविक है। पौलुस यहाँ निष्क्रिय का उपयोग यीशु पर ध्यान केंद्रित करने के लिए करता है, जो जी उठा था, बजाय इसके कि "उठाने" वाले पर ध्यान केंद्रित किया जाए। यदि आपको यह बताना है कि किसने कार्य किया, तो पौलुस का तात्पर्य है कि "परमेश्वर" ने इसे किया। वैकल्पिक अनुवाद: "परमेश्वर ने मसीह को नहीं उठाया"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

## 1 कुरिन्थियों 15:14 (#4)

"तो हमारा प्रचार करना भी व्यर्थ है; और तुम्हारा विश्वास भी व्यर्थ है।"

यहाँ पौलुस ने दो सीधे खंडों में व्यर्थ और एक ही संरचना को दोहराया है। यह उनकी संस्कृति में शक्तिशाली रूप से शब्दबद्ध किया गया था। यदि यह आपकी भाषा में सहायक

होगा, और यदि यह आपकी संस्कृति में शक्तिशाली रूप से शब्दबद्ध नहीं होगा, तो आप संकेत दे सकते हैं कि पौलुस कुछ या सभी दोहराव को हटाकर और कथनों को दूसरे तरीके से शक्तिशाली बनाकर शब्दों और संरचना को क्यों दोहराता है। वैकल्पिक अनुवाद: "हमारा प्रचार और तुम्हारा विश्वास सब व्यर्थ है"

देखें: समानांतरता

## 1 कुरिन्थियों 15:14 (#5)

"हमारा"

यहाँ, हमारा का तात्पर्य पौलुस और अन्य प्रेरितों से है जिनका उल्लेख पहले की आयतों में किया गया है (देखें: 15:11)। इसमें कुरिन्थियों के विश्वासियों को शामिल नहीं किया गया है। देखें: विशिष्ट और समावेशी 'हम'

## 1 कुरिन्थियों 15:14 (#6)

"तो हमारा प्रचार करना भी व्यर्थ है; और तुम्हारा विश्वास भी व्यर्थ है।"

यदि आपकी भाषा में चार करना और विश्वास के पीछे के विचारों के लिए भाववाचक संज्ञाओं का उपयोग नहीं किया जाता है, तो आप "प्रचार" और "विश्वास" जैसी क्रियाओं का उपयोग करके विचारों को व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "हमने व्यर्थ में उपदेश दिया, और आपने व्यर्थ में विश्वास किया"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

## 1 कुरिन्थियों 15:14 (#7)

"व्यर्थ है," - "व्यर्थ है"

यहाँ, व्यर्थ में एक ऐसे कारण की पहचान की जाती है जिसका इच्छित प्रभाव नहीं होता है। इस मामले में, प्रेरितों का प्रचार करना और कुरिन्थियों के विश्वासियों का विश्वास उद्धार की ओर नहीं ले जाएगा यदि मसीह नहीं जी उठा। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप व्यर्थ में एक ऐसे शब्द या वाक्यांश के साथ व्यक्त कर सकते हैं जो एक ऐसे कारण की पहचान करता है जिसका इच्छित प्रभाव नहीं है। वैकल्पिक अनुवाद: "निरर्थक है... निरर्थक है" या "कोई अर्थ नहीं है... कोई अर्थ नहीं है"

देखें: मुहावरा

## 1 कुरिन्थियों 15:15 (#1)

""

Connecting Statement: \n\n पौलुस उन्हें आश्वासन देना चाहता है कि मसीह मरे हुओं में से जी उठा है।

## 1 कुरिन्थियों 15:15 (#2)

"वरन् हम परमेश्वर के झूठे गवाह ठहरे;"

संयोजक वक्तव्य: यहाँ, हम का अर्थ है कि अन्य लोग हमारे बारे में कुछ महसूस करते हैं या पता लगाते हैं। यह वाक्यांश विषय की स्थिति (हम) पर अधिक जोर देता है, बजाय इसके कि अन्य लोग उस स्थिति को कैसे पाते हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप वरन् हम परमेश्वर के झूठे गवाह ठहरे को एक शब्द या वाक्यांश के साथ व्यक्त कर सकते हैं जो स्थिति को संदर्भित करता है। वैकल्पिक अनुवाद: "यह स्पष्ट है कि हम हैं" या "हर कोई जान जाएगा कि हम हैं"

देखें: मुहावरा

## 1 कुरिन्थियों 15:15 (#3)

"वरन् हम परमेश्वर के झूठे गवाह ठहरे; क्योंकि हमने परमेश्वर के विषय में यह गवाही दी"

संयोजक वक्तव्य: यहाँ, जैसा कि 15:14 में "हमने" था, हम पौलुस और अन्य प्रेरितों को संदर्भित करता है जिनका उल्लेख पहले के पदों में किया गया है (देखें: 15:11)। इसमें कुरिन्थियों के विश्वासियों को शामिल नहीं किया गया है।

देखें: विशिष्ट और समावेशी 'हम'

## 1 कुरिन्थियों 15:15 (#2)

""

पौलुस तर्क कर रहा है कि यदि मसीह मरे हुओं में से जी नहीं उठा है, तो वे फिर से झूठी गवाही दे रहे हैं या फिर जीवित मसीह के आने के बारे में झूठ बोल रहे हैं।

## 1 कुरिन्थियों 15:15 (#3)

""

"इसे सक्रिय रूप में कहा जा सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: ""हर कोई अनुभव करेगा कि हम हैं""

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

## 1 कुरिन्थियों 15:15 (#6)

"यदि मरे हुए नहीं जी उठते।"

यहाँ पौलुस एक सशर्त कथन दे रहा है जो कात्पनिक लगता है, लेकिन वह पहले से ही आश्वस्त है कि यह शर्त सत्य नहीं है। वह जानता है कि मरे हुए वास्तव में जी उठते हैं। वह इस रूप का उपयोग कुरिन्थियों के विश्वासियों को पुनरुत्थान के बारे में उनके दावे के निहितार्थ दिखाने के लिए करता है। अपनी भाषा में एक ऐसी शर्त को पेश करने के लिए एक प्राकृतिक रूप का उपयोग करें जिसे वक्ता मानता है कि सत्य नहीं है। वैकल्पिक अनुवाद: "यदि तो मरे हुए वास्तव में नहीं जी उठते"

देखें: जोड़े — तथ्य के विपरीत स्थितियाँ

## 1 कुरिन्थियों 15:15 (#7)

"यदि मरे हुए नहीं जी उठते।"

यदि आपकी भाषा में इस तरह से निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं किया जाता है, तो आप विचार को सक्रिय रूप में या किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं जो आपकी भाषा में स्वाभाविक है। पौलुस यहाँ निष्क्रिय रूप का उपयोग इस बात पर ध्यान केंद्रित करने के लिए करता है कि कौन जी उठते हैं या नहीं जी उठते, बजाय इसके कि "उठाने" वाले व्यक्ति पर ध्यान केंद्रित किया जाए। यदि आपको यह बताना है कि कौन कार्य करता है, तो पौलुस का तात्पर्य है कि "परमेश्वर" इसे करता है। वैकल्पिक अनुवाद: "परमेश्वर मृतकों को नहीं उठाता"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

## 1 कुरिन्थियों 15:15 (#8)

"मरे हुए"

पौलुस मरे शब्द के विशेषण का उपयोग संज्ञा के रूप में कर रहा है ताकि सभी मरे लोगों को संदर्भित किया जा सके। आपकी भाषा में भी विशेषणों का उपयोग उसी तरह हो सकता है। यदि नहीं, तो आप इसे संज्ञा वाक्यांश के साथ अनुवाद कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मृत लोग" या "मृतक"

देखें: संज्ञात्मक विशेषण

## 1 कुरिन्थियों 15:16 (#1)

"और यदि"

यहाँ, और यदि फिर से परिचय देता है (देखें: [15:13](#)) पौलुस का प्रमाण कि यदि यह सच है कि **यदि मुर्दे नहीं जी उठते**, तो मसीह को भी नहीं उठाया गया। वह इस प्रमाण को फिर से प्रस्तुत करता है क्योंकि उसने अंतिम पद के अंत में कहा था कि **यदि मुर्दे नहीं जी उठते, तो मसीह भी नहीं जी उठा** (देखें: [15:15](#))। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप और यदि शब्द या वाक्यांश के साथ के लिए व्यक्त कर सकते हैं जो प्रमाण का परिचय देता है। वैकल्पिक अनुवाद: "यह सच है क्योंकि,"

देखें: जोड़ें — कारण-और-परिणाम सम्बन्ध

## 1 कुरिन्थियों 15:16 (#2)

### "यदि मुर्दे नहीं जी उठते"

यहाँ, यदि मुर्दे नहीं जी उठते, यह पिछला पद ([15:15](#)) के अंत में पाए गए शब्दों को दोहराता है। पौलुस इन शब्दों को दोहराता है ताकि वह जो तर्क दे रहा है उसे बहुत स्पष्ट कर सके। यदि आपके पाठकों को इन शब्दों को दोहराने की आवश्यकता नहीं है, और यदि वे इस बात से भ्रमित हैं कि पौलुस खुद को क्यों दोहरा रहा है, तो आप एक छोटे वाक्यांश के साथ पिछले पद में शब्दों का संदर्भ दे सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जो सच थे"

## 1 कुरिन्थियों 15:16 (#3)

### "यदि मुर्दे नहीं जी उठते"

यहाँ पौलुस एक प्रतिबंधात्मक कथन दे रहा है जो कात्पनिक लगता है, लेकिन वह पहले से ही आश्वस्त है कि यह शर्त सत्य नहीं है। वह जानता है कि मरे हुए वास्तव में **जी उठते हैं**। वह इस रूप का उपयोग कुरिन्थ्युस के विश्वासियों को पुनरुत्थान के बारे में उनके दावे के निहितार्थ दिखाने के लिए करता है। अपनी भाषा में एक ऐसी शर्त को पेश करने के लिए एक प्राकृतिक रूप का उपयोग करें जिसे वक्ता मानता है कि सत्य नहीं है। वैकल्पिक अनुवाद: "यदि मरे हुए वास्तव में नहीं जी उठते"

देखें: जोड़े — तथ्य के विपरीत स्थितियाँ

## 1 कुरिन्थियों 15:16 (#4)

### "मुर्दे"

पौलुस मुर्दे विशेषण का उपयोग संज्ञा के रूप में कर रहा है ताकि सभी मृत लोगों को संदर्भित किया जा सके। आपकी भाषा में भी विशेषणों का उपयोग उसी तरह हो सकता है।

यदि नहीं, तो आप इसे संज्ञा वाक्यांश के साथ अनुवाद कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मृत लोग" या "**मुर्दे**"

देखें: संज्ञात्मक विशेषण

## 1 कुरिन्थियों 15:16 (#5)

### "यदि मुर्दे नहीं जी उठते"

यदि आपकी भाषा में इस तरह से निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं किया जाता है, तो आप विचार को सक्रिय रूप में या किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं जो आपकी भाषा में स्वाभाविक है। पौलुस यहाँ निष्क्रिय रूप का उपयोग इस बात पर ध्यान केंद्रित करने के लिए करता है कि कौन **जी उठा** है या **नहीं जी उठा** है, बजाय इसके कि "**जी उठने**" वाले व्यक्ति पर ध्यान केंद्रित किया जाए। यदि आपको यह बताना है कि कौन कार्य करता है, तो पौलुस का तात्पर्य है कि "**परमेश्वर**" इसे करता है। वैकल्पिक अनुवाद: "परमेश्वर मृतकों को जी नहीं उठाता"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

## 1 कुरिन्थियों 15:16 (#6)

### "तो मसीह भी नहीं जी उठा।"

यदि आपकी भाषा में इस तरह से निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं किया जाता है, तो आप विचार को सक्रिय रूप में या किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं जो आपकी भाषा में स्वाभाविक है। पौलुस यहाँ निष्क्रिय का उपयोग **मसीह** पर ध्यान केंद्रित करने के लिए करता है, जिसे **जी उठाया** गया है या नहीं, बजाय इसके कि वह "**जी उठने**" वाले पर ध्यान केंद्रित करे। यदि आपको यह बताना है कि किसने कार्य किया, तो पौलुस का तात्पर्य है कि "**परमेश्वर**" ने इसे किया। वैकल्पिक अनुवाद: "परमेश्वर ने मसीह को भी नहीं जी उठाया"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

## 1 कुरिन्थियों 15:17 (#1)

""

उनका विश्वास मसीह पर मरे हुओं में से उठने पर आधारित है, इसलिए यदि ऐसा नहीं हुआ, तो उनके विश्वास से उन्हें कोई लाभ नहीं होगा।

## 1 कुरिन्थियों 15:17 (#2)

"और यदि मसीह नहीं जी उठा"

यहाँ पौलुस एक सशर्त कथन कर रहा है जो काल्पनिक लगता है, लेकिन वह पहले से ही आश्वस्त है कि यह शर्त सत्य नहीं है। वह जानता है कि **मसीह** वास्तव में **जी उठा** है। वह इस रूप का उपयोग कुरिन्थियों को पुनरुत्थान के बारे में उनके दावे के निहितार्थ दिखाने के लिए करता है। अपनी भाषा में एक ऐसी शर्त को पेश करने के लिए एक प्राकृतिक रूप का उपयोग करें जिसे वक्ता मानता है कि वह सत्य नहीं है। वैकल्पिक अनुवाद: "यदि मसीह वास्तव में नहीं जी उठा है"

देखें: जोड़ें—तथ्य के विपरीत स्थितियाँ

## 1 कुरिन्थियों 15:17 (#3)

"मसीह नहीं जी उठा"

यदि आपकी भाषा में इस तरह से निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं किया जाता है, तो आप विचार को सक्रिय रूप में या किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं जो आपकी भाषा में स्वाभाविक है। पौलुस यहाँ निष्क्रिय का उपयोग **मसीह** पर ध्यान केंद्रित करने के लिए करता है, जिसे **जी उठाया** गया है या नहीं, बजाय इसके कि "जी उठने" वाले पर ध्यान केंद्रित किया जाए। यदि आपको यह बताना है कि किसने कार्य किया, तो पौलुस का तात्पर्य है कि "परमेश्वर" ने इसे किया। वैकल्पिक अनुवाद: "परमेश्वर ने मसीह को नहीं जी उठाया"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

## 1 कुरिन्थियों 15:17 (#4)

"तो तुम्हारा विश्वास व्यर्थ है"

यदि आपकी भाषा में **विश्वास** के पीछे के विचार के लिए भाववाचक संज्ञा का उपयोग नहीं किया गया है, तो आप "विश्वास करना" या "भरोसा करना" जैसी क्रिया का उपयोग करके विचार को व्यक्त कर सकते हैं। पौलुस का तात्पर्य है कि उन्हें सुसमाचार, परमेश्वर या दोनों में **विश्वास** है। वैकल्पिक अनुवाद: "तुम व्यर्थ में परमेश्वर पर विश्वास किया" या "तुमने व्यर्थ में परमेश्वर पर विश्वास किया"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

## 1 कुरिन्थियों 15:17 (#5)

"व्यर्थ है"

यहाँ, जैसा कि [15:14](#) में है, **व्यर्थ** एक ऐसे कारण की पहचान करता है जिसका इच्छित प्रभाव नहीं होता है। इस मामले में, **यदि मसीह नहीं जी उठा**, तो कुरिन्थियों के विश्वासियों का विश्वास उद्धार की ओर नहीं ले जाएगा। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप **व्यर्थ** में एक ऐसे शब्द या वाक्यांश के साथ व्यक्त कर सकते हैं जो एक ऐसे कारण की पहचान करता है जिसका इच्छित प्रभाव नहीं होता है। वैकल्पिक अनुवाद: "बेकार है" या "कोई अर्थ नहीं है"

देखें: मुहावरा

## 1 कुरिन्थियों 15:17 (#6)

"तुम अब तक अपने पापों में फँसे हो"

यहाँ पौलुस अपने पापों ऐसे बोलता है मानो आपके पाप कुछ ऐसे हों जिनमें एक व्यक्ति **फँसा हो** हो सकता है। इस तरह से बोलकर, वह संकेत देता है कि **पाप** व्यक्ति के जीवन की विशेषता है या यहाँ तक कि व्यक्ति के जीवन को नियंत्रित भी करते हैं। अगर यह आपकी भाषा में मददगार होगा, तो आप अपने पापों को एक तुलनीय रूपक के साथ व्यक्त कर सकते हैं या विचार को स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "आपके पाप अभी भी आप पर शासन करते हैं" या "आप अभी भी अपने पापों के दोषी हैं"

देखें: रूपक

## 1 कुरिन्थियों 15:17 (#7)

"तुम अब तक अपने पापों में फँसे हो"

अगर आपकी भाषा में **पापों** के पीछे के विचार के लिए भाववाचक संज्ञा का उपयोग नहीं किया गया है, तो आप "पाप" जैसी क्रिया का उपयोग करके विचार को व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "आप अभी भी पाप करने वाले लोग हैं"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

## 1 कुरिन्थियों 15:18 (#1)

"वरन्"

यहाँ, वरन् [15:17](#) में प्रतिबंधात्मक कथन "**यदि मसीह नहीं जी उठा**" से एक और निष्कर्ष प्रस्तुत किया गया है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप व्यक्त कर सकते हैं **वरन्** उस आयत से आधार की फिर से बताकर पिछले पद की शुरुआत से भी जुड़ता है। वैकल्पिक अनुवाद: "फिर, यदि मसीह को नहीं जी उठाया गया है, तो"

देखें: शब्दों और वाक्यांशों को जोड़ना

### 1 कुरिन्थियों 15:18 (#2)

"जो मसीह में सो गए हैं"

पौलुस उन लोगों को संदर्भित कर रहा है जो सो गए हैं, मर चुके हैं। यह किसी अप्रिय बात को संदर्भित करने का एक विनम्र तरीका है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप उन लोगों को व्यक्त कर सकते हैं जो सो गए हैं, जो मर चुके हैं, या आप इस विचार को स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जो मर चुके हैं" या "जो सो गए हैं"

देखें: मंगल भाषण

### 1 कुरिन्थियों 15:18 (#3)

"मसीह में"

यहाँ पौलुस मसीह में स्थानिक रूपक का उपयोग मसीह के साथ विश्वासियों के मिलन का वर्णन करने के लिए करता है। इस मामले में, मसीह में होना, या मसीह से एक होना, उन लोगों की पहचान करता है जो सो गए हैं, जो मसीह में विश्वास करते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जिन्होंने मसीह में विश्वास किया" या "जो विश्वासी हैं"

देखें: रूपक

### 1 कुरिन्थियों 15:18 (#4)

"नाश"

यहाँ, नाश हो गए का अर्थ यह हो सकता है कि जो लोग मसीह में सो गए हैं: (1) वे फिर से जीवित नहीं होंगे, या उनका अस्तित्व समाप्त हो जाएगा। वैकल्पिक अनुवाद: "नष्ट हो गए हैं" या "चले गए हैं" (2) बचाए नहीं गए हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "बचाए नहीं गए हैं" या "खो गए हैं"

देखें: अज्ञातों का अनुवाद करें

### 1 कुरिन्थियों 15:19 (#1)

"यदि हम केवल इसी जीवन में मसीह से आशा रखते हैं"

यहाँ पौलुस एक सर्वांतर कथन दे रहा है जो काल्पनिक लगता है, लेकिन वह पहले से ही आश्वस्त है कि यह शर्त सत्य नहीं है। वह जानता है कि यह केवल इस जीवन में ही नहीं है कि हमें मसीह में आशा है, क्योंकि हमारे पास एक नए जीवन की भी आशा है। वह इस रूप का उपयोग कुरिन्थियों के विश्वासियों

को पुनरुत्थान के बारे में उनके दावे के निहितार्थ दिखाने के लिए करता है। अपनी भाषा में एक ऐसी शर्त को पेश करने के लिए एक प्राकृतिक रूप का उपयोग करें जिसे वक्ता मानता है कि वह सत्य नहीं है। वैकल्पिक अनुवाद: "काश इस जीवन में हमें वास्तव में मसीह में आशा होती"

देखें: जोड़ें — तथ्य के विपरीत स्थितियाँ

### 1 कुरिन्थियों 15:19 (#2)

"यदि हम केवल इसी जीवन में ...आशा रखते हैं"

यहाँ, केवल शब्द को संशोधित किया जा सकता है: (1) इसी जीवन में। वैकल्पिक अनुवाद: "यदि केवल इसी जीवन में ही हमारे पास आशा है" (2) हमारे पास आशा है। वैकल्पिक अनुवाद: "यदि केवल इस जीवन में ही हमारे पास आशा है"

देखें: सूचना संरचना

### 1 कुरिन्थियों 15:19 (#3)

"इसी जीवन में"

अगर आपकी भाषा में जीवन के पीछे के विचार के लिए भाववाचक संज्ञा का उपयोग नहीं किया जाता है, तो आप क्रिया का उपयोग करके विचार व्यक्त कर सकते हैं, जैसे कि "जीना।" वैकल्पिक अनुवाद: "जबकि हम वर्तमान में जी रहे हैं"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

### 1 कुरिन्थियों 15:19 (#4)

"आशा रखते हैं"

अगर आपकी भाषा में आशा के पीछे के विचार के लिए भाववाचक संज्ञा का उपयोग नहीं किया गया है, तो आप "आशा" जैसी क्रिया का उपयोग करके विचार को व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "क्या हम आशा कर सकते हैं"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

### 1 कुरिन्थियों 15:19 (#2)

"तो हम सब मनुष्यों से अधिक अभागे हैं"

लोगों को किसी और से अधिक हमारे लिए ज्यादा खेद होना चाहिए

**1 कुरिन्थियों 15:19 (#6)****"अधिक अभागे"**

यहाँ, अभागे शब्द का अर्थ है वह व्यक्ति "जिसके भाग्य में अच्छा नहीं है" या जिसके लिए दूसरों को खेद होता है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप अभागे शब्द को ऐसे शब्द या वाक्यांश से व्यक्त कर सकते हैं जो किसी ऐसे व्यक्ति को संदर्भित करता है जिसके लिए दूसरों को खेद होता है। वैकल्पिक अनुवाद: "जिनके लिए दूसरों को सबसे अधिक बुरा लगता है" या "जिनके साथ दूसरों को सबसे अधिक शोक मनाना चाहिए"

देखें: अज्ञातों का अनुवाद करें

**1 कुरिन्थियों 15:20 (#1)****"सचमुच मसीह"**

"जैसा कि है, मसीह या ""यह सच है: मसीह""

**1 कुरिन्थियों 15:20 (#2)****"मसीह मुर्दों में से जी उठा है"**

यदि आपकी भाषा में इस तरह से निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं किया जाता है, तो आप विचार को सक्रिय रूप में या किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं जो आपकी भाषा में स्वाभाविक है। पौलुष यहाँ निष्क्रिय का उपयोग मसीह पर ध्यान केंद्रित करने के लिए करता है, जो जी उठा है, बजाय इसके कि "जी उठाने" वाले पर ध्यान केंद्रित किया जाए। यदि आपको यह बताना है कि किसने कार्य किया, तो पौलुष का तात्पर्य है कि "परमेश्वर" ने इसे किया। वैकल्पिक अनुवाद: "परमेश्वर ने मसीह को जी उठाया"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

**1 कुरिन्थियों 15:20 (#3)**

"यहाँ जी उठना ""के कारण जी उठा"" के लिए एक मुहावरा है। इसे सक्रिय रूप में कहा जा सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: ""परमेश्वर ने मसीह को उठाया है, जो मरने वालों का पहला फल है""

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

**1 कुरिन्थियों 15:20 (#2)**

""

"यहाँ ""प्रथम फ़ल"" एक रूपक है, जो मसीह को फसल के पहले फ़ल से तुलना करता है, जिसका फसल के बाकी भागों द्वारा अनुसरण किया जाएगा। मसीह मृतकों से उठाए जाने वाले पहले व्यक्ति थे। वैकल्पिक अनुवाद: ""फसल के पहले भाग की तरह कौन है""

देखें: रूपक

**1 कुरिन्थियों 15:20 (#5)****"जो सो गए हैं"**

यहाँ पौलुस उन लोगों को संदर्भित कर रहा है, जो सो गए हैं; जो मर चुके हैं। यह किसी अप्रिय बात को संदर्भित करने का एक विनम्र तरीका है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप जो सो गए हैं लोगों को संदर्भित करने के एक अलग विनम्र तरीके से व्यक्त कर सकते हैं जो मर चुके हैं, या आप इस विचार को स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जो मर चुके हैं" या "जो मुर्दों में हैं"

देखें: मंगल भाषण

**1 कुरिन्थियों 15:21 (#1)****"क्योंकि"**

यहाँ, क्योंकि चीजें कैसे काम करती हैं, इस बारे में एक तार्किक कथन प्रस्तुत करता है। पौलुस मानता है कि हर कोई इस बात से सहमत है कि मृत्यु एक मनुष्य के द्वारा आई। उसका कहना है कि, क्योंकि चीजें इस तरह से काम करती हैं, इसलिए मनुष्य ही के द्वारा मरे हुओं का पुनरुत्थान भी आया। यदि यह आपकी भाषा में मददगार होगा, तो आप क्योंकि को ऐसे शब्द या वाक्यांश के साथ व्यक्त कर सकते हैं जो इस तरह के तार्किक संबंध का परिचय देता है। वैकल्पिक अनुवाद: "चूँकि हम जानते हैं कि" या "क्योंकि यह सच है कि"

देखें: जोड़ें — कारण-और-परिणाम सम्बन्ध

**1 कुरिन्थियों 15:21 (#1)**

भाववाचक संज्ञा ""मृत्यु"" को क्रिया ""मरना"" के साथ व्यक्त किया जा सकता है। वैकल्पिक अनुवाद ""एक आदमी ने जो किया उसके कारण लोग मर जाते हैं""

देखें: अमूर्त संज्ञाएँ

### 1 कुरिन्थियों 15:21 (#3)

"जब मनुष्य के द्वारा... मनुष्य ही के द्वारा"

यहाँ, पौलुस जिस पहले मनुष्य का उल्लेख करता है, वह "आदम" है, जो पहला व्यक्ति है। जब आदम ने पाप किया, तो मृत्यु मानव जीवन का एक हिस्सा बन गई (देखें: विशेष रूप से [उत् 3:17-19](#))। पौलुस जिस दूसरे मनुष्य का उल्लेख करता है, वह मसीह है, जिनका पुनरुत्थान मृतकों के पुनरुत्थान का विस्वाश दिलाता है और इसे आरंभ करता है। हालाँकि, पौलुस इसे अगले पद ([15:22](#)) में समझाता है, इसलिए यदि संभव हो तो इस जानकारी को यहाँ शामिल न करें। यदि यह आपकी भाषा में मददगार होगा, तो आप एक मनुष्य का अनुवाद कर सकते हैं ताकि यह स्पष्ट हो सके कि दोनों मामलों में एक विशिष्ट व्यक्ति को ध्यान में रखा गया है। वैकल्पिक अनुवाद: "एक विशिष्ट व्यक्ति द्वारा, एक विशिष्ट व्यक्ति द्वारा भी"

देखें: जानकारी को अंतर्निहित कब रखना चाहिए

### 1 कुरिन्थियों 15:21 (#4)

"क्योंकि जब मनुष्य के द्वारा मृत्यु आई; तो मनुष्य ही के द्वारा मरे हुओं का पुनरुत्थान भी आया"

दोनों खंडों में, पौलुस क्रिया {है} को छोड़ देता है क्योंकि कुरिन्थियों के विश्वासी इसका अनुमान लगा सकते थे। यदि आपके पाठक इस क्रिया का अनुमान नहीं लगा सकते हैं, तो आप इसे पहले खंड में शामिल कर सकते हैं (जैसा कि यूएलटी. करता है) या दोनों खंडों में। वैकल्पिक अनुवाद: "मृत्यु मनुष्य द्वारा है, मनुष्य द्वारा पुनरुत्थान भी है"

देखें: पदलोप

### 1 कुरिन्थियों 15:21 (#2)

भावाचक संज्ञा ""पुनरुत्थान"" को क्रिया ""जी उठाना"" के साथ व्यक्त किया जा सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: ""किसी अन्य व्यक्ति के कारण लोग मरे हुओं में से उठाए जाते हैं"" या ""एक आदमी ने जो किया उसके कारण लोग जीवित हो जाएंगे""

देखें: अमूर्त संज्ञाएँ

### 1 कुरिन्थियों 15:21 (#6)

"मरे हुओं का"

पौलुस विशेषण मरे का उपयोग संज्ञा के रूप में निर्देश में कर रहे हैं ताकि सभी लोगों का उल्लेख किया जा सके जो मरे हैं। आपकी भाषा में विशेषण का उपयोग इसी तरह किया जा सकता है। यदि नहीं, तो आप इसे संज्ञा वाक्यांश के साथ अनुवाद कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मृत लोगों का" या "मरे हुए लोगों का"

देखें: संज्ञात्मक विशेषण

### 1 कुरिन्थियों 15:22 (#1)

"आदम में" - "मसीह में"

यहाँ पौलुस आदम और मसीह में स्थानिक रूपकों का उपयोग आदम और मसीह के साथ लोगों के मिलन का वर्णन करने के लिए करता है। पौलुस यह निर्दिष्ट नहीं करता कि यह मिलन कैसे होता है, लेकिन यह स्पष्ट है कि जो लोग आदम से जुड़े हैं वे मर जाएँगे, जबकि जो लोग मसीह से जुड़े हैं वे जीवित हो जाएँगे। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप इस अलंकार को एक तुलनीय रूपक के साथ व्यक्त कर सकते हैं या विचार को स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जो आदम से संबंधित हैं... जो मसीह से संबंधित हैं" या "आदम के साथ एकता में... मसीह के साथ एकता में"

देखें: रूपक

### 1 कुरिन्थियों 15:22 (#2)

"मरते"

यहाँ पौलुस मरते के वर्तमान काल का उपयोग यह बताने के लिए करता है कि आम तौर पर क्या सच है। अगर आपकी भाषा में आम तौर पर जो सच है उसके लिए वर्तमान काल का उपयोग नहीं किया जाता है, तो आप जो भी काल सबसे स्वाभाविक है उसका उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मर जाएगा"

देखें: भविष्यसूचक भूतकाल

### 1 कुरिन्थियों 15:22 (#3)

"सब जिलाए जाएँगे।"

यदि आपकी भाषा में इस तरह से निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं किया जाता है, तो आप विचार को सक्रिय रूप में या

किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं जो आपकी भाषा में स्वाभाविक है। पौलुस यहाँ निष्क्रिय का उपयोग उन सभी पर ध्यान केंद्रित करने के लिए करता है, जिन्हें **जिलाए जाएगा**, बजाय इसके कि उन्हें **जीवित** करने वाले पर ध्यान केंद्रित किया जाए। यदि आपको यह बताना है कि कौन कार्य करता है, तो पौलुस का तात्पर्य है कि "परमेश्वर" इसे करता है। वैकल्पिक अनुवाद: "परमेश्वर सभी को जीवित करेगा"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

## 1 कुरिन्थियों 15:22 (#4)

"सब"

यहाँ, **सब** उन **सब** से विरोधाभास करते हैं जो पहले वाक्य में **आदम** में हैं। पौलुस इस बारे में बहस करने की कोशिश नहीं कर रहा है कि कितने लोगों को फिर से **जिलाया** जाएगा। बल्कि वह इस बात के विरोधाभास कर रहा है कि कैसे **आदम** में रहने वाले सभी लोग मर जाते हैं, जबकि **मसीह** में रहने वाले सभी लोग **जिलाए जाएँगे**। यदि आपके पाठकों को लगता है कि पौलुस इस बारे में दावा कर रहा है कि कितने लोग **जिलाए जाएँगे**। तो आप एक शब्द या वाक्यांश का उपयोग कर सकते हैं जो सभी को मसीह में रहने वाले लोगों के रूप में पहचानता है। वैकल्पिक अनुवाद: "सभी जो उस पर विश्वास करते हैं"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

## 1 कुरिन्थियों 15:23 (#1)

"परन्तु हर एक अपनी-अपनी बारी से: मसीह;"

यहाँ, **हर एक अपनी-अपनी बारी से** में पहचानता है कि चीजें एक विशिष्ट क्रम में या बारी-बारी से होती हैं। यदि यह आपकी भाषा में मददगार होगा, तो आप **अपनी-अपनी बारी** में एक शब्द या वाक्यांश के साथ व्यक्त कर सकते हैं जो एक क्रम का परिचय देता है। वैकल्पिक अनुवाद: "लेकिन ये चीजें क्रम से होती हैं: पहला, मसीह"

देखें: मुहावरा

## 1 कुरिन्थियों 15:23 (#2)

"हर एक अपनी-अपनी बारी से"

यहाँ पौलुस कुछ ऐसे शब्दों को छोड़ देता है जिनकी ज़रूरत आपकी भाषा को एक पूर्ण विचार बनाने के लिए पड़ सकती है। कुरिन्थियों ने इसका तात्पर्य यह समझा होगा कि, सबसे पहले, **हर एक** को **अपनी-अपनी बारी** में जीवित

किया जाता है। अगर आपके पाठक यह अनुमान नहीं लगा सकते, तो आप इन शब्दों को शामिल कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "प्रत्येक को उसके अपने क्रम में जीवित किया जाएगा"

देखें: पदलोप

## 1 कुरिन्थियों 15:23 (#3)

"उसके"

हालाँकि **उसके** शब्द पुल्लिंग है, लेकिन पौलुस इसका इस्तेमाल किसी भी व्यक्ति को संदर्भित करने के लिए कर रहा है, वाहे वह पुरुष हो या स्त्री। अगर यह आपकी भाषा में मददगार होगा, तो आप उसका गैर-लिंगीय शब्द के साथ व्यक्त कर सकते हैं या दोनों लिंगों को संदर्भित कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "अपने या अपने में" या "अपने में"

देखें: जब पुल्लिंग शब्दों में स्त्रियाँ भी सम्मिलित होती हैं

## 1 कुरिन्थियों 15:23 (#1)

यहाँ ""प्रथम फल"" एक रूपक है, जो मसीह को फसल के पहले फल से तुलना करता है, जिसका फसल के बाकी भागों द्वारा अनुसरण किया जाएगा। मसीह मृतकों से उठाए जाने वाले पहले व्यक्ति थे। वैकल्पिक अनुवाद: ""फसल के पहले भाग की तरह कौन है""

देखें: रूपक

## 1 कुरिन्थियों 15:23 (#5)

"मसीह के आने पर"

यहाँ, **मसीह के आने पर** विशेष रूप से यीशु के पृथ्वी पर "वापस आने" को संदर्भित करता है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप उसके **आने पर** एक ऐसे वाक्यांश के साथ व्यक्त कर सकते हैं जो अधिक स्पष्ट रूप से यीशु के "दूसरे आगमन" को संदर्भित करता है। वैकल्पिक अनुवाद: "जब वह फिर से आएगा" या "उसकी वापसी पर"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

## 1 कुरिन्थियों 15:23 (#6)

"उसके लोग"

यहाँ पौलुस ने उसके लोग का वर्णन करने के लिए अधिकारवाचक रूप का उपयोग किया है जो मसीह के हैं या उस पर विश्वास करते हैं। यदि आपकी भाषा में इस अर्थ के लिए उस रूप का उपयोग नहीं किया गया है, तो आप इस विचार को "संबंधित" या "विश्वास करने वाले" जैसे वाक्यांश से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जो मसीह में विश्वास करते हैं"

देखें: स्वामित्व

## 1 कुरिन्थियों 15:23-24 (#1)

"परन्तु"

संयोजक वक्तव्यः पद 15:24 में, **परन्तु** उन घटनाओं का परिचय देता है जो पिछले पद (15:23) में "आने पर" के बाद घटित होती हैं। पौलुस यह स्पष्ट नहीं करता कि "आने" के कितने समय बाद ये घटनाएँ घटित होंगी। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप **परन्तु** को ऐसे शब्द या वाक्यांश से व्यक्त कर सकते हैं जो क्रम में होने वाली घटनाओं को अधिक स्पष्ट रूप से पहचानता हो। वैकल्पिक अनुवाद: "अगला होगा"

देखें: जोड़ें — अनुक्रमिक समय सम्बन्ध

## 1 कुरिन्थियों 15:24 (#1)

"अन्त होगा"

यहाँ, **अन्त** से तात्पर्य है कि कोई चीज़ जो अपने लक्ष्य तक पहुँच गई है और इस तरह समाप्त हो गई है। पौलुस स्पष्ट रूप से यह नहीं बताता कि उसके मन में क्या **अन्त** है, लेकिन कुरिन्थियों ने अनुमान लगाया होगा कि इसका तात्पर्य दुनिया के **अन्त** से था जैसा कि वर्तमान में मौजूद है। इसका तात्पर्य यह नहीं है कि अब कोई दुनिया नहीं रहेगी, लेकिन इसका मतलब है कि **अन्त** के बाद चीजें बहुत अलग होंगी। यदि यह आपकी भाषा में मददगार होगा, तो आप स्पष्ट रूप से पौलुस द्वारा बोले जा रहे **अन्त** के पीछे के विचार को व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "इस दुनिया का अन्त" या "जिस तरह से चीजें अभी हैं उसका अन्त"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

## 1 कुरिन्थियों 15:24 (#2)

"इसके बाद अन्त होगा; उस समय वह सारी प्रधानता और सारा अधिकार और सामर्थ्य का अन्त करके राज्य को परमेश्वर पिता के हाथ में सौंप देगा।"

यहाँ, इसके बाद अन्त होगा; यह तब होगा जब वह राज्य को परमेश्वर पिता के हाथ में सौंप देगा। पौलुस की भाषा में, अनुक्रम स्पष्ट है, भले ही घटनाएँ क्रम में न हों। यदि आपकी भाषा घटनाओं को क्रम में रखेगी, तो आप अनुक्रम को स्पष्ट करने के लिए इन दो खंडों को पुनर्वर्गस्थित कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जब वह सभी शासन और सभी अधिकार और शक्ति को समाप्त कर देगा, जब वह राज्य को परमेश्वर और पिता को सौंप देगा"

देखें: सूचना संरचना

## 1 कुरिन्थियों 15:24 (#1)

General Information:\n\nयहाँ शब्द ""वह"" और ""उसका"" मसीह को सम्बोधित करते हैं।

## 1 कुरिन्थियों 15:24 (#4)

"परमेश्वर पिता के"

यहाँ, परमेश्वर और पिता एक ही व्यक्ति के दो नाम हैं। पिता नाम से यह स्पष्ट होता है कि पौलुस "परमेश्वर पिता" के बारे में बात कर रहा है ताकि उसे "परमेश्वर पुत्र" से अलग किया जा सके, जो राज्य सौंपता है। यहाँ एक ऐसे शब्द या वाक्यांश का प्रयोग करें जो स्पष्ट रूप से "परमेश्वर पिता" का नाम ले। वैकल्पिक अनुवाद: "परमेश्वर पिता"

देखें: पुत्र और पिता का अनुवाद

## 1 कुरिन्थियों 15:24 (#2)

"

वह उन लोगों को रोक देगा जो शासन करते हैं, जिनके पास अधिकार है, और जिनके पास जो काम वे कर रहे हैं उसके कारण शक्ति है"

## 1 कुरिन्थियों 15:24 (#6)

"सारी प्रधानता और सारा अधिकार और सामर्थ्य का"

यदि आपकी भाषा में प्रधानता, अधिकार और सामर्थ्य के पीछे के विचारों के लिए भाववाचक संज्ञाएँ का उपयोग नहीं किया जाता है, तो आप "प्रधानता", "अधिकार" और "सामर्थ्य" जैसी क्रियाओं का उपयोग करके विचार व्यक्त कर सकते हैं। पौलुस यहाँ प्रधानता, अधिकार और सामर्थ्य रखने की स्थिति या क्षमता के बारे में बात कर रहे हैं, इसलिए

आप स्वयं उस स्थिति या क्षमता का उल्लेख कर सकते हैं, या आप उस व्यक्ति या चीज़ का उल्लेख कर सकते हैं जो उस स्थिति को भरता है या जिसके पास वह क्षमता है। वैकल्पिक अनुवाद: "सभी शासक और सभी शासन करने वाले और अधिकार रखने वाले" या "वे सभी जो शासन करते हैं और वे सभी जो प्रधान हैं और अधिकार रखते हैं"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

## 1 कुरिन्थियों 15:24 (#7)

"सारी प्रधानता और सारा अधिकार और सामर्थ्य"

यहाँ, प्रधानता, अधिकार और सामर्थ्य से निम्नलिखित की पहचान हो सकती है: (1) कोई भी पद या व्यक्ति जिसके पास प्रधानता, अधिकार और सामर्थ्य है। वैकल्पिक अनुवाद: "प्रधानता के सभी पद और अधिकार और सामर्थ्य के सभी पद" (2) शक्तिशाली आध्यात्मिक प्राणी जिनके पास प्रधानता, अधिकार और सामर्थ्य है या जिन्हें "प्रधानता", "अधिकार" और "सामर्थ्य" कहा जाता है। वैकल्पिक अनुवाद: "सभी शक्तिशाली आध्यात्मिक प्राणी जो प्रधानता और अधिकार और सामर्थ्य का प्रयोग करते हैं" या "सभी आध्यात्मिक प्राणी और सभी स्वर्गदूत और महादूत"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

## 1 कुरिन्थियों 15:24 (#8)

"सारी प्रधानता और सारा अधिकार और सामर्थ्य"

यहाँ पौलुस ने सूची में पहले दो वस्तुओं के साथ सारी और सारा शब्द को शामिल किया है, लेकिन तीसरे वस्तुओं के साथ नहीं। वह ऐसा अंतिम दो वस्तुओं को एक साथ जोड़ने के लिए करता है, जिसका अर्थ है कि सारा अधिकार और सामर्थ्य दोनों को संशोधित करता है। यदि आप अंतिम दो वस्तुओं को एक साथ समूहीकृत कर सकते हैं, तो आप यहाँ ऐसा कर सकते हैं। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप व्यक्त कर सकते हैं कि पौलुस ने पूरी सूची को संशोधित करने के लिए तीन में से केवल दो वस्तुओं के साथ सारी का उपयोग क्यों किया, या आप प्रत्येक वस्तुओं के साथ सारी को दोहरा सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "सभी प्रधानता और अधिकार और शक्ति" या "सभी प्रधानता और सभी अधिकार और सभी शक्ति"

## 1 कुरिन्थियों 15:25 (#1)

"क्योंकि"

यहाँ, क्योंकि पौलुस की व्याख्या प्रस्तुत करता है कि मसीह कैसे "सारी प्रधानता और सारा अधिकार और सामर्थ्य का अन्त करेगे" (15:24)। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप क्योंकि को ऐसे शब्द या वाक्यांश के साथ व्यक्त कर सकते हैं जो आगे की व्याख्या प्रस्तुत करता है। वैकल्पिक अनुवाद: "विशेष रूप से,"

देखें: शब्दों और वाक्यांशों को जोड़ना

## 1 कुरिन्थियों 15:25 (#2)

"तब तक उसका राज्य करना अवश्य है।"

यहाँ पौलुस यह नहीं समझता कि मसीह को क्यों राज्य करना अवश्य है। उसका तात्पर्य यह है कि ऐसा इसलिए है क्योंकि परमेश्वर पिता ने यहीं तय किया है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप स्पष्ट रूप से यह बता सकते हैं कि अवश्य के पीछे क्या विचार है। वैकल्पिक अनुवाद: "परमेश्वर ने चुना कि मसीह शासन करेगा"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

## 1 कुरिन्थियों 15:25 (#1)

"जब तक कि वह अपने बैरियों को अपने पाँवों तले" - "ले आए"

"जिन राजाओं ने युद्ध जीते थे, वे अपने पैरों को उन लोगों की गर्दन पर रखेंगे जिन्हें उन्होंने पराजित किया था। वैकल्पिक अनुवाद: ""जब तक परमेश्वर पूरी तरह से मसीह के दुश्मनों को नष्ट नहीं करेंगे""

देखें: मुहावरा

## 1 कुरिन्थियों 15:25 (#4)

"वह अपने बैरियों को अपने पाँवों तले"

इस पद में हर वह और अपने शब्द मसीह को संदर्भित करता है। यहाँ, वह इसका उल्लेख कर सकता है: (1) मसीह, जो अपने बैरियों को अपने पाँवों तले रखता है। वैकल्पिक अनुवाद: "उसने खुद रखा है" (2) परमेश्वर (पिता), जो बैरियों को मसीह के पाँवों तले रखता है। वैकल्पिक अनुवाद: "परमेश्वर ने रखा है"

देखें: सर्वनाम — उनका उपयोग कब करें

**1 कुरिन्थियों 15:25 (#5)****"बैरियों"**

यहाँ, बैरियों का तात्पर्य विशेष रूप से मसीह के बैरियों से है, लेकिन इसमें विश्वासियों के बैरी भी शामिल हो सकते हैं। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप यहाँ उचित अधिकारवाचक रूप में व्यक्त कर सकते हैं कि बैरी शब्द मसीह और उसके लोगों के बैरियों को संदर्भित करते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "उसके शत्रु" या "उसके और विश्वासियों के शत्रु"

देखें: स्वामित्व

**1 कुरिन्थियों 15:26 (#1)**

""

"पौलुस यहाँ मौत की बात करता है जैसे कि वह एक व्यक्ति था जिसे परमेश्वर मार डालेगा। वैकल्पिक अनुवाद: ""अंतिम दुश्मन जो परमेश्वर नष्ट करेगा वह मृत्यु है""

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

**1 कुरिन्थियों 15:26 (#2)****"सबसे अन्तिम बैरी जो नाश किया जाएगा"**

यदि आपकी भाषा में इस तरह से निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं किया जाता है, तो आप विचार को सक्रिय रूप में या किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं जो आपकी भाषा में स्वाभाविक है। पौलुस निष्क्रिय रूप का उपयोग उस बैरी पर जोर देने के लिए करता है जिसे "नाश" करने वाले व्यक्ति से अधिक नाश किया जाता है। यदि आपको यह बताना है कि किसने कार्य किया, तो पौलुस का तात्पर्य है कि "मसीह" ने इसे किया। वैकल्पिक अनुवाद: "अंतिम शत्रु जिसे मसीह नाश करेगा"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

**1 कुरिन्थियों 15:26 (#3)****"नाश किया जाएगा वह मृत्यु है!"**

इस वाक्य में, पौलुस मुख्य क्रिया का उपयोग नहीं करता है। वह इस रूप का उपयोग मृत्यु को अन्तिम बैरी के रूप में महत्व देने के लिए करता है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप मृत्यु का अनुवाद "है" जैसी क्रिया को शामिल करके कर सकते हैं और दूसरे तरीके से महत्व व्यक्त

कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "नाश होना मृत्यु है" या "समाप्त होना यह है: मृत्यु"

देखें: पदलोप

**1 कुरिन्थियों 15:26 (#4)****"नाश किया जाएगा"**

यहाँ, नाश किया जाएगा का अर्थ है कि किसी व्यक्ति या चीज़ को अप्रभावी बनाना या अब नियंत्रण से बाहर कर देना। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप नाश किया जाएगा वाक्यांश से व्यक्त कर सकते हैं जो यह दर्शाता है कि मसीहा ने विजय प्राप्त कर ली है या किसी चीज़ को अप्रभावी बना दिया है। वैकल्पिक अनुवाद: "विजय प्राप्त करना" या "नाश कर दिया जाना"

देखें: अज्ञातों का अनुवाद करें

**1 कुरिन्थियों 15:26 (#5)****"मृत्यु"**

अगर आपकी भाषा में मृत्यु के पीछे के विचार के लिए भाववाचक संज्ञा का उपयोग नहीं किया गया है, तो आप "मरना" जैसी क्रिया का उपयोग करके विचार को व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "लोग मरते हैं" या "यह तथ्य कि लोग मरते हैं"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

**1 कुरिन्थियों 15:27 (#1)****"क्योंकि"**

पौलुस की संस्कृति में, किसी महत्वपूर्ण पाठ से उद्धरण प्रस्तुत करने के लिए 'क्योंकि' एक सामान्य तरीका है, इस मामले में, पुराने नियम की पुस्तक जिसका शीर्षक है "भजन" (देखें: (8:6))। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप एक तुलनीय वाक्यांश का उपयोग कर सकते हैं जो इंगित करता है कि पौलुस एक महत्वपूर्ण पाठ से उद्धरण दे रहा है। वैकल्पिक अनुवाद: "क्योंकि इसे पुराने नियम में पढ़ा जा सकता है," या "क्योंकि भजन की पुस्तक में हम पढ़ सकते हैं,"

देखें: उद्धरण और उद्धरण सीमा

**1 कुरिन्थियों 15:27 (#2)**

"क्योंकि "परमेश्वर ने सब कुछ उसके पाँवों तले कर दिया है"

यदि आप अपनी भाषा में इस रूप का उपयोग नहीं करते हैं, तो आप इस कथन को प्रत्यक्ष उद्धरण के बजाय अप्रत्यक्ष उद्धरण के रूप में अनुवाद कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "क्योंकि यह कहा गया है कि उसने सब कुछ अपने पैरों के नीचे कर दिया है"

देखें: उद्धरण और उद्धरण सीमा

**1 कुरिन्थियों 15:27 (#1)**

"परमेश्वर ने सब कुछ उसके पाँवों तले कर दिया है"

"जिन राजाओं ने युद्ध जीते थे, वे अपने पैरों को उन लोगों की गर्दन पर रखेंगे जिन्हें उन्होंने पराजित किया था। देखें कि कैसे ""उसके पैरों के नीचे"" का अनुवाद [1 कुरिन्थियों 15:25] (.. / 15 / 25.md) में किया गया है। वैकल्पिक अनुवाद: ""परमेश्वर ने पूरी तरह से मसीह के सभी दुश्मनों को नष्ट कर दिया है""

देखें: मुहावरा

**1 कुरिन्थियों 15:27 (#4)**

"परमेश्वर ने सब कुछ उसके पाँवों तले कर दिया है," - "सब कुछ उसके अधीन कर दिया"

यहाँ, उसके का तात्पर्य मसीह से है, और वह परमेश्वर पिता से है। पौलस खुद ही पद में बाद में वह और उसके बीच अंतर करता है, इसलिए यदि संभव हो, तो वह और उसके संदर्भों को बिना बताए छोड़ दें। यदि आपको संदर्भों को बताना ही है, तो आप "परमेश्वर" और "मसीह" का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "परमेश्वर ने सब कुछ मसीह के पैरों के नीचे रख दिया है ... परमेश्वर ने रखा है"

देखें: सर्वनाम — उनका उपयोग कब करें

**1 कुरिन्थियों 15:27 (#5)**

"जब वह कहता है"

पौलस की संस्कृति में, **जब वह कहता है** तो यह पहले से उल्लेख किए गए पाठ को वापस संदर्भित करने का एक सामान्य तरीका है। यदि यह आपकी भाषा में मददगार होगा, तो आप एक तुलनीय वाक्यांश का उपयोग कर सकते हैं जो इंगित करता है कि पौलस ने जो कुछ कहा है, उसका संदर्भ

दे रहा है। वैकल्पिक अनुवाद: "जब उद्धरण पढ़ता है," या "जब हम उद्धरण में शब्द देखते हैं,"

देखें: उद्धरण और उद्धरण सीमा

**1 कुरिन्थियों 15:27 (#6)**

"जब वह कहता है कि सब कुछ उसके अधीन कर दिया गया है"

यदि आप अपनी भाषा में इस रूप का उपयोग नहीं करते हैं, तो आप इस कथन का अनुवाद प्रत्यक्ष उद्धरण के बजाय अप्रत्यक्ष उद्धरण के रूप में कर सकते हैं। सुनिश्चित करें कि यह स्पष्ट है कि पौलस सब कुछ उसके अधीन कर दिया गया है को पिछले उद्धरण से दोहरा रहे हैं ताकि वे इस पर टिप्पणी कर सकें। वैकल्पिक अनुवाद: "यह कहता है कि उसने सब कुछ अधीन कर दिया है"

देखें: प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष उद्धरण

**1 कुरिन्थियों 15:27 (#7)**

"तो स्पष्ट है, कि"

यहाँ, स्पष्ट है, कि यह इंगित करता है कि कोई कुछ ऐसा बता रहा है जो स्पष्ट है या होना चाहिए। दूसरे शब्दों में, लेखक को इस बात पर तर्क करने की ज़रूरत नहीं है कि क्या स्पष्ट है और इसके बजाय वह बस उसे इंगित कर सकता है। यदि यह आपकी भाषा में मददगार होगा, तो आप स्पष्ट है, कि को किसी ऐसे तुलनीय शब्द या वाक्यांश के साथ व्यक्त कर सकते हैं जो किसी स्पष्ट चीज़ का परिचय देता है। वैकल्पिक अनुवाद: "आप बता सकते हैं कि" या "यह स्पष्ट है कि"

देखें: मुहावरा

**1 कुरिन्थियों 15:27 (#8)**

"कि जिसने सब कुछ मसीह के अधीन कर दिया"

यहाँ कुरिन्थियों के विश्वासियों को पता होगा कि जिसने सब कुछ मसीह के अधीन कर दिया, वह परमेश्वर पिता है। यदि आपके पाठक यह निष्कर्ष नहीं निकालते हैं, तो आप "परमेश्वर" का स्पष्ट संदर्भ शामिल कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जिसने सब कुछ अपने अधीन कर दिया, अर्थात् परमेश्वर,"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

**1 कुरिन्थियों 15:27 (#9)****"वह आप अलग रहा"**

यहाँ, आप अलग रहा वाक्यांश किसी सामान्य नियम या कथन के लिए "आप अलग रहा" के रूप में किसी चीज़ की पहचान करता है। यहाँ पौलुस का तात्पर्य है कि जिसने सब कुछ रखा है, वह सब कुछ में शामिल नहीं है। अगर यह आपकी भाषा में मददगार होगा, तो आप अलग रहा को पहचानने वाले शब्द या वाक्यांश के साथ आप अलग रहा है व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "शामिल नहीं है" या "अधीन नहीं है"

देखें: अज्ञातों का अनुवाद करें

**1 कुरिन्थियों 15:28 (#1)****"सब कुछ उसके अधीन हो जाएगा"**

"यह सक्रिय के रूप में कहा जा सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: ""परमेश्वर ने सब कुछ मसीह के अधीन किया है""

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

**1 कुरिन्थियों 15:28 (#4)****"पुत्र"**

यह एक महत्वपूर्ण शीर्षक है जो यीशु और परमेश्वर के बीच संबंधों का वर्णन करता है। (देखें: )

देखें: पुत्र और पिता का अनुवाद

**1 कुरिन्थियों 15:28 (#2)****"पुत्र आप" - "उसके अधीन हो जाएगा"**

"यह सक्रिय रूप में कहा जा सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: ""पुत्र स्वयं प्रजा बन जाएगा""

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

**1 कुरिन्थियों 15:28 (#4)****"पुत्र आप भी"**

यहाँ, स्वयं पुत्र आप भी पर ध्यान केंद्रित करता है और इस बात पर ज़ोर देता है कि पुत्र ही ऐसा कर रहा है। यदि स्वयं आपकी भाषा में पुत्र की ओर ध्यान आकर्षित नहीं करता है, तो आप किसी अन्य तरीके से ध्यान या ध्यान केंद्रित कर

सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "यहाँ तक कि पुत्र" या "वास्तव में पुत्र"

देखें: निजवाचक सर्वनाम

**1 कुरिन्थियों 15:28 (#3)****"पुत्र आप"**

"पिछले पदों में उन्हें ""मसीह"" कहा जाता था। वैकल्पिक अनुवाद: ""मसीह, जो स्वयं पुत्र है""

**1 कुरिन्थियों 15:28 (#6)****"परमेश्वर"**

यहाँ, परमेश्वर का अर्थ हो सकता है: (1) विशेष रूप से परमेश्वर पिता। वैकल्पिक अनुवाद: "परमेश्वर पिता" (2) तीनों व्यक्ति जो परमेश्वर हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "त्रियक" या "त्रियक परमेश्वर"

**1 कुरिन्थियों 15:28 (#7)****"सब कुछ हो"**

यहाँ, सब कुछ एक ऐसा वाक्यांश है जो इस बात पर जोर देता है कि परमेश्वर हर उस चीज़ पर शासन करता है और उसे नियंत्रित करता है जो मौजूद है। अगर यह आपकी भाषा में मददगार होगा, तो आप सब कुछ को एक तुलनीय वाक्यांश के साथ व्यक्त कर सकते हैं जो संदर्भित करता है कि कैसे परमेश्वर सभी चीज़ों पर शासन करता है और उन्हें नियंत्रित करता है। वैकल्पिक अनुवाद: "सर्वोच्च" या "वह जो सभी चीज़ों पर शासन करता है"

देखें: मुहावरा

**1 कुरिन्थियों 15:29 (#1)****"नहीं तो"**

यहाँ, नहीं तो [15:12-28](#) में पौलुस ने जो तर्क दिया है, उसके विपरीत प्रस्तुत करता है। यदि यीशु के पुनरुत्थान और उसके महत्व के बारे में उसने जो तर्क दिया है, वह सत्य नहीं है, तो इस आयत में उसने जो कहा है, वह अवश्य ही सत्य होगा। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप नहीं तो को ऐसे शब्द या वाक्यांश से व्यक्त कर सकते हैं जो विपरीत या विरोधाभास प्रस्तुत करता हो। वैकल्पिक अनुवाद: "यदि यह सब सत्य नहीं है"

देखें: जोड़ें — विरोधाभास सम्बन्ध

### 1 कुरिन्थियों 15:29 (#1)

"नहीं तो जो लोग मरे हुओं के लिये बपतिस्मा लेते हैं, वे क्या करेंगे?"

"पौलुस कोरिन्थियों को सिखाने के लिए इस सवाल का उपयोग करता है। इसे सक्रिय रूप में कहा जा सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: ""अन्यथा मसीहियों के लिए मरे हुए के लिए बपतिस्मा लेना व्यर्थ होगा।""

देखें: आलंकारिक प्रश्न

### 1 कुरिन्थियों 15:29 (#3)

"जो लोग मरे हुओं के लिये बपतिस्मा लेते हैं, वे क्या करेंगे?"

यदि आपकी भाषा में इस तरह से निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं किया जाता है, तो आप विचार को सक्रिय रूप में या किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं जो आपकी भाषा में स्वाभाविक है। पौलुस यहाँ निष्क्रिय रूप का उपयोग उन लोगों पर ध्यान केंद्रित करने के लिए करता है जो बपतिस्मा ले रहे हैं बजाय इसके कि वह "बपतिस्मा" देने वाले व्यक्ति पर ध्यान केंद्रित करे। यदि आपको यह बताना है कि कौन कार्य करता है, तो आप एक अस्पष्ट या अनिश्चित विषय का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "क्या वे लोग करेंगे जिन्हें दूसरे बपतिस्मा देते हैं" या "क्या वे लोग करेंगे जिन्हें बपतिस्मा मिलता है"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

### 1 कुरिन्थियों 15:29 (#4)

"जो लोग मरे हुओं के लिये बपतिस्मा लेते हैं, वे क्या करेंगे?"

यहाँ पौलुस भविष्य में कुछ "करेंगे" की बात कर रहा है। वह निम्न का उल्लेख कर सकता है: (1) बपतिस्मा लेने का इच्छित परिणाम, जो बपतिस्मा के बाद होता है। वैकल्पिक अनुवाद: "क्या बपतिस्मा लेने वाले लोग पूरा करेंगे" (2) बपतिस्मा लेने वाले लोग क्या सोचते हैं कि वे क्या कर रहे हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "क्या मरे हुओं के लिए बपतिस्मा लेने वाले सोचते हैं कि वे क्या कर रहे हैं"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

### 1 कुरिन्थियों 15:29 (#5)

"जो लोग मरे हुओं के लिये बपतिस्मा लेते हैं, वे क्या करेंगे?" - "तो फिर क्यों उनके लिये बपतिस्मा लेते हैं?"

यह स्पष्ट नहीं है कि मरे हुओं के लिये बपतिस्मा लेते हैं का वास्तव में क्या अर्थ है और यह किस तरह के अभ्यास को संदर्भित करता है। यह स्पष्ट है कि यह अभ्यास केवल तभी समझ में आता है जब कोई यह मानता है कि मृतकों को जी उठाया जाता है। यदि संभव हो, तो इन वाक्यांशों को सामान्य शब्दों में व्यक्त करें। मरे हुओं के लिये बपतिस्मा लेते हैं को समझने के दो सबसे सामान्य तरीके हैं कि यह संदर्भित कर सकता है: (1) बपतिस्मा लिए बिना मरने वाले लोगों के स्थान पर जीवित विश्वासियों द्वारा बपतिस्मा प्राप्त करने का अभ्यास। वैकल्पिक अनुवाद: "क्या वे लोग करेंगे जो मृतकों के स्थान पर बपतिस्मा लेते हैं" (2) लोग बपतिस्मा प्राप्त करते हैं क्योंकि वे मानते हैं कि मृतक "जी उठेंगे।" वे अपने स्वयं के पुनरुत्थान या उन लोगों के पुनरुत्थान की उम्मीद कर सकते हैं जिन्हें वे जानते थे जो मर चुके हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "क्या वे लोग करेंगे जो मृतकों को ध्यान में रखते हुए बपतिस्मा लेते हैं... क्या वे उनके मन में बपतिस्मा लेते हैं"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

### 1 कुरिन्थियों 15:29 (#6)

"मरे हुओं" - "मुर्दे"

पौलुस विशेषण मरे हुओं का उपयोग संज्ञा के रूप में उन सभी लोगों को संदर्भित करने के लिए कर रहा है जो मुर्दे हैं। आपकी भाषा में भी विशेषणों का उपयोग उसी तरह हो सकता है। यदि नहीं, तो आप इसे संज्ञा वाक्यांश के साथ अनुवाद कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मृत लोग ... मरे लोग" या "मुर्दे ... लाश"

देखें: संज्ञात्मक विशेषण

### 1 कुरिन्थियों 15:29 (#4)

"जी उठते ही नहीं"

के कारण फिर से जी नहीं उठे हैं

### 1 कुरिन्थियों 15:29 (#3)

"मुर्दे जी उठते ही नहीं"

"इसका सक्रिय रूप में अनुवाद किया जा सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: ""परमेश्वर मृतकों को नहीं जी उठाता है""

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

## 1 कुरिन्थियों 15:29 (#5)

"वे क्या" - "क्यों उनके लिये बपतिस्मा लेते हैं"

"पौलुस कोरिन्थियों को सिखाने के लिए इस सवाल का उपयोग करता है। इसे सक्रिय रूप में कहा जा सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: ""लोगों को मृतकों का बपतिस्मा देने का कोई कारण नहीं होगा।""

देखें: आलंकारिक प्रश्न

## 1 कुरिन्थियों 15:29 (#10)

"बपतिस्मा लेते हैं"

यदि आपकी भाषा में इस तरह से निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं किया जाता है, तो आप विचार को सक्रिय रूप में या किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं जो आपकी भाषा में स्वाभाविक है। पौलुस यहाँ निष्क्रिय रूप का उपयोग उन लोगों पर ध्यान केंद्रित करने के लिए करता है जो बपतिस्मा ले रहे हैं बजाय इसके कि वह "बपतिस्मा" देने वाले व्यक्ति पर ध्यान केंद्रित करे। यदि आपको यह बताना है कि कौन कार्य करता है, तो आप अस्पृष्ट या अनिश्चित विषय का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "क्या दूसरे उन्हें बपतिस्मा देते हैं" या "क्या वे बपतिस्मा प्राप्त करते हैं?"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

## 1 कुरिन्थियों 15:29 (#11)

"जो लोग मरे हुओं के लिये बपतिस्मा लेते हैं, वे क्या करेंगे?"

यहाँ, वे उन लोगों को संदर्भित करते हैं जो मरे हुओं के लिये बपतिस्मा लेते हैं, जबकि वे मरे हुओं को संदर्भित करते हैं। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप स्पष्ट रूप से बता सकते हैं कि ये सर्वनाम किन लोगों को संदर्भित करते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "क्या ये लोग मृतकों के लिए बपतिस्मा लेते हैं?"

देखें: सर्वनाम — उनका उपयोग कब करें

## 1 कुरिन्थियों 15:30 (#1)

"और हम भी क्यों"

यहाँ, हम भी क्यों 15:29 में "यदि मुर्दे जी उठते" की स्थिति के लिए एक और प्रतिक्रिया भी प्रस्तुत करता है। ऐसे शब्द या वाक्यांश का उपयोग करें जो स्पष्ट रूप से इस प्रश्न को उस स्थिति से जोड़ता है। वैकल्पिक अनुवाद: "फिर से, अगर यह सच है, तो क्यों"

देखें: शब्दों और वाक्यांशों को जोड़ना

## 1 कुरिन्थियों 15:30 (#1)

"और हम भी क्यों हर घड़ी जोखिम में पड़े रहते हैं"

"पौलुस कोरिन्थियों को सिखाने के लिए इस सवाल का उपयोग करता है। उसके और दूसरों को खतरे में रहने का कारण यह है कि कुछ लोग गुस्से में थे कि उन्होंने सिखाया कि यीशु लोगों को मृत्यु से जी उठाएगा। वैकल्पिक अनुवाद: ""अगर लोग मरे हुओं में से नहीं जी उठेंगे, तो हमें कुछ लाभ नहीं हर घड़ी खतरे में रहकर यह सिखाते हुए कि लोग जी उठेंगे।""

देखें: आलंकारिक प्रश्न

## 1 कुरिन्थियों 15:30 (#3)

"हम"

यहाँ, हम पौलुस और अन्य प्रेरितों का उल्लेख करते हैं जो सुसमाचार का प्रचार करते हैं। इसमें कुरिन्थियों के विश्वासी को शामिल नहीं किया गया है।

देखें: विशिष्ट और समावेशी 'हम'

## 1 कुरिन्थियों 15:30 (#4)

"और हम भी क्यों हर घड़ी जोखिम में पड़े रहते हैं?"

यहाँ पौलुस कहते हैं कि हम जोखिम में हैं क्योंकि वे और अन्य लोग सुसमाचार का प्रचार करने के लिए कार्यरत हैं। यदि आपके पाठक यह नहीं समझ पाते कि यही कारण है कि पौलुस और अन्य जोखिम में हैं, तो आप इस विचार को स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "क्या हम हर घड़ी सुसमाचार के कारण खतरे में हैं" या "क्या हम हर घड़ी इसलिए खतरे में हैं क्योंकि हम शुभ समाचार का प्रचार करते हैं?"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित ज्ञानकारी

**1 कुरिन्थियों 15:30 (#5)****"हर घड़ी जोखिम में"**

अगर आपकी भाषा में **जोखिम** के पीछे के विचार के लिए भाववाचक संज्ञा का इस्तेमाल नहीं किया गया है, तो आप "खतरे में डालना" जैसी क्रिया या "खतरनाक रूप से" जैसे क्रियाविशेषण का इस्तेमाल करके विचार को व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "क्या हम खतरनाक रूप से जीवन व्यतीत करते हैं?"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

**1 कुरिन्थियों 15:30 (#6)****"हर घड़ी"**

यहाँ, हर घड़ी का तात्पर्य है कि कोई क्रिया बार-बार या लगातार होती है। इसका तात्पर्य यह नहीं है कि पौलुस और अन्य लोगों ने हर घड़ी खतरे का अनुभव किया। अगर यह आपकी भाषा में मददगार होगा, तो आप हर घड़ी को एक तुलनीय मुहावरे के साथ व्यक्त कर सकते हैं या विचार को स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "हर समय" या "बहुत बार"

देखें: मुहावरा

**1 कुरिन्थियों 15:31 (#1)****"कि मैं प्रतिदिन मरता हूँ"**

"यह अतिशयोक्ति है कि वह मरने के खतरे में था। वह जानता था कि कुछ लोग उसे मारना चाहते थे क्योंकि उन्हें वह पसंद नहीं आया जो वह सिखा रहा था। वैकल्पिक अनुवाद: ""हर दिन मैं मरने के खतरे में हूँ"" या ""हर दिन मैं अपना जीवन संकट में डालता हूँ!"" (देखें: )"

देखें: अतिशयोक्ति

**1 कुरिन्थियों 15:31 (#2)**

""

"पौलुस इस कथन को प्रमाण के रूप में उपयोग करता है कि वह हर दिन मौत का सामना करता है। वैकल्पिक अनुवाद: ""तुम जान सकते हो कि यह सच है, क्योंकि तुम तुमपर मेरे घमंड के बारे में जानते हो"" या ""तुम जान सकते हो कि यह सच है, क्योंकि तुम जानते हो कि मैं तुम में कितना घमंड करता हूँ!""

**1 कुरिन्थियों 15:31 (#3)****"मुझे उस घमण्ड...तुम्हारे विषय में"**

वैकल्पिक अनुवाद: "तुम्हारे बारे में मेरी घमण्ड करना"

**1 कुरिन्थियों 15:31 (#3)**

""

"पौलुस ने उन पर मसीह यीशु ने उनके लिए जो काम किये थे के कारण गर्व किया। वैकल्पिक अनुवाद: ""मैं तुम में घमंड करता हूँ, जिसे मैं करता हूँ हमारे प्रभु यीशु मसीह ने तुम्हारे लिए जो किया है के कारण"""

देखें: अनुमानित ज्ञान और निहित जानकारी

**1 कुरिन्थियों 15:31 (#4)**

""

जिस तरह से मैं अन्य लोगों को बताता हूँ कि तुम कितने अच्छे हो

**1 कुरिन्थियों 15:32 (#1)**

""

"पौलुस चाहता है कि कुरिन्थियों के लोग उसके बताए बिना समझें। इसे एक विवरण बनाया जा सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: ""मैंने इफिसुस में जानवरों के साथ लड़कर कुछ भी नहीं पाया ... उठाया नहीं।"" (देखें: )"

देखें: आलंकारिक प्रश्न

**1 कुरिन्थियों 15:32 (#2)****"मुझे क्या लाभ हुआ?"**

यहाँ, **मुझे क्या लाभ हुआ** का तात्पर्य पौलुस के लिए अच्छी चीज़ से है। अगर यह आपकी भाषा में मददगार होगा, तो आप **मुझे क्या लाभ हुआ** को किसी ऐसे तुलनीय शब्द या वाक्यांश से व्यक्त कर सकते हैं जो किसी के लिए अच्छी या फायदेमंद चीज़ को संदर्भित करता है। वैकल्पिक अनुवाद: "इससे मुझे क्या फ़ायदा है" या "इससे मुझे क्या लाभ होता है"

देखें: मुहावरा

## 1 कुरिन्थियों 15:32 (#3)

"यदि मैं मनुष्य की रीति पर इफिसुस में वन-पशुओं से लड़ा"

यहाँ, मनुष्य की रीति को संशोधित किया जा सकता है: (1) मैंने...लड़ा। इस मामले में, पौलुस केवल मनुष्यों के लक्ष्यों और रणनीतियों के साथ लड़ रहे होंगे। वैकल्पिक अनुवाद: "यदि मैंने मनुष्यों के अनुसार जंगली जानवरों के खिलाफ लड़ाई की" (2) वन-पशुओं। इस मामले में, पौलुस वन-पशुओं के वाक्यांश को अपने दुश्मनों के लिए एक आलकारिक संदर्भ के रूप में पहचान रहे होंगे। वैकल्पिक अनुवाद: "यदि मैंने बोलते हुए, जंगली जानवरों से लड़ाई की," देखें: सूचना संरचना

## 1 कुरिन्थियों 15:32 (#4)

"मनुष्य की रीति"

यहाँ, मनुष्य की रीति केवल मानवीय तरीकों से सोचने या कार्य करने की पहचान करता है। यदि यह आपकी भाषा में मददगार होगा, तो आप मनुष्य की रीति के पीछे के विचार को ऐसे शब्द या वाक्यांश का उपयोग करके व्यक्त कर सकते हैं जो उन लोगों को संदर्भित करता है जो विश्वास नहीं करते हैं और तर्क करते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "केवल मनुष्यों के सोच के अनुसार" या "इस दुनिया के अनुसार"

देखें: मुहावरा

## 1 कुरिन्थियों 15:32 (#5)

"मनुष्य"

हालाँकि मनुष्य पुलिंग है, लेकिन पौलुस इसका इस्तेमाल किसी भी व्यक्ति के लिए कर रहा है, चाहे वह पुरुष हो या स्त्री। अगर यह आपकी भाषा में मददगार होगा, तो आप पुरुषों को गैर-लिंगीय शब्द से व्यक्त कर सकते हैं या दोनों लिंगों को संदर्भित कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मनुष्य" या "पुरुष और महिला"

देखें: जब पुलिंग शब्दों में स्लियाँ भी सम्मिलित होती हैं

## 1 कुरिन्थियों 15:32 (#6)

"यदि"

पौलुस ऐसे बोल रहा है मानो वन-पशुओं से लड़ना एक काल्पनिक संभावना थी, लेकिन उसका तात्पर्य यह है कि यह वास्तव में हुआ था। यदि आपकी भाषा किसी चीज़ को निश्चित

या सत्य होने की स्थिति के रूप में नहीं बताती है, और यदि आपके पाठक सोच सकते हैं कि पौलुस जो कह रहा है वह नहीं हुआ, तो आप खंड को "जब" जैसे शब्द से शुरू कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जब"

देखें: जोड़ें — तथ्यात्मक स्थितियाँ

## 1 कुरिन्थियों 15:32 (#2)

""

पौलुस उस बात को बता रहा है जिसे उसने वास्तव में किया था। संभावित अर्थ 1) पौलुस सचित्र रूप से अपने तर्कों के विषय उन सीखे अन्यजातियों या अन्य संघर्षों के विषय उन लोगों के साथ बात कर रहा था जो उसे मारना चाहते थे या 2) वह वास्तव में खतरनाक जानवरों के विरुद्ध लड़ने के लिए मैदान में डाल दिया गया था।

देखें: रूपक

## 1 कुरिन्थियों 15:32 (#8)

"इफिसुस में"

इफिसुस वर्तमान तुर्की के पश्चिमी तट पर स्थित एक शहर था। पौलुस ने कुरिन्थुस छोड़ने के तुरंत बाद वहाँ समय बिताया (देखें: प्रेरि 18:19-21)। कुछ और यात्राओं के बाद, उन्होंने इफिसुस का दौरा किया और वहाँ दो से अधिक वर्षों तक रहे (प्रेरि 19:1-20:1)। न तो कहानी में वन-पशुओं का उल्लेख है, और न ही पौलुस स्पष्ट करते हैं कि वह किस यात्रा की बात कर रहे हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप इफिसुस को एक शब्द या वाक्यांश के साथ व्यक्त कर सकते हैं जो इसे अधिक स्पष्ट रूप से एक शहर के रूप में पहचानता है जिसे पौलुस ने दौरा किया था। वैकल्पिक अनुवाद: "इफिसुस शहर में"

देखें: अज्ञातों का अनुवाद करें

## 1 कुरिन्थियों 15:32 (#9)

"यदि मुर्दे जिलाए नहीं जाएँगे"

यहाँ पौलुस एक सशर्त कथन कर रहा है जो काल्पनिक लगता है, लेकिन वह पहले से ही आश्वस्त है कि यह शर्त सत्य नहीं है। वह जानता है कि मुर्दे वास्तव में जिलाए जाएँगे। वह इस रूप का उपयोग कुरिन्थुस के विश्वासियों को उनके इस दावे के निहितार्थ दिखाने के लिए करता है कि मुर्दे जिलाए नहीं जाएँगे। अपनी भाषा में एक स्वाभाविक रूप का उपयोग करें

जो वक्ता को विश्वास है कि सत्य नहीं है। वैकल्पिक अनुवाद: "यदि मेरे हुए वास्तव में नहीं जी उठते" देखें: जोड़े — तथ्य के विपरीत स्थितियाँ

## 1 कुरिन्थियों 15:32 (#3)

"तो आओ, क्योंकि कल तो मर ही जाएँगे"

पौलुस ने निष्कर्ष निकाला है कि अगर मृत्यु के बाद कोई और जिंदगी नहीं है, तो हमे अपने जीवन का आनंद लेना उत्तम है, क्योंकि कल हमारा जीवन बिना आशा के नष्ट हो जाएगा।

## 1 कुरिन्थियों 15:32 (#11)

"यदि मुर्दे जिलाए नहीं जाएँगे, "तो आओ, खाएँ-पीएँ, क्योंकि कल तो मर ही जाएँगे।"

यदि आप अपनी भाषा में इस रूप का उपयोग नहीं करते हैं, तो आप इस कथन का अनुवाद प्रत्यक्ष उद्धरण के बजाय अप्रत्यक्ष उद्धरण के रूप में कर सकते हैं। सुनिश्चित करें कि आपके पाठक जानते हैं कि पौलुस एक सामान्य कहावत का उल्लेख कर रहा है। वैकल्पिक अनुवाद: "यदि हम नहीं जी उठेगे, तो खाएँ और पिएँ, क्योंकि कल हम मर जाएँगे, जैसा लोग कहते हैं"

देखें: प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष उद्धरण

## 1 कुरिन्थियों 15:32 (#12)

"तो आओ, खाएँ-पीएँ"

यहाँ, तो आओ, खाएँ-पीएँ का तात्पर्य भव्य या उन्मादी खाने-पीने से है। यह नियमित भोजन का संदर्भ नहीं देता। यदि आपकी भाषा में यह मददगार होगा, तो आप इस वाक्यांश को दावत करने या उन्मादी व्यवहार के रूप में व्यक्त कर सकते हैं, जो इस विचार को अधिक स्पष्ट रूप से व्यक्त करता है। वैकल्पिक अनुवाद: "आओ दावत करें" या "आओ दावत करें और नशे में धूत हो जाएं"

देखें: मुहावरा

## 1 कुरिन्थियों 15:32 (#13)

"क्योंकि कल तो मर ही जाएँगे"

यहाँ, कल का तात्पर्य है वह समय जो जल्द ही आएगा। यह जरूरी नहीं कि यह आज के बाद के दिन को संदर्भित करता हो। कहावत कल का उपयोग इस बात पर जोर देने के लिए

करती है कि हम कितनी जल्दी मर जाएँगे। अगर यह आपकी भाषा में मददगार होगा, तो आप कल को एक ऐसे तुलनीय शब्द या वाक्यांश से व्यक्त कर सकते हैं जो उस समय पर जोर देता है जो जल्द ही आएगा। वैकल्पिक अनुवाद: "जल्द ही हम मरेंगे" या "बहुत जल्द हम मरेंगे"

देखें: अतिशयोक्ति

## 1 कुरिन्थियों 15:33 (#1)

"बुरी संगति अच्छे चरित्र को बिगाड़ देती है"

यदि तुम बुरे लोगों के साथ रहते हो, तो तुम उनके जैसे कार्य करोगे। पौलुस एक सामान्य कहानी को दोहराता है।

## 1 कुरिन्थियों 15:33 (#2)

"धोखा न खाना, "बुरी संगति अच्छे चरित्र को बिगाड़ देती है।"

यदि आप अपनी भाषा में इस रूप का उपयोग नहीं करते हैं, तो आप इस कथन का अनुवाद प्रत्यक्ष उद्धरण के बजाय अप्रत्यक्ष उद्धरण के रूप में कर सकते हैं। सुनिश्चित करें कि आपके पाठक जानते हैं कि पौलुस एक सामान्य कहावत का उल्लेख कर रहा है। वैकल्पिक अनुवाद: "धोखा न खाएँ। लोग कहते हैं कि बुरी संगति अच्छे नैतिक मूल्यों को भ्रष्ट कर देती है।"

देखें: प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष उद्धरण

## 1 कुरिन्थियों 15:33 (#3)

"धोखा न खाना"

यदि आपकी भाषा में इस तरह से निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं किया जाता है, तो आप विचार को सक्रिय रूप में या किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं जो आपकी भाषा में स्वाभाविक है। पौलुस यहाँ निष्क्रिय रूप का उपयोग उन लोगों पर ध्यान केंद्रित करने के लिए करता है जो "धोखा" देने वाले लोगों पर ध्यान केंद्रित करने के बजाय धोखा खा जाते हैं। यदि आपको यह बताना है कि कौन कार्य करता है, तो आप एक अस्पष्ट या अनिश्चित विषय का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "दूसरों को आपको धोखा देने न दें" या "आप लोगों को धोखा देने की अनुमति न दें"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

**1 कुरिन्थियों 15:33 (#4)****"बुरी संगति अच्छे चरित्र को बिगड़ देती है।"**

पौलुस की संस्कृति में, यह कथन एक कहावत थी जिससे कई लोग परिचित होगे। कहावत का अर्थ है कि बुरे मित्र एक अच्छे व्यक्ति को बुरा बना देते हैं। आप इस कहावत का अनुवाद इस तरह कर सकते हैं कि यह आपकी भाषा और संस्कृति में एक कहावत के रूप में पहचानी जाए और सार्थक हो। वैकल्पिक अनुवाद: "बुरे मित्र अच्छे लोगों को बर्बाद कर देते हैं।"

देखें: नीतिवचन

**1 कुरिन्थियों 15:33 (#5)****"बुरी संगति"**

यहाँ, बुरी संगति का तात्पर्य उन दोस्तों से है जो प्रायः गलत काम करते हैं। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप बुरी संगति को एक उपयुक्त वाक्यांश के साथ व्यक्त कर सकते हैं जो उन दोस्तों का उल्लेख करता है जो गलत काम करते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "दुष्ट साथी"

देखें: अज्ञातों का अनुवाद करें

**1 कुरिन्थियों 15:33 (#6)****"अच्छे चरित्र"**

यहाँ, अच्छे चरित्र का तात्पर्य ऐसे व्यक्ति के चरित्र से है जो आदतन वहीं करता है जो अच्छा या सही है। अगर यह आपकी भाषा में मददगार होगा, तो आप अच्छे चरित्र को किसी ऐसे शब्द या वाक्यांश से व्यक्त कर सकते हैं जो उचित या सही चरित्र वाले व्यक्ति की पहचान करता हो। वैकल्पिक अनुवाद: "जो सही काम करते हैं" या "उल्कष्ट चरित्र"

देखें: अज्ञातों का अनुवाद करें

**1 कुरिन्थियों 15:34 (#1)****"जाग उठो"**

तुम्हे इसके बारे में गंभीरता से सोचना चाहिए

**1 कुरिन्थियों 15:34 (#2)****"परमेश्वर को नहीं जानते"**

अगर आपकी भाषा में जानते के पीछे के विचार के लिए भाववाचक संज्ञा का उपयोग नहीं किया गया है, तो आप "जानना" या "समझना" जैसी क्रिया का उपयोग करके विचार को व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "समझ नहीं पाते कि परमेश्वर कौन है"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

**1 कुरिन्थियों 15:34 (#3)****"मैं तुम्हें लज्जित करने के लिये यह कहता हूँ"**

यहाँ, मैं तुम्हें लज्जित करने के लिये यह कहता हूँ, यह पौलुस का कुरिन्थियों के विश्वासियों को यह बताने का तरीका है कि उन्हें इस बात पर शर्म आनी चाहिए कि उनमें से कितने ऐसे हैं जो परमेश्वर को नहीं जानते। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप इस वाक्यांश को एक तुलनीय मुहावरे के साथ व्यक्त कर सकते हैं या विचार को स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "आपको इस बारे में शर्म आनी चाहिए"

देखें: मुहावरा

**1 कुरिन्थियों 15:34 (#4)****"तुम्हें लज्जित करने के लिये"**

अगर आपकी भाषा में लज्जित के पीछे के विचार के लिए भाववाचक संज्ञा का उपयोग नहीं किया गया है, तो आप "लज्जित" जैसी क्रिया का उपयोग करके विचार व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "आपको शर्मिदा करने के लिए"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

**1 कुरिन्थियों 15:35 (#1)****"अब"**

संयोजक वक्तव्य: यहाँ, अब शब्द से पौलुस ने जो तर्क दिया है कि परमेश्वर मृतकों को कैसे जीवित करता है, उसके बारे में एक आपत्ति या कम से कम एक समस्या पेश करता है। चूँकि अब तर्क के एक नए खंड को पेश करता है, इसलिए आप एक शब्द या वाक्यांश का उपयोग कर सकते हैं जो तर्क में एक नए विकास की शुरुआत करता है। वैकल्पिक अनुवाद: "अगला,"

देखें: जोड़ें — विरोधाभास सम्बन्ध

## 1 कुरिन्थियों 15:35 (#1)

""

Connecting Statement: \n\n पौलुस कुछ विशिष्टाओं को देता है कि कैसे विश्वासियों के शरीर का पुनरुत्थान होगा। वह प्राकृतिक और आमिक शरीरों की एक तस्वीर देता है और पहले व्यक्ति आदम की तुलना अंतिम आदम, मसीह के साथ करता है।

## 1 कुरिन्थियों 15:35 (#2)

""

"संभावित अर्थ 1) व्यक्ति सच्चाई से पूछ रहा है या 2) व्यक्ति पुनरुत्थान के विचार का उपहास करने के लिए सवाल का उपयोग कर रहा है। वैकल्पिक अनुवाद: ""लेकिन कुछ लोग कहेंगे कि वे कल्पना नहीं कर सकते कि कैसे परमेश्वर मरे हुओं को उठाएंगे, और पुनरुत्थान में परमेश्वर उन्हें किस तरह का शरीर देंगे।"" (देखें: )"

देखें: आलंकारिक प्रश्न

## 1 कुरिन्थियों 15:35 (#3)

"कोई यह कहेगा"

कोई पूछेगा

## 1 कुरिन्थियों 15:35 (#5)

"मुर्दे"

पौलुस विशेषण मुर्दे का उपयोग संज्ञा के रूप में कर रहा है ताकि सभी मरे लोगों को संदर्भित किया जा सके। आपकी भाषा में भी विशेषणों का उपयोग उसी तरह हो सकता है। यदि नहीं, तो आप इसे संज्ञा वाक्यांश के साथ अनुवाद कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मृत लोग" या "मुर्दे"

देखें: संज्ञात्मक विशेषण

## 1 कुरिन्थियों 15:35 (#4)

""

यह की, क्या वह भौतिक शरीर या आमिक शरीर होगा? शरीर का आकार क्या होगा? शरीर किस से बना होगा? सबसे सामान्य प्रश्न का उपयोग करके अनुवाद करें कि कोई भी जो इन सवालों के जवाब जानना चाहता है, पूछे।

## 1 कुरिन्थियों 15:36 (#1)

"हे निर्बुद्धि, जो कुछ तू बोता है"

"पौलुस कुरिन्थियों से बात कर रहा है जैसे कि वे एक व्यक्ति थे, इसलिए यहाँ ""तुम"" दोनों उदाहरण एकवचन हैं।

देखें: 'आप' के रूप

## 1 कुरिन्थियों 15:36 (#2)

"हे निर्बुद्धि," - "तू"

आप इसके बारे में बिल्कुल नहीं जानते

## 1 कुरिन्थियों 15:36 (#3)

"जो कुछ" - "बोता है, जब तक वह न मरे जिलाया नहीं जाता"

एक बीज तब तक नहीं बढ़ेगा जब तक इसे पहले भूमि के अंदर गाड़ा नहीं जाता है। इसी तरह, परमेश्वर के जी उठाने से पहले एक व्यक्ति को मरना पड़ता है।

देखें: रूपक

## 1 कुरिन्थियों 15:36 (#4)

"हे निर्बुद्धि, जो कुछ तू बोता है, जब तक वह न मरे जिलाया नहीं जाता।"

यहाँ पौलुस अपनी संस्कृति में सामान्य कृषि प्रथाओं के बारे में बात करते हैं। एक किसान खेत में मिट्टी पर बीज बोता है, और बीज खेत में धंस जाता है और प्रतीत होता है कि "मर" गया है। केवल एक अवधि के बाद जब यह जमीन में "मरा" पड़ा रहता है, तब बीज एक नए रूप में जिलाया जाता है जैसे एक पौधा। आप अपनी संस्कृति में इन प्रकार की कृषि प्रथाओं का वर्णन करने के लिए शब्दों या वाक्यांशों का उपयोग कर सकते हैं। पौलुस विशेष रूप से जीवित और मृत शब्दों का उपयोग करते हैं ताकि कृषि प्रथाओं को मनुष्य जीवन और मृत्यु से जोड़ा जा सके, इसलिए यदि संभव हो तो ऐसे शब्दों का उपयोग करें जो मनुष्यों और बीज दोनों पर लागू हो सकें। वैकल्पिक अनुवाद: "जो बीज आप बोते हैं, वे तब तक पौधे के रूप में जीवित नहीं होते जब तक कि वे पहले जमीन में मर नहीं जाते।"

देखें: अज्ञातों का अनुवाद करें

**1 कुरिन्थियों 15:36 (#5)****"जिलाया नहीं जाता।"**

यदि आपकी भाषा में निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं होता है, तो आप इस विचार को सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य स्वाभाविक तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। पौलुस यहाँ निष्क्रिय रूप का उपयोग करते हैं ताकि इस पर ध्यान केंद्रित किया जा सके कि जो कुछ तू बोता है वह "जीवित" कैसे होता है, बजाय इसके कि किस कारण से या कौन इसे जीवित करता है। यदि आपको यह बताना आवश्यक है कि क्रिया कौन करता है, तो पौलुस यह संकेत देते हैं कि "परमेश्वर" या पौधा स्वयं इसे करता है। वैकल्पिक अनुवाद: "परमेश्वर इसे जीवित करता है" या "जीवित होना शुरू करता है"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

**1 कुरिन्थियों 15:36 (#6)****"जो कुछ तू बोता है, जब तक वह न मरे जिलाया नहीं जाता।"**

अगर आपकी भाषा में ऐसा लगता है कि पौलुस यहाँ एक कथन दे रहा था और फिर उसका खंडन कर रहा था, तो आप अपवाद खंड का उपयोग करने से बचने के लिए इस वाक्य को फिर से लिख सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "केवल मरने के बाद ही जीवित रहने का कारण बनता है"

देखें: जोड़ें — अपवाद खण्ड

**1 कुरिन्थियों 15:37 (#1)**

""

पौलुस फिर से बीज के रूपक का उपयोग करता है यह कहने के लिए कि परमेश्वर विश्वासी के मृत शरीर को पुनर्जीवित करेगा, लेकिन वह शरीर वर्तमान शरीर के समान नहीं होगा।

देखें: रूपक

**1 कुरिन्थियों 15:37 (#2)****"जो तू बोता है"**

"पौलुस कुरिन्थियों से बात कर रहा है जैसे कि वे एक व्यक्ति थे, इसलिए यहाँ ""तुम"" शब्द एकवचन है।

देखें: 'आप' के रूप

**1 कुरिन्थियों 15:37 (#3)**

"और जो तू बोता है, यह वह देह नहीं जो उत्पन्न होनेवाली है, परन्तु केवल दाना है, चाहे गेहूँ का, चाहे किसी और अनाज का"

यहाँ पौलुस खेती से एक उपमा का उपयोग करना जारी रखता है। इस पद में, वह इस बात पर ध्यान केंद्रित करता है कि कैसे एक बीज से उगने वाला जीवित पौधा उस बीज जैसा बिल्कुल नहीं दिखता। मनुष्य और पौधों के बीच मुख्य मौखिक संबंध शब्द शरीर है, इसलिए यदि संभव हो तो मानव शरीर और पौधे के शरीर को संदर्भित करने के लिए एक ही शब्द का उपयोग करें। वैकल्पिक अनुवाद: "आप केवल एक नया बीज बोते हैं, शायद गेहूँ या कुछ और, न कि उस पौधे का शरीर जो उगेगा।"

**1 कुरिन्थियों 15:37 (#4)****"यह वह देह"**

यहाँ, यह वह देह उस पौधे की पहचान करता है जो बाद में बीज से उगेगा। पौलुस का कहना है कि कोई ऐसा नहीं बोता जो पूरी तरह से विकसित पौधे जैसा दिखता हो। परन्तु केवल दाना है जो बोया जाता है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप यह वह देह को एक शब्द या वाक्यांश के साथ व्यक्त कर सकते हैं जो पूरी तरह से विकसित पौधे को संदर्भित करता है। यदि संभव हो, तो देह के लिए वही शब्द प्रयोग करें जो आपने मनुष्य शरीर के लिए उपयोग किया है, क्योंकि पौलुस शरीर का उपयोग पौधों के बारे में जो वह कह रहे हैं उसे पुनरुत्थान के बारे में जो वह कह रहे हैं उससे जोड़ने के लिए कर रहे हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "पूरी तरह से विकसित पौधे का शरीर"

देखें: अज्ञात शब्दों का अनुवाद करें

**1 कुरिन्थियों 15:37 (#5)****"परन्तु केवल दाना है"**

यहाँ, केवल दाना का तात्पर्य एक बीज से है, जो अपने आप में होता है, जिसमें कोई पत्तियां या तना नहीं होता जैसा कि बाद में पौधे में होता है। अगर यह आपकी भाषा में मददगार होगा, तो आप केवल दाना को ऐसे शब्द या वाक्यांश से व्यक्त कर सकते हैं जो यह पहचानता है कि पौलुस अकेले बीज के बारे में बात कर रहा है। वैकल्पिक अनुवाद: "केवल एक बीज" या "एक अकेला दाना"

देखें: अज्ञातों का अनुवाद करें

## 1 कुरिन्थियों 15:37 (#6)

"चाहे गेहूँ का, चाहे किसी और अनाज का"

यहाँ पौलुस ने गेहूँ को एक ऐसे पौधे के उदाहरण के रूप में इस्तेमाल किया है जो संस्कृति में आम था और जो बीज के रूप में शुरू होता है। जब वह **चाहे किसी और अनाज का**, कहते हैं तो वह यह स्पष्ट करते हैं कि बीज के रूप में शुरू होने वाला कोई भी पौधा उसके सादृश्य के लिए काम करता है। इसलिए, आप अपनी संस्कृति में किसी भी साधारण पौधे का उल्लेख कर सकते हैं जो बीज के रूप में शुरू होता है। वैकल्पिक अनुवाद: "शायद मकई का दाना या किसी अन्य प्रकार का बीज"

देखें: अज्ञातों का अनुवाद करें

## 1 कुरिन्थियों 15:38 (#1)

"परमेश्वर अपनी इच्छा के अनुसार उसको देह देता है"

परमेश्वर तय करेगा कि यह किस प्रकार का शरीर होगा

## 1 कुरिन्थियों 15:38 (#2)

"हर एक"

यहाँ, **हर एक** 15:37 में "केवल दाना" को संदर्भित करता है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप इसे स्पष्ट रूप से "दाना" को संदर्भित करके व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "बीज" या "केवल दाना"

देखें: सर्वनाम — उनका उपयोग कब करें

## 1 कुरिन्थियों 15:38 (#3)

"अपनी इच्छा के अनुसार"

यहाँ, **अपनी इच्छा के अनुसार**, इसका तात्पर्य है कि परमेश्वर ने चुना है कि प्रत्येक बीज किस तरह के देह में विकसित होगा, और वह ऐसा करता है जैसा वह सबसे अच्छा समझता है। यदि यह आपकी भाषा में मददगार होगा, तो आप **इच्छा** को ऐसे शब्द से व्यक्त कर सकते हैं जो परमेश्वर द्वारा "निर्णय" या "चुनाव" को संदर्भित करता है। वैकल्पिक अनुवाद: "जिस तरह से वह तय करता है"

देखें: अज्ञातों का अनुवाद करें

## 1 कुरिन्थियों 15:38 (#4)

"और हर एक बीज को उसकी विशेष देह।"

यहाँ पौलुस कुछ ऐसे शब्दों को छोड़ देता है जिनकी ज़रूरत आपकी भाषा को एक पूर्ण विचार बनाने के लिए पड़ सकती है। पौलुस इन शब्दों को छोड़ देता है क्योंकि उसने इन्हें पिछले खंड (परमेश्वर अपनी इच्छा के अनुसार) में स्पष्ट रूप से कहा था। अगर आपकी भाषा को इन शब्दों की ज़रूरत है, तो आप उन्हें उस खंड से दे सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "परमेश्वर प्रत्येक बीज को उसका अपना शरीर देता है"

देखें: पदलोप

## 1 कुरिन्थियों 15:38 (#5)

"हर एक बीज को"

यहाँ, **हर एक बीज** का संदर्भ हो सकता है: (1) हर एक प्रकार या किस्म के बीज जो मौजूद हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "प्रत्येक बीज की किस्मों के लिए" (2) हर एक व्यक्तिगत बीज। वैकल्पिक अनुवाद: "प्रत्येक व्यक्तिगत बीज के लिए"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

## 1 कुरिन्थियों 15:39 (#1)

"सब शरीर एक समान नहीं, परन्तु मनुष्यों का शरीर और है, पशुओं का शरीर और है; पक्षियों का शरीर और है; मछलियों का शरीर और है।"

यहाँ पौलुस लगातार चार खंडों में **शरीर** और उसी संरचना को दोहराता है। यह उनकी संस्कृति में शक्तिशाली रूप से शब्दबद्ध किया गया था, और यह विभिन्न प्रकार के शरीर के बीच अंतर पर जोर देता है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, और यदि यह आपकी संस्कृति में शक्तिशाली रूप से शब्दबद्ध नहीं होगा, तो आप संकेत दे सकते हैं कि पौलुस कुछ या सभी दोहराव को हटाकर और कथनों को दूसरे तरीके से शक्तिशाली बनाकर शब्दों और संरचना को क्यों दोहराता है। वैकल्पिक अनुवाद: "इसके बजाय, मनुष्य, पशु, पक्षी और मछली के पास विभिन्न प्रकार के शरीर होते हैं"

देखें: समानांतरता

## 1 कुरिन्थियों 15:39 (#2)

"मनुष्यों का शरीर"

यहाँ पौलुस **{शरीर}** का उल्लेख नहीं करते हैं क्योंकि उन्होंने इसे पिछले वाक्य में उपयोग किया था और वह इसे वाक्य के शेष भाग में भी उपयोग करते हैं। अंग्रेजी बोलने वाले यह नहीं समझ पाएंगे कि पौलुस ने यहाँ **{शरीर}** का उल्लेख क्यों

नहीं किया है, इसलिए यूएलटी. ने इसे कोष्ठकों में शामिल किया है। विचार करें कि क्या आपके पाठक भी यह नहीं समझ पाएंगे कि पौलुस ने **{शरीर}** का उल्लेख क्यों नहीं किया है। वैकल्पिक अनुवाद: "पुरुषों में से एक"

देखें: पदलोप

## 1 कुरिन्थियों 15:39 (#3)

"मनुष्यों का"

मूल भाषा में पुरुष शब्द का उपयोग किया गया है जो हिन्दी बाइबल में नहीं है। हालाँकि पुरुष शब्द पुल्लिंग है, लेकिन पौलुस इसका इस्तेमाल किसी भी व्यक्ति के लिए कर रहा है, चाहे वह पुरुष हो या महिला। अगर यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप मनुष्यों को गैर-लिंगीय शब्द से व्यक्त कर सकते हैं या दोनों लिंगों को संदर्भित कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "लोगों का" या "पुरुषों और महिलाओं का"

देखें: जब पुल्लिंग शब्दों में स्त्रियाँ भी सम्मिलित होती हैं

## 1 कुरिन्थियों 15:39 (#1)

"शरीर"

"जानवरों के संदर्भ में, ""मांस"" का अनुवाद ""शरीर"", ""त्वचा"" या ""मांस"" के रूप में किया जा सकता है।"

## 1 कुरिन्थियों 15:40 (#1)

"स्वर्गीय देह है"

संभावित अर्थ 1) सूर्य, चंद्रमा, सितारें, और आकाश में अन्य दृश्यमान रोशनियाँ या 2) स्वर्गीय प्राणी, जैसे स्वर्गद्वात् और अन्य अलौकिक प्राणी।

## 1 कुरिन्थियों 15:40 (#2)

"परन्तु स्वर्गीय देहों का तेज और है, और पार्थिव का और।"

यदि आपकी भाषा में तेज के पीछे के विचार के लिए भाववाचक संज्ञा का उपयोग नहीं किया गया है, तो आप "महिमामय" या "तेजस्वी" जैसे विशेषण का उपयोग करके विचार को व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "स्वर्गीय लोग एक तरह से महिमामय हैं, और सांसारिक लोग दूसरे तरीके से महिमामय हैं"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

## 1 कुरिन्थियों 15:40 (#4)

"तेज"

"यहां ""महिमा"" आकाश में वस्तुओं की मानव आंखों के सापेक्ष चमक को सम्बोधित करता है।"

## 1 कुरिन्थियों 15:40 (#3)

""

स्वर्गीय प्राणी की महिमा मानव शरीर की महिमा से अलग है

## 1 कुरिन्थियों 15:41 (#1)

"और है" - "और है" - "दूसरे"

यहाँ, ठीक वैसे ही जैसे 15:40 में, पौलुस अलग-अलग तरह की तेज के बीच अंतर कर रहा है। अगर यह आपकी भाषा में मददगार होगा, तो आप इस विचार को स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "एक तरह का है ... दूसरे तरह का ... दूसरे तरह का" या "एक तरह का है ... दूसरे तरह का ... दूसरे तरह का"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

## 1 कुरिन्थियों 15:41 (#2)

"सूर्य का तेज और है, चाँद का तेज और है, और तारागणों का तेज और है" - "तेज में"

अगर आपकी भाषा में तेज के पीछे के विचार के लिए भाववाचक संज्ञा का उपयोग नहीं किया गया है, तो आप "महिमामय" या "तेजस्वी" जैसे विशेषण का उपयोग करके विचार को व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "सूर्य एक प्रकार से तेजस्वी है, चंद्रमा दूसरे प्रकार से तेजस्वी है, और तारे एक और प्रकार से तेजस्वी हैं ... जिस प्रकार से वे तेजस्वी हैं"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

## 1 कुरिन्थियों 15:41 (#3)

"सूर्य का तेज और है, चाँद का तेज और है, और तारागणों का तेज और है"

यहाँ पौलुस लगातार तीन खंडों में तेज और उसी संरचना को दोहराता है। यह उनकी संस्कृति में शक्तिशाली रूप से शब्दबद्ध किया गया था, और यह विभिन्न प्रकार की तेज के बीच अंतर पर जोर देता है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, और यदि यह आपकी संस्कृति में शक्तिशाली रूप से शब्दबद्ध नहीं होगा, तो आप संकेत दे सकते हैं कि पौलुस कुछ या सभी दोहराव को हटाकर और कथनों को दूसरे तरीके से शक्तिशाली बनाकर शब्दों और संरचना को क्यों दोहराता है। वैकल्पिक अनुवाद: "सूर्य, चंद्रमा और सितारों में अलग-अलग प्रकार की तेज होती है"

देखें: समानांतरता

## 1 कुरिन्थियों 15:41 (#4)

"और"

यहाँ, और तारागणों के तेज के बारे में एक और व्याख्या प्रस्तुत करता है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप और को ऐसे शब्द या वाक्यांश से व्यक्त कर सकते हैं जो व्याख्या या स्पष्टीकरण प्रस्तुत करता हो। वैकल्पिक अनुवाद: "वास्तव में," या "सचमुच में,"

देखें: शब्दों और वाक्यांशों को जोड़ना

## 1 कुरिन्थियों 15:41 (#5)

"क्योंकि एक तारे से दूसरे तारे के तेज में अन्तर है।"

वैकल्पिक अनुवाद: "कुछ तारों की तेज अन्य तारों से अलग होती है" या "तारे खुद चमक में भिन्न होते हैं"

## 1 कुरिन्थियों 15:42 (#1)

"ऐसा ही है"

यहाँ, ऐसा ही है पौलुस की व्याख्या प्रस्तुत करते हैं जो उन्होंने 15:36-41 में बीजों और शरीरों के बारे में जो कहा है, वह मुर्दों के जी उठने पर कैसे लागू होता है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप ऐसा ही है को एक ऐसे शब्द या वाक्यांश के साथ व्यक्त कर सकते हैं जो किसी उदाहरण या दृष्टिकोण के अनुप्रयोग को प्रस्तुत करता है। वैकल्पिक अनुवाद: "इन शब्दों में आपको इसके बारे में सोचना चाहिए" या "आइए इन बातों को लागू करें"

देखें: शब्दों और वाक्यांशों को जोड़ना

## 1 कुरिन्थियों 15:42 (#2)

"जी उठता है"

के कारण फिर से जीवित है

## 1 कुरिन्थियों 15:42 (#3)

"मुर्दों का"

पौलुस विशेषण मुर्दों का उपयोग संज्ञा के रूप में उन सभी लोगों को संदर्भित करने के लिए कर रहा है जो मर चुके हैं। आपकी भाषा में भी विशेषणों का उपयोग उसी तरह हो सकता है। यदि नहीं, तो आप इसे संज्ञा वाक्यांश के साथ अनुवाद कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मृत लोगों का" या "मुर्दों का"

देखें: संज्ञात्मक विशेषण

## 1 कुरिन्थियों 15:42 (#1)

""

"लेखक एक व्यक्ति के गाड़े गये शरीर को भूमि में लगाये बीज के समान बताता है। और वह व्यक्ति के शरीर को मृतकों में से जी उठाने को बात करता है जैसे कि यह बीज से उगने वाला पौधा था। निष्क्रिय क्रिया को सक्रिय रूप में कहा जा सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: ""भूमि में क्या जाता है ... भूमि से क्या आता है"" या ""लोग क्या गाड़ते हैं ... परमेश्वर क्या उठाता है""

देखें: मुहावरा

## 1 कुरिन्थियों 15:42 (#5)

"शरीर नाशवान दशा में बोया जाता है, और अविनाशी रूप में जी उठता है।"

यदि आपकी भाषा में इस तरह से निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं किया जाता है, तो आप विचार को सक्रिय रूप में या किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं जो आपकी भाषा में स्वाभाविक है। पौलुस यहाँ निष्क्रिय रूप का उपयोग उस शरीर पर ध्यान केंद्रित करने के लिए करता है जिसे बोया जाता है और जी उठता है बजाय उन लोगों पर ध्यान केंद्रित करने के जो उन कार्यों को करते हैं। यदि आपको यह बताना है कि कौन कार्य करता है, तो पौलुस का तात्पर्य है कि "लोग" बोते हैं और "परमेश्वर" जी उठाते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "लोग जो नाशवान दशा में बोते हैं, परमेश्वर उसे जी उठाते हैं"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

## 1 कुरिन्थियों 15:42 (#3)

""

सङ् सकता है ... सङ् नहीं सकता है

## 1 कुरिन्थियों 15:43 (#1)

"वह अनादर के साथ बोया जाता है, और तेज के साथ जी उठता है; निर्बलता के साथ बोया जाता है; और सामर्थ्य के साथ जी उठता है"

यहाँ पौलुस लगातार तीन वाक्यों में बोया जाता है, जी उठता है, और इसी तरह की संरचना को दोहराता है (देखें: [15:42](#) का अंतिम भाग)। यह उनकी संस्कृति में शक्तिशाली रूप से लिखा गया था, और यह शरीर को कैसे बोया जाता है और कैसे जी उठता है। इसके बीच तीन अंतरों पर जोर देता है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, और यदि यह आपकी संस्कृति में शक्तिशाली रूप से नहीं लिखा गया होगा, तो आप संकेत दे सकते हैं कि पौलुस कुछ या सभी दोहराव को हटाकर और कथनों को दूसरे तरीके से शक्तिशाली बनाकर शब्दों और संरचना को क्यों दोहराता है। यदि आप निम्नलिखित वैकल्पिक अनुवाद का उपयोग करते हैं, तो आपको [15:42](#) में "शरीर नाशवान दशा में बोया जाता है, और अविनाशी रूप में जी उठता है" को छोड़ना होगा, क्योंकि वैकल्पिक अनुवाद में वह विचार शामिल है। वैकल्पिक अनुवाद: "शरीर नाशवान दशा में बोया जाता है, और अविनाशी रूप में जी उठता है" या "जो क्षय, अपमान और निर्बलता में बोया जाता है वह अमरता, महिमा और सामर्थ्य में जी उठता है।"

देखें: समानांतरता

## 1 कुरिन्थियों 15:43 (#1)

""

"लेखक एक व्यक्ति के गाड़े गये शरीर को भूमि में लगाये बीज के समान बताता है। और वह व्यक्ति के शरीर को मृतकों में से जी उठाने को बात करता है जैसे कि यह बीज से उगाने वाला पौधा था। निष्क्रिय क्रिया को सक्रिय रूप में कहा जा सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: ""भूमि में क्या जाता है ... भूमि से क्या आता है"" या ""लोग क्या गाड़ते हैं ... परमेश्वर क्या उठाता है""

देखें: मुहावरा

## 1 कुरिन्थियों 15:43 (#3)

"बोया जाता है" - "जी उठता है" - "बोया जाता है" - "जी उठता है"

यदि आपकी भाषा में निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं होता है, तो आप विचारों को सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य स्वाभाविक तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। पौलुस यहाँ निष्क्रिय रूप का उपयोग शरीर पर ध्यान केंद्रित करने के लिए करते हैं जो बोया जाता है और जी उठता है, बजाय उन लोगों पर ध्यान केंद्रित करने के जो ये कार्य करते हैं। यदि आपको यह बताना आवश्यक है कि कार्य कौन करता है, तो पौलुस संकेत देते हैं कि "लोग" बोने का कार्य करते हैं और "परमेश्वर" जी उठाने का कार्य करते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "लोग इसे बोते हैं ... परमेश्वर इसे जी उठाते हैं ... लोग इसे बोते हैं ... परमेश्वर इसे जी उठाते हैं"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

## 1 कुरिन्थियों 15:43 (#4)

"वह अनादर के साथ बोया जाता है, और तेज के साथ जी उठता है;"

यदि आपकी भाषा में अनादर और तेज के पीछे के विचारों के लिए भाववाचक संज्ञाएँ का उपयोग नहीं किया जाता है, तो आप "अपमानजनक" और "तेजस्वी" जैसे विशेषणों का उपयोग करके विचार व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "एक अपमानजनक शरीर बोया जाता है; एक तेजस्वी शरीर जी उठाया जाता है"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

## 1 कुरिन्थियों 15:43 (#5)

"निर्बलता के साथ बोया जाता है; और सामर्थ्य के साथ जी उठता है।"

यदि आपकी भाषा में निर्बलता और सामर्थ्य के पीछे के विचारों के लिए भाववाचक संज्ञाएँ का उपयोग नहीं होता है, तो आप "कमजोर" और "शक्तिशाली" जैसे विशेषणों का उपयोग करके विचार व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "एक कमजोर शरीर बोया जाता है; एक शक्तिशाली शरीर जी उठाया जाता है।"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

## 1 कुरिन्थियों 15:44 (#1)

""

"लेखक एक व्यक्ति के गाड़े गये शरीर को भूमि में लगाये बीज के समान बताता है। और वह व्यक्ति के शरीर को मृतकों में से जी उठाने को बात करता है जैसे कि यह बीज से उगने वाला पौधा था। निष्क्रिय क्रिया को सक्रिय रूप में कहा जा सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: ""भूमि में क्या जाता है ... भूमि से क्या आता है"" या ""लोग क्या गाड़ते हैं ... परमेश्वर क्या उठाता है""

देखें: मुहावरा

### 1 कुरिन्थियों 15:44 (#2)

"बोई जाती है" - "जी उठती है"

यदि आपकी भाषा इस प्रकार से निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं करती है, तो आप सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य स्वाभाविक तरीके से विचार व्यक्त कर सकते हैं। पौलुस यहाँ निष्क्रिय रूप का उपयोग स्वाभाविक देह पर ध्यान केंद्रित करने के लिए करते हैं जो बोई जाती है और जी उठती है बजाय उन लोगों पर ध्यान केंद्रित करने के जो ये क्रियाएं करते हैं। यदि आपको यह बताना आवश्यक है कि क्रिया कौन करता है, तो पौलुस यह संकेत देते हैं कि "लोग" बोने का कार्य करते हैं और "परमेश्वर" जी उठाने का कार्य करते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "लोग इसे बोते हैं जैसे ... परमेश्वर इसे जी उठाते हैं"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

### 1 कुरिन्थियों 15:44 (#3)

"स्वाभाविक देह" - "स्वाभाविक देह"

यहाँ, स्वाभाविक देह का तात्पर्य मानव शरीर से है, जो जी उठने से पहले था। ये शरीर वे हैं जो उन तरीकों से कार्य करते हैं जिन्हें हम अभी देख सकते हैं और जो पृथकी पर अभी जीवन के साथ मेल खाते हैं। यदि यह आपकी भाषा में मददगार होगा, तो आप स्वाभाविक देह को ऐसे शब्द या वाक्यांश से व्यक्त कर सकते हैं जो मानव शरीर को संदर्भित करता है क्योंकि वे वर्तमान में पृथकी पर मौजूद हैं इससे पहले कि परमेश्वर उन्हें बदल दें। वैकल्पिक अनुवाद: "एक सांसारिक शरीर ... एक स्वाभाविक देह" या "एक नियमित शरीर ... एक स्वाभाविक शरीर"

देखें: अज्ञातों का अनुवाद करें

### 1 कुरिन्थियों 15:44 (#4)

"आत्मिक देह" - "आत्मिक देह"

यहाँ, आत्मिक देह का तात्पर्य जी उठने के बाद मानव शरीर से है। यह विशेष रूप से संदर्भित कर सकता है: (1) कैसे शरीर परमेश्वर की आत्मा द्वारा नियंत्रित होते हैं और इस प्रकार यह इस बात के अनुरूप होता है कि लोग कैसे जीवन व्यतीत करेंगे जब परमेश्वर हर उस चीज़ को नवीनीकृत करेंगे जिसे उन्होंने बनाया है। वैकल्पिक अनुवाद: "नई सृष्टि के लिए उपयुक्त शरीर ... नई सृष्टि के लिए उपयुक्त शरीर" या "परमेश्वर की आत्मा द्वारा नियंत्रित शरीर ... परमेश्वर की आत्मा द्वारा नियंत्रित शरीर" (2) कैसे {देह} "आत्मा" या "शरीर" के विपरीत "आत्मा" से बना है। वैकल्पिक अनुवाद: "आत्मा से बना शरीर ... आत्मा से बना शरीर"

देखें: अज्ञातों का अनुवाद करें

### 1 कुरिन्थियों 15:44 (#5)

"जबकि"

पौलुस ऐसे बोल रहे हैं मानो स्वाभाविक देह एक काल्पनिक संभवना है, लेकिन उनका तात्पर्य है कि यह वास्तव में सच है। अगर आपकी भाषा किसी चीज़ को निश्चित या सत्य होने की शर्त के रूप में नहीं बताती है, और अगर आपके पाठक सोच सकते हैं कि पौलुस जो कह रहा है वह निश्चित नहीं है, तो आप वाक्यांश को "चूंकि" या "क्योंकि" जैसे शब्द से शुरू कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "चूंकि" या "क्योंकि"

देखें: जोड़ें — तथ्यात्मक स्थितियाँ

### 1 कुरिन्थियों 15:45 (#1)

"ऐसा ही"

यहाँ, इसी प्रकार अंतिम पद ([15:44](#)) में पौलुस द्वारा "स्वाभाविक" और "आत्मिक" दोनों देह के अस्तित्व के बारे में किए गए दावे का आधार प्रस्तुत करता है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप इसी प्रकार को ऐसे शब्द या वाक्यांश के साथ व्यक्त कर सकते हैं जो साक्ष्य या समर्थन प्रस्तुत करता है। वैकल्पिक अनुवाद: "क्योंकि" या "जैसा"

देखें: जोड़ें — कारण-और-परिणाम सम्बन्ध

### 1 कुरिन्थियों 15:45 (#2)

"ऐसा ही लिखा भी है"

पौलुस की संस्कृति में, ऐसा ही लिखा भी है एक महत्वपूर्ण पाठ से उद्धरण प्रस्तुत करने का सामान्य तरीका था। इस मामले में, उद्धरण [उत्पत्ति 2:7](#) से लिया गया है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप व्यक्त कर सकते हैं

कि पौलुस उद्धरण का परिचय कैसे देता है, एक तुलनीय वाक्यांश के साथ जो इंगित करता है कि पौलुस एक महत्वपूर्ण पाठ से उद्धरण दे रहा है। वैकल्पिक अनुवाद: "इसे उत्पत्ति में पढ़ा जा सकता है" या "उत्पत्ति की पुस्तक के लेखक कहते हैं"

देखें: उद्धरण और उद्धरण सीमा

## 1 कुरिन्थियों 15:45 (#3)

### "ऐसा ही लिखा"

यदि आपकी भाषा में निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं होता है, तो आप इस विचार को सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य स्वाभाविक तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। पौलुस यहाँ निष्क्रिय रूप का उपयोग करते हैं ताकि "ऐसा ही लिखा" पर ध्यान केंद्रित किया जा सके, बजाय इसके कि "लिखने" वाला व्यक्ति कौन है। यदि आपको यह बताना आवश्यक है कि कार्य कौन करता है, तो आप इसे प्रकार व्यक्त कर सकते हैं: (1) पवित्रशास्त्र का लेखक शब्द लिखता या बोलता है। वैकल्पिक अनुवाद: "मूसा ने लिखा है" (2) परमेश्वर शब्द बोलते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "परमेश्वर ने कहा है"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

## 1 कुरिन्थियों 15:45 (#4)

### "ऐसा ही लिखा भी है, प्रथम मनुष्य, अर्थात् आदम, जीवित प्राणी बना"

यदि आपकी भाषा में इस रूप का उपयोग नहीं किया जाता है, तो आप वाक्य को प्रत्यक्ष उद्धरण के बजाय अप्रत्यक्ष उद्धरण के रूप में अनुवाद कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "यह लिखा है कि पहला मनुष्य आदम एक जीवित प्राणी बन गया"

देखें: उद्धरण और उद्धरण सीमा

## 1 कुरिन्थियों 15:45 (#5)

### "मनुष्य"

मूल भाषा में पुरुष उपयोग हुआ है। हालांकि पुरुष पुल्लिंग है, और आदम पुरुष थे, पौलुस इस बात पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं कि आदम प्रथम मनुष्य थे। वह इस बात पर ध्यान नहीं दे रहे हैं कि आदम पहले पुरुष मनुष्य थे। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप पुरुष को एक गैर-लिंग शब्द के रूप में व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "व्यक्ति"

देखें: जब पुल्लिंग शब्दों में स्त्रियाँ भी सम्मिलित होती हैं

## 1 कुरिन्थियों 15:45 (#6)

### "जीवित प्राणी"

यहाँ, प्राणी उस शब्द का एक अलग रूप है जिसका अनुवाद [15:44](#) में "स्वाभाविक" किया गया था। पौलुस इस समान शब्द का उपयोग यह बताने के लिए करता है कि जब परमेश्वर ने आदम को बनाया था तब उसके पास एक "स्वाभाविक देह" था। यदि संभव हो, तो ऐसे शब्दों का उपयोग करें जो पिछली आयत में आपके द्वारा "स्वाभाविक" के अनुवाद से जुड़े हों। वैकल्पिक अनुवाद: "एक जीवित, इस-सांसारिक मानव" या "एक स्वाभाविक देह वाला जीवित व्यक्ति"

देखें: अज्ञातों का अनुवाद करें

## 1 कुरिन्थियों 15:45 (#7)

### "अन्तिम आदम"

यहाँ, अन्तिम आदम का तात्पर्य यीशु है। पौलुस आदम और यीशु के बीच संबंध स्थापित करना चाहता है, और इसलिए वह आदम को प्रथम मनुष्य आदम कहता है, और वह यीशु को अन्तिम आदम कहता है। प्रत्येक "आदम" एक विशिष्ट प्रकार का शरीर रखने वाला पहला व्यक्ति है: प्रथम आदम के पास एक जीवित आत्मा के रूप में एक "स्वाभाविक देह" है, जबकि अन्तिम आदम के पास जीवनदायक आत्मा के रूप में एक "आध्यात्मिक देह" है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप स्पष्ट कर सकते हैं कि अन्तिम आदम यीशु मसीह को संदर्भित करता है। वैकल्पिक अनुवाद: "यीशु, अन्तिम आदम,"

देखें: रूपक

## 1 कुरिन्थियों 15:45 (#8)

### "अर्थात् आदम, जीवित प्राणी बना"

यहाँ पौलुस कुछ ऐसे शब्दों को छोड़ देता है जिनकी ज़रूरत आपकी भाषा को एक पूर्ण विचार बनाने के लिए पड़ सकती है। पौलुस का मतलब हो सकता है: (1) एक शब्द जैसे कि "है"। (2) शब्द पिछले वाक्य से बन गया। वैकल्पिक अनुवाद: "आदम एक जीवनदायक आत्मा बन गया"

देखें: पदलोप

## 1 कुरिन्थियों 15:45 (#9)

"जीवनदायक आत्मा बना।"

यहाँ, आत्मा उस शब्द का एक अलग रूप है जिसका अनुवाद [15:44](#) में "आत्मिक" किया गया था। पौलुस इस समान शब्द का उपयोग यह बताने के लिए करता है कि यीशु के पुनरुत्थान के बाद उसके पास एक "आत्मिक देह" था। यदि संभव हो, तो उन शब्दों का उपयोग करें जो पिछली आयत में आपके द्वारा "आत्मिक" के अनुवाद से जुड़े हों। वैकल्पिक अनुवाद: "एक व्यक्ति जो नई सृष्टि के लिए उपयुक्त शरीर के साथ जीवन देता है" या "एक व्यक्ति जिसका शरीर परमेश्वर की आत्मा द्वारा नियंत्रित होता है और जो जीवन देता है"

देखें: अज्ञातों का अनुवाद करें

## 1 कुरिन्थियों 15:45 (#10)

"जीवनदायक आत्मा बना"

यहाँ, जीवनदायक का तात्पर्य है कि यीशु, **अन्तिम आदम**, अपने पास मौजूद "जीवन" को उन सभी को "देता" है जो उस पर विश्वास करते हैं। अगर यह आपकी भाषा में मददगार होगा, तो आप जीवनदायक को ऐसे वाक्यांश से व्यक्त कर सकते हैं जो यीशु को जीवन देने वाले के रूप में पहचानता है। वैकल्पिक अनुवाद: "एक आत्मा जो जीवन देती है"

देखें: अज्ञातों का अनुवाद करें

## 1 कुरिन्थियों 15:46 (#1)

"परन्तु"

यहाँ, परन्तु उस बिंदु का स्पष्टीकरण प्रस्तुत करता है जिसे पौलुस ने पिछली आयत में बनाया था। यह एक मजबूत विरोधाभास प्रस्तुत नहीं करता है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप परन्तु को ऐसे शब्द या वाक्यांश के साथ व्यक्त कर सकते हैं जो स्पष्टीकरण या आगे की व्याख्या प्रस्तुत करता है। वैकल्पिक अनुवाद: "वास्तव में,"

देखें: शब्दों और वाक्यांशों को जोड़ना

## 1 कुरिन्थियों 15:46 (#1)

""

प्राकृतिक जीव पहले आये। आत्मिक परमेश्वर से है और बाद में आये।

## 1 कुरिन्थियों 15:46 (#3)

"परन्तु पहले आत्मिक न था, पर स्वाभाविक था, इसके बाद आत्मिक हुआ"

यहाँ, परन्तु और इसके बाद समय में अनुक्रम को इंगित करें। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप व्यक्त कर सकते हैं कि पौलुस के मन में समय में अनुक्रम है, ऐसे शब्दों के साथ जो अधिक स्पष्ट रूप से समय को संदर्भित करते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "आध्यात्मिक प्राकृतिक से पहले नहीं है; बल्कि, प्राकृतिक आध्यात्मिक से पहले है"

देखें: जोड़ें — अनुक्रमिक समय सम्बन्ध

## 1 कुरिन्थियों 15:46 (#4)

"आत्मिक" - "स्वाभाविक" - "आत्मिक"

पौलुस विशेषणों आत्मिक और स्वाभाविक का उपयोग संज्ञाओं के रूप में कर रहे हैं ताकि उन शरीरों का उल्लेख किया जा सके जो आत्मिक या स्वाभाविक हैं। आपकी भाषा में भी विशेषणों का इस प्रकार उपयोग हो सकता है। यदि नहीं, तो आप इसे एक संज्ञा वाक्यांश के साथ अनुवाद कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "आत्मिक शरीर ... स्वाभाविक शरीर ... आत्मिक शरीर"

देखें: संज्ञात्मक विशेषण

## 1 कुरिन्थियों 15:46 (#5)

"आत्मिक" - "स्वाभाविक" - "आत्मिक"

यहाँ पौलुस यह स्पष्ट नहीं करता कि आत्मिक और स्वाभाविक देह किसके हैं। वह ऐसा कम से कम दो व्याख्याओं की अनुमति देने के लिए करता है। यदि संभव हो, तो इस आयत का इस तरह से अनुवाद करें कि आपके पाठक निम्नलिखित में से किसी एक या दोनों का अनुमान लगा सकें। **आत्मिक** और **स्वाभाविक** शब्द निम्न को संदर्भित कर सकते हैं: (1) यीशु (**आत्मिक**) और आदम (**स्वाभाविक**) के शरीर। वैकल्पिक अनुवाद: "आत्मिक शरीर जो यीशु का है ... स्वाभाविक शरीर जो आदम का था ... आत्मिक शरीर जो यीशु का है" (2) शरीर जो हर विश्वासी के पास जीवित रहते हुए (**स्वाभाविक**) और पुनरुत्थान के बाद (**आत्मिक**) होता है। वैकल्पिक अनुवाद: "किसी भी विश्वासी का आत्मिक शरीर ... उसका स्वाभाविक शरीर ... उसका आत्मिक शरीर"

देखें: जानकारी को अंतर्निहित कब रखना चाहिए

## 1 कुरिन्थियों 15:46 (#6)

"आत्मिक" - "स्वाभाविक"

यहाँ, [15:44](#) की तरह ही, **आत्मिक** का तात्पर्य मानव शरीर से है, जो जी उठने के बाद होता है। यह विशेष रूप से संदर्भित कर सकता है: (1) शरीर को परमेश्वर की आत्मा द्वारा कैसे नियंत्रित किया जाता है और इस प्रकार यह इस बात के साथ अनुरूप बैठता है कि जब परमेश्वर ने जो कुछ भी बनाया है, उसे नवीनीकृत करेगा तो लोग कैसे जीएंगे। वैकल्पिक अनुवाद: "नई सृष्टि के लिए उपयुक्त व्यक्ति ... नई सृष्टि के लिए उपयुक्त व्यक्ति" या "जो परमेश्वर की आत्मा द्वारा नियंत्रित होता है ... जो परमेश्वर की आत्मा द्वारा नियंत्रित होता है" (2) शरीर को "आत्मा" या "शरीर" के विपरीत "आत्मा" से कैसे बनाया जाता है। वैकल्पिक अनुवाद: "जो आत्मा से बना है ... जो आत्मा से बना है"

देखें: अज्ञातों का अनुवाद करें

## 1 कुरिन्थियों 15:46 (#2)

"स्वाभाविक था"

सांसारिक प्रक्रियाओं द्वारा निर्मित, अभी तक परमेश्वर से जुड़े नहीं हैं

## 1 कुरिन्थियों 15:47 (#1)

"प्रथम मनुष्य" - "दूसरा मनुष्य"

यहाँ, **प्रथम मनुष्य** आदम को संदर्भित करता है, पहला मानव जिसे परमेश्वर ने बनाया था। **दूसरा मनुष्य** यीशु को संदर्भित करता है, जो नया पुनरुत्थान शरीर प्राप्त करने वाला **प्रथम मनुष्य** है। पौलुस उन्हें **प्रथम** और **दूसरा** बताता है क्योंकि आदम एक विशेष प्रकार का शरीर प्राप्त करने वाला **प्रथम मनुष्य** था, और यीशु एक विशेष प्रकार का शरीर प्राप्त करने वाला **दूसरा मनुष्य** था, जो आदम को प्राप्त शरीर से अलग था। यह वही बिंदु है जो उसने अंतिम पद में बताया था कि कौन सा शरीर "पहले" आता है ([15:46](#))। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप **प्रथम मनुष्य** और **दूसरा मनुष्य** को यह स्पष्ट करके व्यक्त कर सकते हैं कि वे किसको संदर्भित करते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "पहला मनुष्य, आदम, ... दूसरा मनुष्य, यीशु"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

## 1 कुरिन्थियों 15:47 (#2)

"प्रथम मनुष्य" - "दूसरा मनुष्य"

हालाँकि **मनुष्य** पुलिंग है, और आदम (**प्रथम मनुष्य**) और यीशु (**दूसरा पुरुष**) दोनों ही पुरुष हैं, पौलुस इस बात पर ध्यान केंद्रित कर रहा है कि **प्रथम** और **दूसरा** आदमी किस तरह से प्रतिनिधि मानव हैं। वह पहले और **दूसरा पुरुष** को प्रतिनिधि **पुरुष** के रूप में ध्यान केंद्रित नहीं कर रहा है। यदि यह आपकी भाषा में मददगार होगा, तो आप **पुरुष** को गैर लिंग वाले शब्द से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "पहला पुरुष ... दूसरा पुरुष"

देखें: जब पुलिंग शब्दों में स्त्रियाँ भी सम्मिलित होती हैं

## 1 कुरिन्थियों 15:47 (#3)

"धरती से अर्थात् मिट्टी का था"

यहाँ पौलुस फिर से [2:7](#) का संदर्भ देता है। उस आयत में, हम सीखते हैं कि कैसे परमेश्वर ने **प्रथम मनुष्य**, आदम को मिट्टी से बनाया। पौलुस मिट्टी के इस संदर्भ का उपयोग यह साबित करने के लिए करता है कि **प्रथम मनुष्य** के पास उस तरह का जीवन और शरीर है जो धरती पर होना चाहिए। इसलिए, धरती का तात्पर्य लगभग वही है जो [15:46](#) में "स्वाभाविक" का तात्पर्य है। अगर यह आपकी भाषा में मददगार होगा, तो आप धरती का तात्पर्य मिट्टी से बना हुआ बता सकते हैं कि पौलुस उस कहानी का जिक्र कर रहा है कि कैसे परमेश्वर ने **प्रथम मनुष्य** को एक ऐसे इंसान के रूप में बनाया जिसका शरीर और जीवन धरती के लिए उपयुक्त है। वैकल्पिक अनुवाद: "परमेश्वर ने मिट्टी से बनाया, और वह धरती के लिए उपयुक्त है"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

## 1 कुरिन्थियों 15:47 (#4)

"स्वर्गीय है"

यहाँ, **स्वर्गीय** का अर्थ हो सकता है: (1) कैसे यीशु, **दूसरा मनुष्य**, के पास स्वर्ग और नई सृष्टि के लिए उपयुक्त शरीर और जीवन है। इस मामले में, स्वर्ग से का अर्थ मूल रूप से वही होगा जो [15:46](#) में "आत्मिक" का अर्थ है। वैकल्पिक अनुवाद: "स्वर्ग के लिए उपयुक्त है" (2) कैसे यीशु, **दूसरा मनुष्य**, स्वर्ग से आए आए जब वे मनुष्य बने। वैकल्पिक अनुवाद: "स्वर्ग से आए"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

## 1 कुरिन्थियों 15:48 (#1)

"जैसा वह मिट्टी का था वैसे ही वे भी हैं जो मिट्टी के हैं; और जैसा वह स्वर्गीय है, वैसे ही वे भी स्वर्गीय हैं।"

इस पद में, पौलुस कोई क्रिया का उपयोग नहीं करते हैं। वह ऐसा इसलिए करते हैं क्योंकि उनकी संस्कृति में यह कहने के लिए क्रियाओं की आवश्यकता नहीं थी कि **मिट्टी का** और **मिट्टी के** हैं एक ही प्रकार की चीज हैं और **स्वर्गीय** और **वे भी स्वर्गीय हैं** एक ही प्रकार की चीज हैं। यदि आपकी भाषा में यह कहने के लिए क्रियाओं या अन्य शब्दों की आवश्यकता नहीं है कि दो अलग-अलग चीजें या समूह एक ही प्रकार की चीज के रूप में एक साथ हैं, तो आप यहां उन क्रियाओं या शब्दों का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "पृथ्वी के और पृथ्वी के लोग एक ही प्रकार के हैं; और स्वर्गीय और स्वर्ग के लोग एक ही प्रकार के हैं" या "जैसे सांसारिक मौजूद हैं, वैसे ही पृथ्वी के लोग भी मौजूद हैं; और जैसे स्वर्गीय मौजूद हैं, वैसे ही स्वर्ग के लोग भी मौजूद हैं"

देखें: पदलोप

## 1 कुरिन्थियों 15:48 (#1)

“

यीशु मसीह

## 1 कुरिन्थियों 15:48 (#3)

"जो मिट्टी के हैं"

यहाँ, जो मिट्टी के हैं उन लोगों को संदर्भित करते हैं जो यीशु से जुड़े नहीं हैं और इस प्रकार वे **मिट्टी के हैं**। पौलुस इन लोगों को सांसारिक प्रथम मनुष्य से जोड़ने के लिए इस भाषा का उपयोग करता है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप **जो मिट्टी के हैं** को एक ऐसे शब्द या वाक्यांश से व्यक्त कर सकते हैं जो स्पष्ट करता है कि **जो मिट्टी के हैं** उन लोगों का वर्णन करते हैं जिनका प्रतिनिधित्व आदम द्वारा किया जाता है, न कि यीशु द्वारा। वैकल्पिक अनुवाद: "पृथ्वी के वे लोग जो उसके द्वारा प्रतिनिधित्व किए जाते हैं"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

## 1 कुरिन्थियों 15:48 (#4)

"जो मिट्टी के हैं" - "वे भी स्वर्गीय हैं।"

यहाँ, जो मिट्टी के हैं और **स्वर्गीय हैं** उन लोगों को संदर्भित करते हैं जो "सांसारिक" और "स्वर्गीय" हैं। इसका तात्पर्य है कि **पृथ्वी, मिट्टी के लोगों का उचित घर है, जबकि स्वर्ग, स्वर्गीय के लोगों का उचित घर है।** अगर यह आपकी भाषा में मददगार होगा, तो आप इस रूप को "सांसारिक" या "स्वर्गीय" जैसे विशेषणों के साथ व्यक्त कर सकते हैं, या आप इन लोगों के "घर" का उल्लेख कर सकते हैं। वैकल्पिक

अनुवाद: "जो सांसारिक हैं ... जो स्वर्गीय हैं" या "जिनका घर धरती पर है ... जिनका घर स्वर्ग में है"

देखें: स्वामित्व

## 1 कुरिन्थियों 15:48 (#2)

"जो मिट्टी के हैं;" - "स्वर्गीय हैं"

जो परमेश्वर से संबंधित हैं

## 1 कुरिन्थियों 15:49 (#1)

"और जैसे हमने उसका रूप जो मिट्टी का था धारण किया"

यहाँ, भूतकाल धारण किया का अर्थ यह नहीं है कि हम अब इस रूप को "धारण" नहीं करते। बल्कि, इसका अर्थ है कि हमने इसे "धारण" करना शुरू कर दिया है और अब भी ऐसा करना जारी रखते हैं। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप धारण किया हैं को ऐसे काल के साथ व्यक्त कर सकते हैं जो स्वाभाविक रूप से वर्तमान, चल रही स्थिति को संदर्भित करता है। वैकल्पिक अनुवाद: "हम धारण करते हैं"

देखें: भविष्यसूचक भूतकाल

## 1 कुरिन्थियों 15:49 (#2)

"और जैसे हमने उसका रूप जो मिट्टी का था धारण किया वैसे ही उस स्वर्गीय का रूप भी धारण करेंगे।"

यहाँ, किसी चीज या किसी व्यक्ति की रूप धारण करने का तात्पर्य उस चीज या व्यक्ति के समान होना है। अगर यह आपकी भाषा में मददगार होगा, तो आप रूप को धारण करने को किसी ऐसे शब्द या वाक्यांश से व्यक्त कर सकते हैं जो किसी चीज को किसी और चीज के समान या उसके जैसा बताता हो। वैकल्पिक अनुवाद: "हमें सांसारिक के स्वरूप में बनाया गया है, आइए हम भी स्वर्गीय के स्वरूप में बनें" या "हमारे पास सांसारिक की समानता है, आइए हम भी स्वर्गीय की समानता रखें"

देखें: मुहावरा

## 1 कुरिन्थियों 15:49 (#3)

"और जैसे हमने उसका रूप जो मिट्टी का था" - "उस स्वर्गीय का रूप भी धारण करेंगे।"

अगर आपकी भाषा में रूप के पीछे के विचार के लिए भाववाचक संज्ञा का उपयोग नहीं किया गया है, तो आप "प्रतिरूप" या "प्रतिबिम्ब" जैसी क्रिया का उपयोग करके विचार को व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "हम सांसारिक चीजों को कैसे प्रतिबिंबित करते हैं ... हम स्वर्गीय चीजों को कैसे प्रतिबिंबित करते हैं" या "जिस तरह से हम सांसारिक चीजों में भाग लेते हैं ... जिस तरह से हम स्वर्गीय चीजों में भाग लेते हैं"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

## 1 कुरिन्थियों 15:49 (#1)

""

समान रहे..... समान रहेंगे

## 1 कुरिन्थियों 15:49 (#5)

"मिट्टी का" - "स्वर्गीय का"

यहाँ पौलुस यह स्पष्ट नहीं करता कि **मिट्टी का** और **स्वर्गीय** देह किसके देह को संदर्भित करते हैं। हालाँकि, पिछले पदों का तात्पर्य है कि **मिट्टी का** देह "प्रथम मनुष्य" आदम का है, जबकि **स्वर्गीय** देह "दूसरा मनुष्य" यीशु का है। यदि आपके पाठक यह अनुमान नहीं लगा सकते हैं, तो आप इस विचार को स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मिट्टी का देह जो प्रथम मनुष्य का है ... स्वर्गीय देह जो दूसरे मनुष्य का है"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

## 1 कुरिन्थियों 15:49 (#6)

"वैसे ही उस स्वर्गीय का रूप भी धारण करेंगे"

यहाँ पौलुस ने सभी विश्वासियों से इस तरह से कार्य करने का आग्रह करने के लिए वैसे ही उस स्वर्गीय का रूप भी धारण करेंगे वाक्यांश का उपयोग किया है ताकि परमेश्वर उन्हें उठाए ताकि उनके पास स्वर्गीय मनुष्य, यीशु जैसा शरीर हो। पौलुस यह नहीं सोचता कि लोग खुद को स्वर्गीय रूप में बदल लेते हैं। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप यह स्पष्ट करके वैसे ही उस स्वर्गीय का रूप भी धारण करेंगे व्यक्त कर सकते हैं कि पौलुस सभी को एक निश्चित तरीके से जीने का आग्रह कर रहा है। वैकल्पिक अनुवाद: "हमें ऐसा सोचना है की हम भी उस स्वर्गीय रूप को धारण करेंगे"

देखें: आज्ञाएँ — अन्य उपयोग

## 1 कुरिन्थियों 15:49 (#7)

"वैसे ही उस.... भी धारण करेंगे।"

पौलुस की भाषा में, उसका रूप जो मिट्टी का था धारण किया और "वैसे ही उस स्वर्गीय का रूप भी धारण करेंगे" बहुत समान दिखते और सुनाई देते हैं। दोनों विकल्पों के समर्थन में कुछ सबूत हैं। विचार करें कि क्या आपके पाठक उन अनुवादों से परिचित हैं, जिनमें से कोई एक विकल्प चुनें। यदि किसी एक विकल्प को दूसरे पर चुनने का कोई ठोस कारण नहीं है, तो आप यू.एल.टी. का अनुसरण कर सकते हैं।

देखें: पाठ्य भिन्नताएँ

## 1 कुरिन्थियों 15:50 (#1)

""

Connecting Statement: \n\n पौलुस उन्हें यह समझाना चाहता है कि कुछ विश्वासी शारीरिक रूप से नहीं मरेंगे, लेकिन फिर भी मसीह की जीत के माध्यम से पुनरुत्थित शरीर प्राप्त करेंगे।

## 1 कुरिन्थियों 15:50 (#2)

"भाइयों"

संयोजक वक्तव्य: हालाँकि **भाइयों** शब्द पुल्लिंग है, लेकिन पौलुस इसका इस्तेमाल किसी भी विश्वासी को संदर्भित करने के लिए कर रहा है, चाहे वह पुरुष हो या महिला। अगर यह आपकी भाषा में मददगार होगा, तो आप **भाइयों** को गैर लिंगीय शब्द से व्यक्त कर सकते हैं या दोनों लिंगों को संदर्भित कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "भाइयों और बहनों"

देखें: जब पुल्लिंग शब्दों में स्त्रियाँ भी सम्मिलित होती हैं

## 1 कुरिन्थियों 15:50 (#2)

""

"संभावित अर्थ 1) दोनों वाक्यों का एक ही अर्थ है। वैकल्पिक अनुवाद: ""मनुष्य जो निश्चित रूप से मर जाएंगे वे परमेश्वर के स्थायी राज्य के उत्तराधिकारी नहीं हो सकते हैं"" या 2) दूसरा वाक्य पहले वाक्य के विचार को समाप्त करता है। वैकल्पिक अनुवाद: ""कमज़ोर इंसान परमेश्वर के राज्य का वारिस नहीं हो सकते हैं। न तो जो लोग निश्चित रूप से मर जाएंगे वे अनंत राज्य के वारिस होंगे""

देखें: समांतरता

**1 कुरिन्थियों 15:50 (#3)****"माँस और लहू"**

जो लोग नाशमान शरीर में वास करते हैं।

देखें: रूपक

**1 कुरिन्थियों 15:50 (#5)****"माँस और लहू"**

यहाँ, माँस और लहू एक शरीर का प्रतिनिधित्व करता है जो माँस और लहू से बना है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप माँस और लहू को एक समकक्ष अभिव्यक्ति या साधारण भाषा में व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "माँस और लहू का शरीर"

देखें: लक्षणालंकार

**1 कुरिन्थियों 15:50 (#4)****"अधिकारी"**

ग्रहण करने को जिसका परमेश्वर ने विश्वासियों से वादा किया है ऐसे बताया गया है जैसे परिवार के सदस्य से संपत्ति और धन विरासत में लेना।

देखें: रूपक

**1 कुरिन्थियों 15:50 (#5)**

"सङ् सकता है ... सङ् नहीं सकता है देखें कि इन शब्दों का अनुवाद कैसे किया जाता है [1 कुरिन्थियों 15:42] (../15 / 42.md)।

**1 कुरिन्थियों 15:50 (#8)****"नाशवान अविनाशी"**

पौलुस नाशवान और अविनाशी विशेषणों का उपयोग संज्ञा के रूप में नाशवान शरीर और अविनाशी राज्य को संदर्भित करने के लिए कर रहा है। आपकी भाषा में भी इसी तरह विशेषणों का उपयोग हो सकता है। यदि नहीं, तो आप इनका अनुवाद उचित संज्ञा वाक्यांशों के साथ कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "एक नाशवान शरीर ... अविनाशी राज्य"

देखें: संज्ञात्मक विशेषण

**1 कुरिन्थियों 15:51 (#1)****"देखो"**

यहाँ, देखो दर्शकों का ध्यान आकर्षित करता है और उनसे ध्यानपूर्वक सुनने का आग्रह करता है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप देखो को एक ऐसे शब्द या वाक्यांश के साथ व्यक्त कर सकते हैं जो दर्शकों से सुनने का अनुरोध करता है। वैकल्पिक अनुवाद: "सुनिए" या "मेरी सुनिए"

देखें: विस्मयादिबोधक

**1 कुरिन्थियों 15:51 (#2)****"भेद"**

यदि आपकी भाषा में भेद के विचार के लिए कोई भाववाचक संज्ञा नहीं है, तो आप "गुप्त" या "रहस्यमय" जैसे विशेषण का उपयोग करके विचार व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "एक रहस्यमय वस्तु" या "जो गुप्त था"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

**1 कुरिन्थियों 15:51 (#3)****"कि हम सब तो नहीं सोएँगे, परन्तु सब बदल जाएँगे।"**

यहाँ, हम सभी विश्वासियों को संदर्भित करते हैं, जिसमें पौलुस, कुरिन्युस और अन्य लोग भी शामिल हैं। पौलुस विश्वासियों के बारे में सामान्य शब्दों में बोल रहे हैं। वह जरूरी नहीं सोचते कि वह एक ऐसे व्यक्ति है जो नहीं सोएँगे।

देखें: विशिष्ट और समावेशी 'हम'

**1 कुरिन्थियों 15:51 (#4)****"हम सब तो नहीं सोएँगे, परन्तु सब बदल जाएँगे।"**

यहाँ पौलुस इस बात का जिक्र कर रहा है कि लोग कैसे मरते हैं जैसे कि वे सो जाते हैं। यह किसी अप्रिय बात को संदर्भित करने का एक विनम्र तरीका है। अगर यह आपकी भाषा में मददगार होगा, तो आप मौत को संदर्भित करने के लिए सो जाना को एक अलग विनम्र तरीके से व्यक्त कर सकते हैं या आप इस विचार को स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "हम सभी नहीं मरेंगे"

देखें: मंगल भाषण

**1 कुरिन्थियों 15:51 (#5)****"बदल जाएँगे"**

यहाँ, **बदल जाएँगे** का तात्पर्य है कि कैसे विश्वासियों के शरीर "स्वाभाविक रूप" से "आत्मिक रूप" में **बदल जाते हैं**। अगर यह आपकी भाषा में मददगार होगा, तो आप इस तरह के **बदल जाएँगे** को संदर्भित करने वाले शब्द या वाक्यांश के साथ **बदल जाएँगे** को व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "हम सभ बदल जाएँगे" या "हम सभी का रूपांतरण किया जाएगा"

देखें: अज्ञातों का अनुवाद करें

**1 कुरिन्थियों 15:51 (#1)**

इसे सक्रिय रूप में कहा जा सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: ""परमेश्वर हम सभी को बदल देंगे""

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

**1 कुरिन्थियों 15:52 (#1)****"क्षण भर"**

यहाँ, **क्षण भर** समय के सबसे छोटे खंड को संदर्भित करता है जिसे पौलुस और कुरिन्थियों के विश्वासियों ने जाना था। उनका तात्पर्य है कि "**बदल जाएँगे**" ([15:51](#)) इतनी तेजी से होगा कि यह समय के सबसे छोटे हिस्से में ही हो जाएगा। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप **क्षण भर** का अनुवाद अपनी संस्कृति में समय की सबसे छोटी मात्रा के रूप में कर सकते हैं या इस विचार को इस तरह से व्यक्त कर सकते हैं जो गति पर जोर देता है। वैकल्पिक अनुवाद: "एक सेकंड में" या "बहुत जल्दी"

देखें: अज्ञातों का अनुवाद करें

**1 कुरिन्थियों 15:52 (#2)**

यह एक व्यक्ति के उसके या उसकी पलक झपकने के समान तीव्र होगा

**1 कुरिन्थियों 15:52 (#3)**

""

जब अंतिम तुरही फूंका जाएगा"

**1 कुरिन्थियों 15:52 (#4)****"मुर्दे" - "उठाए जाएँगे"**

"इसका सक्रिय रूप में अनुवाद किया जा सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: ""परमेश्वर मरे हुओं को जी उठाएगा"""

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

**1 कुरिन्थियों 15:52 (#5)****"मुर्दे"**

पौलुस **मुर्दे** विशेषण का उपयोग निर्देश में संज्ञा के रूप में उन विश्वासियों को संदर्भित करने के लिए कर रहा है जो **मुर्दे** हैं। आपकी भाषा में भी विशेषणों का उपयोग उसी तरह हो सकता है। यदि नहीं, तो आप इसे संज्ञा वाक्यांश के साथ अनुवाद कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मृत लोग" या "**मुर्दे**"

देखें: संज्ञात्मक विशेषण

**1 कुरिन्थियों 15:52 (#6)****"अविनाशी"**

यहाँ, **अविनाशी** शब्द उन लोगों या चीजों की पहचान कराता है जो हमेशा बनी रहती हैं और कभी खराब नहीं होती हैं। देखें कि [15:50](#) में इस शब्द का अनुवाद कैसे किया गया है। अगर यह आपकी भाषा में मददगार होगा, तो आप **अविनाशी** को ऐसे शब्द या वाक्यांश से व्यक्त कर सकते हैं जो यह दर्शाता है कि चीजें कितने समय तक चलती हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "इस तरह से कि वे कभी खत्म न हों" या "ताकि वे कभी खराब न हों"

देखें: अज्ञातों का अनुवाद करें

**1 कुरिन्थियों 15:52 (#7)****"हम"**

यहाँ, **हम** पौलुस, कुरिन्थियों, और सभी अन्य जीवित विश्वासियों को संदर्भित करता है। पौलुस ने खुद को इस समूह में शामिल किया क्योंकि वह इस पत्र को भेजते समय जीवित थे। यदि यह

आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप एक वाक्यांश के साथ यह स्पष्ट कर सकते हैं कि हम जीवित विश्वासियों को संदर्भित करता है। वैकल्पिक अनुवाद: "हम जो जीवित हैं"

देखें: विशिष्ट और समावेशी 'हम'

## 1 कुरिन्थियों 15:52 (#1)

इसे सक्रिय रूप में कहा जा सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: ""परमेश्वर हम सभी को बदल देंगे""

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

## 1 कुरिन्थियों 15:53 (#1)

"क्योंकि अवश्य है, कि वह नाशवान देह अविनाश को पहन ले, और यह मरनहार देह अमरता को पहन ले"

यहाँ पौलुस दो बहुत ही समान कथन देता है जिसमें नाशवान अविनाश के साथ जाता है और मरनहार अमरता के साथ जाती है। ये दोनों कथन मूल रूप से समानार्थी हैं, और पौलुस इस बात पर ज़ोर देने के लिए खुद को दोहराता है। अगर यह आपकी भाषा में मददगार होगा, तो आप बता सकते हैं कि पौलुस दो समानांतर वाक्यों का उपयोग क्यों करता है, दो वाक्यों को एक में मिलाकर। वैकल्पिक अनुवाद: "यह नाशवान नश्वर अविनाशी अमरता को धारण करे" या "यह नाशवान और नश्वर अविनाशी और अमरता को धारण करे"

देखें: समानांतरता

## 1 कुरिन्थियों 15:53 (#2)

"नाशवान" - "अविनाश"

पौलुस विशेषणों नाशवान और अविनाश का उपयोग संज्ञा के रूप में कर रहे हैं ताकि नाशवान और अविनाश शरीरों का संदर्भ दिया जा सके। आपकी भाषा में भी विशेषणों का इस प्रकार उपयोग हो सकता है। यदि नहीं, तो आप इन्हें उपयुक्त संज्ञा वाक्यांशों के साथ अनुवाद कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "यह नश्वर शरीर ... यह मरणशील शरीर"

देखें: संज्ञात्मक विशेषण

## 1 कुरिन्थियों 15:53 (#1)

यह शरीर जो सड़ सकता है ... सड़ नहीं सकता है। देखें कि [1 कुरिन्थियों 15:42] (.. / 15 / 42.md) में समान वाक्यांशों का अनुवाद कैसे किया जाता है।

## 1 कुरिन्थियों 15:53 (#2)

पौलुस परमेश्वर जो हमारा शरीर बना रहे हैं के बारे में बात कर रहा है ताकि वे फिर कभी नहीं मरेंगे जैसे परमेश्वर हमे नए कपड़े पहना रहे थे।

देखें: रूपक

## 1 कुरिन्थियों 15:53 (#5)

"मरनहार" - "अमरता"

यदि आपकी भाषा में मरनहार और अमरता के पीछे के विचारों के लिए भाववाचक संज्ञाएँ का उपयोग नहीं होता है, तो आप "मरनहार" और "अमरता" जैसे विशेषणों का उपयोग करके विचार व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जो अविनाशी हैं ... जो अमर हैं"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

## 1 कुरिन्थियों 15:53 (#6)

"नाशवान" - "अविनाश"

यहाँ, नाशवान और अविनाश यह पहचानती है कि लोग या चीज़ें मरती हैं या नहीं मर सकती हैं। अगर यह आपकी भाषा में मददगार होगा, तो आप नाशवान और अविनाश को दो शब्दों या वाक्यांशों के साथ व्यक्त कर सकते हैं जो यह बताते हैं कि चीज़ें मर सकती हैं या नहीं। वैकल्पिक अनुवाद: "क्या मर सकता है ... क्या कभी नहीं मरता"

देखें: ज्ञातों का अनुवाद करें

## 1 कुरिन्थियों 15:54 (#1)

"और जब यह नाशवान अविनाश को पहन लेगा, और यह मरनहार अमरता को पहन लेगा,"

यहाँ, ये खंड पिछले पद (15:53) के अंत में पाए गए शब्दों को दोहराते हैं। पौलुस इन शब्दों को दोहराता है ताकि वह जो तर्क दे रहा है उसे बहुत स्पष्ट कर सके। यदि आपके पाठकों को इन शब्दों को दोहराने की आवश्यकता नहीं है, और यदि वे इस बात से भ्रमित हैं कि पौलुस खुद को क्यों दोहरा रहा है,

तो आप एक छोटे वाक्यांश के साथ पिछली आयत में शब्दों का संदर्भ दे सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "ऐसा होता है"  
देखें: द्विरावृति (डबलेट)

## 1 कुरिन्थियों 15:54 (#1)

यहाँ शरीर की बात की जाती है जैसे कि यह एक व्यक्ति था, और अविनाशी होने की बात की जाती है जैसे कि अविनाशी होना कपड़े थे जिसे शरीर पर पहना जाएगा। वैकल्पिक अनुवाद: ""जब यह विनाशकारी शरीर अविनाशी हो गया है"" या ""जब यह शरीर जो मरता है अब मर नहीं सकता""  
देखें: व्यक्तित्व

## 1 कुरिन्थियों 15:54 (#3)

"नाशवान" - "अविनाश"

पौलस नाशवान और अविनाश विशेषणों का उपयोग संज्ञा के रूप में नाशवान और अविनाश देहों को संदर्भित करने के लिए कर रहा है। आपकी भाषा में भी इसी तरह विशेषणों का उपयोग किया जा सकता है। यदि नहीं, तो आप इन्हें उपयुक्त संज्ञा वाक्यांशों के साथ अनुवाद कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "यह नाशवान शरीर ... यह अविनाश शरीर"

देखें: संज्ञात्मक विशेषण

## 1 कुरिन्थियों 15:54 (#4)

"यह नाशवान" - "अविनाशी"

यहाँ, नाशवान और अविनाशी यह दर्शते हैं कि लोग या चीजें कितनी देर तक रहती हैं या बर्बाद हो जाती हैं। देखें कि आपने इन शब्दों का [15:53](#) में कैसे अनुवाद किया। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप नाशवान और अविनाशी को दो शब्दों या वाक्यांशों के साथ व्यक्त कर सकते हैं जो यह दर्शते हैं कि चीजें मर सकती हैं या नहीं। देखें कि आपने [15:53](#) में इन शब्दों का अनुवाद कैसे किया। वैकल्पिक अनुवाद: "जो समाप्त हो जाता है ... जो कभी समाप्त नहीं होता"

देखें: अज्ञातों का अनुवाद करें

## 1 कुरिन्थियों 15:54 (#2)

यहाँ शरीर की बात की जाती है जैसे कि यह एक व्यक्ति था, और अमर होने की बात की जाती है जैसे कि अमर होना कपड़े थे जिसे शरीर पर पहनाते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: ""जब यह नाशवान शरीर अमर हो गया है"" या ""जब यह शरीर जो मरता है अब मर नहीं सकता""

देखें: व्यक्तित्व

## 1 कुरिन्थियों 15:54 (#6)

"अविनाश" - "अमरता"

अगर आपकी भाषा में अविनाश अमरता के पीछे के विचारों के लिए भाववाचक संज्ञाएँ का उपयोग नहीं किया जाता है, तो आप "अविनाशी" और "अमर" जैसे विशेषणों का उपयोग करके विचार व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जो अविनाशी है ... जो अमर है"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

## 1 कुरिन्थियों 15:54 (#7)

"मरनहार" - "अमरता"

यहाँ, मरनहार और अमरता यह दर्शते हैं कि लोग या चीजें मर सकती हैं या नहीं मर सकतीं। अगर यह आपकी भाषा में मददगार होगा, तो आप मरनहार और अमरता को दो शब्दों या वाक्यांशों के साथ व्यक्त कर सकते हैं जो यह दर्शते हैं कि चीजें मर सकती हैं या नहीं। देखें कि आपने [15:53](#) में इन शब्दों का अनुवाद कैसे किया। वैकल्पिक अनुवाद: "जो मर सकता है ... जो कभी नहीं मर सकता"

देखें: अज्ञातों का अनुवाद करें

## 1 कुरिन्थियों 15:54 (#8)

"पूरा हो जाएगा"

यहाँ, पूरा हो जाएगा से तात्पर्य है कि कुछ घटित होगा या पूर्ण होगा। यदि यह आपकी भाषा में उपयोगी होगा, तो आप पूरा हो जाएगा को एक समान मुहावरे के साथ व्यक्त कर सकते हैं या विचार को स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "घटित होगा" या "साकार होगा"

देखें: मुहावरा

## 1 कुरिन्थियों 15:54 (#9)

"वचन"

यहाँ, वचन उस बात का प्रतिनिधित्व करता है जब कोई व्यक्ति वचन में कहता या लिखता है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप वचन को एक समकक्ष अभिव्यक्ति या साधारण भाषा में व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "संदेश"

देखें: लक्षणालंकार

## 1 कुरिन्थियों 15:54 (#10)

"वचन जो लिखा है"

पौलुस की संस्कृति में, वह वचन जो लिखा है वह किसी महत्वपूर्ण पाठ से उद्धरण या संदर्भ प्रस्तुत करने का एक सामान्य तरीका है, इस मामले में, पुराने नियम की पुस्तक जिसका शीर्षक "यशायाह" है (देखें: (25:8))। सबसे अधिक संभावना है कि यह वाक्यांश अगले पद में [13:14](#) से उद्धरण प्रस्तुत करता है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप वह वचन जो लिखा है को एक तुलनीय वाक्यांश के साथ व्यक्त कर सकते हैं जो इंगित करता है कि पौलुस किसी महत्वपूर्ण पाठ से उद्धरण दे रहा है या उसका संदर्भ दे रहा है। वैकल्पिक अनुवाद: "शास्त्रों में क्या पढ़ा जा सकता है" या "यशायाह और होशे द्वारा लिखे गए वचन"

देखें: उद्धरण और उद्धरण सीमा

## 1 कुरिन्थियों 15:54 (#11)

"वह वचन जो लिखा है"

यदि आपकी भाषा में निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं होता है, तो आप इस विचार को सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य स्वाभाविक तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। पौलुस यहाँ निष्क्रिय रूप का उपयोग करते हैं ताकि उस पर ध्यान केंद्रित किया जा सके जो वह वचन जो लिखा है बजाय इसके कि कौन "लिख रहा है"। यदि आपको यह बताना आवश्यक है कि क्रिया कौन करता है, तो आप इस प्रकार व्यक्त कर सकते हैं: (1) पवित्रशास्त्र लेखक वचन लिखते हैं या बोलते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "भविष्यवक्ताओं ने लिखा है" (2) परमेश्वर वचन बोलते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "परमेश्वर ने कहा है"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

## 1 कुरिन्थियों 15:54 (#12)

"वचन जो लिखा है"

यदि आप अपनी भाषा में इस रूप का उपयोग नहीं करते हैं, तो आप इस कथन का अनुवाद प्रत्यक्ष उद्धरण के बजाय अप्रत्यक्ष उद्धरण के रूप में कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "यह लिखा गया है कि जय ने मृत्यु को निगल लिया"

देखें: प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष उद्धरण

## 1 कुरिन्थियों 15:54 (#13)

"जय ने मृत्यु को निगल लिया"

यहाँ उद्धरण मृत्यु को ऐसे संदर्भित करता है मानो वह भोजन हो जिसे निगला जा सकता है। यह दर्शाता है कि मृत्यु को निश्चित रूप से पराजित किया गया है जैसे कि किसी ने उसे ऐसे निगल लिया हो जैसे कि मृत्यु भोजन हो। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप इस अलंकार को एक तुलनीय रूपक के साथ व्यक्त कर सकते हैं या विचार को स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जीत में मृत्यु नष्ट हो जाती है" या "जीत में मृत्यु कुचल दी जाती है"

देखें: रूपक

## 1 कुरिन्थियों 15:54 (#14)

"जय ने मृत्यु को निगल लिया"

यदि आपकी भाषा इस प्रकार से निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं करती है, तो आप इस विचार को सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य स्वाभाविक तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। पौलुस यहाँ निष्क्रिय रूप का उपयोग मृत्यु पर ध्यान केंद्रित करने के लिए करते हैं, जो निगल लिया, बजाय इसके कि उस व्यक्ति या वस्तु पर ध्यान केंद्रित किया जाए जो "निगलने" का कार्य कर रही है। यदि आपको यह बताना आवश्यक है कि यह कार्य कौन करता है, तो पौलुस यह संकेत देते हैं कि "परमेश्वर" इसे करते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "परमेश्वर ने विजय में मृत्यु को निगल लिया है"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

## 1 कुरिन्थियों 15:54 (#15)

"मृत्यु" - "जय"

यदि आपकी भाषा में जय और जय के पीछे के विचारों के लिए भाववाचक संज्ञाएँ का उपयोग नहीं किया जाता है, तो आप "मरना" और "जीतना" जैसी क्रियाओं का उपयोग करके विचारों को व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "लोग कैसे मरते हैं ... जब परमेश्वर विजय प्राप्त करते हैं" या "यह तथ्य कि लोग मरते हैं ... परमेश्वर द्वारा, जो विजयी हैं"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

## 1 कुरिन्थियों 15:55 (#1)

### "मृत्यु"

यहाँ पौलुस ने [13:14](#) से उद्धरण दिया है, बिना किसी नए उद्धरण का परिचय दिए। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप अपनी भाषा में एक नए उद्धरण को प्रस्तुत करने के इस तरीके को एक ऐसे रूप में व्यक्त कर सकते हैं जो किसी अन्य उद्धरण का परिचय देता है। वैकल्पिक अनुवाद: "और फिर, 'हे मृत्यु'" या "यह आगे लिखा है, 'हे मृत्यु'"

देखें: उद्धरण और उद्धरण सीमा

## 1 कुरिन्थियों 15:55 (#2)

### "हे मृत्यु तेरी जय कहाँ रहीं?"

यदि आप अपनी भाषा में इस रूप का उपयोग नहीं करते हैं, तो आप इस कथन का अनुवाद प्रत्यक्ष उद्धरण के बजाय अप्रत्यक्ष उद्धरण के रूप में कर सकते हैं। आपको शुरुआत में एक शब्द या वाक्यांश शामिल करने की आवश्यकता हो सकती है ताकि यह संकेत मिल सके कि पौलुस एक नया उद्धरण पेश कर रहा है। वैकल्पिक अनुवाद: "यह आगे लिखा है कि मृत्यु से पूछा जाता है कि उसकी जीत कहाँ है और उसका डंक कहाँ है"

देखें: प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष उद्धरण

## 1 कुरिन्थियों 15:55 (#1)

पौलुस बोलता है जैसे मृत्यु एक व्यक्ति थी, और वह इस सवाल का उपयोग मृत्यु की शक्ति का उपहास करने के लिए करता है, जिसे मसीह ने पराजित किया है। वैकल्पिक अनुवाद: ""मौत की कोई जीत नहीं है। मौत का कोई डंक नहीं है।""

देखें: अपस्ट्रॉफ़

## 1 कुरिन्थियों 15:55 (#4)

### "हे मृत्यु तेरी जय कहाँ रहीं?"

अगर आपकी भाषा में मृत्यु के पीछे के विचार के लिए भाववाचक संज्ञा का उपयोग नहीं किया गया है, तो आप "मरना" जैसी क्रिया का उपयोग करके विचार को व्यक्त कर

सकते हैं। अगर आप ऐसा करते हैं, तो आपको मृत्यु को सीधे संबोधित करने के लिए किसी दूसरे तरीके की ज़रूरत पड़ सकती है। वैकल्पिक अनुवाद: "जब लोग मर जाते हैं, तो जीत कहाँ होती है? जब लोग मर जाते हैं, तो डंक कहाँ होता है?"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

## 1 कुरिन्थियों 15:55 (#5)

### "हे मृत्यु तेरी जय कहाँ रहीं?"

यहाँ पौलुस ने उद्धृत किया है कि कैसे होशे ने दोहराया कि हे मृत्यु तेरी जय कहाँ रहीं? होशे की संस्कृति में इस तरह की समानांतर संरचनाएँ काव्यात्मक थीं। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, और यदि यह आपकी संस्कृति में शक्तिशाली रूप से शब्दबद्ध नहीं होगा, तो आप संकेत दे सकते हैं कि पौलुस कुछ या सभी दोहराव को हटाकर और कथनों को दूसरे तरीके से शक्तिशाली बनाकर शब्दों और संरचना को क्यों दोहराता है। वैकल्पिक अनुवाद: "हे मृत्यु, तेरी विजय कहाँ है?" या "हे मृत्यु, तेरी जीत और डंक कहाँ हैं?"

देखें: समानांतरता

## 1 कुरिन्थियों 15:55 (#6)

### "हे मृत्यु तेरी जय कहाँ रहीं?"

पौलुस इन प्रश्नों का उद्धरण इसलिए नहीं करते क्योंकि वे मृत्यु की जय और डंक के बारे में जानकारी खोज रहे हैं। बाल्कि, ये प्रश्न कुरिन्थियों को पौलुस के तर्क में शामिल करते हैं। प्रश्न यह मानता है कि उत्तर "कहीं नहीं" है। दूसरे शब्दों में, मृत्यु के लिए कोई विजय या डंक नहीं है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इन प्रश्नों के पीछे के विचार को एक मजबूत नकारात्मकता के साथ व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "हे मृत्यु, तेरी कोई विजय नहीं है! हे मृत्यु, तेरा कोई डंक नहीं है!"

देखें: आलंकारिक प्रश्न

## 1 कुरिन्थियों 15:55 (#2)

ये एकवचन हैं।

देखें: 'आप' के रूप

**1 कुरिन्थियों 15:55 (#8)****"तेरी जय कहाँ रहीं?"**

अगर आपकी भाषा में जय के पीछे के विचार के लिए भाववाचक संज्ञा का उपयोग नहीं किया गया है, तो आप "जीतना" जैसी क्रिया का उपयोग करके विचार को व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "क्या आपने कुछ जीता है" या "आपने कहाँ कैसे जीता है"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

**1 कुरिन्थियों 15:55 (#9)****"डंक"**

यहाँ, **डंक** का तात्पर्य एक नुकीला बिंदु है, विशेष रूप से वह जो कीड़ों के पास होता है जो तचा को छेद कर उसमें जहर छोड़ देता और दर्द पैदा कर सकता है। इस उद्धरण के लेखक (होशे) ने ऐसे बोला जैसे **मृत्यु** में **डंक** हो, जिसका तात्पर्य है कि मृत्यु किस तरह मरने वाल व्यक्ति और उन लोगों के लिए दर्द पैदा करती है जिन्होंने अपने किसी प्रियजन को खो दिया है। अगर यह आपकी भाषा में मददगार होगा, तो आप **डंक** को एक समान अलंकार के साथ व्यक्त कर सकते हैं या विचार को स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "तेरे द्वारा दिया गया दर्द कहाँ है" या "तेरी नुकसान पहुंचाने की क्षमता कहाँ है"

देखें: रूपक

**1 कुरिन्थियों 15:56 (#1)****"परंतु"**

मूल भाषा में **परंतु** का उपयोग किया है जो हिन्दी बाइबल में नहीं है। यहाँ, **परंतु** एक स्पष्टीकरण या आगे विस्तार प्रस्तुत करता है। यह पिछले दो आयतों में उद्धरणों के साथ कोई विरोधाभास प्रस्तुत नहीं करता है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप **परंतु** को ऐसे शब्द या वाक्यांश के साथ व्यक्त कर सकते हैं जो स्पष्टीकरण या विस्तार प्रस्तुत करता है, या आप इसे बिना अनुवादित किए छोड़ सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "अब"

देखें: शब्दों और वाक्यांशों को जोड़ना

**1 कुरिन्थियों 15:56 (#2)****"मृत्यु का डंक पाप है;"**

यहाँ, **मृत्यु का डंक** उसी शब्दों की ओर इशारा करता है जो उद्धरण में [15:56](#) में हैं। उसी तरह रूपक व्यक्त करें जैसा आपने वहाँ किया था। वैकल्पिक अनुवाद: "मृत्यु के कारण होने वाला कष्ट पाप से आता है" या "मृत्यु की हानि पहुंचाने की क्षमता पाप में है"

देखें: रूपक

**1 कुरिन्थियों 15:56 (#1)**

यह पाप के माध्यम से है कि हम मृत्यु का सामना करने के लिए नियत हैं, जो मरना है।

**1 कुरिन्थियों 15:56 (#2)**

मूसा द्वारा पहुंचाया गया परमेश्वर का नियम पाप को परिभाषित करता है और हमें दिखाता है कि हम कैसे परमेश्वर के सामने पाप करते हैं।

**1 कुरिन्थियों 15:57 (#1)****"परन्तु परमेश्वर का धन्यवाद हो"**

यहाँ, **परमेश्वर का धन्यवाद हो**, यह इंगित करने का एक तरीका है जिससे कोई व्यक्ति किसी चीज़ के लिए परमेश्वर की स्तुति कर रहा है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप इस वाक्यांश को अपनी भाषा में किसी को उसके द्वारा किए गए कार्य के लिए धन्यवाद या स्तुति करने के सामान्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "हम परमेश्वर को धन्यवाद देते हैं" या "हम परमेश्वर को महिमा देते हैं।"

देखें: मुहावरा

**1 कुरिन्थियों 15:57 (#1)****"अविनाशी दशा में"**

हमारे लिए मौत को हराया है"

**1 कुरिन्थियों 15:57 (#3)****"जयवन्त"**

यहाँ पौलुस यह नहीं बताता कि जयवन्त किस पर हुई है। हालाँकि, कुरिन्युस के विश्वासियों ने पिछली आयत से यह अनुमान लगाया होगा कि पौलुस का तात्पर्य “पाप” और “मृत्यु” दोनों से था। अगर आपके पाठक यह अनुमान नहीं लगा सकते, तो आप इस विचार को स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “पाप और मृत्यु पर विजय”

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

## 1 कुरिन्थियों 15:58 (#1)

”

Connecting Statement:\n\nपौलुस विश्वासियों से चाहता है, जबकि वे परमेश्वर के लिए काम करते हैं, वे याद रखें कि बदले गए, पुनरुत्थित शरीरों को जो परमेश्वर उन्हें देने जा रहे हैं।

## 1 कुरिन्थियों 15:58 (#2)

“हे मेरे प्रिय भाइयों”

संयोजक वक्तव्य: अगर आपकी भाषा में इस तरह से निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं किया जाता है, तो आप विचार को सक्रिय रूप में या किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं जो आपकी भाषा में स्वाभाविक है। यदि आपको यह बताना है कि कौन कार्य करता है, तो पौलुष का तात्पर्य है कि वह स्वयं उनसे प्रेम करता है। वैकल्पिक अनुवाद: “मेरे भाई और बहन जिन्हें मैं प्यार करता हूँ”

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

## 1 कुरिन्थियों 15:58 (#3)

“दृढ़ और अटल”

यहाँ, दृढ़ और अटल उन लोगों को संदर्भित करते हैं जो अपनी स्थिति को स्थिरता से बनाए रखते हैं। शब्द दृढ़ इस बात पर जोर देता है कि कोई व्यक्ति विश्वसनीय या वफादार है, जबकि अटल इस बात पर जोर देता है कि कोई व्यक्ति स्थिर है और उसे हिलाया नहीं जा सकता। पौलुस दो समान शब्दों का उपयोग एक स्थिति बनाए रखने की आवश्यकता पर जोर देने के लिए करते हैं। यदि आपकी भाषा में इन विचारों को व्यक्त करने के लिए दो शब्द नहीं हैं, या यदि आपके पाठकों को पुनरावृत्ति जोर देने के बजाय भ्रमित करेगी, तो आप इस विचार को एक शब्द या वाक्यांश के साथ व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “विश्वसनीय” या “अपने विश्वास में मजबूत”

देखें: द्विरावृत्ति (डबलेट)

## 1 कुरिन्थियों 15:58 (#2)

”

“पौलुस किसी ऐसे व्यक्ति की बात करता है जिसे उसके निर्णयों को पूरा करने से कोई नहीं रोक सकता है जैसे कि वह शारीरिक रूप से हिलाया नहीं जा सकता। वैकल्पिक अनुवाद: ””ठान लो””

देखें: रूपक

## 1 कुरिन्थियों 15:58 (#5)

“प्रभु के काम में”

अगर आपकी भाषा में काम के पीछे के विचार के लिए भाववाचक संज्ञा का इस्तेमाल नहीं किया गया है, तो आप “काम” जैसी क्रिया का इस्तेमाल करके विचार को व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “आप प्रभु के लिए कैसे काम करते हैं”

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

## 1 कुरिन्थियों 15:58 (#3)

“और प्रभु के काम में सर्वदा बढ़ते जाओ”

“पौलुस परमेश्वर के काम करने के प्रयासों की बात करता है जैसे कि वे वस्तुएं थीं कि एक व्यक्ति अधिक प्राप्त कर सकता था। वैकल्पिक अनुवाद: ””सदैव परमेश्वर के लिए विश्वासयोग्यता से काम करें””

देखें: रूपक

## 1 कुरिन्थियों 15:58 (#7)

“जानते हो”

यहाँ, जानते हो इस कारण का परिचय देता है कि क्यों कुरिन्युस के विश्वासियों को वह करना चाहिए जो पौलुस उन्हें करने की आज्ञा दे रहा है। यदि आपके पाठक यह नहीं पहचानते कि जानते हो किसी कारण या आधार का परिचय देता है, तो आप उस विचार को स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “क्योंकि आप जानते हैं” या “चूँकि आप जानते हैं”

देखें: जोड़ें — कारण-और-परिणाम सम्बन्ध

## 1 कुरिन्थियों 15:58 (#8)

### "तुम्हारा परिश्रम"

अगर आपकी भाषा में **परिश्रम** के पीछे के विचार के लिए भाववाचक संज्ञा का उपयोग नहीं किया गया है, तो आप "श्रम" जैसी क्रिया का उपयोग करके विचार व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "आप कैसे श्रम करते हैं"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

## 1 कुरिन्थियों 15:58 (#9)

### "व्यर्थ नहीं है"

यहाँ, **व्यर्थ नहीं है** एक ऐसे कारण की पहचान की जाती है जिसका इच्छित प्रभाव नहीं होता है। इस मामले में, कुरिन्थुस के विश्वासियों का श्रम व्यर्थ नहीं है क्योंकि यह प्रभु में है और इस प्रकार इसके इच्छित प्रभाव की ओर ले जाएगा। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप **व्यर्थ नहीं है** को एक ऐसे शब्द या वाक्यांश के साथ व्यक्त कर सकते हैं जो एक ऐसे कारण की पहचान करता है जिसका इच्छित प्रभाव नहीं होता है। वैकल्पिक अनुवाद: "बिना किसी उद्देश्य के" या "बिना कुछ के"

देखें: मुहावरा

## 1 कुरिन्थियों 15:58 (#10)

### "प्रभु में"

यहाँ पौलुस **प्रभु** में स्थानिक रूपक का उपयोग करके विश्वासियों की प्रभु के साथ एकता का वर्णन करते हैं। इस मामले में, **प्रभु में** होना या प्रभु के साथ एकीकृत होना यह बताता है कि क्यों कुरिन्थुस के विश्वासियों के लिए यह "जानना" संभव है कि उनका **परिश्रम प्रभु में व्यर्थ नहीं है**। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इस मुहावरे के पीछे के विचार को किसी तुलनीय रूपक का उपयोग करके व्यक्त कर सकते हैं या विचार को सीधे व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "प्रभु के साथ एकता में" या "क्योंकि आप प्रभु के साथ एकीकृत हैं"

देखें: रूपक

## 1 कुरिन्थियों 16:1 (#1)

""

Connecting Statement:\n\nअपने समापन शब्दों में, पौलुस कुरिन्थियों के विश्वासियों को यरूशलेम में अभावग्रस्त विश्वासियों के लिए धन इकट्ठा करने की याद दिलाता है। वह उन्हें याद दिलाता है कि तिमुथियुस पौलुस के पास जाने से पहले उनके पास आएगा

## 1 कुरिन्थियों 16:1 (#2)

### "चन्दे"

संयोजक वाक्यः: यहाँ, **चन्दे** का मतलब है वह धन जो किसी खास उद्देश्य के लिए लोगों से "एकत्रित" किया जाता है। यहाँ पौलुस स्पष्ट करते हैं कि यह **पवित्र लोगों** के लिये "चन्दा" लिया गया था। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप **चन्दे** को एक शब्द या वाक्यांश के साथ व्यक्त कर सकते हैं जो किसी उद्देश्य के लिए "एकत्रित" किए गए धन को संदर्भित करता है। वैकल्पिक अनुवाद: "भेंट" या "पैसा"

देखें: अज्ञातों का अनुवाद करें

## 1 कुरिन्थियों 16:1 (#3)

""

पौलुस यरूशलेम और यहूदिया के गरीब यहूदी मसीहियों के लिए अपनी कलीसिया से धन इकट्ठा कर रहा था।

## 1 कुरिन्थियों 16:1 (#4)

"जैसा निर्देश मैंने गलातिया की कलीसियाओं को दिया, वैसा ही तुम भी करो।"

यदि आपकी भाषा आमतौर पर आदेश (**तुम भी करो**) को तुलना (**जैसा**) से पहले रखती है, तो आप इन वाक्यांशों के क्रम को उलट सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जैसा मैंने गलातिया की कलीसियाओं को आदेश दिया था वैसा ही तुम्हें भी करना चाहिए"

देखें: सूचना संरचना

## 1 कुरिन्थियों 16:2 (#1)

### "सप्ताह के पहले दिन"

यहाँ, **सप्ताह** के पहले दिन यहूदियों के तिथि-पत्र में सप्ताह के पहले दिन को संदर्भित करता है, जिसे हम रविवार कहते हैं। यह वह दिन भी है जब मसीही विशेष सभाएँ आयोजित करते थे क्योंकि यीशु इस सप्ताह के दिन मृतकों में से जी उठे थे। अगर यह आपकी भाषा में मददगार हो, तो आप **सप्ताह**

के पहले दिन को सामान्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं, जो कि सप्ताह का पहला दिन रविवार है, जिस दिन मसीही परमेश्वर की आराधना के लिए इकट्ठा होते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "हर रविवार" या "आराधना का दिन"

देखें: मुहावरा

## 1 कुरिन्थियों 16:2 (#2)

"तुम में से हर एक" - "कुछ"

यहाँ पौलुस तृतीय पुरुष के आदेश का उपयोग करते हैं। यदि आपकी भाषा में तृतीय पुरुष के आदेश हैं, तो आप यहाँ एक का उपयोग कर सकते हैं। यदि आपके पास तृतीय पुरुष के आदेश नहीं हैं, तो आप इस विचार को "चाहिए" या "जरूरी है" जैसे शब्दों का उपयोग करके व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "आप में से प्रत्येक को कुछ करना चाहिए।"

देखें: तृतीय-पुरुष अनिवार्यताएँ

## 1 कुरिन्थियों 16:2 (#3)

"तुम में से हर एक" - "कुछ] अपने पास रख छोड़ा करे"

यहाँ, {कुछ} अपने पास रख छोड़ा करे करने का अर्थ है कि कुछ रुपये-पैसे को अपने घर में एक विशेष स्थान पर रखना ताकि बाद में किसी विशेष उद्देश्य के लिए उपयोग किया जा सके। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप {कुछ} अपने पास रख छोड़ा करे को एक ऐसे वाक्यांश के साथ व्यक्त कर सकते हैं जो रुपये-पैसे को एक विशेष स्थान पर रखने का संदर्भ देता है। वैकल्पिक अनुवाद: "तुम में से प्रत्येक व्यक्ति एक विशेष स्थान पर कुछ पैसे रखें" या "तुम में से प्रत्येक व्यक्ति कुछ अलग से रखें"

देखें: मुहावरा

## 1 कुरिन्थियों 16:2 (#1)

""

"संभावित अर्थ हैं: 1) ""इसे घर पर रखें"" या 2) ""इसे कलीसिया के साथ छोड़ दें"""

## 1 कुरिन्थियों 16:2 (#5)

"अपनी आमदनी के अनुसार"

यहाँ, अपनी आमदनी के अनुसार वह दर्शाता है कि एक व्यक्ति ने कितना पैसा कमाया। यहाँ, यह वाक्यांश विशेष रूप से निम्नलिखित का उल्लेख कर सकता है: (1) किसी व्यक्ति ने जितना आवश्यक या अपेक्षित था उससे कितना अधिक कमाया। पौलुस इस प्रकार कुरिन्थियों से कह रहे होंगे कि वे अपने द्वारा प्राप्त अतिरिक्त धन में से {कुछ} अपने पास रख छोड़ा करे। वैकल्पिक अनुवाद: "जो कुछ आपने अपेक्षा से अधिक कमाया" (2) किसी विशेष अवधि में व्यक्ति ने कितना कमाया। पौलुस इस प्रकार कुरिन्थियों से कह रहे होंगे कि वे {कुछ} अपने पास रख छोड़ा करे उस अनुपात में जितना उन्होंने एक सप्ताह के दौरान कमाया। वैकल्पिक अनुवाद: "जितना आपने उस सप्ताह कमाया उसके अनुसार"

देखें: मुहावरा

## 1 कुरिन्थियों 16:2 (#6)

"अपनी आमदनी के अनुसार"

हालाँकि अपनी पुलिंग है, लेकिन, पौलुस इसका इस्तेमाल किसी भी व्यक्ति को संदर्भित करने के लिए कर रहे हैं, चाहे वह पुरुष हो या महिला। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप अपनी को एक गैर-लिंगीय शब्द से व्यक्त कर सकते हैं या दोनों लिंगों को संदर्भित कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "आप समृद्ध हो सकते थे" या "वह समृद्ध हो सकता था"

देखें: जब पुलिंग शब्दों में स्त्रियाँ भी सम्मिलित होती हैं

## 1 कुरिन्थियों 16:2 (#7)

"मेरे आने"

यहाँ पौलुस भविष्य में किसी समय कुरिन्थियों से मिलने की अपनी योजना के बारे में बात कर रहे हैं। अपने भाषा में एक ऐसा रूप उपयोग करें जो भविष्य की यात्रा योजनाओं को दर्शाता है। वैकल्पिक अनुवाद: "मैं वहाँ पहुँचूँगा जहाँ आप रहते हैं"

देखें: जाएँ और आएँ

## 1 कुरिन्थियों 16:2 (#2)

""

ताकि जब मैं तुम्हारे पास आऊँ तो तुमको अधिक पैसा इकट्ठा नहीं करना पड़ेगा

**1 कुरिन्थियों 16:3 (#1)****"तो जिन्हें तुम चाहोगे"**

"पौलुस कलीसिया को उनमे कुछ लोगों को चुनकर उनकी भेट यरूशलैम ले जाने के लिए कह रहा है। ""जिसे तुम चुनते हो"" या ""जिन लोगों को तुम नियुक्त करते हो"""

**1 कुरिन्थियों 16:3 (#2)****"तो जिन्हें तुम चाहोगे उन्हें मैं चिद्वियाँ देकर भेज दूँगा"**

यहाँ पौलुस पहले यह पहचानते हैं कि वह किसके बारे में बात कर रहे हैं (जिन्हें तुम चाहोगे) और फिर अगले वाक्यांश में उन्हें का उपयोग करके उस वाक्यांश का संदर्भ देते हैं। यदि आपके पाठकों को यह संरचना भ्रमित करने वाली लगे, तो आप वाक्य को पुनर्गठित कर सकते हैं और यह संकेत दे सकते हैं कि पौलुस किस बारे में बात कर रहे हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "आप जिसे स्वीकार करेंगे मैं उसे भेजूँगा"

देखें: सूचना संरचना

**1 कुरिन्थियों 16:3 (#2)****"चिद्वियाँ देकर भेज दूँगा"**

"संभावित अर्थ 1) ""मैं उन पत्रों के साथ भेजूँगा जो मैं लिखूँगा"" या 2) ""मैं उन पत्रों के साथ भेजूँगा जो तुम लिखोगे!"""

**1 कुरिन्थियों 16:3 (#4)****"तुम्हारा दान"**

यहाँ, **तुम्हारा दान** उन रूपये-पैसे को संदर्भित करता है जो कुरिन्थियों ने "इकट्ठा" किए हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप **तुम्हारा दान** को स्पष्ट करके व्यक्त कर सकते हैं कि यह रूपये-पैसे का **दान** है जिसे उन्होंने "रख छोड़ा" है। वैकल्पिक अनुवाद: "आपके रूपये-पैसे" या "आपका योगदान"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

**1 कुरिन्थियों 16:4 (#1)****"यदि मेरा भी जाना उचित हुआ, तो वे मेरे साथ जाएँगे"**

यहाँ पौलुस एक सच्ची संभावना प्रस्तुत करने के लिए यदि का उपयोग करते हैं। उनका मतलब है कि **मेरा (उनका) भी जाना उचित हुआ**, या नहीं भी हो सकता है। वह उस परिणाम

को निर्दिष्ट करते हैं कि **यह उचित होता है**। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इस रूप को एक शब्द या वाक्यांश जैसे "मान लीजिए" या "यदि ऐसा होता" के साथ प्रस्तुत करके व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मान लीजिए कि मेरा भी जाना उचित है। तो, वे जाएंगे" या "अगर मेरा भी जाना उचित होता, तो वे जाते"

देखें: जोड़ें — काल्पनिक स्थितियाँ

**1 कुरिन्थियों 16:4 (#2)****"उचित हुआ"**

यहाँ, **उचित** एक क्रिया को पहचानता है जो स्थिति के अनुकूल है या मेल खाती है। पौलुस स्पष्ट रूप से यह नहीं बताते कि जाना **उचित हुआ** कौन सोचता है। यह हो सकता है: (1) दोनों पौलुस और कुरिन्थियों। वैकल्पिक अनुवाद: "हम इसे उचित मानते हैं" (2) केवल पौलुस। वैकल्पिक अनुवाद: "मुझे लगता है कि यह उपयुक्त है"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

**1 कुरिन्थियों 16:4 (#3)****"मेरा भी जाना उचित हुआ, तो वे मेरे साथ जाएँगे"**

यहाँ, **जाना** यरूशलैम की यात्रा को संदर्भित करता है। किसी ऐसे शब्द या वाक्यांश का उपयोग करें जो किसी अलग स्थान की यात्रा को संदर्भित करता हो। वैकल्पिक अनुवाद: "मैं भी यात्रा करूँ, वे मेरे साथ यात्रा करेंगे" या "मैं भी यरूशलैम जाऊँ, वे मेरे साथ चलेंगे"

देखें: जाएँ और आएँ

**1 कुरिन्थियों 16:5 (#1)****"और"**

यहाँ, **और** एक नए विषय को प्रस्तुत करता है: पौलुस की अपनी यात्रा योजनाएँ। यह पिछले पद के साथ विरोधाभास उत्पन्न नहीं करता है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप **और** को एक शब्द या वाक्यांश के साथ व्यक्त कर सकते हैं जो एक नए विषय को प्रस्तुत करता है, या आप इसे बिना अनुवादित किए छोड़ सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "अब"

देखें: शब्दों और वाक्यांशों को जोड़ना

## 1 कुरिन्थियों 16:5 (#2)

"मैं" - "तुम्हारे पास आऊँगा"

यहाँ पौलुस अपनी भविष्य की यात्रा योजना के बारे में बात कर रहे हैं कि वह किसी समय पर कुरिन्थियों से मिलने आएँगे। अपने भाषा में उस रूप का उपयोग करें जो किसी से मिलने के लिए भविष्य की यात्रा योजनाओं को दर्शाता है। वैकल्पिक अनुवाद: "मैं वहाँ आऊँगा जहाँ आप रहते हैं"

देखें: जाँ और आँ

## 1 कुरिन्थियों 16:5 (#3)

"मैं" - "होकर तुम्हारे पास आऊँगा" - "मुझे" - "होकर जाना ही है"

यहाँ, होकर आऊँगा और होकर जाना यात्रा करते समय किसी क्षेत्र में प्रवेश करने और फिर बाहर निकलने को संदर्भित करता है। अपनी भाषा में इस प्रकार की गतिविधि को संदर्भित करने वाला एक रूप उपयोग करें। वैकल्पिक अनुवाद: "मैंने प्रवेश किया और फिर निकल गया ... मैं प्रवेश कर रहा हूँ और फिर छोड़ रहा हूँ"

देखें: जाँ और आँ

## 1 कुरिन्थियों 16:5 (#4)

"मैं" "होकर" - "आऊँगा"

यहाँ पौलुस ऐसे बोलते हैं मानो वह यह पत्र लिखते समय मकिदुनिया होकर जा रहे हो। वह इस तरह से बोलते हैं क्योंकि यह उनकी वर्तमान योजना है कि वह इफिसुस छोड़ने पर मकिदुनिया होकर गुजरेंगे। यदि यह आपकी भाषा में उपयोगी हो, तो आप बता सकते हैं कि पौलुस यहाँ वर्तमान काल में क्यों बोल रहे हैं, जबकि आपकी भाषा में यात्रा योजनाओं के बारे में बात करने के लिए जो काल प्रयोग किया जाता है, वह भी उसी काल में है। वैकल्पिक अनुवाद: "मैं जाऊँगा"

देखें: भविष्यसूचक भूतकाल

## 1 कुरिन्थियों 16:6 (#1)

"सम्भव है"

यहाँ, सम्भव है इंगित करता है कि पौलुस को यह निश्चित नहीं है कि वह कुरिन्थियों के साथ कितने समय तक रहेंगे। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप सम्भव है को एक ऐसे शब्द के साथ व्यक्त कर सकते हैं जो अनिश्चितता या

आत्मविश्वास की कमी को दर्शाता है। वैकल्पिक अनुवाद: "संभवतः" या "हो सकता है"

देखें: अज्ञातों का अनुवाद करें

## 1 कुरिन्थियों 16:6 (#1)

""

इसका मतलब है कि वे पौलुस को पैसे या अन्य चीजों को दे सकते हैं ताकि वह और उसकी सेवकाई का समूह यात्रा जारी रख सके।

## 1 कुरिन्थियों 16:6 (#3)

"जिस ओर मेरा जाना हो"

यहाँ, जिस ओर मेरा जाना हो उस स्थान की पहचान करता है जहाँ पौलुस कुरिन्थियों से मिलने के बाद जाएँगे, लेकिन यह नहीं बताता कि वह स्थान कहाँ है। दूसरे शब्दों में, पौलुस कहीं और यात्रा करेंगे, लेकिन वह नहीं बताते कि कहाँ। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप जिस ओर मेरा जाना हो को एक शब्द या वाक्यांश के साथ व्यक्त कर सकते हैं जो अज्ञात या अनिर्दिष्ट गंतव्य की यात्रा को संदर्भित करता है। वैकल्पिक अनुवाद: "मैं जिस भी शहर में जाना चाहूँ"

देखें: मुहावरा

## 1 कुरिन्थियों 16:6 (#4)

"मेरा जाना हो"

यहाँ, जाना इस बात को दर्शाता है कि कैसे पौलुस के कुरिच्युस को छोड़कर किसी दूसरी जगह की यात्रा करेंगे। अपनी भाषा में इस तरह की गतिविधि का वर्णन करने वाले शब्द का प्रयोग करें। वैकल्पिक अनुवाद: "मैं जा सकता हूँ" या "मैं यात्रा कर सकता हूँ"

देखें: जाँ और आँ

## 1 कुरिन्थियों 16:7 (#1)

"भेंट करना"

यहाँ, भेंट करना का मतलब सिर्फ उन्हें देखना नहीं बल्कि उनके साथ समय बिताना है। यदि आपकी भाषा में यह अधिक उपयुक्त हो, तो आप भेंट करना को एक समान मुहावरे के साथ व्यक्त कर सकते हैं या विचार को सीधे व्यक्त

कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मूलाकात करना" या "समय बिताना"

देखें: उपलक्षण

## 1 कुरिन्थियों 16:7 (#2)

"अब"

यहाँ, अब का अर्थ पौलुस के कुरिन्थियों में जल्द से जल्द पहुँचने से है। यह एक बाद में होने वाली और अधिक समय तक चलने वाली यात्रा के विपरीत है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप अब को एक शब्द या वाक्यांश के साथ व्यक्त कर सकते हैं जो निकट भविष्य को संदर्भित करता है। वैकल्पिक अनुवाद: "बहुत जल्द"

देखें: भविष्यसूचक भूतकाल

## 1 कुरिन्थियों 16:7 (#1)

"मैं अब" - "तुम से भेंट करना नहीं चाहता"

पौलुस बता रहा है कि वह बाद में लम्बे समय के लिए, नाकि थोड़े समय के लिए यात्रा करना चाहता है।

## 1 कुरिन्थियों 16:7 (#4)

"मार्ग में"

यहाँ, मार्ग में एक छोटे समय, विशेष रूप से दो अन्य घटनाओं के बीच का समय को संदर्भित करता है। पौलुस कहीं और यात्रा करते समय एक छोटी यात्रा का उल्लेख कर रहे हैं। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप मार्ग में को एक तुलनीय वाक्यांश के साथ व्यक्त कर सकते हैं जो एक छोटे समय अवधि को संदर्भित करता है। वैकल्पिक अनुवाद: "जैसे-जैसे मैं यात्रा करता हूँ" या "संक्षेप में"

देखें: मुहावरा

## 1 कुरिन्थियों 16:7 (#5)

"कुछ समय तक"

यहाँ, कुछ समय तक का अर्थ मार्ग में की तुलना में अधिक समय की अवधि से है। पिछले पद में पौलुस ने जो कहा (16:6), उसे देखते हुए, यह शायद "सर्दी" जितनी लंबी अवधि को संदर्भित करता है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप कुछ समय तक को एक शब्द या वाक्यांश के साथ

व्यक्त कर सकते हैं जो एक पूरे मौसम जितनी लंबी अवधि को संदर्भित करता है। वैकल्पिक अनुवाद: "कुछ समय के लिए"

देखें: मुहावरा

## 1 कुरिन्थियों 16:7 (#6)

"यदि प्रभु चाहे"

यहाँ, यदि प्रभु चाहे का अर्थ है कि पौलुस ने उन तरीकों से यात्रा करने की योजना बनाई है, जिनका उन्होंने वर्णन किया है, लेकिन वह यह स्वीकार करते हैं कि यह केवल तभी होगा जब प्रभु उन्हें ऐसा करने की अनुमति देंगे। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप इस वाक्यांश को एक तुलनीय वाक्यांश के साथ व्यक्त कर सकते हैं जो किसी ईश्वर की अनुमति या इच्छा को संदर्भित करता है। वैकल्पिक अनुवाद: "यदि प्रभु चाहेंगे" या "यह देखते हुए कि प्रभु मुझे ऐसा करने की अनुमति देते हैं"

देखें: मुहावरा

## 1 कुरिन्थियों 16:9 (#1)

"एक बड़ा" - "द्वार खुला है"

पौलुस ने उस अवसर की बात जो परमेश्वर ने उसे सुसमाचार में लागों को जीतने के लिए दिया है जैसे कि यह एक दरवाजा था जिसे परमेश्वर ने खोला था ताकि वह उसमें से चल सके।

देखें: रूपक

## 1 कुरिन्थियों 16:9 (#2)

"एक बड़ा और उपयोगी द्वार खुला है"

यहाँ पौलुस ऐसे बोलते हैं जैसे द्वार स्वयं खुलता है, लेकिन वह यह संकेत देते हैं कि "परमेश्वर" ही हैं जिन्होंने द्वार खोला है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप यह स्पष्ट करके व्यक्त कर सकते हैं कि द्वार खुला है कि परमेश्वर इसे खोलते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "परमेश्वर ने एक बड़ा और प्रभावी द्वार खोला है"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित ज्ञानकारी

## 1 कुरिन्थियों 16:9 (#3)

"और"

यहाँ, और यह प्रस्तुत कर सकता है: (1) एक और कारण जिसके लिए पौलुस इफिसुस में रहने की योजना बना रहे हैं।

दूसरे शब्दों में, वे “खुले द्वार” का लाभ उठाने के लिए रुकते हैं और क्योंकि उन्हें उन लोगों का सामना करना है जो उनका “विरोध” करते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “और भी” (2) एक संभावित कारण कि पौलुस इफिसुस में नहीं रहेंगे। पौलुस कह रहे होंगे कि “खुला द्वार” रहने के लिए पर्याप्त कारण है, भले ही बहुत लोग उनका “विरोध” करते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “भले ही”

देखें: शब्दों और वाक्यांशों को जोड़ना

## 1 कुरिन्थियों 16:9 (#4)

“बहुत से”

पौलुस लोगों के एक समूह का वर्णन करने के लिए संज्ञा के रूप में विशेषण बहुत का उपयोग कर रहे हैं। आपकी भाषा भी इसी तरह विशेषणों का उपयोग कर सकती है। यदि नहीं, तो आप इसे एक संज्ञा वाक्यांश के साथ अनुवाद कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “कई लोग”

देखें: संज्ञात्मक विशेषण

## 1 कुरिन्थियों 16:10 (#1)

“यदि तीमुथियुस आ जाए”

पौलुस ऐसे बोल रहे हैं जैसे तीमुथियुस का आना एक काल्पनिक संभावना हो, लेकिन उनका मतलब है कि यह वास्तव में सच है। उन्होंने पहले ही कहा है कि उन्होंने तीमुथियुस को कुरिन्थियों के पास भेजा है (देखें: 4:17)। वह यहाँ यदि का उपयोग यह दर्शने के लिए कर रहे हैं कि उन्हें यह नहीं पता कि तीमुथियुस कब आएंगे, न कि यह कि उन्हें यह संदेह है कि तीमुथियुस आएंगे या नहीं। यदि आपकी भाषा में कुछ निश्चित या सत्य होने पर उसे शर्त के रूप में नहीं कहा जाता है, और यदि आपके पाठक सोच सकते हैं कि पौलुस जो कह रहे हैं वह निश्चित नहीं है, तो आप उनके शब्दों का अनुवाद एक सकारात्मक कथन के रूप में कर सकते हैं। यदि संभव हो, तो तीमुथियुस के आगमन के समय की अनिश्चितता का विचार शामिल करें। वैकल्पिक अनुवाद: “जब तीमुथियुस अंततः आएंगे”

देखें: जोड़ें — तथ्यात्मक स्थितियाँ

## 1 कुरिन्थियों 16:10 (#2)

“आ जाए”

यहाँ पौलुस इस बारे में बात कर रहे हैं कि कैसे तीमुथियुस कुरिन्थियों के पास आएंगे। अपनी भाषा में ऐसे शब्द का प्रयोग

करें जो किसी व्यक्ति के निवास स्थान पर उनसे मिलने आने को संदर्भित करता हो। वैकल्पिक अनुवाद: “आपसे मिलने आता है”

देखें: जाएँ और आएँ

## 1 कुरिन्थियों 16:10 (#1)

“देखना, कि वह तुम्हारे यहाँ निडर रहे”

देखें कि उसको तुम्हारे साथ होकर डरने का कोई कारण नहीं है

## 1 कुरिन्थियों 16:10 (#4)

“वह तुम्हारे यहाँ निडर रहे”

यहाँ पौलुस का तात्पर्य है कि कुरिन्थियों द्वारा तीमुथियुस को “डराया” जा सकता है। पूरे पत्री में यह स्पष्ट है कि कुछ कुरिन्थी पौलुस से असहमत हैं और यहाँ तक कि उनका विरोध भी करते हैं। पौलुस यह सुनिश्चित करना चाहते हैं कि कुरिन्थी तीमुथियुस के साथ बुरा व्यवहार न करें क्योंकि उनका पौलुस के साथ संबंध है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप यह विचार अधिक स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकते हैं कि पौलुस क्यों सुनिश्चित करना चाहते हैं कि तीमुथियुस निडर रहें। वैकल्पिक अनुवाद: “आप उसे डराते नहीं” या “वह आपके कारण डरता नहीं है”

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

## 1 कुरिन्थियों 16:10 (#5)

“वह” - “प्रभु का काम करता है”

यदि आपकी भाषा में काम के पीछे के विचार के लिए कोई भाववाचक संज्ञा नहीं है, तो आप इस विचार को व्यक्त करने के लिए “काम” जैसी क्रिया का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “वह प्रभु के लिए सेवा कर रहे हैं”

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

## 1 कुरिन्थियों 16:11 (#1)

“”

क्योंकि तीमुथियुस पौलुस से बहुत छोटा था, कभी-कभी उसे सुसमाचार के सेवक के रूप में सम्मानित नहीं किया गया था।

## 1 कुरिन्थियों 16:11 (#2)

"कोई उसे तुच्छ न जाने"

यहाँ, तुच्छ का अर्थ है कि लोग दूसरों जो निम्न स्थिति वाले व्यक्ति हैं उनसे कैसा व्यवहार करते हैं, जिसमें उन्हें नीची नज़र से देखना और उनकी अनदेखी करना शामिल है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप तुच्छ को एक शब्द या वाक्यांश के साथ व्यक्त कर सकते हैं जो बताता है कि लोग निम्न स्थिति वाले व्यक्तियों के साथ बुरा व्यवहार कैसे करते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "कोई उनका तिरस्कार न करे" या "कोई भी उसका अपमान न करे"

देखें: अज्ञातों का अनुवाद करें

## 1 कुरिन्थियों 16:11 (#3)

"उसे कुशल से इस ओर पहुँचा देना"

यहाँ, [16:6](#) की तरह ही, लोगों को **कुशल से इस ओर पहुँचा देना** उनके मार्ग पर उनकी सहायता करने, यात्रा के लिए आवश्यक चीजों, जैसे भोजन और रुपये-पैसे, के साथ उनकी सहायता करने का अर्थ रखता है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप उसे **कुशल से इस ओर पहुँचा देना** को एक तुलनीय वाक्यांश के साथ व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "उसे वह दें जो उसे यात्रा करने के लिए चाहिए"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

## 1 कुरिन्थियों 16:11 (#4)

"कुशल से"

यदि आपकी भाषा में **कुशल** के विचार के लिए कोई भाववाचक संज्ञा नहीं है, तो आप इस विचार को "शांतिपूर्वक" जैसे क्रिया विशेषण का उपयोग करके व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "शांतिपूर्वक" या "शांतिपूर्ण तरीके से"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

## 1 कुरिन्थियों 16:11 (#5)

"मेरे पास आ जाए"

यहाँ, **आ जाए** इस बात को संदर्भित करता है कि तीमुथियुस कैसे कुरिन्थियुस से वापस उस जगह जाएंगे जहाँ पौलुस हैं। अपनी भाषा में इस प्रकार की गतिविधि का स्वाभाविक रूप से वर्णन करने वाला शब्द प्रयोग करें। वैकल्पिक अनुवाद: "वह मेरे पास लौट सकता है""

देखें: जाएँ और आएँ

## 1 कुरिन्थियों 16:11 (#6)

"उसकी प्रतीक्षा करता रहा हूँ, कि वह भाइयों के साथ आए"

यहाँ **पौलुस प्रतीक्षा** कर रहे हैं कि तीमुथियुस वापस उसी जगह जाएंगे जहाँ पौलुस हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इस विचार को अधिक स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकते हैं कि **प्रतीक्षा** का अर्थ क्या है। वैकल्पिक अनुवाद: "मैं आशा कर रहा हूँ कि वह भाइयों के साथ लौटेंगे"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

## 1 कुरिन्थियों 16:11 (#7)

"उसकी प्रतीक्षा करता रहा हूँ, कि वह भाइयों के साथ आए"

यहाँ, **भाई** का अर्थ हो सकता है: (1) तीमुथियुस के साथ यात्रा कर रहे हैं, और पौलुस तीमुथियुस के साथ उनकी वापसी की आशा कर रहे हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मैं उनकी और भाइयों की आशा कर रहा हूँ" (2) पौलुस के साथ, तीमुथियुस की वापसी की आशा कर रहे हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मैं, भाइयों के साथ, उनकी आशा कर रहा हूँ"

## 1 कुरिन्थियों 16:11 (#8)

"भाइयों के साथ"

पौलुस इस बारे में कोई जानकारी नहीं देते कि **भाइयों** कौन हैं या वे तीमुथियुस से कैसे संबंधित हैं। वह अगले पद में [\(16:12\)](#) फिर से उसी **भाइयों** के दल का उल्लेख कर सकते हैं। यदि संभव हो, तो अन्य विश्वासियों को संदर्भित करने के लिए एक सामान्य या उपयुक्त वाक्यांश का उपयोग करें। वैकल्पिक अनुवाद: "साथी विश्वासियों के साथ"

देखें: जानकारी को अंतर्निहित कब रखना चाहिए

## 1 कुरिन्थियों 16:11 (#9)

"भाइयों"

हालाँकि **भाइयों** का अर्थ पुलिंग है, लेकिन पौलुस इसे किसी भी विश्वासी के लिए उपयोग कर रहे हैं, चाहे वह पुरुष हो या महिला। यह संभव है कि **भाइयों** पुरुष थे, लेकिन पौलुस उनके लिंग पर ध्यान नहीं दे रहे हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप **भाइयों** को गैर-लिंगीय शब्द से व्यक्त

कर सकते हैं या दोनों लिंगों को संदर्भित कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "भाई और बहनें"

देखें: जब पुल्लिंग शब्दों में स्त्रियाँ भी सम्मिलित होती हैं

## 1 कुरिन्थियों 16:12 (#1)

"और"(अब इस विषय में)

[16:1](#) में अब इस विषय में जिसका इस्तेमाल केवल मूल भाषा में है, यह एक नए विषय को प्रस्तुत करता है जिसे पौलुस संबोधित करना चाहते हैं। संभवतः, इस तरीके से जो विषय वे प्रस्तुत करते हैं, वे वही हैं जिनके बारे में कुरिन्थियों ने उन्हें लिखा था। [16:1](#) में जैसे आपने अब उस चन्दे के विषय में का अनुवाद किया था, वैसे ही यहाँ भी करें। वैकल्पिक अनुवाद: "अगला, लगभग"

देखें: शब्दों और वाक्यांशों को जोड़ना

## 1 कुरिन्थियों 16:12 (#1)

"भाई अपुल्लोस"

"यहाँ शब्द ""हमारा"" पौलुस और उसके पाठकों को संदर्भित करता है, इसलिए यह संयुक्त किया हुआ है।

देखें:

## 1 कुरिन्थियों 16:12 (#3)

"तुम्हरे पास" - "जाए" - "उसने" - "जाने की" - "आ जाएगा"

यहाँ, जाए का अर्थ है अपुल्लोस का कुरिन्थुस की ओर उस स्थान से यात्रा करना जहाँ पौलुस है। अपनी भाषा में इस प्रकार की गतिविधि का वर्णन करने वाला शब्द प्रयोग करें। वैकल्पिक अनुवाद: "वह जाएगा ... वह जाएगा ... वह जाएगा"

देखें: जाएँ और आएँ

## 1 कुरिन्थियों 16:12 (#4)

"भाईयों के साथ"

पौलुस इस बारे में कोई जानकारी नहीं देते कि भाईयों कौन हैं या वे अपुल्लोस से कैसे संबंधित हैं। यह वही भाईयों का दल हो सकता है जिसका पौलुस ने पिछले पद में उल्लेख किया था ([16:11](#)), या यह वे तीन लोग हो सकते हैं जिनका पौलुस [16:17](#) में उल्लेख करते हैं। यदि संभव हो, तो अन्य विश्वासियों को संदर्भित करने के लिए एक सामान्य या व्यापक

वाक्यांश का उपयोग करें। वैकल्पिक अनुवाद: "साथी विश्वासियों के साथ"

देखें: जानकारी को अंतर्निहित कब रखना चाहिए

## 1 कुरिन्थियों 16:12 (#5)

"भाईयों"

हालाँकि भाईयों पुल्लिंग है, लेकिन पौलुस इसका उपयोग किसी भी विश्वासी के लिए कर रहे हैं, चाहे वह पुरुष हो या महिला। यह संभव है कि भाईयों पुरुष थे, लेकिन पौलुस उनके लिंग पर ध्यान केंद्रित नहीं कर रहे हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप भाईयों को गैर-लिंगीय शब्द से व्यक्त कर सकते हैं या दोनों लिंगों को संदर्भित कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "भाई और बहनें"

देखें: जब पुल्लिंग शब्दों में स्त्रियाँ भी सम्मिलित होती हैं

## 1 कुरिन्थियों 16:12 (#6)

"परन्तु उसने इस समय जाने की कुछ भी इच्छा न की"

यदि आपकी भाषा में इच्छा के पीछे के विचार के लिए कोई भाववाचक संज्ञा नहीं है, तो आप इस विचार को "निर्णय लेना" या "चुनना" जैसी क्रिया का उपयोग करके व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "यह बिल्कुल भी वह नहीं था जो उसने चुना" या "उसने निश्चित रूप से नहीं चुना"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

## 1 कुरिन्थियों 16:12 (#7)

"कुछ भी"

यहाँ, कुछ भी अपने आप में नहीं की तुलना में एक अधिक मजबूत नकारात्मकता व्यक्त करता है। एक ऐसा शब्द या वाक्यांश का उपयोग करें जो नकारात्मकता को और अधिक प्रबल बनाता है। वैकल्पिक अनुवाद: "बिल्कुल नहीं"

देखें: अज्ञातों का अनुवाद करें

## 1 कुरिन्थियों 16:12 (#8)

"उसने" - "इच्छा"

यहाँ पौलुस यह स्पष्ट नहीं करते कि वह किसकी इच्छा का उल्लेख कर रहे हैं। यह हो सकता है: (1) अपुल्लोस की इच्छा। यह अगले वाक्य के साथ मेल खाता है, जहाँ अपुल्लोस ही तय करेंगे कि बाद में कब आना है। वैकल्पिक

अनुवाद: “अपुल्लोस की इच्छा” (2) परमेश्वर की इच्छा, जिन्होंने किसी तरह अपुल्लोस को दिखाया कि उन्हें कुरिन्थ्युस नहीं जाना चाहिए। वैकल्पिक अनुवाद: “परमेश्वर की इच्छा”

देखें: पदलोप

## 1 कुरिन्थियों 16:12 (#9)

**“इस समय”**

यहाँ, **इस समय** उस यात्रा का उल्लेख है जो इस पत्री को प्राप्त करने वालों ने की थी। **अपुल्लोस** ने इस यात्रा पर न जाने का निर्णय लिया। ऐसा शब्द या वाक्यांश इस्तेमाल करें जो इस पत्री को ले जाने वालों की यात्रा के समय को बताता हो। वैकल्पिक अनुवाद: “इस समय” या “इस यात्रा पर”

देखें: भविष्यसूचक भूतकाल

## 1 कुरिन्थियों 16:12 (#10)

**“परन्तु जब अवसर पाएगा”**

यहाँ, **परन्तु जब अवसर पाएगा** उस समय को संदर्भित करता है जब किसी कार्य के लिए स्थिति सही या उपयुक्त होती है। सबसे अधिक संभावना है कि, पौलुस का मतलब है कि **अपुल्लोस** कुरिन्थियों का दैरा तब करेंगे जब उनके पास समय होगा और जब उन्हें लगेगा कि ऐसा करने का यह उचित समय है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप **जब अवसर पाएगा** को एक शब्द या वाक्यांश के साथ व्यक्त कर सकते हैं जो किसी चीज़ के लिए उपयुक्त समय की पहचान करता है। वैकल्पिक अनुवाद: “जब उनके पास मौका होगा” या “जब समय सही होगा”।

देखें: अज्ञातों का अनुवाद करें

## 1 कुरिन्थियों 16:12 (#11)

**“जब अवसर पाएगा”**

यदि आपकी भाषा में **अवसर** के विचार के लिए कोई भाववाचक संज्ञा नहीं है, तो आप “उपयुक्त” या “उपलब्ध” जैसे विशेषण का उपयोग करके विचार व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “जब यह उपयुक्त हो” या “जब वह उपलब्ध हो”।

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

## 1 कुरिन्थियों 16:13 (#1)

“”

पौलुस यह वर्णन कर रहा है जो वह कुरिन्थियों से कराना चाहता है जैसे वह युद्ध में सैनिकों को चार आदेश दे रहा था। इन चार आदेशों का लगभग एक ही अर्थ है और महत्व के लिए उपयोग किया जाता है।

देखें: समांतरता

## 1 कुरिन्थियों 16:13 (#2)

**“जागते रहो”**

“पौलुस लोगों के बारे में बताता है कि जो हो रहा है उसके प्रति जागरूक रहे जैसे कि वे एक नगर या दाख की बारी के रक्षक निगरानी रख रहे थे। यह और स्पष्ट रूप से कहा जा सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: “”सावधान रहें जिन पर आप भरोसा करते हैं”” या “”खतरे की निगरानी करें””

देखें: रूपक

## 1 कुरिन्थियों 16:13 (#3)

“”

“पौलुस अपने शिक्षण के अनुसार मसीह में विश्वास करने वाले लोगों की बात करता है जैसे कि वे दुश्मनों का हमला होते समय पीछे हटने से इंकार कर रहे थे। संभावित अर्थ 1) “”दृढ़ता से विश्वास रखें कि हमने तुम्हें क्या सिखाया है”” या 2) “”मसीह में दृढ़ता से भरोसा रखें””

देखें: रूपक

## 1 कुरिन्थियों 16:13 (#4)

**“विश्वास में”**

यदि आपकी भाषा में **विश्वास** के पीछे के विचार के लिए एक भाववाचक संज्ञा का उपयोग नहीं होता है, तो आप इस विचार को किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। यहाँ, **विश्वास** मुख्य रूप से निष्पत्तिकृत का संदर्भ दे सकता है: (1) विश्वास करने की क्रिया। वैकल्पिक अनुवाद: “जैसे आप विश्वास करते हैं” या “कैसे आप विश्वास करते हैं” (2) जो वे विश्वास करते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “जो आप विश्वास करते हैं”

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

## 1 कुरिन्थियों 16:13 (#4)

### "पुरुषार्थ करो"

"जिस समाज में पौलुस और उसके दर्शक रहते थे, आम तौर पर पुरुष भारी काम करके और आक्रमणकारियों के खिलाफ लड़कर परिवारों की देखभाल करते थे। यह और स्पष्ट रूप से कहा जा सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: ""उत्तरदायी बनो""

देखें: रूपक

## 1 कुरिन्थियों 16:13 (#6)

### "बलवन्त हो"

यहाँ, बलवन्त हो का अर्थ शारीरिक ताकत से नहीं है, बल्कि मानसिक शक्ति या दृढ़ संकल्प से है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप बलवन्त हो को मानसिक शक्ति या दृढ़ संकल्प को प्रेरित करने वाले शब्द या वाक्यांश के साथ व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "लगातार लगे रहो"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

## 1 कुरिन्थियों 16:14 (#1)

""

जो कुछ भी तुम करते हो उनसे लोगों को दिखाना चाहिए कि तुम उन्हें प्यार करते हो

## 1 कुरिन्थियों 16:14 (#2)

### "जो कुछ"

यहाँ, जो कुछ का अर्थ उन सभी बातों से है जो एक व्यक्ति सोचता और करता है। यदि आपके पाठक जो कुछ को गलत समझे, तो आप एक ऐसी अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं जो उन सभी जो कुछ को संदर्भित करती है जो एक व्यक्ति सोचता और करता है। वैकल्पिक अनुवाद: "तुम जो कुछ भी करते हो" या "सभी बातें जो तुम सोचते और करते हो"

देखें: मुहावरा

## 1 कुरिन्थियों 16:14 (#3)

### "प्रेम से"

यदि आपकी भाषा में प्रेम के विचार के लिए कोई भाववाचक संज्ञा नहीं है, तो आप इस विचार को व्यक्त करने के लिए

"प्रेम" जैसी क्रिया या "स्नेहपूर्ण" जैसे विशेषण का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "प्रेमपूर्ण तरीके से" या "ताकि तुम स्नेहपूर्ण लोग बनो"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

## 1 कुरिन्थियों 16:15 (#1)

""

Connecting Statement:\n\nपौलुस अपने पत्र को बंद करना शुरू कर देता है और अन्य कलीसियाओं, साथ ही प्रिस्का, अकिला और पौलुस की ओर से अभिवादन भेजता है।

## 1 कुरिन्थियों 16:15 (#2)

"हे भाइयों, तुम स्तिफनास के घराने को जानते हो, कि वे अखाया के पहले फल हैं, और पवित्र लोगों की सेवा के लिये तैयार रहते हैं"

संयोजक वाक्य: यहाँ पौलुस एक वाक्य की शुरुआत इस प्रकार करते हैं हे भाइयों, या हिंदी में, मैं आपसे विनती करता हूँ, भाइयों। वह इस वाक्य को अगले पद में जारी रखते हैं "कि ऐसों के अधीन रहो" (देखें: 16:16)। इस पद का शेष भाग उस वाक्य को उन लोगों के बारे में जानकारी के साथ बाधित करता है जिनके बारे में पौलुस बोलने जा रहे हैं। यूएलटी कोष्ठक का उपयोग करके इस रुकावट को इंगित करता है। यदि आपके पाठकों को यह रुकावट भ्रमित करने वाली लगे, तो आप ऐसे मार्कर का उपयोग कर सकते हैं जो आपकी भाषा में इस तरह की रुकावट को इंगित करते हैं, या आप पद को फिर से व्यवस्थित कर सकते हैं ताकि मैं आपसे विनती करता हूँ, अधिक सीधे अगले पद के साथ मेल खाएं। वैकल्पिक अनुवाद: "आप स्तिफनास के घराने को जानते हैं, कि वे अखाया के पहले फल हैं, और उन्होंने संतों की सेवा के लिए खुद को समर्पित कर दिया है। मैं आपसे विनती करता हूँ, भाइयों,"

देखें: सूचना संरचना

## 1 कुरिन्थियों 16:15 (#3)

### "भाइयों"

संयोजक वाक्य: हालाँकि भाइयों का रूप पुल्लिंग में है, पौलुस इसे किसी भी विश्वासी, चाहे पुरुष हो या महिला, दोनों को संदर्भित करने के लिए उपयोग कर रहे हैं। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप भाइयों को गैर-लिंगीय शब्द से व्यक्त कर सकते हैं या दोनों लिंगों को संदर्भित कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "भाइयों और बहनों"

देखें: जब पुलिंग शब्दों में स्त्रियाँ भी सम्मिलित होती हैं

### 1 कुरिन्थियों 16:15 (#2)

"स्तिफनास के घराने को"

स्तिफनुस कुरिंथ में कलीसिया में पहले विश्वासियों में से एक था।

देखें: नामों का अनुवाद कैसे करें

### 1 कुरिन्थियों 16:15 (#5)

"पहले फल"

यहाँ, पहले फल का तात्पर्य उन चीजों से है जो किसान सबसे पहले अपने खेतों से इकट्ठा करते थे। अक्सर, यह पहले फल परमेश्वर को अर्पित की जाती थी ताकि उन्हें भोजन प्रदान करने के लिए धन्यवाद दिया जा सके। पौलुस यहाँ जो जोर देते हैं वह यह है कि **पहले फल** खेत से आने वाले पहले उत्पाद है, हालाँकि इस शब्द का अर्थ यह भी है कि और भी उत्पाद होंगे। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप यह व्यक्त कर सकते हैं कि पौलुस पहले फल का उपयोग यह जोर देने के लिए करते हैं कि **स्तिफनास का घराना यीशु** में विश्वास करने वाले "पहले" थे, इसे किसी उपमा के साथ या सीधे तौर पर व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जैसे पहली फसल क्योंकि वे विश्वास करने वाले पहले थे" या "पहले विश्वासी"।

देखें: रूपक

### 1 कुरिन्थियों 16:15 (#3)

"वे अखाया के"

यह यूनान में एक प्रांत का नाम है।

देखें: नामों का अनुवाद कैसे करें

### 1 कुरिन्थियों 16:15 (#7)

"कि वे" - "सेवा के लिये तैयार रहते हैं"

यहाँ, वे सेवा के लिये तैयार रहते हैं का अर्थ है कि इन लोगों ने अपना अधिकांश समय किसी विशिष्ट कार्य को करने में बिताने का निर्णय लिया है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप सेवा के लिये तैयार रहते हैं को एक शब्द या वाक्यांश के साथ व्यक्त कर सकते हैं जो यह दर्शाता है कि लोग अपना समय किसी एक कार्य को करने में कैसे व्यतीत

करना चुनते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "उन्होंने ध्यान केंद्रित किया है" या "उन्होंने स्वयं को समर्पित किया है"

देखें: अज्ञातों का अनुवाद करें

### 1 कुरिन्थियों 16:15 (#8)

"पवित्र लोगों की सेवा के लिये"

यदि आपकी भाषा में सेवा के पीछे के विचार के लिए कोई भाववाचक संज्ञा नहीं है, तो आप इस विचार को "सहायता" या "सेवा" जैसे क्रिया का उपयोग करके व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "संतों की सहायता करें"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

### 1 कुरिन्थियों 16:16 (#1)

"ऐसों के"

यहाँ, ऐसों के पिछले पद (16:15) में "स्तिफनास के घराने" की ओर संकेत करता है। यह उन सभी की ओर भी संकेत करता है जो उस "घराने" की तरह "पवित्र लोगों की सेवा के लिये तैयार" होते हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप यह व्यक्त कर सकते हैं कि **ऐसों के** "स्तिफनास के घराने" और उनके जैसे अन्य लोगों की ओर संकेत करते हैं, एक ऐसे शब्द या वाक्यांश के साथ जो स्पष्ट रूप से इन दो समूहों की ओर संकेत करता हो। वैकल्पिक अनुवाद: "ऐसे लोग जो उनके जैसे हैं" या "उनके और उनके जैसे लोगों के लिए"

देखें: सर्वनाम — उनका उपयोग कब करें

### 1 कुरिन्थियों 16:16 (#2)

"जो इस काम में परिश्रमी और सहकर्मी हैं"

यदि आपकी भाषा **काम** के पीछे के विचार के लिए एक भाववाचक संज्ञा का उपयोग नहीं करती है, तो आप इस विचार को व्यक्त करने के लिए "काम" जैसी क्रिया का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जो साथ में कार्य कर रहे हैं"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

### 1 कुरिन्थियों 16:16 (#3)

"जो इस काम में परिश्रमी और सहकर्मी हैं"

यहाँ, काम में परिश्रमी और सहकर्मी हैं बहुत समान अर्थ रखते हैं। वाक्यांश काम में सहकर्मी हैं इस बात पर जोर देता है कि लोग मिलकर काम कर रहे हैं। शब्द परिश्रमी इस बात पर जोर देता है कि लोग कड़ी मेहनत कर रहे हैं। यदि आपकी भाषा में इन विचारों का प्रार्थनिधित्व करने के लिए दो शब्द नहीं हैं, या यदि यहाँ दो शब्दों का उपयोग करना भ्रमित करने वाला होगा, तो आप इन विचारों को एक वाक्यांश में मिला सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जो कड़ी मेहनत करने में एक साथ शामिल हो रहे हैं"

देखें: द्विरावृति

## 1 कुरिन्थियों 16:17 (#1)

"और"

यहाँ, और एक नए विषय की शुरुआत करता है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप और को एक तुलनीय शब्द के साथ व्यक्त कर सकते हैं या इसे बिना अनुवादित किए छोड़ सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "अगला,"

देखें: शब्दों और वाक्यांशों को जोड़ना

## 1 कुरिन्थियों 16:17 (#1)

"मैं स्तिफनास - "फूरतूनातुस और अखइकुस के"

ये पुरुष या तो पहले कुरिन्थियों के विश्वासी या कलीसिया के प्राचीनों में से कुछ थे जो पौलुस के साथ सहकर्मी थे।

## 1 कुरिन्थियों 16:17 (#2)

"मैं स्तिफनास - "फूरतूनातुस और अखइकुस के"

ये पुरुषों के नाम हैं।

देखें: नामों का अनुवाद कैसे करें

## 1 कुरिन्थियों 16:17 (#4)

"पूरी की है"

यहाँ, पूरी की का अर्थ कुछ भरना या पूरा करना है। यहाँ पौलुस कहते हैं कि इन तीन आदमियों ने जो कुछ पौलुस और कुरिन्थियों के पास घटी थी, उसे पूरी की, अर्थात् उसे भर दिया या पूरा कर दिया। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप पूरी की को एक ऐसे शब्द या वाक्यांश के साथ व्यक्त कर सकते हैं जो कुछ भरने या पूरा करने का संदर्भ

देता है। वैकल्पिक अनुवाद: "भर दिया है" या "मुझे प्रदान किया है।"

देखें: अज्ञातों का अनुवाद करें

## 1 कुरिन्थियों 16:17 (#3)

""

उन्होंने इस तथ्य को तैयार किया कि तुम यहाँ नहीं थे।

## 1 कुरिन्थियों 16:18 (#1)

"और उन्होंने मेरी" - "आत्मा को चैन दिया है"

पौलुस कह रहा है कि वह उनकी यात्रा से प्रोत्साहित था।

## 1 कुरिन्थियों 16:18 (#2)

"मेरी और तुम्हारी आत्मा"

यहाँ, आत्मा मुहावरे "आत्मा को चैन दिया" का हिस्सा है। यह व्यक्ति की आत्मा, या उनके आंतरिक जीवन को संदर्भित करता है, न कि पवित्र आत्मा को। अगर आपके पाठकों को आत्मा से भ्रमित होने की संभावना है, तो आप उनकी "आत्माओं" के बजाय सिर्फ़ लोगों का ज़िक्र कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मैं और तुम"

## 1 कुरिन्थियों 16:18 (#3)

"तुम्हारी"

यहाँ पौलुस ने वह नहीं लिखा है जो तुम्हारी है। वह ऐसा इसलिए करते हैं क्योंकि उन्होंने इसे पिछले वाक्यांश में कहा था (आत्मा)। यदि आपकी भाषा यहाँ आत्मा को नहीं छोड़ती, तो आप इसे शामिल कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "तुम्हारी आत्माएँ"

देखें: पदलोप

## 1 कुरिन्थियों 16:18 (#4)

"ऐसों को"

यहाँ, ऐसों को उन तीन व्यक्तियों की ओर इशारा करता है जिनका पौलुस ने पिछले पद (16:17) में उल्लेख किया था। यह उन सभी की ओर भी इशारा करता है जो उन व्यक्तियों की तरह दूसरों की आत्मा को "चैन" देते हैं। यदि आपकी

भाषा में यह सहायक हो, तो आप व्यक्त कर सकते हैं कि ऐसों को तीन व्यक्तियों और उनके जैसे अन्य लोगों की ओर इशारा करते हैं, एक ऐसा शब्द या वाक्यांश का उपयोग करके जो स्पष्ट रूप से इन दो समूहों की ओर इशारा करता है। वैकल्पिक अनुवाद: "ऐसे लोग जो वैसे हैं" या "वे और उनके जैसे लोग"।

देखें: सर्वनाम — उनका उपयोग कब करें

### 1 कुरिन्थियों 16:19 (#1)

#### "तुम को नमस्कार" - "बहुत-बहुत नमस्कार"

जैसा कि उनकी संस्कृति में प्रचलित था, पौलुस पत्री का समापन उन लोगों की ओर से अभिवादन भेजकर करते हैं जो उनके साथ हैं और जिन्हें वे लिख रहे हैं। आपकी भाषा में पत्री में अभिवादन साझा करने का एक विशेष तरीका हो सकता है। यदि ऐसा है, तो आप यहाँ उस रूप का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "याद किए जाने के लिए कहें ... उत्साहपूर्वक याद किए जाने के लिए कहें" या "सम्मान भेजें ... उत्साहपूर्वक सम्मान भेजें"

### 1 कुरिन्थियों 16:19 (#2)

#### "बहुत-बहुत"

यहाँ, **बहुत-बहुत** यह दर्शाता है कि **अक्रिला** और **प्रिस्किल्ला** विशेष रूप से जोरदार या अतिरिक्त मित्रता के साथ कुरिन्थियों का **अभिवादन** करना चाहते हैं। एक ऐसा शब्द या वाक्यांश का उपयोग करें जो विशेष रूप से प्रबल या मैत्रीपूर्ण अभिवादन की पहचान करता हो। वैकल्पिक अनुवाद: "गर्मजोशी से"

देखें: मुहावरा

### 1 कुरिन्थियों 16:19 (#3)

#### "प्रभु में"

यहाँ पौलुस स्थानिक रूपक **प्रभु** में का उपयोग विश्वासियों की मसीह के साथ एकता का वर्णन करने के लिए करते हैं। इस मामले में, **प्रभु** में होना, या **प्रभु** में एक होना, **अक्रिला** और **प्रिस्किल्ला** की ओर से अभिवादन को कुछ ऐसा पहचानता है जो वे देते हैं क्योंकि वे और कुरिन्थियों दोनों **प्रभु** में एक हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इस मुहावरे को एक तुलनीय रूपक के साथ व्यक्त कर सकते हैं या विचार को सरलता से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "प्रभु के साथ उनकी एकता में" या "सह-विश्वासियों के रूप में"

देखें: रूपक

### 1 कुरिन्थियों 16:19 (#4)

"अक्रिला और प्रिस्का का और उनके घर की कलीसिया का भी तुम को प्रभु में बहुत-बहुत नमस्कार"

पौलुस ने अपनी भाषा में क्रिया "अभिवादन" को उनके घर की कलीसिया के साथ शामिल नहीं किया है, क्योंकि यह उनकी भाषा में अनावश्यक था। यदि आपकी भाषा में "अभिवादन" शामिल करना आवश्यक है, तो आप (1) **उनके घर की कलीसिया** को **तुम को नमस्कार** से पहले ले जा सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "अक्रिला और प्रिस्किल्ला, उनके घर में कलीसिया के साथ, प्रभु में आपका उत्साहपूर्वक अभिवादन करते हैं" (2) इसे वाक्यांश के साथ और **उनके घर की कलीसिया** के साथ शामिल कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "अक्रिला और प्रिस्किल्ला प्रभु में आपका उत्साहपूर्वक अभिवादन करते हैं, और उनके घर में कलीसिया भी आपका अभिवादन करता है"

देखें: पदलोप

### 1 कुरिन्थियों 16:20 (#1)

#### "सब भाइयों"

यहाँ, **सब भाइयों** का मतलब साथी विश्वासियों से है। वे हो सकते हैं: (1) इफिसुस में सभी (जहाँ पौलुस हैं) जो कुरिन्थियों के विश्वासियों को नमस्कार कहना चाहते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "यहाँ सभी भाई" (2) वे विश्वासी जो पौलुस के साथ यात्रा करते हैं और काम करते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "सभी भाई जो मेरे साथ काम करते हैं"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

### 1 कुरिन्थियों 16:20 (#2)

#### "भाइयों"

हालाँकि **भाइयों** का रूप पुलिंग में है, पौलुस इसका उपयोग किसी भी विश्वासी के लिए कर रहे हैं, चाहे वह पुरुष हों या महिला। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप **भाइयों** को गैर-लिंगीय शब्द से व्यक्त कर सकते हैं या दोनों लिंगों को संदर्भित कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "भाई और बहनें"

देखें: जब पुलिंग शब्दों में स्त्रियाँ भी सम्मिलित होती हैं

## 1 कुरिन्थियों 16:20 (#3)

"नमस्कार"

यहाँ पौलुस अपने साथ मौजूद लोगों का अभिवादन करना जारी रखते हैं। नमस्कार का अनुवाद वैसे ही करें जैसे आपने 16:19 में किया था। वैकल्पिक अनुवाद: "याद रखने के लिए कहें" या "सम्मान भेजें"

## 1 कुरिन्थियों 16:20 (#4)

"आपस में नमस्कार करो।"

चूँकि यह पत्री सार्वजनिक रूप से कुरिन्थियासी विश्वासियों को पढ़ा जाएगा, पौलुस चाहते हैं कि वे इस स्थिति में एक-दूसरे का नमस्कार करें। यदि संभव हो, तो नमस्कार का अनुवाद उसी तरह करें जैसे आपने पहले पद में किया था। यदि आपको इसे अलग तरीके से अनुवाद करना पड़े, तो एक ऐसा शब्द या वाक्यांश प्रयोग करें जो एक-दूसरे से मिलने वाले लोगों के लिए "अभिवादन" का अर्थ देता हो। वैकल्पिक अनुवाद: "एक-दूसरे को अभिवादन कहें" या "एक-दूसरे को स्वीकार करें"

## 1 कुरिन्थियों 16:20 (#5)

"पवित्र चुम्बन से"

यहाँ पवित्र चुम्बन का वर्णन एक चुम्बन के रूप में किया गया है जो विश्वासियों द्वारा अन्य विश्वासियों को दिया जाता था (यही कारण है कि यह पवित्र है)। पौलुस की संस्कृति में, यह किसी ऐसे व्यक्ति का अभिवादन करने का उपयुक्त तरीका था जिसके साथ कोई बहुत निकट हो, जैसे परिवार का सदस्य या एक अच्छा मित्र। आप एक ऐसा अभिवादन उपयोग कर सकते हैं जो करीबी दोस्तों या परिवार के सदस्यों द्वारा उपयोग किया जाता है और स्पष्ट कर सकते हैं कि यहाँ यह पवित्र या मसीही तरीके से उपयोग किया गया है। वैकल्पिक अनुवाद: "एक मसीही अलिंगन के साथ" या "एक गर्मजोशी से भरे तरीके से जो साथी विश्वासियों के लिए उपयुक्त है"।

देखें: अज्ञातों का अनुवाद करें

## 1 कुरिन्थियों 16:21 (#1)

""

पौलुस यह स्पष्ट कर रहा था कि इस पत्र में दिए गए निर्देश उसकी ओर से हैं, यद्यपि उसके एक सहकर्मी ने लिखा जो पौलुस बाकी के पत्र में कह रहा था। पौलुस ने अपने आखिरी भाग को अपने हाथ से लिखा था।

## 1 कुरिन्थियों 16:21 (#2)

"{मुझ} पौलुस का अपने हाथ का लिखा हुआ नमस्कार"

पौलुस की संस्कृति में, एक शास्त्री के लिए यह सामान्य बात थी कि वह पत्री के लेखक द्वारा कही गई बातों को लिखे। पौलुस यहाँ संकेत करते हैं कि वे स्वयं ये अंतिम शब्द लिख रहे हैं। हो सकता है कि उनका मतलब सिफ़्र यही पद हो, या यह पत्री के बाकी हिस्से से हो। वाक्यांश अपने हाथ का का अर्थ है कि यह पौलुस का "अपना हाथ" था जिसने कलम उठाई और लिखा। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अपने हाथ का के पीछे के विचार को एक तुलनीय अभिव्यक्ति का उपयोग करके व्यक्त कर सकते हैं या इसे स्पष्ट करने के लिए कोई अतिरिक्त जानकारी शामिल कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "यह अभिवादन मेरी लिखावट में है" या "यह अभिवादन मैं स्वयं लिखता हूँ"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

## 1 कुरिन्थियों 16:21 (#3)

"पौलुस"

यहाँ, पौलुस अपने बारे में तृतीय पुरुष में बात करते हैं। वह ऐसा अपने नाम को पत्री से जोड़ने के लिए करते हैं, जो दिखाता है कि पत्री स्वयं से पौलुस है और उनके अधिकार को दर्शाता है। यदि आपकी भाषा में पत्री या दस्तावेज़ पर हस्ताक्षर करने के लिए कोई विशेष रूप है, तो आप इसे यहाँ उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मैं पौलुस हूँ"

देखें: प्रथम, द्वितीय या तृतीय पुरुष

## 1 कुरिन्थियों 16:22 (#1)

"यदि कोई प्रभु से प्रेम न रखे"

यहाँ पौलुस इस तरह से बोल रहे हैं कि यदि कुछ लोग प्रभु से प्रेम नहीं करते, लेकिन वह जानते हैं कि यह कुछ लोगों के लिए सत्य है। वह इन लोगों की पहचान करने के लिए यदि का उपयोग करते हैं, जिनसे वह बात कर रहे हैं। यदि आपकी भाषा में लोगों के एक निश्चित समूह की पहचान करने के लिए यदि का उपयोग नहीं किया गया है, तो आप ऐसा रूप इस्तेमाल कर सकते हैं जो ऐसा करता है। वैकल्पिक अनुवाद: "जो कोई प्रभु से प्रेम नहीं करता"

देखें: जोड़ें — तथ्यात्मक स्थितियाँ

## 1 कुरिन्थियों 16:22 (#2)

"तो वह"

हालाँकि वह पुलिंग है, पौलुस इस शब्द का उपयोग किसी भी व्यक्ति को संदर्भित करने के लिए कर रहे हैं, चाहे वह पुरुष हो या महिला। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप वह गैर-लिंगीय शब्द से व्यक्त कर सकते हैं या दोनों लिंगों को संदर्भित कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "उसे रहने दो"

देखें: जब पुलिंग शब्दों में स्त्रियाँ भी सम्मिलित होती हैं

## 1 कुरिन्थियों 16:22 (#3)

"तो वह"

यहाँ पौलुस तृतीय-पुरुष के आदेश का उपयोग करते हैं। यदि आपकी भाषा में तृतीय-पुरुष के आदेश होते हैं, तो आप यहाँ एक का उपयोग कर सकते हैं। यदि आपके पास तृतीय-पुरुष के आदेश नहीं हैं, तो आप इस विचार को "चाहिए" या "हो सकता है" जैसे शब्द या वाक्यांश का उपयोग करके व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "उन्हें शापित होना चाहिए" या "हो सकता है कि वे शापित होंगे"

देखें: तृतीय-पुरुष अनिवार्यताएँ

## 1 कुरिन्थियों 16:22 (#1)

"हमारा प्रभु आनेवाला है"

"परमेश्वर उसे शाप दें। देखें कि ""शापित"" का अनुवाद [1 कुरिन्थियों 12: 3](#) में किया गया था।"

## 1 कुरिन्थियों 16:22 (#5)

"हे हमारे प्रभु, आ!" (मरानाथा)

यह एक अरामी शब्द है। पौलुस ने इसे धूनानी अक्षरों का उपयोग करके लिखा ताकि उनके पाठक जान सकें कि यह कैसे सुनाई देता है। वह मानते हैं कि वे जानते हैं कि इसका अर्थ "हे हमारे प्रभु, आ!" है। आपके अनुवाद में, आप इसे अपनी भाषा में जिस तरह से सुनाई देता है, वैसे ही लिख सकते हैं। यदि आपके पाठक नहीं जानते कि मरानाथा का क्या अर्थ है, तो आप इसके अर्थ की भी व्याख्या कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मरानाथा, जिसका अर्थ है, प्रभु आओ!"

देखें: शब्दों की प्रतिलिपि बनाना या उद्धृत करना

## 1 कुरिन्थियों 16:23 (#1)

"प्रभु यीशु मसीह का अनुग्रह तुम पर होता रहे"

जैसा कि उनकी संस्कृति में प्रथा थी, पौलुस अपने पत्री को कुरिन्थियों के लिए एक आशीर्वाद के साथ समाप्त करते हैं। अपनी भाषा में एक ऐसा रूप उपयोग करें जिसे लोग आशीर्वाद के रूप में पहचान सकें। वैकल्पिक अनुवाद: "आप प्रभु यीशु की दया का अनुभव करें" या "मैं प्रार्थना करता हूँ कि आपको प्रभु यीशु से अनुग्रह प्राप्त हो"

देखें: आशीर्वाद

## 1 कुरिन्थियों 16:23 (#2)

"प्रभु यीशु मसीह का अनुग्रह तुम पर होता रहे"

यदि आपकी भाषा में अनुग्रह के विचार के लिए एक भाववाचक संज्ञा का उपयोग नहीं होता है, तो आप इसे एक विशेषण जैसे "अनुग्रहकारी" या एक क्रिया विशेषण जैसे "अनुग्रहपूर्वक" का उपयोग करके व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "प्रभु यीशु आप पर अनुग्रहकारी हों"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

## 1 कुरिन्थियों 16:24 (#1)

"मेरा प्रेम मसीह यीशु में तुम सब के साथ रहे"

यदि आपकी भाषा में प्रेम के विचार के लिए कोई भाववाचक संज्ञा नहीं है, तो आप इसे एक क्रिया जैसे "प्रेम" या एक क्रिया विशेषण जैसे "प्रेमपूर्ण" का उपयोग करके व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मैं आप सभी के प्रति प्रेमपूर्ण व्यवहार करूँ" या "मैं आप सभी से प्रेम करता हूँ"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

## 1 कुरिन्थियों 16:24 (#2)

"के साथ"

यहाँ पौलुस क्रिया {रहे} का संकेत कर सकते हैं (जो एक इच्छा या आशीर्वाद को दर्शाता है) या क्रिया "है" (जो सत्य को दर्शाता है)। किसी भी स्थिति में, पौलुस का उद्देश्य यह दिखाना है कि वे उन्हें प्रेम दिखाना चाहते हैं। अपनी भाषा में एक शब्द या वाक्यांश का उपयोग करें जो एक समाप्त आशीर्वाद या प्रेम के कथन को दर्शाता है। वैकल्पिक अनुवाद: "को" या "साथ होगा"

देखें: पदलोप

**1 कुरिन्थियों 16:24 (#3)****"मसीह यीशु में"**

यहाँ पौलुस मसीह यीशु में स्थानिक रूपक का उपयोग करके विश्वासियों की मसीह के साथ एकता का वर्णन करते हैं। इस संदर्भ में, **मसीह यीशु में** होना, या मसीह के साथ एकजुट होना, पौलुस के प्रेम को कुछ ऐसा बताता है जो वे इसलिए करते हैं क्योंकि वे और कुरिन्थियों दोनों मसीह के साथ एक हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इस अलंकारिक अभिव्यक्ति को एक तुलनीय रूपक के साथ व्यक्त कर सकते हैं या विचार को सीधे व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "हमारे प्रभु के साथ हमारी एकता में" या "सह-विश्वासियों के रूप में"

देखें: रूपक

**1 कुरिन्थियों 16:24 (#4)****"आमीन"**

कई प्रारंभिक पांडुलिपियों में **आमीन** यहाँ शामिल है। हालाँकि कुछ प्रारंभिक पांडुलिपियों में यह शामिल नहीं है, और यह संभव है कि शास्त्रियों ने इसे जोड़ा हो क्योंकि कुछ पत्रियों के अंत में **आमीन** होता है। विचार करें कि आपके पाठक जिन अनुवादों से परिचित हैं, उनमें यहाँ **आमीन** शामिल है या नहीं। यदि किसी एक विकल्प को दूसरे पर चुनने का कोई ठोस कारण नहीं है, तो आप यूएलटी का अनुसरण कर सकते हैं।

देखें: पाठ्य भिन्नताएँ

**1 कुरिन्थियों 16:24 (#5)****"आमीन"**

**आमीन** एक इब्रानी शब्द है। पौलुस ने इसे यूनानी अक्षरों का उपयोग करके लिखा ताकि उनके पाठक जान सकें कि यह कैसे सुनाई देता है। वह मानते हैं कि वे जानते हैं कि इसका अर्थ "ऐसा ही हो" या "हां, वास्तव में" होता है। आपके अनुवाद में, आप इसे अपनी भाषा में जैसा सुनाई देता है वैसा लिख सकते हैं। यदि आपके पाठक नहीं जानते कि **आमीन** का क्या अर्थ है, तो आप इसका अर्थ भी समझा सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "आमीन, जिसका अर्थ है, 'ऐसा ही हो!'"

देखें: शब्दों की प्रतिलिपि बनाना या उद्धृत करना